

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
मंगळवार दिनांक २८ जानेवारी, २०१४
वेळ दुपारी ३-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ड) (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सर्वसाधारण सभा आज मंगळवार दिनांक २८/०१/२०१४ रोजी दुपारी ३-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|--|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | दुपारी ३-०० वाजतां |
| २. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३. | दुसाणे चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ५. | नलिनीबाई हनुमंत वाडीले | नगरसेविका | ----- " |
| ६. | सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार | नगरसेवक | ----- " |
| ७. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ८. | सदाशिव उत्तमराव पाटील | नगरसेवक | ----- " |
| ९. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| १०. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ११. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १२. | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | नगरसेवक | ----- " |
| १३. | वैभवी अमित दुसाणे | नगरसेविका | ----- " |
| १४. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| १५. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १६. | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १७. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १८. | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १९. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| २०. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| २१. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| २२. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २३. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २४. | आघाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २५. | चंद्रकांत बापु सोनार | नगरसेवक | ----- " |
| २६. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २७. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २८. | मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन)प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|-----|-------------------------------------|-----------|--------------------|
| २९. | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | -----" |
| ३०. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| ३१. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| ३२. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| ३३. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| ३४. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | दुपारी ३-२४ वाजतां |
| ३५. | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | दुपारी ३-०० वाजतां |
| ३६. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | -----" |
| ३७. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| ३८. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| ३९. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ४०. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ४१. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ४२. | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | -----" |
| ४३. | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | -----" |
| ४४. | अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शब्बाल | नगरसेविका | -----" |
| ४५. | पठण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ४६. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ४७. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| ४८. | (मिस्तरी) शोलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४९. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |
| ५०. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | |
| ५१. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | -----" |
| ५२. | सैयद साबीर अली मोतेबर | नगरसेवक | -----" |
| ५३. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | -----" |
| ५४. | महाले मनीषा सतीष | नगरसेविका | -----" |
| ५५. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | -----" |
| ५६. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ५७. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | -----" |
| ५८. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ५९. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | -----" |
| ६०. | सौ अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | -----" |
| ६१. | महाले सतीष दिगंबर | नगरसेवक | -----" |
| ६२. | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | -----" |
| ६३. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----" |
| ६४. | जुलहा रशमीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | -----" |

| | | | |
|-----|----------------|---------|--------|
| ६५. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | -----" |
|-----|----------------|---------|--------|

उपस्थित अधिकारी गण

| अ.नं. | अधिका-यांचे नांव | हुद्दा | उपस्थितीची वेळ |
|-------|------------------|--------------------|--------------------|
| १ | के.व्ही. धनाड | आयुक्त | दुपारी ३-०० वाजतां |
| २ | एच. पी. कवठळकर | उपायुक्त | -----" |
| ३ | प्रदीप पठारे | उपायुक्त | -----" |
| ४ | त्र्यंबक कांबळे | सहा. आयुक्त (कर) | -----" |
| ५ | डी.पी. देवरे | कार्यकारी अभियंता | -----" |
| ६ | मनोज अरविंद वाघ | नगरसचिव | -----" |
| ७ | शांताराम कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | -----" |
| ८ | एस.व्ही. बर्गे | कार्यालयीन अधिक्षक | -----" |
| ९ | आर.एस. बोरसे | अभिलेखापाल | -----" |

मा. महापौर आजच्या महासभेस उपस्थित सन्मा.पदाधिकारी, नगरसेवक बंधु भगिनी, अधिकारी वर्ग, पत्रकार व छायाचित्रकार या सर्वांचे आजच्या माझ्या पहिल्या महासभेत मनःपूर्वक स्वागत करते. आजची ही माझी पहिली महासभा आहे.आज या सभागृहात महिला सदस्यांची संख्या जास्त आहे ही आनंदाची गोष्ट आहे. आपल्या सर्वांना एकत्रितरित्या या धुळे शहराच्या विकासासाठी एकमताने काम करावयाचे आहे.यासाठी मला आपल्या सर्वांचे सहकार्य अपेक्षित आहे. आपण सर्वांनी धुळे शहराच्या सर्वांगीण विकासासाठी व मनपाच्या चांगल्या योजनामध्ये मला सहकार्य करावे ही विनंती करते व पुनर्श्च आपल्या सर्वांचे स्वागत करते. नगरसचिव यांनी महासभेस सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मातरम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावे.

विषय क्रमांक :- १

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५ (२) (ब) चे तरतुदीनुसार तसेच महाराष्ट्र महानगरपालिका (नामनिर्देशित सदस्यांची अर्हता व नियुक्त्या) नियम २०१२ तरतुदीनुसार धुळे महानगरपालिकेत मान्यता प्राप्त पक्षांचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेवून पाच (५) नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशन करणे.

म. महापौर

मा.आयुक्त सां. मनपा धुळे यांचे आलेले शिफारस पत्राचे नगरसचिव यांनी सभागृहास वाचन करून दाखवावे.

म. नगरसचिव

म.आयुक्त सां. मनपा धुळे यांचेकडून प्राप्त झालेला शिफारस अहवालाचे वाचन करण्यांत येत आहे.

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं. १(क)व (ड) (ह) अन्वयेमा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सर्वसाधारण सभा मंगळवार दिनांक २८/०१/२०१४ रोजी दुपारी ३-०० वाजतां महानगरपालिकेच्या सभागृहात आयोजित करण्यांत आलेली आहे. सदर बैठकीत विषय क्रमांक १ अन्वये मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५(२) (ब) चे तरतुदीनुसार तसेच महाराष्ट्र महानगरपालिका (नामनिर्देशित सदस्यांची अर्हता व नियुक्त्या) नियम २०१२ तरतुदीनुसार धुळे महानगरपालिकेत मान्यता प्राप्त पक्षांचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेवून पाच (५) नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशन करणेचा विषय घेणेत आला आहे.

अधिनियमातील तरतुदीनुसार दिनांक २२/०१/२०१४ रोजी सकाळी १०-०० वाजतां सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता/ विविध पक्षांचे गटनेत्यांची बैठक आमचे कार्यालयांत घेण्यांत आली होती.सदर बैठकीत नामनिर्देशित सदस्य पदांसाठीच्या अर्हतेबाबतच्या अधिनियमातील तरतुदीचे माहिती देण्यांत आली.

तसेच नियम ४ मधील (क) ते (छ) मधील अर्हता असणा-या प्रत्येकी एका व्यक्तीची पालिका सदस्य म्हणून नामनिर्देशन सुनिश्चित करण्याचा प्रयत्न करण्यांत यावा. असे नमूद आहे.

म.विभागीय आयुक्त, नाशिक विभाग नाशिक यांचेकडील जा.क्रं.नपा/२/२/३२३/१४, ३२४/१४, ३२५/१४, ३२६/१४, ३२७/१४ दिनांक १५/१/२०१४ अन्वये महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण अर्नहता नियम १९८७ मधील तरतुदीनुसार सदर नियमातील नियम ५ मधील तरतुदीनुसार विभागीय आयुक्त कार्यालयातील नोंदवहीत नमुना नं. IV मध्ये नोंदविण्यांत आलेली आहे. त्यानुसार सदर पत्रातील अनुक्रमानुसार नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

- १) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टीच्या एकुण ३ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- २) धुळे महानगरपालिका शिवसेना पक्षाच्या एकुण ११ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ३) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या एकुण ७ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ४) धुळे शहर विकास आघाडीच्या एकुण १२ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ५) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट या महापालिका पक्षाच्या एकुण ३६ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

धुळे महानगरपालिकेवर ५ नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशनाब्दारे नियुक्ती करणेसाठी एकुण निवडून आलेले ७० सदस्य भागिले नामनिर्देशित करावयाचे ५ सदस्य = म्हणजे एका व्यक्तीचे नामनिर्देशन करणेसाठी १४ सदस्याचे पाठबळ असणे आवश्यक असेल.

उक्त तरतुदीनुसार व मा.विभागीय आयुक्त, नाशिक यांचेकडेस झालेल्या पक्षीय गटांच्या नोंदणीनुसार व उक्त प्रमाणानुसार खालील प्रमाणे पक्ष निहाय संख्याबळ नियमानुसार येत आहे.

- १) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंटचे ३६/१४
= २.५७
- २) धुळे शहर विकास आघाडी १२ / १४ = ०.८५
- ३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना ११ / १४ = ०.७८
- ४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष ७/ १४ = ०.५०
- ५) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी ३/ १४ = ०.२१
बहुजन समाज पार्टी यांनी विभागीय आयुक्त यांचेकडेस नोंदणी केलेली नाही परंतु त्यांचा एक सदस्य निवडून आलेला आहे. त्यांचे संख्याबळ १/ १४ = ०.०७

पक्षीय संख्याबळानुसार व अधिनियमातील तरतुदीनुसार धुळे महानगरपालिकेत खालील प्रमाणे ५ नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशन करता येतील.

| पक्ष / गट / आघाडी | संख्याबळ | फ्रंट | पहिल्या फेरीतील पूर्णाकातीलजागा वाटप | अपूर्णाकातील अतिरिक्त जागा | एकुण जागा |
|--|----------|-------|--------------------------------------|----------------------------|-----------|
| राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंटचे | ३६ | २.५७ | २ | १ | ३ |
| धुळे शहर विकास आघाडी | १२ | ०.८५ | - | १ | १ |
| धुळे महानगरपालिका शिवसेना | ११ | ०.७८ | - | १ | १ |
| धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष | ०७ | ०.५० | - | - | - |
| धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता | ०३ | ०.२१ | - | - | - |

| पार्टी | | | | | |
|-------------------|----|------|---|---|---|
| बहुजन समाज पार्टी | ०१ | ०.०७ | - | - | - |
| एकुण | ७० | | २ | ३ | ५ |

वरील तक्त्यावरुन

- १) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे मनपा धुळे फ्रंट ३ सदस्य
 २) धुळे शहर विकास आघाडी १ सदस्य
 ३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना १ सदस्य

याप्रमाणे ५ नामनिर्देशित सदस्य महानगरपालिकेत नामनिर्देशनाब्दारे येतील.

तसेच गटनेत्यांना नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशन पत्र व शपथ पत्राचा नमुना देण्यात येवून दिनांक २७/१/२०१४ रोजी दुपारी १२-०० वाजेपर्यंत आमचेकडेस गटनेत्यांनी नामनिर्देशन पत्र दाखल करावयाच्या सुचना देण्यांत आल्या तसेच नामनिर्देशित सदस्याचे नामनिर्देशनासाठी अर्हता नुसार नियम ४ (क) ते (छ) प्रमाणे प्रत्येक कॅटेगरीचा १ सदस्य असला पाहिजे असे प्रशासनाचे मत आहे.असे सांगण्यांत आले.

तसेच गटनेत्यांना नामनिर्देशित सदस्यांचे नामनिर्देशन पत्र व शपथ पत्राचा नमुना देण्यात येवून दिनांक २७/१/२०१४ रोजी दुपारी १२-०० वाजेपर्यंत आमचेकडेस गटनेत्यांनी नामनिर्देशन पत्र दाखल करावयाच्या सुचना देण्यांत आल्या तसेच नामनिर्देशित सदस्याचे नामनिर्देशनासाठी अर्हता नुसार नियम ४ (क) ते (छ) प्रमाणे प्रत्येक कॅटेगरीचा १ सदस्य असला पाहिजे असे प्रशासनाचे मत आहे.असे सांगण्यांत आले.

सदर बैठकीत धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या गटनेत्या श्रीमती मोमीन आतिथाबानो दोस्त महंमद यांनी नामनिर्देशित करावयाच्या सदस्यामध्ये भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाचा एक सदस्य बसत आहे.आम्ही त्याबाबतआमचा हरकत अर्ज नोंदवित आहोत.आमच्या हरकतीवर विचार करावा.असे सूचित करून हरकत अर्ज दाखल केला होता.उक्त हरकत अर्जावर मनपा पॅनलवरील ॲड.श्री.समीर पंडीत यांचेकडून कायदेशीर मत मागविण्यांत आलेले आहे.त्यांनी खालीलप्रमाणे प्रामुख्याने मत दिलेले आहे.

१) मुंबई प्रांतिक म.न.पा.अधिनियम १९४९ च्या कलम ३१-अ मधील तरतुदीचेही अत्यंत बारकाईने अवलोकन केले सदर तरतुदीत असे स्पष्ट नमूद आहे की, निवडणूकीनंतर स्थापन झालेली आघाडी/गट/फ्रंट हा निवडणूकीपूर्व स्थापन झालेली आघाडी/ गट/फ्रंट मानली जाईल व आता सदर ३१-अ ची तरतूद वर नमूद नियम ५करीता लागु करण्यात आली आहे.

२) अशा परिस्थितीत हरकतदार यांनी हरकत ही जुन्या नियमावर आधारलेली आहे व हरकतदार यांनी त्यांच्या हरकती सोबत जे निवाडे दाखल केलेले आहेत ते देखील जुन्या नियमावर आधारीत असून ते याकामी लागू नाहीत तसेच त्या निवाड्यातील वस्तुस्थिती आणि या प्रकरणातील वस्तुस्थिती पूर्णपणे वेगळी आहे त्यामुळे हे निवाडे विचारात घेता येत नाहीत.

३) वरील परिस्थितीत दिनांक २८/०१/२०१४ रोजी होणा-या सभेत सन २००७ चे नियम विचारात नघेता सन २०१२ मधील नमूद नवीन नियमच विचारात घेणे गरजेचे आहे.आणि सदर नवीन नियम विचारात घेतले तर हरकतदार यांची हरकत अयोग्य असल्याचे स्पष्ट होते. त्यामुळे त्या हरकती विचारात घेण्याजोग्या नाहीत. असे कळविलेले आहे.

आज दिनांक २७/१/२०१४ रोजी दुपारी १२-०० वाजेपर्यंत खालील नमूद प्रमाणे नामनिर्देशित सदस्य पदासाठी गटनेत्यांकडून एकुण ५ नामनिर्देशन पत्र प्राप्त झालेली आहेत.

| अ. नं. | उमेदवारांचे नांव व पत्ता | वय | उमेदवाराचे मतदार यादी तील प्रभाग क्रं. | उमेदवाराकडे पालिका प्रशासनाचे विशेष ज्ञान अथवा प्रत्यक्ष अनुभव याचा तपशील योग्य प्रमाणात जोडले | नामनिर्देशन पत्र जमा करणा-या /पक्षाचे नांव | गटनेत्यांचे |
|--------|--------------------------|----|--|--|--|-------------|
| | | | | | | |

| | | | व अ.नं. | आहे किंवा नाही | |
|---|--|------------|-------------------------------|--|---|
| १ | श्री. मोरे मनोज दादासाहेब १२, सर्वोदय कॉलनी, दै. आपला महाराष्ट्र मागे, धुळे | ४१ वर्ष | प्रभाग क्रं. १४ अ.नं. ५४०६ | “छ” धुळे जिल्हा शरीर सौष्ठव (हौशी) असो. नों. क्रं. F ८१९१ धुळे सन २००४ पासून उपाध्यक्ष | श्री. कमलेश नारायण देवरे, गटनेता, राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| २ | श्री. गायकवाड जगदिश आप्पाजी जगदिशनगर, भगत बगीचा , धुळे | ६० वर्ष | प्रभाग क्रं. १५ अ.नं. ७१७५ | “छ” विद्यावर्धिनी सभा धुळे या सार्व. विश्वस्त संस्थेचे F-६७ धुळे संस्थेचे १९९४ पासून गहर्नांग कौन्सीलचे सदस्य | श्री. कमलेश नारायण देवरे, गटनेता, राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ३ | श्री. शेख अहमद शे. माबुद अब्बास प्लॉट नं.९९ मिल्लतनगर, बंदे नवाजनगर, धुळे | ५८ वर्ष | प्रभाग क्रं. २८ अ.नं. ८७१ | “छ” नुर एज्युकेशन ऑण्ड वेल्फेअर संस्था, धुळे नों.क्रं. F ०२१६ धुळे कार्य. सदस्य ता. ७/१२/२००१ पासून | श्री. कमलेश नारायण देवरे, गटनेता, राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ४ | श्री. मोरे गणेश रामभाऊ रामालय, १८८१/ ब- २ गल्ली नं. ४ धुळे | ४६ वर्ष | प्रभाग क्रं. २१ अ.नं. २०८४ | “छ”धुळे जिल्हा भोई समाज महासंघ धुळे नों.क्रं. ई ५८५ (धुळे) या संस्थेचे सन २००६ पासून अध्यक्ष | सौ.माधुरी नंदलाल अजळकर, गटनेता, धुळे शहर विकास आघाडी, धुळे |
| ५ | श्री.श्रीखंडे प्रशांत रमेश यशवंतनगर, साक्रीरोड,धुळे | ४० वर्ष | प्रभाग क्रं. १८ अ.नं. ५३४२ | नियम ४मधील “छ”प्रमाणे भाग्यश्री सेवाभावी संस्थेचे अध्यक्ष म्हणून ५ वर्षांचा अनुभव | संजय नारायण गुजराथी, शिवसेना गटनेता, धुळे मनपा |

उपरोक्त प्राप्त नामनिर्देशन पत्राची वउमेदवारांनी दाखल केलेल्या
कागदपत्राची छाननी केलेली असून सर्व नामनिर्देशन वैध आहेत.

दिनांक २२/०१/२०१४ रोजी झालेल्या गटनेत्याच्या बैठकीत नियम ४
मधील (क) ते (छ) मधील अर्हता असणा-या प्रत्येकी एका व्यक्तीची पालिका
सदस्य म्हणून नामनिर्देशन सुनिश्चित करण्याचा प्रयत्न करण्यांत यावा. असे विदित
करण्यांत आले होते.

तथापि उक्त सर्व नामनिर्देशित सदस्य पदासाठी गटनेत्याकडून दाखल
झालेले नामनिर्देशन पत्र हे नियम ४ मधील “छ”मधील अर्हतेनुसार प्राप्त झालेले
आहेत.

महाराष्ट्र महानगरपालिका (नामनिर्देशित सदस्यांची अर्हता व नियुक्त्या)
नियम २०१२ च्या सुधारीत तरतुदीनुसार नियम ४ व ५ मधील तरतुदीनुसार खालील
प्रमाणे५सदस्यांचे नामनिर्देशित सदस्य म्हणून नेमणूक करणेसाठी महानगरपालिकेस
शिफारस करीत आहे.

| अ.नं. | नाव | संपूर्ण पत्ता | पक्ष/आघाडी / फ्रंट |
|-------|--------------------------------|---|---|
| १ | श्री. मोरे मनोज दादासाहेब | १२,सर्वोदय कॉलनी, दै.आपला महाराष्ट्र मागे, धुळे | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| २ | श्री. गायकवाड जगदिश आप्पाजी | जगदिशनगर, भगत बगीचा , धुळे | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ३ | श्री.शेख अहमद शे. माबुद | प्लॉट नं.९९ मिल्लतनगर, | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि |

| | | | |
|---|----------------------------|--------------------------------------|--|
| | अब्बास | बंदे नवाजनगर , धुळे | सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ४ | श्री. मोरे गणेश रामभाऊ | रामालय, १८८१/ब-२, गल्ली नं.४ धुळे | धुळे शहर विकास आघाडी, धुळे |
| ५ | श्री.श्रीखंडे प्रशांत रमेश | यशवंतनगर, साक्रीरोड,धुळे | धुळे महानगरपालिका,शिवसेना पक्ष, धुळे |

याप्रमाणे मा. आयुक्त सां. यांनी महानगरपालिकेकडे स शिफारस केलेली आहे.

मा.महापौर

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५ (२) (ब) चे तरतुदीनुसार तसेच महाराष्ट्र महानगरपालिका (नामनिर्देशित सदस्यांची अर्हता व नियुक्त्या) नियम २०१२ तरतुदीनुसार मा. आयुक्त यांनी नियम ४ च्या छ नुसार ५ नामनिर्देशनाची नोंदणीकृत पक्षीय बलबलानुसार महासभेत शिफारस केल्यानुसार खालील ५ नामनिर्देशित सदस्यांच्या नियुक्तीस सर्वानुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव |
|-------|--------------------------------|
| १ | श्री. मोरे मनोज दादासाहेब |
| २ | श्री. गायकवाड जगदिश आप्पाजी |
| ३ | श्री.शेख अहमद शे. माबुद अब्बास |
| ४ | श्री. मोरे गणेश रामभाऊ |
| ५ | श्री.श्रीखंडे प्रशांत रमेश |

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १ दिनांक २८/०१/२०१४

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ५ (२) (ब) चे तरतुदीनुसार तसेच महाराष्ट्र महानगरपालिका (नामनिर्देशित सदस्यांची अर्हता व नियुक्त्या) सुधारणा नियम २०१२ चे कलम ४ व ५ मधील तरतुदीनुसार पक्षीय बलबलानुसार गटनेत्याच्या शिफारशीसह प्राप्त नामनिर्देशनातून मा. आयुक्त यांनी नियम ४ च्या छ नुसार ५ नामनिर्देशनाची महासभेत शिफारस केल्यानुसार खालील प्रमाणे ५ नामनिर्देशित सदस्यांच्या नियुक्तीस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव | संपूर्ण पत्ता | पक्ष/आघाडी / फ्रंट |
|-------|--------------------------------|---|---|
| १ | श्री. मोरे मनोज दादासाहेब | १२,सर्वोदय कॉलनी, दै.आपला महाराष्ट्र मागे, धुळे | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| २ | श्री. गायकवाड जगदिश आप्पाजी | जगदिशनगर, भगत बगीचा , धुळे | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ३ | श्री.शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | प्लॉट नं.९९ मिल्लतनगर, बंदे नवाजनगर , धुळे | राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, |
| ४ | श्री. मोरे गणेश रामभाऊ | रामालय, १८८१/ब-२, गल्ली नं.४ धुळे | धुळे शहर विकास आघाडी, धुळे |
| ५ | श्री.श्रीखंडे प्रशांत रमेश | यशवंतनगर, साक्रीरोड,धुळे | धुळे महानगरपालिका,शिवसेना पक्ष, धुळे |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/- x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २०(२) चे तरतुदीनुसार स्थायी समितीचे गठन करणेकरिता कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतुदीनुसार स्थायी समितीवर मान्यता प्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन सोळा(१६) स्थायी समिती सदस्यांचे नामनिर्देशन करणे.

म.नगरसचिव

मा.महापौर सो. मनपा धुळे यांनी स्थायी समितीवर नामनिर्देशित करावयाच्या १६ सदस्यांबाबत तसेच महिला बालकल्याण समितीवर नामनिर्देशित करावयाच्या सदस्यांबाबत अधिनियमातील तरतुदीची माहिती देणेसाठी सभागृह नेता, विरोधी पक्ष नेता व मनपातील पक्ष, आघाडी, फ्रंटच्या गटनेत्यांची बेठक दिनांक २२/०१/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां बैठक आयोजित केली होती.

स्थायी समितीवर १६ सदस्य मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियमातील तरतुदीनुसार नामनिर्देशित करावयाचे आहे.

धुळे महानगरपालिकेची तिसरी सार्वत्रिक निवडणूकीचे मतदान १५ डिसेंबर २०१३ रोजी होऊन मतमोजणी दिनांक १६ डिसेंबर २०१३ रोजी झाली असून सदर निवडणूकीत निवडून आलेल्या सदस्यांची नांवे दिनांक १८/१२/२०१३ रोजीच्या शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झाली आहेत. त्यानुसार धुळे महानगरपालिकेत निवडून आलेल्या सदस्यांची पक्षीय स्थिती खालील आहे.

| | |
|----------------------------|---------|
| १) नॅशलिस्ट कॉग्रेस पार्टी | ३४ |
| २) शिवसेना | ११ |
| ३) इंडियन नॅशनल कॉग्रेस | ०७ |
| ४) भारतीय जनता पार्टी | ०३ |
| ५) समाज वादी पार्टी | ०३ |
| ६) बहुजन समाज पार्टी | ०१ |
| ७) लोकसंग्राम | ०१ |
| ८) अपक्ष | १० |
| | एकुण ७० |

सार्वत्रिक निवडणूकीनंतर स्थायी समितीची रचना करणे आवश्यक आहे.

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० अन्वये स्थायी समितीत १६ पालिका सदस्य संख्या निर्धारीत केलेली आहे. तसेच महानगरपालिकेने सार्वत्रिक निवडणूकीनंतर आपल्या पहिल्या सभेत आपल्या पालिका सदस्यांपैकी (सोळा) व्यक्तीची स्थायी समितीचे सदस्य म्हणून नेमणूक केली पाहिजे अशी कलम २० (२) मध्ये तरतूद आहे.

म.विभागीय आयुक्त, नाशिक विभाग नाशिक यांचेकडील जा.क्र.नपा/२/२/३२३/१४, ३२४/१४, ३२५/१४, ३२६/१४, ३२७/१४ दिनांक १५/१/२०१४ अन्वये महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण अनर्हता नियम १९८७ मधील तरतुदीनुसार सदर नियमातील नियम ५ मधील तरतुदीनुसार विभागीय आयुक्त कार्यालयातील नोंदवहीत नमुना नं. IV मध्ये नोंदविण्यांत आलेली आहे. त्यानुसार सदर पत्रातील अनुक्रमानुसार नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

१) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टीच्या एकुण ३ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

- २) धुळे महानगरपालिका शिवसेना पक्षाच्या एकुण ११ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ३) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या एकुण ७ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे
- ४) धुळे शहर विकास आघाडीच्या एकुण १२ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ५) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट या महापालिका पक्षाच्या एकुण ३६ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.या नोंदणीनुसार असलेले पक्ष, आघाडी, व फ्रंट निहाय सदस्य बलाबल येणेप्रमाणे संख्याबळानुसार स्थायी समितीवर खालील प्रमाणे प्रतिनिधीत्व प्रमाण राहील.

७० निवडून आलेले सदस्य भागिले १६ स्थायी समितीवर निवडावयाच्या जागा एकुण प्रमाण ४.३७

उक्त नियमानुसार प्रमाण निश्चिती होत आहे.मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३१अ नुसार प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व देऊन समित्यांवर नामनिर्देशनाब्दारे नियुक्ती करणे बाबत खालील प्रमाणे तरतूद आहे.

१) कोणत्याही समितीवरील पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही त्याने धारण केलल्या कोणत्याही पदाच्या आधारे असेल अशी ज्या बाबतीत या अधिनियमाब्दारे तरतूद करण्यांत आली असेल त्याव्यतिरिक्त एरव्ही, पुढील समित्यांच्या बाबतीत या अधिनियमात अथवा तदन्वये केलेल्या नियमात किंवा उपविधीमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, महानगरपालिकेब्दारे या समित्यांवर केली जाणारी पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही पोट कलम (२) च्या तरतुदीनुसार पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करून करण्यांत येईल. मग ही नियुक्ती नियमित पदावरील असो किंवा नैमित्तिक रिक्त पदावरील असो:-

- अ) स्थायी समिती,
- ब) परिवहन समिती,
- क) कलम ३० अन्वये नियुक्त केलेली कोणतीही विशेष समिती
- २) समितीवर पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करतांना, महानगरपालिका, मान्यताप्राप्त पक्षांचे अथवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे तौलनिक संख्याबळ विचारात येईल आणि सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता व अशा प्रत्येक पक्षाचा किंवा गटाचा नेता यांच्याशी विचार विनियम करून शक्यतोवर, महानगरपालिकेतील अशा पक्षांच्या किंवा गटांच्या संख्याबळाच्या प्रमाणात सदस्याचे नामनिर्देशन करील.

२ {परंतु मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष किंवा गट किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांचे तौलनीक संख्याबळ हे, प्रथमत: पालिका सदस्यांच्या एकुण संख्येला त्या समितीच्या सदस्यांच्या एकुण संख्याबळाने भागून परिगणित करण्यांत येईल व तदनंतर या भागाकाराच्या संख्येने मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष किंवा गट किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येस भागण्यात येईल अशा प्रकारे आलेली संख्या ही त्या त्या मान्यताप्राप्त पक्षांचे किंवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे किंवा आघाडीचे किंवा फ्रंटचे तौलनिक संख्याबळ असेल अशा प्रकारे निश्चित केलेल्या तौलनिक संख्याबळाची संपूर्ण संख्या प्रथम विचारात घेऊन, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला जागा वाटून द्यावयाच्या राहन गेल्यास, त्या जागा तौलनिक संख्याबळातील सर्वात मोठ्या अपूर्णाक संख्येपासून सुरुवात करून तौलनिक संख्याबळातील अपूर्णाक संख्येच्या उत्तरत्या क्रमाने,त्या सर्व जागा वाटून दिल्या जाईपर्यंत, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला प्रत्येकी एक याप्रमाणे वाटून देण्यांत येतील.}

परंतु आणखी असे की, महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण सदस्य अनर्हता अधिनियम १९८६(१९८७ चा महा.२०)मध्येकाहीही अंतर्भूत असले तरी या अधिनियमान्वये मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट यांचे तौलनिक संख्याबळ निश्चित करण्याच्या प्रयोजनाकरिता,निवडणूक निकालांच्या अधिसूचनेच्या दिनाकापासून एक महिन्यांच्या कालावधीच्या आत, मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट अथवा कोणत्याही पक्षाचे किंवा गटाचे नसलेले निर्वाचित पालिका सदस्य यांना एकत्र येऊन आघाडी किंवा फ्रंट तयार करता येईल आणि अशा आघाडीची किंवा फ्रंटची नोंदणी झाल्यावर,अशा आघाडीच्या किंवा फ्रंटच्या सदस्यांना,उक्त अधिनियमाच्या तरतुदी, जणू काही ही आघाडी किंवा फ्रंट निवडणूकी पूर्वीच नोंदणीकृत असल्याप्रमाणे,लागू होतील.

(३)अशा पक्षाच्या किंवा गटाच्या वर्तीने नामनिर्देशित करावयाच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येच्या बाबतीत कोणताही प्रश्न उद्भवल्यास, त्याबाबतीत, महानगरपालिकेचा निर्णय अंतिम असेल.}

उक्त तरतुदीनुसार व मा विभागीय आयुक्त,नाशिक यांचेकडेस झालेल्या पक्षीय गटांच्या नोंदणीनुसार व ४.३७ या प्रमाणानुसार खालील प्रमाणे पक्ष निहाय संख्याबळ नियमानुसार येत आहे

१) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंटचे

३६ /४.३७ = ८.२३

२) धुळे शहर विकास आघाडी १२ / ४.३७ = २.७५

३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना ११ / ४.३७ = २.५१

४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष ७ / ४.३७ = १.६०

५) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी ३ / ४.३७ = ०.६८

बहुजन समाज पार्टी यांनी विभागीय आयुक्त यांचेकडेस नोंदणी केलेली नाही परंतु त्यांचा एक सदस्य निवडून आलेला आहे.त्यांचे संख्याबळ १ / ४.३७ = ०.२२

पक्षीय संख्याबळानुसार व अधिनियमातील तरतुदीनुसार खालील प्रमाणे स्थायी समितीवर १६ सदस्याचे नामनिर्देशन करावे लागेल.

१) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे मनपा धुळे फ्रंट ८ सदस्य

२) धुळे शहर विकास आघाडी ३ सदस्य

३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना २ सदस्य

४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष २ सदस्य

५) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी १ सदस्य

त्यानुसार श्री.कमलेश नारायण देवरे गटनेते राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट,यांनी खालील प्रमाणे ८ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|------------------------------------|
| १ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) |
| २ | शार्दुल दिनेश लहू |
| ३ | वाघ इंदुबाई प्रकाश |
| ४ | बोरसे कल्पना सुरेश |
| ५ | मासुळे अमोल पाववा |
| ६ | साखला गोविंद तुळशिराम |
| ७ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद |
| ८ | जगताप सुभाष सुकलाल |

तसेच शहर विकास आघाडीचे गटनेत्या श्रीमती माधुरी नंदलाल अजळकर यांनी खालील प्रमाणे ३ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|-------------------------------|
| १ | शेख फिरोज बशीर |
| २ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम |
| ३ | आजळकर माधुरी नंदलाल |

तसेच शिवसेना पक्षाचे गटनेते श्री. संजय नारायण गुजराथी यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|---------------------|
| १ | परदेशी नरेंद्र गोटू |
| २ | ठाकरे हिरा प्रभुदास |

तसेच भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या गटनेत्या श्रीमती मोमीन आतियाबानो दोस्त महंमद यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहे.

| | |
|---|------------------------|
| १ | पाटील सदाशिव उत्तमराव |
| २ | डीयालाणी कुमार नरोत्तम |

तसेच भारतीय जनता पक्षाचे गटनेत्या श्रीमती प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी यांनी खालील प्रमाणे १ सदस्यांचे नांव दिलेले आहे.

| | |
|---|-----------------------|
| १ | सौ. वैभवी अमित दुसाणे |
|---|-----------------------|

मा.महापौर

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २०(२) चे तरतुदीनुसार स्थायी समितीवर कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतुदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक २२/१/२०१४ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार खालील प्रमाणे स्थायी समितीवर १६ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ. नं | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|------------------------------------|-------|-------------------------------|
| १ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | ९ | शेख फिरोज बशीर |
| २ | शार्दुल दिनेश लहु | १० | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम |
| ३ | वाघ इंदुबाई प्रकाश | ११ | आजळकर माधुरी नंदलाल |
| ४ | बोगसे कल्पना सुरेश | १२ | परदेशी नरेंद्र गोटू |
| ५ | मासुळे अमोल पावबा | १३ | ठाकरे हिरा प्रभुदास |
| ६ | साखला गोविंद तुळशिराम | १४ | पाटील सदाशिव उत्तमराव |
| ७ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | १५ | डियालाणी कुमार नरोत्तम |
| ८ | जगताप सुभाष सुकलाल | १६ | दुसाणे वैभवी अमित |

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २ दिनांक २८/०१/२०१४

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २०(२) चे तरतुदी नुसार स्थायी समितीवर कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतुदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक २२/१/२०१४ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार खालील प्रमाणे स्थायी समितीवर १६ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ. नं | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|------------------------------------|-------|----------------|
| १ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | ९ | शेख फिरोज बशीर |

| | | | |
|---|-------------------------|----|-------------------------------|
| २ | शार्दुल दिनेश लहु | १० | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम |
| ३ | वाघ इंदुबाई प्रकाश | ११ | आजळकर माधुरी नंदलाल |
| ४ | बोरसे कल्यना सुरेश | १२ | परदेशी नरेंद्र गोटू |
| ५ | मासुळे अमोल पावबा | १३ | ठाकरे हिरा प्रभुदास |
| ६ | साखला गोविंद तुळशिराम | १४ | पाटील सदाशिव उत्तमराव |
| ७ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | १५ | डियालाणी कुमार नरोत्तम |
| ८ | जगताप सुभाष सुकलाल | १६ | दुसाणे वैष्णवी अमित |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/- x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ३

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३०(१) चे तरतुदीनुसार महिला व बालकल्याण समिती गठीत करणेसाठी कलम ३१ अ (१) व (२) चे तरतुदीनुसार महिला बालकल्याण समितीवर मान्यता प्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन महिला व बालकल्याण समितीचे सदस्यांचे नामनिर्देशन करणे.

म. नगरसचिव

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम प्रकरण २ कलम ३० (१) नुसार महानगरपालिकेस वेळोवेळी आपल्या पालिका सदस्यांमधून (महिला व बालकल्याण समितीसह) विशेष समित्यांची नेमणूक करता येईल अशा समित्यांनी महानगरपालिका त्यांना वेळोवेळी जे अनुदेश देईल ते पाळले पाहिजेत. अशी तरतुद आहे.

सार्वत्रिक निवडणूक २०१३ मध्ये निवडून आलेल्या सदस्यांची नांवे दिनांक १८/१२/२०१३ रोजीच्या शासन राजपत्रात प्रसिद्ध झाली आहेत.

त्यानुसार धुळे महानगरपालिकेत निवडून आलेल्या सदस्यांची पक्षीय स्थिती खालील आहे.

| | |
|----------------------------|------|
| १) नॅशलिस्ट कॉग्रेस पार्टी | ३४ |
| २) शिवसेना | ११ |
| ३) इंडियन नॅशनल कॉग्रेस | ०७ |
| ४) भारतीय जनता पार्टी | ०३ |
| ५) समाज वादी पार्टी | ०३ |
| ६) बहुजन समाज पार्टी | ०१ |
| ७) लोकसंग्राम | ०१ |
| ८) अपक्ष | १० |
| | एकूण |
| | ७० |

(१-अ) महिला व बालकल्याण समितीवरील सदस्यांपैकी किमान पंचाहतर टक्के सदस्य हे महिला पालिका सदस्यांमधील असतील.

धुळे महानगरपालिका ठारव नंबर ५दिनांक ३१/१/२००९ नुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करणेसाठी ११ सदस्यांची संख्या व एक वर्षाचा कार्यकाळ निश्चित करण्यांत आलेला आहे.

म.विभागीय आयुक्त, नाशिक विभाग नाशिक यांचेकडील जा.क्र.नपा/२/२/३२३/१४, ३२४/१४, ३२५/१४, ३२६/१४, ३२७/१४ दिनांक १५/१/२०१४ अन्वये महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण अनर्हता नियम १९८७ मधील तरतुदीनुसार सदर नियमातील नियम ५ मधील तरतुदीनुसार विभागीय आयुक्त कार्यालयातील नोंदवहीत नमुना नं. IV मध्ये नोंदविण्यांत आलेली आहे. त्यानुसार सदर पत्रातील अनुक्रमानुसार नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

- १) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टीच्या एकुण ३ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- २) धुळे महानगरपालिका शिवसेना पक्षाच्या एकुण ११ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ३) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉमेस पक्षाच्या एकुण ७ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे
- ४) धुळे शहर विकास आघाडीच्या एकुण १२ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.
- ५) राष्ट्रवादी कॉमेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट या महापालिका पक्षाच्या एकुण ३६ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे. त्या नोंदणीनुसार असलेले पक्ष, आघाडी व फ्रंट निहाय सदस्य बलाबल येथे प्रमाणे:-

महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांची संख्या निश्चित झाल्यास संख्याबळानुसार खालील प्रमाणे प्रतिनिधीत्व प्रमाण राहील.

७० निवडून आलेले सदस्य भागिले ११ स्थायी समितीवर निवडावयाच्या जागा एकुण प्रमाण ६.३६

उक्त प्रमाणे नियमानुसार प्रमाण निश्चिती होत आहे. मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९चे कलम ३१अ नुसार प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व देऊन समित्यांवर नामनिर्देशनाब्दारे नियुक्ती करणे बाबत खालील प्रमाणे तरतूद आहे.

१) कोणत्याही समितीवरील पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही त्याने धारण केलल्या कोणत्याही पदाच्या आधारे असेल अशी ज्या बाबतीत या अधिनियमाब्दारे तरतूद करण्यांत आली असेल त्याव्यतिरिक्त एरव्ही, पुढील समित्यांच्या बाबतीत या अधिनियमात अथवा तदन्वये केलेल्या नियमात किंवा उपविधीमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, महानगरपालिकेब्दारे या समित्यांवर केली जाणारी पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही पोट कलम (२) च्या तरतुदानुसार पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करून करण्यांत येईल. मग ही नियुक्ती नियमित पदावरील असो किंवा नैमित्तिक रिक्त पदावरील असो:-

- अ) स्थायी समिती,
- ब) परिवहन समिती,
- क) कलम ३० अन्वये नियुक्त केलेली कोणतीही विशेष समिती
- ड) कलम ३१ अन्वये नियुक्त केलेली कोणतीही तदर्थ समिती.

२) समितीवर पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करतांना, महानगरपालिका, मान्यताप्राप्त पक्षांचे अथवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे तौलनिक संख्याबळ विचारात येईल आणि सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता व अशा प्रत्येक पक्षाचा किंवा गटाचा नेता यांच्याशी विचार विनिमय करून शक्यतोवर, महानगरपालिकेतील अशा पक्षांच्या किंवा गटांच्या संख्याबळाच्या प्रमाणात सदस्याचे नामनिर्देशन करील.

३) परंतु मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष किंवा गट किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांचे तौलनीक संख्याबळ हे, प्रथमतः पालिका सदस्यांच्या एकुण संख्येला त्या समितीच्या सदस्यांच्या एकुण संख्याबळाने भागून परिगणित करण्यांत येईल व तदनंतर या भागाकाराच्या संख्येने मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येस भागण्यात येईल अशा प्रकारे आलेली संख्या ही त्या मान्यताप्राप्त पक्षांचे किंवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे किंवा आघाडीचे किंवा फ्रंटचे तौलनिक संख्याबळ असेल अशा प्रकारे निश्चित केलेल्या तौलनिक संख्याबळाची संपूर्ण संख्या प्रथम विचारात घेऊन, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला जागा वाटून द्यावयाच्या

राहून गेल्यास, त्या जागा तौलनिक संख्याबळातील सर्वात मोठया अपूर्णक संख्येपासून सुरुवात करून तौलनिक संख्याबळातील अपूर्णक संख्येच्या उतरत्या क्रमाने,त्या सर्व जागा वाटून दिल्या जाईपर्यंत, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला प्रत्येकी एक याप्रमाणे वाटून देण्यांत येतील.}

परंतु आणखी असे की, महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण सदस्य अनर्हता अधिनियम १९८६ (१९८७ चा महा.२०) मध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी या अधिनियमान्वये मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट यांचे तौलनिक संख्याबळ निश्चित करण्याच्या प्रयोजनाकरिता,निवडणूक निकालांच्या अधिसूचनेच्या दिनाकापासून एक महिन्यांच्या कालावधीच्या आत, मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट अथवा कोणत्याही पक्षाचे किंवा गटाचे नसलेले निर्वाचित पालिका सदस्य यांना एकत्र येऊन आघाडी किंवा फ्रंट तयार करता येईल आणि अशा आघाडीची किंवा फ्रंटची नोंदणी झाल्यावर,अशा आघाडीच्या किंवा फ्रंटच्या सदस्यांना,उक्त अधिनियमाच्या तरतुदी, जणू काही ही आघाडी किंवा फ्रंट निवडणूकी पूर्वीच नोंदणीकृत असल्याप्रमाणे,लागू होतील.

(३) अशा पक्षाच्या किंवा गटाच्या वतीने नामनिर्देशित करावयाच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येच्या बाबतीत कोणताही प्रश्न उद्भवल्यास, त्याबाबतीत, महानगरपालिकेचा निर्णय अंतिम असेल.}

उक्त तरतुदीनुसार व मा.विभागीय आयुक्त,नाशिक यांचेकडेस झालेल्या पक्षीय गटांच्या नोंदणीनुसार व ६.३६ या प्रमाणानुसार खालील प्रमाणे पक्ष निहाय संख्याबळ नियमानुसार येत आहे

१) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंटचे

| | | |
|--|-----------|--------|
| | ३६/६.३६ | = ५.६६ |
| २) धुळे शहर विकास आघाडी | १२ / ६.३६ | = १.८८ |
| ३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना | ११ / ६.३६ | = १.७२ |
| ४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष | ७/ ६.३६ | = १.१० |
| ५) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी | ३/ ६.३६ | = ०.४७ |

बहुजन समाज पार्टी यांनी विभागीय आयुक्त यांचेकडेस नोंदणी केलेली नाही परंतु त्यांचा एक सदस्य निवडून आलेला आहे. त्यांचे संख्याबळ १/ ६.३६ = ०.१५

पक्षीय संख्याबळानुसार व अधिनियमातील तरतुदीनुसार महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांची संख्या निश्चित झाल्यास खालील प्रमाणे सदस्याचे नामनिर्देशन करावे लागेल.

| | | |
|---|---|-------|
| १) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे मनपा धुळे फ्रंट | ६ | सदस्य |
| २) धुळे शहर विकास आघाडी | २ | सदस्य |
| ३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना | २ | सदस्य |
| ४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष | १ | सदस्य |

नगरविकास विभागाकडील दिनांक ६ जुलै २०१० च्या शासन परिपत्रकानुसार सभेपूर्वी आपण सदस्य नामनिर्देशित करावयाचे असल्यास एक पाकिट मा. महापौर यांचेकडेस दावयाचे असून दुसरे पाकिट मा.आयुक्त सां.यांचेकडेस द्यावयाचे आहे. आणि सभेच्या दिवशी सभागृहात सदस्य नामनिर्देशित करावयाचे असल्यास त्याबाबतचे पत्र गटनेत्यांनी मा.महापौर सां.यांचेकडेस द्यावयाचे आहे. याप्रमाणे माहिती देण्यांत आली होती.

त्यानुसार श्री.कमलेश नारायण देवरे, गटनेते राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट,यांनी खालील प्रमाणे ६ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|-----------------------------|
| २ | उदासी कशीश गुलशन |
| ३ | पठाण जैबुन्नीसा अशरफ खॉ |
| ४ | जुलाहा नुरुन्नीसा मकबुल अली |
| ५ | नवले शशिकला मोहन |
| ६ | जाधव चंद्रकला माणिक |

तसेच शहर विकास आघाडीचे गटनेत्या श्रीमती माधुरी नंदलाल अजळकर यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|---------------------------|
| १ | शेख फातमा शेख गुलाब |
| २ | दुसाने चित्रकला चंद्रशेखर |

तसेच शिवसेना पक्षाचे गटनेते श्री. संजय नारायण गुजराथी यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|----------------------|
| १ | गवळी मुक्ताबाई भागवत |
| २ | कुवर लताबाई सदाशिव |

तसेच भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या गटनेत्या श्रीमती मोमीन आतियाबानो दोस्त महंमद यांनी खालील प्रमाणे १ सदस्यांची नांवे दिलेली आहे.

| | |
|---|------------------|
| १ | शेख हजराबी महंमद |
|---|------------------|

मा. महापौर

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३० (१) चे तरतूदीनुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करून तसेच कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतूदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक २२/१/२०१४ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार खालील प्रमाणे महिला बालकल्याण समितीवर॑१ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|-----------------------------|-------|-------------------------|
| १ | परदेशी मायादेवी महादेव | ७ | शेख फातमा शेख गुलाब |
| २ | उदासी कशीश गुलशन | ८ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर |
| ३ | पठाण जैबुन्नीसा अशरफखॉ | ९ | गवळी मुक्ताबाई भागवत |
| ४ | जुलाहा नुरुन्नीसा मकबुल अली | १० | कुवर लताबाई सदाशिव |
| ५ | नवले शशिकला मोहन | ११ | शेख हजराबी महंमद |
| ६ | जाधव चंद्रकला माणिक | | |

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३ दिनांक २८/०१/२०१४

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३० (१) चे तरतूदीनुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करून तसेच कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतूदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक २२/१/२०१४ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार खालील प्रमाणे महिला बालकल्याण समितीवर॑१ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|------|-------|------|
|-------|------|-------|------|

| | | | |
|---|-----------------------------|----|-------------------------|
| १ | परदेशी मायादेवी महादेव | ७ | शेख फातमा शेख गुलाब |
| २ | उदासी कशीश गुलशन | ८ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर |
| ३ | पठाण जैबुन्नीसा अशरफखॉ | ९ | गवळी मुक्ताबाई भागवत |
| ४ | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | १० | कुवर लताबाई सदाशिव |
| ५ | नवले शशिकला मोहन | ११ | शेख हजराबी महंमद |
| ६ | जाधव चंद्रकला माणिक | | |

सर्वानुमते मंजुर,
सही/- X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
शुक्रवार दिनांक ३१ जानेवारी २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभा आज शुक्रवार दिनांक ३१/०१/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुढा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | -----छ----- |
| ३ | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | -----छ----- |
| ४ | नलिनीबाई हनुमंत वाडीले | नगरसेविका | -----छ----- |
| ५ | सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार | नगरसेवक | -----छ----- |
| ६ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | -----छ----- |
| ७ | सदाशिव उत्तमराव पाटील | नगरसेवक | -----छ----- |
| ८ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | -----छ----- |
| ९ | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | -----छ----- |
| १० | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | -----छ----- |
| ११ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | नगरसेवक | -----छ----- |
| १२ | वैभवी अमित दुसाणे | नगरसेविका | -----छ----- |
| १३ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | -----छ----- |
| १४ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | -----छ----- |
| १५ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | -----छ----- |
| १६ | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | -----छ----- |
| १७ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | -----छ----- |
| १८ | अन्सारी अफजलुन्नीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | -----छ----- |

| | | | |
|----|--|-----------|--------------------|
| ૧૯ | પઠાણ ઇસ્માઈલ ખા હાજી લુકમાન ખા | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૦ | ઠાકરે હિરા પ્રભુદાસ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૨૧ | મહાજન ગુલાબ જંગલુ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૨ | ચૌધરી પ્રભાવતી રાજેંદ્ર | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૨૩ | વરાડે શરદ એકનાથ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૪ | ચંદ્રકાંત બાપુ સોનાર | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૫ | લહામગે વૈશાળી ભુપેંદ્ર | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૨૬ | ગુજરાથી સંજય નારાયણ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૭ | મંડોરે બિરબાલાદેવી (વાલીબેન) પ્રકાશચંદ્ર | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૨૮ | સાખલા ગોવિંદ તુળશિરામ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૨૯ | ખરાત વિશ્વનાથ પ્રેમદાસ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૩૦ | ગવલી મુક્તાબાઈ ભાગવત | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૩૧ | ઉદાસી કશીશ ગુલશન | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૩૨ | ડિયાલાણી કુમાર નરોત્તમ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૩૩ | ઇશી સુશિલા યશવંત | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૩૪ | પરદેશી નરેંદ્ર ગોટુ | નગરસેવક | સકાળી ૧૧-૧૪ વાજતા |
| ૩૫ | શિરસાઠ જિતેંદ્ર ઉંડા | નગરસેવક | સકાળી ૧૧-૦૦ વાજતાં |
| ૩૬ | જાધવ ચંદ્રકલા માણિક | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૩૭ | જાધવ શકુંતલા શંકર | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૩૮ | જાધવ સંજય સુધાકર | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૩૯ | શિંદે સોનલ દિલીપ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૪૦ | વાઘ ઝંડુબાઈ પ્રકાશ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૧ | પરદેશી માયાદેવી મહાદેવ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૨ | મોમીન અતિયાબાનો દોસ્ત મહમદ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૩ | અન્સારી અકિલ અહ.મહ.સાદિક | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૪૪ | અન્સારી મોહમ્મદ ઉમેર મોહમ્મદ શવ્વાલ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૫ | પઠાણ જૈબુન્નિસા અશરફગ્ભા | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૬ | કરનકાળ લિના યુવરાજ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૭ | અન્સારી હલીમા બાનો મોહમ્મદ શાબાન | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૪૮ | શેખ અરશદ અહમદ ફરીદ અહમદ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૪૯ | (મિસ્તરી) શેલાર દિપક એકનાથ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૦ | જુલાહા નુરુન્નિસા મકબુલ અલી | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૧ | પટેલ મોહમ્મદ અમીન અબ્દુલ કરીમ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૨ | શેખ ફાતમા શેખ ગુલાબ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૫૩ | સૈય્યદ સાબીર અલી મોતેબર | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૪ | શાર્ડુલ દિનેશ લહુ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૫ | મહાલે મનીષા સતીષ | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૫૬ | જાધવ યમુનાબાઈ વસંત | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૫૭ | પાટેલે સંદીપ સુરેશ | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૫૮ | નવલે શશિકલા મોહન | નગરસેવિકા | -----છ----- |
| ૫૯ | માસુલે અમોલ પાવબા | નગરસેવક | -----છ----- |
| ૬૦ | ખતાળ સુભાષ રઘુનાથ | નગરસેવક | -----છ----- |

| | | | |
|----|---------------------------|-----------|-------------|
| ६१ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | -----छ----- |
| ६२ | सौ अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | -----छ----- |
| ६३ | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | -----छ----- |
| ६४ | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | -----छ----- |
| ६५ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----छ----- |
| ६६ | जुलहा रशमीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | -----छ----- |
| ६७ | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | -----छ----- |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|--------------------|---------------------------------|------------------|
| १ | के.क्ही. धनाड | प्र. आयुक्त तथा अतिरिक्त आयुक्त | सकाळी ११-००वाजता |
| २ | एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त स.प. | -----छ----- |
| ३ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त कर | -----छ----- |
| ४ | त्र्यंबक कांबळे | सहा. आयुक्त (कर) | -----छ----- |
| ५ | डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता | -----छ----- |
| ६ | एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | -----छ----- |
| ७ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | -----छ----- |
| ८ | के.ना. कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | -----छ----- |
| ९ | के.एन. शिंदे | अभियंता | -----छ----- |
| १० | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | -----छ----- |
| ११ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | -----छ----- |
| १२ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिक्षक | -----छ----- |
| १३ | एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | -----छ----- |
| १४ | बी.एस. रनाळकर | प्र. वसुली अधिक्षक | -----छ----- |
| १५ | गणेश खोंडे | पकल्प अधिकारी | -----छ----- |
| १६ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | -----छ----- |
| १७ | सौ.एम. उगले | पा.पु. अभियंता | -----छ----- |
| १८ | सौ.सी. बागुल | पा.पु. ओव्हरसिअर | -----छ----- |
| १९ | राजू माईनकर | भांडार लिपीक | -----छ----- |
| २० | आर. एस. बोरसे | अभिलेखापाल | -----छ----- |
| २१ | एस.क्ही. बर्गे | आस्थापना प्रमुख | -----छ----- |
| २२ | तुषार वासुदेव ढाके | सहा. अग्नीशमन अधिकारी | -----छ----- |
| २३ | नंदु बैसाणे | प्रभाग अधिकारी प्र.क्र.४ | -----छ----- |

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेली श्रद्धाजलीची यादी

यादी देण्यांत येते की, विद्यमान सन्मा. सदस्य श्री. गोविंद तुळशीराम साखला यांच्या मातोश्री कस्तुराबाई तुळशीराम साखला यांचे दुखःद निधन झाले.

तरी त्यांना आजच्या महासभेत श्रद्धांजली अर्पण करून तसा ठराव पारीत करावा.

सुचक :- सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार

अनुमोदक:- सुभाष दादा खताळ

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार श्रद्धांजली अर्पण करणेसाठी सर्वांनी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४ दिनांक ३१/०१/२०१४

सन्मा.सदस्याच्या यादीनुसार विद्यमान सन्मा. सदस्य श्री. गोविंद तुळशीराम साखला यांच्या मातोश्री कस्तुराबाई तुळशीराम साखला यांचे दुखःद निधन झाले.

मान्यवरांचे दुःखद निधननिमित्त या सभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उधे राहून भावपूर्ण श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४

मा. महापौर सां.मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार धुळे मनपा मार्फत करण्यांत येणा-या विविध विकास कामांची गुणवत्ता तपासणेकामी त्रि सदस्यीय समिती स्थापन करणेसाठी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५ दिनांक ३१/१/२०१४

मा.महापौरसां.यांच्या पत्रानुसार व कार्यालयीन अहवालाप्रमाणे धुळे महानगरपालिके मार्फत बांधकाम विभाग, पाणीपुरवठा विभाग,विद्युत विभाग या विभागांकडुन शहरात विविध प्रकारची विकास कामे करण्यात येतात.परंतु सदर विकास कामांबाबत नागरीकांकडुन तसेच विविध संस्थांमार्फत सदर विकास कामे हि अंदाजपत्रकांत नमुद केल्याप्रमाणे होत नाहीत. व नाहक कामाबाबत तक्रारी दाखल होतात.

सबब यामुळे महानगरपालिका प्रशासनाची प्रतिमा डागाळली जाते. तरी याबाबत संबंधितांना देयके अदा होण्याअगोदर सदरच्या कामांचा दर्जा व कामाची गुणवत्ता तपासण्यासाठी मनपास्तरावर सक्षम अधिका-यांची त्रिसदस्यीय समिती स्थापन करणेबाबतचा प्रस्ताव सविस्तर कार्यालयीन टिप्पणीसह मान्यतेसाठी मे.महासभेसमोर सादर करावा असे आदेशित केलेले आहे.

सन्मा.नगरसेवकांनी केलेल्या चर्चेनुसार व कार्यालयीन अहवालानुसार मनपाकडेस तांत्रिक अधिका-यांची कमतरता असल्याने व करण्यांत येणा-या विकास कामांची तपासणी करणे गरजेचे आहे. तरी यापुढे धुळे मनपातर्फे विविध विभागामार्फत करण्यांत येणा-या विकास कामांची गुणवत्ता तपासण्यासाठी तसेच करण्यांत येणारेअंदाजपत्रक तपासणी व अन्य अनुषंगिक कामासाठी मनपा स्तरावर सक्षम तज्ज तांत्रिक अधिका-याची तांत्रिक त्रिसदस्यीय समिती स्थापन करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

उक्त समितीत श्री.हिरालाल ओसवाल,सेवानिवृत्त अधिक्षक अभियंता, श्री. प्रभाकर पाटोळे, सेवानिवृत्त अधिक्षक अभियंता,श्री.व्ही.आर.चौधरी, सेवानिवृत्त कार्यकारी अभियंता, या सार्वजनिक बांधकाम विभागातील तज्ज सेवानिवृत्त अधिका-यांची नियुक्ती करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.सदर समितीला अंदाजपत्रकीय रकमेच्या ०.०५% इतके मानधन देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.प्रशासनाने सदर समितीस आवश्यक ते कार्यालय व सुविधा उपलब्ध करून देणेबाबतची कार्यवाही तात्काळ करावी.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ५

मा.महापौर सां. मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार केंद्र शासनाकडून आपतकालीन कामासाठी अनुदान उपलब्ध करणेकामी सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करणे व आर्थिक प्रशासकीय मान्यता घेणेकामी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहराचे क्षेत्रफळ सुमारे ४६.४६ चौरस किमी असून सन २०११ च्या जनगणनेनुसार शहराची लोकसंख्या ३,७५,०९३ एवढी आहे. धुळे शहरात प्राचिन असे आदिशक्ती एकविरादेवीचे स्वयंभु मंदिर असून ते संपुर्ण महाराष्ट्रात ५ वे शक्तीपीठ म्हणुन प्रसिद्ध आहे. या शक्तीपीठात वर्षातुन सुमारे २ वेळा मोठ्या प्रमाणावर यात्रोत्सवाचे आयोजन होते. कुंभमेळ्याप्रसंगी नाशिक येथून प्रकाशे (प्रतिकाशि) मोठ्या प्रमाणावर भाविक यात्रोत्सवासाठी जातात. सदर भाविक हे धुळे येथून मार्गक्रमण करतात. या कालावधीत आपत्कालीन व्यवस्था मोठ्या प्रमाणावर उपलब्ध करून द्यावी लागते. शहरातील रस्ते अन्य सुविधा, घोषित व अघोषित झोपडपट्ट्या सुधारणा यासाठी मोठ्या प्रमाणावर निधीची आवश्यकता आहे. तसेच त्यासाठी तांत्रीक सल्लागार तथा संस्था नियुक्ती करून खालील प्रमाणे प्रस्ताव सादर करणे आवश्यक आहे. यांत आपत्कालीन व्यवस्थापन आराखडा (डिझायस्टर मॅनेजमेंट प्लॅन),GIS मॅपिंग,स्लम सर्वे, मनपाचा ARP तयार करणे या मुद्दांचा समावेश करून शासनाकडे स आर्थिक निधी उपलब्धतेसाठी कार्यवाही करावी लागणार आहे.

सदर कामास आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देण्यांत येत असून याकामी सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करणेकामी तांत्रीक सल्लागार नेमणेस व शासनाकडे स याकामी अनुदान उपलब्धतेसाठी प्रस्ताव सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच शासन अनुदानाव्यातिरिक्त आवश्यक तो खर्च मनपा मार्फत करण्यांस व शासन निकषानुसार आवश्यक तो मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६

मा. महापौर सां. मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार धुळे महानगरपालिका मालकीच्या सर्वे क्र.६१ व ६२ वरखेडीरोड येथे अॅम्युझमेंट पार्क उभारणेकामी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७ दिनांक ३१/०१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका हद्दीत महानगरपालिका मालकीच्या सर्वे क्र. ६१, ६२ व ६३ वरखेडीरोड येथील सुमारे ४ हेक्टर ७८ आर जागेवर अॅम्युझमेंट पार्क उभारता येईल त्यामुळे शहरातील नागरीकांना सोय होणार आहे.

उक्त बाबत सदरच्या ठिकाणी सुमारे ६ एकर जागेवर सद्यास्थितीत कचरा डेपो असून घनकचरा व्यवस्थापन अधिनियम २००५ च्या धोरणानुसार दर ३ वर्षांनी महानगरपालिकेने कचरा डेपोची जागा बदलणेची आवश्यकता आहे. सदरचे ठिकाणी उक्त जागेवर सुमारे १० ते १२ फुट कचरा साचला असून उक्त ठिकाणी कचरा टाकणेस जागा शिल्लक नाही. सदरच्या कचन्याची शासकीय पद्धतीने विल्हेवाट लावणे व मोकळ्या होणाऱ्या जागेवर अॅम्युझमेंट पार्क उभारणे अशी प्रस्तावित संकल्पना आहे.

उक्त बाबत शासनाच्या पर्यावरण /पर्यटन विभागामार्फत अनुदान उपलब्ध होवु शकते. त्यासाठी आवश्यक त्या विविध नमुन्यात ठराव करणे आवश्यक आहे.

तसेच सदर जागेवरील कचरा डेपो हलाविल्याने मनपा मालकीच्या सर्वे क्र.२०७ येथे शासनाकडुन पुढील जागा मिळणेबाबत कचरा टाकता येईल. बिलाडी रोड वरील स्टार्च फॅक्टरीच्या पुढे मनपा हददीबाहेर शासकीय जागा घनकचरा व्यवस्थापनेसाठी मागणी करून त्याठिकाणी सदरचा डेपो उभारता येईल.

यासंदर्भात सन्मा.नगरसेवकांनी केलेल्या चर्चेनुसार व कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका हद्दीत महानगरपालिका मालकीच्या सर्व क्र.६१,६२ व ६३ वरखेडीरोड येथील सुमारे४ हेक्टर ७८आर जागेवर ॲम्युझमेंट पार्क उभारणेस आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच उक्त जागी ॲम्युझमेंट पार्क तयार करणेचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करणेकामी तांत्रीक सल्लागार नेमणेस व शासनाकडेस याकामी अनुदान उपलब्धतेसाठी प्रस्ताव सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.तसेच शासन अनुदानाव्यतिरिक्त आवश्यक तो खर्च मनपा मार्फत करण्यांस व शासन निकषानुसार आवश्यक तो मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ७

जवाहर नवोदय विद्यालय, धुळे यांना पाण्याची व्यवस्था होणेसाठी स्वतंत्र पाईप लाईनद्वारे पाणीपुरवठा करणेकामी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८ दिनांक ३१/१०/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे जवाहर नवोदय विद्यालय, धुळे यांनी पाण्याची व्यवस्था होणेसाठी म.जिल्हाधिकारी यांचेकडील पत्र दिनांक १७/१०/२०१३ नुसार सदर शाळेसाठी पिण्याच्या पाण्याचे नळ कनेक्शनची मागणी केली होती.

त्यानुसार त्याबाबतचे तांत्रिक मार्गदर्शन घेणेसाठी मजिप्रा विभागाकडे पाठविणेत आले होते.मजिप्रा विभागाने दिनांक २९/१०/२०१३ रोजी दिलेल्या पत्रात हनुमान टेकडी येथील उंच संतुलीत जलकुंभ क्षमता २.०० लक्ष लिटर्स मधून पाईपलाईनद्वारे जोडणी करून पाणी पुरवठा करता येईल.असे कळविले आहे.सदर पाणी पुरवठा करतांना मनपा मार्फत योग्य तो करारनामा करणे संबंधित संस्थेस बंधनकारक राहील असा कार्यालयीन अहवाल मे.महासभेकडेस सादर करण्यांत आलेला आहे.

उपरोक्त प्रस्ताव मंजुरीसाठी ठेवला असता उपस्थित सदस्यांनी त्यावर चर्चा केली व चर्चेअंती सदर संस्थेस पाणीपुरवठा करणेस हरकत नाही.परंतु त्यामुळे मनपाच्या पाणीपुरवठा वितरण व्यवस्थेत कुठल्याही प्रकारची अडचण येणार नाही याची दक्षता घेऊन व मनपाच्या अटी शर्तीनुसार स्वतंत्र पाईप लाईनद्वारे पाणीपुरवठा करणेस व नियमानुसार पाणीपट्टी वसूल करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८

मा.महापौर सां.मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार धुळे शहरातील डिजीटल बॅनर बाबत धोरणात्मक निर्णय घेणेकामी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९ दिनांक ३१/१०/२०१४

मा.महापौर सां.मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार शहरातील संपूर्ण पेठ भागात मुख्य रस्ते तसेच प्रमुख चौकांमध्ये डिजीटल बॅनर लावण्यात येतात सदर बॅनर मुदतीनंतरही तसेच असतात. त्यामुळे शहराच्या विद्वृपतेत भर पडुन लहान मोठे अपघात होतात सदर बॅनरमुळे जीवीत हानी झालेली आहे.. तरी संपूर्ण पेठ भागात मुख्य रस्ते व प्रमुख चौकांमध्ये डिजीटल बॅनर लावणेबाबत आवश्यक त्या अटी शर्तीसह धोरणात्मक निर्णय घेण्यासाठी सदर विषय सविस्तर कार्यालयन टिप्पीसह प्रस्ताव मान्यतेसाठी महासभेपुढे सादर करण्यात यावा. या

आशेयाचे पत्र जावक्र /मनपा /स्थिय/१३ दिनांक ०९/०१/२०१४ रोजी माननीय महापौर साहेब यांनी दिले आहे.

प्रस्तुत प्रकरणी नमुना -क (पहा नियम ५)मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २४४ नुसार तात्पुरता जाहिरात परावाना पत्र दिले जाते त्यात जाहिरातीचे ठिकाण,जाहिरात बोर्डची साईंज,जाहिरात बोर्डची संख्या,जाहिरातीची मुदत याच्यासह महानगरपालिकेच्या खालील प्रमाणेअटी व शर्ती लागुकरून सदर डिजीटल बॅनर लावण्या बाबत परवानगी दिली जाते.

- १) संबंधीत पोलिस स्टेशनचा नाहरकत दाखला घेण्याची जबाबदारी संबंधित अर्जदाराची राहिल. तसेच पोलिस स्टेशनाचा नाहरकत दाखला घेतल्याशिवाय सदरची परवानगी ग्राह्य धरण्यात येणार नाही.
- २) राज्य निवडणुक आयोग महाराष्ट्र यांचेकडील पत्र क्र. स्थास्वसं /२०११ /प्र.क्र२५/ का-५ दिनांक २९ डिसेंबर २०११ मधील आदेशाप्रमाणे आचारसंहितेचा भंग होणार नाही याची दक्षता घ्यावी.
- ३) जाहिरातधारकांन फक्त महानगरपालिकेने व पोलिस वाहतुक विभागाने मान्यता दिलेल्या जागेवर आणि वर उललेखलेल्या कालवधीतच जाहिरात बोर्ड उभारावा परवानगी कालावधीमध्ये जाहिरात बोर्ड सुस्थितीत राहीले हे पाहणे केवळ अर्जदाराची जबाबदारी असेल.
- ४) जाहिरात फलकांवर पुढील ३ बाबी ठळकपणे वाचता येतील या स्वरूपात छापणे बंधनकारक राहिल.

अ - जाहिरात परवाना क्रमांक / दिनांक

ब -जाहिरातीची मुदत -

क -जाहिरातीचे ठिकाण

या तीनही बाबी ज्या बोर्डवर प्रसिध्द केलेल्या नसतील /छापलेल्या नसतील तो बोर्ड अनधिकृत असेल व असा बोर्ड काढून टाकला जाईल /जप्त केला जाईल.

- ५) सदर जाहिरात फलकामुळे वाहतुकीची कोंडी व कायदा सुव्यस्थेचा प्रश्न निर्माण झाल्यास प्रायोजक वैयक्तिक जबाबदार राहिल
- ६) सदर फलकातील मजकुर अथवा सांकेतिक चिन्ह अथवा चित्रफोटो व कोणाच्याही जातीधर्माच्या भावना दुखावणारा बदनामीकारक,आक्षेपार्ह असणार नाही याची सर्वस्वी जबाबदारी प्रायोजकावर राहील
- ७) मुदत संपत्ताच सदरच फलक स्वतः काढून घेण्याची जबाबदारी प्रायोजकावर राहिल.
- ८) वरील प्रमाणे कार्यवाहीत कसूर झाल्यास महाराष्ट्र विद्वापीकरण कायदा १९९५ नुसार कार्यवाही प्रायोजकावर करणेत येईल.

याप्रमाणे सध्या स्थीतीत बॅनर लावणेबाबत कार्यवाही करण्यात येते. तरी माननीय महापौर सो.यांचे पत्रानुसार आवश्यक त्या अटी शर्तीसह धोरणात्मक निर्णय घेण्यासाठी प्रस्ताव महासभेपुढे सादर झालेला आहे.

यासंदर्भात सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व आलेल्या कार्यालयीन प्रस्तावा नुसार डिजीटल बॅनर लावणे बाबत कडक कार्यवाही अपेक्षित असून प्रशासनाने सादर केलेल्या अहवालास व अटी शर्तीस मंजुरी देण्यांत येत आहे. तसेच यापूर्वी डिजीटल बॅनरमुळे शाळेकरी मुलाचा अपघाती मृत्यूची घटना घडलेली आहे. त्यामुळे शहरातील मुख्य मार्गावर व चौकांत,वर्दळीच्या ठिकाणी,राष्ट्रीय पुरुषाच्या पुतळ्या सभोवती बॅनर लावणे बाबत बंदी करण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे.डिजीटल बॅनरची दिलेल्या परवानगीची मुदत संपल्यानंतर बॅनर आढळल्यास संबंधितांवर दंडात्मक कार्यवाही तात्काळ करण्यांत यावी. प्रशासनाने याबाबत कडक अंमलबजावणी व कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ९

धुळे मनपा हद्दीत जाहिरात फलक डिजीटल बोर्ड,बॅनर, हार्दीक शुभेच्छा फलक इत्यादीबाबत ठरविण्यांत आलेले दर जास्त असल्याने सदर दर कमी करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १० दिनांक ३१/१/२०१४

धुळे मनपाच्या दि.१७/०२/२०१२ रोजी झालेल्या महासभेत ठराव क्र.६७ दिनांक १७/०२/२०१३ अन्वये धुळे महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होण्याचे दृष्टीने जाहिरात कराच्या दरात खालील प्रमाणे दरवाढ करणेस मंजूरी देणेत आली होती.

तात्पुरत्या स्वरूपातील मुदतीसाठी जाहिरात कराचे दर

| अ.नं | जाहिरातफलक आकारमान | महासभेने सुधारीत केलेले जाहिरात कराचे दर | अनामत रक्कम |
|------|--------------------|--|-------------|
| १ | ५० चौरस फुटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु. ३००/- |
| २ | १०० चौरस फुटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु.६००/- |
| ३ | २०० चौरस फुटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु.१२००/- |

तसेच उभे बोर्डासाठी रु.२/-दर चौरस फुट प्रति दिवस याप्रमाणे आकारणी करण्यास मंजुरी देण्यात आलेली होती. दिर्घ मुदतीसाठी जाहिरात कराचे दर

| अ.नं | जाहिरातीचा प्रकार | सद्यस्थितीतील दर | वाढीव दर |
|------|--|---|---|
| ४ | रोषनाई केलेल्या किंवा इलेक्ट्रॉनिक जाहिरात | ६/-रु.चौ. फुट | ५०/-चौ.फुट |
| ५ | वॉल पॅटींग,संरक्षक कठडे, रस्त्याचे मध्यम, पदपथ, वृक्ष संरक्षण जाळ्या वरील जाहिरात (मनपा ची जागा असल्यास अनामत) | २.२५/-रु.चौरस फुट १५०/-रु.प्रति जाहिरात | २०/-चौ. फुट ५००/- |
| ६ | होल्डीग बोर्ड जागा भाडे अनामत रक्कम (मनपा जागेवर) | ३/-रु.चौ. फुट (१ वर्ष) रु.३००/-प्रति बोर्ड रु.३००/-जाहिरात असे पावेतो पटीने प्र.बो. | २०/-रु.चौ.फुट ६००/-रु. प्रति बोर्ड सूधारीत दराच्या पॅटीने प्रति बोर्ड |
| ७ | जाहिरात कर परवानगी नुतनीकरण अर्ज | रु.२५/- प्रति अर्ज | रु.१००/- |

सदर दर वाढीप्रमाणे पूढील जाहिरात कराची वसुली होणेसाठी व जाहिरातदार व नागरिकांच्या माहिती साठी जाहिरातीचे वाढीव दर वर्तमानपत्रात प्रसिद्ध करणेत आल्यानंतर जाहिरात बोर्डधारक असोसिएशन व सन्मा.नगरसेवकांनी तक्रारी दाखल करून सदर करवाढ अवास्तव व अतिशय अवाजवी स्वरूपाची असल्याने सदर कर वाढ कमी करण्याची मागणी केली. त्यामुळे सदरचा विषय क्र.४८ हा पुनर्श दिनांक २१/६/२०१३ चे महासभेत घेण्यात आला असता त्यात धुळे मनपा ठराव नंबर १८५ दिनांक २१/६/२०१३ अन्वये करवाढीत बदल करण्याचा अधिकार नसल्याने सदर ठराव कायम करण्यात आला.परंतु सन्मा. सदस्यांच्या सुचनेनुसार करवाढीत बदल करण्याचा प्रस्ताव प्रशासनामार्फत तातडीने फेरनिर्णयार्थ महासभेपुढे सादर करावा. असे मंजुर करण्यात आले होते.

सदर प्रस्ताव सभागृहापुढे निर्णयासाठी आला असता सन्मा. नगरसेवकांनी केलेल्या चर्चेनुसार व कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे जाहिरात दर हे अवास्तव असल्याने जाहिरात बोर्डधारक असोसिएशन यांनी तक्रार दाखल करून अर्ज सादर केलेला होता. तसेच वाढीव दरामुळे जाहिरात कर वसुली मध्ये अडचणी निर्माण होऊन मनपाच्या उत्पन्नावर परिणाम होते आहे. त्यामुळे सदर जाहिरात दर हे वाढीव स्वरूपाचे असल्याने यापूर्वी दि. १७/२/२०१२ रोजी झालेला ठराव नंबर ६७ रद्द करण्यांत येत असून पूर्वीच्या असलेल्या जाहिरात दरामध्ये

खालील प्रमाणे सुधारीत दर करून त्याप्रमाणे सुधारीत दरास सर्वानुमते मंजुर करण्यांत येत आहेत. तात्पुरत्या मुदतीसाठी जाहिरात कराचे दर

| | | | |
|-------|--------------------|--|-------------|
| अ.नं. | जाहिरातफलक आकारमान | महासभेने सुधारीत केलेले जाहिरात कराचे दर | अनामत रक्कम |
| १ | ५० चौरस फूटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु. १००/- |
| २ | १०० चौरस फुटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु.३००/- |
| ३ | २०० चौरस फुटास | एक रूपया दर चौरस फुट प्रति दिवस | रु.६००/- |

दिर्घ मुदतीसाठी जाहिरात कराचे दर

| अ.नं | जाहिरातीचा प्रकार | सद्यस्थितीतील दर | वाढीव दर |
|------|--|--|--|
| ४ | रोषनाई केलेल्या किंवा इलेक्ट्रॉनिक जाहिरात | ६/-रु.चौ. फुट | १८ रु. चौ. फुट |
| ५ | बॉल पेटींग, संरक्षक कठडे, रस्त्याचे मध्यम, पदपथ, वृक्ष संरक्षण जाळ्या वरील जाहिरात (मनपा ची जागा असल्यास अनामत) | २.२५/-रु. चौरस फुट | ७ रु. चौ. फुट |
| ६ | होल्डीग बोर्ड जागा भाडे अनामत रक्कम (मनपा जागेवर) | ३/-रु.चौ. फुट (१ वर्ष) रु.३००/-प्रति बोर्ड रु.३००/-जाहिरात असे पावेतो पटीने प्र.बो. | १० रु. चौ. फुट ४०० रु. प्रति बोर्ड सुधारीत दराच्या २ पटीने प्र. बोर्ड |
| ७ | जाहिरात कर परवानगी नुतनीकरण अर्ज | रु.२५/- प्रति अर्ज | रु. १०० /- प्रति अर्ज |

तसेच उभे बोर्डसाठी रु.२/- दर चौरस फुट प्रति तीन दिवस याप्रमाणे आकारणी करण्यास मंजुरी देण्यात येत आहे.

सदर सुधारीत जाहिरात दराची आकारणी व अंमलबजावणी सन २०१४-२०१५या आर्थिक वर्षापासून करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. व प्रशासनाने संबंधितांकडून उक्त सुधारीत दराप्रमाणे अनामत रक्कम व भाडे घेऊन करारनामे करून घेण्यांत यावे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १०

आय.एच.एस.डी.पी. योजने अंतर्गत मोहाडी येथे बांधण्यांत आलेल्या घरकुल लाभार्थ्यांची पात्रता यादी निश्चित करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११ दिनांक ३१/०१/२०१४

मा. महापौर यांनी सादर केलेल्या पत्र व त्यावर प्रशासनाने सादर केलेला व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार धुळे महानगरपालिकेमार्फत आय.एच.एस.डी.पी. योजनेअंतर्गत मोहाडी येथे गट नं.२१२/१४२ मध्ये १६६ घरकुलांचा अस्तीत्वात येतांना उक्त घरकुल योजनेत पात्र असलेल्या लाभार्थ्यांची यादी यापूर्वीच तयार करण्यात आलेली आहे. उक्त लाभार्थ्या मधुन यापूर्वीच २७६ लाभार्थ्यांना घरकुल वाटप करण्यात आलेले असुन उर्वरीत ६९०घरकुलांचे वाटप करणे बाकी असुन प्रशासनामार्फत यादीत बदल करून सदर ६९० लाभार्थ्यांची पात्रता यादी निश्चीत करणेबाबत धुळे महानगरपालिका मे.महासभेत प्रस्ताव सादर करण्यांत आलेला आहे.

उक्त प्रस्तावानुसार प्रशासनाने बदल करून सादर केलेल्या व यापूर्वी शासनाकडेस सादर केलेल्या ६९० घरकुल लाभार्थ्यांच्या यादीस मंजुरी देत असतांना शिवसेनेच्या उपस्थित सदस्यांनी त्यास विरोध दर्शविला असल्याने सदर प्रस्तावास बहुमताने मंजुरी देण्यांत येत आहेत. तसेच याबाबत आवश्यकत्या मान्यतेसाठी शासनास प्रस्ताव सादर करण्यांत यावा. पात्र लाभार्थ्यांची यादी नागरीक तथा नगरसेवकांच्या माहितीस्तव प्रसिद्ध करण्याबाबत प्रशासनामार्फत उचित कार्यवाही करावी.

बहुमताने मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११

मा.महापौर सां.मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार राजीव आवास योजने अंतर्गत शहरातील कष्टकरी व रिक्षा चालक मालक यांचेकरिता घरे उपलब्ध करून देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे केंद्र शासनाने शहरातील झोपडपटटी निर्मलन व बेघरांसाठी राजीव आवास योजना (RAY) प्रस्तावित केली असुन सदर योजनेचा सविस्तर प्रकल्प अहवाल तयार करणेबाबत श्री.चेतन व्ही. सोनार, आर्किटेक्ट यांची नेमणुक करण्यात आलेली आहे.

सदरच्या योजनेअंतर्गत शासनाकडुन अनुदान उपलब्ध होणार असुन अस्तित्वातील झोपडपटट्यांच्या जागेवरच नव्याने घरकुल उभारता येतील. तसेच मंजुर विकास योजने अंतर्गत सदर प्रयोजनासाठी आरक्षीत जागेवरसुध्दा घरकुल उभारता येतील. तसेच शासनाच्या जागेवर सुध्दा सदरची घरकुले उभारता येतील. मा.महापौर सां.यांनी दिलेल्या पत्रानुसार रिक्षा चालक, मालक तसेच शहरातील कष्टकरी गोर गरीब लोकांसाठी आवश्यक सर्व करून सविस्तर प्रस्ताव तयार करणेबाबत सूचित केले आहे.

सदर प्रस्ताव सभागृहासमोर निर्णयासाठी आला असता उपस्थित सदस्यांनी त्यावर चर्चा करून चर्चेअंती धुळे शहरातील रिक्षा चालक, मालक, तसेच शहरातील कष्टकरी, पॉवर लुम कामगार व अल्प उत्पन्न गटातील गोर गरीब लोकांचा तसेच धुळे शहरातील सर्व पात्रता लाभार्थ्यांचा सर्व करून सविस्तर प्रस्ताव तयार करणेसाठी या क्षेत्रात कामाचा अनुभव असलेल्या एजन्सी तथा आर्किटेक्ट मार्फत प्रकल्प अहवाल तयार करणेकामी आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १२

धुळे मनपा हढीतील कत्तलखाना बी.ओ.टी.तत्वावर बांधण्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहरात वडजाई रोड नाल्यालगत जुने स्लॉटर हाऊस असुन त्याचे बांधकाम सदयस्थितीत जिर्ण झाले असुन, त्यात ब-याच मोठ्या प्रमाणात दुरुस्त्या आहेत. तसेच सदयस्थितीत अस्तित्वात असलेले स्लॉटर हाऊस हे भर वस्तीत येत असुन, परिसरातील नागरीकांचीही अस्तित्वातील स्लॉटर हाऊस बंद करण्याची मागणी आहे. स्लॉटर हाऊस मधील सांडपाणी नाल्यात वाहुन तोच नाला पारोळा रोड लगत हमाल मापाडी, गजानन सॉमील परिसरात येत असल्याने नागरीकांना दुर्गंधीचा वास येत असुन ब-याच वेळा वाद होत असतो.

संदर्भ क्र.२ नुसार हाजी अब्दुल हमीद अ.रहेमान कुरेशी यांनी अर्ज देऊन ते शहरांच्या बाहेर जागा देणार असुन, मनपा अटी शर्तीप्रमाणे चालवू शकतो. उक्त बाबतीत त्यांची परवानगी मागितली आहे.

धुळे शहर विकास योजनेच्या प्रारूप आराखडयानुसार सोबत Part Plan जोडला असुन आरक्षण क्र.९५ असुन जागा १.६० Hector असुन स.न.४२८ पैकी आहे. उक्त जागा

अजुन भुसंपादन झालेली नसुन फक्त डी.पी. मध्ये आरक्षण दर्शविले आहे. सदरची जागा ही वडजाई गांव शिव लगत आहे.

अस्तित्वातील कत्तलखाना सुमारे ५० ते ६० वर्षापुर्वीचा असुन सदयस्थितीत नागरीकांच्या वसाहतीलगत आहे. धुळे शहर मंजुर विकास योजनेतील जागा सुध्दा नागरीकांच्या वसाहतीमध्ये असल्याने नाही. प्रस्तावित मंजुर विकास योजनेतील जागा योग्य आहे. तथापि योजना अंतीम मंजुरी झाली नाही.

धुळे महानगरपालिकेच्या कत्तल खान्यात कत्तलीसाठी होणा-या जनावरांच्या सोयी सुविधेसाठी नविन अद्यावत कत्तलखाना BOT तत्वावर बांधणेबाबत मा.आरोग्याधिकारी, मनपा धुळे यांचे मागणीनुसार इकडील कार्यालयाने उक्त बाबतचा प्रस्ताव तयार करून मा.आयुक्त सो, मनपा धुळे यांनी दि.०९/०८/२०१२रोजी मान्यता देऊन सदरचा विषय धुळे मनपाच्या मे.महासभेकडेस धुळे मनपा जा.क्र./बां.वि./३०/ दि.१३/०८/०१२ रोजी मा.सचिव यांचेकडेस पाठविले असता, मा.महापौर सो, मनपा धुळे यांनी सदरचा प्रस्ताव विद्यमान मा.आयुक्त सो यांचा अभिप्राय घेऊन पुनश्चःसादर करणेबाबत दि.२१/०९/२०१३ रोजी परत बांधकाम विभागाकडे पाठविला आहे.

उक्त प्रमाणे आलेल्या प्रस्तावावर उपस्थित सदस्यांनी चर्चा केली. चर्चेअंती कत्तल खान्याबाबत जे काही अडचणी असतील त्याबाबत यंग बाईज स्कूल यांचेही एक पत्र आले आहे. त्या पत्रात म्हटले आहे की याचा विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याला काही धोका पोहचू शकतो का? असे विद्यार्थ्यांनी पत्र दिले आहे. तसेच वडजाई ग्रामपंचायत यांनी आरक्षण क्र.१५ येथील जागेवर कत्तलखाना बनविणेस विरोध असल्याबाबतच्या तक्रारी अर्ज दाखल केलेले आहे. ते पत्र तसेच याठिकाणी झालेली चर्चा याबाबत प्रशासनाशी चर्चा करून सर्मपक तोडगा काढणेत येईल तोपर्यंत सदर विषय तहकूब ठेवणेत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १३

मा.महापौर सो. मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार मे.जिल्हा न्यायालय, औद्योगिक न्यायायल, लेबर कोर्ट व मा.उच्च न्यायालय खंडपिठ औरंगाबाद येथे मनपाची बाजू मांडणेकामी नवीन वकील पॅनल नियुक्ती करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे मा.महापौर सो.यांनी दि.६/१/२०१४ रोजी पत्र देवून धुळे महानगरपालिकेमार्फत मे.जिल्हा न्यायालयात मे.औद्योगिक न्यायालय, मे.उच्च न्यायालयात विविध प्रकारचे दावे (कोर्ट केसेस) सुरु आहेत. तथापि धुळे मनपा मार्फत योग्य ती कायदेशीर बाजू न मांडल्याने अनेक दाव्यामध्ये मनपाच्या बाजूने निर्णय झालेला नसल्याने मनपाचे आर्थिक नुकसान होत आहे. त्यास्तव धुळे महानगरपालिकेच्या पॅनल वरील जिल्हा न्यायालय व उच्च न्यायालय येथे वकील नियुक्ती बाबत तात्काळ कार्यालयीन टिप्पणीसह प्रस्ताव मान्यतेसाठी मे.महासभेसमोर सादर करण्याबाबत कार्यवाही करावी असे पत्रात नमूद आहे.

मे.महासभेपुढे सादर केलेल्या कार्यालयीन टिप्पणीनुसार व झालेल्या चर्चेनुसार धुळे जिल्हा न्यायालय, औद्योगिक न्यायालय, मे.उच्च न्यायालय येथे मनपाची बाजू मांडणेकामी वकीलनियुक्त करणे आवश्यक असल्याने खालील प्रमाणे वकीलांची नियुक्ती करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

१) धुळे जिल्हा न्यायालय

१) अँड. श्री.ए.बी. शहा २) अँड. श्री. सतिष रघुनाथ पाटील ३) अँड.श्री. शामकांत रावजी पाटील ४) अँड. श्री.समीर पंडीत ५)अँड.श्री. कुंदन पवार ६)अँड.श्री.अमित दुसाने, ७)अँड.श्री.अनिश शहा ८) अँड.श्री.एल.पी. ठाकुर,९) अँड.श्री. डी.वाय खैरनार १०) अँड. श्री. राहुल भामरे, ११) अँड.श्री.रावसाहेब उत्तमराव पाटील

२) औद्योगिक न्यायालय

१) अँड. श्री. शिवदास पाटील ,२)अँड. श्री. भटू बोरसे

३)मे. उच्च न्यायालय,खंडपिठ औरंगाबाद

१) अँड. श्री. पी.एम. शहा २) अँड. श्री. व्ही. डी. होन,३) अँड. श्री. अमोल सावंत

४) अँड. श्री.निलेश देसले ५) अँड.श्री. श्रीकांत पाटील

४)मे. सर्वोच्च न्यायालय

१) अँड. श्री. सुहास कुमार कदम २) अँड.श्री. शिवाजीराव जाधव

यापुढे मे.उच्च न्यायालय,जिल्हा न्यायालय,औद्योगिक व कामगार न्यायालय येथे नव्याने दाखल होणा-या याचिकांमध्ये व दाव्यामध्ये उक्त नमूद वकीलामार्फत धुळे मनपाची बाजू मांडण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

(सभा तहकूब)

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
शुक्रवार दिनांक ३१ जानेवारी, २०१४
वेळ दुपारी १३-४५ वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभा आज शुक्रवार दिनांक ३१/०१/२०१४ रोजी दुपारी १३-१५ वाजतां तहकूब करण्यांत आलेली सभा दुपारी १३-४५ वाजतां पुन्हा मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर,महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात सुरु करण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सदर तहकूब सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| | | | |
|-------|---------------------|--------|---------------------|
| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|---------------------|--------|---------------------|

| | | | |
|-----|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | दुपारी १३-४५ वाजतां |
| २. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | -----" |
| ३. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | -----" |
| ४. | नलिनीबाई हनुमंत वाडीले | नगरसेविका | -----" |
| ५. | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | -----" |
| ६. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | -----" |
| ७. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | -----" |
| ८. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | -----" |
| ९. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | -----" |
| १०. | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | नगरसेवक | -----" |
| ११. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | -----" |
| १२. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | -----" |
| १३. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | दुपारी १४-०५ वाजतां |
| १४. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | दुपारी १३.४५ वाजतां |
| १५. | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | -----" |
| १६. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | -----" |
| १७. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | -----" |
| १८. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | -----" |
| १९. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २०. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| २१. | चंद्रकांत बापु सोनार | नगरसेवक | -----" |
| २२. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २३. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | -----" |
| २४. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| २५. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| २६. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| २७. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | -----" |
| २८. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | -----" |
| २९. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| ३०. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| ३१. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ३२. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ३३. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ३४. | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | -----" |
| ३५. | (मिस्तरी)शोलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ३६. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |

| | | | |
|-----|---------------------|-----------|--------|
| ३७. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | -----" |
| ३८. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | -----" |
| ३९. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ४०. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | -----" |
| ४१. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४२. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | -----" |
| ४३. | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | -----" |
| ४४. | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | -----" |
| ४५. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----" |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|--------------------|---------------------------------|--------------------|
| १ | के.व्ही. धनाड | प्र. आयुक्त तथा अतिरिक्त आयुक्त | दुपारी १३-४५ वाजता |
| २ | एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त स.प. | -----" |
| ३ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त कर | -----" |
| ४ | त्र्यंबक कांबळे | सहा. आयुक्त (कर) | -----" |
| ५ | डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता | -----" |
| ६ | एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | -----" |
| ७ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | -----" |
| ८ | के.ना. कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | -----" |
| ९ | के.एन. शिंदे | अभियंता | -----" |
| १० | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | -----" |
| ११ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | -----" |
| १२ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिक्षक | -----" |
| १३ | एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | -----" |
| १४ | बी.एस. रनाळकर | प्र. वसुली अधिक्षक | -----" |
| १५ | गणेश खोंडे | पकल्प अधिकारी | -----" |
| १६ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | -----" |
| १७ | सी.एम. उगले | पा.पु. अभियंता | -----" |
| १८ | सी.सी. बागुल | पा.पु. ओवरसिअर | -----" |
| १९ | राजू माईनकर | भांडार लिपीक | -----" |
| २० | आर. एस. बोरसे | अभिलेखापाल | -----" |
| २१ | एस.व्ही. बर्गे | आस्थापना प्रमुख | -----" |
| २२ | तुषार वासुदेव ढाके | सहा. अग्नीशमन अधिकारी | -----" |
| २३ | नंदु बैसाणे | प्रभाग अधिकारी प्र.क्र. ४ | -----" |

विषय क्रमांक:- १४

मा. महापौर सां. मनपा, धुळे यांचे पत्रानुसार पारगमन शुल्क रुपये १०० वरुन रुनये २००/- करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५

दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा.महापौर सां.यांचेकडील पत्र क्र. मनपा /स्विस ४/१/२०१४ नुसार पारगमन फी (एस्कॉर्ट) रु. १००/- ऐवजी रुपये २००/- मात्र करणेबाबत पत्र सादर करण्यांत आलेले आहे.

सदर विषय सभागृहात चर्चेसाठी आला असता प्रशासनाने सादर केलेल्या कार्यालयीन अहवालाचे अबलोकन करून व सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार धुळे महानगरपालिकेच्या आर्थिक स्थितीचा विचार करता महापालिका उत्पन्नाचे स्नोत वाढविणेसाठी पारगमन शुल्कात वाढ करणे आवश्यक आहे. धुळे महानगरपालिकेस घरपट्टी व पारगमन शुल्क हेच प्रमुख उत्पन्नाचे स्नोत आहेत.धुळे महानगरपालिकेस एल. बी. टी. कर प्रणाली लागू झाल्यामुळे मनपाच्या आर्थिक उत्पन्नावर फार मोठा परिणाम झालेला आहे. त्यामुळे कर्मचा-यांची देणी,पाणीपुरवठा देखभाल दुरुस्ती, थकीत देयके,मुलभूत सेवा सुविधा तसेच शहरातील विकास कामे व अत्यावश्यक दैनंदिन खर्च याचा ताळमेळ घेण्यांस अनेक अडचणी निर्माण झालेल्या आहेत. त्यासाठी मनपा आर्थिक हिताच्या दृष्टीने मनपा क्षेत्रात पारगमन शुल्क रुपये १००/-वरून रुपये २००/- करण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.तसेच याबाबत प्रशासनामार्फत तांतडीने पुढील उचित कार्यवाही करून शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १५

मा. महापौर सां. यांच्या पत्रानुसार धुळे पासींगच्या वाहनांना पारगमन शुल्क रु.१००/- ठेवणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १६ दिनांक ३१/१/२०१४

धुळे महानगरपालिका हृदीतून जाणा-या वाहन धारकांकडून सद्यस्थितीत रु.१००/- मात्र पारगमन शुल्क आकारण्यात येते.धुळे महानगरपालिकेच्या उत्पन्न वाढीचे दृष्टीकोनातून पारगमन शुल्क रु.१००/- वरून रु.२००/- मात्र आकारणीबाबतचा विषय मे.महासभेत निर्णयार्थ ठेवण्यात आलेला आहे.

धुळे पासींग वाहनधारकांकडून पारगमन शुल्क आकारण्यात येते. धुळे ट्रक चालक मालक असोशिएशन यांनी वेळोवेळी निवेदन देवून पारगमन शुल्क कमी करण्याबाबत मागणी केलेली आहे. धुळे शहर पासींग वाहनधारक हे शहरातील रहिवासी असल्याने त्यांच्यावर अन्याय होवू नये याबाबत सहाभुतीपूर्वक निर्णय घेणे आवश्यक आहे.पारगमन फी रु.१००/-वरून रु.२००/-करणे हे धुळे मनपाच्या आर्थिक उत्पन्नाच्या दृष्टीने अत्यावश्यक बाब आहे.सदर पारगमन फी रु.२००/- लागू झाल्यास सहानभूतीपूर्वक विचार करता धुळे शहर पासींग वाहनधारकांकडून रु.१००/-आकारणी करणे योग्य राहील.

तरी धुळे शहर पासींग असलेल्या वाहनधारकांची यादी प्रादेशिक परिवहन कार्यालया कडून मागविण्यांस व त्यानुसार संबंधित शहर पासींग वाहन धारकांकडून पारगमन शुल्क वाढीनंतर सद्यस्थितीप्रमाणे रुपये १००/- पारगमन शुल्क आकारणी करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १६

मा.महापौर सां.मनपा धुळे यांचे पत्रानुसार धुळे मनपा हृदीतूल फायनल प्लॉट नंबर १०६ या जागेतील आरक्षण क्रं.४०दवाखाना व प्रसुतीगृह हा वापर बदलून गार्डन, जॉर्गींग टॅक असा आरक्षणात किरकोळ बदल करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १७ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हद्दीतील फायनल प्लॉट नं.१०६ अग्रवालनगर येथील सुमारे०.४० आर इतक्या जागेवर जुन्या धुळे तसेच सुधारित धुळे शहर मंजुर विकास योजना १९८६ नुसार आरक्षण क्रं.१०१ अन्वये दवाखाना या वापराकरीता आरक्षीत असुन उक्त जागा भुसंपादन प्रस्ताव क्रं.एल.क्यु.एस.आर.२४/७४ अन्वये संपादित केलेली आहे. तरी सदरच्या जागेवर अद्यापावेतो आरक्षणानुसार दवाखाना बांधणेबाबत कारबाई झालेली नसुन सद्यस्थितीत सदरची जागा मोकळी आहे.

तरी उक्त जागेवर गार्डन बांधणेकरीता दवाखाना हा वापर बदलून गार्डनकरीता आरक्षण बदलणेकरीता संदर्भीय बैठकीत निर्देश आलेला असुन वापर बदलणेबाबत म. शासनास प्रस्ताव पाठविणेकामी म.महासभेपुढे सदरचा विषय मंजुरीस्तव ठेवणेकरीता सविनय सादर केला असता. म.नगररचनाकार यांनी महा.प्रादे.व न.र. अधिनियम १९८९ चे कलम ३७/अ अन्वये शासनाकडुन मंजुरी घेणे आवश्यक आहे. त्याकरीता महासभेकडुन मंजुरी घेणे आवश्यक असल्याचे कळविले आहे.

उक्त प्रस्तावावर उपस्थित सदस्यांनी आपआपले मत प्रदर्शित केले व चर्चेअंती सदर जागा ही खाजगी मालकीची असून जागेवर हॉस्पीटलचे आरक्षण आहे. सदर आरक्षणात बदल झाल्यास पुढील कायदेशीर व न्यायालयीन बाबी निर्माण होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. त्यामुळे हॉस्पीटल बांधणेसाठी आवश्यक असलेली जागा सोडून उर्वरीत जागेवर दवाखान्याच्या अनुषंगाने बगीचा विकसीत करणेस तसेच नागरीकांना तथा रुग्णाना फिरण्यासाठी जॉगीग टँक तयार करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १७

कार्यकारी अभियंता, म.रा.वि.कं. धुळे यांनी ३३/११ के.व्ही. उपकेंद्रासाठी जागा मागणी केली आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १८ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कार्यकारी अभियंता, शहर व ग्रामीण विभाग धुळे मराविविकंलि धुळे यांचे पत्रानुसार धुळे मनपा हद्दीतील नविन ३३/११ के.व्ही.उपकेंद्रासाठी २ ते ३ जागा मिळणेबाबत तसेच देवपूर भागासाठी २ जागा मिळणेबाबत पत्र दिलेले आहे.

तरी उक्त बाबत धुळे शहर हद्दीतील २ ते ३ मोकळ्या जागेचे अभिन्यासाचे नकाशे सादर केलेले असून यापैकी स.नं.४३६/१ ब-२-३ मध्ये ५८००.०० चौ.मि./, तसेच स.नं.४०३ मधील १६८०.० चौ. मि. व स. नं. ४०३ मध्येच १०४४.०० चौ. मि. अशा मोकळ्या जागा आहेत. सदर जागा म.रा.वि.कंपनीच्या उपकेंद्रासाठी महानगरपालिकेच्या नियमाप्रमाणे असणा-या अटी शर्तीस बंधनकारक राहून देण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे. तसेच यासंदर्भात नगररचनाकार मनपा धुळे यांनी कायदेशीर बाबी तपासून म.रा.वि. कंपनी करून शुल्क वसूल करून करारनामा करून घेण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १८

सन्मा. सदस्य श्री. नरेंद्र परदेशी यांच्या पत्रानुसार साक्रीरोड जुने एस.आर.पी. लाईन येथील सळ्हे.नं.१३ मधील शासकीय जागा मनपा इंग्रजी माध्यमाची शाळा सुरु करणेसाठी जागा वर्ग करणेबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १९ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे साक्री रस्त्यावरील जुनी एस.आर.पी. लाईन रु.नं.१३ मध्ये मनपा शाळा क्र. ५८ सुरु आहे. सद्यस्थितीत तेथील रहिवासी घरे रिकामी झाली आहेत.

सदर ठिकाणी मनपातर्फे इंग्रजी माध्यमाची शाळा सुरु करण्यासंबंधी कार्यवाही आहे. तसा शिक्षण मंडळाने ठराव केला आहे. परंतु जागा मालकी जिल्हा पोलीस अधिकारीचा नावे असून इंग्रजी माध्यमाची शाळा इमारत बांधण्यास अडचण निर्माण होईल. उक्त जागा ४० वर्षांपासून मनपाच्या ताब्यात असून उपभोगात आहे.

उक्त जागा मनपातर्फे विकास कामासाठी (उदा. शाळा, गार्डन) करण्यासाठी शासना कडून पाठपुरावा करण्याकरिता मनपाचा ठराव आवश्यक आहे. त्याकरीता महासभेपुढे सदर विषय घेण्याबाबत सन्मा. सदस्य श्री. नरेंद्र परदेशी यांनी विनंती केली आहे.

सोबत स्थळदर्शक नकाशा, मा. जिल्हा पोलीस अधिकारी धुळे स.न. १३ पैकी महिंदळेचा सात बारा उतारा जोडलेले आहे. सोबत सादर केलेल्या नकाशानुसार उक्त जागा धुळे शहर मंजुर विकास योजना आराखडयानुसार रहिवास विभागात व १५.० चौ. वि. यो. रस्त्याने बाधी आहे. तसेच प्रारूप विकास योजना आराखडयानुसार सदर जागा रहिवास विभागात अंतर्भुत आहे.

उक्त जागा शासकीय मालकीची असल्याने मा. जिल्हा पोलीस अधिकारी धुळे यांच्याकडून मागणी करणे आवश्यक आहे.

सदर जागा शासन मालकीची असल्याने याबाबत जागा मागणी संदर्भात शासना कडेस प्रस्ताव सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १९

महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये मुलभूत सेवा सुविधांच्या विकासासाठी शासनाकडून उपलब्ध झालेल्या रु. ४ कोटी विशेष अनुदान व मनपा हिस्सा ४ कोटी रु. असा एकुण ८ कोटी रु. यामध्ये निश्चित करावयाच्या कामांबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २० दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा क्षेत्रामध्ये मुलभूत सेवा सुविधांसाठी नगरविकास विभाग/शासन निर्णय क्र. मनपा २०१३/ प्रक्र. २४४/ नवि-१६ दि. १९/११/१३ नुसार शासनाकडून धुळे शहरास ४ कोटी निधी वितरीत करण्याचे मान्य झाले आहे. शासनाने उपलब्ध करून दिलेला निधी अधिक महानगरपालिका हिश्याची ४ कोटी असे एकुण ८ कोटी मात्रचा प्रस्ताव मान्य केला आहे. सदर एकुण ८ कोटी निधी अंतर्गत अत्यावश्यकतेनुसार सर्व समावेशक मुलभूत सेवा सुविधांची कामे निश्चित करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच ४ कोटी मनपा हिस्सा भरणेस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २०

महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये मुलभूत सेवा सुविधांच्या विकासासाठी शासनाकडून उपलब्ध झालेल्या रु. १५ कोटी विशेष अनुदान व मनपा हिस्सा १५ कोटी रु. असा एकुण ३० कोटी रु. यापैकी १५ कोटी रुपयांमधून निश्चित करावयाच्या कामांबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २१ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका धुळे साठी मुलभूत सेवा सुविधांसाठी एकुण १५ कोटी रु. मात्र दि. ६ एप्रिल २०१३ रोजी मंजुर केले होते.

उक्त अनुदान अंतर्गत कामे करणेसाठी यापूर्वी सदरचा विषय महासभेपुढे ठेवला असता एकत्र १ ते १२ कामे प्राधान्य क्रमाने करणेबाबत ठराव पारीत झाला आहे. त्यानुसार प्रस्ताव मा. जिल्हाधिकारी मार्फत मा. विभागीय आयुक्त, नाशिक यांचेकडे दि. १७/१/२०१४

रोजी बैठक बोलविण्यात आली होती.उक्त बैठकीनुसार,सदरचे अनुदान शासनाकडून २२१७ लेखा शिर्षकाखाली मंजुर झाले असल्याने मनपाला ५० टक्के हिस्सा म्हणजेच १५ कोटी असे एकुण ३० कोटी निधी अंतर्गत कामे प्रस्तावित करणेबाबत निर्णय झाला आहे.व ५० टक्के मनपा हिश्याची रक्कम मनपाने भरणेबाबत ठराव पारीत करणेबाबत कळविण्यांत आले होते.

त्याअनुषंगाने सदर प्रस्ताव सभागृहापुढे चर्चेसाठी आलेला असून यापूर्वी मनपा ठराव कं.२०३ दिनांक २१/६/२०१३ अन्वये सादर केलेल्या १ ते १२ कामाची सुधारीत यादी व अत्यावश्यकतेनुसार सर्व समावेशक मुलभुत सेवा सुविधांची कामे निश्चित करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. व मनपा हिस्सा १५ कोटी रुपये भरणेस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २१

मा.आरोग्याधिकारी यांचे अहवालानुसार शहरात साफसफाईसाठी कर्मचारी कमी असल्यामुळे कार्यरत कर्मचारी काही भागात नेमून उर्वरीत भागात खाजगी तत्वावर ठेक्यामार्फत कर्मचारी नियुक्ती बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २२ दिनांक ३१/१/२०१४

कार्यालयीन टिप्पणीचे वाचन करण्यांत आले.सद्यस्थितीत धुळे मनपा हृदीतील कचरा उचलण्याकामी समिक्षा कन्स्ट्रक्शन कंपनी, ठाणे यांना प्रति मेट्रिक टन रु.७८०/- रु. या दरा प्रमाणे ठेका देण्यांत आला आहे.

शहराची लोकसंख्या ३,७८,६०३ इतकी असून पागे कमिटीच्या शिफारसी नुसार १००० लोकसंख्या ५ सफाई कामगाराप्रमाणे १५३५ सफाई कामगाराची आवश्यकता आहे. आपल्याकडे सद्यस्थिती एकुण७७८ सफाई कामास कामगार कार्यरत आहे. यावरुन ७५७ सफाई कामगार कमी आहे.

स्व.निरीक्षक यांच्या उक्त अहवालानुसार एकुण ३९१ सफाई कामगारांची शहराची दैनंदीन साफ सफाई करण्याकामी आवश्यकता आहे.

प्रशासनाने टिप्पणीत नमूद केलेल्या वार्डात सद्यस्थितीत कार्यरत सफाई कामगार इतर उर्वरीत आवश्यक प्रभागात नेमून शहराची दैनंदिन साफ सफाई चांगल्या प्रकारे होवु शकते.त्यामुळे उक्त प्रभागात खाजगी ठेकेदारामार्फत साफसफाई ठेका देणेबाबतचा प्रस्ताव निर्णयासाठी सभागृहासमोर आला असता काही सदस्यांनी सदर प्रस्तावात त्यांचे प्रभागाचा देखील समावेश करण्याबाबत सुचना मांडल्या आहेत.याबाबत आरोग्याधिकारी यांनी ज्या ज्या सदस्यांनी त्यांचे प्रभागाचा समावेश करण्याबाबत सुचना केलेल्या आहेत.अशा प्रभागात खाजगी ठेकेदारामार्फत साफसफाईचा ठेका देता येईल किंवा कसे तसेच ठेका दयावयाचा झाल्यास त्याबाबतचे खर्चाचे अंदाजपत्रक याबाबत संपूर्ण अभ्यास करून प्रस्ताव फेर सादर करावा तो पर्यंत सदर प्रस्ताव स्थगीत ठेवण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
गुरुवार दिनांक १५ मे, २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क)व (ह)अन्वये मा. महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभाआज गुरुवार दिनांक १५/०५/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|--|-----------|---------------------|
| ६६. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| ६७. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ६८. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ६९. | सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार | नगरसेवक | ----- " |
| ७०. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ७१. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७२. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ७३. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ७४. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| ७५. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७६. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| ७७. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| ७८. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| ७९. | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| ८०. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| ८१. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| ८२. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| ८३. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| ८४. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ८५. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| ८६. | मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन)प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| ८७. | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| ८८. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| ८९. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| ९०. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| ९१. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| ९२. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-२२ वाजता |
| ९३. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|------|----------------------------------|-----------|---------|
| १४. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | ----- " |
| १५. | महाले कल्यना सुनिल | नगरसेविका | ----- " |
| १६. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| १७. | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | ----- " |
| १८. | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| १९. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| १००. | करनकाळ लिना युवराज | नगरसेविका | ----- " |
| १०१. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| १०२. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| १०३. | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| १०४. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| १०५. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| १०६. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| १०७. | सैयद साबीर अली मोतेबर | नगरसेवक | ----- " |
| १०८. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | ----- " |
| १०९. | महाले मनीषा सतीष | नगरसेविका | ----- " |
| ११०. | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | ----- " |
| १११. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ११२. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | ----- " |
| ११३. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ११४. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ११५. | सौ अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | ----- " |
| ११६. | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | ----- " |
| ११७. | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | ----- " |
| ११८. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ११९. | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| १२०. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| १२१. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| १२२. | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| १२३. | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| १२४. | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| १२५. | श्रीखडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|---|---------------|---------------------------------|-------------------|
| १ | दौलत खा पठाण | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | के.व्ही. धनाड | प्र. आयुक्त तथा अतिरिक्त आयुक्त | ----- " |
| ३ | एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त कर | ----- " |

| | | | |
|----|--------------------|-----------------------------|---------|
| ४ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त स.प. | ----- " |
| ५ | डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता | ----- " |
| ६ | एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ७ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | ----- " |
| ८ | के.एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| ९ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १० | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिकारी | ----- " |
| १२ | एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिकारी | ----- " |
| १३ | के.जी. खंदरकर | प्र. वसुली अधिकारी | ----- " |
| १४ | गणेश खोडे | पकल्प अधिकारी | ----- " |
| १५ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १६ | एस.एस. देवरे | शाखा अभियंता | ----- " |
| १७ | सी.एम. उगले | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| १८ | सी.सी. बागुल | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| १९ | बी.डी. जगदाळे | बांधकाम ओव्हरसिअर | ----- " |
| २० | महेद्र जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | ----- " |
| २१ | एस.आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " |
| २२ | आर. एस. बोरसे | अभिलेखापाल | ----- " |
| २३ | तुषार वासुदेव ढाके | सहा. अग्नीशमन अधिकारी | ----- " |
| २४ | कु. अर्पणा पाटील | मलेरिया पर्यवेक्षक | ----- " |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे. नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा.सदस्यांकडून आलेली श्रधाजलीची यादी

१) माजी नगरसेविका तसेच प्रथम महापौर यांच्या मातोश्री श्रीमती शांताबाई रामभाऊ करनकाळ यांचे नुकतेच वृद्धापकाळाने निधन झाले. तरी आज रोजीच्या महासभेत श्रीमती शांताबाई रामभाऊ करनकाळ यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक:- श्री. रमेश महादू बोरसे, नगरसेवक मनपा धुळे

अनुमोदक:- श्री. कैलास काळू चौधरी, नगरसेवक मनपा धुळे

२) धुळे शहरातील साक्रीरोड परिसरांत राहणारे तसेच भारतीय कम्युनिस्ट पक्षाचे कार्डहोल्डर, संयुक्त महाराष्ट्राचे स्वातंत्र्य लढ्यातील सेनानी आणि आपले संपूर्ण आयुष्य कामगार व कष्टक-यांच्या हितासाठी वेचणारे कॉ. नामदेवराव गायकवाड यांचे नुकतेच निधन झाले. आज रोजीच्या महासभेत कॉ. नामदेवराव गायकवाड यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक:- श्री. मनोज दादासाहेब मोरे, नगरसेवक, मनपा धुळे

- ३) धुळे शहरात रहिवास करणारे परंतु संपूर्ण महाराष्ट्रात परिसरात सुपरिचित असलेले ज्येष्ठ विचारवंत कॉ. शरद पाटील यांनी भारतीय इतिहास व तत्वज्ञानाचे विश्लेषण करण्यासाठी नवी अन्वेषण पध्दती निर्माण केली. सन १९७८ साली सत्यशोधक कम्युनिस्ट पक्षाची स्थापना करून त्यांनी निर्माण केलेल्या अन्वेषण पध्दतीनुसार चळवळीचा संघर्ष सुरु ठेवला. स्वातंत्र्य चळचळ संयुक्त महाराष्ट्र चळवळ व गोवा मुक्ती आंदोलनातील लढवय्या कॉ. शरद पाटील यांचे नुकतेच निधन झाले. आज रोजीच्या महासभेत कॉ. शरद पाटील यांना श्रद्धांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. इंदुबाई दामोदर बोरसे, नगरसेविका, मनपा धुळे

अनुमोदक :- सुशिलाताई यशवंत ईशी, गटनेते बसपा, धुळे

- ४) माजी नगरसेविका सौ. कल्पना गोपाल माने यांच्या सासुबाई तसेच सामाजिक कार्यकर्ते श्री. गोपाल माने यांच्या मातोश्री श्रीमती शांताबाई जयवंतराव माने यांचे नुकतेच वृद्धापकाळाने निधन झाले. तरी आज रोजीच्या महासभेत श्रीमती शांताबाई जयवंतराव माने यांना श्रद्धांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती.

सुचक :- श्री. दिनेश लहु शार्दुल, नगरसेवक, मनपा धुळे

- ५) माजी नगरसेविका श्रीमती विमलबाई ओमप्रकाश अग्रवाल यांचे नुकतेच आजाराने निधन झाले तरी आज रोजीच्या महासभेत श्रीमती विमलबाई ओमप्रकाश अग्रवाल यांना श्रद्धांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती.

सुचक :- सौ. वालीबेन प्रकाशचंद्र मंडोरे, नगरसेविका, मनपा धुळे

- सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या यादीनुसार श्रद्धांजली अर्पण करणेसाठी सर्वांनी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २३ दिनांक १५/५/२०१४

सन्मा. सदस्याच्या यादीनुसार

- १) माजी नगरसेविका तसेच प्रथम महापौर यांच्या मातोश्री श्रीमती शांताबाई रामभाऊ करनकाळ यांचे नुकतेच वृद्धापकाळाने निधन झाले आहे.
- २) धुळे शहरातील साक्रीरोड परिसरांत राहणारे तसेच भारतीय कम्युनिस्ट पक्षाचे कार्ड होल्डर, संयुक्त महाराष्ट्राचे स्वातंत्र्य लढ्यातील सेनानी आणि आपले संपूर्ण आयुष्य कामगार व कष्टक-यांच्या हितासाठी वेचणारे कॉ. नामदेवराव गायकवाड यांचे नुकतेच निधन झाले आहे.
- ३) धुळे शहरात रहिवास करणारे परंतु संपूर्ण महाराष्ट्रात परिसरात सुपरिचित असलेले ज्येष्ठ विचारवंत कॉ. शरद पाटील यांनी भारतीय इतिहास व तत्वज्ञानाचे विश्लेषण करण्यासाठी नवी अन्वेषण पध्दती निर्माण केली. सन १९७८ साली सत्यशोधक कम्युनिस्ट पक्षाची स्थापना करून त्यांनी निर्माण केलेल्या अन्वेषण पध्दतीनुसार चळवळीचा संघर्ष सुरु ठेवला. स्वातंत्र्य चळचळ संयुक्त महाराष्ट्र चळवळ व गोवा मुक्ती आंदोलनातील लढवय्या कॉ. शरद पाटील यांचे नुकतेच निधन झाले आहे.
- ४) माजी नगरसेविका सौ. कल्पना गोपाल माने यांच्या सासुबाई तसेच सामाजिक कार्यकर्ते श्री. गोपाल माने यांच्या मातोश्री श्रीमती शांताबाई जयवंतराव माने यांचे नुकतेच वृद्धापकाळाने निधन झाले आहे.
- ५) माजी नगरसेविका श्रीमती विमलबाई ओमप्रकाश अग्रवाल यांचे नुकतेच आजाराने निधन झाले आहे.

वरील मान्यवरांचे दुःखद निधननिमित्त या सभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहून भावपूर्ण श्रद्धांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा.सदस्या सौ.इंदुबाई प्रकाश वाघ, अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शळ्वाल, केले चंद्रकांत काशिनाथ, मासुळे अमोल पावबा, इत्यादी सदस्यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

म. महापौर

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २४ दिनांक १५/५/२०१४

सन्मा.सदस्या सौ.इंदुबाई प्रकाश वाघ, अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शळ्वाल, केले चंद्रकांत काशिनाथ, मासुळे अमोल पावबा, इत्यादी सदस्यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २२

राष्ट्रीय शहरी आरोग्य अभियान (NUHM) अंतर्गत Memorandum Of Understanding (MOU) करार करणे व शासन निर्देशानुसार शहरी आरोग्य अभियान राबविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २५ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे केंद्र शासनाकडून सन २०१४-१५ महाराष्ट्रातील सर्व महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये राष्ट्रीय शहरी आरोग्य अभियान राबविण्याबाबतीत कार्यवाही होत आहे. सदर अभियानाचे उद्दिष्ट शहरी नागरिकांपर्यंत मुलभूत आरोग्य सेवा पोहोचविणे असे आहे. त्यानुसार सदर अभियान राबविणे करीता संदर्भीय पत्र क्र.२ अन्वये धुळे मनपा कार्यक्षेत्रासाठीचा रु.६.४२ कोटीचा कृती आराखडा मंजूर करून पाठविण्यात आला होता. या कृती आराखड्यात नवीन ३ शहरी आरोग्य केंद्र बांधकाम करणे साठी तसेच ५ शहरी आरोग्य केंद्र दुरुस्ती करणेसाठी व या योजनेतर्गत काम करणारे कर्मचारी यांचे मानधन इ. बाबींकरीता वरील अनुदान मंजूर करण्यात आले आहे.

सन २०१४-१५ मधील पहिल्या टप्प्याचे अनुदान रु.१,६३,०००००/- (अक्षरी रूपये एक कोटी त्रेसाष्ट लक्ष) ३ महिन्यासाठी मंजूर करण्यात आले असून ते अनुदान मिळण्यासाठी महापालिकेने शासनास (अभियान संचालक,आरोग्य सोसायटी, महाराष्ट्र, मुंबई) Memorandum Of Under standing (MOU) करार करून पाठविणे बाबत) म.आयुक्त (कु.क) व संचालक, राष्ट्रीय आरोग्य अभियान, महाराष्ट्र मुंबई यांचेकडील पत्र जा.क्र. राआसो /NUHM/MOU / १००७३०-९२४/ १३-१४ दि. २५ मार्च २०१४ नुसार सूचित करण्यांत आले आहे. त्यापुढील अनुदान टप्प्या टप्प्यने वितरीत करण्यांत येणार आहे.

तरी सदर राष्ट्रीय शहरी आरोग्य अभियान धुळे मनपा कार्यक्षेत्रात राबविणे करीता सदर Memorandum Of Understanding (MOU) सन २०१४-१५ ते २०१६-१७ या वर्षापर्यंतचा करार शासनास करून देणे बंधनकारक आहे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व कार्यालयीन अहवालानुसार राष्ट्रीय शहरी आरोग्य अभियान धुळे मनपा कार्यक्षेत्रात राबविणेकरिता शासनाच्या निर्देशानुसार सिटी हेल्थ सोसायटी स्थापन करून त्यामार्फत पुढील कार्यवाही करणेसाठी व आवश्यक तो करार करणेसाठी सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. **सर्वानुमते मंजूर,**

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २३

धुळे महानगरपालिकेतील बांधकाम विभागाकडे ५ व आरोग्य विभागाकडे २ एकुण ७ ओळखरसिअर यांची नव्याने पद निर्मिती प्रस्तावास मंजुरी देऊन सदर प्रस्ताव शासनाकडेस मंजरीसाठी पाठविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धळे महानगरपालिका ठराव नंबर २६ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिकेत तांत्रिक पदे कमी असल्याने दैनंदिन कामकाजात अडथळा निर्माण होत असल्याने वेळोवेळी बैठकामध्ये तांत्रिक पदांची मागणी होत असल्याने खालील प्रमाणे अहवाल सादर करण्यात येत आहे. सद्यस्थितीत धुळे महानगरपालिकेत बांधकाम विभागात खालील प्रमाणे तांत्रिक पदे मंजूर आस्थापनेवर आहेत. सद्यस्थितीत ओळखसिअर या पदावर खालील प्रमाणे कर्मचारी कार्यरत आहेत.

- १) श्री. प्रदीप चव्हाण ओळखरसिअर

२) श्री. एन. के बागुल ओळखरसिअर

३) श्री.एस.बी. विसपुते ओळखरसिअर

४) श्री. सी.एम. उगले ओळखरसिअर

५) श्रीमती गुलाब सिसोदे ओळखरसिअर(सध्यास्थितीत कार्यकारी अभियंता सां.बा ठाणे कार्यरत)

६) श्री.सुनिल देवरे कनिष्ठ अभियंता(महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण हस्तांतरीत कर्मचारी) सध्यास्थितीत धुळे मनपात खालील प्रमाणे सब ओळखरसिअर व इमारत निरीक्षक, सर्व इन्स्पेक्टर म्हणून कार्यरत आहेत.

१) श्री. कमलेश सोनवणे - सब ओळखरसिअर

२) श्री.हेमंत पावटे - सब ओळखरसिअर

३) श्री. प्रदीप चव्हाण -सब ओळखरसिअर यांना ओळखरसिअर पदावर पदोन्नती दिल्याने पद रिक्त आहे.

तसेच सध्यस्थितीत खालील प्रमाणे तांत्रिक पदे गिक्त आहेत

- १) शहर अभियंता - १ पद
 २) कार्यकारी अभियंता - १ पद
 ३) उपअभियंता - ४ पद (२ पद सरळ सेवाने व २ पद पदोन्नतीने)
 ४) उपअभियंता - १ पद (पाणीपरवठा)

महानगरपालिकेतील पदभरतीची प्रक्रिया एम.के.सी.एल. मार्फत करण्यांस एम.के.सी.एल. यांनी लेखी सहमती दिलेली आहे.

उपरोक्त प्रमाणे धुळे महानगरपालिकेस मंजूर आस्थापनेवर तांत्रिक पदे मंजूर आहेत. तथापि धुळे शहराचा वाढता विस्तार ४६.४६ चौ.कि.मी. असून सदर तांत्रिक कर्मचारी अत्यंत कमी प्रमाणात आहेत. त्यामुळे खालील प्रमाणे कामकाज करतांना अडचणी निर्माण होतात.

- १) पाणीपुरवठा विभागाकडील शहरातील तसेच हनुमान टेकडी ते पांजऱ्या पर्ंग स्टेशन तापी पाणीपुरवठा ते नगावबारी जलकुंभ येथील पाईप लाईनवर वारंवार लिकेजस होतात. त्यामुळे लाखो शुद्ध पाण्याची नासाडी होते. तसेच सदरच्या भागात पाणी पुरवठा विस्कळीत होतो. त्यामुळे नागरीकांच्या पाणीपुरवठा संदर्भात नियमित तक्रारी येत असतात. त्यासाठी तांत्रिक कर्मचा-यांची पाणीपुरवठा विभागात आवश्यकता आहे.
- २) बांधकाम विभागाकडे विविध भागात रस्ते व गटारी, शौचालय इत्यादी कामे सुरु असतात. सदर कामे दर्जेदार व चांगले होण्यास तांत्रिक कर्मचारी यांनी सदर कामावर नियंत्रण ठेवणे आवश्यक असल्याने सध्यस्थितीत तांत्रिक कर्मचारी आवश्यक आहे.
- ३) नगर रचना विभागाकडे अनधिकृत बांधकामे, अतिक्रमणे, अनधिकृत मोबाईल टॉवर, महानगरपालिका मालकीच्या खुल्या जागेचा सर्व्हे करण्याकामी पुरेसे तांत्रिक कर्मचारी नसल्याने सदरची कामे मुदती व योग्य प्रकारे होत नाही. त्यामुळे नगररचना विभागाकडे पुरेसा तांत्रिक कर्मचारी देणे आवश्यक आहे.
- ४) आरोग्य विभाग बांधकाम विभागाकडील बांधण्यांत येणा-या गटारी, शौचालय तसेच शहरातील वाहणारे नाले यांची देखभाल दुरुस्त करण्याकामी आरोग्य विभागाकडे तांत्रिक कर्मचारी नाहीत. त्यामुळे सदर विभागाकडे तांत्रिक कर्मचारी देणे आवश्यक आहे.

वरील ४ ही विभागात तांत्रिक कर्मचारी देणे आवश्यक आहे. सध्यस्थितीत बांधकाम विभागाकडे ५ ओव्हरसियर व आरोग्य विभागाकडे १ ओव्हरसियर तांतडीने देणे आवश्यक आहे.

उपरोक्त ७ ओव्हरसियर या नवीन पद मंजुरीचा प्रस्ताव शासनाकडे सादर करण्याकामी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ५१ नुसार मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच मनपाचा वाढता विस्तार लक्षात घेता मनपाच्या कर्मचारी आकृतिबंध आराखडया नुसार आवश्यक असणारी तांत्रिक पदे व अन्य पदांना (यांत शाखा अभियंता पा.पु. विभाग ४ पदे, मँकेनिकल इंजि. पा.पु विभाग १ पद, इलेक्ट्रोक इंजि.पा.पु. विभाग १ पद, सब ओव्हरसिअर बांधकाम विभाग १ पद, नगररचनाकार १ पद, इमारत निरीक्षक १ पद, क्षेत्रीय अधिकारी नगररचना विभाग ६ पदे, उद्यान निरीक्षक १ पद, इस्टेट मॅनेजर नगररचना विभाग १ पद, लघुलेखक (स्टेनो) नगरसचिव विभाग २ पदे) मंजुरी देणेसाठीही शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

शासनामार्फत मनपा आस्थापनेसाठी मंजूर असलेल्या ४१ पाणीपुरवठा विभागातील तांत्रिक पदे व इतर रिक्त पदे शासनाच्या नियमानुसार सरळ सेवा भरती तथा पदोन्नतीने भरणेबाबत प्रशासनामार्फत त्वरीत कार्यवाही करावी. सदर पदे भरतांना पारदर्शकता रहावी त्यासाठी आवश्यक ती वरिष्ठ पदे सक्षम त्रयस्थ यंत्रणेमार्फत भरती बाबत कार्यवाही तांतडीने करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २४

धुळे महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांच्या महाराष्ट्र शासन सामान्य प्रशासन विभागाकडील शासन निर्णय क्रं.गणवेश ३४०३/प्र.क्र.१२६/२००४/२९ दि.२६ मार्च २००८ अन्वये धुळाई भत्यात वाढ करण्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २७ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे शासकीय वाहन चालक संघटना, मंत्रालय मुंबई शाखा धुळे यांनी शासन निर्णयानुसार वाहन चालकांना वाढीव धुळाई भत्ता वेतनात लागु होवून फरकांसह मिळणेबाबत एकत्रित सहयांचे निवेदन दिले आहे.

महाराष्ट्र शासनाच्या सामान्य प्रशासन विभागाकडील शासन निर्णय क्रं.गणवेश ३४०३/प्र.क्र.१२६/२००४/२९ दि.२६ मार्च २००८ मधील मुद्रार क्रं.२(ब) नुसार सामान्य

प्रशासन विभागाकडील शासन निर्णय क्रं.गधुभ/३५९४/प्र.क्र.३१/९५/२९ दि. ८/२/९६ अन्वये शासकीय चतुर्थश्रेणी कर्मचारी व वाहन चालक यांना विहीत केलेल्या धुलाई भत्यात वाढ करून हा भत्ता दरमहा रु. ५०/- (रु.पत्रास फक्त) करण्यांत यावा असे नमूद केले आहे.

धुळे महानगरपालिकेत कार्यरत असणा-या कर्मचा-यांना (मंजूर उपविधी नुसार ज्या कर्मचा-यां वेतनात धुलाई भत्ता लागू आहे अशा कर्मचा-यांना) धुळे नगरपालिका ठराव क्रं.२९७ दि. १९/६/९८ अन्वये क्रमसंख्या आस्थापना/१११ दि.२३/४/९९ अन्वये रु.३०/- गणवेश धुलाई भत्ता लागू करणेत आलेला आहे.

तसेच उक्त ठरावान्वये मनपा फंडातील कर्मचा-यांना क्रमसंख्या आस्थापना/६८७ दि.८/१०/९९ अन्वये उक्तनुसार वाढीव धुलाई भत्ता लागू करणेत आलेला आहे.त्यानुसार संबंधित कर्मचारी दरमहा वेतनात रु.३०/- मात्र धुलाई भत्ता घेत आहे.

तसेच संबंधित संघटनेने वाढीव धुलाई भत्यांची रक्कम दि.१ एप्रिल २००८ पासून मिळणेबाबत व वेतनात लागू करणेबाबत मागणी केली आहे.

उपरोक्त परिस्थिती लक्षात घेता ज्या कर्मचा-यांना धुलाई भत्ता लागू आहे अशा सर्व कायम व म्यु.फंडातील कर्मचा-यांना सुधारीत दराने दि.१/४/०८ पासून धुलाई भत्ता लागू करण्यांचे झाल्यास मनपा उपविधीत दुरुस्ती करणे आवश्यक आहे.

शासन निर्णय गणवेश ३४०३/ प्र.क्र.१२६ /२००४ /२९ दि. २६ मार्च २००८ चे परिपत्रका नुसार व कार्यालयीन अहवालानुसार धुळे मनपातील कायम व म्यु.पल फंडातील कर्मचा-यांना शासनाच्या सुधारीत दराने धुलाई भत्ता लागू करणेसाठी मनपा उपविधीत दुरुस्ती करणेस व सदर प्रस्ताव शासनाच्या मान्यतेसाठी सादर करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. सदरउपविधीस मान्यता मिळाल्यापासून वाढीव दराने धुलाई भत्ता लागू करण्यांत यावा. व गणवेश परिधान न करणा-या कर्मचा-यांवर प्रशासनामार्फत कारवाई करण्यांत यावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २५

मनपा शिक्षण मंडळामार्फत सुरु असणा-या इंग्रजी माध्यमांच्या बालवाडया व प्राथमिक शिक्षणास (१ ते४) महासभेद्वारा मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २८ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहरात शिक्षणाची उज्ज्वल परंपरा आहे. अनेकविध नामवंत या धुळे शहराच्या शाळेत शिकून नावरुपास आलेले आहे.सानेगुरुजीच्या पावन स्पर्शाने पुणीत झालेल्या या परिसरात ६५ ते ७० मनपाच्या शाळा कार्यरत होत्या. काळाच्या ओघात या शाळा आता संख्येने कमी झाल्यात. सध्या म.न.पा. कार्यक्षेत्रात मराठी माध्यमाच्या १२ व उर्दू माध्यमाच्या ११ अशा एकुण २३ शाळा कार्यरत असून ९६ शिक्षक सेवेत आहेत. त्याचप्रमाणे २९२९ विद्यार्थी शिक्षण घेत आहेत.

जागतीकरणाच्या बाबी लक्षात घेता इंग्रजी भाषा ही महत्वपूर्ण असल्याने म.न.पा. शिक्षण मंडळाने शहरातील गोरगरीब,अल्पसंख्याक,आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील विद्यार्थीसाठी इंग्रजी माध्यमाच्या शाळा असाव्यात असा मानस होता. त्या अनुषंगाने सर्व सदस्यांच्या संमतीने दि.१३/४/२०१२ व दि.८/२/२०१२या दिवशीच्या म.न.पा.शि. मंडळाच्या विशेष ठरावानुसार मनपा शाळा क्रं.३,९,१४,२५येथे इंग्रजी माध्यमाच्या बालवाडया सुरु करण्याबाबत ठराव करण्यात आला. व त्यानुसार बालवाडयाची जुजबी दुरुस्ती करून बालवाडया सन्माननीयांच्या समन्वयातून सुरु करण्यात आल्या. व त्यानुसार बालवाडयाची

जुजबी दुरुस्ती करून बालवाडया सन्माननीयांच्या समन्वयातून सुरु करण्यांत आल्या. २४ बालवाडी शिक्षिकांनी आजपर्यंत सेवाभावी दृष्टीकोन ठेवून अध्यापनाचे कार्य आजपर्यंत सुरु आहे.या बालवाडयामध्ये

| अ. क्रं. | मनपा शाळा क्रं. | ज्युनि. केजी (विद्यार्थी संख्या) | सिनि. केजी (विद्यार्थी संख्या) | इयत्ता १ ली (विद्यार्थी संख्या) | एकुण |
|----------|-------------------------|-------------------------------------|-----------------------------------|------------------------------------|------|
| १ | मनपा शाळा क्रं. ३ धुळे | १३३ | ९० | ६० | २८३ |
| २ | मनपा शाळा क्रं. ९ धुळे | २३२ | ७० | ३८ | ३४० |
| ३ | मनपा शाळा क्रं. १४ धुळे | ६१ | ६० | ४२ | १६३ |
| ४ | मनपा शाळा क्रं. २५ धुळे | ११० | १४० | ९० | ३४० |
| | एकुण | ५३६ | ३६० | २३० | ११२६ |

वरील प्रमाणे विद्यार्थी या शाळेत अध्यापन करीत आहेत. प्राप्त परिस्थिती मध्ये असणा-या भौतिक सुविधांचा पुरेपुर वापर करून विद्यार्थ्यांसाठी सुत्रबद्ध अध्यापनाची व्यवस्था शिक्षण मंडळामार्फत करण्यांत आलेली आहे. इंग्रजी माध्यमाचे शिक्षण घेण्यासाठी गोरगरीब, अल्पसंख्याक, आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल धटकातील लोकांना मोफत शिक्षणाची सोय करण्याचा प्रयत्न शिक्षण मंडळाने केलेला आहे. नैसर्गिक वाढीनुसार या शाळामध्ये आता इयत्ता १ ली चे वर्ग सुरु आहेत. या सुरु असणा-या इंग्रजी माध्यमांच्या मनपा शाळा क्रं. ३, ९, १४, २५ धुळे या ज्युनि केजी व सिनी केजी तसेच प्राथमिक इ. १ ते ४ इंग्रजी माध्यमाचे वर्गाना व सदर वर्गात शिकवित असलेल्या २४ सहीत शिक्षकांसहीत मनपा धुळे च्या महासभेत मंजुरी घेऊन तसा ठराव करणेबाबत तसेच टप्प्याटप्प्याने प्राथमिक विभागातील इ. १ ली, इ. २ री, इ. ३ री, इ. ४ थी मधील अध्यापन करणा-या पटसंख्येनुसार असणा-या भविष्यातील कार्यरत शिक्षकांना अनुमती मिळणेबाबत मनपा शिक्षण मंडळामार्फत प्रस्ताव सादर झालेला आहे.

कार्यालयीन प्रस्तावाप्रमाणे व झालेल्या चर्चेनुसार मनपा शिक्षण मंडळामार्फत यापूर्वी सुरु केलेल्या ज्यु.के.जी. सिनियर के.जी. व प्राथमिक १ ली ते ४ थी च्या इंग्रजी माध्यमाच्या वर्गाना मान्यता देण्यांत येत आहे. बालवाडया व प्राथमिक वर्गाना शासनाकडून तथा शिक्षण विभागाकडून मान्यता घेणेसाठी तसेच मनपा आस्थापनेवर बालवाडी शिक्षिका व मदतनीस तसेच अन्य अनुषंगिक पदांना मान्यता घेणेसाठी तांतडीने प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २६

राज्य नगरोत्थान योजनेअंतर्गत नवीन LED पथदिवे बसविणे बाबतच्या प्रस्तावास मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर २९ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा. महापौर यांनी राज्य नगरोत्थान योजने अंतर्गत धुळे शहरातील मुख्य रस्त्यावर LED पथदिवे बसविणे बाबत प्रस्ताव सादर करणेबाबत आदेशित केले आहे.

या अनुषंगाने प्रास्तावित कामांचे अंदाजपत्रकांना रु. ५, १४, ४६, ३४४/- मात्र करिता मा. मुख्य अभियंता, सार्व. बांधकाम (विद्युत) विभाग यांचे कडून जा.क्र. मु.अ / वि /३ /५ / १३११/०१४ दि. २/५/०१४ नुसार तांत्रिक पडताळणी मान्यता प्राप्त आहे.

तसेच अन्य १ ते १२ कामे ही वरील राज्य नगरोत्थान योजने अंतर्गत करणेबाबत प्रस्तावित करणेत आहे. सदर कामांचे अंदाजपत्रके एकुण रु. २,५१,२८,१४३/- मात्र तांत्रिक मंजुरी करिता सार्व बांधकाम विभाग यांचेकडेस सादर करणेत आला आहे.

वरील प्रमाणे राज्य नगरोत्थान योजने अंतर्गत धुळे शहरातील मुख्य रस्त्यांवर LED पथदिवे बसविणे रक्कम रु.५,१४,४६,३४४/- व पोलसह LED पथदिवे बसविणे रु.२,५१,२८,१४३/-चे कामांचे प्रस्ताव महाराष्ट्र शासनाकडेस अनुदान मंजुरीसाठी पाठविणेस व याकामी आवश्यक तो मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे.उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (अ) दिनांक १५/५/२०१४

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत बीआरजीएफ योजनेअंतर्गत पुढील वित्तीय वर्षात करावयाच्या कामांबाबत शासन स्तरावर प्रस्ताव सादर करावयाचा आहे. या योजनेमध्ये १०० टक्के शासन अनुदान प्राप्त होणार आहे.यात सन्मा.नगरसेवकांमार्फत मनपा प्रशासनास प्राप्त झालेल्या कामांच्या याद्यानुसार कामाची आवश्यकता व निकड लक्षांत घेता खालील प्रमाणे प्राधान्यक्रमाने कामे शासन स्तरावर सादर करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं १. | कामाचे नांव |
|------------|--|
| १ | गजानन कॉलनी ते वाखारकरनगर ते वरखेडीरोड पावेतोच्या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| २ | नटराज टॉकीज ते अभ्य कॉलेज पावेतोच्यासंपूर्ण भागात ड्रेनेज लाईन टाकणे . |
| ३ | ताशागल्ली ते तिरंगा चौक पावेतो नाल्यास दोन्ही बाजूस संरक्षण भिंत बांधणे. |
| ४ | प्र.क्र. २५ गजानन कॉलनी ते काझी प्लॉट येथील नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| ५ | जगदीशनगर ते मोतीनगर पावेतोच्या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| ६ | क्ही.डब्ल्यू.एस. कॉलेज समोरील नाल्यास रिटेनींग वॉल बांधणे |
| ७ | सुशीनाल्यास रिटेनींग वॉल बांधणे |
| ८ | वडजाईरोड मच्छीबाजार पुल ते मनोहर टॉकीज पावेतो नाल्यास दोन्ही बाजूस संरक्षण भिंत बांधणे |
| ९ | प्र.क्र.२८ आशियाना कॉलनी पासून ते मुस्लीम नगर स्लॉटर हाऊस पावेतो असणा-या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| १० | प्र.क्र. ३५ सर्वे नं. ४४२ अमीन कुल्फीवाला यांच्या कारखान्यापासून ते ४०गांवरोड पुला पर्यंत असलेल्या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| ११ | भरतनगर नाला ते गीतानगर नाला पर्यंत रिटेनींग वॉल बांधणे. |
| १२ | देवपूर प्रोफेसर कॉलनी भागातील संपूर्ण लोढी नाल्याच्या दोन्ही बाजूस संरक्षण भिंत बांधणे |
| १३ | सुभाषनगर ते ताशागल्ली पावेतो नाला बंदिस्त करून जॉर्णिंग टॅक करणे |

| | |
|----|---|
| १४ | प्र.क्र. २९ मालेगांवरोड गोशाळा ते अग्रवाल ओम क्रिटीकल पावेतो नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| १५ | प्र.क्र. २९ दसेरा मैदान ते विशालनगर येथे असलेल्या नाल्यावरील पुलाची उंची वाढविणे |
| १६ | प्र.क्र. २५ जयशंकर कॉलनी ते तिरंगाचौक पावेतोच्या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| १७ | प्र.क्र. २७ व २८ आझादनगर, हाजीनगर, मुस्लीम नगर इत्यादी भागातून जाणा-या नाल्यास संरक्षण भिंत बांधणे |
| १८ | प्र.क्र.३५चाळीसगांवरोड वरील जुन्या साबण कारखान्यापासून ते ४०गांवरोड चौफुलीपर्यंत गरीब नवाज मशिदीपर्यंत नाल्यास दोन्ही बाजूस संरक्षण भिंत बांधणे |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी,बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे.उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (ब) दिनांक १५/५/२०१४

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावर दलित वस्ती सुधार योजने अंतर्गत सन २०१४-१५ साठी पाणीपुरवठ्याची कामे प्रस्तावित करावयाची आहे यात सन्मा. नगरसेवकांमार्फत मनपा प्रशासनास प्राप्त झालेल्या कामांच्या याद्यानुसार कामाची आवश्यकता व निकड लक्षांत घेता खालील प्रमाणे प्राधान्यक्रमाने कामे शासन स्तरावर सादर करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | कामाचे नाव |
|-------|---|
| १ | देवपूर वॉर्ड क्रं. ८ मध्ये रस्ता कॉक्रीट करणे |
| २ | वॉर्ड क्रं. ८ पंचवटी नदी किनारी धोबी घाट बांधणे |
| ३ | वॉर्ड क्रं. ८ रमाबाई आंबेडकर नगर भागात आंबेडकर पुतळ्याजवळ सभागृह बांधणे |
| ४ | वॉर्ड क्रं. ८छोटा पुल ते मोठ्यापुला पर्यंत नदीला संरक्षण भिंत बांधणे. |
| ५ | यशवंतनगर नाला किनारे ते मोती नाल्यापावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| ६ | नवजीवननगर येथे कुंपन भिंत,गार्डन,गटार शौचालय व फाशी पुल रस्त्यावर स्लॅब कलर्कट बांधणे |
| ७ | सिध्दार्थनगर मधील गटारी करणे व विहिरीवर जाळी लावणे. |
| ८ | मनपा शाळा नं. २८ ते फाशीपुल उमंग दुध डेअरी पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| ९ | रमाईनगर येथे वॉल कपॉड बांधणे |
| १० | धुळे शहरातील मनपा मालकीच्या सार्वजनिक विहिरीवरून पाणीपुरवठा करणे. |
| ११ | मोती नाल्यावर पुल बांधणे |
| १२ | प्रभाग क्रं. १७ मध्ये समर्थ कॉलनी वैगरे भागात पोलसह पथदिवे सुविधा करणे. |
| १३ | प्रभाग क्रं.१७ मध्ये ठाकरे हॉस्पीटल ते सिंहस्थ ते बाहुबली सोसायटी डी.पी. रस्त्यावर नवीन एल.ई.डी. पथदिवे बसविणे. |
| १४ | प्रभाग क्रं. १५ मध्ये बुध्दविहार फुलेनगर येथे पोलसह पथदिवे सुविधा करणे |
| १५ | प्रभाग क्रं. १८ भिमनगर शनिनगर नवीन घरकुल भागात पोलसह पथदिवे सुविधा करणे |
| १६ | प्रभाग क्रं. ३० आण्णाभाऊ साठे नगर नवजीवननगर भागात पथदिवे सुविधा करणे |

| | |
|----|--|
| १७ | प्रभाग क्रं. ८ नदी किनार पांचाळ वाडा भागात पथदिवे सुविधा करणे |
| १८ | देशमुख वाडा येथे जुने समाज मंदिर पाढून नवीन बांधणे |
| १९ | मोगलाईत विविध भागात रस्ते व गटार करणे |
| २० | स.नं. २९/१ आणि ३१/१ जगदीशनगर भागात ओपन स्पेसला वॉल कपौंड करून खुले पेक्षागृह व सभा मंडप करणे |
| २१ | मोगलाई भागात विविध ठिकाणी भूमिगत गटार करणे |
| २२ | समर्थनगर येथील रस्ते ट्रिमिक्स व कॉकीट करणे |
| २३ | गोळीबार टेकडी रोड वरील पोलीस क्लब ते जमनागिरी नाल्यासंरक्षण भिंत बांधणे |
| २४ | पद्मनाभनगर रिमांड होम ते ड्रायव्हर गल्ली गवळीवाडा देशमुख वाडा ते मोतीनालापर्यंत गटार करणे. |
| २५ | महालेनगर येथील जुने शौचालय पाढून नवीन शौचालय बांधणे. |
| २६ | जे के. ठाकरे दवाखान्यापासून ते उत्कर्ष कॉलनी पर्यंत रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २७ | अरुण कुमार वैद्य नगर रस्ता तयार करणे |
| २८ | मित्रकुंज हौसींग सोसायटीत रस्ता तयार करणे |
| २९ | समर्थनगर येथे गटार तयार करणे |
| ३० | जवाहरनगर येथे गटार तयार करणे |
| ३१ | नुतन कृषीनगर येथे रस्ता तयार करणे |
| ३२ | सुंदरच कॉलनी येथे रस्ता तयार करणे |
| ३३ | कुमारनगर स्मशानभूमीत पेव्हिंग ब्लॉक बसविणे |
| ३४ | जकात नाका ते ठाकरे हॉस्पीटल पावेतो गटार करणे |
| ३५ | विविध भागात गटार करणे. |
| ३६ | सुंदरच कॉलनी व जवाहरनगर येथील ओपनस्पेसचेन लिक कपौंड करणे. |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (क)दिनांक १५/५/२०१४

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावर अल्पसंख्याक निधी योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी कामे प्रस्तावित करावयाची आहे. यात सन्मा. नगरसेवकांमार्फत मनपा प्रशासनास प्राप्त झालेल्या कामांच्या याद्यानुसार कामाची आवश्यकता व निकड लक्षांत घेता खालील प्रमाणे प्राधान्यक्रमाने कामे शासन स्तरावर सादर करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | कामाचे नांव |
|-------|---|
| १ | प्रभाग ९ अ मध्ये २० सीट सार्वजनिक शौचालये बांधणे |
| २ | प्रभाग क्रं. ९ ब मध्ये २० सीट सार्वजनिक शौचालय बांधणे |
| ३ | कॅथलिक चर्चाला पेव्हर ब्लॉक करणे |

| | |
|----|--|
| ४ | देवपूर चर्च परिसरात पेक्हीग ब्लॉक बसविणे |
| ५ | देवपूर मुस्लीम कब्रस्तानात पेक्हीग ब्लॉक बसविणे |
| ६ | नवीन मुस्लीम कब्रस्तान येथे ५० विद्युत पोल व १ हायमास बसविणे |
| ७ | भगामोहन नगर येथील जैन मंदिरास वॉल कपौड बांधणे. |
| ८ | देवपूर चर्च परिसरात पथदिवे सुविधा करणे |
| ९ | राजेद्र सुरी नगर मध्ये कुंपन भिंत बांधणे |
| १० | सर्वे नं.४१६ व ४१७ येथे ओपन स्पेसला वॉल कपौड करणे. |
| ११ | सर्वे ४१३/२ मध्ये आसिफ किराणा दुकानाजवळ रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| १२ | शैफीबाग ग.नं. ७ येथील नाल्यावर पुल बांधणे व बोहरी समाज मशिजद येथे वॉल कपौड बांधणे |
| १३ | शाळा नं. ८/४ येथे मौलाना आझाद मल्टीपरपज हॉल बांधणे |
| १४ | सर्वे नंबर ४१३ / ३ बायपास हायवे परिसर येथे पथदिवे सुविधा करणे. |
| १५ | खिशचन कब्रस्थान (बारापत्थर) येथे पथदिवे सुविधा करणे. |
| १६ | साक्रीरोड मोगलाई युनिटी मायनॉरीटी वेलफेअर मल्टीपरपज सोसायटी येथे समाज मंदिर बांधणे |
| १७ | देवपूर मोहम्मदी नगर खाटीक वाडा भागात मूस्लीम खाटीक समाजासाठी भवन बांधणे. |
| १८ | वडजाईरोड येथे बागवान जमात खाना बांधणे |
| १९ | वडजाईरोड अक्सानगर येथे शाह जमात खान्याचे नुतनीकरण करणे . |
| २० | प्रभाग क्रं. २४ मध्ये रमजानबाबा नगर येथे गटार बांधणे. |
| २१ | प्रभाग क्रं. २५ मध्ये नाल्यावर पुल बांधणे |
| २२ | प्रभाग क्रं. २५ जयशंकर कॉलनी येथे मंदिरास वॉल कपौड बांधणे |
| २३ | प्रभाग क्रं. २५ गफूरनगर भागात रस्ता कॉक्रीट करणे. |
| २४ | प्रभाग क्रं. २५ मध्ये सिद्दीकीया नगर भागात पेक्हीग ब्लॉक बसविणे |
| २५ | प्रभाग क्रं. २५ मध्ये फिरदोसनगर मधील ओपनस्पेस मध्ये समाज मंदिर बांधणे |
| २६ | प.क्र. २७ शकील हॉटेल ते बिला मिस्तरी यांच्या घरापर्यंत रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २७ | प.क्र. २७ इसाक मशिद ते नाल्यापर्यंत रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २८ | प.क्र. २७ मुफी इसरार ते सत्तार वाड्यापर्यंत रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २९ | प्र.क्र. २८ मिल्लतनगर व ड्रायव्हर सोसायटी इ. भागात कॉक्रीट रस्ते तयार करणे |
| ३० | प्र.क्रं.२८ कामगारनगर, मिल्लतनगर व विविध भागात कॉक्रीट गटार तयार करणे |
| ३१ | प्र.क्र.२५गफूरनगरगेट पासून ते मोयीन शेठ भंगारवाले ते बशीर मौलाना यांचे घरापर्यंत रस्ता कॉक्रीट करणे. |
| ३२ | प्र.क्रं.३५सर्वे नं.४३६,४३७ अलखैर शाळेजवळ नाल्यावर स्लॉब कलर्व्हट करणे |
| ३३ | प्र.क्रं. ३५ सर्वेनं. ४३८ चे भागात पेक्हीग ब्लॉक बसविणे |
| ३४ | प्र.क्र. ३५ सर्वे नं.४३६ चे विविध भागात गटार बांधणे |
| ३५ | प्र.क्रं.३५ सर्वे.४३८ भागात शब्बीरनगर झोपडपट्टी भागात कॉक्रीट गटार करणे |
| ३६ | प्र.क्र.३५जामचा मळा भागात भूत बंगला ते सुलतानीया मदरशा पर्यंत दोन्ही भागात कॉक्रीट गटार बांधणे |
| ३७ | प्र.क्र.३५ सुलतानीया मदरशा पासून अलहेरा शाळा ते फातमा मशिदी पर्यंत ४० फूटी रस्ता खडीकरण डांबरीकरण करणे. |
| ३८ | प्र.क्र.३५सर्वे नं. ४३८ अलहेरा शाळेच्या परिसरात व झोपडपट्टी भागात कॉक्रीट गटार करणे |
| ३९ | प्र.क्र. ३५ सर्वे नं. ४३६, व४३७ श्री. मजिद शाह यांच्या घराजवळील नाल्यावर स्लॉब कलर्व्हट बांधणे |
| ४० | प्र.क्र. ३५ सर्वे नं.४३८ भागात शब्बीरनगर भागात पेक्हीग ब्लॉक बसविणे |
| ४१ | प्र.क्र. ३५ सर्वे नं. ४३७ च्या विविध भागात कॉक्रीट गटार करणे |
| ४२ | प्र.क्र. ३५ पूर्व हुडको भागात अंजनशाह दाता सोसायटी ते हिदायत मशिद परिसरात विविध ठिकाणी कॉक्रीट गटार करणे |
| ४३ | प्र.क्र. ३५ जामचा मळा भागात सैय्यद अली अकबर अली यांचे घरापासून ते सुलतानीया मदरशापर्यंत |

| | |
|----|---|
| | रस्त्याच्या दोन्ही बाजूस कॉक्रीट गटार करणे |
| ४४ | प्र.क्र. ३५ जामचा मळा असाबगे सुफा मशिद परिसर अलेहरा शाळा, बोरसे कॉलनी, कंबीर गंज इ.भागात पोलवर नवीन पोलसह एलईडी लाईट बसविणे. |
| ४५ | प्र.क्र. ३५ पूव हुड्को अजमेरानगर खडीपट्टी अंजानशाह दादा सोसायटी, गजानन कॉलनी हिंदायत मशिद पत्रेवाली परिसर भागात नवीन पोलसह एलईडी लाईट बसविणे. |
| ४६ | नईम हाजी ते सलीम मामा यांच्या घरापर्यंत रस्ता सिमेंट कॉक्रीट करणे |
| ४७ | वॉर्ड क्रं. २५ अल्पसंख्याक विधवा महिलांसाठी प्रशिक्षण केंद्राकरिता हॉल बांधणे |
| ४८ | जयशंकर कॉलनी ते मास्टर कॉलनी येथे पुल बांधणे |
| ४९ | रातराणी परिसरात डेनेज लाईन टाकणे |
| ५० | वार्ड नं. २८ कामगारनगर मिल्लतनगर परिसरात पथदिवे सुविधा करणे. |
| ५१ | कबीरगंज पाण्याच्या टाकी समोर जुन्या शौचालयाचे जागेत ४० सीट सार्वजनिक शौचालय बांधणे |
| ५२ | स्लॉटर हाऊसचे पाठीमागे सार्वजनिक शौचालय बांधणे |
| ५३ | रातराणी परिसरात २० सीट शौचालय बांधणे |
| ५४ | फिरदोसनगर भागात समाज मंदिर बांधणे |
| ५५ | मोगलाई परिसरात शाह समाजासाठी समाज मंदिर बांधणे. |
| ५६ | वॉर्ड क्रं. २४ अक्सानगर काळी प्लॉट येथे नवीन एचडीपी पाईप लाईन टाकणे |
| ५७ | वॉर्ड क्रं. २५ मध्ये झाडे लावणे. |
| ५८ | वॉर्ड क्रं. २८ मुस्लीम नगर मुंशी मशिदीजवळ पेक्हिंग ब्लॉक बसविणे. |
| ५९ | प्रभाग क्रं. २८ भागात विविध ठिकाणी वृक्ष लागवड करणे. |
| ६० | प्रभाग क्रं. २७ मध्ये विविध भागात रस्ते खडीकरण व डांबरीकरण करणे. |

सदर योजनेसाठी शासनामार्फत १०० टक्के शासन अनुदान प्राप्त होणार असून प्रशासनाने याबाबत तांतडीने पुढील कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हडीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (ड) दिनांक १५/५/२०१४

मनपा हडीत सद्यस्थितीत मनपा मार्फत अस्तित्वातील दवाखाना सुविधा अल्प स्वरूपात असल्याने यापूर्वी मनपा मालकीच्या मंजूर विकास योजनेतील ८० फूटी रस्ता, प्लायनल प्लॉट नंबर ८०/८१ च्या आरक्षित जागेवर तसेच चक्रबर्डी येथील सर्वे नंबर ४८९ च्या जागेत मॅटनिटी व सार्वजनिक हॉस्पीटल बांधणे प्रस्तावित होते. तथापि सदर जागा मनपाच्या प्रत्यक्ष ताबे कब्जात नसल्याने सदर ठिकाणी बांधकाम करता येणार नाही. त्यामुळे नवीन अस्तित्वातील मनपा मालकीच्या जागेत दवाखाना बांधकामाचे काम प्रस्तावित करणे आवश्यक आहे.

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महाराष्ट्र शासनाकडेस खास बाब म्हणून विशेष अनुदान म्हणून २० कोटी रुपये मिळणेबाबत प्रस्ताव सादर करण्यांत आलेला आहे. सदर प्रस्तावबाबत मा.मुख्यमंत्री महोदयांनी अनुकूलता दर्शविली असून याबाबत स्वयंस्पष्ट प्रस्ताव सादर करणेबाबत नगरविकास विभाग मंत्रालय, मुंबई यांनी कळविलेले आहे. त्या

अनुषंगाने या विशेष निधी अंतर्गत प्रामुख्याने खालील प्रमाणे प्रस्ताव प्राधान्य क्रमाने पाठविणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

१) मनपा मालकीच्या शाळा क्रं.२८ च्या आवारालगत असलेल्या पूर्वीचा २ रुम असलेला दवाखाना सुमारे ५० वर्षांपासून अस्तित्वात आहे. सदर जागा मंजूर विकास योजनेतील रहिवास भागात अंतर्भूत असून त्याठिकाणी बांधकाम अनुज्ञेय आहे. सदर जागेत नवीन अद्यायावत हॉस्पीटल बांधणे. खर्च अंदाजित ५ कोटी मात्र

२) अल्पसंख्यांक भागातील नागरीकांची आवश्यकता लक्षांत घेता मनपा मालकीच्या शाळा क्रं.५१ व ५२ ही जागा मंजूर विकास योजनेतील रहिवास भागात अंतर्भूत असून त्याठिकाणी बांधकाम अनुज्ञेय आहे. सदर जागेत नवीन अद्यायावत हॉस्पीटल बांधणे.

खर्च अंदाजित ५ कोटी मात्र

३) धुळे शहरातील मुख्य रस्ता असलेला वाढीभोकर रोड डांबरीकरण करणे. अंदाजित खर्च रु. ५ कोटी मात्र

४) धुळे शहरातील मुख्य रस्ता शिवाजी रोड व संतोषीमाता मंदिर ते मामलेदार कचेरी रस्ता नुतनीकरण करणे अंदाजित खर्च रुपये ५ कोटी मात्र

उक्त प्रस्ताव तांतडीने तयार करून शासनाकडेस सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. याकामी आवश्यकता असल्यास मनपा हिस्सा अदा करण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

तसेच यापूर्वी स्थायी समिती ठराव नंबर ८ दिनांक २८/२/२०१४ अन्वये मंजुरी दिलेल्या प्रस्तावित केलेल्या कामास या ठरावान्वये मान्यता देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (इ) दिनांक १५/५/२०१४

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत मनपा मालकीच्या सर्वे क्रमांक६१,६२,६३ वरखेडीरोड येथील सुमारे ४ हेक्टर ७८ आर. जागेवर ॲम्युजमेंट पार्क उभारणे बाबत यापूर्वी मनपा ठराव नंबर ७ दिनांक ३१/१/२०१४ अन्वये आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यांत आलेली आहे. सदर ॲम्युजमेंट पार्क उभारणेचा प्रस्ताव जिल्हा स्तरीय नगरोत्थान योजने अंतर्गत जिल्हा स्तरावर जिल्हाधिकारी यांचेकडेस सादर करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सदर योजनेसाठी आवश्यक तो मनपा हिस्सा अदा करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (फ) दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिकेच्या आर्थिक स्थितीमुळे मनपा निधी अंतर्गत विविध विकास कामे करण्यास फार मोठ्या प्रमाणावर अडचणी निर्माण होतात. शहरात नागरीकांना पाणीपुरवठा व्यतिरिक्त इतर अत्यावश्यक सुविधा पुरिवणेकामी निधी अभावी अडचणी आहेत. मनपास एलबीटी व मालमत्ता कर यातून येणारे उत्पन्न कर्मचारी पगार, इंधन खर्च, विद्युत देयके, अत्यावश्यक रसायने खरेदी, अग्नीशमन सेवा इ. सुविधांवर खर्च होत असल्याने शहरातील विकास कामे तोडक्या निधीतून एकाच वेळी करणे शक्य होत नाही. शहराचा वाढता विस्तार व त्याअनुषंगाने नागरीकाना मुलभूत सेवा सुविधा पुरविण्याकामी निधी अभावी अडचणी निर्माण होत असतात. त्यामुळे जिल्हा नियोजन मंडळामार्फत महाराष्ट्र नगरोत्थान (जिल्हास्तर) योजनेअंतर्गत खालील कामे शहर विकासाच्या दृष्टीने अत्यंत आवश्यक आहे. शहरातील कामाची आवश्यकता व निकड लक्षांत घेता खालील प्रमाणे प्राधान्यक्रमाने कामे शासन स्तरावर तथा जिल्हा नियोजन मंडळास सादर करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच याकामी आवश्यकता असल्यास मनपा हिस्सा अदा करण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

| अ.क्रं. | कामाचे नांव |
|---------|---|
| १ | प्रभाग क्रं. २१ (जुना वॉर्ड क्र. ४०) मधील पेठ ग.नं. ४ पासून पोलीस चौकी ते नाल्यापावेतो आरसीसी गटार बांधणे |
| २ | प्रभाग क्रं. ५ डीडीसीसी बैंक कॉलनी ते गणेशनगर पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |
| ३ | सर्वोदय कॉलनी भागात पेव्हिंग ब्लॉक / प्रवेशद्वार व गटार करणे |
| ४ | श्री. पवार ते पिंजारी यांचे घरापर्यंत सर्वे नं. ४०२ ते ४०३ मध्ये रस्ता डांबरीकरण व गटार करणे |
| ५ | स्वामी नारायण कॉलनी येथे ओपनस्पेसला पेव्हिंग ब्लॉक बसविणे |
| ६ | विश्वकर्मा नगर गणपती मंदिर ओपनस्पेसला वॉल कपोंड करणे |
| ७ | स्वामी नारायण कॉलनी येथे ओपनस्पेस विकसीत करणे . |
| ८ | प्रभाग क्रं. २१ (जुना वॉर्ड क्रं. ४०) मधील पेठ ग.नं. ४ व ६ मध्ये आरसीसी गटार बांधणे |
| ९ | प्रभाग क्रं. २१ (जुना वॉर्ड क्रं. ४०) मधील पेठ ग.नं. ४ व ५मध्ये आरसीसी गटार बांधणे |
| १० | साईप्रसाद कॉलनी ओपनस्पेसला कुंपणभिंत बांधणे |
| ११ | प्रभाग कं. ५ भरतनगर डी.पी. रोडपासून ते गजानन बाबा मंदिरापावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |
| १२ | प्रभाग कं. २१ (जुना वॉर्ड क्रं. ४०) मधील पेठ ग.नं.४पासून नाल्यापावेतो आरसीसी गटार बांधणे |
| १३ | माणिकनगर भागातील रस्ते डांबरीकरण करणे |
| १४ | गणपती मंदिर ते पुलापर्यंत कॉक्रीट रस्ता / विकास कॉलनीत प्रवेशद्वार/ धुळे विकास बैंक ते विजय गवळी यांचे घरापावेतो रस्ता कॉक्रीट करणे |
| १५ | हिरामण पाटील ते साईबाबा मंदिरापोवेतो पथदिवे व्यवस्था करणे |
| १६ | स्वामी नारायण कॉलनी येथील उद्यानात पथदिवे व्यवस्था करणे |
| १७ | देवपूर प्रभाग क्रं. २ घुगेनगर ते तापी माई सोसायटी बोर्डापावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |
| १८ | प्रभाग क्रं. २५ गफूरनगर भागात निहाल अक्तर ते नाल्यापावेतो कॉक्रीट रस्ता करणे |
| १९ | गफूरनगर भागात मोईनशेठ भंगारवाले ते फतेखान यांचे घरापावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २० | पारोळारोड ते अरिहंत भुवनपावेतो डी.पी. रोडला पथदिवे व्यवस्था करणे |
| २१ | हायवे ते लक्ष्मी कॉलनी पावेतो रस्ता खडीकरण करणे |
| २२ | प्रभाग क्रं. २६ मध्ये मध्यवर्ती पथदिवे सुविधा करणे |
| २३ | रोहित सायकल मार्ट ते साईबाबा मंदिरापावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |
| २४ | रामनगर येथील ओपनस्पेला कुंपन भिंत बांधणे |
| २५ | राष्ट्रवादी भवन जवळील प्लॉट नं. ३१ ते ४० पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे |

| | |
|----|---|
| २६ | राष्ट्रवादी भवन समोरील भागात प्लॉट नं.५१ ते ४२ पावेतो डांबरीकरण करणे |
| २७ | राष्ट्रवादी भवनसमोरील भागात कॉक्रीट गटार करणे. |
| २८ | पंडीत जवाहरलाल नेहरु पुतळ्याजवळ प्रवेशव्वार बांधणे |
| २९ | वॉर्ड क्रं. २७ मध्ये शकुर मेंबर ते मायक्रो टॉकी ते वडजाईरोड रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| ३० | नवीन वडजाईरोड ते जुना वडजाई रोड रस्ता डांबरीकरण करणे. |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी.एफ योजना इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (ग) दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे महानगरपालिका क्षेत्रात प्राथमिक सोयी सुविधाच्या विकास कामासाठी शासन निर्णय क्र पुरक २०१३/प्र.क्र. ३०६ नवी - १६ दिनांक १० जानेवारी २०१४ अन्वये विशेष अनुदान मंजूर झालेले आहे. सदर अनुदानातून धुळे मनपा हद्दीतील अल्पसंख्याक समाजाची दाट वस्ती असलेल्या जामचा मळा भागात धुळे स.नं.४६९-४७० या अभिन्यासाठील खुल्या जागेत पिण्याच्या पाण्याचा प्रश्न सोडविण्याकरिता नवीन १० लक्ष लिटर क्षमतेची पाण्याची टाकी बांधण्याच्या कामास सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. सदर कामासाठी शासनाने रुपये २ कोटी अनुदान मंजूर केले असून प्रत्यक्षात मनपास वितरीत करावयाचे अनुदान १.६० कोटी रुपये इतके आहे. उक्त कामाची अंदाजपत्रकीय रक्कम रुपये २,०७,९९,८५७/- इतकी असून शासन अनुदान वजा जाता उर्वरीत रक्कम मनपा निधीतून खर्च करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २७

धुळे मनपा हद्दीत मनपामार्फत शासन स्तरावरील नागरी दलित वस्ती, अल्पसंख्याक निधी, विशेष निधी, बी.आर.जी. एफ.योजना, महाराष्ट्र नगरोत्थान इत्यादी विविध योजनेअंतर्गत सन २०१४-१५ साठी अनुदान मागणी प्रस्ताव सादर करावयाचे आहे. उक्त योजनामध्ये कामे ठरविण्यासाठी सन्मा. नगरसेवकांनी दिलेल्या यादीप्रमाणे व आवश्यकतेनुसार कामांचा समावेश करणेसाठी तसेच सदर बाबतीत शासन अनुदान वगळता उर्वरीत मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३० (च) दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे महानगरपालिकेच्या आर्थिक स्थितीमुळे मनपा निधी अंतर्गत विविध विकास कामे करण्यास फार मोठ्या प्रमाणावर अडचणी निर्माण होतात. शहरात नागरीकांना पाणीपुरवठा व्यतिरिक्त इतर अत्यावश्यक सुविधा पुरिवणेकामी निधी अभावी अडचणी आहेत. मनपास एलबीटी व मालमत्ता कर यातून येणारे उत्पन्न कर्मचारी पगार, इंधन खर्च, विद्युत देयके, अत्यावश्यक रसायने खरेदी, अग्नीशमन सेवा इ. सुविधांवर खर्च होत असल्याने शहरातील विकास कामे तोडक्या निधीतून एकाच वेळी करणे शक्य होत नाही. शहराचा वाढता विस्तार व त्याअनुषंगाने नागरीकाना मुलभूत सेवा सुविधा

पुरविण्याकामी निधी अभावी अडचणी निर्माण होत असतात. त्यामुळे महाराष्ट्र नगरोत्थान योजनेत शहरातील महत्वपूर्ण कामे शासनास सादर करावयाची आहेत. सदर योजनेत मंजूर डी.पी.नुसार शहरातील १२ मिटर रुंदी व त्यावरील रस्त्यांच्या कामाचा समावेश करण्याबाबत शासनाने निर्देश दिलेले आहे. महाराष्ट्र नगरोत्थान (राज्य स्तर) योजनेअंतर्गत खालील कामे शहर विकासाच्या दृष्टीने अत्यंत आवश्यक आहे. शहरातील कामाची आवश्यकता व निकड लक्षांत घेता प्रथम टप्प्यात खालील प्रमाणे कामे शासन स्तरावर सादर करण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच याकामी आवश्यकता असल्यास मनपा हिस्सा अदा करण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे.

| अ.क्रं. | कामाचे नांव |
|---------|---|
| १ | मंजूर विकास योजनेतील ३० मिटर रुंदीचा रस्ता (१०० फूटी प्रथम टप्पा) विकसीत करणे |
| २ | मंजूर विकास योजनेतील ३० मिटर रुंदीचा रस्ता (१०० फूटी दुसरा टप्पा) विकसीत करणे |
| ३ | बारापत्थर ते लेनिन चौक फाशी पुल रस्ता विकसीत करणे |
| ४ | सर्वे नं. ५५ दत्तमंदिर जुना आग्रारोड ते स्वामी नारायण मंदिरापर्यंत रस्ता विकसीत करणे. |
| ५ | भरतनगर ते मोतीराम नगर पावेतो रस्ता विकसीत करणे |
| ६ | साक्रीरोड सिंचन भुवन ते सर्वे नं. ४९ रस्ता विकसीत करणे |
| ७ | वाडीभोकर रोड ते गवळी स्मशान भूमी जयहिंद कॉलेज रोड विकसीत करणे |
| ८ | पारोळरोड ते फायनल प्लॉट नं. २३ ते वडजाईरोड रस्ता विकसीत करणे. |
| ९ | सर्वे नं. ४७३ मालेगांवरोड जी.एस.आर. ते चाळीसगांवरोड रस्ता विकसीत करणे (प्रथम टप्पा) |
| १० | सर्वे नं. ४७३ मालेगांवरोड जी.एस.आर. ते चाळीसगांवरोड रस्ता विकसीत करणे (दुसरा टप्पा) |
| ११ | सर्वे नं. ५२७ भाईजीनगर ते चक्करबर्डी ई.एस.आर. (चक्करबर्डीरोड) रस्ता विकसीत करणे |
| १२ | सर्वे नं. ४३९ ३० मिटर रोड ते हायवे पावेतो रस्ता विकसीत करणे |
| १३ | गांधी पुतळा ते गणपती मंदिर ते संतोषीमाता मंदिर चौक पावेतो रस्ता विकसीत करणे. |
| १४ | महात्माफुले पुतळा ते स्टेशन रोड रस्ता विकसीत करणे. |
| १५ | तहसील कार्यालय ते संतोषी माता चौक रस्ता विकसीत करणे |
| १६ | सर्वे नं. ४८९ चक्करबर्डी रोड ते सर्वे नं. ४९६ मुंबई आग्रा हायवे पावेतो रस्ता विकसीत करणे. |
| १७ | अरिहंत मंगल कार्यालय ते ३० मिटर डी.पी. रोड कबीरगंज रोड पावेतो रस्ता विकसीत करणे. |
| १८ | सावरकर पुतळा ते मनपा हड्डी पावेतो रस्ता विकसीत करणे. |
| १९ | सुशीनाला ते वाडीभोकर रोड पावेतो रस्ता विकसीत करणे |
| २० | साक्रीरोड ते सुरत नागपूर हायवे पावेतो रस्ता विकसीत करणे. (प्रथम टप्पा) |
| २१ | साक्रीरोड ते सुरत नागपूर हायवे पावेतो रस्ता विकसीत करणे. (दुसरा टप्पा) |
| २२ | सर्वे नं. ४९ ते सर्वे नं. ८१ रस्ता विकसीत करणे. |
| २३ | विनोदनगर ते वाडीभोकर रोड रस्ता विकसीत करणे |
| २४ | सावरकर पुतळा ते वाडीभोकर रोड रस्ता विकसीत करणे |
| २५ | जुना आग्रारोड एकविरादेवी मंदिर ते सुशी नाला रस्ता विकसीत करणे |
| २६ | नवनाथनगर ते कबीरगंज पोवतो रस्ता विकसीत करणे. |

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- २८

मनपा हड्डीतील मोजे मोहाडी प्र.लर्डींग येथील सर्वे नं. ४७९/१ अ ही सरकारी पडीक जमीन क्षेत्र २८.२२ हे यामध्ये महानुभव पंथास दफन भूमीकरिता जागा मिळणेबाबत सन्मा. सदस्य

श्री.नानाभाऊ गजमल मोरे यांनी पत्र सादर केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३१ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका हृदीतील मौजे मोहाडी प्र. लर्डींग स.नं.१४७/१ अ एकूण क्षेत्रफळ २८.२२ हेक्टर ही जागा महाराष्ट्र सरकार यांचे नांवे असून उपरोक्त जमिनीपैकी २.०० एकर इतकी जागा महानुभव पथांस दफनविधी करिता मिळणे बाबत सन्मा. सदस्यांनी यादी दिलेली असून उपरोक्त ठिकाणी पाहणी केली असता सदरची जमीन पडीत स्वरूपाची असून सदरच्या जागेवर आ.क्र.१४AFFORE SATAION & Natural Sentry म्हणून आरक्षित असून काही भागावर आ.क्र.१४९ SITEFOR TRANSPORT CENTER & TRUCK TERMIHOUS म्हणून आरक्षित आहेत. तसेच प्रारूप विकास योजनेनुसार आ.क्र.१७७TRUCK TERMIHOUS आ.क्र.१७६ AFFORE SATAION & Natural Sentry म्हणून आरक्षित असून आ.क्र.१७५ MPL Purpose तसेच MP १७६ नुसार slum Improvement Scheme म्हणून आरक्षित असून काही भागावर रहिवास आरक्षण आहे तरी सोबत मोजणी नकाशा सादर केलेला असून मोजणी नकाशानुसार आरक्षण जमीन वगळून ज्या क्षेत्रावर रहिवास भाग दर्शविलेला आहे. जागेपैकी २.०० एकर क्षेत्रावर उपरोक्त मागणी केलेली आहे. तसेच सदर जागा सरकारी असून जागा देणेबाबतचा निर्णय म.जिल्हाधिकारी सो. यांचेकडे होणार आहे. तरी रहिवासी क्षेत्रात असलेल्या जागेपैकी दफनविधीसाठी आवश्यक जागा महानुभव पथास देणेबाबत नाहरकत प्रमाणपत्र मा.जिल्हाधिकारी यांचेकडे स पाठविणेची कार्यवाही प्रशासनाने करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- २९

मा.उपमहापौर यांचे पत्रानुसार प्रभाग क्रं.२४ मधील फायनल प्लॉट नं.५७ ब येथील जागा रहिवाशांना देणेबाबत यादी सादर केली आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

म. महापौर

आपला विरोध नोंदण्यांत येत आहे. तसे लेखी पत्र दयावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३२ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हृदीतील फायनल प्लॉट नं.५७ ब येथील जागेवर पोलिस चौकीकरीता धुळे शहर मंजुर विकास योजनेनुसार आरक्षण होते. मात्र प्रारूप वि. योजनेनुसार सदरचा भाग हा रहिवास वापराबाबत बदल झालेला अह. तरी त्यानुसार सदरच्या ठिकाणी १०० वर्षांपूर्वी असणाऱ्या रहिवाशांना जागा देण्याबाबत मा.उपमहापौर यांनी यादी दिलेली आहे. तरी उक्त जागेवर रहिवासी घरे असल्याचे आढळून आलेले आहे व प्रारूप विकास योजनेनुसार सदरचा भाग रहिवास झालेला आहे. मात्र अद्याप अंतिम मंजुरी विकास आराखडा इकडील कार्यालयास प्राप्त झालेला नाही. तरी उक्त यादीप्रमाणे तेथील रहिवाशांच्या नावे भुखंड करण्याबाबतचा निर्णय धोरणात्मक स्वरूपाचा आहे.

उक्त प्रस्तावाबाबत सि.सर्वे मालमत्ता उतारा जोडलेला असून क्षेत्रफळ ९००.०० चौ.मी इतक असून सदरची जागा मंजुर विकास योजनेनुसार पोलिस चौकी वापराकरीता आरक्षीत करून प्रा.वि.यो. नुसार रहिवास विभागात समाविष्ट असून अद्यापपावेतो अंतिम मंजुरीचे नकाशे प्राप्त झालेले नाहीत. उक्त जागेवर सद्यस्थितीत ८ ते १० घरे असून सदरच्या जागेनुसार जे घरे अस्तित्वात आहेत. त्यांना सि.सर्वे उताऱ्यावर नावे लावणेबाबत यादी दिलेली आहे. मात्र अद्याप सदरच्या जागेपैकी किती जागेवर घरे असून सदरचे घरे केव्हा बांधण्यात आली किंवा कसे याबाबत सर्वे करण्याचे काम बाकी आहेत. तसेच मंजुर विकास

योजनेनुसार संपादित प्राधिकरण शासन असुन To be Acquired by Police Dept. असे नमुद आहे. व सदरची जागा फा.प्लॉ.T.P.स्कीम मधील आहे. रेडी रेकनरननुसार जागेचे दर प्रति चौ.मि. रु.४०२०/-असुन जागेचे क्षेत्र ९०० चौ.मि आहे.त्यानुसार जागेचे एकुण मुल्य रु.३६,१८,०००/- नमुद केले आहे.

सदर प्रस्ताव सभागृहात चर्चेस आला असतांना सभागृहातील उपस्थित शिवसेनेच्या सदस्यांनी लेखी विरोध नोंदवलेला असून त्यांचा विरोध नोंदविण्यांत येवून कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे व झालेल्या चर्चेनुसार फायनल प्लॉट नं.५७ ब ची जागा शासन निकषाप्रमाणे जुने रहिवासाबाबत आवश्यकते पुराव्याची पडताळणी करून, शासन नियमानुसार व मनपा अधिनियमानुसार प्रचलित बाजार भाव मूल्यानुसार देण्यांस बहुमताने मान्यता देण्यांत येत असून याकामी शासनाची मान्यता घेण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

बहुमताने मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक :- ३०

मा.सभागृह नेते श्री.कमलेश देवरे यांनी महाराष्ट्र गुठेवारी विकास अधिनियम २००१ अन्वये मुदतवाढ मिळणेसंदर्भात पत्र सादर केलेले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३३ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपातर्फे ठराव क्र.११८ दिनांक २५/२/२०१० अन्वये गुठेवारी नियमातंगत बांधकाम नियमाकुल करून घेणेसाठी ठराव पारीत करण्यात आलेला आहे.सद्यास्थितीत धुळे मनपाकडे गुठेवारी नियमातंगत बांधकाम नियमाकुल करण्याचे प्रस्ताव प्रलंबित आहेत.सदर प्रस्तावांना मंजुरी दिल्यास धुळे मनपास मोठ्या प्रमाणावर आर्थिक उत्पन्न प्राप्त होणार आहे.उक्त ठरावान्वये गुठेवारी नियमातंगत बांधकाम नियमाकुल करणेकामी यापूर्वी १ वर्ष मुदतवाढ दिलेली होती.सदर मुदत अल्प असल्याने प्रस्ताव मनपाकडे सादर झालेले नाही.महाराष्ट्र गुठेवारी अधिनियम २००१ मधीन नियम ४ नुसार गुठेवारी प्रस्ताव अधिनियम अमलात आल्याच्या दिवसापासून किंवा नियोजन प्राधिकरण परवानगी देईल अशा वाढवून दिलेल्या मुदतीत संबंधित भुखंडधारक गुठेवारी विकास नियमाधिन प्रस्ताव दाखल करू शकेल.त्यासाठी सदर प्रस्ताव मे.महासभेपुढे मान्यतेसाठी घेणे आवश्यक आहे

त्याअनुषंगाने महाराष्ट्र शासन अध्यादेश क्र.१३/२००१ अन्वये गुठेवारी विकासांचे नियमिन करणे व श्रेणीवाढ बाबत अध्यादेश काढला आहे.त्यात खालीलप्रमाणे बाबी नमूद केलेल्या आहेत.

गुठेवारी विकास म्हणजे अतिक्रमणाखालील जमीन काढून खाजगी मालकीच्या जमिनीच्या अशा भुखंडावरील इमारतीसह कोणतीही असल्यास अनधिकृतपण पोटविभागणी करून तयार केलेले भुखंड असा आहे.

गुठेवारी विकास नियमाकित करणे १ जानेवारी १९९५ रोजी असलेले सर्व गुठेवारी विकास हे नियोजन प्राधिकरणाकडे अर्ज केल्यावर नियोजन प्राधिकरणाकडून नियाधिन करणेसाठी पत्र असतील.

उपरोक्त शासन निर्णयाप्रमाणे पूर्तता करून प्रस्ताव सादर केल्यास अशा प्रस्तावाना तत्कालीन नपा तर्फे नियमाकुल करणेची कार्यवाही करणेत येईल असे जाहिर प्रकटन तत्कालीन नपातर्फे पत्र क्र.नपा/नर/१३२ दिनांक ६ एप्रिल २००२ अन्वये स्थानिक वृत्तपत्रातून जाहिर करणेत आलेले होते.त्यानंतर सन २००२-०३ चे कालावधीत ३४ प्रस्ताव गुठेवारी नियमातंगत नियमाकुल करणेबाबत प्राप्त झालेत.तसेच सन २००३-२००४ चे कालावधीत

४७ प्रस्ताव प्राप्त झालेले असून सदर प्रस्तावात एकूण ८१९२२५/- रुपये इतका महसूल प्राप्त झालेला आहे. तसेच एन २००४-२००५ चे कालावधीत ८८७१८/- रुपये इतका महसूल प्राप्त झालेला आहे. परंतु अर्जदार यांना नियमाधीन प्रमाणपत्र देणेत आलेले नाही.

तदनंतर सदर प्रकरणी शासनाने पत्र क्र. १००३/४६०/पत्र क्र. ७७/२००३ दिनांक ९/७/२००३ अन्वये गुंठेवारी विकास नियमाकूल प्रक्रिया दिनांक ३१ मार्च २००३ नंतरही जारी ठेवावी असे निर्देश दिलेले आहेत. सदर आदेश आजही लागू आहेत किंवा कसे याबाबत मा. अवर सचिव नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांचेकडून इकडील कार्यालयीन पत्र क्र. धुमपा/नद/१९९९ दिनांक १ जानेवारी २००७ अन्वये मार्गदर्शन मिळणेबाबत विनंती केली असता त्यांनी त्यांचेकडील पत्र क्र. गुंठेवारी/१००७/ पत्र क्र. ८४/२००७ दिनांक ४ जून २००७ अन्वये धुळे मनपा कलम ४(१) मधील तरतूदीचा अवलंब करून धुळे मनपा क्षेत्रांतर्गत दिनांक १ जानेवारी २००१ पावेतो अस्तित्वातील असलेल्या गुंठेवारी विकास नियमाधिन करणेसाठी गुंठेवारी धारकांना अर्ज करणेसाठी मुदतवाढ देणेबाबत कार्यवाही करू शकेल.

त्याअनुषंगाने सदर विषय महासभेपुढे सादर केला असता मनपा ठराव क्र. ११ दिनांक १९/१२/२००७ अन्वये उक्त नियमातंर्गत प्रस्ताव सादर करणेबाबत १ वर्षाची मुदतवाढ देणेस मंजुरी देण्यात आलेली होती.

तदनंतर पुन्हा सदर प्रकरण मनपा ठराव क्र. ११८ दिनांक २५/२/२०१० अन्वये पुन्हा मुदतवाढ देणेत आलेली होती. परंतु सदर मुदत १ वर्षासाठी असल्याने उक्त मुदत ही अल्प स्वरूपासाठी असल्याने अपेक्षित माहिती प्रसिद्ध अथवा प्राप्त न झाल्याने आवश्यक तेवढे अथवा अस्तित्वातील गुंठेवारी धारकांनी नियमातंर्गत प्रस्ताव सादर केलेले दिसून येत नाही.

कार्यालयीन अहवालानुसार व झालेल्या चर्चेनुसार सदर बाब ही मनपाच्या आर्थिक उत्पन्न वाढीसाठी आवश्यक असल्याने मनपा अधिनियमान्वये गुंठेवारी विकास नियमाधिन करणेसाठी गुंठेवारी धारकांना अर्ज करणेसाठी एक वर्षाची मुदतवाढ देणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच सदर बाबतीत व्यापक स्वरूपात वर्तमानपत्रात जाहिर आवाहन करून जास्तीत जास्त प्रस्ताव दाखल करून तांतडीने अशा प्रस्तावाबाबत मंजुरी तथा कार्यवाही करणेबाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी.

तसेच मनपा उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने मनपाकडे यापूर्वी दाखल झालेल्या गुंठेवारीचे प्रस्तावही या ठरावातंर्गत नियमाकूल करून घेणेसाठी नियमानुसार कार्यवाही करावी.

सर्वानुप्रते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-३१

मा.उपमहापौर यांच्या पत्रानुसार धुळे मनपा मालकीचे वडजाईरोड येथील सद्यस्थितीतील फायनल प्लॉट नं.७०च्या जागेवर आधुनिक पध्दतीचे स्लॉटर हाऊस तयार करणेकरिता पी. एम. सी. नेमणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३४ दिनांक १५/५/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे दि. ४/१/२०१४ च्या टिप्पणीनुसार बांधकाम विभागा मार्फत सर्वे नं. ४२८ मधील जागेवर बी.ओ.टी. तत्वावर आधुनिक पध्दतीने कत्तलखाना तयार करणेकामी दि. ३१/१/१४ च्या मे. महासभेत विषय क्र. १२ घेण्यांता आला असता तो तहकूब करण्यांत आला आहे. सदरचा विषय बांधकाम विभागामार्फत पाठविण्यांत आला होता. सदर ठिकाणी कत्तलखाना होऊ नये बाबत त्या भागातील आजू बाजूच्या ग्रामपंचायर्तीनी हरकती घेतल्या आहेत. तसा अहवाल ३१/१/१४ रोजी मे. महासभेत सादर केला आहे.

सद्यस्थितीत मनपाचे स्लॉटर हाऊस वडजाईरोड येथे फायनल प्लॉट नं.७० मध्ये असून सदर जागेवर १२५ x ५० फूटाचे बांधकाम असून १२५ x ५० फूटाच्या जागेवर

अतिक्रमण आहे. सदर स्लॉटर हाऊस अत्यंत जुना झाला आहे. त्यात ट्रिटमेंट प्लॅनची व इतर सुविधा नाही त्यामुळे महाराष्ट्र प्रदुषण मंडळ मान्यता देत नाही याबाबत शासनामार्फत वेळोवेळी विचारणा होत असते. कुठलीही सुविधा नसल्याने शासनामार्फत केव्हाही स्लॉटर हाऊस बंद होण्यांचे आदेश होऊ शकतो. त्यामुळे नागरीक व व्यवसाय करण्या-यांची गैरसोय होऊन शहरात बेकायदेशीर व्यवसाय सुरु होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही. त्यामुळे मनपा विषयी वाईट भावना होऊ शकते.

म.अवर सचिव, महाराष्ट्र शासन यांचेकडील संकिर्ण -२०१३/ सं.क्र. १०१७/नवि २५ नगरविकास विभाग, मंत्रालय मुंबई दि २८ऑक्टोबर २०१३ च्या पत्रान्वये व म. संयुक्त सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय भारत सरकार नवी दिल्ली यांचे D.o.No. २-४४/२०१०- Abattoir दि. ६/८/२०१३ अन्वये स्लॉटर हाऊसच्या पूर्ण प्रोजेक्टरसाठी ५.३० कोटी रुपये अनुदान प्राप्ज होऊ शकते. तरी आधुनिक स्लॉटर हाऊस करणे आवश्यक असून अहमदनगर महानगरपालिका यांनी या स्कीम मध्ये भाग घेवून आधुनिक स्लॉटर हाऊस तयार केले आहे.

तसेच मा.विभागीय आयुक्त नाशिक विभाग यांचे क्रं.नपा/२-२/जा.क्रं.५३७६/ २०१४ दि.५/५/२०१४ अन्वये जेथे कत्तलखाने आहेत. तेथे आधुनिक करणे बाबतची कार्यवाही आपल्या स्तरावरुन करावी असे पत्र दिले आहे.

सदर प्रस्तावावर कत्तलखाना आधुनिक करण्याबाबत फक्त सध्या पी. एम.सी. नेमणे बाबतचा प्रस्ताव मंजुरीसाठी सभागृहात आला असता उपस्थित सदस्यांनी त्यावर चर्चा केली व चर्चेअंती सदर प्रस्तावाबाबत सभागृहात एकमत न झाल्याने व सदर बाबतीत धार्मिक स्वरूपाचा वाद निर्माण होऊ नये म्हणून सदर प्रस्ताव विषय सूचीवरुन मागे घेण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांनी शहरात होणा-या अनियमित पाणीपुरवठ्यासंदर्भात उपस्थित केलेली लक्षवेधी

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३५ दिनांक १५/५/२०१४

धुळे शहरातील पाणी प्रश्नाबाबत सन्मा.सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या तीव्र भावना लक्षांत घेता प्रशासनाने याबाबत गंभीर दखल घेणे आवश्यक आहे.

वास्तविक धुळे शहरासाठी आवश्यक तो पाणी साठा आज उपलब्ध आहे.

| क्रं. | उद्भवाचे नांव | उपयुक्त साठा | शिल्लक साठा | पाणी रोजी किती उचलणेत येते | क्षमता | पाणी किती दिवस पुरेल |
|-------|---------------------------------|--------------|-----------------|----------------------------|-----------|---|
| १ | नकाणे तलाव | ३५५ MCFT | ११५ MCF T | ०.७५ MLD | १८ MLD | ८० दिवस |
| २ | डेडरगांव तलाव | १२१ MCFT | ७२ MCF T | ०.२५ MLD | ३ MLD | १२० दिवस |
| ३ | तापी उद्भव (सुलवाडे बॅरेज) | १४०० MCFT | ४९५ MCF | १.०० MLD | ४४ MLD | सुलवाडे बॅरेजचे गेट उघडेपावतो पाणी पुरेल. |

| | | | | | | |
|---|-------------|-------------|-----------------|-------|--|----------|
| | | T | | | | |
| ४ | हरणमाळ तलाव | ३३० MCFT | ५४० MCF T | ----- | | ३०० दिवस |

धुळे शहराची लोकसंख्या लक्षात घेता शहरास दररोज ६५ एलएलडी पाणी आवश्यक आहे.परंतु वरील तत्कायानुसार ४६ एमएलडी पाणी शुद्धीकरण होते.हनुमान टेकडी जलशुद्धीकरण केंद्रावरुन धुळे शहरास ३०%, डेडरगांव जलशुद्धीकरण केंद्रावरुन १०% व तापी नवीद्वारे ६०% पाणी पुरवठा होत असतो.

तथापि प्रशासनाच्या कार्यप्रणालीमुळे शहरात वारंवार पाणीपुरवठा विस्कळीत होऊन कृत्रिम पाणी टंचाईस सामोरे जावे लागत आहे.मा.आयुक्त यांनी याबाबत आपल्या निवेदनात सांगितले की, कर्मचा-यांच्या कमतरतेमुळे व तांत्रिक बाबीमुळे पाणी वितरणात अडचणी निर्माण झालेल्या आहेत. तथापि सन २००७-०८ मध्ये व तदनंतर देखील आहे त्या कर्मचारी व अधिका-याकडूनच व आहे त्या यंत्रणेमार्फतच शहरात काही भागात दररोज व काही भागात एक दिवसाआड नियमित पाणीपुरवठा करण्यांत येत होता. सद्यस्थितीत देखील तीच यंत्रणा तोच पाणीसाठा व तेच अधिकारी व कर्मचारी उपलब्ध असतांना प्रशासनाच्या चूकीच्या कार्यप्रणालीमुळे नागरीकांना कृत्रिम पाणी टंचाईस सामोरे जावून मनपाची नाहक बदनामी होत आहे.याकामी प्रशासनामार्फत योग्य तो कृति आराखडा तांतडीने तयार करून त्याप्रमाणे अंमलबजावणी करणेबाबत यापूर्वी घेतलेल्या बैठकीत आदेशित करण्यांत आलेले होते. शहरातील नागरीकांना योग्य त्या दाबाने व नियमित पाणीपुरवठा करण्यांची जबाबदारी प्रशासनाची असून याबाबत संपूर्ण जबाबदारी मा.आयुक्त व प्रशासनाची आहे.तरी प्रशासनाने याबाबत गंभीर दखल घ्यावी. शहरात नियमित व सुरक्षीत पाणीपुरवठा करण्यांचे नियोजन करावे. व येत्या १५ दिवसांत याबाबत कार्यवाही न झाल्यास मा.आयुक्त व संबंधित अधिका-यांविरुद्ध शासनाकडेस तथा मा.नगरविकास सचिव,यांचेकडेस लेखी तक्रार सादर करणे बाबत सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

दुषित पाणी पुरवठायाचा प्रश्न लक्षात घेता लिकेजस बाबतही संबंधित नगरसेवक तथा भागातील व्हॉलमन यांचेकडून यादी घेऊन त्यानुसार असलेले लिकेजेस तांतडीने बंद करणेबाबत संपूर्ण कार्यवाही करावी. तसेच याकामी आवश्यक तो खर्च व साहित्य म.आयुक्त सो.यांनी तात्काळ संबंधित अधिकारी व कर्मचा-यांना उपलब्ध करून देण्यांत यावी. आरोग्य विभागामार्फत प्रत्येक जलकुंभावरील तसेच शेवटच्या घरापर्यंत असलेल्या नळातील पाण्याचे नमुने तपासणीसाठी घेण्यांत यावे.

त्याबाबत संपूर्ण कार्यवाहीची जबाबदारी म. आयुक्त सो. तसेच म.कार्यकारी अभियंता,म.शहर अभियंता, व संबंधित ओवरसिअर व कर्मचारी यांची असून त्यांनी याबाबत काटेकोर नियोजन करून दक्षता घ्यावी.

तसेच धुळे शहरातील बगीच्याची दुरावस्था लक्षांत घेता कार्यालयात व इतरत्र नियुक्ती दिलेले बागमाळी कर्मचा-यांना पूर्ववत त्याच्या जागी नियुक्ती करणेबाबत तांतडीने आदेश पारीत करून कार्यवाही करावी. तसेच आवश्यक त्या ठिकाणी असलेले हातपंप तांतडीने दुरुस्ती बाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

**धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
मंगळवार दिनांक २० मे, २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां**

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्र.१ (क) (ड) (ह) अन्वये मा. महापौर सां.यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सभा आज मंगळवार दिनांक २०/०५/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नाव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-----------------------------|-----------|---------------------|
| १२६. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| १२७. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | -----"----- |
| १२८. | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | -----"----- |
| १२९. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | -----"----- |

| | | | |
|------|--|-----------|--------------------|
| १३०. | वाडिले नलिनाबाई हनुमंत | नगरसेविका | -----" |
| १३१. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | -----" |
| १३२. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | -----" |
| १३३. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | -----" |
| १३४. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | -----" |
| १३५. | केले चंद्रकांत काशिनाथ | नगरसेवक | -----" |
| १३६. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | -----" |
| १३७. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | -----" |
| १३८. | बोरसे इंदुबाई दामादर | नगरसेविका | -----" |
| १३९. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | -----" |
| १४०. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | -----" |
| १४१. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| १४२. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| १४३. | आधाव ललिता रविंद | नगरसेविका | -----" |
| १४४. | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | -----" |
| १४५. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| १४६. | मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | -----" |
| १४७. | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | -----" |
| १४८. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| १४९. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| १५०. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| १५१. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| १५२. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-२३ वाजता |
| १५३. | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजतां |
| १५४. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| १५५. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| १५६. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| १५७. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| १५८. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| १५९. | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | -----" |
| १६०. | अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शव्वाल | नगरसेवक | -----" |
| १६१. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| १६२. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| १६३. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| १६४. | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| १६५. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |

| | | | |
|------|-------------------------------|-----------|---------|
| १६६. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| १६७. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| १६८. | सैयद साबीर अली मोतेबर | नगरसेवक | ----- " |
| १६९. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | ----- " |
| १७०. | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | ----- " |
| १७१. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| १७२. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| १७३. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| १७४. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| १७५. | सौ अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | ----- " |
| १७६. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| १७७. | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| १७८. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| १७९. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| १८०. | गायकवाड जगदिश आप्याजी | नगरसेवक | ----- " |
| १८१. | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|-----------------|---------------------|-------------------|
| १ | दौलत खा पठाण | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त कर | ----- " |
| ३ | हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त | ----- " |
| ४ | त्र्यंबक कांबळे | सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ५ | डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता | ----- " |
| ६ | एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ७ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | ----- " |
| ८ | के.ना. कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | ----- " |
| ९ | के.एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| १० | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १२ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिक्षक | ----- " |
| १३ | के.जी. खंदरकर | प्र. वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १४ | रामभाऊ सोनवणे | लिपीक प्रकल्प विभाग | ----- " |
| १५ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १६ | एस.एस. देवरे | शाखा अभियंता | ----- " |
| १७ | सी.एम. उगले | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| १८ | सी.सी. बागुल | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| १९ | बी.डी. जगदाळे | बांधकाम ओव्हरसिअर | ----- " |

| | | | |
|----|------------------|-----------------------------|-------------|
| २० | महेद्र एस. जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | -----"----- |
| २१ | एस. आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | -----"----- |
| २२ | आर. एस. बोरसे | अभिलेखापाल | -----"----- |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण,छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे.नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडुन आलेली अभिनंदनाची यादी.

यादी देण्यांत येते की,आपल्या धुळे लोकसभा मतदार संघातून माननीय डॉ. सुभाषजी भामरे यांची खासदार म्हणून निवड झाली त्याबद्दल त्यांचा आपल्या सभागृहात अभिनंदनाचा ठराव करून घारातचे भावी पंतप्रधान श्री. नरेंद्रजी मोदी यांचे अभिनंदन करावे.

सचक :- सौ. प्रतिभातई शिवाजीराव चौधरी

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनसार अभिनंदनाचा ठगव मंजर करण्यांत येत आहे.

म. प्रतिभाताई चौधरी

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार अभिनंदनाचा ठराव मंजूर करण्यांत येत आहे. धुळे लोकसभा मतदार संघामधून डॉ.सुभाष भामरे हे निवडून आल्याबद्दल आपण अभिनंदनाचा ठराव केला आहे. त्याबद्दल धन्यवाद देते. डॉ.सुभाष भामरे हे स्थानिक रहिवासी आहे. त्यांना खासदार होणेची संधी मिळाली आहे.त्यांचा मनपातर्फ जाहीर सत्कार करणेत यावा अशी मागणी करतो. तसा ठरावास मंजूरी द्यावी ही विनंती करते.

धर्म महानगरपालिका ठराव नंबर ३६ दिनांक २०/५/२०१४

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार धुळे लोकसभा मतदार संघातून माननीय डॉ. सुभाषजी भामरे यांची खासदार म्हणून निवड झाली त्याबद्दल धुळे महानगरपालिकेतर्फे डॉ. श्री. सुभाषजी भामरे यांचा हार्दीक अभिनंदनाचा ठराव मंजुर करण्यांत येत आहे.तसेच भावी पंतप्रधान श्री. नरेंद्रजी मोदी यांचे अभिनंदन करण्यांत येत आहे.

सर्वानन्मते मंजर,

सही/- x x x

महापौर,

धूळे महानगरपालिका, धूळे

विषय क्रमांक:- ३२

धुळे महानगरपालिका स्थायी समिती ठराव नंबर ०२ दिनांक २०/०२/२०१४ अन्वये शिफारस केल्यानुसार धुळे महानगरपालिकेचे सन २०१३-१४ चे सुधारीत व सन २०१४-१५ चे अंदाजपत्रकास मंजरी देणेबाबत विचार विनिमय करणे.

म. महापौर

सन्मा.सदस्य/सदस्या आपण सर्व निवडून आल्यानंतरचा हा पहिलाच बजेट आहे.त्यासंबंधी काही नगरसेवक बंध भागिनीनी काही सचना केल्या आहेत. त्यांचे वाचन करणेत यावे.

म. नगरसचिव

काही सन्मा.सदस्यांनी यादया सादर केलेल्या आहेत.विषयाच्या प्रारंभी त्यांचे वाचन करणेत येत आहे.

१) श्री. कमलेश नारायण देवरे सभागृह नेता यांनी मा. महापौर सो.यांचेकडेस पत्र देऊन धुळे शहरातील ज्येष्ठ नागरीकांच्या विविध संघटना असून सदर संघटना नेहमीच जागेची तसेच अर्थिक सहकार्याची मागणी करीत असतात. परंतु सर्व संघटनांचे एकत्रित शहरात मध्यवर्ती ठिकाणी ज्येष्ठ नागरीक भवन बांधून सदर ठिकाणी ज्येष्ठ नागरीकांना विरंगुळ्यासाठी वाचनालय तसेच इतर विधि सोयी केल्यास ज्येष्ठ नागरीकांची सोय होणार आहे. तरी आजच्या महासभेत ज्येष्ठ नागरीक भवन बांधणे कामाकरिता रक्कम रु.५० लाखची तरतद करण्यांत यावी.

- २) श्री. कमलेश नारायण देवरे सभागृह नेता यांनी मा. महापौर सो. यांचेकडेस पत्र देऊन जागतिक किर्तीचे विचारवंत प्राची विद्यापंडीत धुळयाचे भुमिपुत्र कै. कॉ. शरद पाटील यांच्या नावाचे प्रवेशब्दार (कमान) साक्रीरोड बायपाय चौकात उभारण्यात यावी व त्याच चौकात त्यांचा पूर्णाकृती पुतळा उभा करावा ही विनंती तसेच धुळे शहरामध्ये १) छत्रपती संभाजी राजे २) अण्णाभाऊ साठे, ३) शाहू महाराज यांचे पुतळे उभारण्यासाठी अंदाजपत्रकात तरतूद करण्यात यावी.
- ३) श्री. दिपक एकनाथ शेलार व श्री. दिनेश लहू शार्दुल यांनी मा. महापौर सो. यांचेकडेस पत्र देऊन विश्वकर्माय समाजाचे आराध्य दैवत प्रभु विश्वकर्मा यांचे स्मारक शहरात व संपूर्ण खान्देशात कुठेही नाही. आज रोजीच्या महासभेत प्रभु विश्वकर्मा यांचे स्मारक करिता रक्कम रु. २० लक्ष रुपयांची तरतूद करण्यात यावी.
- ४) श्रीमती इंदुबाई दामोदर बोरसे यांनी मा. महापौर सो. यांचेकडेस पत्र देऊन चर्मकार समाजाचे आराध्य दैवत प्रभु रविदास, महाराष्ट्राचे दैवत छत्रपती संभाजी महाराज, राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज तसेच लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे, भिल्ल समाजाचे दैवत एकलव्याचे स्मरण होणकरिता तसेच त्यांच्या कार्याचा गौरव होणेकरिता त्यांचे स्मारक होणे आवश्यक आहे. आजच्या महासभेत वरील महान पुरुषांचे स्मारकाकरिता रक्कम रुपये २ कोटीची तरतूद करण्यात यावी.
- ५) श्रीमती इंदुबाई दामोदर बोरसे यांनी मा. महापौर सो. यांचेकडेस पत्र देऊन हिंदु धर्मियांचा महत्वाचा सण श्रावणामध्ये गणपती उत्सव असतो. सदरउत्सवानंतर श्री. गणेशाचे वाजत गाजत मिरवणूक काढून विसर्जन केले जाते. तसेच खान्देशाचा महत्वाचा असा कानबाई उत्सव असतो. तसेच महिलांचा ऋषीपंचमी हा सण साजरा करीत असतात परंतु सदर उत्सवाप्रसंगी नागरीकांना पांझरा नदीत पाणी नसल्याने नागरीकांची मोठ्या प्रमाणावर गैरसोय होते सदरची गैरसोय टाळणेकरिता पांझरा नदी किनारी गणेशकुंड तयार करणे अत्यंत आवश्यक आहे. तरी हिंदु धर्मियांच्या भावना लक्षांत घेवून आजच्या महासभेत गणेश कुंड बांधणे कामाकरिता रक्कम रुपये ७५ लाख मात्रची तरतूद करणेत यावी.
- ६) श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांनी मा. आयुक्त सो. यांचेकडेस पत्र देऊन सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पात लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे यांच्या पूर्णाकृती पुतळ्यासाठी तरतूद करणेबाबत विनंती केली आहे.
- ७) श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांनी मा. आयुक्त सो. यांचेकडेस पत्र देऊन सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पात छत्रपती संभाजी महाराज यांच्या पूर्णाकृती पुतळ्यासाठी तरतूद करणेबाबत विनंती केली आहे. धुळे शहरात पांझरा नदी किनारी अतिशय सुंदर असलेले संभाजी गार्डनमध्ये छत्रपती संभाजी महाराजांचा भव्य पूर्णाकृती पुतळा उभारून धुळे शहरातील तरुणांना संभाजी महाराजापासून जालवल्य राष्ट्रप्रेम, शुरता व लहान वयात राष्ट्रासाठी केलेले बलिदान या सर्व बाबीची माहिती व्हावी व तरुणांना मध्ये राष्ट्रप्रेमाची भावना निर्माण होऊन संभाजी महाराजापासूनप्रेरणा मिळावी यासाठी छत्रपती संभाजी महाराजाच्या पुतळ्यासाठी येणा-या अर्थसंकल्पात तरतूद करणेत यावी.
- ८) श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांनी मा. आयुक्त सो. यांचेकडेस पत्र देऊन सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पात राजर्षी छत्रपती शाहू महाराज नाट्य मंदिरात छत्रपती शाहू महाराजांचा भव्य पूर्णाकृती पुतळा उभारण्यासाठी तरतूद करणेबाबत विनंती केली आहे.
- ९) श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांनी मा. आयुक्त सो. यांचेकडेस पत्र देऊन धुळे शहरात चारही बाजूस प्रवेशब्दार (स्वागत कमान) उभारण्यासाठी लाणा-या निधीची सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पात तरतूद करणेबाबत विनंती केली आहे.

१०) श्री. रमेश महादू बोरसे यांनी म. आयुक्त सो. यांचकडेस पत्र देऊन एस्कॉट घेण्यास व माफ करण्यास विरोध असल्याबाबतचे लेखी पत्र सादर केलेले आहे.

म. कमलेश देवरे

आज महासभेत सन्मा.सदस्य श्री.मनोज भाऊ मोरे व बाकीच्या सदस्यांनी पुतळ्यांची उभारणी करणेबाबत यादया दिलेल्या आहेत.त्याबाबत अंदाजपत्रकात तरतूद करणेचे अधिकार मा.महापौर यांना देण्यांत यावे.अशी सुचना मी करतो. तसेच आपले धुळे शहरातील थोर इतिहास तज्ज कॉग्रेड शरद पाटील यांचे नुकतेच निधन झाले एक बुध्दीमान व्यक्तीमत्व आपले शहरात होऊन गेले. ही शहराच्या दृष्टीने अभिमानाची बाब आहे. त्यासाठी साक्रीरोड भागात त्यांच्या नावाची कमान उभारावी आणि त्याठिकाणी त्यांचा पूर्णाकृती पुतळा उभारावा तसेच आजच्या बजेटमध्ये तशी तरतूद करणेत यावी. कारण कॉग्रेड शरद पाटलांसारखे व्यक्तीमत्व पाहता त्यांचे एवढे मोठे कार्य आहे की, त्यांचे भारतात नांव झाले आहे. परंतु ते प्रसिध्दीपासून दूर राहिले आहे. त्यांचा पुतळा व कमान उभारणेत यावी ही विनंती करतो.

म. ईस्माईल पठाण

आपण जे बजेट सादर केले आहे त्यात प्रत्येक हेडखाली तरतूद करतो. आपले अकॉट ब्रॅचमध्ये कॉन्ट्रक्टर लोकांचे ३० ते ४० कोटी रुपयांचे बिले पडले आहे.दुसरे असे की, धुळे मनपाने इतके टेंडर काढले आहे. तसेच वर्कऑर्डर काढल्या आहेत. की ती कामे दोन वर्ष पूर्ण होणार नाही आपण बजेटमध्ये ती रक्कम टाकत आहे. परंतु ती खर्च होणार नाही कॉन्ट्रक्टरचा जो ३० ते ४० कोटी रुपयांचा बोजा आहे तो कुठुन देणार आहे. हा कुठला बजेट आहे.अनेक कॉन्ट्रक्टरचे बिले दिलेले नाही जे पदाधिकारी आहोत सभापती, सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता, यांचे वॉर्डातील मनपाचे कॉन्ट्रक्टराचे बील दिले जाते मात्र जे इतर सन्मा. सदस्य आहेत त्यांचे वॉर्डातील कोणीही कॉन्ट्रक्टर काम करीत नाही त्यांना माहिती आहे की त्यांचे बील मिळणार नाही कॉन्ट्रक्टर लोकांना २५ ते ३० टक्के रक्कम दिली पाहिजे.आज कॉन्ट्रक्टर लोकांची परिस्थिती वाईट आहे तरी माझी विनंती आहे की बजेट मधील तरतुदीनुसार महानगरपालिकेचे कामकाज झाले पाहिजे.तर हा जो ३० ते ३२ कोटीचा बिलाचा बोझा आहे त्याची कशी काय तरतूद करणार आहे याचा आयुक्त यांनी खुलासा करावा.

म. आयुक्त

जे कॉन्ट्रक्टरचे बील आहे त्याची क्रमवार यादी बनविली आहे ती जी बिले आहेत २४कोटी पेक्षा जास्त आहे.आणखी ६ कोटीचे बीले येऊ शकतात म्हणजे जवळजवळ ३० कोटी रुपये देणे आहे.त्यात १५कोटी रुपयांची तरतूद बजेटमध्ये केली आहे पूर्ण ३० कोटी रुपये द्यावयाचे ठरले तर पुढील कामे करावयाची नाही का ? याबाबत आपण निर्णय घ्यावा.

परंतु आपण थकीत बिलांचे ३० कोटी रुपये कसे अदा करणार आहे.

थकीत बिलासाठी यावर्षी ५० टक्के म्हणजे १५ कोटीची तरतूद करणेत आली आहे.

कामाच्या निविदा इतक्या निघाल्या आहेत की दोन वर्ष बजेट मध्ये तरतूद करून सुध्दा देणी देणी जाणार नाही.

म. आय. ए.ल. पठाण

हा विषय इतका गहन आहे.आमच्या लोकांनाही हे माहिती नाही की किती ऑर्डर दिल्या आहेत. किती कॅन्सल होणार आहे.याचा कुठलाही अंदाज नाही ही समस्या काही प्रमाणात थांबविणेचा प्रयत्न केला होता. मध्यंतरी त्यांचेकडून लिहून घेटले होते की,२ वर्षांपर्यंत बील मागणार नाही म्हणून त्यांची तरतूद यामध्ये केलेली नाही तरी आपले म्हणणे बरोबर आहे की हा जो ३० कोटीचा बँकलॉग भरून काढणे गरजेचे आहे परंतु १५ कोटीची जी तरतूद केली आहे त्याला आज मंजुरी द्यावी.

आपले बजेट मध्ये ५ रुपयांची प्रोक्हीजन असेल तर आपण १० रुपयांचेही काम करू शकतो मात्र त्यांचे हेड बजेट मध्ये असले पाहिजे.जर हेड नसेल तर आपण काहीही करू शकत नाही. साहेबांनी मघाशी चर्चा केली की ज्या आपल्याकडे अनुदाने यणार आहे तेवढे मॅर्चींग पैसे उभे केले पाहिजे. पण तेथील यावर्षी खर्च होणार नाही उदाहरण द्यावयाचे तर पाण्याची आपली

म. चंद्रकांत केले

१३६ कोटी रुपयांची योजना आहे त्यापैकी ५६ कोटी रुपये येणार आहे. त्यासाठी आपला १० टक्के लागणार आहे त्यांची आपण प्रोक्षीजन केली आहे. दुस-या ज्या ५० टक्क्यांचे अनुदान आहे त्यात ५० टक्के सरकारचे व ५० टक्के मनपाचे अशा प्रोक्षीजन केल्या आहेत एका वर्षात आपण सर्व कामे करु शकत नाही म्हणजे ज्या जास्तीच्या प्रोक्षीजन आहेत त्या प्रोक्षीजन मधून हेडखाली आपण पैसा खर्च करु शकतो. जे स्थायी समितीने बजेट तयार केले आहे त्यात सर्व कॉन्ट्रक्टर लोकांसाठी १५ कोटीची तरतूद केली आहे. राहिले १५ कोटीचा प्रश्न हा मॅर्चींग फंड आपण उभा केला आहे. तो यावर्षी सर्व लागणार नाही परंतु कायदयाप्रमाणे आपल्याला बजेटमध्ये दाखविला पाहिजे. म्हणजे सरकारकडून ५० कोटी घेऊ तर ५० कोटी देऊ हे मात्र दाखविले पाहिजे तो जर खर्च नाही झाला तर आपण कॉन्ट्रक्टर लोकांचे त्यामधून देऊ.

म. आयुक्त

आपण किमान २५ टक्के तरी देऊ. जे स्पील ओव्हरमध्ये मार्च मध्ये जी कामे होतील त्यांची बीले आपण नंतर देऊ शकतो.

म. चंद्रकांत केले

तसेही आपण करु शकतो आता ज्या प्रोक्षीजन केलेल्या आहेत. ५० टक्क्यांला ५० टक्के केल्या आहेत. तर साहेब म्हणतात की २५ टक्के केले तरी चालेल खाली टीप टाकली तरी चालेल २५ टक्के जरी केले तरी करोडे रुपये रुपये आपले वाचतात. १५ कोटी रुपये कॉन्ट्रक्टरचे तसेच आता पुतळ्याचा विषय आला आहे. तेही आपण करु शकतो. फक्त आपण आकडयांच्या बाहेर जाऊ नये असे माझे मत आहे आपल्याला ३० कोटी रुपये कसे उभे करावयाचे याबाबत साहेबांशी बोललो हे जे मॅर्चींग फंड आहे हे कमी करावयाचे त्यामधून पैसा वाचेल आणि त्यामधून आपण कॉन्ट्रक्टरचे बील आणि पुतळ्याचा मुद्दा आहे पण फार खर्च वाढू देऊ नये. तसेच जनरल बॉडीला हा अधिकार आहे. जनरल बॉडी ठरवील त्याप्रमाणे काम करु.

म. आय.एल. पठाण

एल.बी.टी.चे उत्पन्न किती येत आहे.

म.उपायुक्त

आपले एल.बी.टीचे उत्पन्न ३० कोटी रुपयापर्यंत झाले आहे. महिन्याला अडीच कोटी रुपये झाले आहे. स्थायी समितीने शिफारस केली आहे प्रशासनाला ६ कोटी रुपये वाढविणेचे उद्दिष्ट दिले आहे.

म.सैय्यद साबीर

सन्मा. सदस्य श्री. आय एल. पठाण यांनी चांगला मुद्दा उपस्थित केला आहे. निधी देतांना समतोलपणा राखला पाहिजे. याबाबत नगरसेवकांमध्ये भेदभाव करु नये. बील देतांना पारदर्शकता ठेवली पाहिजे. मागे जुने २०१२ मध्ये यादी प्रकाशित झाली होती. तसेच अडीच वर्षापूर्वी याच प्रमाणे यादी प्रकाशित केली होती त्या यादीचा अकोंट विभागाकडून जेष्ठता क्रम लावणेत आला होता. माझ्या प्रभागातील कामाचा जेष्ठता क्रम ३३ होता त्या कामाचा अडीच वर्षानंतर १५ वा नंबर आहे. तरी मी विचारु इच्छितो की अडीच वर्षात फक्त १५ ते २० बीले काढले आहे का? तसे नसेल झाल्यास यापेक्षा अधिक बील निघाली असेल तर माझ्या वॉर्डातील बिलाचा नंबर इतका मागे का आहे. मागील यादीची तारीख आणि आजची यादीची तारीख या दोन्हीचा जेष्ठतेचा निकष लावावाअशी जर मनमानी प्रमाणे यादी बनविली तर मोठी समस्या निर्माण होणार आहे. ही यादी कोणत्या हिशोबाने बनविली आहे याचे उत्तर कोण देणार आहे.

म. आयुक्त

यादी प्रकाशीत केल्यानंतर त्यावर धोरण ठरवावयाचे आहे. त्याबाबत स्थायी समितीत सर्वसाधारण चर्चा केली जे धोरण आहे ते स्थायी समितीमध्ये ठेवणार आहे. स्थायी समिती हा ट्रेझरी बेंच आहे. मला वाटते जो मूळ अधिकार आहे याबाबतीत तो स्थायी समितीला घेऊ द्यावा. तो निर्णय कायम करणेसाठी महासभेत येईल. त्यामध्ये काही चुकले असेल तर तुम्ही सूचवू शकतात. यामध्ये आम्ही सगळे सजेस्ट केले आहे की यादी लावल्यानंतर काही सुचना असतील तर यादी वेबसाईटवर द्यावी पेपरमध्यसे द्यावी आणि काही कोणाचे अंजेक्शन असेल त्याचा विचार करून यादी फायनल केली जाईल.

म.सैय्यद साबीर

बिले देणे बाबत आपण जे धोरण ठरवित आहे त्याबाबत माझे काहीही म्हणणे नाही आपण जी यादी प्रकाशित केली आहे त्यामध्ये २३ वा क्रमांक होता वर्षभारामध्ये किती बिले निघाली आहे फक्त ७ ते ८ बिले निघाली का? जी अडीच वर्षापूर्वी यादी प्रकाशित झालेली यादी आणि आता प्रकाशित झालेली यादी या दोन यादयामध्ये कुठला निकष ठेवला आहे कुठल्या आधारे प्रकाशित केली आहे हा माझा प्रश्न आहे.

म. आयुक्त

तुमचे आज्जेवशन लेखी स्वरूपात घेणार त्यानंतर ते विचार करतील. कारण त्यामध्ये पुष्कळ लोकांची बिले सुटली आहे मग माझ्याकडे आल्यानंतर मी सांगतो की यादी पहा हे केव्हा जेव्हा लोकाच्या सुचना आणि हरकतीसाठी १५ दिवस किंवा जे काय स्थायी समिती ठरवेल ते ठरविल्यानंतर मग आपण त्याचा फायनलचा विचार करु. ती यादी स्थायी समितीपुढे ठेवणार मी काही एकटा करणार नाही एवढी पारदर्शकता ठेवली आहे.

म.सैय्यद साबीर

४० ते ५० कोटी रुपयांची बिलाची थकबाकी आहे मागील पंचवार्षिक मध्ये कोणाची ठेकेदार मनपाचे काम घेणेस तयार नव्हता. कामाची दोन तीन वेळा निविदा निघाल्यानंतर कोणाची दोन तीन वेळा निविदा निघाल्यानंतर कोणाही ठेकेदार काम घेणेस तयार नाही. अशा परिस्थितीत आम्ही ठेकेदाराला सांगितले आपण भागातील काम करा तमचे बील आम्ही काढून देऊ. त्यांनी आमच्या शब्दावर विश्वास ठेवून आमच्या शब्दाचा मान ठेवून काम केले त्या गोष्टीला आज अडीच ते तीन वर्ष झाली आहे. काही लोकांचे ३० ते ४० लाख रुपयांचे बील आहे आज त्यांची अशी परिस्थिती आहे आजारी पडल्यानंतर औषधासाठी पैसे नाहीत, आमच्या शब्दाखातर त्यांनी काम केले असल्याने ते आमच्याकडे तगादा करीत आहे.आणि यादीमध्ये गोंधळ असेल तर लोकप्रतिनिधी बोलणार नाही तर कोण बोलेल.

म. महापौर

यामध्ये पारदर्शकता रहाणार आहे यादी प्रकाशीत झाल्यानंतर स्थायी समितीमध्ये येणार आहे तेथेही बोलण्याचा अधिकार आहे.

म.सैय्यद साबीर

काही लोकांनी राजकीय वजन वापरून बील काढून घेतली. कोणी पैसे देऊन बील काढून घेतली आहे. ज्या ठेकेदाराचे राजकीय वर्चस्व नाही एखादा ठेकेदार पैसे देऊ शकत नाही त्याने काय करावयाचे?ज्या ठेकेदाराने व्याजाने पैसे आणून काम केले आहे त्यांने काय करावयाचे? ठेकेदारांच्या बिलाच्या यादया सिरियल वाईज तयार करावयास लावल्या आहेत मग मे. स्थायी समितीत येणार आहे त्यानंतर महासभेत कायम करणेसाठी येणार आहे मग आपण सर्वजन त्यावर बोलणार आहोत.ठेकेदाराची बील देणेबाबत पारदर्शकेचे धोरण राहणार आहे.त्यासाठीच यादया तयार करीत आहोत. त्यानुसार बील अदा करणेत येणार आहे.

म. महापौर

मी आपल्याला विचार इच्छितो आयुक्त यांनी स्थायी समितीला सादर केलेला बजेट १३० कोटी रुपयाचा होता त्यानंतर स्थायी समितीमध्ये ४५५ कोटी रुपयांचे बजेट झाले. जे उत्पन्न येणार आहे ते अधिका-यांनी असे दाखविले आहे की ते आताच येणार आहे आणि चालू वर्षात येणार आहे कमीत कमी ६३ कोटी रुपये हे तसेच १३६ कोटी रुपयांची पाईप लाईन आहे पूर्ण शहरात होणार आहे त्याची त्यांचे उत्पन्न ३६ कोटी रुपये दाखविले आहे. ते चालू वर्षात येणार आहे मी खात्रीपूर्वक सांगतो की,त्याला यायला जायला एक वर्ष लागून जाईल.ते ३६ कोटी रुपये फुगीर आकडे दाखविले आहे दुसरे ३७,७०,००,००० रुपये एस्कार्टचे १०० रुपये असतांना २०० रुपये प्रमाणे दाखविले आहे तो ठराव शासनाकडे पाठविला आहे त्याला मंजुरी केव्हा येणार आहे त्याला सहा महिनेही लागतील. असे ६३ कोटी रुपये वर्ष भरात येणार आहे चालू वर्षात इतका खर्च आहे की कमीत कमी ६० कोटी रुपये अनुदान येणार आहे त्यात मनपाचा ५० टक्के हिस्सा रहाणार आहे.तर आजची परिस्थिती आपली अशी आहे विशेष निधीसाठी शासनाकडून ५० टक्के अनुदान मिळणार आहे.ते काम झाल्यानंतर त्यासाठी ५० टक्के मनपाला द्यावे लागणार आहे मागील ठेकेदाराचे थकबाकीचे ३० ते ३५ कोटी रुपायांपैकी आपण १५ कोटी सुध्दा देऊ शकत नाही. आज ठेकेदार काम घेणेस तयार नाही. चालू वर्षी आम्ही कामे करणार की नाही.आज ठेकेदारांची परिस्थिती वाईट

म. फिरोज शेख

आहे. १५कोटी रुपये ठेकेदारांसाठी तरतूद केली आहे ते कुठुन येणार आहे आणि आता जी निविदा आहे.त्यांचे ५० टक्के पेमेंट हे कसे देणार आहे. माझ्यामते हे मनपाचे फुगीर बजेट झाले आहे. बजेटमध्ये तरतूद करून उपयोग नाही.५० टक्के निधी शासनाकडून येणार आहे ज्यासाठी आपल्या मनपाचे हिश्याचे ५० टक्के कसे देणार आहे याचा खुलासा करावा.आता जो ५० टक्के विशेष निधीसाठी, तसेच बी.आर.जी.एफ.साठी येणार आहे. तो वेगळा आहे. आता साहेबांनी सांगितले की, दोन वर्षांमध्ये करावे दोन वर्षात हे काम करतील परंतु यासाठी एक दिवस नगरसेवकांना भागात घेऊन जाऊ नका. परंतु फक्त अधिकारी यांना घेऊन जा.जे इंजिनिअर आहे त्यांना पूर्ण धुळे शहरातील वार्डाचा सर्वे करायला लावा.२५,२६,२७,२८ तसेच ३५ या वार्डाचा आपण सर्वे करावा. सर्वे केल्यानंतर माहिती होईल की त्याठिकाणी कामाची किती आवश्यकता आहे.यावरुन ठरवा एक वर्षात करावयाचे की दोन वर्षात करावयाची गरज आहे पावसाळ्यात बघितले तर आपण त्याठिकाणी पायी जाऊ शकत नाही फार मोठा एरिया आहे.आता विशेष निधीचे टेंडर निघाले आहे ५० टक्के शासन अनुदान आहे आणि ५० टक्के मनपाचा हिस्सा आहे आपण ते पैसे कसे भरणार आहे त्याचा खुलासा करावा.तसेच नदी किनारी जो अंजानशाह बाबा दर्गा आहे त्याठिकाणी हिंदू- मुस्लीम समाजातील श्रद्धाळू लोक जातात. सदर परिसर सुशोभिकरण करणेसाठी तांतडीची आर्थिक गरज लक्षात घेऊन ५ लाखाची तरतूद करणेत यावी. नागपूर मनपासाठी महाराष्ट्र शासनाने राजपत्र काढले आहे. नागपूर शहराच्या अंतर्गत १० लाख रुपये दिले आहे. तरी अंजानशाह बाबा दर्गासाठी ५ लाख रुपयांची तरतूद करणेत यावी ही विनंती आहे.

म. अमीन पटेल

स्थायी समितीमध्ये बजेट आला असतांना अल्पसंख्याक समाजासाठी ४० लाख रुपयांची तरतूद करणेत आली होती. सभापती श्री. चंद्रकांत केले तसेच आयुक्त सांगितले होते.४० लाख रुपयांमध्ये इतर समाजाचाही समावेश आहे त्या ४० लाखामध्ये काय काय होणार आहे यासाठी २ कोटी रुपयांची तरतूद करणेत यावी.४० लाखामध्ये अल्पसंख्याकांचा कसा विकास होणार आहे.याची माहिती देणेत यावी मी तर म्हणतो ४ कोटीची तरतूद करावी.

म. महापौर

आपण या वेळेस आपले आदरणीय मा.श्री. बाबासाहेब कदमबांडे यांच्या माध्यमातून प्रयत्न करणार आहोत. यावेळेस धुळे शहरासाठी ५ कोटी रुपये अल्पसंख्याक निधी करणेचा प्रयत्न करणार आहोत.

म.मनोजभाऊ मोरे

आज परिस्थिती अशी आहे की ठेकेदाराचे बील कसे निघतील आणि प्रभागातील कामे कसे होतील अशी नगरसेवकांना चिंता आहे.५ वर्ष होऊन गेले तरी नगरसेवकांची शक्यता नाही. अशी मनपाची परिस्थिती आहे आता एलबीटी बंद झाला आणि त्यावर शासन काही अनुदान देणार असेल तर त्यात काही फरक पडेल असे वाटत नाही आपण उत्पन्नाचे स्रोत वाढविले पाहिजे. शहरामध्ये जे अनधिकृत बांधकामे आहेत ते नियमानुकूल करून घ्यावे त्यामुळे उत्पन्नात वाढ होणार आहे तसेच वसुली वाढवून प्रभागातील कामे होणार आहे.

म. संजय जाधव

याठिकाणी ठेकेदाराचे धनादेश देणे विषयी चर्चा झाली आहे.याठिकाणी ठेकेदाराच्यावर यादया लावणेत आलेल्या होत्या. परंतु मध्येच कोणाचे तरी धनादेश काढणेत आले होते. आजची अवस्था अशी आहे की काही ठेकेदार हे शहरात कामे करावयास तयार नाही.काही नगरसेवक हे स्वतःच्या जबाबदारीवर कामे करीत असतील त्यांनाही बील देणे गरजेचे आहे. धोरणात्मक निर्णय महासभेचा असतो त्याबाबत ठराव करणेत यावा त्यानुसार ठेकेदारांना बील दिले गेले तर त्याबाबत कुठलाही वाढ याठिकाणी होणार नाही. याठिकाणी ४०० कोटीच्यावर आपण बजेट सुचविले आहे.फक्त आकड्यात बदल केला आहे याठिकाणी माझा विरोध आहे एस्कॉर्ट फी आपण ३७ कोटी रुपयावरून दाखविले आहे. बजेट हा खात्रीशीर असावा म्हणजे येणा-या उत्पन्नातून कामे करू शकतो.स्थायी समितीने विशेष अधिनियमान्वये ३० कोटी रुपये शिल्लक दाखविली आहे.एवढी मोठी रक्कम आली कुठुन याचा खुलासा करावा.

म. नरेंद्र परदेशी

स्थायी समितीने ३५० कोटीची वाढ करून हा अवास्तव बजेट आपल्यासमोर सादर केला आहे.आपले सभापती साहेब यांना सांगितले होते की आपली जी आकडेवारी आहे ती फॉल्स आकडेवारी आहे आपल्याला सांगायला बरे वाटते की आपले बजेट ४५० कोटीचे आहे परंतु यामध्ये नगरसेवकांना विकास कामासाठी काहीही मिळणार यामध्ये म.महापौर यांनी असे बघावे की आपल्याला असे वाटते की आपल्याला ४५० कोटी रुपये खर्च करावयाचे आहे काही अधिकारी पदाधिकारी आणि नगरसेवकांच्या दबावापोटी त्यावर सहया करतात आणि जे अनुदान प्राप्त व्हायचे आहे किंवा उत्पन्न प्राप्त व्हायचे आहे ते मुळात होत नाही आणि मग उत्पन्न कमी आणि खर्च जास्त हे जे कालचक्र चालू आहे हे गेल्या ५ ते ७ वर्षांपासून चालू आहे. तुम्ही सुध्दा मागील वेळी सदस्य होते आपण या गोष्टीसाठी सातत्याने भांडतो आहे आपण आर्थिक घडी बसवावी आज हे नगरसेवक लोक चर्चा करीत आहे बिलांसाठी या बजेटमध्ये अशी वेळ का आली आहे यामध्ये आपण बिना बजेटची कामे मंजूर केली आहे बजेट करतांना आता सभापती हे सुध्दा मुख्य पदाधिकारी आहेत त्यांनी एक शब्द वापरला की ५ रुपये तरतूद आहे आणि आपण १० रुपये खर्च करू शकतो.असे कसे काय करू शकतो. सभापतींनी असे बोलू नये यामुळे काय होते.यामुळे अधिका-यांना काय वाटते की आपण खर्च करू शकतो. म्हणजे परत तीच वेळ येते. मा. महापौर महोदया, या बजेटमध्ये की काही गोष्टी या अवास्तव दाखविल्या गेल्या आहेत.आपल्याला सांगायला बरे वाटते ४५० कोटीचे बजेट आहे आज एकही ठेकेदार पालिकेमध्ये ठेका घेत नाही. आज जे काही ३० ते ४० कोटी रुपये कामाचे अडकले आहेत ते ठेकेदारांचे आहे ते काम करून निधून गेले आहे तसेच त्यांचे लाखो रुपये दुसरीकडे अडकले आहे ते सुध्दा निधालेले नाही. आता परत हे काम आणि याच्यासाठी परत ३० ते ३५ कोटी आणि परत ५० कोटी द्यावयाचे आहे परत आता टेंडर भरतील काम करतील म्हणजे आडात नाही तर पोह-यात कुठुन येणार, आयुक्त कुठुन पैसे देणार आहे विशेष निधीचे काम करणेपेक्षा ज्या काही शासनाच्या १०० टक्क्यांच्या योजना आहे ती कामे करावी. इतर कामे करणेस भरपूर वाव आहे.नगरोत्थान योजना आहे राजीव गांधी आवास योजना आहे. दलित वस्ती योजना आहे.या ज्या १०० टक्के अनुदानाच्या योजना आहेत त्यात कामे करावे पुढे तीन महिन्यानंतर आचारसंहिता लागणार आहे. त्या पिरेड मध्ये आपली आर्थिक परिस्थिती सुधारून घ्यावी. बजेटवर चर्चा झाली पाहिजे. कारण या बजेटमध्ये अवास्तव आकडेवारी आली आहे. उत्पन्नाची बाजू आहे त्या न परवडणा-या गोष्टी आहे. मग त्याआधारे तरतूद करावयाची आणि त्यात पुढचे काम टाकून घ्यावयाचे परत त्यात आर्थिक खाईत मनपाला लोट रहावयाचे आता आपण कुठे तरी सावरु. नाही तर पूर्णपणे खडयात टाकू नका.यामध्ये खूप मोठी कपात झाली पाहिजे. हे जे वाढीव आकडे टाकले आहे हे अत्यंत फॉल्स आहे ते उत्पन्न येऊ शकत नाही.आपला ४५० कोटीचा बजेट आहे आपण २०० कोटीची कामे सुध्दा करू शकत नाही. आपण हॉस्पीटल असो इमारत असो तरतूद करीत आहे पाच वर्षांपासून तरतूद करीत आहे फक्त तरतूद होते पुढे काहीही होत नाही एलबीटी कर रद्द होणेचे मार्गावर आहे एलबीटी रद्द झाल्यावर आपले पारगमन शुल्क राहील का?याचा विचार झाला पाहिजे.त्याप्रमणे निर्णय घ्यावा.आपण आणि नगरसेवकांना फसवू नका ही माझी विनंती आहे.

म. दिनेश शार्दुल

बजेटमध्ये उत्पन्नाचे स्त्रोत वाढले पाहिजे स्थायी समितीत मांडले होते की उत्पन्नाचा दाखला त्यात विविध करापासून मिळणारे उत्पन्न ४४ लाख रुपये आहे नवीन नळ कनेक्शन मध्ये २६ लाख रुपये दाखविले आहे.बांधकाम परवानगी,अनाधिकृत बांधकाम यापासून मिळणारे अपेक्षित उत्पन्न २८ लाख रुपये दाखविले आहे मनपाच्या हदीत जी शेत जमीन आहे आपण लेआऊट मंजूर करतांना आपण जो बेटरमेंट चार्ज घेतो त्यात वाढ करणेची सुचना केली होती. त्यावेळी प्रभारी आयुक्तांनी सांगितले होते हा ठराव येथे न करता महाराष्ट्र शासनाचक

लेव्हलचा आहे. उत्पन्न आपल्याला मिळते त्याची परवानगी शासनाकडून घेतली आहे याचे उत्तन मला पाहिजे आहे दोन महिन्यापासून आपण पत्र पाठविले का?

म. आयुक्त

कोणताही लेआऊट मंजूर करणेची शेवटची जी स्टेज असते तीला जोपर्यंत मंजुरी देऊ नये जो पर्यंत रस्ते नाले, स्ट्रीट लाईटची उभारणी करीत नाही आणि तोपर्यंत बेटरमेंट चार्जेसचे ऐवजी त्यांचे जेवढे व्हॅल्युएशनचे प्लॉट असतील ५,६,७,८ आम्ही जेवढे काढू तेवढे आपल्याकडे मॉरगेज केले पाहिजे.आणि त्याने पूर्ण आराखडा उभा केल्यानंतर त्याला प्लॉट परत दिले जातील. त्या शिवाय लेआऊटला मंजूरी द्यावयाची नाही.

म. दिनेश शार्दुल

दुसरे म्हणजे वसुली विभागात २०१०-११ मध्ये ३ कोटी ८ लाख होती. ११-१२ मध्ये ५ कोटी ९ लाख झाली. १२-१३ मध्ये ७ कोटी पंचावन्न हजार तसेच १३-१४ मध्ये साधारणतः हा २० कोटी रुपये म्हणजे मागील पेक्षा चांगली वसुली केली आहे.तसेच जे बखळ प्लॉट आहे ज्यावेळेस तो बांधकाम परवानगी द्यावयास येतो त्यावेळेस बखळ प्लॉटचा टॅक्स वसूल केला जातो.जशी आपण घरपट्टी वसूल करतो त्याप्रमाणे बखळ प्लॉटचे करावे यामुळे उत्पन्न वाढाणार आहे.तरी हा बजेट मंजूर करणेत यावा.

म.श्रीमती प्रतिभा चौधरी

सभेच्या सुरुवातीलाच ठेकेदाराचा बिलाचा विषय निघाला होता. तो अतिशय महत्वाचा विषय आहे. स्थायी समिती सभापती यांचे प्रभागामध्ये शासकीय निधी मधून ५ कोटीची कामे मंजूर केली आहे. याठिकाणी जेव्हा ठेकेदाराचे बिले दिली जातात. तेव्हा मर्जीतील नगरसेवकांचे बिले आधी काढले जातात. आर्थिक व्यवहार आयुक्तांशी होत असेल कमिशन ठरले जाते. आणि नगरसेवकांच्या बिलांना प्राधान्य दिले जाते आणि शासकीय योजनांचा निधी आहे सर्व नगरसेवक पत्र देत असतात सन्ना. सदस्य श्री. नरेंद्र परदेशी यांनी सांगितले की, आजची परिस्थिती लक्षांत घेऊन आपण अंदाजपत्रक बनविले पाहिजे १०० टक्के शासन योजनांचा निधी त्या कामांना प्राधान्य द्यावे.श्री.परदेशी यांचे म्हणणे बरोबर आहे परंतु १०० टक्के निधी सर्वच नगरसेवकांना मिळतो का? माझा प्रश्न आहे सर्व नगरसेवकांना निधी मधील हिस्सा मिळतो का? विशेष निधी जो आला आहे.त्यामध्येही भेदभाव केला जातो.अनेक प्रभागा मध्ये ८० लाखाचे कामे आहेत कोणाचे प्रभागात १ कोटीचे कामे आहेत असा भेदभाव न करता सर्वच नगरसेवकांना निवडून दिलेले आहे १५ मे रोजी जी महासभा झाली होती आमचे प्रभागातील जेटपंप बंद पडलेले आहे तो विषय तांतडीने घेणेसाठी प्रशासनाला विनंती केली होती. आम्ही जे जेटपंप बंद आहेत त्याची यादी इंजिनिअर लोकांना दिली आहे. आपण आता निविदा काढाणार नंतर ती उघडली जाईल. मग वर्कऑर्डर होईल यासाठी १ ते दीड महिना कालावधी लागेल आपले पिण्याचे पाणी सोडले जाते.त्यांचे नियोजन नाही जे हातपंप बंद आहेत त्याबाबत प्रशासनाला आदेश द्यावा अशी मी विनंती करते आणि मनपाचे उत्पन्न वाढविणेचे जे स्रोत आहे बेकायदेशीर बांधकाम बेकायदेशीर नळ कनेक्शन आपल्या प्रशासनाकड मनुष्यबळ कमी असल्यामुळे प्रशासनाने उत्पन्नाचे स्रोत वाढविणेसाठी प्रयत्न करावा तसेच बंद असलेले हातपंप चालू करणेचा आदेश द्यावा अशी मी विनंती करते.

म.सैव्यद साबीर

एक कमी खर्चाचा विषय आहे त्याची बजेटमध्ये तरतुद करणेत यावी.यामध्ये सर्व समाजाचा प्रश्न आहे. कोणत्याही समाजाचा मुलगा असेल व्यक्ती असेल परीक्षेत नापास झाला तर आत्महत्या करतो घरामध्ये भांडण झाले तर आत्महत्या करतात. परिस्थिती अशी होऊन जाते की त्यांचे जे प्रेत असते ते पाण्यामध्ये अटकून जाते त्याचे प्रेत जोपर्यंत पाण्याच्या वरती येत नाही संबंधित लोक त्यांचे नातेवाईक तसेच भागातील नगरसेवक परेशान होऊन जातात. आपले जे संबंधित आपत्ती व्यवस्थापनातील कर्मचारी आहे त्यांची परिस्थिती अशी आहे त्यांना पोहण्याचा कुठलाही सराव नाही. ते पाण्यामध्ये १० फूट जाऊ शकत नाही दोन अडीच वर्षांपूर्वी तत्कालीन आयुक्त श्री.सोनवणे साहेब असतांना एक तरुण मुलगा नकाणे तलावात बुडून मेला.आम्ही त्याठिकाणी गेलो भरपूर प्रयत्न केले आमचे जे आपत्ती व्यवस्थानाचे कर्मचारी आहे ते १० ते १५ फूट पाण्यामध्ये जाऊ शकले नाही. यासाठी मालेगांव येथून एका

मुलाला बोलविणेत आले त्याने प्रयत्न करून मुलाला बाहेर काढले ही गंभीर बाब आहे. तर या गोष्टी लक्षात घेऊन तांतडीने पाण्यामधून बाहेर काढणेसाठी आवश्यक ती बजेटमध्ये तरतूद करणेत यावी दुसरी गोष्ट महापौर साहेब रजेवर गेले तर उपमहापौर यांचेकडेस चार्ज दिला जातो.आयुक्त रजेवर गेले तर अतिरिक्त आयुक्तांकडे चार्ज दिला जातो. उपायुक्त रजेवर गेले तर सहा. आयुक्तांकडे चार्ज दिला जातो त्याप्रमाणे थुळे शहरातील पाईप लाईन फुटली तर यासाठी पर्यायी व्यवस्था आपल्याकडे काहीच नाही. यामुळे लोकांना ८-८ , १०-१० दिवस पाणी मिळत नाही यासाठी बजेट मध्ये काही प्रमाणात तरतूद करावी म्हणजे लोकांना पाण्यासाठी भटकंती करावी लागणार नाही. तसेच नागरीकांना आपल्या दारासमोर मुलाचे लग्न समारंभ ठेवतात त्यांना जर ८-८ दिवस १०-१० दिवस पाणी मिळाले नाही तर आणि आपण टँकरने त्यांना पाणी देऊ शकत नाही त्यासाठी आपल्याकडे काय उपाय योजना आहे पालिकेची पावती करूनही टँकर मिळत नाही. नागरीकांच्या सुविधेसाठी पाण्याचे २ टँकर नव्याने घेण्यांची तरतूद बजेट मध्ये करणेत यावी.

म.महापौर

आपण २ जे.सी.बी. घेणार आहोत त्याचबरोबर दोन पाण्याचे टँकर खरेदी करणेसाठी तरतूद करणेत येईल. सर्व सदस्यांचे बजेटवर बोलून झाले आहे आता यावर आयुक्त सोा. बोलतील त्यानंतर मी बोलणार आहे.

म. आयुक्त

बजेट बाबत ज्या काय गोष्टी मी वाचल्या आहेत आपल्याकडून काही प्रश्न आले आहेत. सर्वाचा विचार करता सर्वाचा एकच केंद्र बिंदू येतो तो म्हणजे मनपाचे उत्पन्न वाढीचे काय? याचा जर विचार केला तर बाकीचे प्रश्न आपोआप सुटणार आहे ४५५ कोटीचे जे बजेट आहे यामध्ये अनुदान १४४ कोटी रुपये आहे. त्याच्यामुळे आपोआपच कमी होणार आहे. ते जर मिळाले तर तिकडे खर्चाला जाईल नाही मिळाले तर खर्चाला जाणार त्यामुळे खरोखरचे बजेट म्हणजे ३५५मधून १४४ कोटी रुपये डोक्यातून काढून टाकावे उत्पन्न वाढीसाठी माझ याकडे काय प्लॅन आहे तो सांगतो.आपण जर राजकारण बाजूला ठेवून जर आपण प्रशासनाला मदत केली जर मला खात्री आहे या प्लॅन प्रमाणे ५० टक्के उत्पन्न वाढू शकते. हा जो खालचा स्टाप आहे वसुली लिपीक,सॅनिटरी निरीक्षक, यांचेवर काही भरवसा राहिलेला नाही त्यांचे रिपोर्टींग असते ते माहिती बरोबर देत नाही. त्यामुळे आम्ही ठरविले आहे की प्रत्येक विभागात एकाच वेळेस दोन काम सुरु करावयाचे त्याचा प्रोग्राम आता फायनल स्टेजला आहे यामध्ये वसुली लिपीकापासून आयुक्तापर्यंत आम्ही तुमच्या भागामध्ये वेळ देऊ.त्या भागात आल्यानंतर त्या ११ गोष्टी अशा आहेत १) मालमत्ता कराची थकबाकी असेल ती आम्ही वसुल करू. प्रत्येक घराचे संकेतण करणार आहोत.वाढीव बांधकाम ज्या ज्या घराचे झाले असेल त्यांना तेवढया जास्त प्रमाणात टँक्स लावू. अनाधिकृत बांधकाम असेल आणि ते जर रेग्युलरराईज करावयाचे असेल तर त्यांना दुप्पट मालमत्ता कर लावणेत येईल.अनधिकृत बांधकाम किंवा टँक्सेस आकारणी झालेली नाही आम्ही तेथेच टँक्स आकारणार आहे आम्ही प्रोसीजरने जाणार नाही तुमचा कर तुम्ही भरू द्यावयाचा आहे स्वंय निर्धारण आम्ही फार्म देणार तुमचा जिमिनीचा रेट देणार, तुमचे बांधकामाची कॅटगिरी देणार, आणि रेट देणार, तेथेच कॅल्क्युलेटर करून आम्हाला सांगा, फक्त त्यांची एवढेच होईल त्याने तेथे १००० स्केअर फूट लिहले असेल तर माझा माणूस बघायला जाईल त्यात फरक असेल पुढे नोटीस देणे वगैरे प्रक्रिया होईल तसेच प्रत्यक्ष वापर दुकानासाठी घरासाठी इंडस्ट्रीजसाठी किंवा दुस-या गोष्टीसाठी करीत आहे तर आपले मालमत्ता करात फरक पडतो तसेच अनधिकृत अऱ्कयुपेन्सी होते त्याला तेथेच जागेवर आकारणी करून नियमित करणेचा प्रयत्न करू याचवेळी मोकळे भूखंड जेथे जेथे असतील

मोकळ्या भुखंडाचा मालक सापडत नाही घराचे ठीक आहे त्याचा मालक शोधाला गेला नाही तर तेथे लिहून ठेवणार त्यानंतर परत काय कार्यवाही झाली यांचे रेकॉर्ड तयार करणेत येईल यानंतर नागरीकांनाही सुविधा देणार ज्यांनी घर खरेदी केली आहे परंतु नाव इकडे लावले

गेले नाही ऑफिसमध्ये चकरा माराव्या लागतात. ती सोय आपण तेथेच देणार त्याचा अर्ज द्यावयाचा त्याने खरेदी खत दाखवावयाचे वारसपत्र असेल तर ते दाखवयाचे या गोष्टी आपण तेथेच करणार आहे त्यानंतर लेआऊटमध्ये नागरीकांनी बांधकाम करून टाकले आहे आम्ही नगररचनाकार यांना घेऊन त्या भागातील व्हिडिओ शुर्टींग घेऊन मोजमाप करणार असे देवपूर मध्ये रस्ते, पाच सहा ठिकाणी बंद झालेले आहे अशा प्रकारचे अतिक्रमण काढून टाकणार. तसेच ओपन स्पेस ताब्यात घेणार आहे लेआऊट मंजूर झाल्यानंतर जे ओपनस्पेस असतील ते १ रुपया कन्सीडटेशनवर महानगरपालिकेला क्रेडीट करणे अत्यंत आवश्यक आहे ती कार्यवाही आम्ही करणार आहे त्यानंतर मनपाने ज्या जागा लीजवर दिल्या असतील त्यांनी करारनाम्याचा भंग केला असेल व्यापारी बांधकाम केले असेल तर त्यांचेवर कारवाई करणार आहे. अनधिकृत बांधकाम नियमित करणे एखादयाने बांधकाम परवानगी घेतलेली नाही किंवा अधी घेतली आहे अर्धी घेतलेली नाही तर त्याला कपौर्डींग करून त्याला नियमित करून देणार परंतु त्याला ठराव मला मनपाने करून द्यावयाचा आहे त्यांचे रेट किती आहे आम्ही सांगली मनपाचे रेट मार्गाविले आहे त्याला जो नॉर्मली विकास शुल्क भरावे लागते त्याच्या दहापट त्यांनी रेट ठेवलेला आहे तो त्यांचा निर्णय आहे आपण विषय पुढच्या महासभेत ठेवू. त्यात जेवढे कपौर्डींग होईल तेवढे त्यांचेकडून वसूल करू. तसेच यातून मिळणारे उत्पन्न आहे आता येथे प्रॅक्टीकल अडचण आहे यावर इफेक्ट झाला आमचे लोकांचे Moral Down झाले तर ही स्कीम आहे तिला ब्रेक लागू शकतोआणि ते बांधकाम नियमित होणेसारखे नसेल तर ते बांधकाम मी काढून टाकीन. आपण मारील वेळी गुंठेवारी प्रकरण बदल बोललो होतो. महासभेची परवानगी घेतली आहे प्रशासनाला मी सांगतो की तो गुंठेवारीचा ठराव झालेला आहे. वृत्तपत्रामधून बातमी द्यावी शहरामधून तुमच्याकडे गुंठेवारीचे प्रकरण येणे शक्य आहे प्रसिध्दी द्यावी सन्मा. नगरसेवक यांना एक- एक प्रत द्यावी म्हणजे ते त्यांच्या भागातील नागरीकांना प्रवृत्त करतील तुमचे प्रकरण द्या नाहीतर तुमचे घर तोडणेत येतील. गुंठेवारी पासूनही आपल्याला उत्पन्न येणे शक्य आहे. नगररचना विभागातील परवानग्या असतील त्या आम्ही सोबत घेऊन जाऊ. त्यांनी जर नियमित करणेस नकार दिला तर त्याचे नळ कनेक्शन काढून घेऊ. असे एकंदर ११ मुद्दे आहेत यंत्रणा राबविणेसाठी कर्मचारी वर्ग लागेल नगररचना विभागात कर्मचारी कमी आहेत बांधकाम मोजणेसाठी कर्मचारी लागतील मला बाहेरून काही मदत लागेल यासाठी स्थायी समितीपुढे हा विषय घेऊन आयुक्तांना मंजुरी द्यावी याबाबत कोणाला काही शंका असेल तर आपण सांगावे.

म. फिरोज शेख

वसुली आणि नगररचना विभागाला मेहनत घ्यावी लागणार आहे. धुळे शहरात १०३ टॉवर आहेत त्याबाबतचा २०१० चा ठराव आहे. त्यावर कारवाई करावयाची आणि जागेवर १ लाख रुपये दंड करणेत यावा. मी नगररचना विभागाला विचारू इच्छितो की १ लाख प्रमाणे १ कोटी ३ लाख रुपये उत्पन्न मिळणार आहे तर यावर केव्हा कारवाई करणार आहे. मागे बजेटच्या मिटींगमध्येही चर्चा झाली आहे याकडे लक्ष दिले पाहिजे. आपले करोडो रुपयांचे नुकसान होताहात. दुसरे असे की आपले पैसे कुठे जास्त जात आहे आपण टेंडर दिले आपल्याला वाटते महासभेला घ्यावयाची गरज नाही त्यावर कारवाई अटी शर्तीचा भंग झाला ते डायरेक्ट टेंडर कॅन्सल होईल अनेक लोकांनी तंक्रार केली आहे त्यांचे काय झाले १ वर्षाचे तुमचे ४ कोटी रुपये जात आहे ४ कोटी रुपये देणेपेक्षा आपण आरोग्याकडे जास्त लक्ष दिले तर अधिकारी आणि कर्मचारी यांची आवश्यकता पडते जर २५-५० लोक वाढविले तर आणि जे लोक घरी बसून पगार घेत आहे मी त्यांचे नावाची यादी देईल आज ५०-५५ कर्मचारी असे आहेत की घरी बसून पगार घेत आहेत पण अडचण अशी येत आहे की कारवाई करणार कोण, कारवाई केली तर अडचण येणार आहे त्या ५० लोकांना कामाला लावा. आणखी ५० ते ६० लोकांना घ्यावे आरोग्याधिकारी यांनी आणि इतर लोकांनी लक्ष दिले तर आपले मुकदम, सॅनिटरी निरीक्षक हे लोक सकाळी ७ ते ११ वाजेपर्यंत त्यांचेसोबत राहतील तर वर्ष

भरात कमीत कमी २ कोटी रुपयांचा फायदा होणार आहे. काय गरज आहे त्यांना ठेका देण्यांची, आपली जी संस्था आहे त्या हिशोबाने कर्मचारी नाही. त्यांचा पगाराचा खर्च किती आहे. किती लोक कामावर येतात हे सर्व मला माहिती आहे किती लोक कामावर येतात जातात याकडे ही लक्ष दिले तर आपले कमीत कमी १ कोटी रुपये वाचणार आहे अधिकारी लोकांना कामावर लावा. जे लोक घरी बसले आहे त्यांना कामाला लावा काम करीत नसेल तर त्यांना घरी पाठवा कायदयाने काम करावे.

म. आयुक्त

मी सांगू इच्छितो की माझ्याकडे यादी आलेली आहे. त्याची चौकशी झाली त्यात ७ लोकांना निलंबीत केले आहे तसेच मी ॲर्डर केली आहे जे सफाई कर्मचारी इतर विभागात काम करीत आहे त्यांना परत आरोग्य विभागात पुन्हा सफाई विभागात पुर्नस्थापित करणेची ॲर्डर केली आहे.

म. फिरोज शेख

आपण त्यांना सफाई कर्मचारी म्हणूनच देणार आहे का? असेही काही कर्मचारी आहे की त्यांना सफाई करणेची लाज वाटते ते पगार घेतात काही अधिकारी लोकांवर प्रेशर आणतात. कोणत्याही राजकीय दबावाला बळी पडू नये त्यांना कामाला लावावे मी तुम्हाला ४६ लोकांची यादी देतो ते कर्मचारी कधी कामावर आलेले नाही आणि ते येणारही नाही यांचेवर कारवाई करावी. त्यांचेवर कारवाई झाली तर ते ४६ लोक कामावर येतील ५० लोक कामावर येत नाही आणि आपण १०० ते १५० लोकांचा पगार काढीत आहे हे कसे काय? यामुळे मनपाचे नुकसान होत आहे. यामुळे आपले उत्पन्न वाढेल हा जो खर्च होत आहे तो थांबेल. या गोष्टीकडे लक्ष दिले पाहिजे. आपण नगररचना विभागाकडे लक्ष दिले तर उत्पन्नात वाढ होणार आहे टॉवरचे परमिशन बरोबर बांधकाम परवानगी अनेक लोकांच्या ३-३ मजली इमारती आहे पण त्यांची बांधकाम परवानगी नाही. त्यांना घरपट्टी लावलेली नाही. घरपट्टीवाले त्यांचेकडेस जातात परंतु त्यांना ते घाबरतात. घरपट्टीवाल्यांचे काम नाही का? कुठे अतिक्रमण होत आहे. करोडो रुपयांच्या जागेवर अतिक्रमण होत आहे आणि परत कागदपत्र गोळा करून कोर्टीत जातात. यामुळे मनपाचे नुकसान होत आहे. आम्ही ब्रीज बनविला रस्ता बनविला १०० फूटी रस्त्यापासून चाळीसगांवकडे जाणारा रस्ता आहे त्याठिकाणी तीन लोकांनी मेनरोडवर कब्जा केला आहे. त्या लोकांचे इतर ठिकाणी घर आहेत आणि तो रस्ता बंद करून टाकला आहे याबाबत मी श्री. बैसाणे श्री. पावटे यांना सांगितले परंतु फक्त सांगतात आम्ही जाऊन येतो. तुम्ही का घाबरतात. कायदेशीर आहे ना? आम्ही तुमच्या बरोबर आहे. त्यांचे इतर ठिकाणी प्लॉट आहेत. त्यांना इतर ठिकाणी जाग दिलेली आहे. यांची परिस्थितीही चांगली आहे ते लोक रस्त्यावर येणार नाही. त्यांचेवरही कारवाई झाली पाहिजे. तसेच मी आपल्याला विनंती करतो आपल्या शेजारी शिरपूर मालेगांव, जळगांव मनपानी पूर्ण शहरातील गरीब लोकांचा इशुरन्स काढला आहे. थुळे शहरात एक वेळा झाले होते. २००३ मध्ये एकच वेळा इशुरन्स भरलेला आहे. त्यानंतर का भरलेला नाही या गोष्टीवर लक्ष दिले पाहिजे सर्व मनपा भरीत आहे आपण का भरत नाही. शहरात गरीबी आहे कोणी ॲक्सीडेंन्ट मध्ये मरण पावेतो त्याची परिस्थिती खराब असते त्याला शासनाकडून १-२ लाख रुपये मिळून जातात. त्यांचे काम घेऊन जाते तर आपण शहरातील जनतेचा इंशुरन्स भरला पाहिजे. ही बजेटची मिटींग आहे त्यात तरतूद करणेत यावी. तसेच अतिक्रमण काढणेसाठी गाडी लागते जे.सी.बी. लागते. या गोष्टीही आवश्यक आहे ते घेणेत याव्या. यामुळे मनपा खर्चात कपात होणार आहे. नगररचना वसुली आरोग्य या विभागाकडे लक्ष दिले तर करोडो रुपयांचा मनपाचा फायदा होणार आहे. मी विनंती करतो की आजच्या महासभेत इशुरन्ससाठी तरतूद करणेत यावी.

म.गंगाधर माळी

म. महापौर

आज सभागृहातील फर्निचरची अवस्था वाईट आहे त्याची दुरुस्तीबाबत तरतूद करावी. सभागृहाचे देखील नुतनीकरण करावयाचे आहे. त्याची बजेटमध्ये तरतूद करणेत येईल.

म. संदीप पाटोळे

मी उत्पन्नाचे साधनवाढविणेसाठी २००८मध्ये निवेदन दिले होते. आजही कडक उन्हाळयामध्ये प्रश्न जाणवत होते. शहरातील ज्या पाण्याच्या विहिरी आहे त्यांचे नियोजन केले तर उन्हाळयातील शेवटचा महिना असतो. त्या महिन्यात पाण्याची तीव्रता जाणवणार नाही आज शहरातील एकाही विहिरीची साफसफाई झालेली नाही मागे ही योजना आमच्या परिसरात राबविली आहे. मनपाच्या शाळेमागे जी विहीर आहे तेथून भागात पाणी पुरवठा करणेत आला होता. त्या पद्धतीने आपण पाणीपुरवठा केल्यास मनपा खर्चात बचत होणार आहे. एका विहिरीसाठी १० ते १५ हजार रुपये खर्च येणार आहे या विहिरी जर जीवंत केल्यास कायम स्वरूपी धुळे मनपाचे उत्पन्न वाढणार आहे आज खर्चाचा विचार करु नये. भविष्यात आपला खर्च कमी होणार आहे दुसरे असे की जे लेआऊट मंजूर आहे त्याठिकाणी रस्ते पाणी नाही यामुळे अनेक लोक घरे बांधीत नाही. आपण जर सुविधा उपलब्ध करून दिली तर त्याचा मनपाला फायदा होणार आहे. यावर विचार करावा.

म. चंद्रकांत केले

आयुक्त यांनी जो ११ कलमी कार्यक्रम दिला आहे तो चांगला आहे त्यामुळे मनपाचे उत्पन्न वाढणार आहे आपण सर्वांनी महापौर आणि आयुक्तांना अधिकार द्यावेत आपण ज्या सुचना केलेल्या आहेत त्या सर्व सुचनांचा विचार करून त्यात दुरुस्ती करून बजेट फायनल करावे ही विनंती आहे.

म. महापौर

सर्वसन्मा. सदस्यांनी अंदाजपत्रकासंदर्भात आपआपल्या सूचना व दुरुस्ती अत्यंत खेळीमेळीच्या वातावरणात मांडल्यात. आपल्या कालावधीतील हा पहिला अर्थसंकल्प आहे. या अर्थसंकल्पात काटेकोर नियोजन व त्यानुसार अंमलबजावणी करण्यासाठी आपले तसेच प्रशासनाचे सहकार्य आवश्यक आहे.

उपस्थित सदस्यांनी त्यावर विस्तृत चर्चा केली. विस्तृत चर्चेत विविध मुद्दे व शहराच्या विधायक व विकासात्मक कामासाठी तरतूदी सुचिविलेल्या आहेत. या सर्व बाबींची नोंद घेण्यात आलेली आहे. धुळे शहरातील जनतेवर कोणतीही करवाढ न करणारा व धुळे महानगरपालिकेचा व महानगराचा सर्वांगिण विकास करणारा हा अर्थसंकल्प ठरणार आहे.

पाणी पुरवठयावर होणारी तूट लक्षात घेता पाणीपटटीत वाढ करणे गरजेचे असून देखिल सदरचा खर्च नागरीकांच्या हितासाठी महानगरपालिका सहन करीत असून नागरीकांवर कोणत्याही स्वरूपाची करवाढ होणार नाही. धुळे महानगरपालिका ही केवळ नफा कमाविणारी संस्था नसून नागरीकांना मूलभूत सेवा व सुविधा योग्य क्षमतेने पुरविणे हे महानगरपालिकेचे आद्य कर्तव्य आहे हाच उद्देश नजरेसमोर ठेवून सदरचा अर्थसंकल्प आखण्यात येत आहे.

मनपाचा उत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ लक्षात घेता वस्तुनिष्ठ अंदाजपत्रक आवश्यक आहे. मे. स्थायी समितीने महासभेपुढे रुपये ४५५,०९,३२,६९७/- मात्रचे अंदाजपत्रक सादर केलेले आहे. स्थायी समितीने सादर केलेले अंदाजपत्रक हे वस्तुनिष्ठ स्वरूपाचे असून त्याबद्दल मी स्थायी समिती सभापती व सर्व सदस्यांचे मनःपूर्वक अभिनंदन करते. अंदाजपत्रकात नमूद केल्याप्रमाणे उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने कार्यवाही व अंमलबजावणी करणे आवश्यक आहे. मालमत्ता कराची वसुली वाढविणे, राहत्या घरात व्यवसाय करणा-यांना व्यावसायिक कर लावणे, अवैध नळ कनेक्शन शोधून त्यावर दंडात्मक कार्यवाही करणे, अनधिकृत मोबाईल टॉवरवर दंडात्मक कार्यवाही करून अधिकृत करणे, विना परवानगी बांधकाम करणा-यांवर दंडात्मक कार्यवाही करणे, गुंठेवारी प्रस्तावांबाबत त्वरीत कार्यवाही करणे, मनपा मालकीच्या विविध जागांवर नविन व्यापारी संकुल उभारणे या उत्पन्न वाढीच्या बाबीबाबत काटेकोर व रचनात्मक कार्यवाही केल्यास अंदाजपत्रकात नमूद केल्या प्रमाणे उत्पन्न येणे अपेक्षित आहे. अंदाजपत्रकात नमूद केलेले अपेक्षित उत्पन्न हे प्रशासनातील संबंधित अधिका-यांशी चर्चा करूनच प्रस्तावित करण्यात आलेले आहे त्यामुळे प्रशासनानेही याबाबत नियोजन करणे आवश्यक आहे. मालमत्ता कर, एल.बी.टी. कर, पाणीपटटी या

मनपाच्या उत्पन्नाच्या प्रमुख बाबी असून यामध्ये वाढ होण्यासाठी प्रशासना कडून तसेच आपण सर्व पदाधिकारी व नगरसेवक यांचेकडून प्रामाणिक प्रयत्न होणे आवश्यक आहे.

शासनामार्फत स्थानिक संस्था कर (एलबीटी) बंद करण्याबाबत आग्रही प्रस्ताव आहे त्यामुळे या अर्थसंकल्पात त्याचाही विचार होणे आवश्यक आहे.

मागील कार्यकाळात अंदाजपत्रकातील बाबीपेक्षा जास्त व वाढीव कामे केल्याने व अपेक्षित उत्पन्नाबाबत ठोस कार्यवाही न झाल्याने साहजिकच या अंदाजपत्रकावर फार मोठा परिणाम झालेला आहे. मागील देयकांचा विचार करता नव्याने मनपा निधीतून करावयाच्या विकास कामांना काही अंशी खिळ बसलेली आहे. तथापि नागरीकांच्या मूलभूत सेवा सुविधांवर कोणताही परिणाम होणार नाही यासाठी दक्षता घेण्यात आलेली आहे. सद्यस्थितीत आपली नविन कौन्सिल अस्तित्वात आल्याने साहजिकच नागरीकांच्या अपेक्षा वाढलेल्या आहेत. परंतु मनपाच्या आर्थिक स्थितीमुळे मनपा निधीतून करावयाच्या विकास कामांबाबत कसरत करावी लागत आहे. याही परिस्थितीत आम्ही सर्व पदाधिकारी व आमचे नेते मा. श्री. बाबासो. राजवर्धनजी कदमबांडे यांच्या माध्यमातून शासनाकडून विविध योजनाद्वारे जास्तीत जास्त निधी व अनुदान आणण्यासाठी सातत्याने प्रयत्नशिल आहोत व यातून धुळे शहराचा सर्वांगिण विकास करण्याचा आमचा प्रयत्न आहे. अंदाजपत्रकात मनपानिधीतून करावयाच्या कामांसाठी आर्थिक स्तोत्र नसतांना देखिल तातडीच्या कामासाठी रु. १० लक्ष प्रत्येकी याप्रमाणे तरतूद करण्यात आलेली आहे.

सद्यस्थितीत या आर्थिक वर्षात राज्यशासनाकडून रु. १५ कोटी विशेष अनुदान, मनपा क्षेत्रात विकास कामांसाठी रु. २ व रु. ४ कोटी विशेष अनुदान त्यात मनपा हिस्सा ५० टक्के, अशी सुमारे रु. ४२ कोटी रुपयांची कामे संपूर्ण शहरात व प्रभागात प्रस्तावित आहेत. तसेच अल्पसंख्यांक निधी अंतर्गत जलकुंभ उभारणेसाठी रु. २ कोटी परिवहन सेवेसाठी शासनाकडून रु. २२ कोटी, आयडीएसएमटी योजनेअंतर्गत १२०० घरकुंलाची योजना राबविणे त्यासाठी शासन अनुदान रु. ७ कोटी ३० लक्ष, शहरात एलईडी पथदिवे बसविणे यासाठी रु. ८ कोटी, शहरात रस्ते व दवाखाना यासाठी रु. २० कोटी, राजीव आवास योजनेसाठी शासन अनुदान रु. २० कोटी, नगरोत्थान योजनेअंतर्गत शासन अनुदान रु. २१.६८ कोटी, धुळे शहरात परिवहन सेवा राबविण्यासाठी रुपये २२ कोटी असे विविध योजनेअंतर्गत शासनामार्फत अनुदान प्राप्तीसाठी प्रस्ताव सादर केलेले आहेत. या विविध योजनेअंतर्गत शहराच्या प्रत्येक प्रभागात विकास कामे घेण्यात येत आहे. तथापी शासन अनुदाना व्यतिरिक्त शासन नियमाप्रमाणे सुमारे ६० ते ६५ कोटी रुपयांचा मनपा हिस्सा अदा करावा लागणार आहे. त्यामुळे स्वतंत्र नगरसेवक निधीची तरतूद न करता संपूर्ण शहराचा विकास नजरेसमोर ठेवण्यांत आला आहे.

याव्यतिरिक्त दलित वस्ती अनुदान, अल्पसंख्याक अनुदान, बी. आर. जी. एफ योजना या योजनामध्ये १०० टक्के अनुदान प्राप्त होणार असून या योजनामध्ये पूर्वी पेक्षा जास्तीत जास्त निधी आणण्यासाठी आमचे नेते श्री. बाबासाहेब राजवर्धन कदमबांडे हे सातत्याने प्रयत्नशील आहेत.

धुळे शहराच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वपूर्ण यु.डी.आय. एस.एस.एम.टी. योजनेअंतर्गत असलेल्या १३६ कोटी रुपयांच्या योजनेस लवकरच सुरुवात होत असून यात मनपा हिस्सा ६ कोटी ८८ लाख मात्र अदा करण्यांत आलेला आहे. शहरात नवीन जलकुंभ उभारणे, जलशुद्धीकरण केंद्राची क्षमता वाढविणे, जिर्ण पाईप लाईन बदलणे या सारखी कामे असून धुळे शहरात नियमित व सुरक्षित पाणीपुरवठा करणे शक्य होणार आहे. तसेच शहराच्या दृष्टीने महत्वपूर्ण अशा सुमारे १९६ कोटी रुपयांच्या भूमीगत गटार योजनेच्या कामासही तांत्रिक मान्यता प्राप्त झालेली असून सदर कामेही प्रगती पथावर आहेत.

नागरीकांना केवळ मुलभूत सुविधा पुरविणे व विकास करणे हाच केवळ उद्देश नसून शहराचे सामाजिक, सांस्कृतिक पाया भरणी व्हावी यासाठीही मनपा अंदाजपत्रकात प्रामुख्याने विचार करून तरतूद करण्यांत आलेली आहे. यांत मनपासाठी २ नवीन जे.सी.बी. मशिन, वॉक्युम गाडी, ॲम्बुलन्स, शववाहिनी, अग्नीशमन वाहने खरेदी करणे, पवन ऊर्जा प्रस्ताव विकसीत करणे, शहरात वृक्षारोपन करणे, विविध खेळांच्या स्पर्धासाठी महापौर चषक आयोजित करणे, शालेय क्रिडास्पर्धा आयोजित करणे, सांस्कृतिक संवर्धनासाठी धुळे फेस्टीवल, राम रहिम उत्सव आयोजित करणे, नोंदणीकृत वाचनालय, व व्यायामशाळासाठी साहित्य खरेदी करणे, शहरातील सांस्कृतिक ठेवा असणा-या समर्थ वागददेवता मंदिर व राजवाडे संशोधन मंडळ यांना अनुदान उपलब्ध करणे, तसेच भारतीय ॲलम्पिक संस्थेशी संलग्न असणाऱ्या खेळामध्ये प्राविण्य प्राप्त खेळांडूना आर्थिक सहाय्य करणे, तसेच शहरातील नागरीकांच्या भविष्याच्या दृष्टीने नागरीकांचा समूह विमा उतरविणे, मनपा शाळा इमारतीची दुरावस्था लक्षांत घेता शाळा दुरुस्तीसाठी केलेल्या तरतुदीत वाढ करणे, अशा स्वरूपाच्या सर्वांगीण तरतूदी या अर्थसंकल्पात समाविष्ट करण्यांत आल्या आहेत.

महाराष्ट्रातील एकूण लोकसंख्येच्या जवळजवळ ५० टक्के महिला आहेत. आजच्या युगात प्रत्येक क्षेत्रात महिला आघाडीवर आहेत. पण समाजातील तळागाळातील महिलांचा सर्वांगिण विकास सर्व स्थरावर झाला असे आपण खात्रीने म्हणू शकत नाही. कारण पुरुष साक्षरतेपेक्षा महिला साक्षरतेचे प्रमाण कमी आहे. तसेच महिलांच्या आरोग्याकडे देखिल दुर्लक्ष होत आहे. त्यामुळे ब-याचशा महिला आर्थिक दृष्ट्या कमकुवत आहेत. त्याअनुषंगाने सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात विविध योजनांसाठी तसेच महिला व मुले यांना केंद्रस्थानी ठेवून केलेल्या तरतुदी महिला बालकल्याण समिती अंतर्गत महसूली उत्पन्नातून बांधील खर्च वजा जाता शिल्लक रकमेवर ५टक्के याप्रमाणे अंदाजपत्रकात रु. १.८७ कोटी मात्रची तरतूद करण्यात आली आहे.

धुळे शहरातील अंध व अपंग नागरीकांना त्यांच्या सर्वांगिण विकासासाठी व त्यांच्या पुर्वसनासाठी धुळे महानगरपालिकेने शासनाच्या ध्येय धोरणानुसार ३ टक्के राखीव निधी राखून ठेवलला असून उक्त निधीमधून अंध व अपंग व्यक्तिसाठी सेंसर गार्डन उभारणे, विशिष्ट प्रकारची शौचालये बांधणे, कार्यालयांत अपंग व्यक्तिसाठी विशिष्ट रॅम्प बांधणे व इतर काही बाबींसाठी अंदाजपत्रकात सुमारे रु. १.८७ कोटी मात्रची तरतूद करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. पाणीपुरवठा देखभाल व दुरुस्तीसाठी लागणारे रसायन खरेदीसाठी मे. स्थायी समितीने रु. १.५० कोटी मात्र तरतुद केलेली आहे. विभागाच्या अहवालानुसार सदर तरतुद कमी असून सदर तरतुदीत १ कोटी मात्रने वाढ करण्यात येत आहे.

सन्मा. सदस्यांनी ज्या नविन विधायक तरतुदी शहराच्या व प्रभागाच्या विकासाच्या दृष्टीने सुचविल्या आहेत त्याबाबत उत्पन्न व खर्चाचा मेळ घेवून प्रशासनाशी चर्चा करून त्यानुसार अंदाजपत्रकात समावेश तथा फेरबदल करून अंतिम करण्यांस सर्वानुपते मान्यता देण्यात येत आहे.

उक्त बाबत मा. आयुक्त सो यांनी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात खालील प्रमाणे कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.

- १) कर्मचाऱ्यांचे पगार, व अनुषंगीक देणे, तसेच शासकीय देणे, इंधन, विद्युत बिल, अन्य दैनंदिन देखभाल दुरुस्ती देणे.
- २) मनपाच्या दृष्टीने आवश्यक कमेटेड एक्सपेंडेचर उदा. रसायने, पाणीपुरवठा, अग्निशमन, आरोग्य, इत्यादींसाठी भाडेतत्वावर घेतलेल्या सेवांची देयके
- ३) भांडवली कामे यांत अपुर्ण कामे पुर्ण करणे, शासकीय योजनांचा हिस्सा अदा करणे व शिल्लक असल्यास नविन भांडवली विकास कामे यावरील देयके

उक्त प्रमाणे प्राधान्यक्रम ठरवून प्रशासनाने याप्रमाणे खर्च करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.

सर्व सन्मा.सदस्यांच्या सूचनांचा व आलेल्या याद्यांचा विचार करून तसेच स्थायी समितीने मंजुर केलेले अन्य लेखाशिर्ष कायम ठेवून महासभेतील चर्चेनुसार खालील लेखाशिर्षामध्ये आवश्यक ते वाढ तथा घट करून खालीलप्रमाणे लेखाशिर्षात बदल करण्यात येत आहे.

मे.स्थायी समितीने सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात नवीन नळ कने.मीटर व फिटींग, चार्जेस, धुळे शहरातील नवीन पाणीपुरवठा योजनेत नळ कनेक्शन व मिटर फिटींग चार्जेस बाबत मिळणारे उत्पन्न २६ कोटी मात्र तरतूद करण्यांत आलेली आहे. तथापि धुळे मनपा मार्फत युडीआयएसएसएमटी योजनेअंतर्गत करावयाची पाणी पुरवठ्यांची कामे अद्याप पूर्णत्वास आलेली नाही.सदर योजना पूर्णत्वास आल्यावर उक्त स्थायी समितीने तरतूद केल्याप्रमाणे उत्पन्न अपेक्षित आहे. त्यामुळे करण्यांत आलेली २६ कोटी रुपयांची उत्पन्नाची तरतूद कमी करण्यांत येवून सद्यस्थितीत फक्त नवीन नळ कनेक्शन व इतर चार्जेस व्हारे ५ कोटी ५० लाख मात्र उत्पन्नाची तरतूद करण्यांत येत आहे. तसेच पाणीपुरवठा योजनेवरील रसायने खरेदीसाठी १ कोटी ५० लाख मात्र तरतूद मे.स्थायी समितीने केलेली आहे.सदर तरतूद कार्यालयीन अहवालानुसार कमी असल्याने सदर तरतूदीमध्ये १ कोटीने वाढ करण्यांत येत आहे.

धुळे मनपा मार्फत विविध योजनेअंतर्गत कामे प्रस्तावित करणेत आलेली आहेत. यात विशेष निधी,अल्पसंख्याक निधी, घरकुल योजना, परिवहन सेवा,एल.ई.डी. लाईट बसविणे अॅम्युजमेंट पार्क,राजीव गांधी आवास योजना, स्लॉटर हाऊस, नगरोत्थान योजना इत्यादी योजनासाठी मनपाचा हिश्याची तरतूद मे.स्थायी समितीमार्फत प्रस्तावित करण्यांत आलेली आहे. तथापि सदर योजनांमधील सर्व कामे या आर्थिक वर्षात पूर्ण होणे शक्य नाही. त्यामुळे मनपा हिस्सा हा होणा-या कामानुसार टप्प्याटप्प्याने अदा करावा लागणार आहे. त्यामुळे मनपाचे उत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ साधण्याच्या दृष्टीने सदर योजनेमध्ये प्रस्तावित केलेली मनपा हिश्याची तरतूद ही सद्यस्थितीत फक्त ५० टक्के करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच मे.स्थायी समितीने तरतूद केलेल्या धुळे फेस्टीबल या लेखाशिर्षात धुळे फेस्टीबल व सांस्कृतिक उपक्रम असा बदल करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

खालीलप्रमाणे मे. स्थायी समिती केलेल्या तरतूदीच्या उत्पन्नात व खर्चात वाढ तथा घट करणेत आलेली आहे.

| अ. क्रं. | लेखाशिर्ष | मे.स्थायीसमितीने प्रस्तावित केलेली तरतूद | मे.महासभेने मान्य केलेली तरतूद | वाढ | घट |
|----------|--|--|--------------------------------|-------------|--------------|
| १ | नवीन नळ कने., मीटर व फिटींग,चार्जेस, धुळे शहरातील नवीन पाणीपुरवठा योजनेत नळ कनेक्शन व मिटर फिटींग चार्जेस बाबत मिळणारे उत्पन्न | २६,००,००,००० | ५,५०,००,००० | | २०,५०,००,००० |
| २ | रसायने खरेदी | १,५०,००,००० | २,५०,००,००० | १,००,००,००० | - |
| ३ | झाडे लावणे | २५,००,००० | ७५,००,००० | ५०,००,००० | |
| ४ | शाळा इमारत दुरुस्ती | २०,००,००० | ५०,००,००० | ३०,००,००० | |

सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात खालील खर्च भाग १ मध्ये मे.महासभेतर्फे वाढ करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | लेखाशिर्ष | महासभेने सुचविलेली तरतूद |
|-------|--|--------------------------|
| १ | पांझारा नदी किनारी गणेश कुंड तयार करणे | २५ लाख |

| | | |
|----|--|--------|
| २ | राष्ट्र पुरुष तथा महा पुरुषांचे स्मारक तथा पुतळे व स्वागत कमानी उभारणे | १ कोटी |
| ३ | जेष्ठ नागरीक भवन बांधणे | ५० लाख |
| ४ | अंजानशाह दाता सरकार दर्गाचे सुशोभिकरण करणे | ५ लाख |
| ५ | जागाचे भूसंपादनासाठी तरतूद करणे | २ कोटी |
| ६ | भारतीय ऑलोपिक संस्थेशी संलग्न असणा-या खेळामध्ये प्राविण्य प्राप्त खेळाडूना आर्थिक सहाय्य करणे. | ५० लाख |
| ७ | नवीन २जे.सी.बी. मशिन, तसेच हॅक्युम गाडी खरेदी करणे व शववाहिनी खरेदी करणे | १ कोटी |
| ८ | धुळे शहरात विशेष स्वच्छता मोहिम राबविणे सफाई कामगार पुरविणे | २५ लाख |
| ९ | राजवाडे संशोधन मंडळास अर्थ सहाय्य उपलब्ध करणे | २५ लाख |
| १० | अतिक्रमण काढणे खर्च | १ कोटी |
| ११ | प्रशासकीय अत्यावश्यक कामासाठी खर्च | १ कोटी |
| १२ | मनपा इमारत सुधारणा खर्च | १ कोटी |
| १३ | कामाच्या ठिकाणी महिला कर्मचा-याचा लैगिक छळ समिती खर्च | २ लाख |
| १४ | नाविन्यपूर्ण योजना मनपा हिस्सा | १० लाख |
| १५ | नागरीकांचा समुह विमा उतरविणे | ३० लाख |

वरीलप्रमाणे या आर्थिक वर्षात तरतूद करण्यात येत असून सन्मा.सदस्यांच्या सूचनांचा आदर करून सर्व सामान्य नागरीकांच्या हितासाठी व शहर विकासाच्या कामांना चालना देण्यासाठी अंदाजपत्रकात उत्पन्न व खर्चाच्या आवश्यक त्या वाढ तथा घटसह सन २०१३-१४ चे सुधारीत व सन २०१४-१५ चे अंदाजपत्रकास योग्य ते फेरफार करून सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३७ दिनांक २०/५/२०१४

सर्व सन्मा.सदस्यांनी अंदाजपत्रकासंदर्भात आपआपल्या सूचना व दुरुस्ती अत्यंत खेळीमेळीच्या वातावरणात मांडल्यात. आपल्या कालावधीतील हा पहिला अर्थसंकल्प आहे. या अर्थसंकल्पात काटेकोर नियोजन व त्यानुसार अंमलबजावणी करण्यासाठी आपले तसेच प्रशासनाचे सहकार्य आवश्यक आहे.

उपस्थित सदस्यांनी त्यावर विस्तृत चर्चा केली.विस्तृत चर्चेत विविध मुद्दे व शहराच्या विधायक व विकासात्मक कामासाठी तरतूदी सुचिविलेल्या आहेत. या सर्व बाबींची नोंद घेण्यात आलेली आहे.धुळे शहरातील जनतेवर कोणतीही करवाढ न करणारा व धुळे महानगरपालिकेचा व महानगराचा सर्वांगिण विकास करणारा हा अर्थसंकल्प ठरणार आहे.

पाणी पुरवठयावर होणारी तूट लक्षांत घेता पाणीपटटीत वाढ करणे गरजेचे असून देखिल सदरचा खर्च नागरीकांच्या हितासाठी महानगरपालिका सहन करीत असून नागरीकांवर कोणत्याही स्वरूपाची करवाढ होणार नाही. धुळे महानगरपालिका ही केवळ नफा कमाविणारी संस्था नसून नागरीकांना मूलभूत सेवा व सुविधा योग्य क्षमतेने पुरविणे हे महानगरपालिकेचे आद्य कर्तव्य आहे हाच उद्देश नजरेसमोर ठेवून सदरचा अर्थसंकल्प आखण्यात येत आहे.

मनपाचाउत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ लक्षात घेता वस्तुनिष्ठ अंदाजपत्रक आवश्यक आहे.मे.स्थायी समितीने महासभेपुढे रुपये ४५५,०१,३२,६९७/- मात्रचे अंदाजपत्रक सादर केलेले आहे.स्थायी समितीने सादर केलेले अंदाजपत्रक हे वस्तुनिष्ठ स्वरूपाचे असून त्याबद्दल मी स्थायी समिती सभापती व सर्व सदस्यांचे मनःपूर्वक अभिनंदन करते. अंदाजपत्रकात नमूद केल्याप्रमाणे उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने कार्यवाही व अंमलबजावणी करणे आवश्यक आहे.मालमत्ता कराची वसुली वाढविणे,राहत्या घरात व्यवसाय करणा-यांना व्यावसायिक कर लावणे, अवैध नळ कनेक्शन शोधून त्यावर दंडात्मक कार्यवाही करणे,

अनधिकृत मोबाईल टॉवरवर दंडात्मक कार्यवाही करून अधिकृत करणे, विना परवानगी बांधकाम करणा-यांवर दंडात्मक कार्यवाही करणे, गुंठेवारी प्रस्तावांबाबत त्वरीत कार्यवाही करणे, मनपा मालकीच्या विविध जागांवर नविन व्यापारी संकुल उभारणे या उत्पन्न वाढीच्या बाबीबाबत काटेकोर व रचनात्मक कार्यवाही केल्यास अंदाजपत्रकात नमूद केल्या प्रमाणे उत्पन्न येणे अपेक्षित आहे. अंदाजपत्रकात नमूद केलेले अपेक्षित उत्पन्न हे प्रशासनातील संबंधित अधिका-यांशी चर्चा करूनच प्रस्तावित करण्यात आलेले आहे त्यामुळे प्रशासनानेही याबाबत नियोजन करणे आवश्यक आहे. मालमत्ता कर, एल.बी.टी. कर, पाणीपटटी या मनपाच्या उत्पन्नाच्या प्रमुख बाबी असून यामध्ये वाढ होण्यासाठी प्रशासनाकडून तसेच आपण सर्व पदाधिकारी व नगरसेवक यांचेकडून प्रामाणिक प्रयत्न होणे आवश्यक आहे.

शासनामार्फत स्थानिक संस्था कर (एलबीटी) बंद करण्याबाबत आग्रही प्रस्ताव आहे त्यामुळे या अर्थसंकल्पात त्याचाही विचार होणे आवश्यक आहे.

मागील कार्यकाळात अंदाजपत्रकातील बाबीपेक्षा जास्त व वाढीव कामे केल्याने व अपेक्षित उत्पन्नाबाबत ठोस कार्यवाही न झाल्याने साहजिकच या अंदाजपत्रकावर फार मोठ परिणाम झालेला आहे. मागील देयकांचा विचार करता नव्याने मनपा निधीतून करावयाच्या विकास कामांना काही अंशी खिळ बसलेली आहे. तथापि नागरीकांच्या मूलभुत सेवा सुविधांवर कोणताही परिणाम होणार नाही यासाठी दक्षता घेण्यात आलेली आहे. सद्यस्थितीत आपली नविन कौन्सिल अस्तित्वात आल्याने साहजिकच नागरीकांच्या अपेक्षा वाढलेल्या आहेत. परंतु मनपाच्या आर्थिक स्थितीमुळे मनपा निधीतून करावयाच्या विकास कामांबाबत कसरत करावी लागत आहे. याही परिस्थितीत आम्ही सर्व पदाधिकारी व आमचे नेते मा. श्री. बाबासो. राजवर्धनजी कदमबांडे यांच्या माध्यमातून शासनाकडून विविध योजनाद्वारे जास्तीत जास्त निधी व अनुदान आणण्यासाठी सातत्याने प्रयत्नशील आहेत व यातून धुळे शहराचा सर्वांगिण विकास करण्याचा आमचा प्रयत्न आहे. अंदाजपत्रकात मनपानिधीतून करावयाच्या कामांसाठी आर्थिक स्तोत्र नसतांना देखिल तातडीच्या कामासाठी रु.१० लक्ष प्रत्येकी याप्रमाणे तरतूद करण्यात आलेली आहे.

सद्यस्थितीत या आर्थिक वर्षात राज्यशासनाकडून रु.१५ कोटी विशेष अनुदान, मनपा क्षेत्रात विकास कामांसाठी रु.२ व रु.४ कोटी विशेष अनुदान त्यात मनपा हिस्सा ५० टक्के, अशी सुमारे रु.४२ कोटी रुपयांची कामे संपूर्ण शहरात व प्रभागात प्रस्तावित आहेत. तसेच अल्पसंख्यांक निधी अंतर्गत जलकुंभ उभारणेसाठी रु.२ कोटी परिवहन सेवेसाठी शासनाकडून रु.२२ कोटी, आयडीएसएमटी योजनेअंतर्गत १२०० घरकुंलाची योजना राबविणे त्यासाठी शासन अनुदान रु.७ कोटी ३० लक्ष, शहरात एलईडी पथदिवे बसविणे यासाठी रु.८ कोटी, शहरात अॅम्युझमेंट पार्कची निर्मिती करणेसाठी शासन अनुदान रु.२ कोटी, शहरात रस्ते व दवाखाना यासाठी रु.२० कोटी, राजीव आवास योजनेसाठी शासन अनुदान रु.२० कोटी, नगरोत्थान योजनेअंतर्गत शासन अनुदान रु.२९.६८ कोटी, धुळे शहरात परिवहन सेवा राबविण्यासाठी रुपये २२ कोटी असे विविध योजनेअंतर्गत शासन मार्फत अनुदान प्राप्तीसाठी प्रस्ताव सादर केलेले आहेत. या विविध योजनेअंतर्गत शहराच्या प्रत्येक प्रभागात विकास कामे घेण्यात येत आहे. तथापि शासन अनुदाना व्यतिरिक्त शासन नियमाप्रमाणे सुमारे ६० ते ६५ कोटी रुपयांचा मनपा हिस्सा अदा करावा लागणार आहे. त्यामुळे स्वतंत्र नगरसेवक निधीची तरतूद न करता संपूर्ण शहराचा विकास नजरेसमोर ठेवण्यांत आला आहे.

याव्यतिरिक्त दलित वस्ती अनुदान, अल्पसंख्याक अनुदान, बी.आर.जी.एफ.योजना या योजनामध्ये १०० टक्के अनुदान प्राप्त होणार असून या योजनामध्ये पूर्वी पेक्षा जास्तीत जास्त निधी आणण्यासाठी आमचे नेते श्री. बाबासाहेब राजवर्धन कदमबांडे हे सातत्याने प्रयत्नशील आहेत.

धुळे शहराच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वपूर्ण यु.डी.आय. एस.एस.एम.टी. योजनेअंतर्गत असलेल्या १३६ कोटी रुपयांच्या योजनेस लवकरच सुरुवात होत असून यात मनपा हिस्सा ६ कोटी ८८ लाख मात्र अदा करण्यांत आलेला आहे. शहरात नवीन जलकुंभ उभारणे, जलशुद्धीकरण केंद्राची क्षमता वाढविणे, जिर्ण पाईप लाईन बदलणे या सारखी कामे असून धुळे शहरात नियमित व सुरक्षीत पाणीपुरवठा करणे शक्य होणार आहे. तसेच शहराच्या दृष्टीने महत्वपूर्ण अशा सुमारे १९६ कोटी रुपयांच्या भूमीगत गटार योजनेच्या कामासही तांत्रिक मान्यता प्राप्त झालेली असून सदर कामेही प्रगती पथावर आहेत.

नागरीकांना केवळ मुलभूत सुविधा पुरविणे व विकास करणे हाच केवळ उद्देश नसून शहराचे सामाजिक, सांस्कृतिक पाया भरणी व्हावी यासाठीही मनपा अंदाजपत्रकात प्रामुख्याने विचार करून तरतूद करण्यांत आलेली आहे. यांत मनपासाठी २ नवीन जे.सी.बी. मशिन, व्हॅक्युम गाडी, अॅम्बुलन्स, शववाहिनी, अग्नीशमन वाहने खरेदी करणे, पवन ऊर्जा प्रस्ताव विकसीत करणे, शहरात वृक्षारोपन करणे, विविध खेळांच्या स्पर्धासाठी महापौर चषक आयोजित करणे, शालेय क्रिडास्पर्धा आयोजित करणे, सांस्कृतिक संवर्धनासाठी धुळे फेस्टीवल, राम रहिम उत्सव आयोजित करणे, नोंदणीकृत वाचनालय, व व्यायामशाळासाठी साहित्य खरेदी करणे, शहरातील सांस्कृतिक ठेवा असणा-या समर्थ वागदेवता मंदिर व राजवाडे संशोधन मंडळ यांना अनुदान उपलब्ध करणे, तसेच भारतीय ऑलम्पिक संस्थेशी संलग्न असणाऱ्या खेळामध्ये प्राविण्य प्राप्त खेळाडूंना आर्थिक सहाय्य करणे, तसेच शहरातील नागरीकांच्या भविष्याच्या दृष्टीने नागरीकांचा समूह विमा उतरविणे, मनपा शाळा इमारतीची दुरावस्था लक्षांत घेता शाळा दुरुस्तीसाठी केलेल्या तरतुदीत वाढ करणे, अशा स्वरूपाच्या सर्वांगीण तरतुदी या अर्थसंकल्पात समाविष्ट करण्यांत आल्या आहेत.

महाराष्ट्रातील एकूण लोकसंख्येच्या जवळजवळ ५० टक्के महिला आहेत. आजच्या युगात प्रत्येक क्षेत्रात महिला आघाडीवर आहेत. पण समाजातील तळागाळातील महिलांचा सर्वांगिण विकास सर्व स्थरावर झाला असे आपण खात्रीने म्हणू शकत नाही. कारण पुरुष साक्षरतेपेक्षा महिला साक्षरतेचे प्रमाण कमी आहे. तसेच महिलांच्या आरोग्याकडे देखिल दुर्लक्ष होत आहे. त्यामुळे ब-याचशा महिला आर्थिक दृष्ट्या कमकुवत आहेत. त्या अनुषंगाने सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात विविध योजनांसाठी तसेच महिला व मुले यांना केंद्रस्थानी ठेवून केलेल्या तरतुदी महिला बालकल्याण समितीअंतर्गत महसूली उत्पन्नातून बांधील खर्च वजा जाता शिल्लक रकमेवर ५ टक्के याप्रमाणे अंदाजपत्रकात रु.१.८७ कोटी मात्रची तरतूद करण्यात आली आहे..

धुळे शहरातील अंध व अपंग नागरीकांना त्यांच्या सर्वांगिण विकासासाठी व त्यांच्या पुर्नवसनासाठी धुळे महानगरपालिकेने शासनाच्या ध्येय धोरणानुसार ३ टक्के राखीव निधी राखून ठेवलला असून उक्त निधीपधून अंध व अपंग व्यक्तिसाठी सेंसर गार्डन उभारणे, विशिष्ट प्रकारची शौचालये बांधणे, कार्यालयांत अपंग व्यक्तिसाठी विशिष्ट रॅम्प बांधणे व इतर काही बाबींसाठी अंदाजपत्रकात सुमारे रु.१.८७ कोटी मात्रची तरतूद करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. पाणीपुरवठा देखभाल व दुरुस्तीसाठी लागणारे रसायन खरेदीसाठी मे.स्थायी समितीने रु.१.५० कोटी मात्र तरतुद केलेली आहे. विभागाच्या अहवाला नुसार सदर तरतुद कमी असुन सदर तरतुदीत १ कोटी मात्रने वाढ करण्यात येत आहे.

सन्मा.सदस्यांनी ज्या नविन विधायक तरतुदी शहराच्या व प्रभागाच्या विकासाच्या दृष्टीने सुचविल्या आहेत त्याबाबत उत्पन्न व खर्चाचा मेळ घेवून प्रशासनाशी चर्चा करून त्यानुसार अंदाजपत्रकात समावेश तथा फेरबदल करून अंतिम करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यात येत आहे.

उक्त बाबत मा.आयुक्त सो यांनी सन २०१४-१५ या आर्थिक वर्षात खालील प्रमाणे कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.

१)कर्मचाऱ्यांचे पगार,व अनुंगीक देणे, तसेच शासकीय देणे, इंधन, विद्युत बिल, अन्य दैनंदिन देखभाल दुरुस्ती देणे.

२)मनपाच्या दृष्टीने आवश्यक कमेटेड एक्सपेंडेचर उदा. रसायने, पाणीपुरवठा, अग्निशमन, आरोग्य, इत्यादींसाठी भाडेतत्वावर घेतलेल्या सेवांची देयके

३)भांडवली कामे यांत अपुर्ण कामे पुर्ण करणे, शासकीय योजनांचा हिस्सा अदा करणे व शिल्लक असल्यास नविन भांडवली विकास कामे यावरील देयके

उक्त प्रमाणे प्राधान्यक्रम ठरवुन प्रशासनाने याप्रमाणे खर्च करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे.

सर्व सन्मा.सदस्यांच्या सूचनांचा व आलेल्या याद्यांचा विचार करून तसेच स्थायी समितीने मंजुर केलेले अन्य लेखाशिर्ष कायम ठेवून महासभेतील चर्चेनुसार खालील लेखाशिर्षामध्ये आवश्यक ते वाढ तथा घट करून खालीलप्रमाणे लेखाशिर्षात बदल करण्यात येत आहे.

मे. स्थायी समितीने सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात नवीन नळ कने. ,मीटर व फिटिंग, चार्जेस, धुळे शहरातील नवीन पाणीपुरवठा योजनेत नळ कनेक्शन व मिटर फिटिंग चार्जेस बाबत मिळणारे उत्पन्न २६ कोटी मात्र तरतूद करण्यांत आलेली आहे. तथापि धुळे मनपा मार्फत युडीआयएसएमटी योजनेअंतर्गत करावयाची पाणीपुरवठयांची कामे अद्याप पूर्णत्वास आलेली नाही. सदर योजना पूर्णत्वास आल्यावर उक्त स्थायी समितीने तरतूद केल्याप्रमाणे उत्पन्न अपेक्षित आहे. त्यामुळे करण्यांत आलेली २६ कोटी रुपयांची उत्पन्नाची तरतूद कमी करण्यांत येवून सद्यस्थितीत फक्त नवीन नळ कनेक्शन व इतर चार्जेस व्हारे ५ कोटी ५० लाख मात्र उत्पन्नाची तरतूद करण्यांत येत आहे. तसेच पाणीपुरवठा योजनेवरील रसायने खरेदीसाठी १ कोटी ५० लाख मात्र तरतूद मे. स्थायी समितीने केलेली आहे. सदर तरतूद कार्यालयीन अहवालानुसार कमी असल्याने सदर तरतूदमध्ये १ कोटीने वाढ करण्यांत येत आहे.

धुळे मनपा मार्फत विविध योजनेअंतर्गत कामे प्रस्तावित करणेत आलेली आहेत. यात विशेष निधी,अल्पसंख्याक निधी, घरकुल योजना, परिवहन सेवा,एल.ई.डी. लाईट बसविणे ॲम्युजमेंट पार्क,राजीव गांधी आवास योजना,स्लॉटर हाऊस,नगरोत्थान योजना इत्यादी योजनासाठी मनपाचा हिश्याची तरतूद मे.स्थायी समितीमार्फत प्रस्तावित करण्यांत आलेली आहे. तथापि सदर योजनामधील सर्व कामे या आर्थिक वर्षात पूर्ण होणे शक्य नाही. त्यामुळे मनपा हिस्सा हा होणा-या कामांनुसार टप्प्याटप्प्याने अदा करावा लागणार आहे. त्यामुळे मनपाचे उत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ साधण्याच्या दृष्टीने सदर योजनेमध्ये प्रस्तावित केलेली मनपा हिश्याची तरतूद ही सद्यस्थितीत फक्त ५० टक्के करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच मे.स्थायी समितीने तरतूद केलेल्या धुळे फेस्टीबल या लेखाशिर्षात धुळे फेस्टीबल व सांस्कृतिक उपक्रम असा बदल करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

खालीलप्रमाणे मे. स्थायी समिती केलेल्या तरतूदीच्या उत्पन्नात व खर्चात वाढ तथा घट करणेत आलेली आहे.

| अ. क्रं. | लेखाशिर्ष | मे.स्थायी समितीने प्रस्तावित केलेली तरतूद | मे.महासभेने मान्य केलेली तरतूद | वाढ | घट |
|-------------|--|---|--------------------------------|-----|--------------|
| १ | नवीन नळ कने., मीटर व फिटिंग, चार्जेस, धुळे शहरातील नवीन पाणीपुरवठा | २६,००,००,००० | ५,५०,००,००० | | २०,५०,००,००० |

| | | | | | |
|---|---|-------------|-------------|-------------|---|
| | योजनेत नळ कनेक्शन व मिटर फिटिंग चार्जस बाबत मिळणारे उत्पन्न | | | | |
| २ | रसायने खरेदी | १,५०,००,००० | २,५०,००,००० | १,००,००,००० | - |
| ३ | झाडे लावणे | २५,००,००० | ७५,००,००० | ५०,००,००० | |
| ४ | शाळा इमारत दुरुस्ती | २०,००,००० | ५०,००,००० | ३०,००,००० | |

सन २०१४-१५ या अंदाजपत्रकात खालील खर्च भाग १ मध्ये मे.महासभेतर्फे वाढ करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | लेखाशिर्ष | महासभेने सुचविलेली तरतूद |
|-------|---|-----------------------------|
| १ | पांझरा नदी किनारी गणेश कुंड तयार करणे | २५ लाख |
| २ | राष्ट्र पुरुष तथा महा पुरुषांचे स्मारक तथा पुतळे व स्वागत कमानी उभारणे | १ कोटी |
| ३ | जेष्ठ नागरीक भवन बांधणे | ५० लाख |
| ४ | अंजानशाह दाता सरकार दर्गाचे सुशोभिकरण करणे | ५ लाख |
| ५ | जागाचे भूसंपादनासाठी तरतूद करणे | २ कोटी |
| ६ | भारतीय ऑलोपिक संस्थेशी संलग्न असणा-या खेळामध्ये प्राविण्य प्राप्त खेळांडूना आर्थिक सहाय्य करणे. | ५० लाख |
| ७ | नवीन २जे.सी.बी. मशिन, तसेच वँक्युम गाडी खरेदी करणे व शववाहिनी खरेदी करणे | १ कोटी |
| ८ | धुळे शहरात विशेष स्वच्छता मोहिम राबविणे सफाई कामगार पुरविणे | २५ लाख |
| ९ | राजवाडे संशोधन मंडळास अर्थ सहाय्य उपलब्ध करणे | २५ लाख |
| १० | अतिक्रमण काढणे खर्च | १ कोटी |
| ११ | प्रशासकीय अत्यावश्यक कामासाठी खर्च | १ कोटी |
| १२ | मनपा इमारत सुधारणा खर्च | १ कोटी |
| १३ | कामाच्या ठिकाणी महिला कर्मचा-याचा लैंगिक छळ समिती खर्च | २ लाख |
| १४ | नाविन्यपूर्ण योजना मनपा हिस्सा | १० लाख |
| १५ | नागरीकांचा समुह विमा उतराविणे | ३० लाख |

वरीलप्रमाणे या आर्थिक वर्षात तरतूद करण्यात येत असून सन्मा.सदस्यांच्या सूचनांचा आदर करून सर्व सामान्य नागरीकांच्या हितासाठी व शहर विकासाच्या कामांना चालना देण्यासाठी अंदाजपत्रकात उत्पन्न व खर्चाच्या आवश्यक त्या वाढ तथा घटसह सन २०१३-१४ चे सुधारीत व सन २०१४-१५ चे अंदाजपत्रकास योग्य ते फेरफार करून सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर
सही/-x x
महापौर
धुळे महानगरपालिका, धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
सोमवार दिनांक ११ ऑगस्ट, २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभा आज सोमवार दिनांक ११/०८/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली.त्या बैठकीचे इतिवृत्त, सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ५ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ६ | सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार | नगरसेवक | ----- " |
| ७ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ८ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ९ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| १० | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ११ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १२ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | नगरसेवक | ----- " |
| १३ | दुसाने वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १४ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| १५ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १६ | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १७ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १८ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|----|--|-----------|-------------------|
| २० | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| २१ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २२ | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २३ | आघाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २४ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २५ | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २६ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २७ | मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन)प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २८ | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| २९ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| ३० | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| ३१ | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| ३२ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| ३३ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-२४ वाजता |
| ३४ | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजता |
| ३५ | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | ----- " |
| ३६ | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | ----- " |
| ३७ | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | ----- " |
| ३८ | महाले कल्पना सुनिल | नगरसेविका | ----- " |
| ३९ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ४० | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | ----- " |
| ४१ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| ४२ | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शब्बाल | नगरसेवक | ----- " |
| ४३ | पठाण जेबुन्निसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ४४ | करनकाळ लिना युवराज | नगरसेविका | ----- " |
| ४५ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ४६ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| ४७ | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४८ | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ४९ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ५० | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| ५१ | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | ----- " |
| ५२ | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ५३ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ५४ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ५५ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|----|----------------------------|-----------|---------|
| ५६ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ५७ | जुलाहा रशमीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ५८ | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ५९ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ६० | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ६१ | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ६२ | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| ६३ | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|------------------|----------------------------------|-------------------|
| १ | दौलत खा पठाण | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | के.क्ही. धनाड | प्र. आयुक्त तथा अतिरिक्त आयुक्त | ----- " |
| ३ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त स.प. | ----- " |
| ४ | त्र्यंबक कांबळे | उपायुक्त (कर) तथा सहा. आयुक्त कर | ----- " |
| ५ | एम.आर. सराई | मुख्य लेखा परीक्षक | ----- " |
| ६ | हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त | ----- " |
| ७ | बी.बी. गिते | सहा. आयुक्त (अतिक्रमण) | ----- " |
| ८ | डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता बांधकाम वि. | ----- " |
| ९ | पी.आर. दरेवार | कार्यकारी अभियंता पा.पु. वि. | ----- " |
| १० | एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ११ | मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| १२ | के.ना कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | ----- " |
| १३ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १४ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १५ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिक्षक | ----- " |
| १६ | एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " |
| १७ | के.जी. खंदरकर | प्र. वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १८ | गणेश खोंडे | पकल्प अधिकारी | ----- " |
| १९ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| २० | एस.आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " |
| २१ | आर.क्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| २२ | यु.आर. भोई | उपअभियंता पा.पु. विभाग | ----- " |
| २३ | पी.डी. नाईक | प्र. लेखापाल | ----- " |
| २४ | रमजान अन्सारी | प्रभाग अधिकारी क्रं. ३ | ----- " |
| २५ | शरद नवले | प्रभाग अधिकारी क्रं. ४ | ----- " |
| २६ | मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | ----- " |

म. महापौर

आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे. नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव

वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या श्रद्धांजलीच्या यादया

१) पश्चिम घाटातील पुणे जिल्ह्यातील आंबेगांव तालुक्यातील डोंगराच्या पायथ्याशी असलेल्या माळीण गावात दि. ३०/७/२०१४ रोजी भुस्खलन होवून दरड कोसळून दुर्घटना घडली. या दुर्घटनेत संपूर्ण गांवच दरडीखाली येवून सुमारे १५२ रहिवाशांचा बळी गेला. संपूर्ण गांवच उध्वस्त झाले. या दुर्देवी घटनेत मरण पावलेल्या नागरीकांना आज रोजीच्या सभेत श्रद्धांजली वाहुन तसा ठराव पारीत करणेत यावा.

सुचक :- चंद्रकांत काशिनाथ केले, सभापती स्थायी समिती, मनपा धुळे

अनुमोदक :- कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता, मनपा धुळे

सुभाष सुकलाल जगताप, नगरसेवक मनपा धुळे

२) सुप्रसिद्ध आकाशवाणी निवेदिका, मराठी रंगभूमी, नाट्यभूमी तसेच हिंदी चित्रपटातील कलाकार, दिग्दर्शक सिमिताताई तळवळकर यांचे नुकतेच कर्करेगाने दुःखःद निधन झाले. त्यांच्या दुःखःद निधनाबद्दल आज दि. ११/८/२०१४ रोजीच्या महासभेत श्रद्धांजली अर्पण करणेबाबत ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. माधुरीताई नंदलाल अजळकर, गटनेत्या शहर विकास आघाडी

अनुमोदक :- सौ. प्रभावती राजेंद्र चौधरी

३) भाजपाचे ज्येष्ठ लोकनेते व महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच केंद्रीय ग्रामविकास मंत्री मा. गोपीनाथजी मुंडे यांचे दुःखद निधन झाले त्यांना आजच्या महासभेत श्रद्धांजली वाहुन तसा ठराव पारीत करणेत यावा.

सुचक :- श्री. शरद एकनाथ वराडे, नगरसेवक, मनपा धुळे

४) भाजपाचे ज्येष्ठ लोकनेते व महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच केंद्रीय ग्रामविकास मंत्री मा. गोपीनाथजी मुंडे यांचे दुःखद निधन झाले त्यांना आजच्या महासभेत श्रद्धांजली वाहुन तसा ठराव पारीत करणेत यावा.

सुचक :- प्रतिभा शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

५) भाजपाचे जिल्हा सरचिटणीस दिनेशभाऊ पाटील यांचे वडील तसेच सार्वजनिक बांधकाम विभागातील अभियंता श्री. हैबतराव नामदेव पाटील यांचे दि. १८/६/२०१४ रोजी तसेच भाजपाचे महानगरप्रमुख श्री. अनुपशेठ अग्रवाल यांच्या मातोश्री तसेच भाजपाच्या माजी नगरसेविका श्रीमती विमलादेवी अग्रवाल यांचे दि. ११/४/२०१४ रोजी व त्यांचे आजोबा कै. पुरणमल बालुरामजी अग्रवाल यांचे दि. १०/७/२०१४ तसेच ज्येष्ठ नेते डॉ. श्री. महेश घुगरी यांचे वडील तसेच राजवाडे मंडळाचे सेक्रेटरी कै. कृष्णराव दशरथ घुगरी (सर) यांचे दि. १/५/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच अत्यंत मन खिन्न करणारी पुणे जिल्ह्यातील माळीण गांवावर दरड कोसळून संपूर्ण गांवच उध्वस्त होवून सुमारे १५० नागरीकांचे दुःखद निधन झाले त्यांना श्रद्धांजली वाहुन तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- प्रतिभा शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

६) तत्कालीन धुळे नगरपालिकेचे माजी नगरसेवक व सामाजिक कार्यकर्ते शरद नामदेव विभूते यांचे दि. २३/६/२०१४ रोजी दुःखःद निधन झाले. त्यांच्या दुःखद निधनाबद्दल आजच्या महासभेत श्रद्धांजली वाहुन तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. माधुरीताई नंदलाल अजळकर, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर

सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या यादीनुसार सर्व मान्यवरांचे दुःखद निधनाबद्दल श्रद्धांजली अर्पण करणेसाठी २ मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३८ दिनांक ११/८/२०१४

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार...

१) पश्चिम घाटातील पुणे जिल्ह्यातील आंबेगांव तालुक्यातील डोंगराच्यापायथ्याशी असलेल्या माळीण गावात दि. ३०/७/२०१४ रोजी भुस्खलन होवून दरड कोसळून दुर्घटना घडली. या

दुर्घटनेत संपूर्ण गांवच उध्वस्त झाले असून संपूर्ण गांवच दरडीखाली येवून सुमारे १५२ रहिवाशांचा बळी गोला आहे.

२) सुप्रसिध्द आकाशवाणी निवेदिका, मराठी रंगभूमी, नाट्यभूमी तसेच हिंदी चित्रपटातील कलाकार, दिग्दर्शक स्मिताताई तळवळकर यांचे नुकतेच कर्करोगाने दुखःद निधन झाले.

३) भाजपाचे ज्येष्ठ लोकनेते व महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच केंद्रीय ग्रामविकास मंत्री मा. गोपीनाथजी मुंडे यांचे दुःखद निधन झाले आहे.

४) भाजपाचे जिल्हा सरचिटणीस दिनेशभाऊ पाटील यांचे वडील तसेच सार्वजनिक बांधकाम विभागातील अभियंता श्री. हैबतराव नामदेव पाटील यांचे दि. १८/६/२०१४ रोजी निधन झाले आहे. तसेच भाजपाचे महानगरप्रमुख श्री. अनुपशेठ अग्रवाल यांच्या मातोश्री तसेच भाजपाच्या माजी नगरसेविका श्रीमती विमलादेवी अग्रवाल यांचे दि. ११/४/२०१४ रोजी निधन झाले आहे. तसेच पुरणमल बालुरामजी अग्रवाल यांचे दि. १०/७/२०१४ रोजी निधन झाले आहे. तसेच ज्येष्ठ नेते डॉ. श्री. महेश घुगरी यांचे वडील व राजवाडे मंडळाचे सेक्रेटरी के. कृष्णराव दशरथ घुगरी (सर) यांचे दि. १/५/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले आहे.

५) तत्कालीन धुळे नगरपालिकेचे माजी नगरसेवक व सामाजिक कार्यकर्ते शरद नामदेव विभुते यांचे दि. २३/६/२०१४ रोजी दुखःद निधन झाले आहे. मान्यवरांचे दुःखद निधननिमित्त या सभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृत आत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहून भावपूर्ण श्रद्धांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले अभिनंदन प्रस्ताव

१) केंद्र शासनाच्या नवनियुक्त मा. श्री. नरेंद्रजी मोदी हे विराजमान झालेत. तसेच सर्व केंद्रीय मंत्रीमंडळाच्या नव्याने समावेश झाल्याने त्यांच्या निवडीबद्दल आज दि. ११/८/२०१४ रोजीच्या महासभेत अभिनंदन ठराव पारीत करावा.

सुचक :- श्री कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता

अनुमोदक :- श्री. शरद एकनाथ वराडे

२) नुकत्याच झालेल्या लोकसभा निवडणूकीत भाजपाचे सर्वोच्च नेते श्री. नरेंद्रजी मोदी यांच्या नेतृत्वाखाली सर्वात जास्त भाजपाचे खासदार निवडून येवून केंद्र सरकारमध्ये एकहाती सत्ता स्थापन करून भाजपाचे सर्वेसर्वा मा. श्री. नरेंद्रजी मोदी हे भारताचे पंतप्रधानपदी विराजमान झालेले आहेत. त्यांच्या स्तुत्य निवडीबद्दल त्यांच्या अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. प्रतिभा शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ३९ दिनांक ११/०८/२०१४

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार नुकत्याच झालेल्या लोकसभा निवडणूकीत भाजपाचे सर्वोच्च नेते श्री. नरेंद्रजी मोदी यांच्या नेतृत्वाखाली सर्वात जास्त भाजपाचे खासदार निवडून येवून केंद्र सरकारमध्ये एकहाती सत्ता स्थापन करून भाजपाचे सर्वेसर्वा मा. श्री. नरेंद्रजी मोदी हे भारताचे पंतप्रधानपदी विराजमान झालेले आहेत. तसेच सर्व केंद्रीय मंत्रीमंडळाच्या नव्याने समावेश झाल्याने त्यांच्या निवडीबद्दल धुळे महानगरपालिकेतर्फे अभिनंदनाचा ठराव एकमताने मंजुर करण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा.सदस्या श्रीमती शशिकला मोहन नवले, श्री. गोविंद तुळशीराम साखला, सौ.सारिका प्रवीण अग्रवाल,यमुनाबाई वसंत जाधव, सौ. मनिषा सतिष महाले, श्री. सतिष दिगंबर महाले इत्यादी सदस्यांनी लेखी विनंती पत्र देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणास्तव सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

म. महापौर

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४० दिनांक ११/८/२०१४

सन्मा.सदस्या श्रीमती शशिकला मोहन नवले, श्री. गोविंद तुळशीराम साखला, सौ.सारिका प्रवीण अग्रवाल, यमुनाबाई वसंत जाधव, सौ. मनिषा सतिष महाले, श्री.सतिष दिगंबर महाले इत्यादी सदस्यांनी लेखी विनंती पत्र देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणास्तव सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे. सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय :-

म.कमलेश देवरे

सर्व सन्मा.सदस्यांच्या विनंती व मागणीनुसार शहरातील खाजगी कत्तलखान्यास परवानगी देणेबाबतच्या विषयासंदर्भात घेण्यांत आलेल्याविषयावर चर्चा करून निर्णय घेणे.

महापौर मी आग्रहाची विनंती करतो की धुळे शहरामध्ये मागील १५ ते २० दिवसांपासून जे कत्तलखान्याचा विषय चालू आहे.त्यामुळे महापालिकेतीलसर्व पदाधिकारी आणि प्रशासनाची बदनामी होत आहे. कत्तलखान्याचा बाबत हमीद यांनी म.न.पा कडे परवानगी साठी अर्ज सादर केला होता.सदरची जागा ही आपली नाही ती ग्रीन झोन मध्ये येत आहे तरी याबाबत प्रशासनाने त्याला मंजूरी कशी दिली आहे. याचा खुलासा करण्यात यावा.

म.मनोज मोरे

अर्ज कोणी दिला आहे कशा पध्दतीने दिला आहे त्या अर्जातील माहिती सभागृहात देण्यात यावी.

म. संजय गुजराथी

सदर विषय अत्यंत महत्वाचा आहे. या विषयांचे गार्भिय लक्षांत घेता सदर विषयावर आजच्या महासभेत निर्णय घेणे आवश्यक आहे.गेल्या महासभेतील इतिवृत्तात कत्तलखान्याचा विषय आला होता की त्यामुळे धुळे शहरात वाद सुरु आहे. अनेक पदाधिकारी यांच्यामध्ये जोडले जातात व बदनाम होतात अशी चर्चा झाली आहे. मागे महासभेत कत्तलखान्याचा विषय आला होता माझा प्रश्न असा आहे जेव्हा विषय या सभागृहाने तहकूब केला आहे तर नगर रचना विभागाने विषयाला परवानगी दिली कशी? विषय गाईच्या गोठयाला, जनावरांच्या गोठयाला परवानगी देणे बाबतचा होता प्रशासनाने डायरेक्ट कत्तलखान्याला परवानगी देऊन टाकली आहे. नगररचना विभागाने ती परवानगी दिली आहे. त्यांच्यावर आज या क्षणाला कारवाई क्वायला पाहिजे. तरच पुढील कामकाज होईल.सदरची मंजूरीची फाईल मागविण्यात यावी फोन वरुन नाशिक विभागीय आयुक्तांशी चर्चा झाली आहे महापौर महोदय ती फाईल आपण मागवावी आयुक्त महोदय, त्या प्रकरणाला मंजूरी देण्यात आली आहे त्या अधिका-यांच्या सह्या आहेत यामध्ये काय आहे हे मला वाचून दाखवावे .

मा. महापौर

आपण अगोदर बोलून घ्यावे नंतर मी प्रश्नांना उत्तर देईल.इतिवृत्तात जो कत्तलखान्याचा विषय आलेला आहे तो महानगरपालिकेच्या अत्याधुनिक कत्तलखान्या संदर्भातील विषय होता आणि त्यातील सर्व सभागृहातील सर्व सदस्यांचा तो विषय विषय पत्रिकेतून काढून घेण्यात आला होता

संजय गुजराथी

माझे म्हणणे आहे की, आपण कत्तलखान्याला मंजूरी दिलेली फाईल सभागृहात मागवावी. विषयाचे गार्भिय लक्षात घ्यावे. सदर प्रकरणावर नगररचना विभागाच्या अधिका-यांच्या सह्या आहेत नाशिकच्या विभागीय आयुक्तांशी बोलणे झालेले आहे की, मंजूरी द्यायला काही

हरकत नाही सदरचे इतिवृत्त आपल्या हातात आहे हे वाचावे मला माहिती हवी आहे की, चुकीच्या कत्तलखान्याच्या विषयावर बोलत नाही आहे ज्या काही सदस्यांच्या याच्यावर बोलणे झाले त्याच्यावर कारवाई करून गुन्हे दाखल झाले पाहिजे. आणि ती फाईल वाचून दाखवल्यानंतर त्याच्या मध्ये काय आहे ते सांगा

मा. महापौर

नरेंद्र परदेशी

मा. महापौर

म.नरेंद्र परदेशी

हा विषय सर्व सभागृहाचा नाही तर सर्व धुळे शहराच्या जनतेच्या दृष्टीने जे आज धुळे शहरात शंका कुशंका पसरलेल्या आहेत आणि ज्या दृष्टीने या गोष्टीवर आम्ही कारवाई करणार आहोत आणि आम्ही पत्र देखील दिले आहे. महापौर म्हणून चौकशीसाठी याबाबत शासनास पत्र दिलेले आहे.

आपण सभागृहात सांगत आहात की, सर्व सदस्यांचे बोलणे झाल्यानंतर एकाच वेळी उत्तरे देण्यात येईल. तशा पध्दतीने आपण कारवाई करणार आहात का?

मी सर्व सदस्यांचे प्रश्नांना एकाच वेळी उत्तरे देणार आहे.

या ठिकाणी जो कत्तलखान्याचा विषय आलेला होता यासंदर्भात यंग बॉईस स्कूल यांचेही एक पत्र आले आहे. त्या पत्रात म्हटले आहे की, याचा विद्यार्थ्यांच्या आरोग्याला काही धोका पोहचू शकतो का? असे विद्यार्थ्यांनी पत्र दिले आहे. तसेच वडजाई ग्रामपंचायत यांनी आरक्षण क्रमांक ९५ येथील जागेवर कत्तलखाना बनवणेस विरोध असल्या बाबतचा तक्रारी अर्ज दाखल केलेले आहे ते पत्र तसेच या ठिकाणी झालेली चर्चा याबाबत प्रशासनाशी चर्चा करून समर्पक तोडगा काढण्यात येईल तो पर्यंत सदर विषय तहकूब ठेवण्यात येत आहे. असे नमूद केलेले आहे. असे असतांना महापौर महोदया मला चांगले आठवते की, हा विषय त्यानंतर अजेंड्यावर घेतलेला नाही. या ठिकाणी चर्चा होत होती हा विषय सर्वांच्या भावनेशी निगडीत आहे या सभागृहामध्ये जर शुक्रवारी एक वाजता सभा घेतली तर सदस्यांच्या भावना दुखावतात आणि आता आम्ही ज्या गोमातेला दैवत मानतो त्या कत्तलखान्याचा विषय आलेला आहे म्हणून मी सर्वात आधी हा विषय ठेवला आहे याच्यात दोन गोष्टी आहेत तुम्ही तहकूब केला आहे आणि ज्यावेळेस हा तुम्ही विषय ठेवलेला आहे आणि आता वृत्तपत्रात नोटीस निघाली आहे आणि आता मला सांगा हा सर्व सभागृहाचा अपमान आहे हे ज्या लोकांनी अंधारात ठेवून ती नोटीस निघाली त्यानंतर आरोप प्रत्यारोप झाले त्याच्यामध्ये तो विषय आलेला होता तो भागा वेगळा आहे परंतु या ठिकाणी जे प्रश्न उपस्थित होत आहे तुम्ही या महासभेच्या ठरावाचा ज्या लोकांनी अपमान केला त्याच्यावर तुम्ही काय कारवाई करणार आहात. हा माझा प्रश्न आहे या सभागृहाने हा विषय तहकूब ठेवला या विषयाला आणि ठरावाला तिलांजली देवून आपल्या बॉडिला अंधारात ठेवून मंजूर करण्याचा प्रयत्न होता आणि त्यामध्ये कायद्याची पायमल्ली होऊन कायदा धाव्यावर बसविला आहे. ति जी जागा आहे ती ग्रीन झोन मध्ये आहे. ग्रीन झोन मध्ये कुठलेही बांधकाम करतात येत नाही हा जो कत्तलखाना वाला होता त्याने आपल्या अधिका-यांना हाताशी धरून मंजूरी दिलेली आहे त्याची काही एवढी औकात नाही ना त्यांनी आपल्या अधिका-यांना हाताशी धरून तसेच होणारे उलटेसुलटे आरोप सभागृहात झाले नाही पाहिजे. याच्यामध्ये जे कोणी आरोपी आहेत त्यांच्यावर या सभागृहामध्ये आजच्या आज तुम्ही रोलिंग द्यावे आणि बडतर्फ करून सभागृहातून बाहेर काढण्यात यावे. त्यानंतर या सभागृहाचे कामकाज सुरु राहिल. याची गांभिर्याने दखल घ्यावी माझा दुसरा प्रश्न आहे की, या महाभागांनी गाईच्या गोळ्याला कत्तलखान्याची परवानगी देऊन टाकली आहे माझा प्रश्न आहे ५००० स्क्वेअर फूट जागेचे बेटरमेन्ट चार्जस रुपये १२४२९ मात्र ची आकारणी करण्यात आली आहे. ती आकारणी योग्य आहे का हे मला अगोदर सांगावे सदर जागेमध्ये जी बांधकामाची परवानगी देण्यात आली आहे ती जागा अंग्रीकल्चर झोन मध्ये आहे त्या जागेमध्ये बांधकामाची परवानगी देता येते का? हा माझा दुसरा प्रश्न आहे. आणि त्यामध्ये जर तसे असेल तर हया महासभेमध्ये ह्या महासभेने चेंन्ज ऑफ पर्जची ३७(१) ची कारवाई केलेली आहे का? हा माझा तिसरा प्रश्न

आहे. त्या नंतर हे जे धोरण ठरवले पाहिजे हे धोरण ठरवित असतांना हा जो प्रस्ताव आहे तो महासभेताला पाहिजे. परंतु सभागृहाने सांगितले होते हा विषय सभागृहात आला असतांना सदस्यांनी विरोध करून हरकती घेतल्या होत्या आणि तो विषय सभागृहात तहकूब ठेवण्यात आला. सभागृहात तहकूब ठेवण्यात आल्या नंतर हा विषय बाजूला ठेवण्यात आलेला होता ह्या महाभागांनी तो विषय दिशाभूल करून आणला असेल तर आमचा ह्यामुळे हक्कभंग झाला आहे. सभागृहाचा हक्कभंग झाला आहे. त्यामुळे यांच्यावर आपण काय कारवाई करणार आहे याचे मला उत्तर पाहिजे. आणि माझी विनंती आहे की, ह्या महानगरपालिकेला ह्या लोकांनी आर्थिक हितापासून वंचित ठेवले आहे कारण की, ह्या ठिकाणी त्या जागेवर २ लाख रुपयाचे भाडे आकारणी होत आहे. ती आकारणी कमी दाखविलेली आहे त्यामुळे म.न.पा.चे नुकसान झालेले आहे ह्यामुळे या लोकांवर भा.द.वी कायद्या नुसार गुन्हा दाखवल झाला पाहिजे. २ लाखाचे नुकसान केले आहे. आपण त्याना ताबडतोब सेवेतून बडतर्फ करण्यात यावे. त्यांना कोणालाही पाठीशी घालू नये हे चालू असतांना परवाच्या वर्तमानपत्रामध्ये मा. आयुक्तांनी एक निवेदन केले आहे की, कत्तलखान्याच्या प्रकरणात ब-याच अधिकारी-यांनी गैरव्यवहार केले आहे तर त्यांची नावे आयुक्तांनी जाहीर करावी. महापौर तसेच आयुक्त हे प्राधिकारी आहेत तसेच त्यांच्यावर काय कारवाई करणार आहे ते जाहीर करावे.-

म. चंद्रकांत सोनार:-

धुळे शहरामध्ये अवैध कत्तलखान्याबाबत चर्चा चालू आहे हा विषय धुळे शहरात गोंधळ निर्माण करण्याचा होता. मा. आमदार श्री. राजवर्धनजी कदमबांडे यांनी पत्र दिले आहे त्या पत्राला अनुसरून त्या गोष्टी उघडकीस आणल्या त्या प्रथम राष्ट्रवादीच्या माध्यमातून आल्या आहेत. या शहरामध्ये आतापर्यंत चर्चा आंदोलन चालू होते आम्ही ह्या गोष्टीला विरोध करणार आहोत. कोणीही आज या गोष्टीला समर्थन करणार नाही या शहरामध्ये शांतता राहील यासाठी आमचा प्रयत्न आहे. हे जे प्रकरण आलेले होते याची मा. महापौर तसेच आयुक्त यांनी माहिती घ्यावी. सर्वात प्रथम ज्या पध्दतीने अवैध कत्तलखान्याला परवानगी देण्यात आली आहे तीच मूळात बेकायदेशिर आहे त्यांना जी परवानगी देण्यात आली आहे कारण की, ज्या जागेवर गोठा बांधण्यासाठी परवानगी मागविण्यात आली होती ती परवानगी त्या जागेवर म.न.पाचे आरक्षण आहे हे आरक्षण असल्यामुळे ही परवानगी देता येणार नाही. परंतु तो विषय प्रशासनाने दिशाभूल करून आयुक्तांपर्यंत नेला आहे. ह्या विषयावर सभागृहात चर्चा होणार आहे आज कोणीही या प्रकरणाच्या बाजूने बोलू शकत नाही. कारण की हा जो हमीद नावाचा व्यक्ती आहे त्याने जे शेड बांधले होते त्यावेळी ते आरोग्य विभागाचे कर्मचारी चौकशी साठी त्या ठिकाणी गेले असतांना सुमारे ४० जनावरांची कत्तल करून मांस ट्रक मध्ये भरीत होते आणि त्या ठिकाणी २० ते २५ कर्मचारी काम करीत होते त्या ठिकाणी आपले कर्मचारी व्हिजीट देऊन आले, चौकशी करून आले त्यावेळेस त्या कत्तलखान्यावर कारवाई का करण्यात आली नाही. त्याचवेळी कत्तलखान्यावर कारवाई करण्यात आली असती तर हा विषय आयुक्तांपर्यंत आला नसता म्हणून जे अधिकारी जबाबदार असतील त्यांच्यावर प्रशासनामार्फत कठोर कारवाई व्हायला पाहिजे. ज्या ज्या पध्दतीने ह्या विषयावर भांडवल केले जात आहे. काही लोक ज्या गोमातेला आपण आई म्हणतो माता म्हणतो त्या गोमातेची सर्वांसमोर कत्तल होते ज्या ज्या गोष्टी आहेत आणि ज्या यपध्दतीने गाई कत्तलीसाठी जातात कत्तलीसाठी ज्या गाई पकडल्या जातात त्यासाठी सर्व पक्षाचे तरुण मुलांचे मोठा सहभाग आहे. कोणत्याही पक्षाचे आतापर्यंत या गोष्टी केलेल्या नाहीत. सर्व पक्षांच्या माध्यमातून ह्या कत्तलीसाठी जाणा-या गाई पकडल्या जातात त्या मुळे हा जो भावनेचा प्रश्न आला त्यावेळेस प्रत्येक जण आपापल्या पध्दतीने भावना निर्माण करतो परंतु याठिकाणीअसे दर्शविण्यात आले की, फक्त शिवसेनेलाच फक्त कळवळा आहे. परंतु मी त्यांना सांगू इच्छितो की ज्या पध्दतीने तुम्ही हा प्रश्न हाताळत होतात आम्हीही त्याच पध्दतीने

हा प्रश्न मांडलेला आहे. त्या पध्दतीने म्हणणे होते की हा विषय सर्वांना चर्चा करु द्यावी. धुळे शहराचे माजी आमदार श्री. राजवर्धनजी कदमबांडे यांनी खुलासा वजापत्र महानगर पालिकेला दिले आहे. जर आमचा या विषयाला विरोध राहीला असता तर हा विषय आम्ही आमदारांच्या माध्यमातून आणला नसता कारण की, भावना प्रत्येकाची असते. ज्या वेळेस शहरात हिंदू उत्सवाची मिरवणूक असते त्यावेळेस सर्व राष्ट्रवादीचे पदाधिकारी नगरसेवक त्या मिरवणूकीत हजर असतात. परंतु काही गोष्टी अशा असतात भावनेच्या की, तुम्ही गाईला गोमाता मानतात गाईला रस्त्यावर दिसल्यास कोणीही मग राष्ट्रवादीचा असो कांग्रेसचा असो शिवसेनेचा असो तिला नमस्कार केल्या शिवाय पुढे जात नाही. तुम्ही बोलतांना सन्माननीय सदस्य नरेंद्र परदेशी तुम्ही सन्माननीय सदस्य श्री. देवरे यांना असे बोलले की तुम्हीच मदत करीत आहात. आणि तुमचा सहभाग आहे सहभाग राहीला असता तर आमची तर काळपात होती की, अजेंडयावरचा विषय घ्यावयाचा परंतु सन्माननीय सदस्य संजय भाऊ गुजराथी यांनी इतिवृत्तामधून हा विषय पुढे आणला आहे माझे सांगणे आहे की, मा. महापौर यांनी एकदा रोलींग दिल्यावर ठाम राहावे. सभा रद्द झाली तहकूब झाली तरी चालेल अशा पध्दतीने सर्व लोक जिल्हाधिकारी कार्यालयावर महानगर पालिकेमध्ये गाय घेऊन आले.या पध्दतीने गाईचा हिंदू धर्मामध्ये आदर केला जातो.परंतु असे मिडीयासमोर असे दर्शविले जाते की, सर्व राष्ट्रवादी पक्षाचे नगरसेवक त्या बेकायदेशिर रित्या बांधलेल्या गोठ्याला समर्थन करता आहेत. तसे आम्ही कदापि करणार नाही. त्या गोष्टी बेकायदेशिर आहेत त्या बेकायदेशिर राहणार आहे. आणि हा जो सर्वात महत्त्वाचा मुद्दा होता. याला तात्पुरत्या स्वरूपात शेड बांधण्याची परवानगी दिली आहे. त्या जागेवर ग्रीन झोन म्हणून वापर आहे. त्या जागेमधून रस्ता गेलेला आहे. त्या जागेत रिझर्वेशन आहे. अशा वेळी नगररचना विभागाच्या माध्यमातून तक्रारी आल्यानंतर त्या ठिकाणी पाहणी करण्यासाठी गेलेले असतांना त्या ठिकाणी गुरांची कत्तल होत होती आणि मांस भरले जात होते आता किती दिवस झाले त्या गोष्टीला आज ती तारीख २१-०८-२०१३ होती आज एक वर्ष झाला आहे एक वर्षानंतर आरोग्य विभागाच्या माध्यमातून त्या कत्तलखान्यावर कारवाई का करण्यात आली नाही आपल्याला माहीत आहे की, कोणाच्या घरात बाहेर बेकायदेशिर रित्या काही गोष्टी होत असतील तर आपल्या माध्यमातून अथवा पोलिसांची मदत घेऊन सर्व साहीत्य जमा करून कार्यालयात जमा झाले पाहिजे होते. परंतु एकवर्ष झाला मार्गील जुलै महिन्याची गोष्ट आहे. मग तो विषय आतापर्यंत का करु शकले नाहीत आयुक्तांच्या माध्यमातून कारवाई झाली असती आणि विरोधी पक्षाला हे भांडवल मिळाले नसते त्यावेळी सभेमध्ये दुरुस्ती व नुतनीकरणाचा विषय आला त्या वेळेस नानुभाऊ परदेशी होते सर्व लोकांनी त्या वेळेस विरोध केला होता त्यावेळेस सर्व पक्षाचे लोक सामील होते. आणि या सर्व गोष्टी होत असतांना राष्ट्रवादीच्या नगरसेवकांवर खापर फोडले जाते. हे आम्ही कदापि सहन करणार नाही जे खरे आहे तेच बोलावे , भांडवल करु नये या किरकोळ कारणावरून मागे हिंदू मुसलमान यांमध्ये दंगल होऊन तरुण मृत्यूमुखी पडले आणि बरेच लोक बेघर झाले आणि तुम्ही जर नागरीकांच्या भावना भडकवून हा विषय जनतेसमोर आणत असाल तर त्याचा धिक्कार करु आम्ही हे बिलकूल खपवून घेणार नाही. तो विषय आहे त्यावर एकमताने चर्चा करा त्या हमीदवर कारवाई करायची असेल त्याला तात्काळ अटक व्हायला पाहिजे. जेजे अधिकारी पदाधिकारी याच्यात सहभागी असतील त्यांच्यावर कारवाई झाली पाहिजे भविष्यात कोणत्याही जनावरांची /गाईची कत्तल करणार नाही आमच्या भावनांशी खेळणार नाही जो कोणीही असेल मग तो पदाधिकारी असेल अधिकारी असेल त्यांच्यावर शासन करण्यात यावे हा जो विषय आहे तो शहरात चुकीच्या पध्दतीने आला आहे. आयुक्त साहेबांकडे हा विषय जाऊन त्यांनी नागरीकांच्या हरकती आणि सूचनांसाठी प्रसिद्ध केला आहे. आयुक्तांना हे त्यावेळी माहिती नक्ते कि याचे पडसाद काय उमटणार आहे. काही

गोष्टी अशा असतात की, अधिका-याना फाईल पुढे पाठविता येत नाही. आणि थोडया फार प्रमाणात विश्वास ठेवून प्रकरण पुढे सरकवावे लागते त्या माध्यमातून हे झालेले आहे. परंतु ज्या ज्या अधिका-यांच्या मार्गदर्शनानुसार टिपण्या लिहिल्या गेल्या असतील जे जबाबदार असतील त्यांना सोडू नये हा भावनेचा विषय आहे यावर माननीय महापौर व आयुक्त यांना मी विनंती करतो की, या विषया बाबत तात्काळ कारवाई करून त्या जागेवर जाऊन सर्व साहित्य जमा करावे व त्यांच्यावर कारवाई करावी ह्या विषयावर सर्वांना चर्चा करू द्यावी.

मायादेवी परदेशी:-

मा.महापौर साहेब, सुरुवातीस मा.महापौरांनी सांगितले की, अजेंड्यावरील विषयावर सुरुवात करण्यात यावी परंतु नगरसेवकांनी मध्येच कत्तलखान्याच्या विषयाला सुरुवात केली मी त्या वार्डातून निवडून आली आहे तो वार्ड संवेदनशील आहे. आम्ही आमच्या भागात जातीय सलोखा टिकवून बंधूभावाने राहातो कत्तलखान्याचा विषय कुणालाही माहीत नव्हता शिवसेनेच्या नगरसेवकांनी आमच्या राजकीय पक्षाच्या नेत्यावर आरोप प्रत्यारोप केले आहे परंतु मी सांगूइच्छितो की पुढे निवडणुक येत आहे म्हणून हे सर्व चालू आहे आपला सर्वांचा या गोष्टीला विरोध आहे. आपण गाईला गोमाता मानतो, देव मानतो आणि आम्ही सर्व तिचा आदर करतो जो हमीद नावाचा व्यक्ती आहे त्याच्या बदल कुणालाही माहीती नाही आपण जर आमच्या राजकीय नेत्यावर आणि मा. महापौरांवर आरोप प्रत्यारोप करीत असाल तर आम्ही त्याचा धिक्कार करतो. जो कोणी अधिकारी या प्रकरणामध्ये जबाबदार असेल त्यांच्यावर कारवाई करण्यात यावी आणि आज या सभेमध्ये सर्वांना बोलण्याची संधी देण्यात यावी.

चंद्रकांत सोनार:-

मी मागे बोलतांना वेळेचे भान ठेवून थांबलो होतो. दि.२१/०९/२०१३ रोजी आरोग्य विभागामार्फत त्या ठिकाणी त्या जागेवर जाऊन पाहणी करण्यात आली. त्यावेळेस महापौर सौ. मंजूळाताई गावीत होत्या आणि भा.ज.पा च्या महापौर होत्या आणि महापौर असतांना शिवसेना आणि भा.ज.पा नगरसेवकांनी त्यावेळी कारवाई करायला का लावली नाही? आणि महापौरांनी आणि महापौरांनी कारवाई का केली नाही. म्हणजे हे प्रकरण शिवसेना आणि भा.ज.पाच्या माध्यमातून प्रपोज करण्यात आले होते हे या माध्यमातून सिध्द होते. एवढा जर आपण उहापोह करत आहात संजूभाऊ गुजराथी नरेंद्र परदेशी हे शिवसेनेचे नगरसेवक होते. महापौर भाजप आणि शिवसेनेचे होते त्यावेळी हे प्रकरण का थांबविले नाही पत्रकार बांधवांनी ह्या विषयाची नोंद घ्यावी बेकायदेशीर शेड बांधण्यात आले गाईची जनावरांची कत्तल होत होती त्यावेळी महानगरपालिकेने आरोग्य विभागाने चौकशी केली त्यांनी त्यावेळी म.न.पाला अहवाल सादर केला. त्या ठिकाणी स्लॉटरींग होत होते आणि ट्रक मध्ये भरले जात होते सर्व काही उपलब्ध असतांना महापौर त्यावेळेस शिवसेनेचे नगरसेवक का मुगागिळून बसले होते मग आताच राजकारणाच्या माध्यमातून फायदा घेण्यासाठी तुम्ही विषय अजेंड्यावर घेत आहेत. हा मुद्दा आपण लक्षात ठेवावा.

सौ. प्रतिभाताई चौधरी:-

मा.महापौर महोदया, तिन महिन्या पूर्वी महासभा झाली होती त्यात कत्तलखान्याच्या विषय आला होता त्यावेळेस आम्ही भारतीय जनता पार्टीच्या वर्तीने आम्ही तिनही सदस्यांनी निवेदन दिले होते की, हा विषय अजेंड्यावर येऊ देऊ नये. आणि त्या सभेमध्ये वादविवाद झाला होता. दि.२५/०७/२०१४ रोजी वर्तमानपत्रात नागरीकांच्या हरकती आणि सूचना मागविणे कामी नोटीस प्रसिध्द करण्यात आली गाईच्या शेडसाठी परवानगी असतांना कत्तलखान्याची नोटीस प्रसिध्द करण्यात आली होती मला असे म्हणावयाचे की, गाईच्या शेडसाठी परवानगी असतांना कत्तलखान्याची नोटीस प्रशासनाकडून जाहिर प्रसिध्द करण्यात आली होती. तसेच ८ तारखेच्या दिव्यमराठी पेपरमध्ये आयुक्तसाहेबांना म्हटले की, कत्तलखान्याच्या संदर्भात राजकीय हितसंबंध तर त्यांची नावे जाहिर करावी. राजकीय हितसंबंध म्हटल्यावर सर्वच पक्षाचे लोक वेगळ्या दृष्टीने पहात आहे. आपणही राजकीय पक्षाचे पधाधिकारी आहोत तर याबाबतचा खुलासा करावा जी नोटीस प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. त्याला विरोध म्हणून

भा.ज.प सेनेच्या वतीने आयुक्त साहेबांना निवेदन दिले आहे. तसेच या विषयाला धुळे शहरातून ३५०० हरकती आलेल्या आहेत. त्यांचा ह्या कत्तलखान्याला विरोध आहे तसेच कायद्यानुसार महानगरपालिकेचा एक अद्यायावत कत्तलखाना सुरु असतांना ती नोटीस प्रशासनाकडून प्रसिद्ध केली जाते कशी? हा प्रश्न मला पडला आहे. ह्या मध्ये जे दोषी अधिकारी असतील त्यांना शासन करण्यात यावे.

म.मनोज मोरे:

परवानगीसाठी जो अर्ज आहे तो कुठल्या पध्दतीने आला आहे. माझा असा आरोप आहे की, ह्यामध्ये आर्थिक देवाण घेवाण झाली आहे. अर्जाचे स्वरूप बदलून त्याला कत्तलखान्यासाठी परवानगी दिली आहे. तसेच वर्तमानपत्रात आयुक्तांनी जाहीर नोटीस प्रसिद्ध केली आहे. याच्यामुळे शहरात प्रतिक्रिया उमटत आहे. ज्येष्ठ सदस्य नानूभाऊ परदेशी यांनी जो आरोप केला आहे कि महापौर या विषयाला पाठींबा देत आहे त्यांनी आमच्या राष्ट्रवादी तर्फे या विषयाला विरोध करतो नुसता विरोधच नाही तर ज्यांचा कुणाचा यामध्ये सहभाग आहे त्यांच्यावर तात्काळ फौजदारी गुन्हे दाखल क्वावेत महापौर साहेब, माझी अशी मागणी आहे राष्ट्रवादी काँग्रेसच्या वतीने चुकीच्या पध्दतीचे समर्थन होणार नाही. बेकायदेशीर कत्तलखाना झाला असेल तर तात्काळ तो जमीनदोस्त करावा. आणि त्या दिवशी काय कारवाई झाली जनावरे मारली जात होते त्या दिवशी काय कारवाई केली याचीही खुलासा करावा. ही जर अशा पध्दतीने कारवाई होत असेल आणि शहराला काही ठाराविक लोकांकडून राजकारण करून जर या विषयाचे भांडवल केले जात असेल तर मी त्याचा धिक्कार करतो. आणि राष्ट्रवादी काँग्रेसच्या तर्फे मी अशी मागणी करतो आणि या गोष्टीमध्ये ज्यांचा कुणाचा सहभाग असेल ज्यांनी कोणी अर्ज बदलविले असतील आणि चुकीच्या पध्दतीने परवानगी दिली असेल त्यांच्यावर कारवाई झालीच पाहिजे. महापौर साहेब मी सभागृहाला निर्दर्शनास आणु इच्छितो की, विरोध करण्यासाठी जे अर्ज आले होते ते महापौरांच्या कंबीन मधून आणि सभागृह नेत्यांच्या कंबीन मधून देण्यात आले होते. कोणीही एकतर्फी भांडवल करु नये. जे जबाबदार असतील त्यांच्यावर आजच कारवाई झाली पाहिजे. आणि संबंधीतांवर फौजदारी गुन्हे दाखल झाले पाहिजे. अशी मी सभागृहाला विनंती करतो.

सौ.वैभवी दुसाने:

पहिली गोष्ट मी सभागृहाला सांगूइच्छिते की, हिंदू मुस्लीम हा वादच नाही त्यामुळे सभागृहाला माझी ही विनंती आहे पक्षातर्फे जे काही पेपर मध्ये जाहीर केलेले आहे कत्तलखाना बांधण्यासाठी १ करोड रु. खर्च आला आहे. व एवढा खर्च येतो का? हा माझा प्रश्न आहे आणि याची चौकशी क्वावी.

म.फिरोज शेखः-

तुमच्या माहितीसाठी सांगतो की, कुणालाही गाई कापण्याचा अधिकार नाही. हा कोर्टाचा आदेश आहे आपल्या कत्तलखान्यामध्ये महानगरपालिकेचे कर्मचारी असतात तसेच डॉक्टर असतात ते अगोदर आलेल्या जनावरांचे तपासणी करतात आणि जे रिजेक्टेड जनावरे असतात त्यांचीच फक्त कत्तल करण्यात येते आणि तीच जनावरे त्यांना कापण्याचा अधिकार आहे. आणि असे काही होत असेल तर आपले म.न.पा चे कर्मचारी त्याठिकाणी असतात. सर्व प्रथम मी विनंती करतो की, आपण गाय मातेचा उल्लेख करून कुणाच्याही भावना दुखावू नये दिनांक ३१/०१/२०१४ रोजी महासभा झाली त्या वेळी महापौर म्हणून सौ जयश्रीताई अहिरराव होत्या तसेच श्री. कवठळकर साहेब होते त्यावेळेस हा विषय आलेला होता बी.ओ.टी तत्वावर देणेचा विषय होता त्यावेळेस आम्ही सांगितले होते सर्व नं. कोणता आहे ती जागा कोणती आहे, आरक्षण कोणते आहे टिप्पणी आली होती त्यावेळी मी एकठ्याने हा विषय आणला होता त्यावेळेस काही विधानसभेची हालचाल नव्हती आता दोन महिन्यानंतर इलेक्शन आहे. मी त्यावेळेस विरोध केला होता आणि सांगितले होते कत्तलखान्यासाठी केंद्रशासन आणि महाराष्ट्र शासनाने अनुदान मंजूर केले आहे. त्यांना आपण ठराव करून प्रस्ताव पाठवावा शासनाने ३ कोटी ७६ लाख रुपये अनुदान मंजूर केले आहे त्यापैकी १ कोटी ५३ लाख बांधकामासाठी मंजूर केले आहे. आपला त्या ठिकाणी ५०

वर्षांपासून कत्तलखाना सुरु आहे त्याच ठिकाणी नवीन कत्तलखाना करण्यात यावा शासन अनुदान देत आहे त्यांच्याकडे प्रस्ताव पाठवावा त्याठिकाणी बांधकाम करून त्याच ठिकाणी कत्तलखाना सुरु करण्यात यावा यामुळे त्याठिकाणी बरेच लोक आपला उदरनिर्वाह करीत आहेत त्यांनाही रोजगार चालू राहणार आहे. स.नं.१५ मध्ये आरक्षण आहे. परंतु त्या जागेचे भुसंपादन झालेले नाही. वडजाई रोड लगत असलेल्या जागेवर बांधकाम करण्याचा प्रस्ताव होता जुना कत्तलखाना असतांना बंद करून त्या ठिकाणी नवीन कत्तलखाना बांधकाम करण्याचा प्रस्ताव होता मी त्यावेळी मा.महापौरांना सांगितले होते की, त्या ठिकाणी फक्त आरक्षण आहे. मात्र भुसंपादन झालेले नाही. मग त्या ठिकाणी आपण कत्तलखाना कसा करणार आहे कायदेशीर दृष्टा ते योग्य होणार नाही. आपल्याला त्या ठिकाणी कत्तलखाना करावयाचा असेल तर त्या ठिकाणी अगोदर बांधकाम करण्यात यावे त्यानंतर तो विषय मा.महापौरांनी तहकूब केला होता. तहकूब केल्या नंतर ८ महिने झाले तरी ती फाईल आजपर्यंत आलेली नाही. त्यावेळेस आयुक्त श्री.पठाण साहेब त्या सभेमध्ये नव्हते कोणताही विषय असो त्या ठिकाणी पठाण साहेब असो आणखी कोणी दुसरा अधिकारी असो त्यांना माझी प्रामाणिकपणे साथ राहणार आहे परंतु चोराला सोडून सन्याशयाला फासावर देऊ नये. कायदेशीर रित्या बांधकाम परमिशनसाठी अर्ज केला आणि तो विषय पुढे गेला त्यानंतर आयुक्तांकडे गेला आणि आयुक्तांनी अटी शर्तीनुसार परवानगी दिली आहे त्यानंतर बांधकाम परमिशनसाठी कोणत्या तारखेला सही केली आहे जर कोणी दोषी असेल त्याच्यावर कारवाई करा यामध्ये राजकारण करू नये आपण म्हणता कत्तलखान्याला शासन मान्यता देत आहे, गव्हर्नमेंट त्याला निधी देते आहे, महाराष्ट्र शासन निधी देत आहे आणि हे होत आहे कायदेशीर रित्या ह्या गोष्टी होत आहे. आपण या विषयामध्ये जातीवादी भावना भडकवूनये निवडणूकीसाठी राजकारण करू नये. आपण जर या विषयावर हरकत मागविली नसती तर हा विषय कुणाच्याच लक्षात आला नसता. आयुक्त साहेब कायदेशीर दृष्ट्या परमिशन देऊ शकले असते परंतु त्यांनी तसे केलेले नाही कुणाच्या भावना दुखावणार नाही म्हणून त्यांनी हरकती मागविल्या म्हणून हा विषय सर्वांसमोर आलेला आहे. परंतु कोणी या विषयात दोषी असेल त्याच्यावर कारवाई करण्यात यावी. मध्यंतरी ती फाईल गहाळ झाली होती त्या बाबतचीही चौकशी करण्यात यावी ह्यामध्ये जो कोणी दोषी असेल त्याच्यावर कारवाई करण्यात यावी.

म.अमिन पटेल

कत्तलखान्याला परमिशन कोणी दिली आहे मागे हा विषय महासभेत आलेला होता मा.महापौर महोदयांनी शहरातील परिस्थिती पाहून तो विषय तहकूब केला होता. कारण की, पुढे विधानसभेच्या इलेक्शनमुळे हा मुद्दा तहकूब व्हायला पाहिजे होता तर या विषयामुळे पुढे जातीय भावना वाढणार नाही याची काळजी घेतली आहे. आणि आज मुंबई येथे महानगरपालिकेचा कत्तलखाना चालू आहे, ठाणे मध्ये चालू आहे, गुजरातमध्ये चालू आहे आणि माझ्या वार्ड नं. २७ मध्ये जो कत्तलखाना आहे त्याचा दुरुस्तीचा प्रस्ताव होता आणि ती दुरुस्ती झाली पाहिजे. कारण की, नागरीकांना यामुळे त्रास कमी होणार आहे. पण इलेक्शनमुळे हा विषय तहकूब केला आहे माझ्या वार्डातील वार्ड नं. २७ मधील कत्तलखान्याची दुरुस्ती झाली पाहिजे. कारण ते माझ्या वार्डामध्ये आहे कारण की, त्या भागातील नाल्यांमध्ये घाण पाणी सोडले जाते आणि त्यामुळे दुर्गंधी वाढते यामध्ये राजकारण करू नये आणी जातीय भावना वाढू देऊ नये इतर ठिकाणीही कत्तलखाना चालू आहे त्या प्रमाणे या ठिकाणी कत्तलखाना सुरु राहिला पाहिजे.

म.संजय गुजराथी

या विषयाच्या संदर्भात ज्या नगररचना अधिका-यांनी कत्तलखान्यास परवानगी दिली आहे त्या परवानगीच्या कागदपत्रावर ज्या ज्या अधिका-यांची नावे या सभागृहात घोषित करण्यात यावी आणि त्यांना ताबडतोब बडतर्फ करावे. दुसरी गोष्ट अशी की, हा विषय मागे जेव्हा सभागृहात आला असतांना तेक्का परवानगीचा विषय येतच नाही. आयुक्त महोदय,

बेकायदेशीर कत्तलखाना चालू होता त्या ठिकाणी पशुवैद्यकिय अधिकारी हा धुळे महानगरपालिकेचा होता. त्या ठिकाणी त्यांनी जनावरे कापण्यासाठी पावत्या फाडलेल्या आहेत आणि त्यांची फी वसूली विभागात जमा केलेली आहे. त्या ठिकाणी पशुवैद्यकिय अधिकाऱ्यांना बेकायदेशीर कत्तलखान्याच्या ठिकाणी जाणेसाठी कोणी आदेश दिलेले होते आणि त्यांची सुध्दा नावे या सभागृहात घोषित झाली पाहिजे. आणि त्यांनी हा विषय निवडणूकीसाठी तहकूब केला होता म्हणून घेतलेला नाही. असे आता सांगितले शिवसेना भा.ज.पा तील सदस्य त्या वेळी नव्हते असे आमचे ज्येष्ठ बंधू श्री. सोनार यांनी सांगितले शिवसेना भा.ज.पा चे सदस्य याठिकाणी नव्हते श्री. सोनार यांनी सांगितले की, सौ मंजूळाताई गावीत यांनी तो विषय तहकूब केला तेव्हा आम्ही बसलो होतो मी त्यांना सांगतो की, तो विषय त्यावेळेस याठिकाणी आला महापौरांनी तो इतिवृत्तात लिहिलेला आहे. महापौरांनी तो विषय डायरेक सभागृहात न आणता २१/०९/२०१३ रोजी पुनश्च तो अभिप्राय घेण्यासाठी आयुक्तांकडे पाठविला तो तहकूब विषय सभागृहात आणला नाही. त्यावेळी आणला असता तर खरोखर आम्ही तुमच्या सोबत राहून आम्ही महापौरांना हा विषय रद्द करायला लावला असता विषय सभागृहात आणण्याचे अधिकार अधिनियम १९४९ प्रमाणे तो अधिकार फक्त महापौरांना आहे. विषय सभागृहात आणायचा किंवा नाही आणावयाचा यानंतर महापौर सौ मंजूळाताई गावीत यांनी ज्यावेळेस दिनांक २१/०२/२०१३ रोजी त्या ठिकाणी आयुक्तांच्या अभिप्रायासाठी पाठवला तो त्यानंतर आपले नगररचनाचे महाभाग अधिकारी यांनी ३१/०१/२०१४ त्यानंतर १४/०३/२०१४ त्याच्या नंतर या अधिकाऱ्यांच्या तारखा आहे. महापौरांना न जुमानता तसेच आपल्या सभागृहातील बॉडीच्या सदस्यांना न जुमानता कत्तलखान्याला डायरेक मंजूरी देऊन टाकली आहे. मी सभागृहाला लक्षात आणून दिले हा विषय आमचे महापौर आणूच शकत नाही. विषय कोणाच्या कारकिर्दित या ठिकाणी आला आहे त्याचे आत्मपरीक्षण केल्यास फार बरे होईल मी या विषयावर जास्त बोलत नाही कारण राजकारण हा स्थायी भाव नाही. परंतु काहीही झाले तरी सभागृहाच्या वतीने महापौर महोदया, ज्या ज्या सदस्यांनी जेजे प्रश्न उपस्थित केले आहे त्या सर्व प्रश्नांचे या अधिकाऱ्यांनी निराकरण सभागृहात द्यावे. असे मी सभागृहाच्या वतीने महापौर यांनी या सभागृहात कारवाई करावी.

म.चंद्रकांत सोनार

मागील महापौरांच्या कार्यकाळात हा विषय इतका गंभीर विषय होता तो त्यावर अधिनियमानुसार कारवाई का केली नाही. संबंधीत अधिकाऱ्यांवर कारवाई का केली नाही. हे तुम्ही सांगण्याच्या ऐवजी तुम्ही सांगितले महापौरांनी याला स्थगिती दिली तो विषय अजेंड्यावर घेतला नाही. हे आपण कशाला सांगत आहात. का घेतला नाही हे सांगा आयुक्त यांनी हा विषय जनतेसमोर सादर केल्यामुळे या सर्वांना अधिकार मिळाला हे पहिल्यांदा झाले आहे. हा जर विषय त्यांच्यापर्यंतच राहीला असता तर त्यांनी त्यांच्या माध्यमातून महासभेपुढे पाठवून दिला असता त्यांनी तसे केले नाही त्यामुळे सर्व जनता जागृत झाली आणि हा विषय आपल्यासमोर आता सभागृहात आला आहे. नाहीतर कुणालाही माहित नव्हते नगररचनाच्या विषया संदर्भात नगरसेवकांनी सांगितले तो विषय महापौरांनी एकमताने नामंजूर केला हे मागे झाले आहे आणि या गोष्टी महापौरांनी अजेंड्यावर घेतल्या नाही. का घेतल्या नाही ते सांगा आयुक्त यांनी हा विषय यांच्यासमोर सादर केला जनतेपुढे सादरकेल्यामुळे धुळ्यातला सर्वात हे पहिल्यांदा झाले आहे हा जर विषय त्यांच्या तिथपर्यंत असता तर त्यांनी त्यांच्या माध्यमातून महासभेपुढे पाठवून दिला असता त्यांनी तसे केले नाही त्यामुळे सर्व पब्लिक जनता जागृत झाली आणि हा आपल्यासमोर आता हा सभागृहात विषय आला आहे नाही तर कुणालाही माहीत नव्हते.

म.अमोल मासुळे

गेल्या महिन्यात मुस्लिमधर्मियांचा रमजान महिना संपून आपल्या हिंदू धर्मियांचा पवित्र श्रावण महिना चालू झाला आणि श्रावण महिना चालू होण्याच्या अगोदर आपले म.न.पा चे आरोग्य अधिकारी महाशयांनी कत्तलखान्याच्या संदर्भात नोटीस प्रसिद्ध केली आहे. कत्तलखान्याची नोटीस काढण्या अगोदर त्यांनी सन्मा. महापौर तसेच सभापती विरोधी पक्षनेते, सभागृह नेते हेही म.न.पा चे सदस्य आहेत त्यांना विश्वासात घेतले का? आपले थुळे शहर हे आगोदरच संवेदनशील शहर म्हणून घोषित झाले आहे आणि आपल्या शहरात या आधीच जातीय दंगली घडून आल्या आहेत यामुळे शहरात सर्व पक्षाचे कार्यकर्ते जातीय सलोखा निर्माण करीत आहेत. आणि यामध्येच आरोग्य अधिकारी यांनी नोटीस काढून शाहरातील वातावरण खराब केले आहे. त्याचप्रमाणे हा जो विषय आहे या ठिकाणी अवैध कत्तलखान्याचे बांधकाम आहे ती जागा ग्रीन झोन मध्ये समाविष्ट आहे. त्या ठिकाणी हा जो कोण हमीद आहे त्यांना गाईच्या गोळ्यासाठी मान्यता देण्यात आली आहे. परंतु तेथे कत्तलखाना उभारण्यात आला आहे तर मी तुम्हाला सांगू इच्छितो सन्मा. महापौर व आयुक्त साहेब संपूर्ण भारतामध्ये अनेक शेतकरी बांधव आहेत शेतकरी बांधवांनी त्यांचेकडे अनेक प्रकारची जनावरे असतात गाई, म्हशी, बैल असतात त्यांनी गोळ्याची परवानगी घेतली आहे का? आतापर्यंत तर या ठिकाणी कत्तलखाना कसा काय उभारला कुठल्या कुठल्या अधिका-यांच्या या ठिकाणी जबाबदार आहे ते सर्व सभागृहाला सांगितले पाहिजे आणि हा जो प्रश्न आहे कत्तलखान्याचा याला जो कोणी जबाबदार आहे. त्यांच्यावर कारवाई करण्यात यावी येत्या काही दिवसा मध्ये सदरचा अवैध कत्तलखाना बंद करण्यात यावा.

म.चंद्रकांत केले

संबंधीत अधिकारी यांना शिक्षा झाली पाहिजे. ते बडतर्फ झाले पाहिजे अशी सभागृहाची भावना आहे. त्यांना तात्काळ निलंबित केले पाहिजे परंतु त्याला एक कायदेशीर स्वरूप असले पाहिजे. आज आपण कारवाई करू शकत नाही यासाठी माझी सूचना आहे. सर्व पदाधिकारी यांची चौकशी समिती नेमण्यात यावी त्या चौकशी समितीत सर्व पक्षाचे गटनेते, विरोधी पक्षनेते, सभागृह नेते यांची एक चौकशी समिती नेमून चौकशी अंती दोषी अधिकारी, कर्मचारी यांना तात्काळ बडतर्फ करावे त्यांच्यावर गुन्हा दाखल करावा व सर्वानुमते मान्यता देण्यात येत आहे. तसेच अवैध कत्तलखाना तातडीने बंद करण्यात यावा, तो तोडण्यात यावा आणि कारवाई करावी व संबंधीत मालक ज्याने हा अवैध कत्तलखाना सुरु केला आहे, उभारला आहे त्याच्यावर सुधा गुन्हा दाखल व्हावा. या संदर्भात शासनाकडे तक्रार दाखल करावी आणि या समितीला सर्वात महत्त्वाचा मुद्दा की वेळेची मर्यादा घालून द्यावी. त्या वेळेच्या मर्यादेमध्ये चौकशी करून अहवाल सादर करण्यात यावा आता या विषयावर खूप चर्चा झाली आहे हा सर्वांचा कॅमन मुद्दा आहे. कोणीही कुरघोडीचे राजकारण करू नये ही चर्चा संपूर्न टाकून संबंधीतांवर कारवाई करण्याबाबत रोलिंग देण्यात यावे.

मा.आयुक्त

कत्तलखान्यासंदर्भात गेल्या अडीच तासापासून चर्चा चालू आहे आणि सर्वात पहिले माझे विधान ऐकून घ्यावे. आणि सर्वांनी नोंद घ्यावी कि हा जो खाजगी कत्तलखाना आहे त्याच्या परवानगी देण्याच्या प्रकरणात सर्व विधान करून जनतेचे मत मागवून जी काही कारवाई इ गाली आहे ते सर्व आयुक्तांनी स्वतः केली आहे. याच्यामध्ये कोणत्याही राजकिय पक्षाचा कोणत्याही अधिकाऱ्याचा, इतर कोणाचाही दबाव नाही. कारवाई जर आयुक्तांनी चुकीची केले आहे जनतेचे मत मागवून जर दोषी असेल तर आपण निश्चित कारवाई करा आणि याच्या नंतर एक एक मुद्यावर सविस्तर उत्तरे देण्याचा प्रयत्न करतो सर्वात अगोदर प्रश्न विचारलेला सन्मा. सदस्य श्री. नरेंद्र परदेशी यांच्या कडून तर वाणिज्य वापरा बाबतचे रेट किती आहेत तर वाणिज्य वापराचे रेट हे रेडीरेकनर नुसार ४ टक्के सध्या आहेत. आणि त्याच्यानुसार बेटरमेंट चार्जेस आपण वसूल करू शकतो ॲक्व्युअल किती केले हे मला फाईल करून सांगता येईल दुसरा प्रश्न असा आहे की, ज्या प्रस्तावित जागेवर खाजगी कत्तलखान्याला परवानगी मागितली आहे ती जागा ॲप्रीकल्चर झोन मध्ये असतांना

कॅटलशेडला परवानगी दिली कशी? हा एक मुद्दा दुसरा प्रश्न असा की, कॅटल शेडची परवानगी कोणी घेत का? ॲंग्रीकल्चर झोन मध्ये कॅटलशेडची परवानगी देता येते त्या वेळच्या तत्कालीन आयुक्तांनी साधारणपणे २०१४ कॅटलशेडची परवानगी देण्यात आली आहे. त्यानंतर आजची परिस्थिती अशी आहे की, ही जागा प्रारूप विकास आराखड्यात ॲंग्रीकल्चर झोनमधून वगळून रहिवास क्षेत्रात समावेश करण्यात आली आहे. तिसरा प्रश्न म्हणजे महासभेने जो ठराव केला २१/०१/२०१४ रोजी त्याच्यावर हरकत वगैरे घेण्यात आलेली आहे का?

म.चंद्रकांत केले

प्रारूप मध्ये जो पर्यंत फायनल होत नाही तो पर्यंत त्याला कुठलाही इफेक्ट नसतो.

मा.आयुक्त

जी काही परिस्थिती आहे त्याची मी माहिती दिली आहे.

म.चंद्रकांत केले

प्रारूपला जरी प्रस्तावित असेल तरी त्याच्यानुसार कारवाई होऊ शकत नाही जो पर्यंत त्याला गव्हरमेंट कडून त्याला अंतिम मान्यता मिळत नाही.

मा.आयुक्त

ॲंग्रीकल्चर झोनमध्ये कॅटलशेडला तात्पुरती परवानगी देण्याची तरतूद आहे त्यानुसार तत्कालीन आयुक्तांनी परवानगी दिलेली आहे.

म.चंद्रकांत केले

कॅटलशेडला कुठल्याही झोन मध्ये परवानगी देता येते अगदी गावामध्ये ही दोन-तिन जनावरांचे गोठे कायदेशीर रित्या दिलेले दिसेल आपल्याकडे प्रशासनाची अपूर्णता आहे, स्टाफ कमी आहे म.न.पा हद्दी मध्ये कुठलाही गोठा करू शकत नाही त्यालाही परवानगी लागते.

मा.आयुक्त

याच्यात जो दुसरा मुद्दा आहे दिनांक २१/०१/२०१४ रोजी विषय आला होता त्याच्यामध्ये त्या कत्तलखान्याचा फक्त उल्लेख आलेला आहे. हा जो कोणी अब्दुल रहेमान कुरेशी याने शहराच्या बाहेर जागा आहे त्याने म.न.पा अटी शर्ती प्रमाणे परवानगी मागितली आहे. पण मूळ विषय त्या सभेमध्ये असा होता आरक्षण क्रमांक ९५ मंजूर विकास आराखड्यामध्ये हा कत्तलखान्यासाठी राखिव आहे आणि ही १.७ जागा असून याच्यामध्ये केंद्र शासनाच्या निधीतून बी.ओ.टी तत्त्वावर स्लॉटर उभारावा किंवा नाही ह्या विषयावर चर्चा चालली होती आणि त्यावेळेस तत्कालीन सदस्यांनी आणि सभागृहाने जो काही निर्णय झाला त्यानुसार तो मूळ विषयामध्ये आहे. त्यानुसार तो तहकूब करण्यात आलेला आहे. त्याच्या मध्ये या गोष्टीचा काही संबंध नाही.

म.चंद्रकांत केले

माझी एक विनंती आहे की, ९५ नंबरचे रिझर्वेशन आहे ते ३७ अन्वये कॅन्सल करावे आणि जो भविष्यात कत्तलखाना होणार आहे तो धुळे शहराच्या हद्दी बाहेर लांब करावा आणि ९५ चे आरक्षण ३७ च्या कलमानुसार रद्द करावे.

मा.आयुक्त

सदस्यांनी हा मुद्दा केला की, हा जो विषय दिव्य मराठी मध्ये जे काही स्टेटमेंट आहे की, कत्तलखान्याचे प्रकरणात राजकिय हितसंबंध खर म्हटल तर मा. महापौरांनी पत्रकार परिषद बोलावती होती आणि त्याच्यामध्ये स्टेटमेंट असे होते की, जी नोटीस काढण्यात आली आहे ती कत्तलखान्यासंदर्भात याच्यात कुठल्याही पुढा-याचे किंवा राजकिय पार्टीचा हस्तक्षेप नाही. प्रशासकीय बाब आहे आणि हे फक्त एकाच वृत्तपत्रात छापले गेले आहे त्यावेळेस पत्रकार परिषदेमध्ये चार ते पाच वृत्तपत्राचे प्रतिनिधी आलेले होते त्याच्यापैकी कोणीही छापलेले नाही. आणि हा जो खुलासा जो या ठिकाणी याच्यासाठी केलेला आहे मी त्यावेळेस या ठिकाणी नव्हतो. मी नागपूरला गेलो होतो ही बातमी मला नागपूरला मिळणार कशी आणि मी रात्री १०/११ वाजता येथे पोहोचलो.

म.नरेंद्र परदेशी

काही लोकांनी तुम्हाला फोन केले असतील असे होऊच शकत नाही.

मा.आयुक्त

फोन जरी केला असेल तरी पण ते वाचल्यावरच मला कळेल ना आणि हा पेपर मला महापौरांनी आताच दिलेला आहे त्याच्या नंतर मी आज खुलासाच केलाच नसता.

म.नरेंद्र परदेशी

तुम्ही राजकिय दबावाला बळी पडला असाल.

| | |
|------------------|--|
| मा.आयुक्त | बिलकूल नाही मी कुठल्याही राजकिय दबावाला बळी पडलो नाही, दुसरा एक मुद्दा उपस्थित केला आहे की, अवैध कत्तलखान्यावर कारवाई का झाली नाही. ती घटना ४ एक महीन्यापूर्वी घडली होती आणि तत्कालीन आरोग्य विभागाचे अधिकारी यांनी दंड केला आहे. त्यांच्यावर नोटीस पाठविली आहे याच्यावर मात्र पुढची कारवाई झालेली नाही. |
| म.नरेंद्र परदेशी | आपण जर नोटीस दिली होती तर ते कत्तलखान्याचे बांधकाम का पाडण्यात आलेले नाही. त्याला ५२-५३ ची नोटीशीची गरज नाही दोन समाजामध्ये जातीय तेढ निर्माण होत असेल तर ते बांधकाम ताबडतोब पाडण्यात आले पाहिजे. |
| मा.आयुक्त | त्याची स्वतःची जागा आहे आणि ते अस्तित्वातील अनधिकृत बांधकाम आहे. आपण त्याला ५२-५३ ची नोटीस दिल्या शिवाय बांधकाम पाडू शकत नाही. आपण नोटीस दिलेली आहे आपण कारवाई करणार आहोत. दुसरे असे की |
| म.मनोज मोरे | माझा प्रश्न असा आहे की, तोजो अर्ज आहे तो कत्तलखान्यात कसा रूपांतरीत झाला आहे. |
| मा.आयुक्त | यामध्ये महत्त्वाचा मुद्दा असा आहे त्यावेळी जी परवानगी गोठवासाठीची त्याची फार दखल घेतली नाही त्याच्या अगोदर १८/०९/२०१३ रोजी तत्कालीन उपआयुक्त यांनी त्याला काही अटी शर्तीवर कत्तलखान्यासाठी नाहरकत प्रमाणपत्र दिलेले आहे. |
| म.संजय गुजराथी | प्रशासनाला डायरेक परवानगी देण्याचा अधिकार आहे का का महासभेला आहे. |
| मा.आयुक्त | प्रशासनाला ३३१ प्रमाणे आयुक्तांनी परवानगी द्यावयाची असेल तर सञ्जेक्ट टू द महानगरपालिकेच्या सहमतीने परवानगी देता येते. महानगरपालिकेची संमती म्हणजे आयुक्तांची परवानगी |
| म.संजय गुजराथी | आता त्यांची नावे डिक्लेअर करावी महानगरपालिकेची संमती नसतांना त्याला कत्तलखान्याला परवानगी देऊन टाकली आता त्या अधिका-यांवर आताच कारवाई करा. |
| मा.आयुक्त | १८/०९/२०१३ रोजी हि परवानगी दिली आहे. त्याच्यावर लिहिलेले आहे की, हाजी अब्दुल रहेमान सर्व नं. ४२९/१ वडजाई रोड धुळे यांनी खाजगी कत्तलखाना सुरु करण्याबाबत अर्ज केला असता खालील अटी शर्तीच्या अधीन राहून नाहरकत प्रमाणपत्र दिले जात आहे. त्यात एक उपायुक्त यांची सही आहे धुळे महानगरपालिका धुळे त्यांचे नाव दिलेले नाही. ही सही कोणाची आहे या बाबत उपस्थित अधिकारी मला सांगू शकतील का ही जी परवानगी आहे उपायुक्त यांनी आपल्या लेव्हल वर दिलेली आहे. त्यात लिहिलेले आहे की, बांधकामाबाबत नाहरकत प्रमाणपत्र खालील अटी शर्ती १) त्यात आजूबाजुच्या जागा मालकांचे नाव पत्ता सह नाहरकत प्रमाणपत्र स्टॅम्प पेपरवर २) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्डाचे नाहरकत प्रमाणपत्र आणि ३) सन २०१३-२०१४ घरपट्टी पावती त्यामध्ये महासभेची परवानगी घ्यावी असे लिहिलेले नाही. १८/०९/२०१३ रोजीच्या परवानगी नंतर कॅटल शेडला परवानगी दिलेली आहे. |
| म.सुभाष जगताप | आपण त्या कत्तलखान्याला एन.ओ.सी दिली आहे. त्यावेळी महापौर कोण होते याचा खुलासा करावा. |
| म.संजय गुजराथी | परवानगी कोणी दिली आहे आणि एन.ओ.सी च्या कागदपत्रांवर कोणाच्या सह्या आहेत तसेच या प्रकरणाचा कायदेशीर भाग याबाबत आयुक्तांनी सांगावे. |
| म. आयुक्त | श्रीमती. दुसाने मॅडम यांनी प्रश्न विचारलेला आहे. की, कत्तलखान्यासाठी लाखो रुपये खर्च केले आहे त्याने तो खर्च केलेला आहे तो त्याच्याशी संबंधीत आहे. माझ्या माहिती प्रमाणे त्यांनी महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्डाचे नो ऑब्जेक्शन सर्टीफिकेट घेतलेले आहे. आणि ते नो ऑब्जेक्शन सर्टीफिकेट घेण्यासाठी आपल्या कार्यालयाने दि. २७/१२/२०१३ रोजी नाहरकत प्रमाणपत्र दिले आहे. तसेच सन्मा. सदस्य श्री. फिरोज शेख यांनी प्रश्न विचारला आहे आरक्षण क्रमांक ९५ बाबत तसेच श्री. अमिन पटेल यांनी एक सूचना केलेली आहे त्यावर महासभेने निर्णय घ्यावयाचा आहे. सन्मा. सदस्य श्री. संजय गुजराथी यांनी पशुवैद्यकीय अधिका-यांबाबत प्रश्न विचारला आहे त्यावेळेस पशुवैद्यकीय अधिकारी कोण होते प्रश्न ३ मुद्दांवर आहे. हा जो विषय आहे सुरुवातीला आला होता दि. ०९/०८/२०१२ रोजी आयुक्तांनी प्रशासकिय |

प्रस्ताव महासभेत घेण्यासाठी पाठविला होता त्यावेळेस श्रीमती. मंजुळाताई गावित ह्या महापौर होत्या जवळ जवळ दोन वर्ष झालेले आहेत हा विषय जनतेच्या भावनेशी निगडीत असा आहे. तसेच जनतेच्या आरोग्याशी संबंधीत आहे कारण की, कत्तलखान्याची जे घाण पाणी आपल्या शहरामधून, नाल्यामधून वाहत जात असते त्यामुळे हा प्रश्न जनतेच्या आरोग्याशी निगडीत आहे. कत्तलखाना घेतांना जे वेगवेगळे नियम आहेत त्याचे पालन केले पाहिजे त्यात सर्वात महत्त्वाचा नियम म्हणजे महाराष्ट्र प्रदुषण कंट्रोल बोर्डाचे एन.ओ.सी सर्टीफिकेट आपण म्हणतोय की हे अनलिंगल आहे मी स्पष्ट बोलतो की हा जो कत्तलखाना आहे तो अनधिकृत आहे. त्याला महाराष्ट्र प्रदुषण कंट्रोल बोर्डाची परवानगी नाही. हा जो कत्तलखान्याचा विषय मागे महासभेमध्ये बी.ओ.टी तत्त्वावर देणे बाबत आला होता तो विषय तहकूब झाला होता. आता खाजगी जागेवर कत्तलखान्याचा प्रस्ताव आलेला आहे. त्याच्यावर आयुक्तांनी स्वतःहुन शहरातील नागरीकांकडून सजेशन आणि ऑब्जेक्शन मागविले होते त्यावेळेस काही पदाधिकारी यांनी महापौरांकडे निवेदने दिली त्याला विरोध करण्यात आला तसेच नागरीकांकडून भरपुर निवेदने आलीत आलेल्या निवेदनाध्ये काही कारणे इतकी चांगली नमूद केलेली आहेत की, संबंधीत नियमांचा खुलासेवार उल्लेख केलेला आहे तुम्हाला जर कत्तलखान्याला परवानगी द्यावयाची असेल त्यासाठी जे नियम आहेत हे नियम असे असल्यामुळे तुम्हाला खाजगी कत्तलखान्याला परवानगी द्यावी किंवा नाही याबाबत विचार करण्यात यावा अशा प्रकरणामध्ये काही सुप्रीम कोर्टाचे डिसीजन सुध्दा त्यांनी जोडलेले आहे म्हणून ह्या विषयाच्या बाबतीत हरकती सुचना मागविल्या नंतर आपली बदनामीही झाली असेल परंतु पण पुढे जेव्हा आपण हा जो विषय आहे आज नाही उद्या नाही परवा हा विषय संपणार नाही.पुढे निवडणूकीची आचार संहिता संपल्यानंतर हा विषय येणार आहे. हा विषय आला असतांना आणि आपण नोटीस प्रसिद्ध केल्या नंतर यावर आपला फायदा असा झाला की, जे काही आपले कत्तलखान्या संबंधी नियम वगैरे या सगळ्या गोष्टीतून आपण गेलो जे निवेदन आले आहेत त्याच्यातुन आपल्याला फायदा होईल. आणि एक गोष्ट आपल्याला कळली की, जनतेला विश्वासात घेतल्या शिवाय महासभेत पारीत करणे अतिशय कठीण आहे. म्हणून या विषयात एक ट्रान्सपरन्सी आली आहे. हा विषय कशामुळे उघडकीस आला आहे आपण नोटीस प्रसिद्ध केल्या नंतर ती सर्व निवेदने आली आहेत ही नोटीस प्रसिद्ध केल्या नंतर आम्ही जी नोटीस प्रसिद्ध केल्यामुळे अनेक लोक जागे झालेत त्यावर आरोप प्रत्यारोप झालेत तसे काही या प्रकरणात मी काही वेगळे केले असेल तर आपण जरुर माझ्यावर कारवाई करावी पण जे काही माझ्या सद्‌विवेकबुद्धीनुसार आजही मला असे वाटते की, जे काही सजेशन ऑब्जेक्शन मागविण्याचा उद्देश हा प्रामाणिक होता मी माझ्या कर्मचा-यांना सांगितले होते की हा विशय महासभेकडे पाठवितांना जनतेच्या हरकती आणि सुचना मागविणे आवश्यक आहे. त्याबद्दल मला एवढेच सांगावयाचे आहे महासभेत विषय घेण्याअगोदर जनतेच्या हरकती सुचना मागविणे आवश्यक आहे हा माझा प्रामाणिक हेतु होता. त्यावर जवळ जवळ पन्नास हजार निवेदने आलेली आहेत हे सर्व काही आले असतांना एका सन्मा.सदस्याने माझ्यावर सरळ सरळ आरोप केलेला आहे की, की आपण जनतेच्या भावना भडकवीत आहात. त्यांना एवढेच सांगावयाचे आहे की तसा मी निधर्मी माणुस आहे कोणत्याही जातीचा आणि समाजाचा मी विचार करणार नाही. पण हे करत असतांना जनतेच्या सोयी पाहणे हे महत्त्वाचे काम आहे. त्याप्रमाणे कारवाई केली आहे तरी याबद्दल काही गैरसमज झाले असतील ते आपण दूर करण्यात यावेत आणि ही जी चौकशीची मागणी केली आहे यावर पिठासीन अधिकारी महापौर यांनी निर्णय घ्यावयाचा आहे. मी माझे निवेदन संपवितो.

आजच्या सभेत उपस्थित पदाधिकारी, नगरसेवक यांनी चर्चा केलेली आहे. चर्चेच्या अनुषंगाने आयुक्त साहेबांनी जो खुलासा केलेला आहे. हा खुलासा ऐकून घेत असतांना त्या

ठिकाणी प्रशासनाने खुप मोठी चूक केलेलीआहे.सर्व सन्मा.सदस्यांनी उपस्थित केलेले मुद्दे व झालेल्या चर्चनुसार मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३३१(१) नुसार खाजगी कत्तलखाना स्थापन करण्यास मनपा ठरवू शकते.तसेच खाजगी कत्तलखान्याच्या प्रस्तावास महासभेची सहमती आवश्यक आहे.मनपा प्रशासनामार्फत सदर नियमाचे उल्लंघन झालेले असून मे.महासभेच्या निर्णयाआधीच धुळे स.नं.४२९/१ येथे खाजगी कत्तलखाना सुरु करणेस परवानगी देण्यांची कार्यवाही सुरु करण्यांत आलेली आहे. सदर बाब ही अतिशय बेकायदेशीर व नियम बाह्य स्वरूपाची असून या कार्यवाहीमुळे संपूर्ण धुळे शहरातील वातावरण कलुशित झालेले असून जातीय सलोख्याबरोबर कायदा व सुव्यवस्थेला धक्का लागण्याची गंभीर परिस्थिती निर्माण झालेली आहे.तसेच प्रशासनाच्या एकतर्फी कार्यवाहीमुळे नागरीकांमध्येही संशयाचे वातावरण तयार होऊन लोकप्रतिनिर्धनाही या रोषास सामोरे जावे लागलेले आहे.

खाजगी जागेवर कत्तलखाना सुरु करणेसाठी दिनांक १३/८/२०१३ ला संबंधित अर्जदाराने परवानगी मागितली होती. संबंधित अर्जदारास अटी व शर्तीचे अधीन राहून कागदपत्रांची पुर्तता करणेकामी दिनांक १८/९/२०१३ ला नाहरकत प्रमाणपत्र प्रशासनातर्फ देण्यांत आले.संबंधित अर्जदाराने अटी व शर्तीची पूर्तता करण्याआधी व परवानगी मिळण्यापूर्वीच कत्तलखान्याचा वापर सुरु केल्यामुळे संबंधित जागेवर प्रशासनातर्फ प्रत्यक्ष पहाणी करून पंचनामा करण्यांत आला. व दिनांक १/१०/२०१३ रोजी संबंधितास नोटीस देऊन १२०० रुपये दंडाची आकारणी करण्यांत आली.सदर ठिकाणी अनधिकृतपणे व परवानगी पूर्वीच कत्तलखाना सुरु केल्याचे तसेच अनधिकृत बांधकाम केल्याचे आढळून आले आहे.तसेच प्रशासनाने त्याच्या अधिकारात सदर कत्तलखान्यास संमतीपत्र देण्याबाबत महाराष्ट्र प्रदुषण मंडळास दि.२७/१२/२०१३ रोजी पत्र सादर केलेले आहे.

तसेच महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे नियमाविरुद्ध व विकास नियंत्रण नियमांच्या विरुद्ध संबंधितांना गार्यांच्या गोठ्यासाठी बांधकाम परवानगी मनपा प्रशासनामार्फत देण्यांत आलेली आहे.

खाजगी कत्तलखान्याबाबत नियमानुसार करण्यांत येणारी कार्यवाही प्रलंबीत असतांना प्रशासना मार्फत परवानगी देणेबाबत वर्तमान पत्रातून जाहिरात देण्यांत येऊन हरकती व सुचना मागविण्यांत आल्या आहेत.प्रशासनाच्या या सर्व नियमबाब्य व बेकायदेशीर बाबीमुळे संपूर्ण शहरात संशयाचे व गैरसमजाचे वातावरण निर्माण झालेले असून विविध संघटना व पक्षातर्फ मोर्चे निवेदने व आंदोलने करण्यांत आलेली आहे.तसेच माजी आमदार श्री.राजवर्धन कदमबांडे यांनीही या बेकायदेशीर कार्यवाही विरुद्ध पत्र देऊन कारवाईची मागणी केलेली आहे. सदर बाब अतिशय संवेदनशील असल्याने प्रशासनाच्या या बेकायदेशीर व नियमबाब्य कार्यवाहीमुळे लोकप्रतिनिर्धना वेठीस धरले जात आहे.

सबब सभागृहाच्या भावना लक्षांत घेता उक्त बाबीबाबत चौकशी करण्यासाठी मनपा पदाधिकारी व सर्व पक्षांचे गटनेते यांची चौकशी समिती नेमून चौकशी अंती दोषी अधिकारी व कर्मचारी यांना तात्काळ बडतर्फ करून त्यांच्यावर गुन्हा दाखल करणेस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे. सदर चौकशी व कार्यवाही १० दिवसांच्या आंत पूर्ण करावी तसेच सदर अवैध व बेकायदेशीर कत्तलखाना तांतडीने बंद करण्याबाबत तसेच अनाधिकृत बांधकाम तोडणेबाबत प्रशासनाने तात्काळ कार्यवाही करावी व संबंधित मालकाविरुद्ध गुन्हा दाखल करावा.उक्त चौकशी समितीची कार्यवाही व प्रक्रिया पूर्ण करण्यासाठी मा. आयुक्त यांना प्राधिकृत करण्यांत येत आहे. यासंदर्भात शासन स्तरावरील नगरविकास विभागकडील उच्च स्तरीय अधिका-यामार्फत या संपूर्ण प्रकरणाची चौकशी करणेबाबत व त्यासंदर्भात तक्रार दाखल करणेबाबत मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्व सन्मा.सदस्यांनी उपस्थित केलेले मुद्दे व झालेल्या चर्चेनुसार मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३३१(१)नुसार खाजगी कत्तलखाना स्थापन करण्यास मनपा ठरवू शकते. तसेच खाजगी कत्तलखान्याच्या प्रस्तावास महासभेची सहमती आवश्यक आहे.मनपा प्रशासनामार्फत सदर नियमाचे उल्लऱ्हन झालेले असून मे. महासभेच्या निर्णयाआधीच धुळे स.नं.४२९/१ येथे खाजगी कत्तलखाना सुरु करणेस परवानगी देण्यांची कार्यवाही सुरु करण्यांत आलेली आहे. सदर बाब ही अतिशय बेकायदेशीर व नियम बाह्य स्वरूपाची असून या कार्यवाहीमुळे संपूर्ण धुळे शहरातील वातावरण कलुशित झालेले असून जातीय सलोख्याबरोबर कायदा व सुव्यवस्थेला धक्का लागण्याची गंभीर परिस्थिती निर्माण झालेली आहे.तसेच प्रशासनाच्या एकतर्फा कार्यवाहीमुळे नागरीकांमध्येही संशयाचे वातावरण तयार होऊन लोकप्रतिनिधींनाही या रोषास सामोरे जावे लागलेले आहे.

खाजगी जागेवर कत्तलखाना सुरु करणेसाठी दिनांक १३/८/२०१३ ला संबंधित अर्जदाराने परवानगी मागितली होती. संबंधित अर्जदारास अटी व शर्तीचे अधीन राहून कागदपत्रांची पुरता करणेकामी दिनांक १८/९/२०१३ ला नाहरकत प्रमाणपत्र प्रशासनातर्फे देण्यांत आले.संबंधित अर्जदाराने अटी व शर्तीची पूरता करण्याआधी व परवानगी मिळण्यापूर्वीच कत्तलखान्याचा वापर सुरु केल्यामुळे संबंधित जागेवर प्रशासनातर्फे प्रत्यक्ष पहाणी करून पंचनामा करण्यांत आला. व दिनांक १/०/२०१३ रोजी संबंधितास नोटीस देऊन १२०० रुपये दंडाची आकारणी करण्यांत आली.सदर ठिकाणी अनधिकृतपणे व परवानगी पूर्वीच कत्तलखाना सुरु केल्याचे तसेच अनधिकृत बांधकाम केल्याचे आढळून आले आहे. तसेच प्रशासनाने त्यांच्या अधिकारात सदर कत्तलखान्यास संमतीपत्र देण्याबाबत महाराष्ट्र प्रदुषण मंडळास दि.२७/१२/२०१३ रोजी पत्र सादर केलेले आहे.

तसेच महाराष्ट्र प्रावेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे नियमाविरुद्ध व विकास नियंत्रण नियमांच्या विरुद्ध संबंधितांना गार्यांच्या गोठयासाठी बांधकाम परवानगी मनपा प्रशासनामार्फत देण्यांत आलेली आहे.

खाजगी कत्तलखान्याबाबत नियमानुसार करण्यांत येणारी कार्यवाही प्रलंबीत असतांना प्रशासना मार्फत परवानगी देणेबाबत वर्तमान पत्रातून जाहिरात देण्यांत येऊन हरकती व सुचना मागविण्यांत आल्या आहेत.प्रशासनाच्या या सर्व नियमबाह्य व बेकायदेशीर बाबीमुळे संपूर्ण शहरात संशयाचे व गैरसमजाचे वातावरण निर्माण झालेले असून विविध संघटना व पक्षातर्फे मोर्चे निवेदने व आंदोलने करण्यांत आलेली आहे. तसेच माजी आमदार श्री.राजवर्धन कदमबांडे यांनीही या बेकायदेशीर कार्यवाही विरुद्ध पत्र देऊन कारवाईची मागणी केलेली आहे. सदर बाब अतिशय संवेदनशील असल्याने प्रशासनाच्या या बेकायदेशीर व नियमबाह्य कार्यवाहीमुळे लोकप्रतिनिधींना वेठीस धरले जात आहे.

सबब सभागृहाच्या भावना लक्षांत घेता उक्त बाबीबाबत चौकशी करण्यासाठी मनपा पदाधिकारी व सर्व पक्षांचे गटनेते यांची चौकशी समिती नेमून चौकशी अंती दोषी अधिकारी व कर्मचारी यांना तात्काळ बडतर्फे करून त्यांच्यावर गुन्हा दाखल करणेस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे. सदर चौकशी व कार्यवाही १० दिवसांच्या आंत पूर्ण करावी तसेच सदर अवैध व बेकायदेशीर कत्तलखाना तांतडीने बंद करण्याबाबत तसेच अनाधिकृत बांधकाम तोडणेबाबत प्रशासनाने तात्काळ कार्यवाही करावी व संबंधित मालकाविरुद्ध गुन्हा दाखल करावा.उक्त चौकशी समितीची कार्यवाही व प्रक्रिया पूर्ण करण्यासाठी मा. आयुक्त यांना प्राधिकृत करण्यांत येत आहे. यासंदर्भात शासन स्तरावरील नगरविकास विभागाकडील उच्च स्तरीय अधिका-यामार्फत या संपूर्ण प्रकरणाची चौकशी

करणेबाबत व त्यासंदर्भात तक्रार दाखल करणेबाबत मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ३३

मागील जनरल बोर्ड सभांचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे.

(दि. २८/८/१३, १९/९/१३, १४/१०/१३, ३१/१/२०१४)

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४१ (१) दिनांक ११/८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मागील जनरल बोर्ड सभा...

- १) दिनांक २८/८/२०१३ चे सभेतील धुळे मनपा ठराव नंबर २०३ ते २०७ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.
- २) दिनांक १९/९/२०१३ चे सभेतील धुळे मनपा ठराव नंबर २०८ ते २२७ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.
- ३) दिनांक १४/१०/२०१३ चे सभेतील धुळे मनपा ठराव नंबर २२८ ते २४२ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.
- ४) दिनांक ३१/१/२०१४ चे सभेतील धुळे मनपा ठराव नंबर ४ ते २२ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ३४ महिला व बालकल्याण समिती सभचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे. (३१/५/२०१४, १/८/२०१४)

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४२ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महिला बालकल्याण समिती सभा दिनांक ३१/५/२०१४ चे ठराव क्रं.१ ते ३ अखेर ठराव क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.

तसेच दिनांक ०१/०८/२०१४ चे ठराव क्रं.४ ते १० अखेर ठराव क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ३५

सन्मा. सदस्य श्री. अमोल पावबा मासुळे यांच्या पत्रानुसार पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होळकर यांची प्रतिमा लावणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४३ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे प्रभाग क्रं.३१ व चे नगरसेवक श्री. अमोल (बंटी भाऊ) पावबा मासुळे यांनी मा. महापौर सौ. यांचे नावे पत्र देऊन म.न.पा. सभागृहात पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होळकर यांची प्रतिमा लावणेबाबत विनंती केली आहे

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्यादेवी होळकर यांचा शासन मान्य आकारातील फोटो (प्रतिमा) मनपा सभागृहास लावण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ३६

सन्मा. सदस्या सौ. ललीता रविंद्र आघाव यांच्या पत्रानुसार भारताचे केंद्रीय मंत्री कै. गोपीनाथजी मुंढे यांची प्रतिमा सभागृहात लावणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४४ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे भारताचे केंद्रीय मंत्री कै.गोपीनाथजी मुंदे यांची प्रतिमा सभागृहात लावणेबाबत नगरसेविका सौ.ललीता रविंद्र आघाव यांनी मा.महापौर यांचेकडे स पत्र सादर केले आहे.

भारताचे केंद्रीय मंत्री कै. गोपीनाथजी मुंदे हे महाराष्ट्राचे नव्हे तर देशाचे लोकनेते असून बहुजन समाजाचे महनीय नेता होते.त्यांची प्रेरणा व आदर्श कायम स्वरूपी नजरेसमोर रहावा यासाठी त्यांची प्रतिमा मनपा सभागृहात लावणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार कै.गोपीनाथजी मुंदे यांची शासन मान्य आकारातील फोटो (प्रतिमा) मनपा सभागृहात लावणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-३७

मा.श्री.फारुक अन्वर शहा उपमहापौर व श्री.अन्सारी गुफरान अहमद,उपसभापती मनपा शिक्षण मंडळ धुळे व सन्मा.नगरसेवकांच्या पत्रानुसार वॉर्ड क्र.२२ धुळे येथील माधवपुरा भागात मक्का मशिदीपासून तर बडजाई रोडपावेतोचे रस्त्यास थोर समाजसेवक स्व.अ.मजिद चालाक मार्ग असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४५ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हड्डीतील वॉर्ड क्र.२२ मध्ये माधवपुरा भागात मक्का मशिदी पासून ते बडजाईरोड पावेतोचे रस्त्यास थोर समाजसेवक स्व.अ.मजिद चालाक मार्ग असे नामकरण करणेबाबत मा. श्री.फारुक अन्वर शहा, उपमहापौर व श्री.अन्सारी गुफरान अहमद,उपसभापती मनपा शिक्षण मंडळ धुळे यांनी निवेदन दिले असून व सन्मा. नगरसेवकांनी शिफारस केलेली आहे.

सन्मा.उपसभापती मनपा शिक्षण मंडळ व मनपा नगरसेवकांनी शिफारस केले प्रमाणे उक्त रस्त्यास स्व.अब्दुल मजिद चालाक मार्ग असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-३८

सन्मा.सौ.कशीश गुलशन उदासी, सभापती महिला व बालकल्याण समिती मनपा धुळे यांच्या पत्रानुसार कुमारनगर प्रभाग क्रं.१६ मध्ये ब्लॉक नं. P५ व P ६ च्या कॉर्नरला पुज्य लालसाई मित्रमंडळ असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४६ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कुमारनगर प्रभाग क्रं.१६ मध्ये ब्लॉक नं. P५ व P ६ च्या कॉर्नरला पुज्य लालसाई मित्रमंडळ असे नामकरण करणेबाबत सन्मा.सौ.कशीश गुलशन उदासी, सभापती महिला व बालकल्याण समिती मनपा धुळे यांनी मागणी केलेली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या मागणी प्रमाणे ब्लॉक नं. P५ व P ६ च्या कॉर्नरला पुज्य लालसाई मित्र मंडळ असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

र्विषय क्रमांक:- ३९

सन्मा.सभागृह नेते श्री.कमलेश नारायण देवरे यांचे पत्रानुसार धुळे शहरात मध्यवर्ती भागात नं.२ येथे प्राचीन असे लालबाग मारोती मंदिराजवळील चौकास जेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ते व अखिल भारतीय तेली समाजाचे माजी प्रथम अध्यक्ष कै.श्रीमंत भिला भगवान अहिरराव

चौक असे नामकरण करणेबाबत सूचित केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४७ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा.सभागृह नेते श्री. कमलेश नारायण देवरे यांचे पत्रानुसार धुळे शहरात मध्यवर्ती भागात नं.२ येथे प्राचीन असे लालबाग मारोती मंदिराजवळील चौकास जेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ते व अखिल भारतीय तेली समाजाचे माजी प्रथम अध्यक्ष कै. श्रीमंत भिला भगवान अहिरराव चौक असे नामकरण करणेबाबत सूचित केले आहे.

धुळे शहरात मध्यवर्ती भागात ग. नं.२ येथे प्राचीन असे लालबाग मारोती मंदिर आहे.तसेच मंदिराजवळ मोठा चौक आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार सदर चौकास जेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ते तसेच अखिल भारतीय तेली समाजाचे माजी प्रथम अध्यक्ष कै.श्रीमंत भिला भगवान अहिरराव चौक असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४०

सन्मा.सदस्य मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम पटेल यांच्या पत्रानुसार मनपा हृदीतील वॉर्ड क्रं.२७ वडजाईरोड भागात रहेमत मशिद जवळील चौकास हाजी अब्दुल हमीद सरदार असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४८ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मनपा हृदीतील वॉर्ड क्रं.२७ वडजाईरोड भागात रहेमत मशिद जवळील चौकास हाजी अब्दुल हमीद सरदार असे नामकरण करणेबाबत सन्मा. सदस्य मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम पटेल यांनी मागणी केलेली आहे.

सन्मा.नगरसेवक व नागरीकांचे मागणी नुसार वडजाईरोड भागात रहेमत मशिद जवळील चौकास हाजी अब्दुल हमीद सरदार चौक असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११मधील कलम २/१अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४१

सौ.कशिश गुलशन उदासी, सभापती महिला व बालकल्याण समिती मनपा, धुळे यांचे पत्रानुसार कुमारनगर मधील ब्लॉक नं. H१ ते H ६ चा कॉर्नरला सच्ची संतरामधाम चौक असे नामकरण करणेबाबत सूचित केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ४९ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा.सौ.कशिश गुलशन उदासी सभापती महिला व बालकल्याण समिती मनपा धुळे यांनी दि.२०/६/१४ रोजी पत्र देवून मनपा हृदीतील कुमारनगर भागातील ब्लॉक नं. H १ ते H ६ चे कॉर्नरला सच्ची संतरामधाम चौक असे नामकरण करणेबाबत मागणी केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या मागणीनुसार मनपा हृदीतील कुमारनगर भागातील ब्लॉक नं. H १ ते H ६ चे कॉर्नरला सच्ची संतरामधाम चौक असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४२

सन्मा.सदस्य श्री.मनोज मोरे यांच्या पत्रानुसार कुमारनगर मधील ब्लॉक नं.Q १ ते Q ६ चे कॉर्नरला भाईसाहब मंगतरामजी उदासी असे नामकरण करणेबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५० दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. सदस्य श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांचे दि.२४/६/२०१४ च्या पत्रानुसार मनपा हड्डीतील कुमारनगर भागातील ब्लॉक नं.Q १ ते Q ६ च्या कॉर्नरला भाईसाहब मंगतरामजी उदासी असे नामकरण करणेबाबत यादी देवून मागणी केलेली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार मनपा हड्डीतील कुमारनगर भागातील ब्लॉक नं.Q १ ते Q ६ च्या कॉर्नरला भाईसाहब मंगतरामजी उदासी असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४३

धुळे मनपासार्वत्रिक निवडणूकीनंतर नव्याने कौन्सील अस्तित्वात आलेली असल्याने धुळे महानगरपालिकेत वृक्ष समिती गठीत करणे आवश्यक आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५१ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे पर्यावरणाचे संतुलन सांभाळण्यासाठी अधिनियमानुसार धुळे महानगरपालिकेमार्फत वृक्ष समिती गठीत करणे आवश्यक आहे.सद्यास्थितीत नवीन कौन्सील अस्तित्वात आल्याने नवीन वृक्ष समितीचे गठन करणे आवश्यक आहे.

सन १९७५ चा महाराष्ट्र अधिनियम क्र.४४ महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडाचे जतन अधिनियम १९७५अन्वये प्रकरण २ मधील कलम ३ चा (१) कोणतेही नागरी क्षेत्रात अधिनियमअंमलात आणल्या नंतर शक्य तितक्या लवकर संबंधित नागरी स्थानिक प्राधिकरण आपल्या सदस्यांमधून ते प्राधिकरण ठरवतील अशा रीतीने आणि अशा मुदतीसाठी नेमण्यात आलेल्या (अध्यक्ष व इतरांसह) कमीत कमी ५ आणि जास्तीत जास्त १५ व्यक्तीचे मिळून बनविलेले एक वृक्ष प्राधिकरण समिती गठीत करील अशी तरतुद आहे. त्याअनुषंगाने सदर समितीचे अध्यक्ष मा.आयुक्त मनपा धुळे हे असतील. वृक्ष समिती गठीत करण्याबाबत गटातील सदस्य संख्येनुसारआपआपल्या गटातील सदस्यांची नांवे सूचित करण्याबाबत कल्विण्यांत आले आहे. त्यानुसार खालील प्रमाणे वृक्ष समिती गठीत करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

१) मा. आयुक्त सो. (पदसिध्द) अध्यक्ष २)श्री. मोरे मनोज दादासाहेब

३)श्री. गायकवाड जगदीश अप्पाजी

४)श्री. शिंदे सोनल दिलीप

५)श्री. अन्सारी महंमद उमर शव्वाल

६)श्री. बोरसे रमेश महादू

७)सौ. वाडिले नलिनी हनुमंत

८)सौ.आघाव ललीता रविंद्र

९)सौ. चौधरी प्रभावती राजेंद्र

१०)श्रीमती जुलाहा रशमीबानो अकील अहमंद

११)श्री. गुजराथी संजय नारायण

१२)श्री. श्रीखंडे प्रशांत रमेश

१३)सौ.मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन) प्रकाशचंद्र १४)श्रीमती ईशी सुशीलाबाई यशवंत

१५)श्री.पठाण इस्माईल खां हाजी लुकमान खा

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-४४

सन्मा.सदस्य श्री.अमोल मासुळे यांच्या यादीनुसार पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर पुतळा टॉवर गार्डन मध्येच दर्शनी बाजूस स्थलांतरीत करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५२ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होळकर पुतळा टॉवर गार्डन मध्येच दर्शनी बाजूस स्थलांतरीत करणेबाबत श्री.अमोल मासुळे नगरसेवक यांनी दि.२४/६/२०१४रोजी यादी दिलेली आहे.

महाराष्ट्र शासन निर्णय क्रं.स्मारक२१०२/८८४/प्र.क्र.१२२/२००२/२९ /TS २ फेब्रुवारी २००५ च्या निर्णयानुसार राष्ट्र पुरुष/ थोर व्यक्ती यांचा पुतळा उभरण्यास परवानगी देण्यासाठी मार्गदर्शक तत्वात पुतळे उभारण्यासाठी परस्पर शासनाकडे अर्ज न करता असे अर्ज जिल्हाधिका-याकडे करणे आवश्यक आहे.

तथापि पुतळा स्थलांतरीत करणेबाबत जिल्हा स्तरीय समितीची परवानगी घेणेबाबत तरतूद नाही.व यासाठी महासभेची मान्यता घेणे आवश्यक असून पुतळा सुस्थितीत स्थलांतरीत करणेची जबाबदारी संस्थेची राहील या अटीवर पुतळा स्थलांतरीत व नुतनीकरण करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४५

ऊर्जा संवर्धन पथदर्शी प्रकल्प राबविणे व पाणी पुरवठा पथदिवे योजनांमध्ये ऊर्जा बचतीचे संयंत्र बसविणेसाठीच्या अर्थसहाय्य योजनेत सहभागी होणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५३ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महाराष्ट्र ऊर्जा विकास अभिकरण, (मिड) पुणे यांचेकडील पत्र इसीएन/२०१४-१५/ सी.आर.०१/४२४ दि. ७/६/२०१४ व पत्र इसीआर/ २०१४-१५ /सीआर ०२/४२०८ दि. १४/६/२०१४ च्या पत्रानुसार अपारंपरिक ऊर्जा संवर्धन (सौर ऊर्जा) पथदर्शी प्रकल्प राबविणेसाठी व ऊर्जा बचतीचे संयंत्र बसविणेसाठी अर्थसहाय्य योजनांमध्ये सहभागी होणे बाबत कळविले आहे.

ऊर्जा संवर्धन पथदर्शी प्रकल्प (सोलर पॉवर पॅक) राबविण्यासाठी अर्थसहाय्य योजनेसाठी कमाल रु.२५ लाख अनुदान मिळणार आहे.तसेच पथदिवे/ पाणीपुरवठा योजनामध्ये ऊर्जा बचतीचे संयंत्रे आस्थापित करणेसाठी अर्थसहाय्य योजनुनसार ऊर्जा बचतीच्या संयंत्रासाठी पथदिवे संयंत्रे करिता रु. २० लाख व पाणीपुरवठा योजना करिता रु. ५ लाख अनुदान मिळणार आहे. उक्त प्रमाणे दोन्ही अर्थसहाय्य योजनांकरिता ऊर्जा परिक्षण करणे अनिवार्य आहे तसेच सदर लेखा परीक्षण मिडा(महाऊर्जा) यांचेकडील नोंदणीकृत ऊर्जा परिक्षण संस्थेकडून करणे बंधनकारक आहे.

महाऊर्जा,पुणे यांचेकडील अनुदान योजनेत सहभागी होणेकरिता लेखापरिक्षण करणे,अंदाजपत्रक, प्रकल्प अहवाल, ऊर्जा बचत इ. बाबत सविस्तर प्रकल्प सादरीकरण करणे आवश्यक आहे. सदर पथदर्शी प्रकल्पात देवपूर प्रभाग कार्यालय, नवरंग जलकुंभ इमारत येथे सोलर पॉवर पॅक (१० के.एस.यु.क्षमता) बसविणे प्रस्तावित आहे.

या योजनेत सहभागी होणेकरिता महाराष्ट्र ऊर्जा अभिकरण पुणे यांना परिशिष्ट १ व हमीपत्र (परिशिष्ट २) सह पत्र पाठविणेस तसेच या योजनेत सहभागी होणेकरिता विद्युत लेखापरीक्षण करणे, अंदाजपत्रक तयार करणे, नकाशा व ऊर्जा बचतीचा तपशील इ. बाबत विवरण सह प्रकल्प अहवाल तयार करणेसाठी, पात्र तज्ज सल्लागार नेमणेसाठी निविदा

मागविणेस मागविणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच सदर संयंत्रे मनपा सुतिकागृह व दवाखाने या अत्यावश्यक ठिकाणी बसविण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक :- ४६

पेठ बीफ मार्केट सि.स.नं. २२४६ मधील ओटा क्रमांक ७ अ श्री. शब्दीर म. हनीफ यांना ६ वर्ष मुदत वाढ देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५४ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा मालकीचे पेठ बीफ मार्केट सि.स.न. २२४६ मधील ओटा नं. ७ अ लिलावाची जाहिरात दैनिक पुण्यनगरी या वर्तमानपत्रात देऊन दिनांक ०४/०८/२०११ रोजी जाहीर लिलाव ठेवण्यात आला होता सदर लिलावात श्री. शब्दीर मंहमद हनीफ यांनी लिलावात बोली रु. १,७५,०००/- मात्र सर्वाधिक बोली बोलल्यामुळे दिनांक ८/८/२०११ च्या कार्यालयीन टिपणीस म. आयुक्त सांगी मंजुरी दिल्या नुसार ३ वर्ष मुदतीकरिता करारनामा करून भाडे तत्वावर देण्यात आला होता त्याची दिनांक ३१/०७/२०१४ रोजी पुर्ण होत आहे.

अर्जदार यांनी दिनांक ०२/०४/२०१४ रोजी अर्ज देऊन ६ वर्ष मुदतवाढ मिळणे बाबत विनंती अर्ज सादर केल्यामुळे त्यानुसार कार्यालयीन टीपणी ठेवुन म. नगररचनाकार सांगी दिनांक २२/०५/२०१४ रोजी उक्त ओटाचे डिपॉझिट रुपये १,९६,०००/- मात्र व दरमहा भाडे रु. १९६० मात्र ठरवुन दिलेले आहे म्हणजेच पुर्वीच्या डिपॉझिटमध्ये रुपये २९,०००/- मात्रने रेडीरेक्नर नुसार वाढ करून दिलेली आहे

तरी म. नगररचनाकार यांनी ठरवुन दिलेले डिपॉझिट रु. १,९६,०००/- मात्र व दरमहा भाडे रु. १९६०/- मात्र शासनाचे स्थायी निर्देश क्रमांक २४ नुसार लिलाव न करता भाडे तत्वावर देणेसाठी दरवर्षी १०% भाडेवाढ करावी लागेल.

मुंबई प्रांतीक मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम ७९(क) नुसार अर्जदार यांना ३ वर्ष मुदतवाढ देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. संबंधितांकडून मनपा अटीशर्तीनुसार करारनामा करून घेण्यांत यावा.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ४७

प्रारूप बांधकाम उपविधी विकास नियंत्रण नियमावली मंजुरीबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५५ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे प्रारूप बांधकाम उपविधी विकास नियंत्रण नियमावली संदर्भात दिनांक १/७/२०१४ रोजी म. राज्यमंत्री नगरविकास विभाग मंत्रालय, मुंबई येथे बैठक संपन्न झाली. त्यात त्यांनी सुधारीत अ. ब. क. नगरपालिकेचे विकास नियंत्रण नियमावली लागू करण्याची महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ अन्वये कार्यवाही पूर्ण करून तसा प्रस्ताव शासनाकडे सादर केल्यास त्यास मंजुरी देण्यांत येईल असे सूचित केले आहे.

धुळे महानगरपालिका हड्डीसाठी सुधारीत अ वर्ग नगरपालिकेचे विकास नियंत्रण नियमावली लागू करण्याकामी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६चे कलम ३७ नुसार कार्यवाही करणे आवश्यक आहे.

त्याअनुषंगाने धुळे शहरासाठी विकास योजना शासन निर्णय क्र. टीपीएस/१०१२/५२६(न) पुर्नबांधणी क्र. ६२ प्र. क्र. १०६/१२/नवि ९ दिनांक २८/१२/२०१२

च्या अधिसुचनेव्हारे मंजूर असून त्या सोबत अंतर्भूत असलेली विकास नियंत्रण नियमावली लागू आहे. ही नियमावली फार पूर्वीची असल्याने त्यात अमूलाग्र बदल आवश्यक आहे. अलीकडे शासनाने अ.ब व क वर्ग नगरपालिकेसाठी शासन अधिसुचना क्र. TPS-१८१२/१५७/cr-७१/१२ Reconstruction No. ३४/१२/DP/UD- १३ दिनांक २१/११/२०१३ अन्वये प्रमाणित विकास नियंत्रण व प्रोत्साहन नियमावली मंजूर केली असून ती सर्व नगरपरिषदांना लागू झालेली आहे. सदर नियमावली ही सर्व समावेशक असल्याने ती धुळे महानगरपालिका क्षेत्रात लागू करणे सर्वाच्या हिताचे आहे. सबब सध्या धुळे म.न.पा. क्षेत्रासाठी लागू असलेली नियमावली संपुष्टात आणून शासनाचे उपरोक्त दि. २१/११/२०१३ नुसार मंजूर करण्यात आलेली सुधारीत अ वर्ग नगरपरिषदेसाठीची नियमावली लागू करण्यासाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ नुसार फेर बदलाची कारवाई करण्यास मंजूरी देण्यांत येत आहे. तसेच ही नियमावली शासनाच्या मंजूरी नंतरच महानगरपालिकेस लागू होईल. सद्यस्थितीत अ वर्ग नगरपालिकेसाठी असलेली जुनी नियमावली अस्तित्वात राहील.

वरील प्रमाणे महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम ३७ नुसार आवश्यक ती कारवाई करण्यास आयुक्तांना प्राधिकृत करण्यांत येत आहे. तसेच हा फेरबदल प्रसिद्ध केल्यानंतर त्यावर प्राप्त होणा-या सुचना व हरकतीवर योग्य तो निर्णय घेवूनउक्त कलमान्वये फेरबदल प्रस्ताव शासनास सादर करण्यास ही सभा आयुक्तांना प्राधिकृत करीत आहे. तसेच ड वर्ग महानगरपालिकांसाठी शासनाकडून तयार होणारी नवीन नियमावली मंजूर होऊन लागू होई पावेतोच वरील नियमावली लागू राहील.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ४८

महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १४३ अन्वये अनाधिकृत बांधकाम नियमानुकूल करण्यासाठी आकारावयाचे दर निश्चित करणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५६ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिकेच्या सन २०१४-१५ या वित्तीय वर्षातील अंदाजपत्रकांत मनपा उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने ठळक तरतुद व त्यापासुन मिळणारे अपेक्षीत उत्पन्न सुचित केले आहेत. त्यातील नगररचना विभागाकडील बांधकाम पुर्णत्व दाखल्यापासुन ज्या मालमत्ताधारकांनी बांधकाम परवानगी न घेता मालमत्ता उभारल्यास तसेच ज्यांनी परवानगी घेतल्या आहेत परंतु त्याव्यतिरीक्त बांधकाम केले आहे. अशा मालमत्ताधारकांवर दंडात्मक कारवाई करून मिळणारे उत्पन्न कोटी इतके अपेक्षीत सुचित केले आहे. त्या अनुषंगाने मनपाचे उत्पन्न वाढविण्यासाठी संबंधित विकास विषयक परवानगी संदर्भात जमीन मालक /संस्था /विकासक यांचेकडून विविध बाबीसंदर्भात दंडात्मक शुल्क आकारणेबाबत महाराष्ट्र प्रादेशीक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १४३ नुसार तरतुद आहे. उत्पन्नाच्या बाबी व त्यासाठी आकारावयाचे दर याकरीता सांगली - मिरज - कुपवाड महानगरालिकेचे माहिती मागविण्यात आलेली आहे.

महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १४३ अन्वये अनाधिकृत बांधकाम नियमानुकूल करण्यासाठी आकारावयाचे दर निश्चित करणेबाबतचा प्रस्ताव सभागृहासमोर मंजूरीसाठी आला असता उपस्थित सदस्यांनी त्यावर चर्चा केली व चर्चेअंती सद्यस्थितीत दि. १५ ऑगस्ट पासून पारगमन शुल्क बंद करण्याबाबत शासनाने निर्देश दिलेले आहेत. अशा परस्थितीत मनपाच्या आर्थिक उत्पन्नात फार मोठ्या प्रमाणावर तूट निर्माण होणार आहे महानगरपालिकेचा दैनंदिन खर्चही निघणे अवघड होणार आहे. त्यामुळे

महानगरपालिकेसाठी आर्थिक उत्पन्नाचे स्रोत निर्माण करणे आवश्यक आहे. प्रशासनामार्फत सादर केलेला हा प्रस्ताव अत्यंत आवश्यक व बेकायदेशिर तसेच नियमबाह्य कामांवर आळा घालणारा आहे तथापि या प्रस्तावात प्रस्तावित केलेले दर मिरज कुपवाड महानगरपालिकेच्या धर्तीवर आहेत. सदर दर जास्त वाटत असल्याने नागरीकांवर अन्याय होणार नाही यासाठी इतरही महानगरपालिकांनी अवलंबलेल्या दरांचा विचार करणे आवश्यक आहे. जळगांव, मालगांव, अहमदनगर किंवा ज्या इतर महानगरपालिकांमध्ये अशा स्वरूपाची कार्यवाही सुरु आहे. अशा महानगरपालिकांकडून तांतडीने दर तथा त्याबाबतची सविस्तर माहिती मागविण्यात यावी तसेच याबाबत सदर कार्यवाही बाबत शासनाचाही अभिप्राय तितकाच महत्वाचा असल्याने शासनाचाही अभिप्राय तांतडीने मागविण्यांत यावा. सदर बाब मनपा उत्पन्नाच्या दृष्टीने अत्यंत आवश्यक असल्याने प्रशासनाने तांतडीने कार्यवाही करावी व याबाबतचा सुधारीत प्रस्ताव सादर करावा तोपावेतो सदर प्रस्ताव तात्पुरता स्थगित ठेवण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ४९

प्रजनन व बाल आरोग्य (आरसीएच-२) मध्ये कार्यरत कंत्राटी तत्त्वावर असलेल्या कर्मचाऱ्यांना धुळे मनपा कायम आस्थापनेवर (वेतनश्रेणीसह) सामावून घेणेबाबतचा प्रस्ताव शासनाकडे स मंजुरीसाठी पाठविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५७ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे आरोग्यधिकारी यांनी प्रजनन व बालआरोग्य (आरसीएच-२) मध्ये कार्यरत कंत्राटी तत्त्वावर असलेल्या कर्मचाऱ्यांना धुळे मनपा कायम आस्थापनेवर (वेतनश्रेणीसह) सामावून घेणे बाबत दिनांक २६/५/२०१४ रोजी कार्यालयीन अहवाल सादर केलेला असुन सदर अहवालांचे अवलोकन होण्यास विनंती आहे.

धुळे महानगरपालिका प्रजनन व बालआरोग्य (आरसीएच-२) कार्यक्रमांतर्गत एकूण ३७ कार्यरत कंत्राटी तत्त्वावर असलेल्या कर्मचाऱ्यांना धुळे मनपा कायम आस्थापनेवर (वेतनश्रेणीसह) सामावून घेणे कामी नव्याने जागा मंजुरीसाठी शासनाकडे प्रस्ताव पाठविल्यास तांत्रीक कर्मचारी कायम स्वरूपी धुळे महानगरपालिकेकडे उपलब्ध होईल. असे नमुद केलेले आहे.

तसेच सदरच्या कंत्राटी पदांसाठी एक महिन्यासाठी रुपये २७८०००/- मात्र मानधनावर खर्च होत आहे उक्त ३७ कंत्राटी पदांसाठी मानधनावर वार्षीक खर्च रुपये ३३३६०००/- असा होत आहे. उक्त विवरण पत्र खालील तक्यांत सादर करण्यात येत आहे.

आरसीएच कंत्राटी कर्मचाऱ्याचे मानधन

| अ.क्र . | पदांचे नांव | मंजुरकरावयाची पदे | एका कर्मचाऱ्याचे पगार | सर्व कर्मचाऱ्यांचा महिन्याचा पगार | वार्षिक पगार |
|------------|------------------------|----------------------|--------------------------|---|--------------|
| १ | कार्यक्रम व्यवस्थापक | १ | १८००० | १८००० | २१६००० |
| २ | लेखापाल | १ | ८००० | ८००० | ९६००० |
| ३ | डाटा एन्टी ऑपरेटर | १ | ८००० | ८००० | ९६००० |
| ४ | महिला वैद्यकीय अधिकारी | ५ | १२००० | ६०००० | ७२०००० |
| ५ | पीएचएन | ५ | १०००० | ५०००० | ६००००० |
| ६ | एएनएम | १६ | ६५०० | १०४००० | १२४८००० |
| ७ | लिपीक | ३ | ५००० | १५००० | १८०००० |
| ८ | शिपाई | ५ | ३००० | १५००० | १८०००० |
| | | ३७ | ७०५०० | २७८००० | ३३३६००० |

सदर ३७ कंत्राटी कर्मचारी यांना कायम आस्थापनेवर सामावुन घेतल्यास खालील प्रमाणे खर्च येईल.

| अ. क्रं. | पदांचे नांव | मंजुर पदे | करावयाची वेतनश्रेणी | एका महिन्याचे कर्मचाऱ्याचे पगार | सर्व कर्मचाऱ्यांचा एका महिन्याचा पगार | वार्षिक पगार |
|-------------|---------------------------|--------------|-----------------------------|---------------------------------------|---|--------------|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ | ६ | ७ |
| १ | कार्यक्रम व्यवस्थापक | १ | ९३००-३४८०० ग्रेड पे ५४०० | ३१२२० | ३१२२० | ३७४६४० |
| २ | लेखापाल | १ | ९३००-३४८०० ग्रेड पे ४३०० | २८९१० | २८९१० | ३४६९२० |
| ३ | डाटा एन्टी ऑपरेटर | १ | ५२००-२०२०० ग्रेड पे १९०० | १५२६० | १५२६० | १८३१२० |
| ४ | महिला वैद्यकीय अधिकारी | ५ | ९३००-३४८०० ग्रेड पे ५४०० | ३१२२० | १५६१०० | १८७३२०० |
| ५ | पीएचएन | ५ | ५२००-२०२०० ग्रेड पे २८०० | १६७३० | ८३६५० | १००३८०० |
| ६ | एएनएम | १६ | ५२००-२०२०० ग्रेड पे २४०० | १६३१० | २६०९६० | ३१३१५२० |
| ७ | लिपीक | ३ | ५२००-२०२०० ग्रेड पे १९०० | १५२६० | ४५७८० | ५४९३६० |
| ८ | शिपाई | ५ | ४४४०-७४४० ग्रेड पे १३०० | १२४०४ | ६२०२० | ७४४२४० |
| | | | | १६७३१४ | ६८३९०० | ८२०६८०० |

कंत्राटी पदांच्या वार्षिक मानधन ३३३६०००/- असुन सदर कर्मचा-यांना कायम आस्थापनेवर सामावुन घेतल्यास ८२०६८००/- मात्र वार्षिक खर्च येणार आहे. त्यांना कायम केल्यानंतर (८२०६८००-३३३६००० =४८७०८००/-) ४८७०८००/- मात्र खर्च वाढणार आहे.

सन २०११-२०१२व सन २०१२-२०१३ या वर्षाची आस्थापना खर्चाची टक्केवारीची ४१.१२ % व ४६ % असा आहे.

धुळे मनपा प्रजनन व बालआरोग्य कार्यक्रमांतर्गत मंजुर असलेले सर्व पदांना धुळे मनपाच्या कायम आस्थापनेवर (वेतनश्रेणीसह) कायम करून घेणे करीता मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ च्या ५१ (४) नुसार प्रस्ताव शासनाकडे सम्बन्धी पाठविण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ५०

श्री. समर्थ वाग्देवता मंदिर व सत्कार्यात्तेजक सभा संस्थेस मनपातर्फे आर्थिक निधी उपलब्ध करून देणेबाबत शासनास प्रस्ताव सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५८ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे अध्यक्ष, श्री समर्थ वाग्देवता मंदिर धुळे यांचेकडील पत्रानुसार संस्था नुतनीकरणासाठी अनुदान उपलब्ध करून देणेबाबत पत्र सादर केले आहे. धुळे मनपाच्या सन २०१४-१५ च्या अंदाजपत्रकात उक्त संस्थेस अनुदान देणेसाठी रु ५० लक्ष तरतूद करण्यात आलेली आहे. श्री समर्थ वाग्देवता मंदिर या नोंदणीकृत संस्थेची

स्थापना १९३५ साली झाली (नोंदणी क्र ई -३५) प्राचिन व ऐतिहासिक हस्तलिखीतांचा संग्रह व विविध विषयांवर रचलेले अनेकविध ग्रंथ ,साहित्य व ऐतिहासिक वस्तुंचा संग्रह करण्यात आलेला आहे. श्री समर्थ वाग्देवता मंदिर ही संस्था ऐतिहासिक ठेव्याचे जतन करत असून धुळे शहराचे भुषण आहे. तसेच मूळग्राही संशोधनाचे कार्य संस्थेत चालू असते. येथील कागदपत्रातून संत वाणमयाची माहिती उपलब्ध झालेली आहे. इतिहासाची किंवेक दालने खुली झाली आहेत.उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठाने सत्कायोत्तेजक सभेच्या विद्या संशोधन केंद्रास संशोधन केंद्र म्हणून मान्यता दिलेली आहे.श्री समर्थ वाग्देवता मंदिर विश्वस्त मंडळाब्दारे अनेक उपक्रम राबविलेले आहे. सुबुद्ध,सुदृढ,जाणता व विचारी नागरीक निर्माण होण्यासाठी बालवयात मुलांच्या मनावर सुसंस्कार होणे आवश्यक असल्याने संस्थेने नैतिक शिक्षण प्रकल्पाची योजना सुरू केली आहे.समर्थ वाग्देवता मंदिरातील हस्तलिखीतांचा सर्वांगिण अभ्यास व्हावा असे या केंद्राचे धोरण असून या केंद्रास शासकीय मान्यता प्राप्त झालेली आहे. अशा संस्थेस अनुदान उपलब्ध करून देवून मनपाने आपले योगदान द्यावे. सदर संस्थेस अनुदान उपलब्ध करून देणबाबत कार्यालयीन प्रस्ताव मे. महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला आहे.

धुळे महानगरपालिका सन २०१४-१५ च्या अंदाजपत्रकात वाग्देवता मंदिर नुतणीकरण या लेखाशिर्षाखाली रूपये ५० लक्ष मात्रची तरतूद करणेत आलेली आहे.

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ६६(२२) अन्वये ग्रंथालये, संग्रहालये, कला दालने वनस्पती संग्रहालये किंवा प्राणी संग्रहालये स्थापन करणे व सुस्थितीत राखणे किंवा त्यांना मदत देणे आणि त्यांच्यासाठी इमारती खरेदी करणे किंवा बांधणे ही बाब मनपाच्या स्वेच्छानिर्णयानुसार करता येणेबाबत नियमात नमूद आहे.

तरी श्री समर्थ वाग्देवता मंदिर नुतणीकरणासाठी ५० लक्ष रुपये अनुदान उपलब्ध करून देणेसाठी शासनाची मान्यता तथा अभिप्राय मागविण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-५१

इतिहासाचार्य वि.का.राजवाडे संशोधन मंडळ धुळे संस्थेस अद्यावतीकरणासाठी आर्थिक निधी उपलब्ध करून देणेबाबत शासनास प्रस्ताव सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५९ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कार्याध्यक्ष, इ.वि.का.राजवाडे संशोधन मंडळ यांनी दिलेल्या पत्रानुसार अन्वये इतिहासाचार्य वि.का.राजवाडे संशोधन मंडळ संस्थेसंदर्भात पत्र देवून कळविले आहे की, इतिहासाचार्यांनी इतिहास आणि संलग्न शास्त्रांच्या संशोधनात केलेले अतुलनीय आणि चिरंतन मार्गदर्शक कार्य अविरत सुरू असावे या हेतूने या संस्थेची स्थापना करण्यात आली आहे.राष्ट्राच्या समृद्ध वारसाचे संकलन,जतन,संवर्धन, संशोधन आणि प्रकाशन हे संस्थेचे मुख्य उद्दिष्ट आहे. धुळयासारख्या अविकसीत भागत ही संस्था गत ८५ वर्षापासून कार्यरत आहे आणि राष्ट्रीय स्तरावरचा लौकिक दर्जा उंचावत राखला आहे. संस्थेचे ऐतिहासिक साधनांचे वस्तुसंग्रालय आणि दुर्मिळ ग्रंथाचे भा.वा.भट संदर्भ ग्रंथाल आहे. हस्तलिखिते आणि ऐतिहासिक कागदपत्रांचे, अभिलेखागार दालन समृद्ध आहे. देशातील आणि परदेशातील अभ्यासक, संशोधक इतिहासतज्ज्ञ याचा लाभ घेत आहे.संस्था जिल्हा तसेच महाराष्ट्रातील जनतेसाठी सांस्कृतिक कार्यक्रमांचे आयोजन करत असते सदर संस्थेच्या नुतनीकरण करणे व अद्यावत करणे यासाठी ५० लाखापेक्षा जास्त खर्च अपेक्षित असून यामुळे शहराच्या वैभवात मोठी वाढ होईल असे कळविले आहे.

तरी धुळे महानगरपालिका सन २०१४-१५ च्या अंदाजपत्रकात खाजगी संस्थांना देणग्या या लेखाशिर्षाखाली राजवाडे संशोनध मंडळ करीता रूपये २५ लक्ष मात्रची तरतूद करणेत आलेली आहे.

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ६६ (२२) अन्वये प्रथालये, संग्रहालये, कलादालने वनस्पती संग्रहालये किंवा प्राणी संग्रहालये स्थापन करणे व सुस्थितीत राखणे किंवा त्यांना मदत देणे आणि त्यांच्यासाठी इमारती खरेदी करणे किंवा बांधणे ही बाब मनपाच्या स्वेच्छानिर्णयानुसार करता येणेबाबत नियमात नमूद आहे.

इतिहासाचार्य वि.का.राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे या संस्थेस वस्तु संग्रहालय नुतनीकरण करणे व अद्यायावत करणे कामी २५ लक्ष रूपये मात्र अनुदान उपलब्ध करून देणेसाठी शासनाची मान्यता तथा अभिप्राय मागविण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ५२

म.अध्यक्ष,धुळे जिल्हा अॅम्येच्युअर जिम्नेस्टिक असोसिएशन धुळे यांनी २५ वी सब ज्युनियर /ज्युनियर/सिनीअर रिदमिक मुलींची जिम्नेस्टीक स्पर्धा,१७ वी अॅरोबिक्स मुले/मुली ज्युनियर सिनीयर स्पर्धा २०१४ आयोजनाबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६० दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे म.अध्यक्ष,धुळे जिल्हा अॅम्येच्युअर जिम्नेस्टिक असोसिएशन धुळे यांचेकडील पत्रा नुसार, धुळे जिल्हा अॅम्च्युअर जिम्नेस्टिक असोसिएशन धुळे व धुळे महानगरपालिक , धुळे यांच्या संयुक्त विद्यमाने चालू वर्षाच्या २५वी सब ज्युनियर /ज्युनियर /सिनीअर रिदमिक मुलींची जिम्नेस्टिक स्पर्धा तसेच १७ वी अॅरोबिक्स मुले /मुली ज्युनियर व सिनीअर स्पर्धा २०१४ या स्पर्धा ॲगस्ट २०१४ मध्ये धुळे जिल्ह्यात आयोजनाचा मानस आहे. सदर स्पर्धा धुळे जिल्ह्यात झाल्यास राज्यातील आदिवासी भागात तसेच ग्रामीण भागात सदर स्पर्धेचा प्रचार व प्रसार होण्यास मदत होईल. तसेच अशा प्रकारची स्पर्धा प्रथमच धुळे जिल्ह्यात होणार असल्याने त्याचा स्थानिक खेळाडूंना निश्चीतच फायदा होईल.असे पत्रात नमूद केले आहे.

धुळे महानगरपालिका सन २०१४-१५ च्या अंदाजपत्रकात विविध क्रिडा स्पर्धा या लेखाशिर्षाखाली रूपये१२५०००००/-मात्रची तरतूद करणेत आलेली आहे. मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९चे कलम६६(११)अन्वये प्रदर्शने,व्यायामाचे किंवा खेळांचे सामने भरविणे ही बाब मनपाच्या स्वेच्छा निर्णयानुसार करता येणेबाबत नियमात नमूद आहे.

त्याअनुषंगाने धुळे जिल्हा अॅम्येच्युअर जिम्नेस्टिक असोसिएशन धुळे यांना २५ वी सब ज्युनियर /ज्युनियर/सिनीअर रिदमिक मुलींची जिम्नेस्टीक स्पर्धा,१७ वी अॅरोबिक्स मुले/मुली ज्युनियर सिनीयर स्पर्धा २०१४चे धुळे महानगरपालिकेतर्फे आयोजन करण्यास तसेच येणा-या संभाव्य खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ५३

धुळे शहर पाणीपुरवठा युडीआयएसएसएमटी योजने अंतर्गत असलेल्या कामावर तांत्रिक सेवा सल्लागार निश्चिती बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६१ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहर पाणीपुरवठा योजना अंतर्गत युडीआयएसएसएमटी मंजूर झालेल्या १३६.३६ कोटीच्या कामावर तांत्रिक सेवा सल्लागार म्हणून म.जि. प्राधिकरणांची नेमणूक करणेबाबत सदस्य सचिव, महाराष्ट्र जिवन प्राधिकरण

मुंबई यांचे अशा पत्र क्रं.मजिप्रा /सस /तांशा-१/१२९/६३५ दिर२३/६/२०१४ यांनी कळविले आहे.

त्यानुसार शासन निर्णयानुसार प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार म्हणून २.५% इतके सेवा शुल्क अनुज्ञेय आहेत असे त्यांनी कळविले आहे.

तरी धुळे मनपा मार्फत पाणीपुरवठा योजनेसाठी पीएमसी नेमणेबाबत ई- निविदा प्रसिध्द करणेत आलेली होती. त्यात सर्वांत कमी दर हे युनिटी कन्सलटन्ट, पुणे यांचे १.६०% आलेले होते. परंतु शासकीय नियमानुसार १% टक्केच्या वरती आलेले असल्यामुळे सदरची निविदा ही फेर निविदा प्रसिध्द करणेत आली आहे. सदरची फेर निविदा उघडण्याची दिनांक ३१/७/२०१४ रोजी आहे.

सदर बाबतीत महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरणाकडचे दर हे जास्तीचे आहेत. त्यामुळे मनपा आर्थिक हिताचा व शासकीय नियमानुसार एका टक्क्यांच्या वरती सेवा शुल्क अनुज्ञेय नसल्याने शासन नियमाचा विचार करता महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण मंडळ ऐवजी प्रकल्प व्यवस्थापन सल्लागार नियुक्ती करणेसाठी निविदा प्रक्रिया बाबत कार्यवाही करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक: -५४

फेरीवाला व्यवसायिकांकरिता नोंदणी कालावधी, नोंदणी शुल्क व अटी शर्तीचे भंग करणाऱ्याबद्दल दंड (शास्ती) ठरवुन मिळणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६२ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा.सर्वोच्च न्यायालयाचे दि.१३ सप्टेंबर २०१३ चे आदेशानुसार शासन निर्णय क्र.नगरविकास विभाग -राफेधो -०३०९/प्र.क्रं.२० नवि -३४ दि.२१ ऑक्टोबर २०१३ नुसार महानगरपालिकेने राष्ट्रीय फेरीवाला धोरण २००९ मधील तरतुदीनुसार सर्व फेरीवाल्यांचे नोंदणीकरण व फेरीवाला क्षेत्र निर्माण करण्याची कार्यवाही पुणे होईपर्यंत महानगरपालिका क्षेत्रामध्ये सद्यस्थितीत कार्यरत असणाऱ्या फेरीवाल्यांना व्यवसाय करण्यास अनुमती द्यावी वरील कार्यवाही पुणे झालेनंतर फेरीवाल्यांना केवळ संबंधित शहर फेरीवाला समिती आदेश / निदेशानुसार फेरीवाल्यांना व्यवसाय करता येईल असे असल्याने फेरीवाल्यांची नोंदणी करण्याकरिता नोंदणी शुल्क रुपये २००/- मात्र तसेच नुतनीकरण फी दरवर्षी २००/- मात्र राहील त्यांना फोटोसह ओळखपत्र द्यावे लागेल तसेच जो व्यवसायिक नोंदणी केलेल्या व्यवसाया व्यतीरिक्त अवैध व्यवसाय करतांना आढळून आल्यास, वाहतुकीस अडथळा निर्माण करणाऱ्या फेरीवाला व्यवसायास रुपये ५००/- मात्र दंड करावा व नोंदणी रद्द करावी.

(अ) कायदेशीर परवानगी न घेता व्यवसाय करत असल्यास रुपये ५००/-मात्र प्रत्येक दिवसासाठी दंड, अपराध सिध्दीनंतर, सहा महिनेपर्यंत साद्याकैदेची आणि रुपये ५०००/- मात्र इतक्या दंडाची शिक्षा होईल.

(ब) ना फेरीवाला क्षेत्रात व्यवसाय करणाऱ्या फेरीवाल्यास, अपराध सिध्दीनंतर, सहा महिने पर्यंत साद्याकैदेची आणि रुपये ५०००/-मात्र इतक्या दंडाची शिक्षा होईल.

उक्त आलेल्या अहवालानुसार सदर प्रस्तावास मंजुरी देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ५५

मा.महापौर सां. यांचे कडील क्र.मनपा स्विस/१२९/७/२०१४ च्या पत्रानुसार धुळे मनपामार्फत सर्व सामान्य नागरीकांच्या मनोरंजनासाठी तसेच शहराच्या सांस्कृतिक

वातावरण वृद्धींगत करण्यासाठी धुळे फेस्टीबल व रामरहिम उत्सव आयोजन करणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६३ दिनांक ११/०८/२०१४

मा. महापौर सां.मनपा, धुळे यांचे कडील जा.क्र.धुमपा/ स्वीस/१२९ दि.१८/७/२०१४ पत्रानुसार धुळे महानगरपालिकेमार्फत सर्वसामान्य नागरीकांच्या मनोरंजनासाठी तसेच शहराच्या सांस्कृतिक वातावरण वृद्धींगत करण्यासाठी शहरात विविध कार्यक्रम आयोजन करणे आवश्यक आहे. शहरातील सांस्कृतिक चळवळीला प्रोत्साहन देण्याच्या उद्देशाने तसेच शहरातील जातीय सलोखा अबाधित ठेवून नागरीकांना अशा उत्सवात सामील करून घेण्यासाठी धुळे फेस्टीबल व राम रहिम उत्सव आयोजन करण्याचा मानस आहे.

सदर धुळे फेस्टीबल व रामरहिम उत्सव आयोजनासाठी सन २०१४-१५ च्या अर्थसंकल्पात तरतूद करण्यात आलेली आहे. तरी सदर उत्सव आयोजनास व तदर्थ होणा-या संभाव्य खर्चास आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-५६

मा.महापौर सां.यांच्या पत्रानुसार अभ्यासिकेसाठी धुळे सि.स.नं.३५३७ येथील जागा शासना कडेस मागणी करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६४ दिनांक ११/०८/२०१४

मा.महापौर सां.मनपा धुळे यांच्या पत्रानुसार सि.स.नं.३५३७ मधील जागेत अभ्यासिका उभारणे बाबत पत्र सादर करण्यांत आलेले आहे. सदर पत्रात धुळे शहरात अनेकविध विद्यार्थी शिक्षण घेत आहेत. यांत ग्रामीण भागातील तसेच शहरी भागातील गरजू विद्यार्थ्यांना अभ्यासिकेची नितांत आवश्यकता आहे. विद्यार्थ्यांच्या हितासाठी शहराच्या मध्यवर्ती भागात असलेल्या संतोषी माता चौकातील सिटी सर्कळे नं.३५३७ ची जागा शासकीय मालकीची असून सदर ठिकाणी अभ्यासिका करणे सोयीचे होणार आहे त्यासाठी सदर जागा शासनाकडे मागणी करणेबाबत प्रस्ताव महासभेपुढे सदर करणेबाबत नमूद केले आहे.

मैजे धुळे सि. स.नं.३५३७ ही मिळकत शासकीय मालकीची असून धुळे शहर प्रारूप विकास योजना सुधारीत नुसार सदर मिळकत ही पब्लीक आणि सेमी पब्लीक विभागात अंतभूत आहे. तसेच धुळे शहरात लागू असलेल्या अ वर्ग नगरपरिषद विकास नियंत्रण नियमावली नुसार वाचनालय/ ग्रथालय अंतर्भूत आहे. त्याअनुषंगाने सदर जागा मागणी प्रस्ताव म.जिल्हाधिकारी सां. यांचेकडेस सादर करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ५७

धुळे स.नं.३३३/२ ब येथील परिसरातील नागरीकांनी सदर अभिन्यासामधील मोकळी जागा श्री.स्वामी समर्थ बाल संस्कार केंद्रासाठी उपलब्ध करून देणेबाबत मागणी केलेली आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६५ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे स.नं.३३३ २ ब(लक्ष्मीनगर) येथील नागरीकांनी सदर अभिन्यासा मधील मोकळी जागा श्री.स्वामी समर्थ बाल संस्कार केंद्रासाठी उपलब्ध करून देणेबाबत मागणी केलेली आहे.

सदरची खुली जागा उक्त कारणाकरिता देणेबाबत परिसरातील नागरीकांनी संमती दिलेली असून स.न.३३३/२ ब मधील खुली जागा सदर कारणाकरिता देणेबाबतचा निर्णय घोरणात्मक आहे.

धुळे स.न. ३३३/२ ब मधील अभिन्यासास जा.क्र.PWD-४०५ दि. १०/९/८७ अन्वये मंजुरी देणेत आलेली आहे. तसेच सदर क्षेत्राचे ७/१२ उतारे व संमती पत्र सोबत उक्त खुल्या जागेचे क्षेत्र १६३४ SQMT इतके आहे. त्याअनुषंगाने धुळे स.न.३३३/२ ब येथील परिसरातील नागरीकांनी सदर अभिन्यासामधील मोकळी जागा विकसीत करणेसाठी श्री.स्वामी समर्थ बाल संस्कार केंद्राला उपलब्ध करून देतांना मे. सुप्रीम कोर्टाच्या निर्णयानुसार खुल्या जागेत कोणतेही बांधकाम अनुज्ञेय रहाणार नाही या अटीवर नियमाप्रमाणे जागा देण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुपत्ते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक :-५८

उद्यान पंडीत बापूसाहेब माळी गुरुजी शिक्षण प्रसारक संस्था धुळे यांचे आदर्श माध्यमिक विद्यालय प्लॉट नं.१ दोदे कॉलनी देवपूर धुळे विद्यार्थ्यांसाठी श्रीरंग कॉलनी येथील पटांगण शाळेतील विद्यार्थ्यांच्या खेळासाठी कायम स्वरूपी वापरासाठी जागा मिळणेबाबत पत्र सादर केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६६ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे उद्यान पंडीत बापूसाहेब माळी गुरुजी शिक्षण प्रसारक संस्था धुळे यांचे आदर्श माध्यमिक विद्यालय प्लॉट नं.१ दोदे कॉलनी देवपूर धुळे विद्यार्थ्यांसाठी श्रीरंग कॉलनी येथील पटांगण शाळेतील विद्यार्थ्यांच्या खेळासाठी कायम स्वरूपी वापरासाठी जागा मिळणेबाबत पत्र सादर केले आहे.

उक्त प्रस्तावावर संबंधित भागातील नागरीकांच्या तक्रार व हरकती अर्ज प्राप्त झालेले असल्याने सदर विषय तहकूब ठेवण्यांत येत आहे.

सर्वानुपत्ते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ५९

सन्मा.सदस्य श्री.सोनल शिंदे यांच्या पत्रानुसार सर्वे नं.४५५/२+३ फायनल प्लॉट मधील ओपनस्पेसला कोळवले गुरुजी उद्यान असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६७ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा.सदस्य श्री.सोनल शिंदे यांच्या पत्रानुसार सर्वे नं.४५५/२+३ फायनल प्लॉट मधील ओपनस्पेसला कोळवले गुरुजी उद्यान असे नामकरण करणेबाबतचा प्रस्ताव सभागृहासमोर आला असता सदर नामकरण प्रस्तावास नागरीकांचा लेखी विरोध आलेला आहे. तसेच सन्मा.नगरसेवकांनीही त्याबाबत हरकत नोंदविलेली आहे. त्यामुळे सदर नामकरणाचा प्रस्ताव तहकूब करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच यापुढे प्रस्ताव सादर करतांना संबंधित भागातील नगरसेवकांची संमती तथा लेखी पत्र घेवूनच प्रस्ताव सादर करण्यांत यावेत.

सर्वानुपत्ते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६०

सर्वे नं.४९४/१११+२/२ ब व स.नं. ४९४/१+२,D १-१-१,D-२.१-२,D/१-२ व सर्वे ४९४/१+२, A१, A२, ४९४/१ वरील विकसीत ओपनस्पेसला लिलाआई काशिनाथ कोळवले उद्यान असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६८ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सर्वे नं.४९४/११११+ २/२ ब व स.नं.४९४/१+२,D १-१-१-१,D -२. १-२,D/ १-२ व सर्वे४९४/१+२,A १,A२,४९४/१ वरील विकसीत ओपनस्प्ला लिलाआई काशिनाथ कोळवले उद्यान असे नामकरण करणेबाबतचा प्रस्ताव सभागृहासमोर आला असता सदर नामकरण प्रस्तावास नागरीकांचा लेखी विरोध आलेला आहे.तसेच सन्मा.नगरसेवकांनीही त्याबाबतहरकत नोंदविलेली आहे. त्यामुळे सदर नामकरणाचा प्रस्ताव तहकूब करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.तसेच यापुढे प्रस्ताव सादर करतांना संबंधित भागातील नगरसेवकांची संमती तथा लेखी पत्र घेवूनच प्रस्ताव सादर करण्यांत यावेत.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६१

सन्मा.सदस्या सौ. वैभवी अमित दुसाने यांच्या पत्रानुसार मनपा हृदीतील पेठ ग.नं. ५ मध्ये पारोळारोड ग.नं.५ ते चर्नीरोड पावेतोचे रस्त्यास कै. के.व्ही. नाशिककर असे नांव देणेबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ६९ दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. सदस्या सौ. वैभवी अमित दुसाने यांच्या पत्रानुसार मनपा हृदीतील पेठ ग.नं. ५ मध्ये पारोळारोड ग.नं.५ ते चर्नीरोड पावेतोचे रस्त्यास कै. के.व्ही. नाशिककर असे नांव देणेबाबतचा प्रस्ताव सभागृहात आला असता सन्मा. नगरसेविका सा. मायादेवी परदेशी यांनी हरकत नोंदविलेली असल्याने सदर प्रस्ताव तहकूब करण्यांत येत आहे. प्रस्ताव सादर करतांना संबंधित भागातील नगरसेवकांची संमती तथा लेखी पत्र घेवूनच प्रस्ताव सादर करण्यांत यावेत.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६२

सन्मा. सदस्य सौ. माधुरी अजळकर यांच्या पत्रानुसार सत्य साईबाबा सोसायटी धुळे येथील सर्वे नं.८०/२ मध्ये मोकळ्या जागेत बालसंस्कार केंद्र चालविणेसाठी अखिल भारतीय स्वामी समर्थ गुरुपीठ यांना देणेबाबत यादी सादर केली आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७० दिनांक ११/०८/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सत्यसाईबाबा सोसायटी साक्रीरोड धुळे येथील सर्वे नं. ८०/२२ मध्ये मोकळ्या जागेत मुला मुर्लीना संस्कार करण्याकामी बालसंस्कार केंद्र चालविण्यासाठी परवानगी मिळण्या बाबत सन्मा.सदस्या सौ.माधुरी अजळकर प्र.क्र.३२ ब यांनी दि.४/८/२०१४ रोजी यादी दिलेली आहे.सोबत अखिल भारतीय श्री.स्वामी समर्थ गुरुपीठ यांचे जागा मागणीचे पत्र तसेच परिसरातील नागरिकांचे स्वाक्षरी असलेले १०० रुपये स्टॅम्प पेपर व मनपाच्या नावे असलेला खुल्या जागेचा ७/१२ उतारा सर्व छायांकित प्रत जोडले आहे.

सदर अभिन्यासामधील मोकळी जागा विकसीत करणेसाठी श्री.स्वामी समर्थ बाल संस्कार केंद्राला उपलब्ध करून देतांना मे.सुप्रीम कोर्टच्या निर्णयानुसार खुल्या जागेत कोणतेही बांधकाम अनुज्ञेय रहाणार नाही या अटीवर सदर जागा अखिल भारतीय स्वामी समर्थ गुरुपीठ याना नियमाप्रमाणे देण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
बुधवार दिनांक २० ऑगस्ट, २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) (ड) अन्वये मा.महापौर सो.यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सभा आज बुधवार दिनांक २०/०८/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | वाडिले नलिनाबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ५ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ६ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ८ | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ९ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १० | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| ११ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १२ | बोरसे इंदुबाई दामादर | नगरसेविका | ----- " |
| १३ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १४ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १५ | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| १६ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १७ | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| १८ | आघाव ललिता रविंद | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २० | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २१ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २२ | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|----|----------------------------------|-----------|-------------------|
| २३ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| २४ | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| २५ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| २६ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-११ वाजता |
| २७ | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजता |
| २८ | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | ----- " |
| २९ | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | ----- " |
| ३० | महाले कल्पना सुनिल | नगरसेविका | ----- " |
| ३१ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ३२ | मोमीन अतियाबानो दोस्त महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ३३ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| ३४ | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ३५ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ३६ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| ३७ | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ३८ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ३९ | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| ४० | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ४१ | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | ----- " |
| ४२ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४३ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ४४ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ४५ | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ४६ | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ४७ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ४८ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ४९ | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ५० | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|---|----------------------|-------------------------------|-------------------|
| १ | श्री.दौलत खा पठाण | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | श्री.त्र्यंबक कांबळे | उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ३ | श्री. एम.आर. सराई | मुख्य लेखा परीक्षक | ----- " |
| ४ | श्रीमती हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त | ----- " |
| ५ | श्री.बी.बी. गिते | सहा. आयुक्त (अतिक्रमण) | ----- " |
| ६ | श्री. डी.बी. देवरे | कार्यकारी अभियंता बांधकाम वि. | ----- " |
| ७ | श्री. पी.आर. दरेवार | कार्यकारी अभियंता पा.पु. वि. | ----- " |

| | | | |
|----|----------------------|-------------------------------|---------|
| ८ | श्री. एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ९ | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| १० | श्री. के.ना कुटे | मुख्य लेखाधिकारी | ----- " |
| ११ | श्री. के. एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| १२ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १३ | श्री.रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १४ | श्री. के.जी. सुडके | अधिक्षक एल.बी.टी. विभाग | ----- " |
| १५ | श्री. गणेश खोडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १६ | श्री. यु. आर. भोई | उपअभियंता पा.पु. विभाग | ----- " |
| १७ | श्री.एस.आर. बावीस्कर | भांडारपाल | ----- " |
| १८ | श्री. आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित म.आयुक्त,उपमहापौर,सन्मा.सदस्य,सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे.नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

सन्मा.सदस्याकडून आलेल्या श्रधांजलीच्या यादया.

- १) धुळे महानगरपालिकेच्या सन्मा. नगरसेविका विरबालादेवी प्रकाशचंद्र मंडोरे (बालीबेन) यांचे पती व सरदार सोप प्रॉडक्टचे मालक सामाजिक कार्यकर्ते प्रकाशचंद्र मंडोरे यांचे दुखःद निधन झाले. त्यांच्या दुखःद निधनाबद्दल आजच्या महासभेत श्रधांजली अर्पण करून ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- श्री. शरद एकनाथ वराडे

अनुपोदक :- सौ. मायादेवी महादेव परदेशी

- २) विद्यमान नगरसेविका श्रीमती वालिबेन मंडोरे यांचे पती श्री. प्रकाशचंद्र रुपचंदंजी मंडोरे यांचे काल दिनांक १९/८/२०१४ रोजी सकाळी ८-०० वाजतां नाशिक येथे उपचार घेत असतांना निधन झाले आहे. त्यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी .

म. महापौर सन्मा.सदस्यांकडून आलेल्या यादीनुसार श्रधांजली अर्पण करणेसाठी सर्वांनी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७१ दिनांक २०/०८/२०१४

सन्मा.सदस्याच्या यादीनुसार धुळे महानगरपालिकेच्या सन्मा. नगरसेविका विरबालादेवी प्रकाशचंद्र मंडोरे (बालीबेन) यांचे पती व सरदार सोप प्रॉडक्टचे मालक सामाजिक कार्यकर्ते प्रकाशचंद्र मंडोरे यांचे दिनांक १९/०८/२०१४ रोजी सकाळी ८-०० वाजतां नाशिक येथे उपचार घेत असतांना निधन झाले आहे.

मान्यवरांचे दुःखद निधननिमित्त या सभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहून भावपूर्ण श्रधांजली सर्वांप्रित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा.सदस्या केले चंद्रकांत काशिनाथ, वैभवी अमित दुसाने,डियालाणी कुमार नरोत्तम (मिस्टरी) शेलार दिपक एकनाथ, शार्दुल दिनेश लहू,जाधव यमुनाबाई वसंत, अग्रवाल सारिका प्रवीण इत्यादी सदस्यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शक्त नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

मा. महापौर

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७२ दिनांक २०/०८/२०१४

सन्मा.सदस्या केले चंद्रकांत काशिनाथ, वैभवी अमित दुसाने, डियालाणी कुमार नरोत्तम (मिस्टरी) शेलार दिपक एकनाथ, शार्दुल दिनेश लहू,जाधव यमुनाबाई वसंत, अग्रवाल सारिका प्रवीण इत्यादी सदस्यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शक्त नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६३

मा.महापौर सो.यांच्या पत्रानुसार धुळे महानगरपालिका क्षेत्रात स्थानिक संस्था कर किंवा जकात कर लागू करणे बाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७३ दिनांक २०/०८/२०१४

मा.महापौर सो.यांचेकडील जा.क्र./मनपा/स्विस सहाय्यक/ १५२,दि.१६/०८/२०१४ अन्वये नमूद केले की, धुळे महानगरपालिका क्षेत्रात सदयस्थितीत एल.बी.टी.द्वारे वसुली करण्यांत येत आहे. तथापि शासन स्तरावर महानगरपालिका क्षेत्रात एल.बी.टी. किंवा जकात यापैकी एका पर्यायाद्वारे कर वसुली करण्याचा निर्णय महानगरपालिकेवर सोपविल्याचे वृत्त आहे. सदर निर्णय तातडीने घेणे हे महानगरपालिकेच्या आर्थिक बाबीसाठी अत्यंत आवश्यक आहे असे कळविले होते.

एल.बी.टी. सुरु ठेवणे अथवा जकात चालू करणे याबाबत मा.मुख्यमंत्री यांच्याकडे बैठक आयोजीत करण्यांत आलेली होती. सदर बाबत मा.मुख्यमंत्री सो.यांनी महानगरपालिकेनी जकात सुरु करणे किंवा एल.बी.टी.सुरु ठेवणे याबाबत निर्णय घेण्याबाबत महानगरपालिकेता अधिकार दिलेले असुन याबाबत महानगरपालिकेने महासभेचा ठराव करून शासनाकडे पाठविणेबाबत आदेशीत केलेले आहे.

एल.बी.टी. तुन सध्या दरमहा फक्त सुमारे २ कोटी ५० लक्ष उत्पन्न येत आहे.हे उत्पन्न जकातीच्या उत्पन्ना पेक्षा फारच कमी आहे. महानगरपालिका अधिकारी /कर्मचा-यांचे पगार, सेवानिवृत्त कर्मचा-यांचे निवृत्तीवेतन, विद्यृत बिल, पाणी पुरवठा वरील रसायने व अत्यावश्यक खर्च, विकास कामासाठी निधी उपलब्ध होऊ शकत नाही. शहरातील नागरीकांना मुलभूत नागरी सुविधा सुयोगरित्या पुरविणे, तसेच शहरातील विकास कामांना पुरेसा निधीही उपलब्ध होणे अत्यंत गरजेचे आहे.

उक्त वस्तुस्थितीचा व शासनाच्या निर्देशाचा तसेच उपस्थित सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या सुचनाचा विचार करता धुळे महानगरपालिका क्षेत्रात जकात कर प्रणाली लागू करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.सदर प्रस्ताव तांतडीने शासनाच्या आवश्यक त्या मान्यतेसाठी पाठविण्यांस व मान्यतेनंतर पुढील कार्यवाही तांतडीने करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.तसेच जकात कर प्रणाली लागू करण्यांस शासनाने मान्यता दिल्यास मनपा क्षेत्रासाठी एल. बी.टी.दर लागू होण्यापूर्वी असलेल्या शासन मान्य जकात दर व नियमानुसार सद्यस्थितीत जकात कर आकारणी करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
बुधवार दिनांक १७ डिसेंबर २०१४
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्र.१ (क) व (ड) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण सभा आज बुधवार दिनांक १७/१२/२०१४ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली.त्या बैठकीचे इतिवृत्त:

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नाव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ५ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ६ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ७ | बोरसे कल्यना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ८ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| ९ | केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) | नगरसेवक | ----- " |
| १० | दुसाने वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| ११ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| १२ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १३ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १४ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १५ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १६ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|----|--|-----------|-------------------|
| १७ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १८ | आधाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २० | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २१ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २२ | मंडोरे बिरबालादेवी (वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २३ | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| २४ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| २५ | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| २६ | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| २७ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| २८ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-१५ वाजता |
| २९ | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | सकाळी ११-०० वाजता |
| ३० | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | ----- " |
| ३१ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ३२ | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | ----- " |
| ३३ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| ३४ | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शब्बाल | नगरसेवक | ----- " |
| ३५ | पठाण जैबुन्निसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ३६ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ३७ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| ३८ | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ३९ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ४० | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| ४१ | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ४२ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ४३ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४४ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ४५ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ४६ | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ४७ | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ४८ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ४९ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ५० | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|---|---------------------|----------|-------------------|
| १ | श्री. एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
|---|---------------------|----------|-------------------|

| | | | |
|----|----------------------|-----------------------------------|---------|
| २ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त स.प. | ----- " |
| ३ | त्र्यंबक कांबळे | तापायुक्त (कर) तथा सहा. आयुक्त कर | ----- " |
| ४ | श्रीमती हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त | ----- " |
| ५ | श्री. पी.आर. दरेवार | कार्यकारी अभियंता पा.पू. वि. | ----- " |
| ६ | श्री. एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ७ | श्री.मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| ८ | श्री.पी.डी. नाईक | प्र. लेखापाल | ----- " |
| ९ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १० | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | के.जी. खंदरकर | प्र. वसुली अधिकारी | ----- " |
| १२ | गणेश खोंडे | पकल्प अधिकारी | ----- " |
| १३ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १४ | एस.आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " |
| १५ | आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| १६ | श्री. महेंद्र जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | ----- " |
| १७ | श्री. सी.एम. उगले | ओळहर सिअर पाणीपुरवठा | ----- " |
| १८ | श्री.तुषार ढाके | अग्निशमन विभाग | ----- " |
| १९ | श्री. पी.डी. चव्हाण | ओळहरशि अर | ----- " |
| २० | श्रीमती अर्पणा पाटील | जीवशास्त्रज्ञ मलेरिया विभाग | ----- " |
| २१ | श्री. पी.एस. सोनवणे | ओळहर सिअर न.र. विभाग | ----- " |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.आयुक्त, सन्मा.सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे.नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या श्रधांजलीच्या यादया.

- १) यादी देण्यांत येते की, शिवसेनेचे जिल्हा प्रमुख श्री. अतुलभाऊ सोनवणे यांचे वडील के. दिनकर काशिनाथ सोनवणे यांचे दि. १२/१२/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच धुळे मनपाचे माजी विरोधी पक्ष नेते श्री. रविंद्र काकड यांच्या आई कै. इंदुबाई अंबक काकड यांचे दिनांक २४/११/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच धुळे नपाचे प्रभारी नगराध्यक्ष कै. प्रदीप बाबुराव कंड्रे (बाळासाहेब) यांचे दिनांक २२/१०/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तरी वरील मान्यवरांना श्रधांजली अर्पण करणेचा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

संचक :- श्री. कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता

अनुमोदक :- श्री. चंद्रकांत सोनार, व श्री. अमोल पावबा मासुळे

- २) यादी देण्यांत येते की, शिवसेनेचे जिल्हा प्रमुख श्री. अतुलभाऊ सोनवणे यांचे वडील कै. दिनकर काशिनाथ सोनवणे यांचे दि. १२/१२/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच धुळे मनपाचे माजी विरोधी पक्ष नेते श्री. रविंद्र काकड यांच्या आई कै. इंदुबाई त्र्यंबक काकड यांचे दिनांक २४/११/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तरी वरील मान्यवरांना श्रद्धांजली अर्पण करणेचा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

संचक :- श्री. संजय नारायण गुजराथी, गटनेता शिवसेना

- ३) माजी नगराध्यक्ष कै. वसंतराव पिंगळे यांचे नुकतेच दुःखद निधन झाले आहे. त्यांना श्रद्धांजली अर्पण करून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- श्री. चंद्रकांत बापू सोनार अनुमोदक :- सुनिल वसंतराव सोनार (नंदुभाऊ)

- ४) यादी देण्यांत येते की, शिवसेनेचे जिल्हा प्रमुख श्री. अतुलभाऊ सोनवणे यांचे वडील कै. दिनकर काशिनाथ सोनवणे यांचे दि. १२/१२/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. माजी नगराध्यक्ष कै. वसंतराव पिंगळे यांचे नुकतेच दुःखद निधन झाले आहे. तसेच धुळे नपाचे प्रभारी नगराध्यक्ष कै. प्रदीप बाबुराव कंड्रे (बाळासाहेब) यांचे दिनांक २२/१०/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच शहर तेली पंच मंडळाचे माजी उपाध्यक्ष तसेच राज्य सरकारी संघटनेचे प्रदेश सरचिटणीस कै. पांडुरंग बुधा बागुल यांचे दि. १६/९/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले व लघु पाटबधारे विभागाचे शाखा अभियंता तसेच जिल्हा कार्यकारणी पंच मंडळाचे सदस्य कै. अजय रतन चौधरी यांचे दि. २/८/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले. वरील मान्यवरांना आजच्या सभेत श्रद्धांजली अर्पण करून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा .

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका तथा गटनेत्या भाजपा धुळे

- ५) पाकिस्तानात पेशावर येथील लष्करी शाळेत अतिरेकी दहशतवादयांनी निघून हल्ला केला त्यात १६० हून अधिक चिमुड्यांची क्रुरपणे हत्या करण्यांत आली. यात शहिद झालेल्या चिमुरडया बालकांना श्रद्धांजली अर्पण करण्यांत यावी व या माणूसकीला काळीमा फासणा-यां भयानक हल्ल्यांचा व क्रुर दहशतवादाचा निषेध करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका तथा गटनेत्या भाजपा धुळे

म. महापौर सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार वरील मान्यवरांना श्रद्धांजली ठराव पारीत करण्यांत येत आहे मृताआत्म्यांना श्रद्धांजली अर्पण करणेसाठी सर्वांनी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७४ दिनांक १७/१२/२०१४

सन्मा सदस्यांच्या यादीनुसार शिवसेनेचे जिल्हा प्रमुख श्री. अतुलभाऊ सोनवणे यांचे वडील कै. दिनकर काशिनाथ सोनवणे, तसेच धुळे मनपाचे माजी विरोधी पक्ष नेते श्री. रविंद्र काकड यांच्या आई कै. इंदुबाई ऋंबक काकड, तसेच धुळे नपाचे प्रभारी नगराध्यक्ष कै. प्रदीप बाबुराव कंड्रे (बाळासाहेब), माजी नगराध्यक्ष कै. वसंतराव पिंगळे, तसेच शहर तेली पंच मंडळाचे माजी उपाध्यक्ष तसेच राज्य सरकारी संघटनेचे प्रदेश सरचिटणीस कै. पांडुरंग बुधा बागुल, तसेच लघु पाटबधारे विभागाचे शाखा अभियंता तसेच जिल्हा कार्यकारणी पंच मंडळाचे सदस्य कै. अजय रतन चौधरी या मान्यवरांना तसेच पाकिस्तानात पेशावर येथील लष्करी शाळेत अतिरेकी दहशतवादयांनी निघून हल्ला केला त्यात १६० हून अधिक चिमुड्यांची क्रुरपणे हत्या करण्यांत आली. यात शहिद झालेल्या चिमुरडया बालकांना धुळे महानगरपालिकेमार्फत भावपूर्ण श्रद्धांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

पेशावर येथील माणूसकीला काळीमा फासणा-यां भयानक हल्ल्यांचा व क्रुर दहशतवादाचा निषेध करण्यांचा ठराव एकमताने पारीत करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा. सदस्य सर्वश्री. शरद एकनाथ वराडे, सैय्यद साबीरअली मौतेबर, सोनल दिलीप शिंदे दिनेश लहु शार्दुल, सतिष दिगंबर महाले, दिपक एकनाथ शेलार, गोविंद तुळशीराम साखला, सौ. शशिकला मोहन नवले, मनिषा सतिष महाले, सारिका प्रवीण अग्रवाल इत्यादी सदस्यांनी विनंती अर्ज देऊन आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजुर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस सदर सदस्यांची रजा मंजुर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७५ दिनांक १७/१२/२०१४

सन्मा. सदस्य सर्वश्री. शरद एकनाथ वराडे, सैय्यद साबीरअली मौतेबर, सोनल दिलीप शिंदे, दिनेश लहु शार्दुल, सतिष दिगंबर महाले, दिपक एकनाथ शेलार, गोविंद तुळशीराम साखला,

महापौर

सौ. शशिकला मोहन नवले, मनिषा सतिष महाले, सारिका प्रवीण अग्रवाल इत्यादी सदस्यांनी विनंती अर्ज देऊन आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे. सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस सदर सदस्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेले अभिनंदनाचे प्रस्ताव

- १) धुळे मनपाच्या सन्मा.नगरसेविका सौ.वैशालीताई लहामगे, व शिवसेनेचे महानगर प्रमुख श्री. भुपेद्रभाऊ लहामगे यांची कन्या व झे.बी. पाटील कनिष्ठ महाविद्यालयांतील विज्ञान शाखेची विद्यार्थिनी कुमारी अंकिता भुपेद्र लहामगे हीची हॅन्डबॉल स्पर्धेसाठी राष्ट्रीय स्तरावर निवड करण्यात आली. तिने पंजाब येथे झालेल्या राष्ट्रीय स्पर्धेत सहभाग नोंदविला त्याबद्दल कु. अंकिताचे धुळे मनपा तरफे अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- श्री. कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता

अनुमोदक :- श्री. चंद्रकांत सोनार, व श्री. जगदीश अप्पाजी गायकवाड

- २) नुकत्याच झालेल्या विधान सभा निवडणूकीत अपक्ष उमेदवार श्री. दादासाहेब शिरीष हिरालाल चौधरी हे अंमळनेर मतदार संघातून प्रचंड मतांनी निवडून आले. तसेच धुळे विधानसभा मतदार संघातून भाजपाचे मा. श्री. अण्णासां. अनिल उमराव गोटे हे प्रचंड मतांनी निवडून आले. याच्या या स्तुत्य निवडीबद्दल अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका तथा गटनेत्या भाजपा धुळे

मा. महापौर सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७६ दिनांक १७/१२/२०१४

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार धुळे मनपाच्या सन्मा. नगरसेविका सौ. वैशालीताई लहामगे, व शिवसेनेचे महानगर प्रमुख श्री. भुपेद्रभाऊ लहामगे यांची कन्या व झे.बी. पाटील कनिष्ठ महाविद्यालयांतील विज्ञान शाखेची विद्यार्थिनी कुमारी अंकिता भुपेद्र लहामगे हीची हॅन्डबॉल स्पर्धेसाठी राष्ट्रीय स्तरावर निवड करण्यात आली. तिने पंजाब येथे झालेल्या राष्ट्रीय स्पर्धेत सहभाग नोंदविला त्याबद्दल कु. अंकिताचे तसेच नुकत्याच झालेल्या विधान सभा निवडणूकीत अपक्ष उमेदवार श्री. दादासाहेब शिरीष हिरालाल चौधरी हे अंमळनेर मतदार संघातून प्रचंड मतांनी निवडून आले. तसेच धुळे विधानसभा मतदार संघातून भाजपाचे मा. श्री. अण्णासां. अनिल उमराव गोटे हे प्रचंड मतांनी निवडून आले. याच्या या स्तुत्य निवडीबद्दल धुळे महानगरपालिकेमार्फत अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

म.संजय गुजराथी

महापौर महोदया, विषय सुरु होण्यापूर्वी एक महत्वाचा विषय आहे. कत्तलखान्या प्रकरणात समिती नेमली होती. समितीने आपला अहवाल सादर केला आहे आपण कत्तलखान्याच्या प्रकरणात उपायुक्त श्री.पठारे यांना सचिव म्हणून नेमले होते. समितीच्या अहवालावर पशासनाने कायदेशिर वकिलांचे मत मागविल्यानंतर श्री.पठारे साहेबांना, वकिलांच्या निर्णया नुसार आपण पत्र दिले आहे. आणि आदेशित केले आहे. समितीचे सचिव म्हणून कामकाज करीत असतांना,एखाद्या अधिका-याला आदेशित केले जाते परंतु ते उत्तरे देत नाही, उपायुक्त यांनी तो अहवाल आयुक्तांकडे सादर केला आणि प्रभारी आयुक्त हे कत्तलखान्याच्या प्रकरणात दोषी आहे त्यांनी वेळेवर का कारवाई केली नाही त्यांनी अशा प्रकारे का केले आहे. त्या दोषी लोकांना नोटीसा का पाठविण्यात आल्या नाही. या ठिकाणी संबंधित अधिका-यांनी पालन केले नाही. महापौरांनी आदेशित केल्यानंतर ते अधिकारी दोषी आहेत त्याबाबतचा दोषी आयुक्तांकडे अहवाल का सादर केला हा जिक्काळ्याचा विषय आहे. हा

| | |
|-------------------|--|
| म.चंद्रकांत केले | प्रशासनाला पाठिशी घालण्याचा प्रयत्न होत आहे. आपण या विषयाला बगल देण्याचा प्रयत्न करीत आहे संबंधित अधिका-यांकडून उत्तर घ्यावे. |
| म.उपायुक्त | कत्तलखान्या प्रकरणी आरोप हे निश्चित केले आहे. यामध्ये सचिवांना आदेशित केले होते. सचिवांनी संबंधितांना नोटीसा काढायला पाहिजे होत्या. |
| म.संजय गुजराथी | सदरचा अहवाल आयुक्तांकडे सादर करणे आवश्यक आहे. |
| म.उपायुक्त | महापौरांनी लेखी आदेश केला होता. सचिव म्हणून श्री.पठारे यांची नियुक्ती आयुक्त श्री.पठाण यांनी केली होती. श्री.पठाण सोा. यांचेशी बोलणे झाले होते. समितीच्या अहवाला बाबत लेखी उत्तर का दिले नाही. श्री.पठाण सोा यांचे लेखी आदेश आहेत का? आपण श्री.पठाण यांचे उत्तर सांगत आहे महापौरांचे आदेश तुम्हाला मान्य नाही का? |
| म.जगदिश गायकवाड | ही प्रशासकिय बाब आहे. |
| म.संजय गुजराथी | आपण समितीचे सचिव आहात. महापौरांच्या आदेशानुसार कारवाई करावयास पाहिजे. |
| म.फिरोज शेख | महासभेने समितीचा निर्णय धेतलेला आहे. महासभेला सर्व अधिकार आहे,आपण महापौरांच्या आदेशाचे पालन केलेले नाही. हा महासभेचा अपमान आहे. |
| म.संजय गुजराथी | अति.आयुक्त श्री.धनाड सोा. यांचेकडे आयुक्त पदाचा प्रभारी चार्ज आहे. त्यांच्या कडे आयुक्त पदाचे पदभार सोपविण्यात बाबत शासनाचे आदेश आहे का? ते बोगस बीले काढीत आहे. |
| म.महापौर | कत्तलखान्याच्या विषयात सभागृहाचा अपमान झाला आहे. महापौरांच्या आदेशाचे पालन केले नाही. |
| म.संजय गुजराथी | सन्मा.सदस्य श्री.संजय गुजराथी यांनी प्रश्न उपस्थित केला आहे. माझ्या माहिती प्रमाणे समितीचे सचिव यांनी नगररचनाकार तसेच आरोग्य विभाग यांना नोटीसा काढल्या आहेत. मी सचिवांना आदेशित करते त्यांनी तीन दिवसाच्या आत अहवाल पाठवावा. |
| म.महापौर | हायकोर्टाने ३० तारखे पर्यंत कत्तलखान्याचे बांधकाम काढून घेण्याबाबत आदेशित केले आहे. हाय कोर्टाची ॲर्डर महापौर यांना दिली आहे. |
| म.मनोज मोरे | अति.आयुक्त श्री.धनाड सोा. यांना लगेच कॅव्हेट दाखल करावयास सांगितले आहे त्यांनी दुस-याच दिवशी कॅव्हेट दाखल केले आहे. |
| म.नरेंद्र परदेशी | कत्तलखान्याचे बांधकाम त्यांनी स्वतःहून काढले नाही तर म.न.पा ने काढावे. |
| म.महापौर | कत्तलखाना बेकायदेशिर असेल तर हायकोर्टाच्या निर्णया नुसार ज्यांनी कोणी मंजु-या दिल्या आहेत, त्यांच्यावर काय कारवाई करणार आहे जो म.न.पा चा प्लॅन आहे. कॅटलशेडला परवानगी होती त्या ठिकाणी कत्तलखान्याचे शेड आहे. त्याला परवानगी आहे आपण संबंधित अधिका-यांवर काय कारवाई करणार आहात. |
| म.नरेंद्र परदेशी | चौकशी समितीने अहवाल सचिवांना दिलेला आहे.सचिवांनी संबंधितांना नोटीसा दिल्या आहेत . |
| म.महापौर | अति.आयुक्त, श्री.धनाड सोा यांच्या कडे चौकशी दिली आहे नागरीसेवा अधिनियम नुसार श्री.धनाड सोा. हे इनचार्ज अधिकारी आहे त्यांना कुठल्याही कायम प्रकरणा संबंधी निर्णय घेता येत नाही.अशा वेळी आपण काय करणार आहोत हा निर्णय महापौरांनी घ्यायला पाहिजे. या संदर्भात समितीचे सचिव यांना संबंधितांवर नोटीस काढण्याबाबत आदेशित केले आहे. त्याबाबतचा ३ दिवसात अहवाल ठेवावा. |
| विषय क्रमांक:- ६४ | मागील सभेचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे (दि.१५/५/२०१४,२०/५/२०१४) |

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७७ दिनांक १७/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिकच्या मागील सभांचे इतिवृत्त -

- १) दिनांक १५/५/२०१४ च्या महासभेतील मनपा ठराव नंबर २३ ते ३५ अन्वये क्रमशः वाचून कायम करणेत येत आहे.

२) दिनांक २०/५/२०१४ च्या महासभेतील मनपा ठराव नंबर ३६ ते ३७ अन्वये क्रमशः वाचून कायम करणेत येत आहे.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६५

धुळे मनपा हृदीतील अविष्कार कॉलनी ४० गांवरोड स.नं.४४९ मध्ये धुळे मनपा तर्फ बांधण्यांत आलेल्या उद्यानास शहिद सऊद पटेल उद्यान असे नामकरण करणेबाबत सन्मा. नगरसेविका जुलाह रशमीबानो अकील अहमद यांनी पत्र सादर केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७८ दिनांक १७/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हृदीतील अविष्कार कॉलनी ४० गांवरोड स.नं.४४९ मध्ये धुळे मनपा तर्फ बांधण्यांत आलेल्या उद्यानास शहिद सऊद पटेल उद्यान असे नामकरण करणेबाबत सन्मा. नगरसेविका जुलाह रशमीबानो अकील अहमद यांनी पत्र सादर केले आहे.तसेच यासंदर्भात उपमहापोर फारुक शाह हाजी अन्वर, सन्मा. नगरसेवक जुलाहा नुरुन्नीसा मकबुलअली, अन्सारी महंमद उमेर महंमद शव्वाल, मोमीन आतियाबानो दोस्त महंमद,अन्सारी अफजुन्नीसा फजलू रहेमान, हाजी इस्माईल हाजी लुकमान खां पठाण, हजराबी महंमद शेख, हालीमाबानो महंमद शाबान अन्सारी, अशरद अहमद शेख फरीद, पठाण जैबुन्नीसा अशरफखां, फातेमाबी शेख गुलाब, पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम, फिरोज बशीर शेख इत्यादीनी यादी सादर करून मागणी केलेली आहे.

उक्त बाबत जागा पाहणीनुसार सदरच्या अविष्कार कॉलनी स.नं.४४९ चाळीसगांव रोड भागातील खुल्या जागेभोवती वॉल कपाऊंडचे बांधकाम मनपा मार्फत पूर्ण करण्यांत आलेले आहे. तरी उक्त बाबत सदरच्या खुल्या जागेतील उद्यानास तपासणी केली असता मनपाचे अभिलेख रजिस्टर मध्ये नामकरण झालेबाबतची नोंद आढळून येत नाही. उक्त जागा मनपा मालकीची आहे.

तरी उक्त विषय सन्मा.नगरसेविका व नगरसेवक यांचे मागणी पत्रानुसार उक्त जागेवरील उद्यानास शहिद सऊद पटेल उद्यान असे नामकरण करण्यांस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरणी ११ मधील कलम २(१अ) अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-६६

मा. महापौर सां. यांच्या आदेशानुसार तसेच सन्मा.नगरसेविका सौ. प्रतिभाताई चौधरी व खान्देश तेली समाज मंडळ यांच्या पत्रानुसार श्री. संत जगनाडे महाराज यांची प्रतिमा सभागृहात लावणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ७९ दिनांक १७/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा.महापौर सां.यांच्या आदेशानुसार मनपा भाजपा गटनेते तथा नगरसेविका सौ.प्रतिभाताई शिवाजी चौधरी तसेच खान्देश तेली समाज मंडळ धुळे चे अध्यक्ष कैलास आधार चौधरी यांनी पत्र देऊन मनपा सभागृहात श्री.संताजी जगनाडे महाराज यांचा फोटो लावणेबाबत पत्र सादर केले.

त्यानुसार संत शिरोमणी संताजी जगनाडे महाराज यांचा फोटो सभागृहात लावणेस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६७

श्री. राजेंद्र पुंजु मोरे, सफाई कामगार आरोग्य विभाग हे दि. १/११/२००६ पासून गैरहजर असल्याने त्यांना पुनश्च कामावर घेणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे. सर्व उपस्थित सन्मा. सदस्यांनी विषय मंजुरी बाबत सहमती दर्शविली.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८० दिनांक १७/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे श्री राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार आरोग्य विभाग यांचे गैरहजेरीबाबत अहवाल आरोग्य विभाग यांचे गैरहजेरी बाबत अहवाल आरोग्याधिकारी यांचे कडुन मागविणेत आला असता आरोग्याधिकारी यांचे जा.क्र धुमपा/आरोग्य /१०२८ दिनांक २२/३/२०१२ अन्वये श्री राजेंद्र पुंजु मोरे यांची नियुक्ती जा.क्र ८०० दिनांक २५/९/१९९२ अन्वये सफाई कामगार म्हणुन नियुक्ती करण्यात आलेली आहे. त्यांचा जन्म दिनांक ११/१०/१९६३ अशी आहे. सदर कर्मचारी दिनांक १/११/२००६ पासून सतत गैरहजर आहेत. गैरहजर बाबत दिनांक १७/१२/२००९ रोजी तसा अहवाल सादर करण्यात आलेला होता.

अर्जदार श्री अंजिक्य राजेंद्र मोरे रा. आंबेडकर नगर यांनी दिनांक ११/११/२०११ रोजी अर्ज सादर नमुद केले की माझे वडील नामे श्री राजेंद्र पुंजु मोरे हे कौटुंबीक कारणास्तव मनस्थिती बिघडल्यामुळे ते घरून निघुन गेले होते. तसेच त्यांचे पायाला गंभीर दुखापत असल्यामुळे त्यांचे कडुन चालणे होत नाही. वैद्यकीय तपासणी करून त्यांचा मेडीकल रजा धरून कामावर हजर करून घ्यावे. तसेच त्यांचे ऐवजी श्री. अंजिक्य मोरे काम करण्यास तयार आहे असे नमुद करून श्री. राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार यांनी प्रतिज्ञापत्र लिहून दिलेले आहे.

तसेच श्री राजेंद्र मोरे सफाई कामगार यांनी दोन्ही पायास अपघात झाल्यामुळे मी काम करू शकत नाही असे प्रतिज्ञापत्रात नमुद केले होते. त्यामुळे श्री राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार यांना वैद्यकीय मंडळाकडील जा.क्र ५५७/२०१२ दिनांक २५/६/२०१२ रोजीच्या प्रमाण पत्रानुसार श्री. मोरे काम करण्यास समर्थ (Fit for light Duty) असल्याचे वैद्यकीय दाखल्यात नमुद केले आहे.

श्री राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार यांना गैरहजर कालवधी विनावेतन करून तसेच रुपये १००/- च्या स्टॅम्प पेपरवर भाविष्यात अशा प्रकारची चुक होणार नाही तसेच विना परवानगीने गैरहजर राहणार नाही असे लेखी हमी पत्र घेऊन श्री मोरे सफाई कामगार यांना कामावर घेण्याबाबत अहवाल सादर केले होता. उक्त बाबत लेखापरीक्षक यांना अहवाल मागविलेला असता त्यांनी खालील प्रमाणे अभिप्राय दिलेला आहे. श्री राजेंद्र पुंजु मोरे हे दिनांक १/११/२००६ पासून गैरहजर आहेत. महाराष्ट्र नागरी सेवा (रजा) नियम १९८१ च्या नियम १६ नुसार गैरहजेरीचा कालवधी ५ वर्षापेक्षा जास्त असल्याने शासनाची मंजुरी शिवाय हजर करून घेता येणार नाही. असा अभिप्राय दिलेला आहे.

श्री राजेंद्र पुंजु मोरे हे दिनांक १/११/२००६ ते आजपावेतो गैरहजर असल्याने त्याचा गैरहजर कालवधी सुमारे ७ वर्ष आहे. महाराष्ट्र नागरी सेवा (नियम) १९८१ च्या नियम १६ नुसार गैरहजर कालवधी ५ वर्षापेक्षा जास्त असल्याने शासनाची मंजुरी घेणे आवश्यक आहे. उक्त तरतुदीनुसार श्री. राजेंद्र पुंजु मोरे यांना सेवेत सामावृन घेण्याकामी म. अवरसचिव सो नगरविकास विभाग (नविर२५) मंत्रालय मुंबई यांना इकडील पत्रक्रमांक धुमपा/आस्था /११४ दिनांक २०/४/२०१३ अन्वये मंजुरी मागविण्यात आलेली होती.

उक्त बाबत म.कक्ष अधिकारी नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्याकडील पत्र क्रमांक धुमपा/२०१३/सं.क्र२९०/नवि २५ दिनांक १६ मे २०१३ अन्वये महाराष्ट्र नागरी सेवा रजा (नियम) १९८१ धुळे महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना लागु केल्याबाबतच्या ठरावाची

प्रत, अधिनियमातील नियमातील संबंधीत नियमाच्या तरतुदीची प्रत आणि संबंधीत सर्व कागदपत्रांसह प्रस्ताव शासनास पाठविण्याबाबत विनंती केलेली आहे.

धुळे महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना महाराष्ट्र नागरी सेवा रजा (नियम) १९८१ लागु आह. परंतु धुळे महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना सदर नियम लागु करण्याबाबत ठरावाची प्रत इकडील कार्यालयास आढळ होत नाही. तसेच उक्त अधिनियमांची तरतुदीची प्रत व सर्व कागदपत्रांसह प्रस्ताव जा.क्र धुमपा/आस्था/३५३ दिनांक १३/६/२०१३ अन्वये म.कक्ष अधिकारी नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्याकडे पाठविण्यात आला होता.

उक्त प्रकरणी म.अवरसचिव नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्याकडील पत्र क्र धुमपा/२०१३/ सं.क्र९७८/ नवि २५ दिनांक १८ नोंव्हेंबर २०१३ अन्वये राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार यांच्याबाबत पुढील प्रमाणे कळविले आहे. महाराष्ट्र नागरी सेवा (रजा) नियम १९८१ नुसार शासकीय कर्मचा-यांना अपवादात्मक परिस्थिती विचारात घेऊन रजा मंजुर करण्याचे अधिकार समुचित प्रधिकारी म्हणुन शासनास आहेत. तथापि श्री राजेंद्र पुंजु मोरे हे शासकीय कर्मचारी नाहीत. श्री राजेंद्र पुंजु मोरे हे धुळे महानगरपालिकेचे कर्मचारी असल्याने त्यांच्या प्रकरणी समुचित प्रधिकारी म्हणुन महासभेने निर्णय घेणे योग्य होईल असे कळविले आहे.

त्यानुसार श्री राजेंद्र पुंजु मोरे सफाई कामगार यांना पुनश्च कामावर हजर करून घेण्यास मनपा अटी शर्तीनुसार मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शॉपिंग सेंटर मधील १ ते ४२ गाळ्यांचे दरमहा भाडे व डिपॉज़ीट (अनामत) रक्कम व गाळे हस्तांतर फी ठरविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८१ दिनांक १८/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे लेखापरिक्षक यांनी सन २०११-१२ या वर्षात मुळ परिच्छेद क्र. २५०४०५५९ नुसार २००४३९५९ नुसार डॉ. सर्व. राधाकृष्ण शॉपिंग सेंटर मधील गाळे धारकांची मुदत संपल्यानंतरही गाळे जाहीर लिलावाने, भाडयाने न देता नियमबाब्य मुदतवाढ देणेबाबत १ ते ६ मुदतवाढ पुर्तता करणेचे कळविले आहे.

मुद्दा क्र. १ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण शॉपिंग सेंटर मधील दुकाने (गाळे) नगरपालिका ठराव क्र. २५८ दि. १७/१०/१९८६ नुसार २० वर्ष मुदतीसाठी भाडेतत्वावर देण्यात आली होती त्यांची मुदत सन २००९-१० या वर्षात दिनांक ३१/३/२०१० अखेर संपली होती त्या गाळ्यांचा पुन्हा नव्याने लिलाव करून भाडेपट्ट्याने देणे आवश्यक असतांना नियमाप्रमाणे उचित कार्यवाही केली नाही.

मुद्दा क्र. २ स्थायी समिती ठ. क्र. ४१ दि. २५/११/२०११ नुसार भाडे ठरविण्याचा प्रस्ताव तहकूब केला पर्यायाने महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसान झाले

मुद्दा क्र. ३ डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण शॉपिंग सेंटर मधील १५ गाळे धारकांनी दुकानांची परस्पर खरेदी विक्री करून मनपाची मालमत्तेची विल्हेवाट लावली आहे. मुळ भागेवटादार यांनी महाराष्ट्र प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ७९ (फ) (अ) चे उल्लंघन करून परस्पर विक्री केलेली आहे. तरी सदरचे दुकाने खाली करून नव्याने लिलाव करून पुर्तता दाखवावी.

मुद्दा क्र. ४ नगररचनाकार यांनी निश्चीत करून दिलेली भाडे आकारणी दि. २/१/२०१३ नुसार भाडयाची व डिपॉज़ीटची आकारणी करून कमी आकारणी केलेल्या भाडयाची परिगणना करून सन (२०१०-११) पासुन वसुली करावी.

विषय क्रमांक:-६८

मुद्दा क्र.५- १ ते ४२ दुकानंदाराकडुन सन २०१०-११ पासुन भाडे आकारणी केली नाही ती नियमाप्रमाणे भाडे आकारणी करून व्याजासह वसुल करून पुरता दाखवावी.

मुद्दा क्र.६ गाळे भाडे पट्टयाने देतांना स्वयंस्पष्ट असलेल्या मनपाच्या अटी शर्ती नमुद करून परिपूर्ण असा लेखी स्वरूपात करारनामा योग्य त्या मुल्याच्या स्टॅम्प पेपरवर करणे व पुरता दाखविणे.

असा आक्षेप असल्याने म.नगररचनाकार यांनी दि.२/१/२०१३ रोजी ठरवून दिलेले दरमहा भाडे व डिपॉज़िट प्रमाणे आकारणी होवुन सन २०१०-११ पासुन आकारणी करून भाडे वसुली करावी लागेल. त्याकरीता धुळे महानगरपालिका ठराव क्रं. १६८ दि.२२/१/२०१३ चा झालेला ठरावात पुढील बाजुच्या गाळ्यास रु.साठ हजार मात्र हस्तांतर फी व मागील बाजुच्या गाळ्यास रु.चाळीस हजार मात्र हस्तांतरण फी प्रस्तावित करणेस तसेच म.नगररचनाकार यांनी ठरवून दिलेल्या रेडिरेक्नर नुसार निश्चीत केलेली भाडे आकारणी पैकी ५० टक्के भाडे आकारणी घेणेस तसेच प्रत्येक गाळ्यास डिपॉज़िट रु. एक लाख मात्र घेणेस मंजुरी दिल्याने म.लेखापरिक्षण यांनी मनपाचे आर्थीक नुकसान झालेले आहे व होत आहे म्हणुन लेखापरिक्षक यांनी आक्षेप घेतल्याने सदरचा ठराव मनपाच्या आर्थिक हिताच्या दृष्टीने पुर्वीचा झालेला ठराव रद्द करून नव्याने म.नगररचनाकार यांनी दि. २/१/२०१३ रोजी ठरवून दिलेले दरमहा भाडे व डिपॉज़िट रक्कम खालील प्रमाणे.

| दुकान नंबर | ठराव क्रं. २५८ दि. १७/१०/१९८६ नुसार मागील डिपॉज़िट | तत्कालीन आयुक्त सो. यांनी ठरवलेली डिपॉज़िट | नगररचना विभगाकडे २६/१२/२०१२ नुसार ठरवलेले दरमहा भाडे | नगररचना दि.२/१/२०१३ नुसार ठरवलेली डिपॉज़िट रक्कम |
|--|--|--|--|--|
| १ | १,५०,६००/- | ८,८०,०००/- | ४,१९८/- | ४,१९,८००/- |
| २,४,७,८ | १,२०,०००/- | ४,००,०००/- | ३,३४४/- | ३,३४,४००/- |
| ३,५,६ | १,२०,०००/- | ६,४०,०००/- | २,८१०/- | २,८१,०००/- |
| ९,१०,११,१२,१३, १५,१६,१७,१९, २०,२१,२२ | १,००,८००/- | ३,००,०००/- | २,८१०/- | २,८१,०००/- |
| १४,१८ | १,००,८००/- | ५,४०,०००/- | २,८१०/- | २,८१,०००/- |
| २३ | १,२३,६००/- | ४,५०,०००/- | ३,४४५/- | ३,४४,५००/- |
| २४,२५,२६,२९, ३१,३७,४०,४२ | ५१,६००/- | १,१०,०००/- | २,१३८/- | २,१३,८००/- |
| २७,२८,३०,३५, ३६,३८,३९,४१ | ५१,६००/- | १,५०,००० | २,१३८/- | २,१३,८००/- |
| ३२,३३,३४ | ६९,६००/- | १,१०,०००/- | २,९११/- | २,९१,१००/- |

उक्त प्रमाणे दरमहा भाडे व डिपॉज़िट रक्कम ठरवून मिळणेस्तव तसेच १ ते १५ गाळे धारकांनी परस्पर दुकाने खरेदी विक्री केलीअसल्याने गाळ्याचा ताबा महानगरपालिकेस हस्तांतरीत न केल्यामुळे इतर दुकानांच्या भाडेपट्टयाचा दुप्पट भाडे ठरविण्यात यावे तसेच इतर परस्पर कोणत्याही दुकान दाराने खरेदी विक्री केल्यास त्यासही उक्तप्रमाणे भाडेवाढ करण्यात यावी व दरवर्षी १० टक्के भाडेवाढ करण्यात यावी असे महाराष्ट्र शासनाचे स्थायी निर्देश क्र.२४ दि.२८ऑक्टोबर२००४ मध्ये म्हटले आहे.त्याच प्रमाणे हस्तांतरण फी म्हणुन वार्षिक भाडयाच्या पाच पट हस्तांतरण फी म्हणुन घ्यावी लागेल. असे शासनाचे स्थायी निर्देश आहेत उक्त प्रमाणे महासभेची नव्याने मंजुरी घेणे आवश्यक आहे. असा प्रस्ताव मे. महासभेदु निर्णयार्थ सादर करण्यांत आलेला आहे.

उक्त प्रस्तावावर सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार लेखा परीक्षकांनी यापूर्वी केलेल्या ठराव नंबर १६८ दि. २२/१/२०१३ अन्वये झालेल्या ठरावावर लेखा आक्षेप घेऊन सदर ठराव मनपा आर्थिक हिताच्या विरुद्ध असल्याचे नमूद केलेले आहे. त्यामुळे सदर ठराव नं. १६८ दिनांक २२/१/२०१३ रद्द करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सदर राधाकृष्णन शॉर्पींग सेंटर मधील गाळे धारकांची मुदत सन २०१० ला संपलेली आहे. त्यामुळे सदर शॉर्पींग सेंटर मधील गाळ्यांचा पुनरश लिलाव करणे हे लेखा परीक्षकांनी दिलेल्या व प्रशासनाच्या स्थायी निर्देशानुसार आवश्यक आहे. तसेच प्रशासनाने या प्रस्तावात त्याबाबत कोणताही उल्लेख केलेला नाही. परंतु सदर गाळे धारक हे सुमारे १९८६ पासून येथे व्यवसाय करीत आहेत. नियमाप्रमाणे गाळे रिकामे करण्यांस कायदेशीर अडचणी निर्माण होण्याची शक्यता आहे. त्यामुळे याबाबत तांतडीने गाळे खाली करणेबाबत निर्माण होणा-या कायदेशीर मुद्याबाबत म्यु.पल वकीलांचा अभिप्राय घेऊन कायदेशीर कार्यवाही करणे आवश्यक असल्याने याबाबत तांतडीने अभिप्राय घेणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच प्रशासनाने महासभेत सादर केलेल्या टिप्पीत केलेल्या टिप्पीत सन २०१२ - १३ च्या रेडीरेकनर नुसार नगररचनाकार यांनी भाडे व डिपॉझीट प्रस्तावित केलेले आहे. सद्यस्थितीत २०१४-१५ सुरु आहे.त्यामुळे सन २०१४-१५ च्या रेडि रेकनर नुसार भाडे व डिपॉझीट प्रस्तावित करणे आवश्यक आहे. त्यामुळे म. नगररचनाकार यांचेकडून त्याप्रमाणे भाडे व डिपॉझीट ठरवून घेण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सदर गाळे किती मुदतीने दयावेत याबाबतही टिप्पीत उल्लेख नाही. तसेच गाळे हस्तांतरणाबाबतही करावयाच्या कार्यवाहीचा उल्लेख नाही. याबाबत प्रशासनाने स्वंयस्पष्ट अभिप्राय व अहवाल सादर करावा. सदर कार्यवाही एक महिन्यांच्या आंत पूर्ण करावी. व पुढील महासभेत संपूर्ण कायदेशीर अभिप्रायासह परिपूर्ण प्रस्ताव सादर करावा.तोपावेतो सदर विषय तहकूब करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच मनपा उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने शहरातील मनपा मालकीचे अन्य शॉर्पींग सेंटर बाबतही आढावा घेऊन त्यांच्याही भाडे अनामत व मुदतीबाबत अहवाल व प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करावा.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ६९

मा.संजय सुधाकर जाधव विरोधी पक्षनेता यांच्या पत्रानुसार धुळे मनपा मालकीच्या मालमत्तेसाठी इस्टेट मॅनेजर तसेच कायदेशीर सल्लागार नेमणूकी बाबत सादर केलेले त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८२ दिनांक १८/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा. विरोधी पक्षनेता श्री. संजय सुधाकर जाधव यांनी धुळे महानगरपालिकचे शहरामध्ये विविध ठिकाणी शॉर्पींग सेंटर निवासी इमारती,इमारती ज्या भोगवटाधारकांना दिल्या आहेत. त्यासर्व भोगवटाधारकांनी मनपाच्या इमारती व शॉर्पींगवर आपला पूर्ण हक्क आहे या भावनेतून अतिक्रमणकेले आहे. काही तर पोट भाडेकरु ठेवले असून ज्यांचेकडून महिन्याला हजारो रुपये कमवित आहे. तर काही भोगवटा धारकांनी शॉर्पींग परस्पर नोटरी करून विकले आहे.

हे सर्व हाताळण्यासाठी स्वतंत्र इस्टेट मॅनेजर तसेच कायदेशीर सल्लागाराची नेमणूक करण्यात यावी जेणे करून म.न.पा.चे मालमत्तेचे रेकॉर्ड काम अपडेट होईल उत्पन्नात वाढ होऊन उताराचे ताब्यात असलेले भूखंड पुन्हा पालिकेच्या ताब्यात घेता येतील.

तसेच ब-याच वेळा मालमत्ता खाली करतांना कायदेशीर बाब निर्माण होते म्हणून कायदेशीर प्रकरणे हाताळण्यासाठी कायदेशीर सल्लागार व इस्टेट मॅनेजरची त्या अनुषंगाने

नेमणूक करणे आवश्यक आहे.या विभागाची कामाची व्याप्ती पाहता मनपा मालमत्ता नोंदी ठेवणे तसेच मालमत्तांचं हस्तांतर करणे इत्यादी कामे पाहिजे त्या प्रमाणात काळजीपूर्वक होत नाहीत. त्यासाठी स्वतंत्र इस्टेट मॅनेजर तसेच रेकॉर्ड किपर यांची आवश्यकता आहे.असा प्रस्ताव मे. महासभेपुढे निर्णयासाठी सादर झालेला आहे.

उपस्थितीत सदस्यांनी केलेल्या चर्चा नुसार धुळे महानगरपालिकेसाठी इस्टेट मॅनेजर तसेच रेकॉर्ड किपर यांची नियुक्ती अत्यंत आवश्यक आहे. धुळे मनपाच्या मालकीच्या जागा, इमारती, शॉर्पिंग सेंटर यांची नोंद घेऊन त्यांची सद्यस्थिती अद्ययावत ठेवणे हे मनपा आर्थिक हिताच्या दृष्टीने आवश्यक आहे.यासाठी स्वतंत्र इस्टेट मॅनेजरची नियुक्ती करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.महानगरपालिकेच्या सेवा नियमावलीत इस्टेट मॅनेजर हे पद समाविष्ट आहे.शासना कडून नियमावली मान्य होई पावेतो यापदावर शहर अभियंता श्री.कैलास एन. शिंदे यांना नियुक्ती बाबत प्रशासनाने उचित कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/- X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ७०

धुळे महानगरपालिकेमार्फत टँकरव्दारे लग्नासाठी व इतर धार्मिक तसेच अनुंषणीक कार्यक्रमासाठी पाणीपुरवठा करण्यांसाठी टँकरचे दरात वाढ करणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८३ दिनांक १८/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका मार्फत टँकरव्दारे लग्नासाठी व इतर धार्मिक तसेच अनुंषणीक कार्यक्रमानिमित्त पाणीपुरवठा करण्यांत येत असतो.त्यासाठी म.न.पा.च्या दि. २६/१/२००५ नुसार खालील प्रमाणे दर ठरविण्यांत आलेले होते.

| | |
|--|----------------------|
| १) महानगरपालिका टँकरव्दारे पाणी पोहच करणे | रु. ३००/- प्रति टँकर |
| २) खाजगी टँकर मध्ये फक्त पाणी भरणे | रु. २५०/- प्रति टँकर |
| ३) खाजगी टँक्टर टँकर मध्ये पाणी भरणे | रु. २००/- प्रति टँकर |
| वरील दराबाबत होणारा खर्चाची माहिती खालील प्रमाणे | |
| १) डिझेल १ ट्रिपसाठी १२ कि.मी.३ - कि.मी. प्रति १ लिटर डिझेल लागते दर प्रति ६५ रुपये लिटर | २६०/- |
| २) ड्रायव्हर १०० प्रति ट्रिप | १००/- |
| ३) विलनर ५० रुपये प्रति ट्रिप | ५०/- |
| ४) घसारा २० रुपये प्रति ट्रिप | २०/- |
| ५) पाणी शुद्धीकरणासाठीचा खर्च रु.८ प्रति १००० लिटर रु.४०प्रति ५००० लिटर ४०/- | |
| ६) विद्युत, स्टेशनरी व सुपरविझन चार्ज | २००/- |
| | एकूण ६७०/- |

तरी वरील प्रमाणे टँकरचे दर वाढविणेबाबत मे.महासभेपुढे प्रस्ताव निर्णयासाठी सादर केला आहे.

उपस्थितीत सदस्यांनी केलेल्या चर्चा नुसार मनपामार्फत टँकरव्दारे पाणी पुरवठा करण्यासाठी येणारा खर्च लक्षांत घेता टँकरनचे दरात वाढ करणे मनपा आर्थिक हिताच्या दृष्टीने क्रमप्राप्त आहे. तथापि टँकरची मागणी ही कमी उत्पन्न गटातील कुटुंबाकडून जास्त प्रमाणात होत असते. त्यामुळे त्याचा विचार होणे आवश्यक आहे. टँकरचे दर वाढीचा विचार करतांना अशा नागरीकांवर अन्याय होणार नाही. व मनपाचे आर्थिक नुकसान होणार नाही. त्यासाठी प्रशासनाशी चर्चा केल्याप्रमाणे खालील प्रमाणे दर प्रस्तावित करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

- | | |
|---|----------------------|
| १) महानगरपालिका टँकरव्वारे पाणी पोहच करणे | रु. ५००/- प्रति टँकर |
| २) खाजगी टँकर मध्ये फक्त पाणी भरणे | रु.४५०/- प्रति टँकर |
| ३) खाजगी टँकटर टँकर मध्ये पाणी भरणे | रु.४००/- प्रति टँकर |
- सदर ठरावाची अंमलबजावणी दिनांक १/१/२०१५ पासून करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ७१

सन्मा.सदस्य श्री. संजय गुजराथी यांच्या पत्रानुसार धुळे शहरात पेठ भागातील शाळा क्रं.६ येथे पार्किंग झोन करणे सूचित केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८४ दिनांक १८/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. सदस्य श्री. संजय नारायण गुजराथी यांनी दिनांक २४/२/१४ रोजी पत्र नुसार धुळे मनपा हड्डीतील शाळा क्रं.६ आग्रारोड भागात पार्किंग करिता झोन करणेबाबत पत्र दिले असून सदरच्या ठिकाणी प्रत्यक्ष पाहणी केली असता सदरची जागा ही शाळेची असून आग्रारोड लगत आहे.तसेच सदरच्या ठिकाणी शाळेचे बांधकाम असून शाळेच्या पश्चिमेस आग्रारोड तर पूर्वेला आग्रारोड व ग.नं.४ ची बोळ असून अंदाजित ९.०० मिटर इतकी आहे.तसेच शाळेच्या मुख्य गेटला लागून अतिक्रमित दुकाने आहेत.व इमारतीचा पूर्वेला मोकळी जागेत शौचालयाचे बांधकाम शाळेच्या विद्यार्थ्यांकरिता आहे.तरी सदरची जागा पार्किंग साठी देणेबाबत शिक्षण मंडळाकडून नाहरकत दाखला घेणे आवश्यक आहे त्या अटीवर धोरणात्मक निर्णयासाठी महासभेपुढे ठेवणेबाबतचा अभिप्राय नगररचनाकार यांनी दिले आहे.

याशिवाय या शाळेत शिक्षण घेणा-या विद्यार्थ्यांना जवळच्या शाळेत सामावून घेण्याबाबतही शिक्षण मंडळाचा अभिप्राय घ्यावा तसेच लेखी पत्र शिक्षण मंडळास पाठवावे असे अभिप्राय म. आयुक्त सांगे. यांनी दिले आहेत.

सदर प्रस्ताव धोरणात्मक निर्णयासाठी मे.महासभेपुढे आला असता उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सदर प्रस्तावीत जागा ही मनपाच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वपूर्ण आहे.तथापि सदर जागा पार्किंग झोन करणेस संदर्भात सदस्यांमध्ये मतभिन्नता आहे. शहरातील रहदारी व बाजार पेठेची स्थिती लक्षात घेता पार्किंग झोनची आवश्यकताही तेवढीच महत्वाची आहे.धुळे महानगरपालिकेमार्फत हॉकर्स झोन समिती स्थापन करण्यांत आलेली असून त्यांत मनपा तसेच शासकीय अधिकारी व सामाजिक संस्थांचे प्रतिनिधी यांचा समावेश आहे. हॉकर्स समितीशीही यासंदर्भात चर्चा करून पार्किंग झोन बाबत निर्णय होणे आवश्यक आहे. सदर जागेबाबत सदस्यांमध्ये मतभिन्नता असल्याने प्रशासनामार्फत शहरातील बाजार पेठ भागातील अन्य मनपा मालकीच्या मोकळ्या पर्यायी जागाबाबत पहाणी करण्यांत यावी व अशा जागांबाबत आपला अभिप्राय व अहवाल त्वरीत सादर करावा तो पावेतो सदर विषय तहकूब ठेवण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-७२

महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १४३ अन्वये अनाधिकृत बांधकाम नियमानुकूल करण्यासाठी आकारावयाचे दर निश्चित करणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८५ दिनांक १७/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणधुळे महानगरपालिकेच्या सन २०१४-१५ या वित्तीय वर्षातील अंदाजपत्रकांत मनपा उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने ठळक तरतुद व त्यापासुन मिळणारे अपेक्षीत उत्पन्न सुचित केले आहेत. त्यातील नगररचना विभागाकडील बांधकाम पुर्णत्व दाखल्यापासुन ज्या मालमत्ताधारकांनी बांधकाम परवानगी न घेता मालमत्ता उभारल्यास तसेच ज्यांनी परवानगी घेतल्या आहेत परंतु त्याव्यतिरीक्त बांधकाम केले आहे.अशा मालमत्ताधारकांवर दंडात्मक कारवाई करून मिळणारे उत्पन्न २८ कोटी इतके अपेक्षीत सुचित केले आहे.

त्या अनुषंगाने मनपाचे उत्पन्न वाढविण्यासाठी संबंधित विकास विषयक परवानगी संदर्भात जमीन मालक /संस्था /विकासक यांचेकडून विविध बाबीसंदर्भात दंडात्मक शुल्क आकारणेबाबत महाराष्ट्र प्रादेशीक व नगररचना अधिनियम १९६६ चे कलम १४३ नुसार तरतुद आहे.अनधिकृत बांधकामे नियमानुकूल करण्यासाठी व आकारावयाचे दर निश्चित करणे बाबत विषय म. महासभेपुढे निर्णयार्थ ठेवणेत आला होता. त्यास अनुसरुन धुळे मनपा ठराव नंबर ५६ दि. ११/८/२०१४ अन्वये सांगली मिरज कुपवाड धरतीवर दर निश्चित करणेबाबत प्रस्तावीत होते तथापि सदर दर जास्त वाटत असल्याने इतर महानगरपालिकांची (जळगांव, मालेगांव, नाशिक,अहमदनगर किंवा इतर) माहिती मागवून सुधारीत प्रस्ताव सादर करावा तोपर्यंत सदर विषय स्थगित ठेवण्यांस मान्यता देण्यांत आली होती. उक्त ठरावानुसार मनपा तफे अहमदनगर, मालेगांव, जळगांव व नाशिकइत्यादी मनपा कडून सविस्तर माहिती मिळणेसाठी पत्र देण्यांत आले होते.मालेगाव व जळगाव या महानगरपालिकांनी उक्त विषयाबाबत कोणतीही नियमावली तयार केली नसल्याचे कळविले आहे. उर्वरीत अहमदनगर व नाशिक मनपाच्या प्राप्त झालेल्या माहितीनुसार पूर्वीच्या प्राप्त झालेल्या सांगली मिरज कुपवाड या मनपाच्या माहिती तक्त्यासोबत तुलनात्मक तक्ता तयार करण्यांत आलेला आहे. सोबत जोडलेला आहे.त्यानुसार बांधकाम चटई क्षेत्र निर्देशाकांचे कोणत्याही प्रकारचे उल्लऱ्यांत नमूद क्रं.५नुसार दंडात्मक रक्कम आकारणी करण्यांस सन्मा.पदाधिकारी यांच्याशी झालेल्या चर्चेनुसार सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व उपस्थित झालेल्या मुद्द्यानुसार खालील तक्त्यांत नमूद क्रं.५नुसार दंडात्मक रक्कम आकारणी करण्यांस सन्मा.पदाधिकारी यांच्याशी झालेल्या चर्चेनुसार सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.क्र. | उत्पन्नाची बाब | दर ठरविण्याचे कारणे | धुळे महानगरपालिकेने सुचविलेले दर. | मे.महासभेत झालेल्या चर्चेनुसार अंतिम मान्यता देण्यांत आलेले दर |
|--------|----------------|---------------------|-----------------------------------|--|
| १ | २ | ३ | ४ | ५ |

| | | | | |
|----------|--|--|---|---|
| १ | वाहनतळ विनापरवाना अन्य वापर | भुखंडधारक/विकासक बांधकाम परवाना प्रस्ताव सादर करतांना बांधकाम नकाशावर खुल्याजागेत अगर स्टील्ट मध्ये वाहनतळाचे क्षेत्र दर्शवितात. प्रत्यक्षात मात्र या वाहनतळाचा वापर अन्य कारणासाठी होतो. असे सर्वसाधारणपणे दिसुन येते सबब मंजुर बांधकाम नकाशा वर वाहनतळ म्हणुन दर्शविलेल्या क्षेत्राचा वापर वाहनतळ व्यतीरीक्त अन्य वापरासाठी केला जात असल्याने महानगरपालिकेच्या निर्दर्शनास आल्यास अथवा अशा स्वरूपाची तक्रार प्राप्त झाल्यास व त्यात तथ्य आढळल्यास दंडात्मक कार्यवाही करणेत येईल. | रहिवास शुल्काच्या वाणिज्य शुल्काच्या उपरोक्त प्रमाणे रहिवास वापर विकास वाणिज्य वापर विकास औद्योगीक वापर विकास शुल्काच्या उपरोक्त प्रमाणे दंडात्मक रक्कम आकारून वाहन- तळा व्यतीरीक्त केला जाणारा वापर त्वरीत बंद करणेत येईल. | शासनाच्या मान्यतेनंतर रकाना क्रं.४ मध्ये नमूद दर नुसार कार्यवाही करणेस मान्यता |
| २ | तळघराचा विनापरवाना अन्य वापर | मंजुर विकास नियंत्रण नियमावलीप्रमाणे तळघर हे गोडावुन,वाहनतळ अशा वापरा साठी चटई क्षेत्रासाठी मुक्त अकारणे आहे. मंजुर बांधकाम नकाशात जर तळघराचे क्षेत्र चटई क्षेत्र निर्देशांक पासुन मुक्त दर्शविले असेल व त्याचा वापर मात्र निर्धारीत वापरापेक्षा वेगळा केला जात असल्याचे मनपास आढळून आल्यास किंवा तशी तक्रार प्राप्त होवुन त्यात तथ्यआढळल्यास अशीअनाधिकृत वापरा बाबत दंडात्मक रक्कम आकारली जाईल मात्र असा वापर नियमीत केला जाणार नाही. | रहिवास शुल्काच्या वाणिज्य शुल्काच्या २५ पट रक्कम वाणिज्य वापरा करीता ३५ पटरक्कम औद्योगीक वापरा करीता विकास शुल्काच्या ४५पट रक्कम उपरोक्त रक्कम हि विनापरवाना वापरा बाबत दंडात्मक रक्कम आहे. वापर अनुज्ञेयकरण ही बाब भुखंडाचा कमाल अनुज्ञेय चटई क्षेत्र निर्देशांक किंवा आहे व किंवा वापरला आहे यावर वापर प्रकरण निहाय अवलंबुन राहील.] | रकाना नं.४ मध्ये नमूद केल्यानुसार शासनाची मंजुरी घ्यावी. व सदर मान्यता येई पावेतो असणारे अनधित बांधकाम व वापराबाबत पाचपट घरपट्टी कर आकारणी करावी. |
| ३ (अ) | सामासिक अंतरात सुट देण्याबाबत अधिमुल्य ? | प्रचलित विकास नियंत्रण व बांधकाम नियमावली मधील नियम क्र.६.६ नुसार सामासिक अंतरात मा. आयुक्त सो. यांचे स्वेच्छाधिकारात सवलत देतो येते. अशा प्रकरणी संबंधीत भुखंडधारकाकडुन अधिमुल्य वसुल करणे आवश्यक आहे. | कमालअनुज्ञेय चटई क्षेत्र निर्देशांक मर्यादेतील व समारोल समासिक अंतर सोडुन अन्य तीन बाजुचे समासिक अंतरातील बांधकाम जास्तीत जास्त २०% पर्यंत सुट देऊन वापरनिहाय खालील प्रमाणे समासिक अंतरातील बांधकामा साठी अधिमुल्य अकारून नियमाकुल करता येईल. रहिवास रु. ५००/- वाणिज्य रु. ७५०/- औद्योगिक रु. १०००/- (प्रति चौ.मी.) | रकाना नं. ४ मध्ये नमूद दर आकारणी करणेत यावी. |
| ३ | तात्पुरते | बांधकाम नियमावलीमध्ये तात्पुरते | रहिवास वापरासाठी १० चौ.मी. | रकाना नं. ४ मध्ये नमूद दर |

| | | | | |
|-----|---|---|--|--|
| (ब) | बांधकाम | बांधकामास जास्तीत जास्त १ वर्षाचे कालावधीसाठी तात्पुरता परवाना देणेची तरतुद आहे. सदरचा परवाना देतांना कालबाब्य बांधकामासाठी शुल्क आकारणे आवश्यक आहे. सदरचे शुल्क दोन टप्प्यात मध्ये सहा-सहा महिने असे कमाल १ वर्षे कालावधीसाठी लागु राहील या कालावधी नंतर नियमीत बांधकाम परवानगी साठीचा अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. | ला रु.२००/- व त्यावरील १० चौ.मी. चे भागास रु.११०/- याप्रमाणेल्या सहा महिन्याचे कालावधी साठी लागु राहील. त्याच प्रमाणे वाणिज्य वापरासाठी वरील दराचे दुप्पट दर लागु राहतील. पुढील सहा महिन्याचे कालावधी साठी रहिवास व वाणिज्य दराचे दुप्पट दर लागु राहतील. | आकारणी करणेत यावी. |
| ४ | बांधकाम परवाना मंजुर होणेपूर्वीच बांधकाम सुरु करणे बाबत | महाराष्ट्र प्रादेशीक व नगररचना अधिनियम १९६६चे कलम ४८ प्रमाणे जमीनीच्या विकास करणेपूर्वी विहित नमुन्यात परवानगी अर्ज मनपाकडे सादर करणे आवश्यक आहे. सब्ब विकास करणेपूर्वी असल्यास व प्रस्तावीत बांधकाम हे मंजुर प्रादेशीक/ नगररचना योजना व विकास नियंत्रण नियमावली यांचे तरतुदीशी सुसंगम असेल व प्रत्यक्ष बांधकाम परवानगी मिळणे पूर्वीच बांधकाम सुरु केले अशा प्रकरणात संबंधीतांकडुन दंडात्मक शुल्क वसुल करणे आवश्यक आहे. | बांधकाम नकाशा मंजुर करण्यापूर्वीच बांधकाम सुरु केले असल्यास विकास शुल्क चारपट वसुल करण्याची तरतुद करण्यात यावी तसेच बांधकाम पूर्ण झाल्यास बांधकाम FSI च्या अधिन राहन खालीलप्रमाणे दंडनिहाय रक्कम वसुल करण्यास तरतुद करण्यास हरकत नाही. रहिवास वापरासाठी रु.१००० प्रती चौ.मी. वाणिज्य वापरासाठी रु.२००० प्रती चौ.मी. व औद्योगिक वापरासाठी १५०० प्रती.चौ.मी. | बांधकाम नकाशा मंजूर करण्यापूर्वीच बांधकाम सुरु केले असल्यास विकास शुल्क चारपट ऐवजी दुप्पट वसूल करण्यांची तरतुद करण्यांत यावी. जागेवर बांधकाम पूर्ण केले असल्यास रहिवास वापरासाठी रु. ५००/- प्रती चौ.मी. वाणिज्य वापरासाठी रु. १०००/- प्रती चौ.मी. औद्योगिक वापरासाठी रु. ७५०/- प्रती चौ.मी. असे दंडात्मक शुल्काची आकारणी करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. |
| ५ | परिपुर्ती दाखला न घेता इमारतीचा भोगवटा चालु केल्या बाबत | प्रारंभ प्रमाणपत्र घेवुन बांधकाम सुरु करून ते पूर्ण केले मात्र परिपुर्ती दाखला न घेताच इमारतीचा वापर सुरु केल्यास अशा भुखंड धारक /संस्थेकडुन दंडात्मक शुल्क वसुल करणे आवश्यक आहे. | परिपुर्ती प्रमाणपत्रासाठी अर्ज सादर करणे आवश्यक आहे. अर्ज न करताच वापर सुरु केल्याबद्दल रहिवास वापरासाठी प्रती वर्षी रु.५०००/-वाणिज्य रु.१०,०००/-प्रती ५० चौ.मी. बांधकाम क्षेत्रासाठी दर लागु राहतील. | परिपुर्ती दाखला घेणे बंधनकारक आहे. रहिवास वापरासाठी रु.१०००/- प्रतिवर्ष प्रती बांधकाम युनिट वाणिज्य वापरासाठी रु.५०००/- प्रती वर्ष प्रती प्रती बांधकाम |
| ६ | कुंपनभिंत | कुंपनभिंत विकासासाठी आकारणीचे दर निश्चित केलेले नसल्याने त्यासाठी दर निश्चित करणे आवश्यक आहे. | रु.१०/- प्रती रनिंग मीटर साठी व नियमबाब्य उंचीचे कुंपनभिंतीस रु.५०/- प्रती रनिंग मीटरसाठी दंडात्मक शुल्क व नियमबाब्य उंची स्वर्खर्चाने काढून आवश्यक राहिल. (सांगली मिरज प्रमाणे) | रु.१०/- प्रती रनिंग मीटर साठी व नियमबाब्य उंचीचे कुंपनभिंतीस रु.५०/- प्रती रनिंग मीटरसाठी दंडात्मक शुल्काची आकारणी करावी. |
| ७ | नकाशाच्या | मंजुर बांधकाम नकाशाच्या सत्यप्रती देणे | अर्जदाराने बांधकाम नकाशाच्या | अर्जदाराने बांधकाम नकाशाच्या |

| | | | | |
|----|---|--|---|---|
| | सत्यप्रती | कामी शुल्क आकारणी करणे आवश्यक आहे. | अमोनिया प्रिंट्स सादर केल्यास रु.१००/- एका प्रतीसाठी व मनपा कडुन नकाशा झेरॉक्स करून सत्यप्रती असल्यास रु.२००/- एका प्रतीस | अमोनिया प्रिंट्स सादर केल्यास रु. १००/- एका प्रतीसाठी व मनपा कडुन नकाशा झेरॉक्स करून सत्यप्रती असल्यास रु.२००/- एका प्रतीस |
| ८ | तक्रार शुल्क | नगररचना विभाग संदर्भातील कोणत्याही प्रकारच्या नागरी तक्रारी आक्षेप अर्ज इ. साठी तक्रारदाराने तक्रार शुल्क मनपा कडे भरणे आवश्यक आहे.या मुळे तथ्याहिन तक्रारीची संख्या कमी होवुन दैनंदीन कामकाज सुकट होईल. | वसुली विभागाकडील मालमत्ता कर निरंक असल्याबाबत दाखला आवश्यक राहील. | तक्रार शुल्क रु. १०००/- घरपट्टी विभागाकडील मालमत्ता कर निरंक असल्याचा दाखला आवश्यक राहील. तक्रारीत तथ्य निघाल्यास ५० टक्के रक्कम तक्रारदारास परत करावी. |
| ९ | अस्तित्वात असलेले बांधकाम काढुन टाकणे बाबत | नगररचना विभागाकडुन बांधकाम परवाना घेतांना नकाशावर to be demolished असे दर्शविलेले अस्तित्वातील बांधकाम बन्याचदा प्रत्यक्षात पाडले नसल्याचे निर्दर्शनास आल्यास दंडात्मक शुल्क आकारणे आवश्यक आहे. | मंजुर नकाशाप्रमाणे नवीन बांधकामास सुरुवात केल्यानंतर पाडावयाचे अस्तित्वातील बांधकाम पाडले नसल्याचे निर्दर्शनास आल्यास रु.१५/- प्रति चौ.मी. याप्रमाणे दंडात्मक कारवाई केली जाईल. | मंजुर नकाशाप्रमाणे नवीन बांधकामास सुरुवात केल्यानंतर पाडावयाचे अस्तित्वातील बांधकाम पाडले नसल्याचे निर्दर्शनास आल्यास रु.१५/- प्रति चौ.मी. याप्रमाणे दंडात्मक कारवाई करावी. |
| १० | जीना पॅसेजचे क्षेत्र वगळणेचे अनुज्ञेय क्षेत्र साठी staircase free of F.S.I. हवी असल्यास | मंजुर विकास नियंत्रण नियमावलीत वापरानुसार जीना व पॅसेजसाठी पुरुस्कृत केलेले किमान क्षेत्र चटई क्षेत्र निर्देशांक मुक्त हवे असल्यास त्यासाठी शुल्क आकारणे आवश्यक आहे. किमान यापेक्षा जास्तीचे क्षेत्र हे चटई क्षेत्र निर्देशांकात अंतर्भूत करावे लागेल. | जमिन मुल्याच्या तिन पट | जमिन मुल्याच्या तिन पट आकारणी करावी. |
| ११ | बाल्कनी व लगतची खोली यामधील भिंत काढुन टाकणे | मंजुर नकाशावर खोलीलगत बाल्कनी दर्शवली आहे. तथापी प्रत्यक्ष बांधकाम करतांना काही वेळा खोली व बाल्कनी यातील भिंत न बांधता बाल्कनीचे क्षेत्र खोली म्हणुन विना परवाना परवान्यासह वापरण्यासाठी दंडात्मक शुल्काची आकारणी करणे आवश्यक आहे. | जमिन मुल्याच्या तिन पट | जमिन मुल्याच्या तिन पट आकारणी करावी. |
| १२ | | मंजूर बांधकाम आराखडयात न दर्शविलेली अनुज्ञेय सामाजिक अंतरात येणारी ०.७५ मी. रुंदीची कपाटे, फ्लॉवर बेड, जीन्याचा विसावा इत्यादी. | जमिन मुल्याच्या तिन पट | जमिन मुल्याच्या तिन पट आकारणी करावी. |
| १३ | | बांधकाम परवानगी रहिवास वापरासाठी असतांना प्रत्येक वापर वाणिज्य अथवा औद्योगिक कारणासाठी करणे. | रहिवास निरंक वाणिज्य वापर अथवा औद्योगिक वापर जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) १५ % + १५ % + विकास भार प्रति | रहिवास निरंक वाणिज्य वापर अथवा औद्योगिक वापर जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) १५ % + विकास भार प्रति वर्षी आकारणी |

| | | वर्षा | करावी |
|----|---|--|--|
| १४ | ग्रांउड कक्षरेज (बिल्टअप एरियात ही अट एकूण बांधकाम क्षेत्राच्या २०% शिथिल करणे. | जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) २५ % + विकास भार वाणिज्य करीता जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) ५० % + विकास भार | जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) २५ % + विकास भार वाणिज्य करीता जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) ५० % + विकास भार आकारणी करावी |
| १५ | मंजुर बांधकामा व्यतीरिक्त स्वतःच्या हद्दीत केलेले पोर्चचे बांधकाम. | जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) तिन पट वाणिज्य करीता जमिन मुल्याच्या (शिघ्रसिध्दगणक) सहापट | सदरची कार्यवाही शहरातील बांधकामाची परिस्थिती लक्षांत घेता रद्द करण्यांत येत आहे. |
| १६ | छाननी शुल्क | <p>अ) इमारत बांधकाम परवानगी/बिनशेती करिता बांधकाम परवागनी तपासणी फी.</p> <p>अ) इमारत बांधकाम परवानगी/बिनशेती करिता बांधकाम परवागनी तपासणी फी.</p> <p>१) रहिवासी करीता :- र.रु.६/- प्रती चौ.मी. कमीतकमी र.रु.१००/जास्तीत जास्त रु.१५०/-</p> <p>२) रहिवासी व्यतीरिक्त :- र.रु.१०/- प्रति चौ.मी. कमीत-कमी र.रु. २००/- जास्तीत-जास्त र.रु. १००००/-</p> <p>३) शैक्षणिक करीता :- रहिवासी दराने येणा-या रक्कमेच्या १.५० रक्कम कमीत-कमी र.रु. १००/- जास्तीत-जास्त र.रु. ३०००/-</p> <p>४) औद्योगिक करीता र.रु. १०/- प्रति चौ.मी. कमीत-कमी र.रु. २००/- जास्तीत-जास्त र.रु. १०,०००/-</p> <p>५) संरक्षक भिंत करीता :- र.रु. २/- कमीत-कमी र.रु. १००/- जास्तीत-जास्त र.रु. २,०००/-</p> <p>६) बांधकाम परवानगी नुतणीकरण शुल्क:- काही</p> | <p>अ) इमारत बांधकाम परवानगी/बिनशेती करिता बांधकाम परवागनी तपासणी फी.</p> <p>१) रहिवासी करीता :- र.रु.६/- प्रति चौ.मी. कमीत-कमी र.रु.१००/- जास्त रु.५००/-</p> <p>२) रहिवासी व्यतीरिक्त :- र.रु. १०/- प्रति चौ.मी. कमीत-कमी र.रु. २००/- जास्तीत-जास्त र.रु. १००००/-</p> <p>३) शैक्षणिक करीता :- रहिवासी दराने येणा-या रक्कमेच्या १.५० रक्कम कमीत-कमी र.रु. १००/- जास्तीत-जास्त र.रु. ३०००/-</p> <p>४) औद्योगिक करीता र.रु. १०/- प्रति चौ.मी. कमीत-कमी र.रु. २००/- जास्तीत-जास्त र.रु. १०,०००/-</p> <p>५) संरक्षक भिंत करीता :- र.रु. २/- कमीत-कमी र.रु. १००/- जास्तीत-जास्त र.रु. २,०००/-</p> <p>६) बांधकाम परवानगी नुतणीकरण शुल्क:-</p> |

| | | | | |
|----|--|---|---|--|
| | | <p>नाही.</p> <p>प्रति प्रस्ताव र.रु. २५०/- प्रति महिन्याकरीता विलंब शुल्क.रु.१०० /-</p> <p>७) सुधारीत बांधकाम परवानगी (३ वर्षाच्या मुदतीत) वरील १ ते ५ प्रमाणे इमारत बांधकाम परवानगीच्या १/४ रक्कम</p> | <p>काही नाही.</p> <p>प्रति प्रस्ताव र.रु. २५०/- प्रति महिन्याकरीता विलंब शुल्क.रु.१०० /-</p> <p>७) सुधारीत बांधकाम परवानगी (३ वर्षाच्या मुदतीत) वरील १ ते ५ प्रमाणे इमारत बांधकाम परवानगीच्या १/४ रक्कम</p> | |
| १९ | अभिन्यास मंजुरी | | | |
| | १) तात्पुरता अभिन्यास :- | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | |
| | २) अंतिम अभिन्यास :- | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | |
| | ३) उपविभाजन अथवा एकत्रिकरण :- | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | <p>अ) जमिनेचे विकसन करावयाचे क्षेत्र १००० चौमीपर्यंत प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४००/-</p> <p>ब) १००० चौमीपेक्षा जास्त प्रति चौ.मी रु.७/- कमीत कमी ७००/- व जास्तीत जास्त १४०००/-</p> | |
| | ४) सुधारीत तात्पुरता / अंतिम अभिन्यास मंजुरी | वरिल १ ते ३ प्रमाणे येणा-या रक्कमेच्या १/४ रक्कम | वरिल १ ते ३ प्रमाणे येणा-या रक्कमेच्या १/४ रक्कम | |
| | विविध दाखले | <p>अ) झोनिंग दाखले :-</p> <p>ब) नाहरकत दाखले,</p> <p>खरेदी/विक्री, मोजणीसाठी :-</p> <p>क) पिठाची गिरणी व इतर अनुज्ञेय व्यवसाय करणेसाठी ना हरकत दाखला.</p> | <p>अ) प्रती दाखला ४०० रु</p> <p>ब) प्रती दाखला ४०० रु</p> <p>क) प्रस्तावित बांधकाम क्षेत्राच्या प्रती चौ.मी २००/- कमीत कमी ५००/- व जास्तीत</p> | <p>अ) प्रती दाखला ५०० रु</p> <p>ब) प्रती दाखला ५०० रु</p> <p>क) प्रस्तावित बांधकाम क्षेत्राच्या प्रती चौ.मी २००/- कमीत कमी ५००/- व जास्तीत</p> |

| | | | |
|--|---|---|--|
| | ड) पेट्रोल/रॉकेल/गॅस इ. साठी ना हरकत दाखला. | जास्त १०००/- क)प्रस्तावित भुखंड क्षेत्राच्या प्रती चौ.मी.क्षेत्रासाठी १५ रु | जास्त १०००/- क)प्रस्तावित भुखंड क्षेत्राच्या प्रती चौ.मी. क्षेत्रासाठी १५ रु |
|--|---|---|--|

- १) तसेच बांधकाम परवानगीबाबतचा प्रस्ताव पूर्वीच दाखल केला असेल परंतु बांधकाम परवानगी प्रदान करण्यांत आलेली नाही तथापि बांधकाम धारकाने जागेवर बांधकाम करून घेतले असेल अशा बांधकाम धारकाने पूर्वी सादर केलेल्या बांधकाम परवानगीबाबतचे पुरावे सादर केल्यास अशा बांधकाम धारकाकडून विकास शुल्क + (चालू रेडिरेकनर दराने) + व ३०० प्रति चौरस मिटर अशी दंडात्मक रक्कम वसुल करण्यांत यावी.
- २) बांधकाम नियमाकुलच्या प्रस्तावात (एल.बी.टी. दर लागू होण्याच्या पूर्वीचे) पुरावे असल्यास चालू वर्षाच्या रेडिरेकनर दरानुसार व दंडात्मक रक्कम फक्त वसुल करावी. इतर कर (एल.बी.टी व उपकर) वसुल करु नये.

सर्वानुमते मंजुर

**महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे**

दिनांक १७/१२/२०१४ रोजीच्या महासभेत सन्मा.सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या मुद्द्याबाबत झालेले निर्णय

- १) सन्मा.नगरसेविका सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी व श्री. पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम यांनी शहरातील मोकाट कुत्रांबाबत करावायाच्या कार्यवाही बाबत मुद्दा उपस्थित करून चर्चा केली. यावर मा.महापौर सौ.यांनी प्रशासनाने व आरोग्य विभागाने गंभीर दखल घेऊन याबाबत तांतडीने आवश्यक त्या उपाय योजना त्वारीत कराव्यात असे आदेशित केलेले आहे. तसेच शहरातील सार्वजनिक स्वच्छतेचा प्रश्न लक्षांत घेता मे.स्थायी समितीने संबंधित ठेकेदाराचे काम बंद करून मनपाने आपल्या कर्मचा-यांमार्फत स्वच्छतेचे काम करणेबाबत निर्णय घेतलेला आहे.त्यानुसार आरोग्य विभागाने याबाबत प्रभावी व कार्यक्षम रित्या कामकाज तात्काळ सुरु करणेबाबत कार्यवाही करावी. तसेच शहराचे ४ भाग करून ४ स्वतंत्र ठेकेदार नियुक्तीबाबत मे.स्थायी समितीने घेतलेल्या निर्णयानुसार तांतडीने फेर निविदा काढणेबाबत कार्यवाही करावी.
- २) सन्मा. नगरसेविका सौ.प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी व वैभवी अमित दुसाणे यांनी त्यांच्या भागातील शौचालयांच्या दरवाजा दुरुस्ती तसेच अन्य किरकोळ दुरुस्ती तथा कामाबाबत वारंवार तक्रार करूनही अधिकारी व प्रशासन लक्ष देत नसल्याची तक्रार केलेली आहे.तसेच प्रभागातील किरकोळ कामांबाबतही विलंब होत असल्याने नागरीकांच्या समस्यांना उत्तरे दयावे लागत असल्यांची तक्रार केलेली आहे. यावर शहर अभियंता यांनी किरकोळ कामांची देयके प्रलंबीत असल्याने किरकोळ कामांबाबत ठेकेदार कामे करण्यास तयार होत नसल्याने सदर देयके अदा करणेबाबतकार्यवाही केल्यास अशी कामे प्राधान्याने पूर्ण करण्यांत येतील असे प्रतिपादन केले.मा.महापौर सौ.यांनी प्रभागातील अशा किरकोळ स्वरूपाच्या दुरुस्त्या तथा कार्यवाही प्राधान्याने करणेबाबत तसेच या कामांच्या आवश्यकतेबाबत संबंधित नगरसेवकांचे लेखी घेऊन या कामाची देयके प्रशासनाने तांतडीने अदा करून कामाबाबत पूर्तता करावी असे आदेशित केले आहे.
- ३) नागरीक व सन्मा. नगरसेवकांच्या कार्यालयीन कामासाठी संबंधित ओवररिसिअर जागेवर उपलब्ध नसल्याच्या तक्रारी प्राप्त झालेल्या आहेत.याबाबत सर्व विभागाच्या ओवररिसिअर यांनी कार्यालयीन वेळेत सकाळी ११ ते १ व दुपारी ४ ते ६ या कालावधीत कार्यालय न सोडणेबाबत मा. महापौर सौ. यांनी आदेशित केलेले आहे. तसेच अन्य वेळेस कार्यालय सोडतांना त्याबाबतचे कारण बाह्य प्रणाली रजिस्टर मध्ये नोंद करूनच कार्यालय सोडावे.
- ४) सन्मा. नगरसेविका श्रीमती जुनाह रशमी अकील अहमद यांनी शिवाजी रोड वरील अंजान शाह बाबा दर्याजवळ स्पीड ब्रेकर बसविणेबाबत मागणी केलेली आहे. तसेच त्या रस्त्यावरील अग्रवाल भुवन येथील भिंतीमुळे अपघात होत असून त्याबाबतही योग्य ती कार्यवाही करण्यांची मागणी केलेली आहे.

यावर शहर अभियंता यांनी सदर स्पीड ब्रेकर तांतडीने टाकणेबाबत कार्यवाही करावी. तसेच तक्रारीत नमूद भिंती संदर्भात नगररचनाकार यांनी याबाबत पहाणी करुन त्यानुसार पुढील उचित कार्यवाही त्याच्या स्तरावरुन करावी असे मा. महापौर सांगी. यांनी आदेशित केलेले आहे.

- ५) सन्मा.नगरसेविका श्रीमती जुलाह रशमी बानो अकील अहमद यांनी त्यांच्या भागात इब्राहीम नामक व्यक्ती त्याच्या अधिकारात नागरीकांकडून बेकायदेशीर रित्या पैसे घेऊन अनाधिकृत नळ कनेक्शन देत असल्याने व त्याकडे प्रशासन दुर्लक्ष करीत असल्याने त्यांचे विरुद्ध कार्यवाही करण्याची मागणी केली आहे.यावर मा. महापौर सांगी. यांनी संबंधित इसमाविरुद्ध तात्काळ फोजदारी स्वरुपाचा गुन्हा दाखल करणेबाबत संबंधित ओव्हरिअर यांनी कार्यवाही करावी.तसेच संबंधित भागातील व्हॉलमन व फिटर यांनी याबाबीकडे लक्ष ठेवून बेकायदेशीर नळ कनेक्शनाबाबत चौकशी करावी. व त्याबाबत अहवाल सादर करावा.अन्यथा संबंधितांना याकामी जबाबदार धरून त्यांचेविरुद्ध नियमानुसार प्रशासनाने कडक कार्यवाही करावी असे आदेशित केलेले आहे.
- ६) सन्मा. सदस्य श्री.सुभाष सुकलाल जगताप यांनी देवपूर भागातील अनाधिकृत मोबाईल टॉवरवर कार्यवाही करणेसंदर्भात तक्रार केलेली आहे. तसेच श्री. चंद्रकांत काशिनाथ केले (केले काका) स्थायी समिती सभापती यांनी अनाधिकृत मोबाईल टॉवर धारकावर दंडात्मक कार्यवाही करणेसंदर्भात यापूर्वी स्थायी समितीने अंदाजपत्रकीय सभेत आदेश दिलेले असतांना अद्याप पावेतो किती मोबाईल टॉवर धारकांवर कार्यवाही करून किती दंड वसुल केला याबाबत प्रश्न उपस्थित केलेला आहे. यावर नगररचनाकार यांनी यासंदर्भात अनाधिकृत मोबाईल टॉवर धारकांना नोटीसा बजाविण्यांत आल्या असून मे. उच्च न्यायालयांत याबाबत याचिका दाखल आहे. सदर अनाधिकृत मोबाईल टॉवर धारकांवर कार्यवाही करणेसंदर्भात वकीलांचा अभिप्राय घेण्यांत आलेला असून सद्यस्थितीत त्यावर कार्यवाही करणे प्रलंबीत आहे. मे.उच्च न्यायालयांच्या पुढील निर्णयानुसार याबाबत प्रशासनामार्फत तांतडीने कार्यवाही करण्यांत येईल असे सांगितले.
- ७) सन्मा.नगरसेविका सौ.मायादेवी परदेशी यांनी मोगालाई परिसरातील तसेच आकाशदीप दुकानाजवळील अतिक्रमणासंदर्भात श्री.बैसाणे यांचेविरुद्ध तक्रार केलेली आहे.श्री. बैसाणे हे अतिक्रमण काढतांना दुजाभाव करून मनमानी पद्धतीने कार्यवाही करतात. तसेच त्यांना अतिक्रमण काढण्याबाबत कोणी अधिकार दिलेले आहेत याबाबत विचारणा केली. तसेच सभागृह नेते श्री. कमलेश देवरे व श्री. मनोज मोरे यांनीही श्री. बैसाणे यांच्या नियुक्तीबद्दल आक्षेप घेऊन त्यांच्या ऐवजी उपायुक्त श्री. पठारे सांगी. अतिक्रमण विभागाचा व एल.बी.टी. विभागाचा पदभार देणेबाबत सुचित केलेले आहे.याबाबत मा. महापौर सांगी. यांनी प्रशासनाशी चर्चा करून पुढील निर्णय घेण्यांत येणार असल्याचे जाहीर केले.

सही/-x x x

**महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे**

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
शुक्रवार दिनांक २६ डिसेंबर २०१४
वेळ सकाळी १०-३० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ड) अन्वये मा. महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष महासभा आज शुक्रवार दिनांक २६/१२/२०१४ रोजी सकाळी १०-३० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली.त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सधेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी १०-३० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ५ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ६ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ८ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| ९ | दुसाने वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १० | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| ११ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १२ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १३ | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १४ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १५ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १६ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १७ | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|----|----------------------------------|-----------|-------------------|
| १८ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २० | आधाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २१ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २२ | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २३ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २४ | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| २५ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| २६ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-०८ वाजता |
| २७ | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | सकाळी १०-३० वाजता |
| २८ | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | ----- " |
| २९ | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | ----- " |
| ३० | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | ----- " |
| ३१ | महाले कल्पना सूनिल | नगरसेविका | ----- " |
| ३२ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ३३ | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | ----- " |
| ३४ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| ३५ | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शब्बाल | नगरसेवक | ----- " |
| ३६ | पठाण जैबुन्निसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ३७ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ३८ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| ३९ | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४० | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ४१ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ४२ | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| ४३ | शार्दुल दिनेंश लहू | नगरसेवक | ----- " |
| ४४ | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेवक | ----- " |
| ४५ | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ४६ | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | ----- " |
| ४७ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ४८ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४९ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ५० | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | ----- " |
| ५१ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ५२ | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ५३ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|----|-----------------------|---------|-------------|
| ५४ | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | -----"----- |
| ५५ | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | -----"----- |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|---------------------|--|-------------------|
| १ | श्री. एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | श्री. के.ना. कुटे | प्र. मुख्य लेखा परीक्षक तथा लेखाधिकारी | ----- " ----- |
| ३ | श्रीमती हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त | ----- " ----- |
| ४ | श्री.मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहायक | ----- " ----- |
| ५ | श्री. एन.पी.सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " ----- |
| ६ | के.जी. खंदरकर | प्र. वसुली अधिक्षक | ----- " ----- |
| ७ | कल्पना जाधव | पकल्प विभाग लिपीक | ----- " ----- |
| ८ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " ----- |
| ९ | एस.आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " ----- |
| १० | आर.क्षी. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " ----- |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, , सन्मा.सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे. आजच्या सभेस प्र. आयुक्त हे कत्तलखान्याच्या अनाधिकृत बांधकाम त्याचे अतिक्रमण काढणेकामी घटना स्थळी गेलेले असल्याने त्यांचे ऐवजी उपायुक्त श्री. कवठळकर यांनी प्रशासनाच्या वतीने सभेचे कामकाज चालविणेसाठी व्यासपिठावर उपस्थित रहावे. नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.
सभेच्या सुरुवाती सन्मा. सदस्यांकडून आलेली श्रद्धांजलीची यादी
यादी देण्यांत येते की, सन्मा. नगरसेविका श्रीमती यमुनाबाई वसंत जाधव यांची नात कु. कंचन वाल्मीकी जाधव हिचे दुःखद निधन झाले. आजच्या महासभेत तीला श्रद्धांजली अर्पण करण्यांत येवन तसा ठाराव पारीत करण्यांत यावा.

म. महापौर सन्मा. सदस्यांच्या यादीनसार श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

धर्म महानगरपालिका ठराव नंबर ८६ दिनांक २६/१२/२०१४

“*It is the first time I have seen a man who has been to the moon*,” he said.

मन्ना महसूसांच्या याहीनसाम शळदंजली समर्पित करायांत येत आदे

सुन्ना. सुदस्यांच्या यादीनसार सुन्ना. नगरसेविका श्रीमती

यांची नात कु. कंचन वाल्मीक जाधव हिचे दुःखद निधन झाले. दोन मिनिटे मौन राहून त्यांना भाव पूर्ण श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धूळे महानगरपालिका, धूळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेच अर्ज सन्मा.सदस्य सर्वश्री -अब्दुल माबुद शेख अब्बास,फिरोज बशीर शेख,कर्णीष गुलशन उदासी, सैय्यद साबीरअली मोतेबर, चंद्रकांत काशिनाथ केले, मनिषा सतिष महाले, सारिका प्रवीण अग्रवाल,सतिष दिगंबर महाले,वालीबेन प्रकाशचंद्र मंडोरे इत्यादी सदस्यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शक्त नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

म. महापौर सन्मा.सदस्याच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८७ दिनांक २६/१२/२०१४

सन्मा.सदस्य सर्वश्री -अब्दुल माबूद शेख अब्बास,फिरोज बशीर शेख,कर्शीष गुलशन उदासी, सैय्यद साबीरअली मातेबर, चंद्रकांत काशिनाथ केले, मनिषा सतीष महाले, सारिका प्रवीण अग्रवाल,सतीष दिगंबर महाले,वालीबेन प्रकाशचंद्र मंडोरे इत्यादी सदस्यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती कैली आहे.सन्मा.सदस्याच्या विनंती अजानुसार आजच्या सभेस त्याची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्य श्री.चंद्रकांत मधुकर सोनार यांनी सभेच्या प्रारंभी धुळे शहरातील बहुचर्चित व अतिशय संवेदनशील विषय असलेल्या अनाधिकृत कत्तलखान्याबाबतआपचे नेते आदरणीय श्री. बाबासाहेब राजवर्धनजी कदमबांडे यांच्या मार्गदर्शनाखाली मा. महापौर यांनी कार्यक्षमपणे कार्यवाही केलेली असून प्रभावीपणे विषय हाताळलेला आहे. सदर अनाधिकृत कत्तलखाना मे. उच्च न्यायालयांच्या आदेशानुसार आज रोजी हटविला जात आहे. याकामी मा.महापौर सो. यांनी समक्ष पोलीस प्रशासनाशी संपर्क करून याबाबत केलेली कार्यवाही अभिनंदनास्पद असल्यामुळे त्यांचे आजच्या महासभेत सभागृहातर्फ अभिनंदन करण्यांत यावे.असा प्रस्ताव सादर केला.सदर प्रस्तावास सभागृह नेते श्री. कमलेश नारायण देवरे यांनी अनुमोदन दिले.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८८ दिनांक २६/१२/२०१४

धुळे शहरातील बहुचर्चित व अतिशय संवेदनशील विषय असलेल्या अनाधिकृत कत्तलखान्याबाबत आपचे नेते आदरणीय श्री. बाबासाहेब राजवर्धनजी कदमबांडे यांच्या मार्गदर्शनाखाली मा. महापौर यांनी कार्यक्षमपणे कार्यवाही केलेली असून प्रभावीपणे विषय हाताळलेला आहे. सदर अनाधिकृत कत्तलखाना मे.उच्च न्यायालयांच्या आदेशानुसार आज रोजी हटविला जात आहे. याकामी मा.महापौर सो. यांनी समक्ष पोलीस प्रशासनाशी संपर्क करून याबाबत केलेली कार्यवाही अभिनंदनास्पद असल्यामुळे त्यांचे आजच्या महासभेत सभागृहातर्फ अभिनंदन करण्यांचा ठराव पारीत करण्यांत येत आहे.

सुचक :- श्री. चंद्रकांत मधुकर सोनार, नगरसेवक,

अनुमोदक :- श्री. कमलेश नारायण देवरे , सभागृह नेता

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक :-७३

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० (५) मधील तरतुदीनुसार ८ (आठ) सदस्यांची स्थायी समितीवर नामनिर्देशनाव्वारे नियुक्ती करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ८९ दिनांक २६/१२/२०१४

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० (३) मधील तरतुदीनुसार स्थायी समितीचे निम्मे सदस्य (८ सदस्य) दिनांक १/१ /२०१५ रोजी दुपारी निवृत्त होत आहे.तसेच कलम २० (४) मध्ये असलेल्या तरतुदीनुसार दिनांक १८/१२/२०१४ रोजी झालेल्या स्थायी समितीच्या विशेष सभेत धुळे मनपा स्थायी समिती ठराव नंबर ९६अन्वये खालील नमूद केलेल्या सदस्यांच्या नावाची चिठ्ठी निघाल्याने हे सदस्य दि. १/१/२०१५ रोजी निवृत्त होणार आहेत.

१) श्री. शेख फिरोज बशीर - धुळे शहर विकास आघाडी

२) श्रीमती दुसाणे वैभवी अमित - धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी

३) श्री. पाटील सदाशिव उत्तमराव - धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष

- ४) श्री.जगताप सुभाष सुकलाल - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे
महानगरपालिका धुळे फ्रंट
- ५) श्रीमती वाघ इंदुबाई प्रकाश - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे
महानगरपालिका धुळे फ्रंट
- ६) श्रीमती बोरसे कल्पना सुरेश -राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे
महानगरपालिका धुळे फ्रंट
- ७) श्रीमती ठाकरे हिरा प्रभुदास - धुळे महानगरपालिका शिवसेना
- ८) श्री.शार्दुल दिनेश लहू - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे
महानगरपालिका धुळे फ्रंट

तसेच स्थायी समितीत कायम राहिलेल्या सदस्यांची नांवे पुढील प्रमाणे आहे.

- १)श्री.केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका) २) श्री. मासुळे अमोल पावबा
३)श्री.साखला गोविंद तुळशिराम ४) श्री. शेख अरशद अहमद फरीद अहमद
५)श्री. पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम ६) श्रीमती.आजळकर माधुरी नंदलाल
७)श्री. परदेशी नरेंद्र गोटू ८)श्री. डियालाणी कुमार नरोत्तम
स्थायी समितीचे ८ सदस्य दिनांक १/१/२०१५ रोजी निवृत्त होणार असल्याने स्थायी
समितीवर नवीन ८ सदस्यांची नियुक्ती करणे आवश्यक आहे.

यासाठी महाराष्ट्र मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम २०(५) नुसार तसेच कलम ३१(अ) १ तरतुदीनुसार व शासन परिपत्रक जा.क्रं.संकिर्ण २००८/२७६/प्र.क्र. १३/नवि - ३१ दिनांक १५ जुलै २००८ नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्या पत्रानुसार स्थायी समितीच्या रिक्त होणा-या ८ जागावर राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्षाचे ४ सदस्य, शिवसेनेचा १ सदस्य, भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेसचा १ सदस्य,भारतीय जनता पार्टीचा १ सदस्य व धुळे शहर विकास आघाडीचा १ सदस्य निवडून येतील.

यासंदर्भात दिनांक २३/१२/२०१४ रोजी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३१(अ) २ अन्वये सभागृह नेता, विरोधी पक्ष नेता, व अशा प्रत्येक पक्षाचा किंवा गटाचा नेता यांची बैठक मा. महापौर सो. यांचे दालनात बैठक आयोजित करून त्यांना अधिनियमातील तरतुदीबाबत माहिती देऊन आपल्या पक्ष व गटातर्फे सदस्यांची नांवे नामनिर्देशित करणेबाबत सूचित करण्यांत आले.

त्यानुसारआज रोजी विशेष महासभेत स्थायी समितीवरील रिक्त होणा-या ८ सदस्यांच्या जागा नामनिर्देशनाब्दारे नियुक्त करणेसाठी गट नेत्याकडून खालील प्रमाणे नांवे आलेली आहे.

- १) सौ.प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी - भारतीय जनता पार्टी
- २) श्री. विश्वनाथ प्रेमदास खरात - शिवसेना
- ३) श्री. अन्सारी अकील अहमद महमद सादीक - भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस
- ४) श्री. शरद एकनाथ वराडे - धुळे शहर विकास आघाडी
- ५) श्री. बोरसे रमेश महादू - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष,महानगरपालिका धुळे फ्रंट,
- ६) श्री. सोनार चंद्रकांत मधुकर - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष,महानगरपालिका धुळे फ्रंट
- ७) श्री. शिंदे सोनल दिलीप - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष,महानगरपालिका धुळे फ्रंट
- ८) श्री. पाटोळे संदीप सुरेश - राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष,महानगरपालिका धुळे फ्रंट

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम २० (५) व कलम ३१अ (२) मधील तरतुदीनुसार स्थायी समितीवरील रिक्त होणा-या ८ सदस्यांच्या जागी विविध पक्षांच्या गटनेत्याकडून प्राप्त झालेल्या पत्रानुसार वरील प्रमाणे ८ सदस्यांची स्थायी समितीवर सदस्य म्हणून नामनिर्देशित करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्व नवनिर्वाचित स्थायी समिती सदस्यांचे महासभेतर्फे मनःपुर्वक अभिनंदन .

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
बुधवार दिनांक ७ जानेवारी २०१५
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ड) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष महासभा आज बुधवार दिनांक ७/१/२०१५ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ५ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ६ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ७ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ८ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ९ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १० | दुसाने वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| ११ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| १२ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १३ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १४ | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १५ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १६ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १७ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १८ | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २० | आघाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २१ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २२ | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २३ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| २४ | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|----|----------------------------------|-----------|--------------------|
| २५ | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| २६ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| २७ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-३७ वाजतां |
| २८ | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २९ | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ३० | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ३१ | महाले कल्पना सूनिल | नगरसेविका | -----" |
| ३२ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ३३ | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | -----" |
| ३४ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | -----" |
| ३५ | अन्सारी महमद उमेर महमद शब्बाल | नगरसेवक | -----" |
| ३६ | पठाण जैबुन्निसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ३७ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ३८ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| ३९ | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |
| ४० | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |
| ४१ | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | -----" |
| ४२ | महाले मनीषा सतिष | नगरसेविका | -----" |
| ४३ | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेवक | -----" |
| ४४ | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ४५ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | -----" |
| ४६ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४७ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | -----" |
| ४८ | से. अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | -----" |
| ४९ | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | -----" |
| ५० | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | -----" |
| ५१ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----" |
| ५२ | जुलाहा रशमीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | -----" |
| ५३ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | -----" |
| ५४ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | -----" |
| ५५ | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | -----" |
| ५६ | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | -----" |
| ५७ | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | -----" |

उपस्थित अधिकर्त्त्री गण

| | | | |
|---|---------------------|----------------------|--------------------|
| १ | श्री. एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त (कर) | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | श्री. बी.बी. गिते | सहा. आयुक्त अतिक्रमण | -----" |

| | | | |
|----|-----------------------|-------------------|---------|
| ३ | श्री. मनोज अरविंद वाघ | प्र. नगरसचिव | ----- " |
| ४ | श्री. के. एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| ५ | श्री. के.जी. सुडके | एल.बी.टी. अधिक्षक | ----- " |
| ६ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | ----- " |
| ७ | श्री. बी. डी. जगदाळे | ओहरसिअर | ----- " |
| ८ | श्री. पी.डी. नाईक | प्र. लेखापाल | ----- " |
| ९ | श्री. गणेश खोंडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १० | श्री. एस.आर. बावीस्कर | भांडारपाल | ----- " |
| ११ | श्री. आर.क्षी. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्य, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज चालविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

म. महापौर प्र.आयुक्त सो.धनाड साहेब हे मिटींगसाठी मुंबई येथे गेले आहेत.उपायुक्त श्री.कवठळकर सो. यांनी पदभार संभाळावा.

सभेच्या सुरुवातीस आलेल्या सदस्यांचे रजेचे अर्ज.

सन्मा. सदस्य सर्वश्री. बोरसे कल्पना सुरेश, केले चंद्रकांत काशिनाथ, वराडे शरद एकनाथ, मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र, सैय्यद साबीर अली मोतेबर, शार्दुल दिनेश लहू, पाटोळे संदीप सुरेश इत्यादी सदस्यांनी अर्ज देवून अर्जात नमूद केलेल्या कारणासाठी रजा मंजर करणेबाबत विनंती केली आहे.

म. महापौर सन्मा. सदस्याच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धूळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०

सन्मा. सदस्य सर्वश्री.बोरसे कल्पना सुरेश, केले चंद्रकांत काशिनाथ,वराडे शरद एकनाथ,मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र,सैय्यद साबीर अली मोतेबर, शार्दुल दिनेश लहू,पाटोळे संदीप सुरेश इत्यादी सदस्यांनी अर्ज देवून अर्जात नमूद केलेल्या कारणासाठी रजा मंजर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्याच्या विनंती अर्जानुसार आज दि.७/१/२०१५ च्या सधेस त्यांची रजा
मंजर करण्यांत येत आहे. सर्वानंमते मंजर,

सर्वानमते मंजर,

सही/-x x x

महापौर,

धूळे महानगरपालिका, धूळे

म. महापौर सहा.आयुक्त श्री. कांबळे सो.हे प्रशासकीय कामासाठी जिल्हाधिकारी कार्यालयात गेले आहे.प्र.नगररचनाकार श्री. विसपुते हे आयुक्त श्री. धनाड सो. यांचे बरोबर मुंबईला मिट्टींगला गेलेले आहे. तसेच जे अधिकारी शासकीय कामासाठी गेलेले आहेत.त्या व्यतिरिक्त आजच्या सभेस जे अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित राहिलेले नाही. त्यांना प्रत्येकी ५००० रुपये दंड करण्यांत येत आहे. प्रशासनाने पढील उचित कार्यवाही करावी.

सही/-x x x

महापौर

धळे महानगरपालिका, धळे

विषय क्रमांक:- ७४

म. नगरसचिव

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३०(१) चे तरतुदीनुसार महिला व बालकल्याण समिती गठीत करणेसाठी कलम ३१ अ (१) व (२) चे तरतुदीनुसार महिला बालकल्याण समितीवर मान्यता प्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन महिला व बालकल्याण समितीचे सदस्यांचे नामनिर्देशन करणे.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम प्रकरण २ कलम ३०(१) नुसार महानगरपालिकेस वेळोवेळी आपल्या पालिका सदस्यांमधून (महिला व बालकल्याण समितीसह) विशेष समित्यांची नेमणूक करता येईल अशा समित्यांनी महानगरपालिका त्यांना वेळोवेळी जे अनुदेश देईल ते पाळले पाहिजेत. अशी तरतुद आहे.

(१-अ) महिला व बालकल्याण समितीवरील सदस्यांपैकी किमान पंचाहत्तर टक्के सदस्य हे महिला पालिका सदस्यांमधील असतील.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ५दिनांक ३१/१/२००९ नुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करणेसाठी ११ सदस्यांची संख्या व एक वर्षाचा कार्यकाळ निश्चित करण्यांत आलेला आहे.

म.विभागीयआयुक्त,नाशिक विभाग नाशिक यांचेकडील जा.क्रं.नपा/२/२/३२३/१४, ३२४/१४,३२५/१४,३२६/१४,३२७/१४ दिनांक१५/१/२०१४ अन्वये महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण अनर्हता नियम १९८७ मधील तरतुदीनुसार सदर नियमातील नियम ५ मधील तरतुदीनुसार विभागीय आयुक्त कार्यालयातील नोंदवहीत नमुना नं. IV मध्ये नोंदविण्यांत आलेली आहे. त्यानुसार सदर पत्रातील अनुक्रमानुसार नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

६) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टीच्या एकुण ३ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

७) धुळे महानगरपालिका शिवसेना पक्षाच्या एकुण ११ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

८) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या एकुण ७ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

९) धुळे शहर विकास आघाडीच्या एकुण १२ सदस्यांनी नोंदणी करण्यांत आलेली आहे.

१०) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट या महापालिका पक्षाच्या एकुण ३६ सदस्यांची नोंदणी करण्यांत आलेली आहे. त्या नोंदणीनुसार असलेले पक्ष, आघाडी व फ्रंट निहाय सदस्य बलाबल येथे प्रमाणे:-

महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांची संख्या निश्चित झाल्यास संख्याबळानुसार खालील प्रमाणे प्रतिनिधीत्व प्रमाण राहील.

७० निवडून आलेले सदस्य भागिले ११ स्थायी समितीवर निवडावयाच्या जागा एकुण प्रमाण ६.३६

उक्त प्रमाणे नियमानुसार प्रमाण निश्चिती होत आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम१९४९ चे कलम ३१अ नुसार प्रमाणशीर प्रतिनिधीत्व देऊन समित्यांवर नामनिर्देशनाबाबारे नियुक्ती करणे बाबत खालील प्रमाणे तरतूद आहे.

३) कोणत्याही समितीवरील पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही त्याने धारण केलल्या कोणत्याही पदाच्या आधारे असेल अशी ज्या बाबतीत या अधिनियमाबाबारे तरतूद करण्यांत आली असेल त्याव्यातिरिक्त एरव्ही, पुढील समित्यांच्या बाबतीत या अधिनियमात अथवा तदन्वये केलेल्या नियमात किंवा उपविधीमध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी, महानगरपालिकेबाबारे या समित्यांवर केली जाणारी पालिका सदस्यांची नियुक्ती ही पोट कलम (२) च्या तरतुदीनुसार पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करून करण्यांत येईल. मग ही नियुक्ती नियमित पदावरील असो किंवा नैमित्तिक रिक्त पदावरील असो:-

- अ) स्थायी समिती,
 ब) परिवहन समिती,
 क) कलम ३० अन्वये नियुक्त केलेली कोणतीही विशेष समिती
 ड) कलम ३१ अन्वये नियुक्त केलेली कोणतीही तदर्थ समिती.
- ४) समितीवर पालिका सदस्यांचे नामनिर्देशन करतांना, महानगरपालिका, मान्यताप्राप्त पक्षांचे अथवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे तौलनिक संख्याबळ विचारात येईल आणि सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता व अशा प्रत्येक पक्षाचा किंवा गटाचा नेता यांच्याशी विचार विनिमय करून शक्यतोवर, महानगरपालिकेतील अशा पक्षांच्या किंवा गटांच्या संख्याबळाच्या प्रमाणात सदस्याचे नामनिर्देशन करील.
- २ {परंतु मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष किंवा गट किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांचे तौलनीक संख्याबळ हे, प्रथमत: पालिका सदस्यांच्या एकुण संख्येला त्या समितीच्या सदस्यांच्या एकुण संख्याबळाने भागून परिगणित करण्यांत येईल व तदनंतर या भागाकाराच्या संख्येने मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष किंवा गट किंवा आघाडी किंवा फ्रंट यांच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येस भागण्यात येईल अशा प्रकारे आलेली संख्या ही त्या त्या मान्यताप्राप्त पक्षांचे किंवा नोंदणीकृत पक्षांचे किंवा गटांचे किंवा आघाडीचे किंवा फ्रंटचे तौलनिक संख्याबळ असेल अशा प्रकारे निश्चित केलेल्या तौलनिक संख्याबळाची संपूर्ण संख्या प्रथम विचारात घेऊन, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला जागा वाटून द्यावयाच्या राहून गेल्यास, त्या जागा तौलनिक संख्याबळातील सर्वात मोठ्या अपूर्णाक संख्येपासून सुरुवात करून तौलनिक संख्याबळातील अपूर्णाक संख्येच्या उतरत्या क्रमाने, त्या सर्व जागा वाटून दिल्या जाईपर्यंत, मान्यताप्राप्त पक्षांना किंवा नोंदणीकृत पक्षांना किंवा गटांना किंवा आघाडीला किंवा फ्रंटला प्रत्येकी एक याप्रमाणे वाटून देण्यांत येतील.}
- परंतु आणखी असे की, महाराष्ट्र स्थानिक प्राधिकरण सदस्य अनर्हता अधिनियम १९८६ (१९८७ चा महा.२०) मध्ये काहीही अंतर्भूत असले तरी या अधिनियमान्वये मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट यांचे तौलनिक संख्याबळ निश्चित करण्याच्या प्रयोजनाकरिता, निवडणूक निकालांच्या अधिसूचनेच्या दिनाकापासून एक महिन्यांच्या कालावधीच्या आत, मान्यताप्राप्त पक्ष किंवा नोंदणीकृत पक्ष वा गट अथवा कोणत्याही पक्षाचे किंवा गटाचे नसलेले निर्वाचित पालिका सदस्य यांना एकत्र घेऊन आघाडी किंवा फ्रंट तयार करता येईल आणि अशा आघाडीची किंवा फ्रंटची नोंदणी झाल्यावर, अशा आघाडीच्या किंवा फ्रंटच्या सदस्यांना, उक्त अधिनियमाच्या तरतुदी, जणू काही ही आघाडी किंवा फ्रंट निवडणूकी पूर्वीच नोंदणीकृत असल्याप्रमाणे, लागू होतील.
- (३) अशा पक्षाच्या किंवा गटाच्या वतीने नामनिर्देशित करावयाच्या पालिका सदस्यांच्या संख्येच्या बाबतीत कोणताही प्रश्न उद्भवल्यास, त्याबाबतीत, महानगरपालिकेचा निर्णय अंतिम असेल.}
- उक्त तरतुदीनुसार व मा.विभागीय आयुक्त, नाशिक यांचेकडे स झालेल्या पक्षीय गटांच्या नोंदणीनुसार व ६.३६ या प्रमाणानुसार खालील प्रमाणे पक्ष निहाय संख्याबळ नियमानुसार येत आहे
- ६) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंटचे
- | | | |
|--|-----------|--------|
| ३६/६.३६ | = ५.६६ | |
| ७) धुळे शहर विकास आघाडी | १२ / ६.३६ | = १.८८ |
| ८) धुळे महानगरपालिका शिवसेना | ११ / ६.३६ | = १.७२ |
| ९) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष ७/ ६.३६ | | = १.१० |
| १०) धुळे महानगरपालिका भारतीय जनता पार्टी ३/ ६.३६ | | = ०.४७ |

बहुजन समाज पार्टी यांनी विभागीय आयुक्त यांचेकडे स नोंदणी केलेली नाही परंतु त्यांचा एक सदस्य निवडून आलेला आहे. त्यांचे संख्याबळ १/६.३६ = ०.१५

पक्षीय संख्याबळानुसार व अधिनियमातील तरतुदीनुसार महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांची संख्या निश्चित झाल्यास खालील प्रमाणे सदस्याचे नामनिर्देशन करावे लागेल.

- | | | |
|---|---|-------|
| १) राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे मनपा धुळे फ्रंट | ६ | सदस्य |
| २) धुळे शहर विकास आघाडी | २ | सदस्य |
| ३) धुळे महानगरपालिका शिवसेना | २ | सदस्य |
| ४) धुळे महानगरपालिका भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्ष | १ | सदस्य |

नगरविकास विभागाकडील दिनांक ६ जुलै २०१० च्या शासन परिपत्रकानुसार सभेपूर्वी आपण सदस्य नामनिर्देशित करावयाचे असल्यास एक पाकिट मा. महापौर यांचेकडे दावयाचे असून दुसरे पाकिट मा.आयुक्त सो.यांचेकडे द्यावयाचे आहे. आणि सभेच्या दिवशी सभागृहात सदस्य नामनिर्देशित करावयाचे असल्यास त्याबाबतचे पत्र गटनेत्यांनी मा.महापौर सो. यांचेकडे द्यावयाचे आहे. याप्रमाणे दि. ५/१/२०१५ रोजी सभागृह नेता, विरोधी पक्षनेता व सर्व गटनेते यांची बैठक घेऊन माहिती देण्यांत आली होती.

त्यानुसार श्री.कमलेश नारायण देवरे, गटनेते राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष आणि सहयोगी अपक्ष धुळे महानगरपालिका धुळे फ्रंट, यांनी खालील प्रमाणे ६ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|---------------------------------|
| १ | वाडिले नलीनीबाई हनुमंत |
| २ | अन्सारी अफजुन्नीसा फजलू रहेमान |
| ३ | आघाव ललीता रविंद्र |
| ४ | जूलाहा नुरुन्नीसा मकबुल अली |
| ५ | जाधव यमुनाबाई वसंत |
| ६ | अन्सारी हलीमाबानो मोहम्मद शाबान |

तसेच शहर विकास आघाडीचे गटनेत्या श्रीमती माधुरी नंदलाल अजळकर यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|----------------------------|
| १ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र |
| २ | जुलाहा रशमीबानो अकील अहेमद |

तसेच शिवसेना पक्षाचे गटनेते श्री. संजय नारायण गुजराथी यांनी खालील प्रमाणे २ सदस्यांची नांवे दिलेली आहेत.

| | |
|---|-----------------------|
| १ | ज्योस्ना प्रफुल पाटील |
| २ | शंकुलता शंकर जाधव |

तसेच भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस पक्षाच्या गटनेत्या श्रीमती मोमीन आतियाबानो दोस्त महम्मद यांनी खालील प्रमाणे १ सदस्यांची नांवे दिलेली आहे.

| | |
|---|--------------------|
| १ | लिना युवराज करनकाळ |
|---|--------------------|

मा. महापौर

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३० (१) चे तरतूदीनुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करून तसेच कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतूदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक ५/१/२०१५ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार व आज गटनेत्यांकडून आलेल्या

लेखी पत्रानुसार खालील प्रमाणे महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|---------------------------------|-------|---------------------------|
| १ | वाडिले नलीनीबाई हनुमंत | ७ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र |
| २ | अन्सारी अफऱ्युनीसा फजलू रहेमान | ८ | जुलहा रशमीबानो अकील अहेमद |
| ३ | आधाव ललीता रविंद्र | ९ | ज्योस्त्ना प्रफुल पाटील |
| ४ | जूलाहा नुरुनीसा मकबुल अली | १० | शंकुलता शंकर जाधव |
| ५ | जाधव यमुनाबाई वसंत | ११ | लिना युवराज करनकाळ |
| ६ | अन्सारी हलीमाबानो मोहम्मद शाबान | | |

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११ दिनांक ७/०१/२०१५

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ३० (१) चे तरतूदीनुसार महिला बालकल्याण समिती गठीत करून तसेच कलम ३१ अ(१) व (२) चे तरतूदीनुसार मान्यताप्राप्त पक्षाचे व गटाचे तौलनिक संख्याबळ लक्षात घेऊन तसेच दिनांक ५/१/२०१५ रोजी झालेल्या गटप्रमुखांच्या बैठकीत झालेल्या चर्चेनुसार व आज गटनेत्यांकडून आलेल्या लेखी पत्रानुसार खालील प्रमाणे महिला बालकल्याण समितीवर ११ सदस्यांचे नामनिर्देशन करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | नांव | अ.नं. | नांव |
|-------|---------------------------------|-------|---------------------------|
| १ | वाडिले नलीनीबाई हनुमंत | ७ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र |
| २ | अन्सारी अफऱ्युनीसा फजलू रहेमान | ८ | जुलहा रशमीबानो अकील अहेमद |
| ३ | आधाव ललीता रविंद्र | ९ | ज्योस्त्ना प्रफुल पाटील |
| ४ | जूलाहा नुरुनीसा मकबुल अली | १० | शंकुलता शंकर जाधव |
| ५ | जाधव यमुनाबाई वसंत | ११ | लिना युवराज करनकाळ |
| ६ | अन्सारी हलीमाबानो मोहम्मद शाबान | | |

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

**धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
शुक्रवार दिनांक २० फेब्रुवारी २०१५
वेळ:- दुपारी ३-०० वाजतां**

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ड) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष महासभा आज शुक्रवार दिनांक २०/०२/२०१५ रोजी दुपारी ३-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सधेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सधेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सधेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | दुपारी ३-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४ | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ५ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ६ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ८ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ९ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| १० | बोरसे कल्यना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ११ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १२ | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १३ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|----|---|-----------|--------------------|
| १४ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १५ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १६ | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १७ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १८ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १९ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| २० | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| २१ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २२ | आधाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २३ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | ----- " |
| २४ | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २५ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २६ | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २७ | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | ----- " |
| २८ | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| २९ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |
| ३० | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| ३१ | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| ३२ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| ३३ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | दुपारी ३-२७ वाजतां |
| ३४ | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | दुपारी ३-०० वाजतां |
| ३५ | जाधव शंकुतला शंकर | नगरसेविका | ----- " |
| ३६ | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | ----- " |
| ३७ | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | ----- " |
| ३८ | महाले कल्पना सूनिल | नगरसेविका | ----- " |
| ३९ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ४० | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | ----- " |
| ४१ | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| ४२ | अन्सारी महमद उमेर महमद शब्बाल | नगरसेवक | ----- " |
| ४३ | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ४४ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ४५ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| ४६ | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४७ | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ४८ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ४९ | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|----|-----------------------------|-----------|---------|
| ५० | सैय्यद साबीर अली मोतेबर | नगरसेवक | ----- " |
| ५१ | शार्दुल दिनेश लहू | नगरसेवक | ----- " |
| ५२ | महाले मनिषा सतीष | नगरसेवक | ----- " |
| ५३ | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ५४ | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | ----- " |
| ५५ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ५६ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ५७ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ५८ | सौ.अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | ----- " |
| ५९ | महाले सतीष दिगंबर | नगरसेवक | ----- " |
| ६० | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ६१ | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ६२ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ६३ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ६४ | शेख अहमद शे. माबूद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ६५ | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| ६६ | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|-----------------------|-----------------------------------|--------------------|
| १ | श्री.के.क्ही. धनाड | प्र .आयुक्त तथा अति.आयुक्त | दुपारी ३-०० वाजतां |
| २ | श्री.डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त | ----- " |
| ३ | श्री.त्र्यंबक कांबळे | प्र.उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ४ | श्री.एम.आर. सरईत | मुख्य लेखापरीक्षक | ----- " |
| ५ | सौ.हेमलता डगळे | सहा. आयुक्त | ----- " |
| ६ | श्री.बी.बी.गिते | सहा. आयुक्त (अति.) | ----- " |
| ७ | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| ८ | श्री. पी. आर. दरेवार | कार्यकारी अभियंता | ----- " |
| ९ | श्री. यु.आर. भोई | ता अभियंता पा.पु. | ----- " |
| १० | श्री. आर.डी. माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | श्री. एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " |
| १२ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १३ | श्री. किशोर सुडके | ए.ल.बी.टी अधिक्षक | ----- " |
| १४ | श्री. गणेश खोडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १५ | श्री. एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १६ | श्री. हेमत पावटे | ओक्हरसिअर न.र. विभाग | ----- " |
| १७ | श्री. पी.डी. चव्हाण | ओक्हरसिअर | ----- " |
| १८ | श्री.सी.एम. उगले | ओक्हर सिअर | ----- " |

| | | | |
|----|--------------------------|-----------------------|--------|
| १९ | श्री.बी.डी. जगदाळे | ओक्हरसिअर | -----" |
| २० | श्री.सी.सी. बागुल | ओक्हरसिअर | -----" |
| २१ | श्री. सुनिल श्रीधर देवरे | पा.पु. अभियंता | -----" |
| २२ | श्री.एस.आर.बावीस्कर | भांडारपाल | -----" |
| २३ | श्री. आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | -----" |
| २४ | श्री.पी.डी. नाईक | प्र.लेखापाल | -----" |
| २५ | श्रीमती मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | -----" |

म. महापौर :-आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या,पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज चालाविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस आलेली श्रधांजलीची यादी

१) साधी राहणी स्वच्छ प्रतिमा, सौज्वळ व सामाजिक प्रश्नांची जाण असणारा नेता आणि प्रखर वक्ता अशी ओळख असलेले महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच राष्ट्रवादी कॉग्रेसचे ज्येष्ठ नेते व सर्वांचे लाडके आबा उर्फ आर.आर. पाटील यांचे दिनांक १६/२/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले त्यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करावा ही विनंती.

सुचक :- श्री. कमलेश नारायणराव देवरे, सभागृहनेता, मनपा धुळे

अनुमोदक :- हाजी ईस्माईल खॉ पठाण, नगरसेवक, मनपा धुळे

२) साधी राहणी स्वच्छ प्रतिमा, सौज्वळ व सामाजिक प्रश्नांची जाण असणारा नेता आणि प्रखर वक्ता अशी ओळख असलेले महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच राष्ट्रवादी कॉग्रेसचे ज्येष्ठ नेते व सर्वांचे लाडके आबा उर्फ आर.आर. पाटील यांचे दिनांक १६/२/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले त्यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करावा ही विनंती.

सुचक :- श्री. फारुक शाह हाजी अनवर शाह, उपमहापौर मनपा धुळे

३) ज्येष्ठ व्यंगचित्रकार कै. आर.के. लक्ष्मण मनपा सदस्य श्री. फिरोज बशीर शेख यांचे पिताशी कै. बशीर अब्दुल्ला शेख तसेच धुळे शहरातील प्रख्यात जनरल फिजीशीयन डॉ. दिलीप बोरसे यांचे नुकतेच दुःखद निधन झाले आहे त्यांना श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करावा ही विनंती.

सुचक:- श्री.कमलेश नारायणराव देवरे, सभागृह नेता, मनपा धुळे

४) धुळे शहरातील सामाजिक कार्यकर्ते व गरीबांचे डॉक्टर तसेच जलसंपदा विभागाचे कार्यकारी अभियंता श्री. सुधाकर बोरसे साहेब यांचे लहान बंधु डॉ. दिलीप रामदास बोरसे यांचे दि.१४/२/२०१५ रोजी पहाटे आकस्मात दुःखद निधन झाले आहे.

महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री तसेच राष्ट्रवादीचे माजी प्रदेशाध्यक्ष श्री.आर.आर. पाटील साहेब यांचे दि. १७/२/२०१५ रोजी मुंबईत अल्पशा आजाराने दुःखद निधन झाले आहे. तरी मान्यवरांचे श्रधांजली ठराव पारीत करण्यांत यावे ही विनंती.

सुचक:- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री आबासो.आर.आर.पाटील यांचे दुःखद निधन झाले आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९२ दिनांक २०/०२/२०१५

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार

१) साधी राहणी स्वच्छ प्रतिमा, सौज्वळ व सामाजिक प्रश्नांची जाण असणारा नेता आणि प्रखर वक्ता अशी ओळख असलेले महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री

- तसेच राष्ट्रवादी कॉग्रेसचे ज्येष्ठ नेते व सर्वांचे लाडके आबा उर्फ आर.आर. पाटील यांचे दिनांक १६/२/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले आहे.
- २) ज्येष्ठ व्यंगचित्रकार कै.आर. के. लक्षण यांचे दुःखद निधन झाले आहे. तसेच मनपा सदस्य श्री.फिरोज बशीर शेख यांचे पिताश्री कै.बशिर अब्दुल्ला शेख यांचे दुःखद निधन झाले आहे.
 - ३) धुळे शहरातील सामाजिक कार्यकर्ते व गरीबांचे डॉक्टर तसेच जलसंपदा विभागाचे कार्यकारी अभियंता श्री. सुधाकर बोरसे साहेब यांचे लहान बंधु डॉ. दिलीप रामदास बोरसे यांचे दि. १४/२/२०१५ रोजी पहाटे आकस्मात दुःखद निधन झाले आहे.

वरील मान्यवरांचे दुःखद निधनामुळे यासभेस आतीव दुःख होत आहे ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहून भावपूर्ण श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेच अर्ज

सन्मा.सदस्य सर्वश्री. चंद्रकांत काशिनाथ केले, सोनल दिलीप शिंदे, शेख फिरोज बशीर इत्यादी सदस्यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्याच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९३ दिनांक २०/०२/२०१५

सन्मा.सदस्य सर्वश्री - चंद्रकांत काशिनाथ केले, सोनल दिलीप शिंदे, शेख फिरोज बशीर इत्यादी सदस्यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

म. महापौर

विषय क्रमांक:-७५

धुळे शहरातील मालमत्तेवर आकारण्यांत येणा-या कर योग्य मुल्यावर आकारण्यात येणा-या करात वाढ करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९४ दिनांक २०/०२/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे तत्कालीन धुळे नगरपालिका ठराव क्र. ५२४ दिनांक १५/१२/१९९८ अन्वये दिनांक १/४/१९९९ पासुन करयोग्य मुल्यावर २४% वरुन २६% प्रमाणे मालमत्ता कराची दरवाढ करण्यात आली होती.

त्यानंतर दिनांक १७/६/२००२ रोजी करयोग्य मुल्यावर २६% वरुन २८% मालमत्ता करामध्ये वाढ करण्यासाठी कार्यालयीन टिप्पणी सादर करण्यात आली असता त्यावर तत्कालीन म. नगराध्यक्ष, धुळे नगरपालिका यांनी २६% वरुन २८% दरवाढ लागु करणेचा प्रस्ताव विशेष सर्व साधारण सभेपुढे सादर करणेस्तव निर्देश दिले होते. तथापी

शासनाने तत्कालीन धुळे नगरपालिकेचे दि.३०/०६/२००३ रोजी महानगरपालिकेत रुपांतर केले. मात्र त्यानंतर सदर विषय महासभेपुढे घेण्यात आलेला नाही.व तेव्हापासुन आजतागायत करयोग्य मुल्यावर कुठल्याही प्रकारची दरवाढ लागु करण्यात आलेली नाही.सद्यस्थितीत धुळे महानगरपालिकेचा वाढता विस्तार पाहता करयोग्य मुल्याच्या २६% दरामध्ये वाढ होणे अपेक्षीत आहे.

तरी करयोग्य मुल्यावर २६ % दरामध्ये सन १९९८ पासुन दरवाढ झालेली नाही. मात्र महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १२९ (२) चे स्पष्टीकरणामध्ये महानगरपालिकेने भांडवली मुल्य हा आधार समजुन, मालमत्ता कर बसविण्याचा स्विकार केल्यानंतर,करयोग्य इमारतीच्या संबंधातील मालमत्ता करामध्ये, प्रत्येक पाच वर्षानंतर सुधारणा करण्यात येईल आणि अशया प्रत्येक सुधारणेनंतर, अशी मालमत्ता कराची रक्कम, कोणत्याही बाबतीत सुधारणा केल्याच्या वर्षाच्या लगतपूर्वीच्या वर्षामध्ये बसविलेल्या व देय असलेल्या मालमत्ता कराच्या रकमेच्या चाळीस टक्क्याहुन अधिक असणार नाही. असे अधिनियमात नमुद आहे.

त्यानुसार दर पाच वर्षानंतर मालमत्ता करात वाढ करणे आवश्यक होते. तरी सन १९९८-९९ ते सन २०१४-१५या १६ वर्षात ५% वाढीप्रमाणे किमान १५% वाढीनुसार ४१% वाढ होणे आवश्यक आहे. परंतु तसे न झाल्याने दिनांक. १ एप्रील २०१५ पासुन करयोग्य मुल्यावर २६% वरून ४१ % कर आकारणी करणे बाबतचा प्रस्ताव मे.स्थायी समिती पुढे ठेवणेसाठी दि. ११/१/२०१५ रोजी टिपणी सादर करण्यात आली होती. त्यावर म.प्र.आयुक्त सांगीयांनी सदर टिपणीवर निर्देश दिले की, अधिनियमानुसार प्रत्येक ५ वर्षात ४०% पेक्षा जास्त आकारणी करू नये म्हणजे १/४/१९९९ पासुन वाढ केलेली नाही. ती तिनवेळेस करावयास पाहीजे होती. परंतु ती केली नाही. प्रत्येक वेळेस ३५% प्रमाणे तीन वेळेस १०५% वाढ होणे आवश्यक आहे. म्हणजे २६% च्या दुप्पट वाढ करणे योग्य होईल. त्यामुळे २६% वरून ५२ % कर आकारणी करणेबाबतचा प्रस्ताव मे. स्थायी समितीपुढे निर्णयासाठी ठेवण्यांत आला होता. मे. स्थायी समितीने कर योग्य मुल्यावर २६ % वरून ३६% मालमत्ता करात वाढ करण्यांस मंजुरी देऊन महासभेकडेस शिफारस केलेली आहे.

यावर उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेअंती करयोग्य मुल्यावर २६% मध्ये सन १९९८ पासून दरवाढ झालेली नाही.तथापि सद्यस्थितीत म.आयुक्त यांनी शिफारस केल्या प्रमाणे एकत्रित दरवाढ करणे हे नागरीकांच्या दृष्टीने अन्यायकारक व अवास्तव ठरणार आहे. तसेच अधिनियमाच्या दृष्टीने अशा प्रकारे करण्यांत आलेली वाढही बेकायदेशीर ठर शकते.प्रशासनामार्फत नियमानुसार टप्प्याटप्प्याने वाढ सुचविणे आवश्यक होते. परंतु प्रशासनाने याबाबत कार्यवाही केलेली नाही. प्रशासनाच्या या प्रलब्धीत कार्यवाहीचा भुदंड नागरीकांवर एकत्रित रित्या करणे योग्य होणार नाही. तथापि मनपाच्या आर्थिक स्थितीचा विचार करता मालमत्ता कराची दरवाढ करणे हे क्रमप्राप्त तथा आवश्यक आहे. त्यामुळे नागरीकांच्या दृष्टीने विचार करता मनपा अधिनियम कलम १२९ नुसार लगतच्या वर्षापूर्वी जास्तीत जास्त ४० टक्के पेक्षा जास्त वाढ करणे योग्य होणार नाही. त्यामुळे कर योग्य मुल्यावर २६ % मध्ये १० % वाढ करण्यांस म्हणजे करयोग्य मुल्यावर ३६% मालमत्ता कर आकारणी करण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/- x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन २००७-०८ या वर्षात शासन निर्णयानुसार शहरातील सन १९९२-९३ पासुन पुर्नमुल्यांकन न झालेल्या पुर्वीच्या सर्व जुन्या मालमत्तांवर ४०% वाढ करून मालमत्ताधारकांना मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे तरतुदीनुसार कार्यवाही पुर्ण करून मागणी देयक देणेत आलेले होते.

सन १९९२-९३ पासुन शहरातील संपुर्ण मालमत्तांचे फेर आकारणीची कार्यवाही करणेत आलेली नाही. सन १९९६-९७ व सन २००१-०२ या वर्षात संपुर्ण शहरातील फेर आकारणीचे काम हाती घेणेत आले असता तत्कालीन प्राधिकृत मुल्य निर्धारण अधिकारी उपलब्ध न झाल्याने फक्त नविन मालमत्तांचे कर आकारणीची कार्यवाही करणेत आलेली आहे. तसेच सन २००४-०५ या वर्षात फक्त नविन मालमत्तांचे कर निर्धारणाचे काम करणेत आलेले आहे.

तथापि दर चार वर्षांनी करावयाची कार्यवाही, कर्मचा-यांची अपुर्ण संख्या, सन २००१-०२ चे संदर्भात शासन स्तरावरून लांबलेली कार्यवाही यामुळे पुर्ण झालेली नाही. धुळे शहरात सद्यस्थितीत जवळ-जवळ १० ते १२हजार नविन मालमत्तांची वाढ झालेली असुन त्यांचेवर कर आकारणी केल्याचे दिसुन येत नाही.

तसेच सन २००७-०८ या वर्षात सन १९९२-९३ नंतरच्या व २००१-०२ पुर्वीच्या मालमत्तांचे पुर्नमुल्यांकन करणेत येवुन ४०% कर आकारणीत वाढ करणेत आलेली आहे. तथापि धुळे शहरातील ब-याच जुन्या मालमत्तांवर नव्याने वाढीव बांधकाम करणेत आले आहे व येत आहे. त्यावर ११ कलमी कार्यक्रमांतर्गत प्रचलीत दराने सद्यस्थितीत आकारणी करणेचे काम चालू आहे.

परंतु सन १९९२-९३ पुर्वीचे जुने बांधकामांवर सन २००७-०८ या वर्षात ४०% वाढ केली होती. त्यानुसार या कार्यालयामार्फत वसुलीचे काम करण्यात येत आहे. परंतु आता सन १९९२-९३ व २००१-०२ संपुर्ण जुन्या मालमत्तांवर ५०% कर वाढ करणेत आल्यास महानगरपालिकेचे उत्पन्नात वाढ होण्याची शक्यता आहे.

तसेच सन २००१ नंतरच्या मालमत्तांना प्रचलीत दराने कर आकारणी करीत असतांना जुन्या व नवीन बांधकाम कर आकारणीत मोठी तफावत असल्याने जर सन २००१ पुर्वीच्या मालमत्तांवरही ५०% वाढ केल्यास कर आकारणीतील तफावत कमी होण्यास मदत होईल व नागरिकांमध्ये नाराजी व असंदिग्धता राहणार नाही.

तरी सन २००१ नंतरच्या मालमत्तांना प्रचलीत दराने कर आकारणी करित असतांना जुन्या व नवीन बांधकाम कर आकारणीत मोठी तफावत असल्याने सन २००१ पुर्वीच्या जुन्या मालमत्तांवर ५०% वाढ करणे बाबतचा प्रस्ताव मे.स्थायी समितीपुढे सादर करणेसाठी दिनांक २३/१/२०१५रोजी कार्यालयीन टिप्पणी सादर करण्यात आली होती. त्यावर म.प्र. आयुक्त सो.यांनी सदर टिप्पणीवर निर्देश दिले की, सन १९९२-९३ ते २००१-०२ मधील संपुर्ण जुन्या मालमत्तांवर १००% कर वाढ प्रस्तावित करणेबाबतचा प्रस्ताव मे.स्थायी समितीपुढे निर्णयासाठी ठेवण्यांत आलेला होता. मे. स्थायी समितीने १९९२-९३ ते २००१-२००२ मधील संपूर्ण जुन्या मालमत्तावरील पुर्नमुल्यांकनात ५०% वाढ करण्यांस मंजुरी देऊन सदर प्रस्ताव मे. महासभेपुढे शिफारस केलेला आहे.

उक्त प्रस्तावावर उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेअंती मा.आयुक्त यांनी जुन्या मालमत्तावर १००टक्के करवाढ करणेबाबत प्रस्तावित केलेले आहे. सदर बाब ही नागरीकांच्या दृष्टीने अवास्तव व अन्यायकारक ठरणार आहे. तथापि सन १९९२-९३ पासून शहरातील संपुर्ण मालमत्तांची फेर आकारणीची कार्यवाही झालेली नाही. त्यामुळे सन २००१ नंतरच्या मालमत्तांना प्रचलीत दराने कर आकारणी करीत असतांना जुन्या वर नवीन बांधकाम कर आकारणीत मोठी तफावत असल्याने सन २००१ पूर्वीच्या जुन्या मालमत्तावरील पुर्नमुल्यांकनात आकारण्यांत येणा-या करात एकदम वाढ करणे हे नागरीकांच्या दृष्टीने

अन्यायाचे व अवास्तव ठरणार आहे. याबाबत नगररचना विभागाचाही अभिप्राय घेऊन त्यानुसार कार्यवाही करणे योग्य होणार असल्याने वसुली व नगररचना विभागाने समन्वयाने याबाबत नियमानुसार अहवाल सादर करावा तो पावेतो सदर प्रस्ताव तहकूब ठेवण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-७७

शहरातील नवीन बांधकाम व वाढीव बांधकामांना कर आकारणी करताना यापूर्वी मंजूर केलेल्या झोननुसार असलेल्या दरात वाढ करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९६ दिनांक २०/०२/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहरातील नवीन बांधकाम व वाढीव बांधकाम जागांचे शोध घेऊन सन २०१४-१५ या वर्षात सुमारे ५००० चे वर मालमत्ता आढळून आल्या आहेत.

यापूर्वी सुमारे ११७३७ पर्यंत अशा मालमत्ता आढळून आल्या होत्या. तसेच सन २००७ मध्ये धुळे शहराचे तीन झोन पाडण्यात येऊन त्या-त्या झोन प्रमाणे खालीलप्रमाणे दर निश्चित करण्यात आले असुन त्या-त्या भागातील खालीलप्रमाणे दर मनपा ठराव क्र.१२५८.११/११/२००५ अन्वये ठरविण्यात आले असुन शासनाने शासन पत्र मनपा-१०२००४ /प्रक्र/१७७/नवि-२०दिनांक ५/४/२००७ अन्वये मंजुरी दिलेली आहे. सदर दर हे खालीलप्रमाणे आहे.

| अ.नं. | झोन नं. | आर.सी.सी. रुपये प्रती चौ.मी. | लोडबेर्रिंग रुपये प्रती चौ.मी. | पत्राचे घर रुपये प्रती चौ.मी. | झोपडपट्टी रुपये प्रती चौ.मी. |
|-------|---------|------------------------------|--------------------------------|-------------------------------|------------------------------|
| १ | १ | १६ रु. | १२ रु. | ०८ रु. | ०६ रु. |
| २ | २ | १४ रु. | १० रु. | ०७ रु. | ०४ रु. |
| ३ | ३ | १२ रु. | ०८ रु. | ०६ रु. | ०४ रु. |

उक्त दरानुसार मे. स्थायी समितीने ठरवुन दिलेल्या दरानुसार सन २०१२-१३ व २०१३-१४ या वर्षात धुळे शहरातील नवीन बांधकाम व वाढीव बांधकामांवर कर आकारणी करण्यात येत होती. परंतु नगररचनाकार यांनी सन २००९-१० ते २०१२-१३ या वर्षी ठरवुन दिलेल्या दरांमध्ये दरवर्षी ५% दरवाढ केल्यास महानगर पालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होण्याची शक्यता आहे. तरी दरवर्षानुसार ५% दरवाढ केल्यास सन २०१५-१६ या वर्षात खालील तक्त्याप्रमाणे दरवाढ दिसून येते.

सन- २०१५.१६ करिता

| अ.नं. | झोन नं. | आर.सी.सी. रुपये प्रती चौ.मी. | लोडबेर्रिंग रुपये प्रती चौ.मी. | पत्राचे घर रुपये प्रती चौ.मी. | झोपडपट्टी रुपये प्रती चौ.मी. |
|-------|---------|------------------------------|--------------------------------|-------------------------------|------------------------------|
| १ | १ | २३.६२ | १७.७० | ११.८१ | ०८.८२ |
| २ | २ | २०.६६ | १४.८६ | १०.३० | ०५.८९ |
| ३ | ३ | १७.७० | ११.८१ | ०८.८२ | ०५.८९ |

तरी उक्तप्रमाणे सन २०१५-१६ पावेतो सदर दरांमध्ये दरवर्षी ५% दरवाढ करणेस मे. स्थायी समितीपुढे सदरचा प्रस्ताव सादर करणेसाठी दिनांक १३/१/२०१५ रोजी कार्यालयीन टिप्पणी सादर करण्यात आली होती. त्यावर म. प्र. आयुक्त सो. यांनी सदर टिप्पणीवर खालीलप्रमाणे वाढ प्रस्तावित केली आहे.

| अ.नं. | झोन नं. | आर.सी.सी. रुपये | लोड बेरिंग रुपये | पत्राचे घर रुपये प्रती | झोपडपट्टी रुपये प्रती |
|-------|---------|-----------------|------------------|------------------------|-----------------------|
|-------|---------|-----------------|------------------|------------------------|-----------------------|

| | | प्रती चौ.मी. | प्रती चौ.मी. | चौ.मी. | चौ.मी. |
|---|---|--------------|--------------|--------|--------|
| १ | १ | २४ | १८ | १२ | ९ |
| २ | २ | २१ | १५ | १० | ६ |
| ३ | ३ | १८ | १२ | ९ | ६ |

याप्रमाणे वाढ प्रस्तावित करणेबाबतचा प्रस्ताव मे.स्थायी समितीपुढे निर्णयासाठी ठेवण्यांत आला आहे.

उपस्थित सदस्यांनी त्यावर विस्तृत चर्चा करून चर्चेअंती सन २००७-०८ मध्ये मान्यता दिलेल्या दरांत वर्षनिहाय वाढ न करता खालील प्रमाणे एकत्रितरित्या ४०% वाढ करण्यास मे. स्थायी समितीने मंजुरी देऊन महासभेकडेस शिफारस केलेली आहे.

| अ.नं. | झोन नं. | आर.सी.सी. रुपये प्रती चौ.मी. | लोड बेरिंग रुपये प्रती चौ.मी. | पत्राचे घर रुपये प्रती चौ.मी. | झोपडपट्टी रुपये प्रती चौ.मी. |
|-------|---------|---------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|---------------------------------|
| १ | १ | २२.४० | १६.८० | ११.२० | ८.४० |
| २ | २ | १९.६० | १४.०० | ९.८० | ५.६० |
| ३ | ३ | १६.८० | ११.२० | ८.४० | ५.६० |

उक्त प्रस्तावाबाबत उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेअंती स्थायी समितीने मान्यता दिलेल्या दरांनुसार वाढ करण्यास सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच यापूर्वी म. नगररचनाकार यांनी पूर्वीच्या रेडिरेकनर नुसार शहराचे अ,ब,क असे झोन निश्चित केलेले होते. तथापि सद्यस्थिती लक्षांत घेऊन नव्याने झोन निश्चित करणे आवश्यक आहे. त्यामुळे याबाबत तांतडीने म.नगररचनाकार यांचेकडून त्याबाबत अहवाल घेऊन स्वतंत्र रित्या याबाबत प्रस्ताव सादर करण्यांत यावा.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-७८

धुळे शहर पाणीपुरवठा योजनेतून उपलब्ध होणा-या पिण्याच्या पाणीपट्टी करात वाढ करणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १७ दिनांक २०/०२/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे शहरासाठी डेडरगांव, हनुमान टेकडी व तापी या योजनामधून जलशुद्धीकरणासह पिण्याचे पाणी पुरवठा करण्यांत येतो. धुळे शहराची पिण्याच्या पाण्याची आवश्यकता खालील प्रमाणे आहे.

| अ.क्रं. | सन | लोकसंख्या | आवश्यक पाणी एमएलडी |
|---------|--------------------------------------|-----------|--------------------|
| १ | सन २०११ च्या जनगणनेनुसार | ३७६०९३ | -- |
| २ | सन २०१६ आधारीत वर्ष (Base Year) | ४०४६३१ | ६७.८७ एमएलडी |
| ३ | सन २०३१ प्रकल्पीत वर्ष | ४८५१२ | ८२.५३ एमएलडी |
| ४ | सन २०४६ डिझाईन वर्ष (Ultimate Staag) | ५६६२९६ | ९६.०० एमएलडी |

सद्यस्थितीत वसुली विभागाकडून प्राप्त झालेल्या आकडेवारी नुसार घरगुती व व्यापारी असे एकुण ३५७८२ नळ धारकांची संख्या आहे सदर नळधारकांचा पाणीपट्टीचा दर हा ठराव नं. १४५ दि. २२/४/२०१० साली आकरण्यांत आलेला होता.

परंतु आता वीज बिलात दरवर्षी होणारी वाढ आस्थापना खर्च, रसायने तथा देखभाल दुरुस्तीवर होणारा खर्च मोठ्या प्रमाणावर आहे. त्यानुसार मागील वर्षी २०१३-१४ च्या खर्चाचा विचार केला असता एकुण खर्च १६,०८,८६,७८६/-एवढा आहे.(सोबत तक्ता जोडला आहे)

त्याच प्रमाणे सद्याच्या नळ धारकांच्या संख्येनुसार एकुण मागणी रु. १५,२५,३२,५२२/- एवढी असून वसुली रूपये ५,६९,७५,७२७/- इतकी आहे. मागणीच्या ३७.३५ टक्के वसुली आहे. (मागील १० वर्षाचा तक्ता सोबत जोडला आहे) योजनेवर होणारा एकुण खर्च व त्यातून मिळणारे उत्पन्न या मध्ये मोठी तफावत आहे. जर मागील वर्ष २०१३-१४ चा खर्च व वसुली खालील प्रमाणे

एकुण खर्च रु. १६,०८,८६,७८६/-

प्रत्यक्ष वसुली रु. ०५,६९,७५,७२७/-

रु. १०,३९,११,०५९/- तूट

सबब खर्च व उत्पन्न याची तोड मिळवणी होत नाही याकरिता पाणीपट्टीचे दर वाढविणे अत्यावश्यक आहे.

तसेच UIDSSMT अंतर्गत धुळे शहर पाणीपुरवठा योजना मंजुरीच्या वेळी पाणीपट्टी दरात वाढ करण्याची अटीच्या अधिन राहून मान्यता देण्यांत आली होती. त्यानुसार धुळे महानगरपालिकेच्या सर्वसाधारण सभेचा ठराव क्रं.१८३ दि.२१/८/२०१३ अन्वये ठराव देण्यांत आलेला आहे.

| अ.क्रं. | घरगुती नळ जोडणी | सदयाचा पाणीपट्टी दर | प्रस्तावित दर |
|---------|-----------------|---------------------|---------------|
| १ | १/२ इंची | १२०६/- | २०००/- |
| २ | ३/४ इंची | १९५५/- | ४०००/- |
| ३ | १ इंची | ४०८२/- | ७५००/- |

| अ.क्रं. | व्यापारी नळ जोडणी | सदयाचा पाणीपट्टी दर | प्रस्तावित दर |
|---------|-------------------|---------------------|---------------|
| १ | १/२ इंची | ४९८६/- | ६२००/- |
| २ | ३/४ इंची | ७५३६/- | १२०००/- |
| ३ | १ इंची | १६५५२/- | २५०००/- |

UIDSSMT अंतर्गत नळ योजनेच्या कामान्वये १०० टक्के मिटरने पाणीपुरवठा करणे समाविष्ट आहे. त्यामुळे योजना पुर्ण झाल्यानंतर मिटरने पाणीपुरवठा करण्याचा दर घरगुती साठी रु. ८/१००० लिटर व व्यापारी जोडणीसाठी रु.२० /१००० लिटर असे प्रस्तावित करण्यांत येईल असा प्रस्ताव प्रशासनामार्फत सादर करण्यांत आलेला होता.

याबाबत उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सद्यस्थितीत धुळे शहरात UIDSSMT योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा योजनांची कामे सुरु करण्यांत आलेली आहे. सदर योजना कार्यान्वयीत झाल्यानंतर शासन निर्देशाप्रमाणे व योजनेच्या निकषानुसार शहरातील सर्व नळ धारकांना मिटर पध्दतीने पाणीपुरवठा करणे बंधनकारक राहणार आहे. मिटर पध्दतीने पाणी पुरवठा करणेबाबतचा निर्णय येत्या वर्ष भरात घ्यावा लागेल. त्यामुळे सद्यस्थितीत घरगुती नळ कनेक्शन धारकांच्या पाणीपट्टीत वाढ करणे उचित होणार नाही.त्यामुळे सद्यस्थितीत घरगुती नळ कनेक्शन धारकांच्या पाणीपट्टीत वाढ न करणेबाबत सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

पाण्याचा वापर जास्त प्रमाणावर असणा-या व्यावसायीक व व्यापारी नळ कनेक्शन धारकांना १/२ इंची नळ कनेक्शन देण्यांत येऊ नये. त्याएवजी ३/४ इंची व १ इंची नळ कनेक्शन देण्यांत यावे त्यासाठी खालील प्रमाणे प्रस्तावीत दराप्रमाणे आकारणी करण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.क्रं. | व्यापारी नळ जोडणी | सदयाचा पाणीपट्टी दर | प्रस्तावित दर |
|---------|-------------------|---------------------|---------------|
| १ | ३/४ इंची | ७५३६/- | १२०००/- |
| २ | १ इंची | १६५५२/- | २५०००/- |

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-७९

कलम ४१(२) अ, जल (प्रदुषण व नियंत्रण) अधिनियम १९७४ व कलम १५पर्यावरण (संरक्षण) कायदा, १९८६ याबरोबर नागरी घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम २००० प्रमाणे निर्देश भांडवली खर्चामधुन २५% तरतुद नागरी घनकचरा व्यवस्थापनासाठी व सांडपाणी प्रकल्पासाठी करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९८दिनांक २०/०२/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे कलम ४१(२)अ,जल (प्रदुषण व नियंत्रण) अधिनियम १९७४ व कलम १५पर्यावरण (संरक्षण) कायदा, १९८६ याबरोबर नागरी घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी)नियम २००० प्रमाणे निर्देश भांडवली खर्चामधुन २५% तरतुद नागरी घनकचरा व्यवस्थापनासाठी व सांडपाणी प्रकल्पासाठी करणेबाबत.महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळ यांचेकडील क्र.मप्रनि/सहसंचालक (जप्रनि) १७२ दि.२६/१२/१४ अन्वयेची नोटीस प्राप्त झाली आहे.

ज्याअर्थी जल (प्रदुषण, प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियम १९७४ अंतर्गत प्रत्येक स्थानिक स्वराज्य संस्थांवर त्यांच्या कार्यक्षेत्रामध्ये निर्माण होणारे घरगुती सांडपाणी गोळा करून मगच त्यांची शास्त्रोक्त पद्धतीने विल्हेवाट लावणे, योग्य ते संमतीपत्र जल व हवा (प्रदुषण,प्रतिबंध व नियंत्रण) अधिनियमाप्रमाणे महाराष्ट्र प्रदुषण नियंत्रण मंडळाकडुन घेवुन त्यातील अटी व शर्तीची पुरता कालबद्ध रितीने करणे बंधनकारक आहे.

तसेच संदर्भीय पत्रातील संदर्भीय पत्र क्र. १ अन्वये कळविण्यात आले होते की, सदर पत्र आपल्या मनपा स्थायी समिती व सर्वसाधारणसभेच्या निर्दशनास आणुन द्यावे. व त्यांच्या मंजुरीने पुरता अहवाल ३० दिवसाच्या आत म.प्र.नि. मंडळास सादर करावा. असे कळविले आहे.

याबाबत बांधकाम विभागामार्फत शहरातील भुयारी गटारी बाबत रु.१४५.८७ कोटींचा प्रस्ताव तयार केला असुन त्यास धुळे मनपा ठराव क्र.४६ दि.२/७/२००९ रोजी मान्यता मिळाली आहे.त्या अनुषंगाने म.प्र.नि.म.यांच्या मार्फत तपासुन त्यांनी NO.MJP /CE (CP)/TACELL/UIDSSMT/४८१/दि.८/५/१४ पत्रान्वये शासनाडे १९२, ०४, ६७,८००.००/- रु. चा प्रस्ताव शासनाकडे पाठविला आहे.

घनकचरा व्यवस्थापना बाबत कार्यवाहीसाठी मनपा अंदाजपत्रकात पुरेशी तरतुद करण्यात येवुन घनकचरा व्यवस्थापन नियम २००० अन्वये कार्यवाही सुरु आहे. मनपाची आर्थिक परिस्थिती पहाता आवश्यक पुरेशी साधनसामुग्रीसाठी शहर स्वच्छता आराखडा अंतर्गत १३.२० कोटींचा प्रस्ताव तयार करून त्यास धुळे महानगरपालिका ठराव क्र.३२३ दि.२०/६/२०११ अन्वये मान्यता घेवुन शासनाकडे पाठविण्यात आला आहे.

मनपाची आर्थिक परिस्थिती बिकट असुन उत्पन्नाचे साधन पुरेसे नसल्याने उक्त लागणारा खर्च मनपा मार्फत करू शकत नसल्याने शासनस्तरावर अनुदानाची मागणी केली आहे. अनुदान प्राप्त होताच कामे हाती घेण्यात येईल.

मनपाची आर्थिक परिस्थिती बिकट असुन उत्पन्नाचे साधन पुरेसे नसल्याने उक्त लागणारा खर्च मनपा मार्फत करू शकत नसल्याने शासनस्तरावर अनुदानाची मागणी केली आहे. अनुदान प्राप्त होताच कामे हाती घेण्यात येईल.

यावर उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सद्यस्थितीत महानगरपालिकेची आर्थिक स्थिती लक्षात घेता तसेच महानगरपालिकेस जकात,पारगमन इत्यादी पासून मिळणारे उत्पन्न बंद झालेले आहे. भविष्यात एल.बी.टी. कराचे उत्पन्न बंद होण्यांची शक्यता

आहे. अशा परिस्थितीत फक्त शासन अनुदानावरच महानगरपालिका अवलंबून राहणार आहे. दैनंदिन मुलभूत सेवा सुविधा, विकास कामे, वेतन व अनुषंगिक बाबी यांचा ताळमेळ बसविणे जिकरीचे होणार आहे. उत्पन्न व खर्चाचा विचार करता एवढया मोठ्या स्वरूपाची तरतुद अंदाजपत्रकात करणे हे भविष्याच्या दृष्टीने संभवनीय नाही. तथापि शहरासाठी उक्त यंत्रणा व योजना राबविणे हे भविष्याच्या दृष्टीनेही आवश्यक व क्रमप्राप्त आहे. यासाठी शासनाकडे स अनुदानाची मागणी करण्यांत यावी. सदर योजनेस शासन अनुदान प्राप्त होईल या अटीवर व मनपाची आर्थिक स्थिती सुस्थितीत आल्यावर नागरी घनकचरा (व्यवस्थापन व हाताळणी) नियम २००० प्रमाणे निर्देश भांडवली खर्चामधून टप्याटप्याने २५% तरतुद नागरी घनकचरा व्यवस्थापनासाठी व सांडपाणी प्रकल्पासाठी करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे.

मनपाच्या एकुण अंदाजपत्रकाच्या २५% रक्कम मनपा कार्यक्षेत्रातील सांडपाणी एकत्र करून त्यावर योग्य ती परिपुर्ण प्रक्रिया करण्यासाठी सांडपाणी प्रक्रिया सहयंत्रणा बसवुन शास्त्रोक्त पध्दतीने विल्हेवाट लावणे तसेच मनपा कार्यक्षेत्रातील निर्माण होणारा कचऱ्यासाठी स्वतंत्र वर्गीकरण करून त्याची विल्हेवाट लावण्यासाठी तसेच भुभराव जागासाठी तरतुद करण्याबाबत प्रस्ताव सादर करण्यांत यावा. **सर्वानुमते मंजुर,**

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे

बुधवार दिनांक ११ मार्च २०१५

वेळ:- सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ह) अन्वये मा. महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची महासभा आज बुधवार दिनांक ११/०३/२०१५ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|--|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | -----" |
| ३ | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | -----" |
| ४ | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | -----" |
| ५ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | -----" |
| ६ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ.) वसंतराव | नगरसेवक | -----" |
| ७ | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | -----" |
| ८ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | -----" |
| ९ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | -----" |
| १० | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | -----" |
| ११ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | -----" |
| १२ | श्री. केले चंद्रकांत काशिनाथ(केले काका) | नगरसेवक | -----" |
| १३ | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | -----" |
| १४ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | -----" |

| | | | |
|----|---|-----------|--------------------|
| १५ | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | -----" |
| १६ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | -----" |
| १७ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | -----" |
| १८ | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | -----" |
| १९ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | -----" |
| २० | ठाकरे हिरा पभुदास | नगरसेविका | -----" |
| २१ | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | -----" |
| २२ | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २३ | वराडे शारद एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| २४ | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | -----" |
| २५ | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २६ | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | -----" |
| २७ | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २८ | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | -----" |
| २९ | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| ३० | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| ३१ | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| ३२ | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| ३३ | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११.२५ वाजतां |
| ३४ | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | सकाळी ११-०० वाजतां |
| ३५ | जाधव शंकुतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| ३६ | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| ३७ | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ३८ | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ३९ | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | -----" |
| ४० | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | -----" |
| ४१ | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शब्बाल | नगरसेवक | -----" |
| ४२ | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ४३ | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ४४ | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| ४५ | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४६ | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |
| ४७ | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |
| ४८ | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | -----" |
| ४९ | शार्दुल दिनेंश लहू | नगरसेवक | -----" |
| ५० | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | -----" |

| | | | |
|----|-----------------------------|-----------|--------------------|
| ५१ | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ५२ | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ५३ | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ५४ | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ५५ | सौ.अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | ----- " |
| ५६ | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | ----- " |
| ५७ | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | ----- " |
| ५८ | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ५९ | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | ----- " |
| ६० | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ६१ | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ६२ | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ६३ | शेख अहमद शे. माबूद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ६४ | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| ६५ | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | सकाळी ११.२० वाजतां |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|-----------------------|-----------------------------------|--------------------|
| १ | श्री.के.क्ही. धनाड | प्र.आयुक्त तथा अति.आयुक्त | दुपारी ३-०० वाजतां |
| २ | श्री.डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त | ----- " |
| ३ | श्री.त्र्यंबक कांबळे | प्र.उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ४ | श्री.एम.आर. सरईत | मुख्य लेखापरीक्षक | ----- " |
| ५ | सौ.हेमलता डगळे | सहा. आयुक्त | ----- " |
| ६ | श्री.बी.बी.गिते | सहा. आयुक्त (अति.) | ----- " |
| ७ | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| ८ | श्री. पी. आर. दरेवार | कार्यकारी अभियंता | ----- " |
| ९ | श्री. यु.आर. भोई | ता अभियंता पा.पु. | ----- " |
| १० | श्री. आर.डी. माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | श्री. एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " |
| १२ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १३ | श्री. किशोर सुडके | एल.बी.टी अधिक्षक | ----- " |
| १४ | श्री. गणेश खोडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १५ | श्री. एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १६ | श्री. हेमत पावटे | ओव्हरसिअर न.र. विभाग | ----- " |
| १७ | श्री. पी.डी. चव्हाण | ओव्हरसिअर | ----- " |
| १८ | श्री.सी.एम. उगले | ओव्हर सिअर | ----- " |
| १९ | श्री.बी.डी. जगदाळे | ओव्हरसिअर | ----- " |
| २० | श्री.सी.सी. बागुल | ओव्हरसिअर | ----- " |

| | | | |
|----|--------------------------|-----------------------|--------|
| २१ | श्री. सुनिल श्रीधर देवरे | पा.पु. अभियंता | -----" |
| २२ | श्री.एस.आर.बावीस्कर | भांडारपाल | -----" |
| २३ | श्री. आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | -----" |
| २४ | श्री.पी.डी. नाईक | प्र.लेखापाल | -----" |
| २५ | श्रीमती मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | -----" |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज चालविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या श्रधांजली च्या यादया

- १) धुळे महानगरपालिकेचे उपायुक्त श्री.हनुमंत पितांबर कवठळकर हयांच्या मातोश्री तसेच तत्कालीन नगरपालिका शाळेच्या मुख्याध्यापिका श्रीमती शांताबाई पितांबर कवठळकर हयांचे दिनांक २/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.
- २) धुळे नगरपालिकेचे तत्कालीन नगरसेवक श्री. अशोक आघाव यांच्या मातोश्री कै.कमळाबाई आघाव यांचे दि. ७/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.
- ३) धुळे नगरपालिकेचे माजी नगराध्यक्ष कै.भगवान रतन महाले हयांच्या धर्मपत्नी तसेच धुळे मनपाचे स्थायी समिती सभापती श्री. पंडीत भगवान महाले यांच्या मातोश्री गं.भां. भटाबाई भगवान महाले यांचे दि.९/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.
- ४) मनपा स्विय सहाय्यक श्री.महेंद्र शिरपूरकर हयांच्या मातोश्री श्रीमती सरस्वतीबाई बाबुराव शिंपी हयांचे नुकतेच निधन झाले.

वरील मान्यवरांना दिनांक ११/३/२०१५ रोजीच्या महासभेमध्ये श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती

सुचक :- दिनेश लहू शार्दुल, नगरसेवक, मनपा धुळे

- ५) धुळे महानगरपालिकेचे उपायुक्त श्री.हनुमंत पितांबर कवठळकर हयांच्या मातोश्री तसेच तत्कालीन नगरपालिका शाळेच्या मुख्याध्यापिका श्रीमती शांताबाई पितांबर कवठळकर हयांचे दिनांक २/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले. तसेच मनपा स्विय सहाय्यक श्री.महेंद्र शिरपूरकर हयांच्या मातोश्री श्रीमती सरस्वतीबाई बाबुराव शिंपी हयांचे नुकतेच निधन झाले. त्यांना दि. ११/३/२०१५ रोजीच्या महासभेमध्ये श्रधांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती.

सुचक :- अमोल पाववा मासुळे, सदस्य स्थायीसमिती तथा नगरसेवक मनपा धुळे

- ६) माजी नगराध्यक्ष स्व. भगवान रतन महाले यांच्या पत्नी तसेच तेली समाज पंच मंडळाचे सदस्य श्री. प्रताप नाना महाले व माजी स्थायी समिती सभापती श्री. पंडीत भगवान महाले यांच्या मातोश्री गं.भा. भटाबाई भगवान महाले यांचे दि. ९/३/२०१५ सोमवार रोजी दुःखद निधन झाले आहे. आजच्या महासभेत श्रधांजली ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार मान्यवरांचे दुःखद निधनानिमित्त दोन मिनिटे मौन उभे राहून त्यांना भावपूर्ण श्रधांजली समर्पित करावी.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ९९ दिनांक ११/३/२०१५

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार ...

- १) धुळे महानगरपालिकेचे उपायुक्त श्री.हनुमंत पितांबर कवठळकर हयांच्या मातोश्री तसेच तत्कालीन नगरपालिका शाळेच्या मुख्याध्यापिका श्रीमती शांताबाई पितांबर कवठळकर हयांचे दिनांक २/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.

- २) धुळे नगरपालिकेचे तत्कालीन नगरसेवक श्री. अशोक आधाव यांच्या मातोश्री कै.कमळाबाई आधाव यांचे दि. ७/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.
- ३) धुळे नगरपालिकेचे माजी नगराध्यक्ष कै.भगवान रतन महाले हयांच्या धर्मपत्नी तसेच धुळे मनपाचे स्थायी समिती सभापती श्री. पंडीत भगवान महाले यांच्या मातोश्री गं.भां. भटाबाई भगवान महाले यांचे दि.९/३/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.
- ४) मनपा स्विय सहाय्यक श्री.महेंद्र शिरपूरकर हयांच्या मातोश्री श्रीमती सरस्वतीबाई बाबुराव शिंणी हयांचे नुकतेच निधन झाले.

वरील मान्यवरांचे दुःखद निधनामुळे यासभेस आतीव दुःख होत आहे ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहन भावपूर्ण श्रद्धांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेली अभिनंदनाची यादी

हिंदु धर्मात गायीला माता आणि संस्कृतीचे प्रतिक मानुन तिची पुजा केली जाते. तसेच गायीची पुजाही केली जाते. त्यामुळे सरकारने महाराष्ट्र पशु संरक्षण (सुधारणा) कायदा १९९५ केला. त्यात केंद्र सरकारने सुधारणा करून मंगळवार पासुन राज्यात गोवंश हत्याबंदीचा निर्णय लागू करण्यात आला. सरकारच्या या महत्वपूर्ण निर्णय घेतल्याबाबत केंद्र सरकारचा आज रोजीच्या महासभेमध्ये अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती. सुचक सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार अभिनंदनाचा ठराव पारीत करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०० दिनांक ११/३/२०१५

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार हिंदु धर्मात गायीला माता आणि संस्कृतीचे प्रतिक मानुन तिची पुजा केली जाते. तसेच गायीची पुजाही केली जाते.त्यामुळे सरकारने महाराष्ट्र पशु संरक्षण (सुधारणा) कायदा १९९५केला.

त्यात केंद्र सरकारने सुधारणा करून मंगळवार पासुन राज्यात गोवंश हत्याबंदीचा निर्णय लागू करण्यात आला.सरकारच्या या महत्वपूर्ण निर्णय घेतल्याबाबत केंद्र सरकारचा अभिनंदनाचा ठराव एकमताने पारीत करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा. सदस्य सर्वश्री. सौ. मनिषा सतिष महाले, लिना युवराज करनकाळ,शशिकला मोहन नवले व सैय्यद साबीरअली मोतेबर या सदस्यांनी अर्ज देवून अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करण्याबाबत विनंती केली आहे.

म. महापौर

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०१ दिनांक ११/३/२०१५

सन्मा.सदस्य सौ. मनिषा सतिष महाले, लिना युवराज करनकाळ,शशिकला मोहन नवले व सैय्यद साबीरअली मोतेबर या सदस्यांनी अर्ज देवून अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करण्याबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-८०

मागील सभेचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे
(दि.११/०८/२०१४,२०/०८/२०१४,१७/१२/२०१४)

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०२ दिनांक ११/३/२०१५

मागील महासभा -

- १) दिनांक ११/०८/२०१४ चे मनपा ठराव नंबर ३८ ते ७० अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.
- २) दिनांक २०/०८/२०१४ चे मनपा ठराव नंबर ७१ ते ७३ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे.
- ३) दिनांक १७/१२/२०१४ चे मनपा ठराव नंबर ७४ ते ८५ अखेर व सन्मा.सदस्यांनी केलेली चर्चा व त्यावरील निर्णय क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे. सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-८१

सामाजिक आर्थिक व जात जनगणना २०११ नुसार करण्यांत आलेली प्रारूप यादी माहितीस्तव सादर.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०३ दिनांक ११/०३/२०१५

शासनाचे सहसचिव नरगिविकास विभाग मुंबई यांचे कडील शासन राजपत्र अधिसूचना नोंदवेचे २७ २०१४ असाधारण क्रं.२४३ अन्वये सामाजिक आर्थिक व जात जनगणना २०११ मधील दावे व आक्षेप दाखल करण्यासाठी/स्वीकारण्यासाठी व निकालात काढण्यासाठी सुधारित कालमर्यादा मान्य केली आहे उक्त दावे व आक्षेप आणि कालमर्यादा यांच्याशी संबंधित असलेले विविध महत्वाचे टप्पे/कार्यक्रमातील मुद्दा क्रं.२ मध्ये प्रारूप यादी प्रसिद्ध केलेल्या तारखे पासून १०दिवसांच्या आत सार्वजनिक छाननीसाठी सर्वसाधारण सभा घ्यावयाची आहे असे नमूद केलेले आहे.

सामाजिकआर्थिक व जात जनगणना२०११ साठी शहरातील कुटूंबातील प्रत्येक व्यक्तीची सामाजिक, आर्थिक व जातीबाबतची माहिती प्रगणकांनी गोळा केलेली होती सदर माहितीचे पर्यवेक्षकांनी १० टक्के पर्यवेक्षकीय सर्वेक्षणाची तपासणी केलेली आहे. अशी एकत्रित कुटूंबाची (जातीखेरीज) सामाजिक ,आर्थिक तपशिल अंतर्भूत असणारी प्रारूप यादी जिल्हा ग्रामीण विकास यंत्रणा यांचेकडून प्राप्त झालेली असून यासाठी दावे व आक्षेप दाखल करणे/स्विकारण्यांची कार्यवाही करण्यासाठी महानगरपालिकेच्या प्रभाग कार्यालयामध्ये (जुने वॉर्ड १ ते ६७ करीता) वॉर्ड लेवल ॲफिसर व सहायक यांची नेमणूक करण्यांत आलेली असून याकरीता महानगरपालिकेतील वरीष्ठ अधिका-यामध्ये चार प्रथमस्तर अपिलीय अधिकारी व एक वितीय स्तरअपिलीय अधिकारी यांची मा.जिल्हाधिकारी सा गो यांची नेमणूक केलेली आहे.

सदर दावे व आक्षेप दाखल करणे /स्विकारणे व निकाली काढण्यासाठी शासनाने अधिसूचना प्रसिद्ध केलेली असून त्यामध्ये दावे व आक्षेप दाखल करणे/स्विकारणे व निकालात काढण्यासाठी एकूण ८२ दिवस दिलेले आहे उक्त वेळापत्रक खालील प्रमाणे असणार आहे.

१.प्रारूप यादी ज्या तारखेस प्रसिद्ध होईल त्या तारखेपासून ३० दिवसापर्यंत दावे व आक्षेप सादर करता येतील व स्वीकारता येतील.

२.दाखल केलेले दावे व आक्षेप प्रारूप यादी प्रसिद्ध केल्यापासून ५२ दिवसांच्या आत निकालात काढण्यांत येतील.

३.अंतिम यादी प्रसिद्ध करण्यासाठी प्रारूप यादी प्रसिद्ध केल्याच्या तारखेपासून ६० दिवस इतकी असेल.

४.सर्व अपिल प्रारूप यादी प्रसिद्ध झालेल्या तारखेपासून ८० व्या दिवसापर्यंत निकाली काढण्यांत येतील.

५.८२ व्या दिवशी अंतिम यादी प्रसिद्ध करण्यांत येईल.

तरी मा.जिल्हाधिकारी सो धुळे यांचे कडून संपूर्ण जिल्ह्याची प्रारूप यादी २७/०२/२०१५ रोजी प्रसिद्ध होणार आहे.तरी उक्त विषय सर्वसाधारण सभेपुढे माहितीस्तव सादर करून नोंद घेण्यांत येवून सन्मा.सदस्यांना व सभागृहाला याबाबतची सविस्तर माहिती विदीत करण्यांत आलेली आहे.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-८२

सन्मा.सदस्य श्री.चंद्रकांत मधुकर सोनार व सौ. प्रतिभाताई चौधरी यांचे यादीनुसार गणपती मंदिराजवळील पुलास माजी नगराध्यक्ष स्व.नानासाहेब वसंतरावजी पिंगळे यांचे नांव देणेबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०४ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मनपा हडीतीलपांझरा नदीवरील गणपती मंदिर येथील पुलास माजी नगराध्यक्ष स्व.नानासाहेब वसंतरावजी पिंगळे यांचे नांव देणेबाबत सन्मा. सदस्या सौ. प्रतिभाताई चौधरी व श्री. चंद्रकांत मधुकर सोनार यांनी पत्राव्दारे मागणी केलेली आहे.स्व. नानासाहेब पिंगळे हे धुळे नगरपालिकेचे दोन वेळा नगराध्यक्ष झाले असून त्यांचे सामाजिक कार्य पाहता तसेच ते नगराध्यक्ष असतांना त्याकाळात त्यांनी गणपती मंदिर ते देवपूरला जोडणा-या पुलाची उभारणी नगरपालिकेमार्फत केलेली आहे. त्यामुळे वाहतूक व रहदारीस सोयीचे झालेले आहे.त्यांनी उभारणी केलेल्या पुलास स्व.नानासाहेब वसंतरावजी पिंगळे हे नांव देणेबाबत सूचित केलेले आहे.

उक्त प्रकरणी पाहणीनुसार उक्त बाबत नामकरण झालेबाबतची नोंद मनपा अभिलेख रजिस्टरमध्ये आढळून येत नाही.

उक्त अहवालानुसार मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१अ अन्वये गणपती मंदिराजवळील पुलास माजी नगराध्यक्ष स्व.नानासाहेब वसंतरावजी पिंगळे असे नामकरण करणेस तसेच नामफलकासाठी कमान करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८३

सन्मा.सदस्य श्री. संजय गुजराथी व विरोधी पक्षनेते श्री.संजय जाधव यांच्या पत्रानुसार लहान पुलाजवळील शिवाजीरोड वरील आर.के.रसवंतीजवळील चौकास स्व.कृष्णराव दशरथ घुगरी चौक असे नामकरण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०५ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे शहरातील सामाजिक कार्यकर्ते व आदर्श शिक्षक स्व. कृष्णराव दशरथ घुगरी यांचे सामाजिक चळवळीतील व शैक्षणिक क्षेत्रातील योगदान लक्षात घेवून त्यांचा आदर्श भावी पिढीला मार्गदर्शक ठरावा यासाठी त्यांचे नांव लहान पुलाजवळील शिवाजीरोड जवळील आर.के. रसवंती जवळील चौकास स्व.कृष्णराव दशरथ

घुगरी चौक असे नामकरण देणेबाबत सन्मा.सदस्य श्री. संजय नारायण गुजराथी व विरोधी पक्षनेता श्री. संजय जाधव यांनी यादी दिली आहे.

तरी उक्त प्रकरणी पाहणीनुसार सदर चौकास अद्यापपावेतो कोणतेही नांव दिले बाबतची नोंद मनपा अभिलेख रजिस्टरमध्ये आढळून येत नाही.

उक्त प्रमाणे आलेल्या अहवालानुसार लहान पुलाजवळील शिवाजीरोड वरील आर.के. रसवंती जवळील चौकास “स्व. कृष्णराव दशरथ घुगरी चौक” असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८४

सन्मा. सदस्य सौ. कशिश गुलशन उदासी यांचे यादीनुसार प्रभाग क्रं.१६ सुरेश मिल्क केंद्रासमोरील चौकास “स्व.थारोयमल आलुमल लुंड” असे नामकरण करण्याबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०६ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे प्रभाग क्रं. १६ मनपा हड्डीतील कुमारनगर भागातील सुरेश मिल्क केंद्रासमोरील चौकास स्व. यारोयमल आलुमल लुड असे नामकरण करण्याबाबत सन्मा. सभापती सौ. कशिश गुलशन उदासी यांनी पत्राव्दारे मागणी केलेली आहे.

उक्त प्रकरणी पाहणीनुसार सदर चौकास अद्यापपावेतो कोणतेही नांव दिले बाबतची नोंद मनपा अभिलेख रजिस्टरमध्ये आढळून येत नाही.

उक्त अहवालानुसार प्रभाग क्रं. १६ मनपा हड्डीतील कुमारनगर भागातील सुरेश मिल्क केंद्रासमोरील चौकास “स्व.थारोयमल आलुमल लुंड” असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८५

सन्मा.सदस्य श्री.चंद्रकांत काशिनाथ केले यांचे यादीनुसार प्रभाग क्रं.५ वलवाडी सर्वे नं. ४१/१ येथील मोकळ्या मैदानास कै.सुपडाबाई वका भोई क्रिडांगण असे नामकरण करण्याबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०७ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे प्रभाग क्रं.५ वलवाडी सर्वे नं.४१/१ येथे मनपाची मोकळी जागा असून सदर जागेस वॉल कपॉड करण्यांत आलेले आहे. सदर मोकळ्या मैदानास भागातील सामाजिक कार्यकर्त्या कै. सुपडाबाई वका भोई क्रिडांगण असे नामकरण करण्याबाबत सन्मा. नगरसेवक श्री. चंद्रकांत काशिनाथ केले यांनी तसेच नागरीकांनी यादी दिलेली आहे.

उक्त प्रकरणी पाहणीनुसार सदर चौकास अद्यापपावेतो कोणतेही नांव दिले बाबतची नोंद मनपा अभिलेख रजिस्टरमध्ये आढळून येत नाही.

उक्त अहवालानुसार प्रभाग क्रं.५ वलवाडी सर्वे नं.४१/१ येथे मनपाची मोकळी जागा असून सदर जागेस वॉल कपॉड करण्यांत आलेले आहे.सदर मोकळ्या मैदानास

“कै.सुपडाबाई वका भोई क्रिडांगण ” असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-८६

सन्मा. सदस्य श्री. चंद्रकांत सोनार व श्री. रमेश बोरसे यांच्या पत्रानुसार माजी नगराध्यक्ष स्व. वसंतराव सुदाम पिंगळे यांचे तैलचित्र मनपा सभागृहात लावणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०८ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. नगरसेवक श्री.चंद्रकांत मधुकर सोनार व श्री.रमेश महादू बोरसे (जिभाऊ) तसेच सन्मा. सदस्या सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी यांनी मा.महापौर सांगे यांचे नांवे पत्र देऊन त्यात स्व. मा. नगराध्यक्ष वसंतराव सुदाम पिंगळे यांचे नाव नकाणे रस्त्यास देणेत यावे ते नगरपालिकेचे दोन वेळा नगराध्यक्ष पदी होते. सामाजिक राजकीय काम करीत असलेले प्रख्यात व्यक्तीमत्व आहे.नामकरण तसेच त्यांचे तैलचित्र फोटो सभागृहात लावणेत यावा असा प्रस्ताव सादर करण्यांत आलेला आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या सुचनेनुसार मनपा सभागृहात स्व.वसंतराव सुदाम पिंगळे यांचे तैलचित्र लावणेच्या प्रस्तावास मंजुरी देण्यांत येत आहे.यापुढे तैलचित्र लावणेबाबत असलेल्या प्रस्तावासांदर्भात प्रशासनाने शासन निर्णयानुसार कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-८७

मा.जिल्हा बालसंरक्षण अधिकारी धुळे यांनी बालसंरक्षण समिती स्थापन करणे बाबत दिलेल्या पत्रानुसार आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १०९ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मा.जिल्हा बालसंरक्षण अधिकारी धुळे यांनी बालसंरक्षण समिती स्थापन करणे बाबत पत्र दिले आहे.

बालसंरक्षण समिती स्थापन करणे बाबत शासन निर्णय दि.१० जुन २०१४ व मा. जिल्हाधिकारी सो यांचे दि.३१ डिसेंबर २०१४ रोजीचा बालसंरक्षण समिती स्थापनेचा आदेश संदर्भासाठी सोबत जोडण्यात आला आहे.

शासन निर्णय १० जुन २०१४ नुसार समितीची रचना करावयाचे कार्य दिले आहे. प्रत्येक वॉर्डसाठी १ समिती गठीत करावयाची आहे. मनपाच्या ३५ वार्डासाठी ३५ समित्या स्थापन करावयाच्या आहेत. समितीची रचना खालीलप्रमाणे आहे.

१. मा.नगरसेवक/ नगरसेविका अध्यक्ष-१
२. वय वर्ष १२ ते १८ च्या आतील मुलगा व मुलगी १-१
३. प्राथ./माध्य अनुदानित शाळेचे मुख्याध्यापक /प्रतिनिधी शिक्षक शिक्षणाधिकारी यांचेबद्दारा नियुक्त सदस्य -१
४. महानगरपालिकेच्या प्राथ./माध्य / अनुदानित शाळेचे मुख्याध्यापक/शिक्षक -१
५. अध्यक्ष शाळा व्यवस्थापन समिती मनपा -१
६. पोलिस स्टेशन मधील नियुक्त बाल संरक्षण अधिकारी -१
७. स्थानिक सामाजिक संस्थांचे प्रतिनिधी -२
८. वैद्यकीय अधिकारी (खाजगी / शासकीय)-१

९. अंगणवाडी मुख्य सेविका- सदस्य सचिव

उक्त प्रमाणे समितीची रचना असुन आपल्या प्रत्येक वार्डातील १ सदस्य अध्यक्ष म्हणुन निवड करावयाची आहे.

शासन निर्देशाप्रमाणे उक्त समिती स्थापन करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत पुढील उचित कार्यवाही महिला बालकल्याण विभागामार्फत करण्यांत यावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८८

ग्रामपंचायत तिखी ता.जि. धुळे यांनी तिखी (गोपालनगर) ता.जि.धुळे येथे राष्ट्रीय पेयजल योजना अंतर्गत मंजूर पाणीपुरवठा योजनेकरिता मनपा हद्दीतील डेडरगांव तलावाच्या शेजारी विहिरीचे खोदकामास परवानगी मागितलेली आहे.त्याबाबतआलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११० दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे डेडरगांव तलावा शेजारी तिखी (गोपाळनगर) या भागात राष्ट्रीय पेयजल योजनेअंतर्गत पाणीपुरवठा योजना ग्रामपंचायत तिखी येथे मंजूर झालेली असून त्यांना धुळे मनपा मालकीच्या डेडरगांव तलावाशेजारी मनपा हद्दीत विहिरीचे खोदकाम करावयाचे आहे असे त्यांनी त्यांचे पत्राव्दारे कळविले आहे.

तसेच त्यांनी तिखी ग्रामपंचायत यांनी म.जिल्हाधिकारी सांगी. यांच्याकडे स प्रस्ताव पाठविलेला असून सदरची जमीन भूसंपादनासाठीचा प्रस्ताव हा तिखी ग्रामपंचायत मार्फत दाखल करणार आहे व धुळे मनपा च्या अटी शर्तीनुसार ते येणा-या शासकीय मुल्यांकनानुसार योग्य ती रक्कम भरण्यास तयार आहे असे त्यांनी कळविलेले आहे.

सदर प्रस्ताव हा धोरणात्मक स्वरूपाचा असल्याने मे.स्थायी समितीच्या शिफारसीसह सदर प्रस्ताव मे.महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला असून ग्रामस्थांच्या पिण्याच्या पाण्याचा प्रश्न असल्याने मनपाच्या अटी शर्तीनुसार सदर विहिरीचे खोदकामास परवानगी देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. भविष्यात मनपास शहरास पाणीपुरवठा करण्यासअडचण निर्माण झाल्यास सदर परवानगी नाकारणेचा महानगरपालिकेस अधिकार असेल या अटी शर्तीवर सदर प्रस्तावास मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ८९

मनपा शाळा क्रं.१ मध्ये श्री.संत गाडगेबाबा यांचा पूर्णाकृती पुतळा बसविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १११ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपाच्या वतीने शाळा क्रं. १येथे मनपा नवीन इमारतीचे बांधकाम सुरु आहे. तसेच मनपाच्या वतीने श्री.संत गाडगेबाबा यांच्या पूर्णाकृती पुतळ्याचे देखील काम प्रगती पथावर आहे.श्री. संत गाडगेबाबाच्या नावाने संपूर्ण महाराष्ट्र स्वच्छता अभियान राबविण्यांत येते.अशा थोर संताचा पुतळा मनपाच्या मालकीच्या शाळा क्रं.१ येथे बांधण्यात येणा-या नवीन इमारतीमध्ये जागा निश्चित करून सदर ठिकाणी पुतळा उभारणी बाबत माजी नगरेसवक श्री. अनिल वाल्हे यांनी विनंती केली आहे.

त्याअनुषंगाने बांधकाम विभागाचा अभिप्राय मागविला असता व त्यांनी सदर केलेल्या नकाशानुसार सदर पुतळा मनपातर्फे मनपाच्या जागेवर बसावयचा आहे. त्याबाबत लोकेशन प्लॅन सादर केला आहे.तसेच शासनाच्या दि.२ फेब्रुवारी २००५च्या शासन

निर्णयानुसार दिलेल्या मार्गदर्शक सुचनेनुसार शासनाची परवानगी घेणे आवश्यक आहे. तसेच महानगरपालिकेच्या कार्यालयात पुतळा उभारावयाचा असल्याने मार्गदर्शक तत्वातील मुद्दा क्रं.७ नुसार नगरविकास विभाग महाराष्ट्र शासन यांचा नाहरकत दाखला घेणे आवश्यक राहिल. असा पस्ताव सादर करण्यांत आलेला आहे.

यासंदर्भात सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार मनपा शाळा क्रं. १ येथील प्रस्तावीत प्रशासकीय इमारतीच्या आवारात संत श्री गाडगे बाबा स्वामी विवेकानंद व संत श्री नरहरी महाराज यांचा पुतळा बसविणेकामी सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत असून याकामी शासनाची आवश्यक ती मंजुरी तथा मान्यता घेणेबाबत कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ९०

देवपूर लाला सरदारनगर येथील सर्वे नं. ११४ व ११५ पैकी जागेवर रहिवास असलेल्या रहिवाशयांना घरे नावावर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठाराव नंबर ११२ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे देवपूर लालासरदारनगर येथील स.नं. ११४ व ११५ पैकी जागेच्या रहिवाशयांना घरे नावावर करणे बाबत. मा.श्री.हाजी इस्माईल हाजी लुकमान पठाण (नगरसेवक) प्रभाग क्र.९ ब धुळे म.न.पा धुळे यांनी दि.१५/२०१४रोजी पत्र दिलेले आहे.

उपरोक्त विषयांकित संदर्भीय पत्रान्वये मा.श्री. हाजी इस्माईल हाजी लुकमान पठाण यांनी देवपूर लाला सरदारनगर येथील स.न. ११४ व ११५ पैकी जागेच्या रहिवांशयांना घरे नावावर करणेबाबत विनंती केली आहे.

उक्त विनंती नुसार देवपूर येथील लाला सरदारनगर जुने.डि.एस.पी ऑफिसजवळील देवपूर स.न.११४ व ११५ पैकी जमिनीवर गेल्या ५०-६० वर्षांपासून म.न.पा च्या मालकीच्या जागेवर सुमारे ३२० लोकांनी अतिक्रमणे करून राहात आहेत. सदर अतिक्रमणे नियमीत करण्या बाबत व जमिनीचे मुल्यांकनासाठी म.सहा.संचालक, नगररचना जळगांव यांचेकडे प्रस्ताव सादर करण्यात आला होता. त्याअनुषंगाने म.सहा.संचालक, नगररचना जळगाव यांनी दि. १२/०९/१९७४ च्या पत्रान्वये सदर जमिनीचे मुल्य रु.०.३१/-प्रति.चौ. फुट याप्रमाणे निश्चित केलेले होते. त्यानंतर प्रशासक, धुळे नगरपालिका धुळे यांनी ठाराव रु.०.३१/-प्रति.चौ.फुट प्रमाणे कायमस्वरूपी खरेदी देण्याचा प्रशासकिय ठाराव मंजूर केला व मंजूरीसाठी मा.जिल्हाधिकारी धुळे यांचेकडे मंजूरीसाठी प्रस्ताव सादर केला त्यावेळी त्यात मंजूरी दिलेली असल्याबाबतचे कागदपत्र मुळ नस्तीत नाही.

तसेच सदर देवपूर स.न. ११४ व ११५ पैकी जागा ही धुळे शहर मंजुर व प्रारूप विकास योजनेत रहिवास विभागात असून काही भाग पुर नियंत्रण रेषेने बाधीत आहे. तथापि सदर दि.१९८१ पासून घोषीत झोपडपट्टी असून तशी नोंद ही १९८१ चे राजपत्रात घेण्यात आलेली आहे.

तथापि आता धुळे न.पा.चे धुळे म.न.पा.त रुपांतर झाले. त्यानुसार धुळे म.न.पा. च्या मालकीचे मालमत्ता विनियोग हि महाराष्ट्र महानगरपालिका अधि.१९४९ चे कलम ७९ (ग) नुसार आयुक्तास म.न.पा. च्या मंजूरीने व राज्य शासनाच्या मान्यतेने महाराष्ट्र गलीच्छ वस्ती अधिनियम १९७१ च्या तरतुदीनुसार गलिच्छ वस्ती म्हणून घोषित करण्यात आलेली म.न.पा च्या मालकीची जमिन, गलिच्छ वस्तीतील रहिवाशयांच्या सहकारी संस्थेला अशा रीतीने भाडेपड्याने देण्याकरिता नियम असलेल्या कमाल भाड्याच्या बाजार मुल्यापेक्षा किंवा इतर मोबदल्या पेक्षा कमी असेल अशा भाड्याने व म.न.पा लादील अशा शर्तीस अधिन राहून तीस वर्षांपेक्षा अधिक होणार नाही इतक्या मुदतीकरिता भाड्याने देण्यात येईल या

खंडाखाली राज्य शासनाने द्यावयाची मान्यता हि अशा जमीनीबाबतच्या प्रकरणांच्या कोणत्याही विशिष्ट वर्गाला किंवा अशा जमिनी बाबत कोणत्याही विशिष्ट प्रकरणाबाबत देता येईल. असे नमूद आहे.

तथापि सदर प्रकरणात यापुर्वी इकडील कार्यालयीन पत्र क्र.धु.म.पा/-क्र/१३३५ दि. २४/०३/०८ अन्वये मार्गदर्शक मिळणेबाबत शासनास विनंती केली असता, शासनाने दि. १५/०४/२००८ च्या पत्रान्वये प्रस्तुत प्रकरणी महसूल विभागाचा दि. ०४/०२/२००२ शासन निर्णय क्र.एल ई एल १०/२००१/ प्र.क्र.२२५/ ज-१ परिच्छेद क्र. १ (६) व परिच्छेद क्र.२ (६,७,व ८) नुसार अतिक्रमण करणाऱ्या झोपडपट्टीवासियांनी गृहनिर्माण संस्था स्थापन करणे, त्यांची तपासणी, छाननी, आराखडा करणे सार्वजनिक आरक्षणावर अतिक्रमण आहे किंवा कसे इ. अटीचे पालन करून कार्यवाही करावी. असे कळविले आहे.

त्यानुसार दि.०७/०७/२००८ च्या पत्रान्वये कार्यवाही करण्याबाबत म.अध्यक्ष, लाला सरदारनगर देवपुर, धुळे यांना कळविले असता दि.०८/०५/२०१४ चे पत्रान्वये सदर जागा ताब्यात मिळाल्यानंतर सदर सर्व पूर्तता करण्यात येईल असे श्री.हाजी इस्माईल हाजी लुकमान खान पठाण सन्मा.नगरसेवक यांनी कळविले आहे.

त्यानुसार शासनाचे दि.०२/०४/२००२ चे निर्णयातील अटी व शर्तीस अधिन राहून तसेच पुर नियंत्रण रेषेअंतर्गत येणारी व भविष्यात रस्त्यासाठी आवश्यक असणारी जागा वगळून सदरचे अतिक्रमणे नियमानुकूल करण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे. तसेच सन्मा.सदस्य श्री.कैलास चौधरी यांनी केलेल्या सुचनेनुसार सर्व नंबर ११४ व ११५ येथील भाई मदाने नगर, देवपुर ग.नं.७, जवाहर स्टेडियम मागील सिध्देश्वरनगर या भागातील अतिक्रमण वस्ती आहे.त्याभागातील मुख्य रस्त्यावरील तसेच मनपा व शासकीय कामासाठी लागणा-या जागेवरील अतिक्रमण वगळता उर्वरीत रहिवांश्यांना घरे नावावर करून देण्याबाबत प्रशासनाने नियमानुसार पुढील उचित कार्यवाही करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत शिवसेनेचे गटनेते श्री. संजय गुजराथी व इतर ७ सदस्यांनी लेखी पत्र देऊन सदर प्रस्तावास विरोध नोंदविलेला असून त्यांचा विरोध नोंदवून सदर प्रस्तावास बहुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे.

बहुमताने मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक ११

म.अवर सचिव,न गरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्याकडील पत्रानुसार मापा सेवा अतिक्रमणे /अनाधिकृत बांधकाम निष्कासित करणेसाठी पोलीस पदे निर्माण करणेसाठी पोलीस ठाणे रिमाण करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११३ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे शासन निर्णय क्र.कडोमपा/१००६/ प्र.क्र१९२/२००६ नवि २८दिनांक २ मार्च २००९अन्वये महानगरपालिकाना नागरी भागातील अनधिकृत बांधकाम / अतिक्रमण नियंत्रण व निर्मुलनासाठी स्वतंत्र पोलीस यंत्रणा उभारणेबाबत शासन निर्णय आहे.

धुळे महानगरपालिका सेवेत अतिक्रमणे/अनधिकृत बांधकाम निष्कासीत करण्यासाठी प्रस्ताव जा.क्रधु.म.पा/आस्था/३७६ दिनांक २३/०७/२००९अन्वये सादर करण्यात आलेला आहे.

- १) पोलीस निरीक्षक (पी.एस.आ) -- १ पद
- २) सशस्त्र पोलीस हवालदार -- १ पद
- ३) सशस्त्र पोलीस शिपार्ड -- ४ पदे
- ४) महिला पोलीस शिपार्ड -- १ पद

वरील पदे निर्मितीसाठी इकडील कार्यालयामार्फत (१) जा.क्र धु.म.पा/आस्था/९६० दिनांक ६/२/२०१०, (२) जा.क्र धु.म.पा /आस्था/९७३ दिनांक ९/९/२०११ (३) जा.क्र धु.म.पा /आस्था /५७९ दिनांक ३०/०८/२०१२ पत्र पाठविण्यात आलेले आहे.

म.अवर सचिव नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई यांच्याकडील पत्र संकीर्ण २०११ /प्र.क्र॒६५/नवि २५ दिनांक २२ सप्टेंबर २०१४ अन्वये खालील प्रमाणे कळविले आहे.

महानगरपालिका क्षेत्रातील अनधिकृत बांधकामे/ अतिक्रमणे यामुळे विविध नागरी समस्या निर्माण होत असून त्याची गंभीर दखल मा.न्यायालयाने घेतली आहे. सदर बांधकामे निष्कासीत करणे आणि त्या संबंधीत कामे त्वरेने पार पाडण्याकरिता महानगरपालिकां करिता नागरी पोलीसांची पदे निर्माण करणे विशेष पोलीस ठाणे निर्माण करण्याचे शासनाच्या विचाराधीन आहे. त्या अनुषंगाने अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग यांच्या अध्यक्षतेखाली दिनांक २३ ऑक्टोबर २०१२ रोजी बैठक संपन्न झाली सदर बैठकीचे इतिवृत्त सोबत पाठविण्यात येत आहे. इतिवृत्तात नमुद केल्यानुसार महानगरपालिकेच्या ठरावासह सुधारीत प्रस्ताव शासनाच्या मान्यतेकरिता सत्वर सादर करण्याबाबत नमुद केलेले आहे.

राज्यातील नागरी भागातील अनधिकृत बांधकाम/अतिक्रमण नियंत्रण निर्मुलनासाठी उपाय योजना करण्याकरिता शासन निर्णय दिनांक २ मार्च २००९ अन्वये निर्णय घेतला आहे. नागरी गुन्ह्यांची नोंदणी, तपासणी व खटला भरण्यासाठी स्थापन करावयाच्या विशेष कक्षासाठी खालील संवर्गातील पदे राज्य शासनाच्या आस्थापनेवर निर्माण करणे प्रस्तावित आहे.

परिशिष्ट अ नागरी पोलीस यंत्रणेसाठी आकृतीबंध (महानगरपालिका क्षेत्रासाठी)

| अ.क्र. | पदनाम | वेतनश्रेणी(असुधारीत) | ड वर्ग महानगरपालिकांसाठी पद संख्या |
|--------|----------------------------------|-----------------------|------------------------------------|
| १ | सहा.पोलिस आयुक्त/पोलीस उपअधिक्षक | ८०००-२७५-१३५०० | १ |
| २ | पोलीस निरीक्षक | ७४५०-२२५-११५०० | १ |
| ३ | सहा.पोलीस निरीक्षक | ६५००-२००-१०५०० | -- |
| ४ | पोलीस उप निरीक्षक | ५५००-१७५-९००० | ४ |
| ५ | सहा.पोलीस उप निरीक्षक | ४५००-१२५-७००० | -- |
| ६ | पोलीस हवालदार | ४०००-१००-६००० | ४ |
| ७ | सशस्त्र पोलीस शिपाई | ३०५०-७५-४५९० | २४ |
| ८ | महिला पोलीस शिपाई | ३०५०-७५-४५९० | १६ |
| ९ | पोलीस नाईक एकुण पदे | ४०००-१००-६००० | ३ ५३ |

परिशिष्ट ब

नागरी गुन्ह्यांच्या नोंदणी, तपास व खटला भरणे कामी स्थापन करावयाच्या विशेष पोलीस स्टेशनसाठी आकृतीबंध

| अ.क्र | पदनाम | वेतनश्रेणी (सुधारीत) | ड वर्ग महानगरपालिकेसाठी पदसंख्या |
|-------|------------------------|----------------------|----------------------------------|
| १ | सहा.पोलीस निरीक्षक | ६५००-२००-१०५०० | १ |
| २ | पोलीस उपनिरीक्षक | ५५००-१७५-९००० | १ |
| ३ | सहा.पोलीस उपनिरीक्षक | ४५००-१२५-७००० | १ |
| ४ | पोलीस हवालदार(सशस्त्र) | ४०००-१००-६००० | ४ |
| ५ | पोलीस शिपाई (सशस्त्र) | ३०५०-७५-३९५०-८०-४५९० | ८ |
| ६ | कनिष्ठ लिपोक | ३०५०-७५-३९५०-८०-४५९० | १ |
| ७ | वाहनचालक | ४०००-१००-६००० | १ |
| | एकुण पद | | १७ |

उक्त पदे राज्य शासनाच्या आस्थापनेवर निर्माण केली जाणार आहेत. तथापि त्यावरील खर्चाची प्रतिपुर्ती आगावु (**Advance payment**) च्या स्वरूपात महानगरपालिकेने करावयाची आहे ही बाब विचारात घेऊन ही सभा अ)उक्त शासन निर्णयात नमुद केलेल्या आणि महानगरपालिकेसाठी अनुज्ञेय असलेल्या पोलीस अधिकारी/कर्मचारी चांचे वेतन व भते, निवृत्तीवेतन अंशदान होणा-या खर्चास व सदर खर्चाची रक्कम आगावु तिमाही हप्त्याच्या स्वरूपात राज्य शासनाकडे/संबंधीत पोलीस आयुक्तालायाकडे भरण्यास ही सभा मंजुरी देत आहे तसेच ब) सदर अधिकारी/कर्मचारी यांना पुरविण्यात येणा-या वाहन, कार्यालय व इतर सुविधांवर येणा-या खर्चास व तो शासनाकडे/ संबंधीत विभागाच्या पोलीस आयुक्तांकडे आगावु स्वरूपात भरण्यास ही सभा मंजुरी देत आहे तसेच क)सदर कक्षाच्या निर्मीतीमुळे होणा-या खर्चाची पुरता करण्यासाठी महानगरपालिकेच्या अंदाजपत्रकात नविन लेखाशिर्ष निर्माण करून त्या खालील आवश्यक तरतुद प्रतिवर्षी करण्यासाठी ही मान्यता देण्यांत देत आहे

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-९२

श्री.अन्वर ऐनोददीन शेख सफाई कामगार गैरहजर यांना कामावर हजर करून घेण्याबाबतआलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११४ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे आरोग्य विभागाकडील दिनांक २१/६/२०१४ रोजी कार्यालयीन अहवालानुसार श्री शेख अन्वर शेख ऐनोददीन यांनी गैरहजर असल्यामुळे पुन्हा कामावर घेण्याबाबत विनंती केलेली आहे.

श्री. शेख अन्वर शेख ऐनोददीन हे कायम सफाई कामगार असून सोबतच्या स्वच्छा निरीक्षक बी वॉर्ड यांच्या रिपोर्ट नुसार सदर कर्मचारी मागील पुष्कळ दिवसापासुन सतत गैरहजर असुन त्याबाबत आस्थापना विभागाकडुन यापूर्वी कार्यवाही सुरु आह. तरी त्यांनी सोबतच्या अर्जानुसार विनंती केली आहे की, मी सन २००६ पासुन कामावर नाही आता त्याची तब्बेत चांगली असून कामावर हजर करून घ्यावे. विनंती केलेली आहे.

यासंदर्भात लोक अदालत मधील तडजोडीनुसार व त्यांनी करून दिलेल्या शपथपत्रानुसार तसेच त्यांनी दिलेल्या वेळोवेळी दिलेल्या विनंती अर्जानुसार व महाराष्ट्र नागरी सेवा (सेवानिवृत्ती वेतन) नियमानुसार नियम अ, ब, क त्यांना सेवेत घेण्याबाबत प्रस्ताव मे. महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला आहे.

महाराष्ट्र नागरी सेवा (रजा) नियम १९८१ नुसार शासकीय कर्मचा-यांना अपवादात्मक परिस्थिती विचारात घेऊन रजा मंजुर करण्याचे अधिकार समुचित प्राधिकारी म्हणुन शासनास आहेत.याबाबत शासनाने सदर कर्मचारी धुळे महानगरपालिकेचे कर्मचारी असल्याने त्यांच्या प्रकरणी समुचित प्राधिकारी म्हणुन महासभेने निर्णय घेणे योग्य होईल. असे यापूर्वीच्या प्रकरणात कळविले आहे.

कार्यालयीन अहवालानुसार त्यानुसार श्री.शेख अन्यर शेख ऐनुद्दिन सफाई कामगार यांच्या सेवेचा व भविष्याचा विचार करता त्यांना पुनश्च कामावर हजर करून घेण्यास मनपा अटी शर्तानुसार मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-९३

छत्रपती शाहू महाराज नाट्यमंदिराच्या मागील मोकळ्या जागेत बी.ओ.टी.तत्वावर बहुउद्दशीय हॉल बांधणे व संबंधित ठेकेदारास नाट्यमंदिर चालविणेचा ठेका देणेबाबतआलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११५ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका मालकीचे श्री.राजेशी शाहू महाराज नाट्यमंदिर (बंदिस्त)म.अध्यक्ष,मे.श्रीकृष्ण खांडसरी शुगर मिल्स,तळोदा यांना दिनांक १८/०१/२०१०पासून ३ वर्षांकरीता ठेका देण्यात आलेला होता.त्याची मुदत दिनांक १८/०१/२०१३ रोजी संपलेली असल्याने यापुढे नाट्यमंदिर पुन्हा भाडेतत्वावर चालविणेस देणेबाबतच्या कार्यालयीन टिप्पीवर म.आयुक्त यांनी दिनांक ६/०५/२०१३ रोजी मंजूरी दिल्यानंतर उक्बबाबतची निविदा दाखल करण्याची अखेरची दिनांक ४/६/२०१३ होती. परंतु सदरचे निविदेबाबत शेवटच्या दिवसापर्यंत कोणतीही निविदा दाखल झालेली नाही.

म.अध्यक्ष,मे श्रीकृष्ण खांडसरी शुगर मिल्स तळोदा यांना ठेक्याची मुदत संपल्यानंतर पुढील ठेक्याची प्रक्रिया पुर्ण होईपर्यंत सदरचे नाट्य मंदिर मागील दराप्रमाणे चालविणेबाबत इकडील पत्र क्र.जा.क्र/धु.म.पा/बां.वि/९६३/१३ दिनांक १८/०१/२०१३अन्वये आदेशीत केलेले आहे.

उक्त प्रकरणी दिनांक २३/०५/२०१३ रोजी फेरनिविदा काढली असता निविदा प्राप्त झालेली नाही.म.सभापती,स्थायी समिती यांनी दिनांक ५/११/२०१४ रोजी पत्र देवून सदर नाट्यमंदिर चालविणेबाबतचा ठेका संबंधित ठेकेदारास देणेबाबत व नाट्यमंदिराच्या मागील मोकळ्या जागेत बी.ओ.टी तत्वावर हॉल बांधणेबाबत कळविले आहे.

तरी सदर नाट्यमंदिर चालविणेचा ठेका संबंधित ठेकेदारास देणेबाबत व नाट्यमंदिराच्या मागील मोकळ्या जागेत बी.ओ.टी. तत्वावर हॉल बांधणेबाबत प्रस्ताव मे.महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला आहे.

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे व उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार छत्रपती शाहू महाराज नाट्यमंदिराच्या मागील मोकळ्या जागेत बी.ओ.टी.तत्वावर बहुउद्दशीय हॉल बांधणे व ठेकेदारास नाट्यमंदिर चालविणेचा ठेका देणेबाबत मनपाच्या अटी शर्तीनुसार व नियमानुसार ई- निविदा प्रसिद्ध करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत शिवसेनेचे गटनेते श्री. संजय गुजराथी व इतर ७ सदस्यांनी लेखी पत्र घेऊन सदर प्रस्तावास विरोध नोंदविलेला असून त्यांचा विरोध नोंदवून सदर प्रस्तावास बहुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे.

बहुमताने मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

मा.महापौर सां.यांच्या पत्रानुसार नगररचना उपविधीतील नियमात सुधारणा करून त्यास शासनाची मान्यता घेणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

नगरसचिव यांनी विषयांचे वाचन केले.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११६ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सद्यस्थितीत महानगरपालिका क्षेत्रातील ओपन स्पेससाठी व सोडण्यात आलेल्या मोकळ्या जागेत बांधकाम अनुज्ञेय केले जात नाही. याबाबत मे. सर्वोच्च न्यायालयाच्या आदेशाचा आधार घेऊन बांधकाम करणेबाबत निर्बंध केले जात आहेत.शासनाच्या तसेच मनपाच्या विविध योजनांमधून शहरात सावजनिक शौचालय, वाचनालय,समाज मंदिर तथा अन्य समाजोपयोगी कामे हाती घेण्यात येतात.मनपाच्या स्वमालकीची जागा शहरात काही ठिकाणी उपलब्ध नसल्याने अशा मोकळ्या जागांवर बांधकाम करणे आवश्यक होते.तथापि मोकळ्या जागेत बांधकाम अनुज्ञेय नसल्याने अशी

विषय क्रमांक:-९४

म.नगरसचिव

कामे करण्यांस अडचणी निर्माण होतात. परिणामी त्यासाठी आलेला निधीही व्यपगत होतो. यासाठी पुणे महानगरपालिकेअंतर्गत मोकळ्या जागेत अशा स्वरूपाचे बांधकाम करण्यासाठी उपविधीत आवश्यक ते बदल करून त्यास शासनाची मान्यता घेण्यांत आल्याचे समजते.त्या पाश्वर्भूमीवर आपल्या महानगरपालिकेस अशा स्वरूपाचा प्रस्ताव तयार करून मे. महासभेपुढे तांतडीने सादर करणेबाबत आदेश दिलेले आहेत.

वरील आदेशानुसार पुणे महानगरपालिकेचे उक्त बाबत केलेली उपविधीची छायाप्रत सोबत सादर केलेली असून त्याची मराठी अनुवादाची छायाप्रत ही सोबत सादर केलेली आहे.

सदर उपविधीनुसार धुळे महानगरपालिकेत सद्यस्थिती लागु असलेली अ वर्ग नगरपालिकेची व शासनास सादर केलेले अ ब व क वर्ग नगरपालिकेची विकास नियंत्रण नियमावली मध्ये सदर खुल्या जागेत सार्वजनिक प्रयोजनार्थ बांधकाम अनुज्ञेय करण्यासाठी शासनास प्रस्ताव सादर करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत शिवसेनेचे गटनेते श्री. संजय गुजराथी व इतर^७ सदस्यांनी लेखी पत्र देऊन सदर प्रस्तावास विरोध नोंदविलेला असून त्यांचा विरोध नोंदवून सदर प्रस्तावास बहुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे.

बहुमताने मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-९५

धुळे मनपा हद्दीतील स.नं.४७२ व४७५ येथील धुळे शहर मंजुर विकास योजना आ.क्र.१७ माध्यमिक शाळा व खेळाचे मैदान याबाबत मे.उच्च न्यायालय,औरंगाबाद खंडपीठ यांचे दि. १२/१२/२०१४ चे आदेशानुसार श्री.गुरुदत्त शैक्षणिक या संस्थेचे संपादन संस्था म्हणून नाव लावणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११७ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हद्दीतील स.नं.४७५या मिळकतीत काही जागेवर धुळे शहर मंजुर विकास योजनेनुसार आ.क्र.१७माध्यमिक शाळा व खेळाचे मैदान या वापराकरिता आरक्षण आहे. तसेच संपुर्ण भागाचे आरक्षीत क्षेत्र १.२५ हे.आर. इतके आहे.त्यापैकी स.नं.४७२ मधील १३,०००.०० चौ.मी इतके क्षेत्राचे भुसंपादन झालेले आहे. तरी उत्क प्रकरणी म.तत्कालीन आयुक्त सो.यांनी माध्यमिक शाळेचे आरक्षण विकसीत करणे प्रशासकीय व देशखभीच्या दृष्टीने मनपास शक्य होणार नाही त्यामळे सदरच्या आरक्षणाखालील जमीनीचे भुसंपादन करून विकसीत करणेसाठी व त्याची आवश्यक देखभालीच्या करणेसाठी एखाद्या नोंदणीकृत संस्थेने देणे बाबत धुळे महानगरपालिका धुळे जा.क्र./धुमपा/नर/६६५/१०-११ दि.११/१२/२०१० रोजी जाहीर सुचना दिलेली होती. त्यावर माऊली एज्युकेशन बहुउद्देशीय संस्था, धुळे व खान्देश ग्रामीण सामुदायिक संस्था धुळे यांनी संपती दर्शविलेली होती. मात्र सदर कार्यपद्धती लांब स्वरूपाची असल्याने त्यावर त्यांनी मत प्रदर्शित केले. तदनंतर सदरची जागा विकसीत व भुसंपादन करणेसाठी गजानन महाराज शिक्षण संस्था नंदुरबार या संस्थेने दि.२०/०१/२०१२ रोजी प्रस्ताव सादर केला. तसेच सदरच्या संस्थेबरोबर श्री.गुरुदत्त शैक्षणिक व सांस्कृतिक ट्रस्ट, धुळे यांनी देखील प्रस्ताव सादर केला व जागा मागणी केली.

उक्त प्रकरणी सदर जागा देणे बाबतचा विषय मे.महासभेपुढे ठेवण्यात आला. त्यानुसार धुळे महानगरपालिका ठराव नं.११८ दि.५/९/२०१२ नुसार इच्छूक संस्थेला जागा देणे बाबत खालील अटीचा विचार करून देणे बाबत नमुद आहे.

- १) मनपाने स.नं.४७२र्ही जिमिन संपादनासाठी केलेला संपूर्ण खर्च आजच्या बाजारभावाप्रमाणे व व्याजासह देणे क्रमप्राप्त राहील,

- २) मंजुर विकास योजनात सदरआरक्षणाचे समुचित प्राधिकरण नगरपालिका/ महानगरपालिका ऐवजी संबंधीत इच्छूक संस्थेचे नांव लावणेसाठी महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधि.१९६६ चे कलम ३७अन्वये चा फेरबदल प्रस्ताव शासनाकडून मंजुर करून घ्यावा लागेल.
- ३) प्रकारातील सद्यस्थितीतनमुद करून प्रारूप विकास योजनेत संस्थेचे नांव समुचित प्राधिकरण म्हणून करणेसाठी शासनास शिफारस करणेसाठी शासनास करणे योग्य राहील.

असा ठरावात नमुद केले आहे. मात्र सदरचा प्रस्ताव तहकूब ठेवणे बाबत निर्णय दिलेला आहे.

तदनंतर सदरची जागे बाबत निर्णय झालेला नसल्याने श्री.गुरुदत्त शैक्षणिक व सांस्कृतीक ट्रस्ट यांनी (१) महाराष्ट्र शासन व इतर (२) धुळे महानगरपालिका याचे विरुद्ध मे. उच्च न्यायालय औरंगाबाद खंडपीठ येथे रिट याचिका क्र. ३१९७/१४ दाखल केली. त्यात मे. न्यायालयाने दि. १२/१२/१४ रोजी आदेश दिलेला आहे. त्यात सदरच्या संस्थेने ठरावात नमुद केलेल्या ३ अटी नुसार भुसंपादन झालेली जमिनीबाबत रक्कम आजच्या बाजारभावा प्रमाणे तसेच व्याजासह भरणे बाबत तसेच त्यांच्याकडून शपथपत्र दाखल झालेनंतर त्यावर निर्णय घेवून महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधि.१९६६ चे कलम ३७नुसार कार्यवाही करणे करिता शासनाकडे निर्णयास्तव पाठविणे बाबत आदेश दिलेला आहे. त्यानुसार सदरच्या संस्थेने शपथपत्र दाखल केलेले असुन आजच्या बाजारभावाप्रमाणे व व्याजासह रक्कम भरणे बाबत तयारी दर्शविलेली आहे.

तथापि धुळे शहर प्रारूप विकास योजना सुधारीत दुसरी नुसार महाराष्ट्र शासन, नगरविकास विभाग मंत्रालय मुंबई-३२ शासन निर्णय क्र. रिपीएस-१०१२/ ५२६ (न) /पुर्नबांधणी क्र.६२/ प्र.क्र. १०६ /१२/ नावि - ९ / दि. २८/१२/१२ च्या निर्णयानुसार EP-४४ Proposal as per Development plan published under section २६ of the Maharashtra Regional & Town Planning Act. १९६६ नुसार Dhule Survey No. ४७४ [pt] Residential zone/proposal as per Development plan submitted to the Govt. for sanction under section ३० of Maharashtra Regional of Town Planning Act. १९६६ - No change / Modification of Substantial Nature as proposed by Govt under section ३१ [१] of Maharashtra Regional & Town Planning Act १९६६ नुसार The land of survey No. ४७४ [part] is proposed to be reserved for High School and play Ground as site No= १५४ असा निर्णय आहे. मात्र सदरच्या EP नकाशात Site No. १५४ EP-४४ हा भाग सं.नं. ४७२ (pt) व सन ४७५ (pt) असा मिळून दर्शविलेला आहे. मात्र शासन निर्णयामध्ये स.नं. ४७४ [pt] असा उल्लेख आहे.

तरी वरील सर्व बाबी पाहता स.नं. ४७२ (pt) अ क्षेत्र १३०० चौ.मी या जागेचे भुसंपादन झालेले आहे. तसेच उर्वरीत स.नं. ४७५ (pt) चे भुसंपादनाची कार्यवाही झालेली नाही. तसेच भुसंपादन करणे कापी अंतिम निवाड्यानुसार १७,७८,७९८/- रु. इतका खर्च महानगरपालिकेचा झालेला असून म. न्यायालयाच्या आदेशानुसार आजच्या शासकीय दरसूची (अ.क्र. ३.८३) २०१५नुसार खर्च १३००-३१२०=४०,५६,०००/- + १२.५०% प्रमाणे १७,७६,७९८/- रु.चे ६ वर्षाचे व्याज १३,३४,०९९/- रु. असे एकूण ४०,५६,०००/- रु. अशी रक्कम असुन आजच्या बाजारभाव १२०० रु.प्रती चौ.फुट प्रमाणे जमीनीचे मुल्य १,६७,८५,५००/- तसेच व्याज १३,३४,०९९/- असे एकूण १,८१,१९,७००/- रु. असे येते. तरी महाराष्ट्र प्रादेशिक नगररचना अधि. १९६६ चे कलम ३७अन्वये श्री. गुरुदत्त शैक्षणिक या संस्थेचे संपादन संस्था म्हणून नांव लावणेची कार्यवाही ही धोरणात्मक स्वरूपाची असल्याने म. महासभेपुढे सदरचा विषय निर्णयाकरिता आला असता उपस्थित सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सदरची जागा ही धुळे महानगरपालिकेस शैक्षणिक विकासाकरिता अत्यंत आवश्यक असून त्याठिकाणी महानगरपालिकेमार्फत इंग्रजी माध्यमांचे शैक्षणिक वर्ग सुरु

करता येतील. तसेच नगररचनाकार यांनी ठरविलेले बाजार मुल्यही वस्तुस्थितीचा विचार करता कमी आहे. त्यामुळे सदर जागेस गुरुदत्त शैक्षणिक संस्थेचे संपादन संस्था म्हणून नांव लावणेबाबतचा प्रस्ताव सर्वानुमते नामंजूर करण्यांत येत आहे. तसेच याप्रकरणी न्यायालयीन प्रक्रिया प्रशासनामार्फत तांतडीने करण्यांत यावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-१६

श्री. अग्रसेन ज्येष्ठ नागरीक संघ, धुळे यांनी धुळे मनपा हृदीतील स.नं.४६३/१ ब मधील जागा नाना नानी पार्क आणि विरंगुळा केंद्रास मिळण्यासाठी अर्ज सादर केला आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११८ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हृदीतील स.नं.४६३/१ ब क्षेत्र १२०००.०० चौ.फूट इतक्या जागेपैकी ४०००.०० चौ.फूट इतकी जागा नाना नानी पार्क आणि विरंगुळा केंद्रासाठी जेष्ठाकरिता मिळणेबाबत पत्र दिलेले आहे. तरी उक्त जागा ही अभिन्यास मोकळी जागा असून म. शासन निर्णयानुसार अभिन्यासातील मोकळी जागेचा उपयोग Environment Friendlly उपयोगाकरिता करण्याचे निर्देश असून त्याबाबत सदर अभिन्यासातील भूखंड धारकांनी संमती आवश्यक आहे.

उक्त प्रकरणी सदरच्या स.नं.४६३/१ येथील अभिन्यासातील प्लॉट धारकांची रागरंग को- ऑपरेटिक्ह हौ. सोसायटी स्थापन झालेली असून सदरच्या सोसायटीने जागा श्री महाराजा अग्रसेन ज्येष्ठ नागरीक संघ, धुळे या संस्थेस नाना नानी पार्क व विरंगुळा केंद्र या कारणासाठी देणेबाबत ना हरकत दाखला दिलेला आहे.

शासन निर्णय क्रं.टिपीबी४३९०/११४/प्र.क्र.८९/९६/नवि/११ दि.१० जून १९९६ नुसार जर जागा मनपाच्या नांवे असल्यास संबंधित गृहनिर्माण संस्थेला विकसीत करणे करता देता येऊ शकेल.

शासनाच्या निर्देशानुसार १/१० टक्के जागा अभिन्यासातील भूखंड धारकांच्या सोसायटीस कोणत्याही प्रकारचे बांधकाम करता येणार नाही या अटीवर देता येऊ शकेल. असा प्रस्ताव प्रशासनामार्फत सादर झालेला आहे.

उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चनुसार श्री. महाराजा अग्रसेन ज्येष्ठ नागरीक संघ धुळे यांना सर्वे नं.४६३/१ मधील जागा नाना नानी पार्क व विरंगुळा केंद्रासाठी शासन नियमाप्रमाणे व मे. सर्वोच्च न्यायालयांचे निर्णयास व कार्यालयीन अहवालास अधिन राहून देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-१७

प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय उप सेवा केंद्र अशोक नगर धुलिया (वर्ल्ड रिन्युअल स्पिरिच्युअल ट्रस्ट) यांनी सर्वे नं.५७३/२ अशोकनगर मधील खुली जागा (Open Space) बगीचा विकसीत करणेसाठी मिळणेबाबत अर्ज सादर केला आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर ११९ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय उप सेवा केंद्र अशोक नगर धुलिया यांनी सर्वे नं.५७३/२ अशोकनगर मधील खुली जागा Open Space मिळणेबाबत दि.२८/१/२०१५ रोजी अर्ज सादर केला आहे. वर्ल्ड रिन्युअल स्पिरिच्युअल नावाने रजिस्टर्ड ट्रस्ट असून त्यांचे मुख्य कार्यालय मुंबई येथे आहे. सदर ट्रस्ट

अंतर्गत नैतिक मुल्यशिक्षण, व्यसनमुक्ती, महिला सशक्तीकरण इ. उपक्रम घेऊन समाजामध्ये सकारात्मक परिवर्तन करण्याचं काम करण्यांत येत आहे. सदरउपक्रम धुळे शहरात देखील चालू आहे. उपक्रमाचा व्यापक विस्तार करण्याकरिता आम्हास सर्वे नं. ५७३/२ अशोकनगर एल.आय.सी.कॉलनी जवळ नारायण मास्तर चाळ) मधील खुली जागा (Open Space) १००x१२० फूटाची कायम स्वरूपी देण्यांत याची तसेच अशोकनगर मधील रहिवासीचे १०० रु.स्टॅम्पेपेर वरील नाहरकत दाखल सादर केला आहे व स.नं. ५७३/ब च्या अभिन्यासाची छायांकित प्रत जोडली आहे तसेच सदर जागा बगीचा विकसीत करणेकामी मागणी केली आहे.

प्रस्तुत प्रकरणाचे अवलोकन केले असता अर्जदार यांनी खुल्या जागेचा ७/१२ उतारा सादर केला नाही व अभिन्यासातील भूखंडधारकांचे ७/१२ उतारे नाही. तसेच संमती पत्रकात एकूण ४३ भूखंड धारक असून फक्त २९ भूखंडधारकांची संमती दिसते.

महाराष्ट्र शासनाने दि. ८/१९९६ च्या निर्देशानुसार मंजूर अभिन्यासातील खुली जागेच्या क्षेत्रापैकी १० टक्के क्षेत्र सार्वजनिक संस्थाना विकासासाठी देण्यांत येत होती. १० टक्के खुली जागा मनपा/नपा हस्तांतरीत झालेली असल्यास मनपा/नपा सदर जागा अभिन्यासातील भूखंड धारकांच्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थेस/फेडरेशन ऑफ सोसायटीस यांना शासन परिपत्रकातील अटी व शर्तीस अधिन राहून देता येईल.

अशी १० टक्के खुली जागा मनपा/नपा कडे हस्तांतरीत झालेली असल्यास मनपा/नपा सदर जागा अभिन्यासातील भूखंड धारकांच्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थेस/फेडरेशन ऑफ सोसायटीस यांना शासन परिपत्रकातील अटी व शर्ती विचारात घेऊन भाडे करारावर देऊ शकेल किंवा स्वतः विकसीत करू शकेल.

तथापि मंजूर अभिन्यासातील खुल्या जागेच्या क्षेत्रापैकी १० टक्के क्षेत्र सार्वजनिक संस्थांना विकासासाठी देण्याबाबतच्या मे. सर्वोच्च न्यायालय यांच्या केस लॉ नुसार खुल्या जागेचा वापर १०० टक्के environment friendly या कामासाठीच करावा असे निर्देश दिलेले आहे.

शासनाच्या निर्देशानुसार १/१०% टक्के जागा त्या अभिन्यासातील भूखंड धारकांच्या सोसायटीस कोणत्याही प्रकारचे बांधकाम करता येणार नाही या अटीवर देता येऊ शकते. असा प्रस्ताव प्रशासनामार्फत सादर झालेला आहे.

उपस्थित सदस्यांनी केलेल्या चर्चनुसार सदर लेआऊट मधील अनेक प्लॉट धारकांनी सदर जागा संबंधित संस्थेस देण्यांत येऊ नये म्हणून हरकत अर्ज सादर केलेले आहे. सबब सदर विषय तहकूब ठेवण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १८

धुळिया जिल्हा पिंजारी/मन्सुरी समाज विकास मंडळ, धुळे यांनी सर्वे नं. ३१/१, २, ३, ४, ५ पैकी मोकळी जागा सामाजिक उपयोगासाठी मागणी केलेली आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२० दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे मनपा हद्दीतील स.नं. ३१/१-२-३-४-५ पैकी मोकळी जागा पैकी १५६६.०० चौ.मी. जागा धुळिया जिल्हा पिंजारी/मन्सुरी समाज विकास मंडळ धुळे या संस्थेस मिळणेबाबत पत्र दिलेले आहे.

तरी मागणी जागा ही स.नं. ३१/१-२-३-४-५ या अभिन्यासातील खुल्या जागेपैकी असून ७/१२ उता-यानुसार सदरच्या जागेची मालकी ही मनपाची आहे. तसेच सदर जागेवर समाज भवनाचे जुने बांधकाम असून संरक्षण भिंतीचे बांधकाम झालेले आहे.

तसेच शासन निर्णयानुसार जर जागा मनपाची असेल तर सदरच्या अभिन्यासातील भूखंड धारकाची सोसायटीला (रजिस्टर) मोकळी जागा १००% Eco Frionally वापराकरिता देण्यांत येते. तथापि मागणी संस्थेत सदरच्या अभिन्यासातील भूखंड धारकां एकुण १७४ पैकी ४८ भूखंडधारकांची संमती सादर केलेली आहे.

अभिन्यासातील खुली जागा त्याच अभिन्यासातील भूखंडधारकांच्या सहकारी संस्थेला देता येते तिचा वापर हा खुल्या स्वरूपासाठी होणे आवश्यक आहे. उक्त प्रकरणी धोरणात्मक निर्णयासाठी विषय महासभेपुढे निर्णयार्थ पाठविणे आवश्यक आहे. असा अभिप्राय म.नगररचनाकार यांनी दिलेला आहे. तरी वरील अहवालाप्रमाणे जागा देणेबाबतचा विषय मे.महासभेपुढे सादर झालेला आहे.

उक्त प्रस्तावासंदर्भात सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सदर अभिन्यासातील उर्वरीत भूखंड धारकांची संमती घेवून तसेच भूखंड धारकांच्या स्वाक्ष-याबाबत शाहा निशा करून धुलिया जिल्हा पिंजारी / मन्सुरी समाज विकास मंडळ धुळे या संस्थेस स.नं.३१/१-२-३-४-५ पैकी मोकळी जागा पैकी १५६६.०० चौ.मी. जागा महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ७९ अन्वये संस्थेने मागणी केल्याप्रमाणे ३० वर्ष मुदतीसाठी मनपाच्या नियम व अटी शतीनुसार मे.सर्वोच्च न्यायालयांच्या निर्णयास अधिन राहून देणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत शिवसेनेचे गटनेते श्री. संजय गुजराथी व इतर ७ सदस्यांनी लेखी पत्र देऊन सदर प्रस्तावास विरोध नोंदविलेला असून त्यांचा विरोध नोंदवून सदर प्रस्तावास बहुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच सदर जागा ही वापरासाठी सर्व नागरीकांना खुली राहील.

बहुमताने मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १९

धुळे मनपा मालकीचेडॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्ण शॉपिंग सेंटर मधील १ ते ४२ दुकानांची मुदत दि.३१/३/२०१० अखेर २० वर्ष मुदत पुर्ण झालेली आहे. सदर दुकानदारांना मुदतवाढ देणे तसेच दुकानांचे दरमहा भाडे, डिपॉजिट (अनामत) रक्कम, नाव हस्तांतरण फी ठरविणे किंवा लिलाव पध्दत अवलंबिणे बाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२१ दिनांक ११/३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे धुळे मनपा मालकीचे डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्ण शॉपिंगसेंटर मधील १ ते ४२ दुकानांबाबत कार्यालयीन टिप्पणी दि.२५/७/२०१४ चे टिप्पणीस म.आयुक्त सो. यांनी दि.२५/७/२०१४ रोजी मंजुरी दिल्यानुसार मनपा महासभा विषय क्र.६८ ने कार्यालयीन निवेदनाचा विचार केला असता धुळे मनपा ठराव नं.८६दि.१८/१२/२०१४ ने यापुर्वी केलेला मनपा ठराव नं.१६८दि.२२/१/२०१३चा ठरावास लेखापरिक्षकांनी आक्षेप घेऊन सदर ठराव मनपा अर्धिक हिताच्या विरुद्ध असल्याचे नमुद केलेले आहे. त्यामुळेसदर ठराव नं.१६८ दि.२२/१/२०१३ रद्द करणेस मान्यता देण्यात आलेली आहे.

म.लेखापरिक्षकांनी दिलेला आक्षेप व प्रशासनाच्या स्थायी निर्देश यानुसार नियमाप्रमाणे गाळे रिकामे करून घेणे, लिलाव करणे, भाडे आकारणी करणे, डिपॉजिट ठरविणे इ. कायदेशीर मुद्दांबाबत मनपा कायदेविधी तज अॅड. समीर पंडीत यांचेकडून अभिप्राय घेण्यास धुळे मनपा ठराव नं.८१ दि.१८/१२/२०१४ ने मान्यता देण्यात आल्याने जा.क्र.वसुली /१५९ दि.३/१/२०१५ ने नगररचनाकार व मनपा कायदेविधी तज अॅड. समीर पंडीत यांचेकडून अभिप्राय मागविण्यात आला. त्यानुसार मनपा कायदेविधी तजांचा अभिप्राय खालिलप्रमाणे.

१) तत्कालीन नपा.ठ.नं.२५८ दि.१७/१०/१९८६ चा २० वर्ष मुदतीकरीता केलेला ठराव बांधकाम चालु असतांना केलेला आहे. २० वर्ष मुदतीकरीता गाळे देणेबाबत शासनाची

परवानगी प्राप्त केलेली नाही. सदरचा ठराव आणि त्या अनुषंगाने झालेली कार्यवाही ही प्रथमत: बेकायदेशीर दिसते.

- २) डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्ण शॉपिंगसेंटर मधील १६ दुकानदारांनी मनपाची परवानगी न घेता परस्परहस्तांतरण केलेले आहे.
- ३) मनपाने केलेला ठराव, दुकानदारांकडील दिघकालीन ताबा लक्षात घेता ते स्वाभाविकच याकामी न्यायालयात जाऊ न दाद मागण्याची शक्यता आहे. अनधिकृत भोगवटदारांना मनपा दुकानातुन काढून टाकण्याचा मनपास अधिकार आहे. त्याकरिता मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम ८१-ब चे तरतुर्दीचे पालन करणे आवश्यक आहे.
- ४) मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम (ड) (ग) च्या तरतुर्दीनुसार मनपाची कोणतीही स्थावर मालमत्ता पटूयाने किंवा भाड्याने किंवा हस्तांतरण करता येईल असे असल्याने चालु बाजार किमतीपेक्षा अधिमुल्य भाडे कमी असता कामा नये असे असल्याने धुळे मनपा ठराव नं. ८१ दि. १७/१२/२०१४ नुसार मनपा ठराव नं. १६८ दि. २२/१/२०१३ अन्वये भाडे आकारणी ५०% केलेले आहे. कायदयाने संविधा(करार) करतांना याबाबीची पुरता करून घेणे आवश्यक आहे.
- ५) म.नगररचनाकार यांनी दि. २/१/२०१३ रोजी ठरवुन दिलेले दरमहा भाडे व डिपॉजिट रक्कमही १००% घ्यावयास पाहिजे होती व तशी आकारणी करणे अपेक्षित आहे आणि त्यानुसार त्यांच्याकडे कायदेशीर रक्कमेची मागणी करणे आवश्यक आहे. मागणी प्रमाणेत्यांनी रक्कम न भरल्यास कलम ८१-ब नुसार कार्यवाही होऊ शकते मात्र परस्पर दुकानदारांकडून ताबा काढून घेता येणार नाही.
- ६) दुकानदार जर कायदेशीर भाडे भरत असतील आणि मनपा अटीशर्तीचा भंग केलेला नसेल तर कायदयाचे शासनाचे परिपत्रक आणि स्थायी निर्देशाचे पालन करू न संबंधितांकडून रक्कमा वसुल करता येतील आणि त्यांनी ते थकविले तर त्यांचेवर ८१-ब नुसार कार्यवाही करता येईल.
- ७) ज्या दुकानदारांनी अटी शर्तीचा भंग केलेला आहे त्यांना मनपा दुकानातुन काढून टाकण्याची कार्यवाही सुद्धा कायदेशीर तरतुर्दीस अधिन राहुनच करता येईल किंवा मनपास योग्य वाटले तर शासन निर्देश, स्थायी निर्देश लक्षात घेऊ न दंडात्मक कार्यवाही करून नविन संविधा (करार) करता येईल. याबाबत धोरणात्मक निर्णय घेणे अपेक्षित आहे असा अभिग्राय दिलेला आहे.

म. नगररचनाकार सांग. यांनी दि. २/१/२०१३ व दि. ३/२/२०१५ रोजी ठरवुन दिलेले दर महाभाडे व डिपॉजिट रक्कम खालील प्रमाणे.

| दुकान नं. | नपा.ठ.क्र.२५८ दि. १७/१०/१९८६ नुसार डिपॉजिट | तत्कालीन आयुक्त सांग. यांनी ठरवलेली डिपॉ. रक्कम | म.नगररचनाकार विभागाने दि. २६/१२/१२ रोजी ठरवुन दिलेले भाडे व डिपॉजिट | म.नगररचनाकार विभागाने दि. ०३/०२/२०१५ रोजी ठरवुन दिलेले भाडे व डिपॉजिट |
|--|--|---|---|--|
| १ | १,१५,६०० | ८,८०,००० | ४,१९८ | ४,१९,८०० |
| २,४,७,८ | १,२०,००० | ४,००,००० | ३,३४४ | ३,३४,४०० |
| ३,५,६ | १,२०,००० | ६,४०,००० | २,८१० | २,८१,००० |
| ९,१०,११,१२,१३, १५,१६,१७,१९,२० ,२१,२२ | १,००,८०० | ३,००,००० | २,८१० | २,८१,००० |
| १४,१८, | १,००,८०० | ५,४०,००० | २,८१० | २,८१,००० |
| २३ | १,२३,६०० | ४,५०,००० | ३,४४५ | ३,४४,५०० |
| | | | | ५,३९७ |
| | | | | ५,३९,७०० |

| | | | | | | |
|-----------------------------|--------|----------|-------|----------|-------|----------|
| २४,२५,२६,२९, ३१,३७,४०,४२ | ५१,६०० | १,१०,००० | २,१३८ | २,१३,८०० | ३,३५० | ३,३५,००० |
| २७,२८,३०,३५,३६ ३८, ३९,४१ | ५१,६०० | १,५०,००० | २,१३८ | २,१३,८०० | ३,३५० | ३,३५,००० |
| ३२,३३,३४ | ६९,६०० | १,१०,००० | २,९११ | २,९१,१०० | ४,५६० | ४,५६,००० |

मनपा कायदेविधी तज्ज याचे दि. २/२/२०१५च्या १ ते ७ मुदयातील अभिप्रायाचा विचार केला असता धुळे मनपाचे आर्थिक उत्पन्नाच्या वाढीच्या दृष्टीने म.नगररचनाकार यांनी दि. २६/१२/२०१२ रोजी ठरवुन दिलेले दरमहा भाडे व डिपॉज़िट रक्कम घेणे मागणी करणे आवश्यक आहे.

ज्या गाळेधारकांनी दुकानाचे परस्पर हस्तांतरण केलेले आहे.त्यांचे भाडे व डिपॉज़िट रक्कम इतर गाळेधारकांना ठरावानुसार ठरलेल्या दराच्या दुप्पट दर महाभाडे व डिपॉज़िट रक्कम स्थायी निर्देश क्र.२४ दि.२८/१०/२००४ नुसार आकारणी करणेस तसेच हस्तांतरण फी म्हणून वार्षिक भाडयाच्या पाच पट हस्तांतरण फी घ्यावी लागेल व दरवर्षी उक्त १ ते ४२ गाळेधारकांना १०% भाडेवाढ निश्चित करणेसतसेच उक्त गाळेधारकांना दि.१/४/२०१० पासुन९ वर्ष मुदतीकरिता उक्त दराने गाळे भाडे पढ्याने देणे करिता मनपा अटीशर्तीनुसार करारनामा करून घेणेस तसेच म.नगररचनाकार यांनी दि.३/२/२०१५ रोजी ठरलेल्या दरानुसार भाडे आकारणी व डिपॉज़िट रक्कम सन-२०१०/२०११ पासुन घेणे किंवा लिलाव काढणे बाबत धोरणात्मक निर्णय होणेस्तव म. मुख्यलेखा परिक्षक यांनी लेखापरिक्षण अहवालातील परिच्छेद क्र.३९ मधील आक्षेपानुसार भाडे निश्चिती व भोगवटादार निश्चित होणे उचित ठरेल.नविन लिलाव पध्दत अवलंबुन भाडे निश्चित करणे करिता धोरणात्मक निर्णय होणेस्तव महासभेपुढे प्रस्ताव आला असता उपस्थित सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सदर विषय हा मनपाच्या आर्थिक उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वपूर्ण असून याबाबत निर्णय होणे आवश्यक आहे. यापूर्वी प्रशासनामार्फत झालेली कार्यवाही, व आलेला कार्यालयीन प्रस्ताव लक्षांत घेता याप्रकरणी भविष्यात लेखा आक्षेप निर्माण होण्याची शक्यता आहे.यापूर्वी काही गाळेधारकांशी प्रशासनामार्फत करारनामा झाल्याचे व डिपॉज़िट व भाडे वसूल झाल्याचे निर्दर्शनास येत आहे. तसेच म्युनिसिपल वकीलांचा अभिप्राय व लक्षांत घेता सदर गाळे धारकांकडून कोणत्या वर्षापासून व कोणत्या रेडी रेकनर दरानुसार डिपॉज़िट व भाडे वसूल करावे याबाबत संदिग्धता आहे. तसेच सदर गाळे धारकांना यापूर्वी दिलेली मुदत पूर्ण झालेली असून सदर गाळे पुनश्च लिलावाने देणेबाबत कार्यालयीन प्रस्तावात व लेखा परीक्षकांच्या अभिप्रायात नमूद आहे.उक्त बाबी लक्षांत घेता मनपा अधिनियमानुसार व शासन परिपत्रकातील स्थायी निर्देशानुसार मनपा उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने सदर गाळ्यांचा फेर लिलाव करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच याबाबत भविष्यात न्यायालयीन बाबी निर्माण होण्याची शक्यता असल्याने प्रशासनाने उचित न्यायालयीन प्रक्रिया करणेबाबत कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १००

धुळे मनपा शाळा क्र.२३ मधील प्रबोधनकार ठाकरे व्यापारी संकुलातील गाळा क्र.८३ श्री. बंटी ओमप्रकाश उदासी यांचे दुकानाजवळील १० x ५ ची जागा व दुकान नं.८४ विद्या सुपडू निकम यांचे दुकानाजवळील १० x १० ची जागा स्वखर्चाने बांधुन दुकानाची मुदत असेपर्यंत म. नगररचनकार यांनी ठरवलेल्या भाडे दराने कराराने देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२२ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मनपा शाळा क्रं.२३ गाळा क्रं.८३ श्री.बंटी ओमप्रकाश उदासी यांचे दुकानासमोरील १० x ५ ची जागा जागा दरमहा भाडे रुपये पर स्कवेअर मिटर प्रमाणे १६५/- प्रमाणे ८२५ व गाळा क्रं.८४ विद्या सुपडू निकम यांचं दुकानासमोरील १० x १० ची जागा पर स्कवेअर मिटर रुपये १९५/- मात्र दराप्रमाणे रुपये १६५०/- दरमहा भाडे म. नगररचनाकार यांनी ठरवून दिलेले आहे.

श्री.बंटी उदासी व विद्या सुपडू निकम यांनी दिनांक १०/१२/२०१४ रोजी उक्त जागेत स्वखर्चाने बांधकाम करून लोखंडी शटर लावून बांधकाम करून मनपाच्या ताब्यात जागा देऊ करारनामा करून देईन उक्त जागेचे भाडे ठरवून मिळावे असा अर्ज सादर केलेला आहे.

शाळा क्रं.२३ मधील गाळा क्रं.८३ श्री.बंटी ओमप्रकाश उदासी यांना दि. २७/२/२००४ ने ३० वर्ष मुदतीकरिता व गाळा क्रं.८४ हा विद्या सुपडू निकम यांना दि. २३/५/२००३ ने ३० वर्ष मुदतीकरिता भाडेपट्ट्याने देण्यांत आलेला आहे.

सदरच्या मुदतीत उक्त गाळा क्रं.८३ ची जागा १०x५ = ५० x १६५ = ८२५/- मात्र दरमहा भाड्याने तसेच गाळा क्रं.८४ ची जागा १० x १० = १०० x १६५ = १६५० मात्र म. नगररचनाकार सां. यांनी ठरवून दिलेल्या भाड्यानुसार देणेस तसेच मनपा अटी शर्तीनुसार होणारे मालमत्ता कर दरवर्षी भड्याचे अटीवर तसेच मनपा अटी शर्तीनुसार १ ते १६ अटीचे करारनामा करून घेण्यांस व दरवर्षाच्या भाड्यात १० % भाडेवाढ करण्यास म.आयुक्त सां.यांचे मंजुरीनुसार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ७९ (क) नुसार तसेच मनपा अटी शर्तीनुसार देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. याबाबत शिवसेनेचे गटनेते श्री. संजय गुजराथी व इतर ७ सदस्यांनी लेखी पत्र देऊन सदर प्रस्तावास विरोध नोंदविलेला असून त्यांचा विरोध नोंदवून सदर प्रस्तावास बहुमताने मान्यता देण्यांत येत आहे.

बहुमताने मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १०१

धुळे महानगरपालिका हदीतील विकास विषयी वसूल करण्यांत येणारे विकास शुल्काचे दर वाढविणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२३ दिनांक ११/०३/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना (सुधारणा) अधिनियम २०१० मध्ये शासन निर्णय ३ टिपीएस- १८१०/८५ प्र.क्र. २११८/१० नवि १३ दि. १/३/२०११ अन्वये अधिसुचना व महाराष्ट्र शासन राजपत्रात प्रसिद्ध करून विकास दर वसूल करणेबाबत आदेश पारीत केले आहेत. ते खालील प्रमाणे आहेत.

| अ.नं | क्षेत्रे | विकासाचे स्वरूप व तपशील | सुधारीत दर (प्रति चौ.मी.) |
|------|--|--|---|
| १ | मुंबई महानगरपालिका अधिनियम मुंबईप्रातिकमहानगरपालिका अधिनियम १९४९ अन्वये स्थापन करण्यांत आलेल्या महानगरपालिका | क.कोणत्याही इमारतीच्या बांधकाम किंवा बांधकाम विषयक कामाचा समावेश असेल किंवा संत्याजक वापरासाठी जमिनीची विकास | मुंबई मुद्रांक अधि. १९५८ मुंबई मुद्रांक नियमान्वये तयार केलेल्या मुद्रांक शुल्क गणकानुसार |
| | | १.विकासासाठी | विकसीतजमिनीच्या दरांच्या ०.५ % |
| | | २.बांधकामासाठी | विकसीत जमिनीच्या दरांचा २ % |

वरील दराप्रमाणे आता धुळे महानगरपालिका हदीत विकास शुल्क वसूल केला जात असून वाणिज्यसाठी दुप्पट व औद्योगिक दिडपट विकास शुल्क वसूल केला जात आहे.

तथापि महाराष्ट्र प्रादेशिक नियोजन व नगररचना अधिनियम २०१०नुसार प्रारंभाच्या दिनांका पासून प्राधिकरण दुस-या अनुसूचीच्या स्तंभ४) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या दरांनी विकास आकार बसविला व स्थायी वसूल करील आणि प्राधिकरणाला या प्रकरणात इतर

तरतुदीना अधीन राहून दुस-या अनुसूचीच्या स्तंभ (८) मध्ये विनिर्दिष्ट केलेल्या दर वेळोवेळी वाढविता येईल आणि अशा वाढीव दराने विकास आकार बसविता येईल असे नमूद आहे.

त्यानुसार धुळे मनपा कार्यालयाची आर्थिक परिस्थितीत सुधारणा करणेकामी व उत्पन्नवाढीचे साठी वरील अधिनियमातील तरतुदीनुसार विकास शुल्क दरात खालील प्रमाणे वाढ करणे आवश्यक आहे.

| अ.नं | तपशील | सद्यस्थितीत दर | प्रस्तावित दर |
|------|------------------------|---|---|
| १ | जमीन विषयक | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणकानुसार जमीनेचे दराच्या ०.५% | मुद्राण शुल्क सिध्द गणका नुसार जमिनीच्या दराच्या ३% |
| २ | बांधकामविषयक (रहिवास) | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणकानुसार जमीनचे दराच्या २% | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणका नुसार जमिनीचे दराच्या ६% |

तसेच उक्त दराच्या दुप्पट वाणिज्य वापरासाठी व दिडपट औद्योगिक वापरासाठी विकास शुल्क वसूल करता येईल.

तरी सुधारीत दर करण्याकामी सदर विषय धोरणात्मक असल्याने महासभेची मंजुरी घेणे आवश्यक असल्याने सदर विषय महासभेपुढे सादर करणेत आलेला आहे.

उक्त विषयासंदर्भात सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार सद्यस्थितीत बांधकाम परवानगी घेतांना एल.बी.टी.कर, उपकर, तसेच विकास शुल्क इत्यादी कर बांधकाम धारकांना अदा करावे लागतात. अशा परिस्थितीत प्रशासनामार्फत सादर झालेले प्रस्तावित दर हे जास्त प्रमाणात आहेत. तथापि मनपाची आर्थिक परिस्थिती लक्षात घेता प्रशासनाशी चर्चा करून खालील प्रमाणे विकास शुल्क दरात वाढ करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं | तपशील | सद्यस्थितीत दर | प्रस्तावित दर |
|------|------------------------|---|---|
| १ | जमीन विषयक | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणकानुसार जमीनेचे दराच्या ०.५% | मुद्राण शुल्क सिध्द गणका नुसार जमिनीच्या दराच्या २% |
| २ | बांधकाम विषयक(रहिवास) | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणकानुसार जमीनचे दराच्या २% | मुद्रांक शुल्क सिध्द गणका नुसार जमिनीचे दराच्या ४ % |

तसेच उक्त दराच्या दुप्पट वाणिज्य वापरासाठी व दिडपट औद्योगिक वापरासाठी विकास शुल्क वसूल करता येईल.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
शनिवार दिनांक ११ एप्रिल २०१५
वेळ:- सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) व (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष महासभा आज शनिवार दिनांक ११/०४/२०१५ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २. | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ४. | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ५. | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ६. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ७. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ८. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ९. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १०. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| ११. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १२. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १३. | अन्सारी अफजलुन्नीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १४. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १५. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| १६. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १७. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|-----|---|-----------|--------|
| १८. | सोनार चंद्रकांत बापू | नगरसेवक | -----" |
| १९. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २०. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | -----" |
| २१. | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २२. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| २३. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| २४. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| २५. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| २६. | जाधव शंकुतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| २७. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| २८. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| २९. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ३०. | महाले कल्पना सूनिल | नगरसेविका | -----" |
| ३१. | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | -----" |
| ३२. | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शव्वाल | नगरसेवक | -----" |
| ३३. | पठाण जैबुन्निसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ३४. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ३५. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| ३६. | (मिस्टरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ३७. | जुलाहा नुरुन्निसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |
| ३८. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |
| ३९. | शार्दुल दिनेश लहू | नगरसेवक | -----" |
| ४०. | महाले मनिषा सतीष | नगरसेवक | -----" |
| ४१. | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | -----" |
| ४२. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | -----" |
| ४३. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ४४. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४५. | महाले सतीष दिगंबर | नगरसेवक | -----" |
| ४६. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----" |
| ४७. | जुलाहा रशीबानो आकिल आहेमद | नगरसेविका | -----" |
| ४८. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | -----" |
| ४९. | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | -----" |
| ५०. | शेख अहमद शे. माबूद अब्बास | नगरसेवक | -----" |
| ५१. | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | -----" |
| ५२. | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | -----" |

| | | | |
|----|-----------------------|-----------------------------------|--------------------|
| १ | श्री.के.व्ही. धनाड | प्र .आयुक्त तथा अति.आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | श्री.डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त | ----- " |
| ३ | श्री.त्र्यंबक कांबळे | प्र.उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ४ | श्री.एम.आर. सरईत | मुख्य लेखापरीक्षक | ----- " |
| ५ | सौ.हेमलता डगळे | सहा. आयुक्त | ----- " |
| ६ | श्री.बी.बी.गिते | सहा. आयुक्त (अति.) | ----- " |
| ७ | श्री. एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ८ | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| ९ | श्री. के. एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| १० | डॉ. श्री. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | श्री. आर.डी. माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १२ | श्री. एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " |
| १३ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १४ | श्री. किशोर सुडके | एल.बी.टी अधिक्षक | ----- " |
| १५ | श्री. गणेश खोडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १६ | श्री.एन.के.बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १७ | श्री.सी.सी. बागुल | ओव्हरसिअर | ----- " |
| १८ | श्री.एस.आर.बावीस्कर | भांडारपाल | ----- " |
| १९ | श्री. आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| २० | श्रीमती मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | ----- " |
| २१ | श्री. तुषार ढाके | सहा. अग्नीशमन अधिकारी | ----- " |

म. महापौर आजच्या सधेस उपस्थित उपमहापौर, आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या,पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सधेचे कामकाज चालविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सधेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सधेच्या सुरुवातीस सन्मा. उपमहापौर यांचेकडून आलेली श्रधांजलीची यादी

सन्मा. नगरसेविका सौ. मायादेवी महादेव परदेशी यांच्या सासुबाई श्रीमती सोनाबाई चैत्राम परदेशी यांचे दिनांक १/४/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले तरी त्यांना आजच्या महासधेत श्रधांजली अर्पण करून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती.

सुचक :- श्री. शाह फारुक अन्वर शाह, उपमहापौर मनपा धुळे

महापौर :- सन्मा.उपमहापौर यांच्या यादीनुसार मान्यवरांचे दुःखद निधनानिमित्त दोन मिनिटे मौन उभे राहून भाव पूर्ण श्रधांजली समर्पित करावी.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२४ दिनांक ११/४/२०१५

सन्मा.उपमहापौर यांच्या यादीनुसार धुळे मनपा च्या सन्मा.नगरसेविका सौ. मायादेवी महादेव परदेशी यांच्या सासुबाई श्रीमती सोनाबाई चैत्राम परदेशी यांचे दिनांक १/४/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले आहे.

वरील मान्यवरांचे दुःखद निधनामुळे यासभेस आतीव दुःख होत आहे ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उधे राहून भावपूर्ण श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांकडून आलेला यादी

धुळे शहरात मुस्लीम समाजाचे वडजाईरोड लगत भव्य इज्जेमा कार्यक्रम आयोजित केला होता. सदर कार्यक्रमात ४० ते ५० हजार नागरीक उपस्थित होते. पूर्ण धुळे व नंदुरबार जिल्हयातील नागरीकांनी सहभाग घेतला होता.

तरी सदर कार्यक्रम पार पाळतांना दिनांक ५/४/२०१५ ते ८/४/२०१५ असे चार दिवस धुळे महानगरपालिका अरोग्य विभागाकडील अधिकारी व कर्मचारी यांनी अत्यंत मेहनतीने परिसर स्वच्छ ठेवून कार्यक्रम यशस्वी करण्यांत मोठा हातभार लावला. परंतु पाणीपुरवठा विभगाकडून मुस्लीम समाजातील नागरीकांची मने दुखाविण्यात आली आहे. म्हणून पाणीपुरवठा कर्मचा-याबाबत निषेध व्यक्त करून आरोग्य विभागाकडील अधिकारी श्री. शिंदे व साईनाथ वाघ यांनी स्वच्छतेकडे पुरेपुर लक्ष दिल्याने यांचा अभिनंदनाचा ठराव मंजूर करण्यांत यावा अशी विनंती .

सुचक :- जुलाहा नुरुनीसा मकबुलअली,

उपसभापती, महिला बालकल्याण समिती, मनपा धुळे

म. महापौर

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार निषेधचा व अभिनंदनाचा ठराव मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२५ दिनांक ११/०४/२०१५

धुळे शहरात मुस्लीम समाजाचे वडजाईरोड लगत भव्य इज्जेमा कार्यक्रम आयोजित केला होता. सदर कार्यक्रमात ४० ते ५० हजार नागरीक उपस्थित होते. पूर्ण धुळे व नंदुरबार जिल्हयातील नागरीकांनी सहभाग घेतला होता.

तरी सदर कार्यक्रम पार पाळतांना दिनांक ५/४/२०१५ ते ८/४/२०१५ असे चार दिवस धुळे महानगरपालिका अरोग्य विभागाकडील अधिकारी व कर्मचारी यांनी अत्यंत मेहनतीने परिसर स्वच्छ ठेवून कार्यक्रम यशस्वी करण्यांत मोठा हातभार लावला. परंतु पाणीपुरवठा विभगाकडून मुस्लीम समाजातील नागरीकांची मने दुखाविण्यात आली आहे. म्हणून पाणीपुरवठा कर्मचा-याबाबत निषेध व्यक्त करण्यांत येत आहे.

तसेच आरोग्य विभागाकडील अधिकारी श्री. शिंदे व साईनाथ वाघ यांनी स्वच्छतेकडे पुरेपुर लक्ष दिल्याने यांचा अभिनंदनाचा ठराव मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा. सदस्य सर्वश्री. सौ. बोरसे कल्पना सुरेश, पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल, केले चंद्रकांत काशिनाथ (केले काका), बोरसे इंदुबाई दामोदर, परदेशी मायादेवी महादेव, सैय्यद साबीर अली मोतेबर, अजळकर माधुरी नंदलाल, अग्रवाल सारिका प्रवीण, शेख फिरोज बशीर यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२६ दिनांक ११/०४/२०१५

म. महापौर

सन्मा.सदस्य सर्वश्री. सौ.बोरसे कल्पना सुरेश,पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल, केले चंद्रकांत काशिनाथ, (केले काका) , बोरसे इंदुबाई दामोदर, परदेशी मायादेवी महादेव, सैयद साबीर अली मोतेबर, अजळकर माधुरी नंदलाल, अग्रवाल सारिका प्रवीण, शेख फिरोज बशीर यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,
सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १०२

मा.महापौर सांगे पत्र जा.क्र.स्विस/ मनपा/२११ दिनांक ७/०४/२०१५ चे पत्रानुसार व सन्मा.स्थायी समिती सदस्य श्री.रमेश बोरसे श्री. अमीन पटेल, श्री. अमोल मासुळे, श्री. सोनल शिंदे यांचे पत्रानुसार धुळे मनपा कर्मचा-यांचे दि.६/०४/२०१५पासून सुरु झालेले कामबंद आंदोलन व त्यामुळे उद्भवलेल्या परिस्थितीबाबत विचार विनिमय करून निर्णय घेणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२७ दिनांक ११/०४/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका कर्मचारी समन्वय सामिती यांनी कोणतीही नोटीस न देता माहे मार्च २०१५ चा पगार व माहे जानेवारी २०१५ व फेब्रुवारी २०१५ च्या कपातीच्या रक्कम मिळण्याबाबत कर्मचारी संघटने दिनाक ६/४/२०१५ पासून कामबंद आंदोलन सुरु केलेले आहे.

संघटनेच्या अध्यक्ष श्री.सुनिल देवरे व सचिव श्री भानुदास बगदे यांना इकडील जा.क्र धुमपा/आस्था/२ दिनांक६/४/२०१५ अन्वये धुळे महानगरपालिकेस १३ व्या वित्त आयोगातुन अनुदान प्राप्त झालेले आहे. सदर अनुदानातुन २ महिने कपातीच्या रक्कमा देण्याबाबत म.जिल्हाधिकारी धुळे यांच्या प्रस्ताव सादर करण्यात येत आहे. प्रस्तावास मान्यता मिळाल्यानंतर तात्काळ २ महिन्याच्या कपातीच्या रक्कमा देण्यात येईल असे कळविण्यात आलेले आहे.तथापि सदरचे पत्र घेतले नसल्याबाबत आस्थापना विभागाकडील शिपाई यांनी अहवाल सादर केलेला आहे.

तसेच सदरच्या कामबंद कालवधीत दिनाक ७/४/२०१५च्या ०.०० वाजेपासून सकाळी १०.०० वाजेपर्यंत हनुमान टेकडी जलशुद्धीकरण केंद्र,बाभाळे जलशुद्धीकरण केंद्र, डेडरगांव जलशुद्धीकरण केंद्र येथील पंपीग स्टेशन वरून संपुर्ण शहरातील पाणी पुरवठा यंत्रणा बंद करण्यात आलेली होती. सदरचे पाणी पुरवठा बंद करतांना कर्मचारी समन्वय सामिती यांनी कोणतीही निवेदन अथवा पुर्व सुचना दिलेली नव्हती.

दिनांक ७/४/२०१५ पासून मुस्लीम धर्मीय समाजाचा शहरात धर्मांक इस्तेमा सण सुरु झालेला होता. तसेच एकविरा देवीचा यात्रोत्सव सुरु असून राज्य भरातील भाविकांची उपस्थिती होती. तसेच उन्हाळ्याची कडक परिस्थिती लक्षांत घेता पाणी पुरवठा सुरु ठेवणे आवश्यक होते.धुळे शहरात पाणी पुरवठा न झाल्याने पाणी पोहचले नाही या संदर्भात मा.आयुक्त सो यांच्याकडे अभियंता श्री कैलास शिंदे,ओवरसियर सर्वश्री सी.एम उगले, श्री सी.सी बागुल,श्री पी.डी चव्हाण व श्री बी.डी जगदाळे व श्री त्र्यंबक कांबळे सहाय्यक आयुक्त यांची पाणी पुरवठा सुरक्षीत करण्यासंदर्भात व कर्मचा-यांच्या कामबंद आंदोलन संदर्भात सकाळी १०.३० वाजता म.आयुक्त सो यांच्याकडे चर्चा सुरु होती.सदर चर्चा सुरु असतांना इस्तेमा च्या ठिकाणी पाणी पुरवठा न झाल्याने मा.आयुक्त सो यांच्याकडे म. श्री फारुक शेख उपमहापौर,मा.श्री इस्माईल पठाण नगरसेवक,मा.श्री फिरोज लाला नगरसेवक श्री जावीद बिल्डर व इतर कार्यकर्ते आले व त्यांनी पाणी पुरवठा बंद असल्याने तीव्र नापसंती

व्यक्त केली व त्यांना तात्काळ आमच्यासोबत चला व पाणी पुरवठा सुरु करा.अशी विनंती केली.

त्यानुसार सन्मा.उपमहापौर व नगरसेवक यांच्या सोबत मा.आयुक्त सो व श्री सी.एम. ओगले ओव्हरसियर श्री पी.डी चव्हाण ओव्हरसियर हे बांधळे जलशुद्धीकरण केंद्र , सुकवद पंपीग स्टेशन येथे समक्ष जावुन पाणी पुरवठा सुरु केला होता. व एक तासानंतर नगावबारी एम बी आर जलकुंभ येथे पाणी पुरवठा पोचल्यानंतर सदर ठिकाणी वरुन मायक्रो टॉवर जलशुद्धीकरण केंद्रावरुन इस्तेमा या ठिकाणी पाणी पुरवठा सुरळीत करण्यात आला. इतर ठिकाणी पाणी पुरवठा सुरळीत करण्यात आला.

दुपारी १.०० वाजता मा.महापौर सो यांच्या दालनात कमबंद आंदोलन संदर्भात व पाणीपुरवठा बंद संदर्भात कर्मचारी संघटनेचे अध्यक्ष श्री. सुनिल देवरे उपाध्यक्ष श्री प्रसाद जाधव सचिव श्री. भानुदास बगदे श्री. नोगेज कंडारे ,श्री. प्रकाश ठाकरे व मा. आयुक्त सो , मा.उपायुक्त श्री.त्र्यंबक कांबळे,श्री. एन.पी सोनार कार्यालयीन अधिक्षक तसेच सन्मा. नगरसेवक श्री रमेश बोरसे सन्मा.उपमहापौर श्री फारुक शाह,श्री. नंदु सोनार, श्री जावीद बिल्डर इत्यादी उपस्थित होते.चर्चा असतांना एक वेतन (माहे मार्च २०१५) व एक महिन्याचे पेन्शन देण्याबाबत मान्यता देण्यात आली. परंतु त्यात सन्मा. नगरसेवक यांनी पाहिले पाणी पुरवठा कोणी बंद केला त्याच्यावर गुन्हा दाखल करावा. अशी मागणी केल्याने मा. महापौर सो यांनी सदर प्रकरणी गुन्हा दाखल करण्याकामी म. पोलीस अधिक्षक धुळे व म. अप्पर पोलीस अधिक्षक धुळे यांची भेट घेतली.सदर भेटीत मा महापौर सो व मा.आयुक्त सो व इतर सर्व पदाधिकारी यांनी संबधीत कर्मचा-यांवर गुन्हा दाखल करण्यासंदर्भात चर्चा करण्यात आली.म.पोलीस अधिक्षक धुळे यांनी शहर पोलीस स्टेशनाचे निरीक्षक यांना दुरध्वनी वरुन संबधीत कर्मचा-यांवर तात्काळ गुन्हा दाखल करण्यासंदर्भात आदेशीत केले.

त्यानुसार वरील सर्व अधिकारी/पदाधिकारी धुळे शहर पोलीस स्टेशन येथे दुपारी २.३० वाजेच्या सुमारास गेले. व गुन्हा दाखल करण्यासंदर्भात म. पोलीस निरीक्षक धुळे शहर पोलीस स्टेशन श्री भोज सो यांच्याशी चर्चा केली. नंतर काही पदाधिकारी यांनी कर्मचारी संघटनेच्या पदाधिकारी यांच्याशी तडजोड करण्यासंदर्भात प्रयत्न केला. त्यावर संघटनेच्या पदाधिकारी कडून माफीनामा लिहून देण्याबाबत ठरेल. परंतु श्री सुनिल देवरे वगळता इतर पदाधिकारी यांनी स्वाक्षरी करण्यास नकार दिला. त्यामुळे पुनश्च सायंकाळी ६.३० वाजता गुन्हा दाखल करण्याबाबत ठरेल व त्यानुसार शहर पोलीस स्टेशन येथे कर्मचारी संघटनेचे अध्यक्ष श्री. सुनिल देवरे उपाध्यक्ष श्री. प्रसाद जाधव व सचिव श्री भानुदास बगदे पाच पंपीग स्टेशन येथील श्री एन बी माळी विजतंत्री,श्री शिवदास सनेर श्री विलास पाटील श्री संतोष फुलपगारे श्री नंदु शिवाजी बढे व श्री भटु गवळी यांच्यावर गुन्हा दाखल करण्यात आलेला आहे.

तसेच दिनांक ८/४/२०१५ रोजी आरोग्य विभाग पाणी पुरवठा विभाग विद्युत विभाग अत्यावश्यक सेवेतीत कर्मचा-यांना कोणाच्या सांगण्यावरुन कामबंद आंदोलनात सहभागी होऊ नयेत.सहभागीझाल्यास अत्यावश्यक सेवा अंतर्गत मेस्मा अंतर्गत कार्यवाही करण्यात येईल.अशा नोटीसा काढण्यात आलेला आहे.

धुळे महानगरपालिका कर्मचा-यांना पगाराच्या व कपातीच्या रक्कमा माहे मार्च २०१५ मध्ये ४ कोटी २१ लाख १६,३९८/- मात्र अदा करण्यात आलेले आहे.तसेच दिनांक ९/४/२०१५ माहे जानेवारी २०१५ ते माहे फेब्रुवारी २०१५ कपातीच्या रक्कमा रुपये २ कोटी देण्यात आलेले आहे.तरी कर्मचारी संघटनेने कामबंद आंदोलन सुरु केले आहे.सदर संघटनेने नेहमीच आंदोलनाची संपाची भुमिका घेतलेली आहे.मा.आयुक्त यांना नेहमी त्रास दिलेला असुन संप काळात पदाधिकारी व आयुक्त यांच्या नावाने घोषणा देवुन शिस्तीचे पालन केलेले नाही. इतर महानगरपालिकामध्ये तिन ते चार महिन्याचे पेमेंट दिलेले नसताना तेथील

कर्मचारी आंदोलन करीत नाही.परंतु या महानगरपालिकेमध्ये वेतन अदा करण्यास थोडा उशिर जरी झाला तरी संप करतात.दिनांक ६/४/२०१५ रोजी संघटनेने माहे मार्च २०१५ चे वेतन एप्रील २०१५ मध्ये अदा करावे म्हणून संप केलेला आहे.फक्त ६ दिवस उशिर झालेला असताना पाणी पुरवठा बंद करणे योग्य नाही. आज दिनांक ८/४/२०१५ पर्यंत महाराष्ट्र शासनाचे, पोलीस अधिक्षक कार्यालय,जिल्हाधिकारी कार्यालय यांच्या कार्यालयातील अधिकारी व कर्मचारी यांना देखील पगार दिलेला नाही.त्या कर्मचा-यांनी संप केलेला नाही.मग महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांनी संप करणे अपेक्षीत नाही.समन्वय सामितीच्या पदाधिका-यांनी धुळेकर व प्रशासनास त्रास देण्याचे कृत्य केलेले आहे.असा अहवाल प्रशासनामार्फत मा.आयुक्त यांनी मे.महासभेपुढे सादर केलेला आहे.

उक्त अहवालानुसार व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार संबंधित संघटनेने व संघटनेच्या पदाधिका-यांनी बेकायदेशीररित्या संप करून व अत्यावश्यक सेवा असलेल्या पाणीपुरवठा अचानक बंद करून तमाम धुळे शहरातील ५ लाख नागरीकांना वेठीला धरण्याचा प्रकार केलेला आहे. कर्मचा-यांच्या न्याय मागण्यासाठी सातत्याने पदाधिकारी व नगरसेवक कर्मचा-यांच्या बाजूने असतात. व नेहमीच न्यायाची भूमिका कर्मचा-यांच्या बाजूने घेतलेली आहे.असे असतांनाही कर्मचारी संघटनेने संपाबाबाबत ताठर भूमिका घेऊन दबाव तंत्राचा वापर केलेला आहे. तसेच आवश्यक ती संधी देऊनही तडजोड तथा माफीनामा सादर केलेला नाही.याउलट आयुक्त व महापौर तसेच पदाधिका-यांवर गुन्हे दाखल करण्यांची तक्रार पोलीसात दाखल केलेली आहे. सदर प्रकार हा अतिशय संतापजनक व निषेधाहर्य आहे. कर्मचारी संघटनेने धुळेकर नागरीकांचा तसेच महापौर व पदाधिका-यांचा अवमान केलेला आहे.बेकायदेशीररित्या संप करून तसेच पाणीपुरवठा सारखी अत्यावश्यक सेवा बंद करून संघटनेने व संघटनेच्या पदाधिका-यांनी केलेल्या या बाबीमुळे संबंधित पदाधिकारी व कर्मचा-यांवर प्रशासनामार्फत गुन्हे दाखल करण्यांत आलेले आहेत. सदर गुन्हा दाखल झालेल्या कर्मचा-यांना निलंबीत करण्यांस तसेचा मेस्मा अंतर्गत कलम ३५३ अन्वये कार्यवाही करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.सदर गुन्ह्यांचा मे. न्यायालयामार्फत निकाल होई पावेतो तसेच मे.महासभेच्या पूर्व परवानगी शिवाय संबंधित कर्मचा-यांना कामावर घेण्यांत येऊ नये.

तसेच रु.१३६कोटीच्या पाणीपुरवठा योजनेतील कामाच्या गैरव्यवहाराबाबत जबाबदार असणारे कार्यकारी अभियंता श्री. पी.आर. दरेवार यांची चौकशी करण्याबाबतचा प्रस्ताव संबंधित विभागाकडे स तथा शासनाकडे स पाठविण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/- x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
बुधवार दिनांक २७ मे २०१५
वेळ: - दुपारी ४-०० वाजतां

मुंबई प्रातिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्र.१ (क) व (ह) अन्वये मा.महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष महासभा आज बुधवार दिनांक २७/०५/२०१५ रोजी दुपारी ४-०० वाजतां मा. सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-------------------------------------|-----------|---------------------|
| १ | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | दुपारी ४-०० वाजतां |
| २ | मा.श्री.शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | " ----- |
| ३ | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | " ----- |
| ४ | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | " ----- |
| ५ | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ) वसंतराव | नगरसेवक | " ----- |
| ६ | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | " ----- |
| ७ | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | " ----- |
| ८ | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | " ----- |
| ९ | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | " ----- |
| १० | केले चंद्रकांत काशिनाथ(केलेकाका) | नगरसेविका | " ----- |
| ११ | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | " ----- |
| १२ | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | " ----- |
| १३ | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | " ----- |
| १४ | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | " ----- |
| १५ | अन्सारी अफजलुशीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | " ----- |
| १६ | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | " ----- |
| १७ | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | " ----- |

| | | | |
|----|----------------------------------|-----------|--------------------|
| ૧૮ | મહાજન ગુલાબ જંગલુ | નગરસેવક | ----- " |
| ૧૯ | ચૌધરી પ્રભાવતી રાજેન્ડ્ર | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૨૦ | આઘાવ લલિતા રવિંદ્ર | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૨૧ | સોનાર ચંદ્રકાંત બાપુ | નગરસેવક | ----- " |
| ૨૨ | લહામગે વૈશાલી ભુપેંડ્ર | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૨૩ | ગુજરાથી સંજય નારાયણ | નગરસેવક | ----- " |
| ૨૪ | ખરાત વિશ્વનાથ પ્રેમદાસ | નગરસેવક | ----- " |
| ૨૫ | ગવળી મુક્તાબાઈ ભાગવત | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૨૬ | ડિયાલાણી કુમાર નરોત્તમ | નગરસેવક | ----- " |
| ૨૭ | ઈશી સુશિલા યશવંત | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૨૮ | પરદેશી નરેંદ્ર ગોટૂ | નગરસેવક | દુપારી ૪-૨૧ વાજતાં |
| ૨૯ | જાધવ શંકુતલા શંકર | નગરસેવિકા | દુપારી ૪-૦૦ વાજતાં |
| ૩૦ | જાધવ સંજય સુધાકર | નગરસેવક | ----- " |
| ૩૧ | શિંડે સોનલ દિલીપ | નગરસેવક | ----- " |
| ૩૨ | વાઘ ઇંડુબાઈ પ્રકાશ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૩ | પરદેશી માયાદેવી મહાદેવ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૪ | મોમીન અતિયાબાનો દોસ્ત મહમદ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૫ | અન્સારી અકિલ અહ. મહ. સાદીક | નગરસેવક | ----- " |
| ૩૬ | પઠાણ જૈબુન્નિસા અશરફખા | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૭ | કરનકાળ લિના યુવરાજ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૮ | અન્સારી હલીમા બાનો મોહમ્મદ શાબાન | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૩૯ | શેખ અરશદ અહમદ ફરીદ અહમદ | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૦ | જુલાહા નુરુન્નિસા મકબુલ અલી | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૧ | પટેલ મોહમ્મદ અમીન અબ્દુલ કરીમ | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૨ | શેખ ફાતમા શેખ ગુલાબ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૪૩ | શાર્ડુલ દિનેશ લહુ | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૪ | પાટોળે સંદીપ સુરેશ | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૫ | માસુલે અમોલ પાવબા | નગરસેવક | ----- " |
| ૪૬ | અજળકર માધુરી નંદલાલ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૪૭ | સૌ. અગ્રવાલ સારિકા પ્રવીણ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૪૮ | કુવર લતાબાઈ સદાશિવ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૪૯ | જુલાહા રશ્મીબાનો અકિલ અહેમદ | નગરસેવિકા | ----- " |
| ૫૦ | શેખ ફિરોજ બશીર | નગરસેવક | ----- " |
| ૫૧ | ગાયકવાડ જગદિશ આપ્પાજી | નગરસેવક | ----- " |
| ૫૨ | શેખ અહમદ શે. માબૂદ અબ્બાસ | નગરસેવક | ----- " |
| ૫૩ | શ્રીખંડે પ્રશાંત રમેશ | નગરસેવક | ----- " |

१९५
उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|--------------------------------|-------------------------------|--------------------|
| १ | डॉ. श्री. नामदेव कोंडिबा भोसले | प्र.आयुक्त तथा अति.आयुक्त | दुपारी ४-०० वाजतां |
| २ | श्री.डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त | ----- " |
| ३ | श्री. एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त (कर) | ----- " |
| ४ | श्री.एम.आर. सरईत | मुख्य लेखापरीक्षक | ----- " |
| ५ | श्री.त्र्यंबक कांबळे | सहा. आयुक्त | ----- " |
| ६ | सौ.हेमलता डगळे | सहा. आयुक्त (कर) | ----- " |
| ७ | श्री.बी.बी.गिरे | सहा. आयुक्त (अति.) | ----- " |
| ८ | श्री. एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | ----- " |
| ९ | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | ----- " |
| १० | श्री. के. एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| ११ | डॉ. श्री. प्रदीप पाटील | प्र. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १२ | श्री. आर.डी. माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १३ | श्री. एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | ----- " |
| १४ | श्री. किशोर सुडके | एल.बी.टी अधिक्षक | ----- " |
| १५ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | ----- " |
| १६ | श्री. गणेश खोडे | प्रकल्प अधिकारी | ----- " |
| १७ | श्री. यु एस. भोई | उप अभियंता पा.पु. | ----- " |
| १८ | श्री.एन.के.बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १९ | श्री. महेंद्र जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | ----- " |
| २० | श्री.एस.आर.बावीस्कर | भांडारपाल | ----- " |
| २१ | श्री. आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| २२ | श्रीमती मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | ----- " |
| २३ | श्री.बी.डी. जगदाळे | आरेक्षरसिअर | ----- " |
| २४ | श्री. पी.डी. चक्राण | ओक्षरसिअर | ----- " |
| २५ | श्री.सी.सी. बागुल | ओक्षरसिअर | ----- " |
| २६ | श्री. सी.एम. उगले | ओक्षरसिअर | ----- " |
| २७ | सौ. अर्पणा पाटील | जीवशास्त्रज्ञ | ----- " |
| २८ | श्री. पी.डी. नाईक | प्र. लेखापाल | ----- " |

म. महापौर

आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, नवनियुक्त आयुक्त, सन्मा. सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण,छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज चालविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस नवनियुक्त आयुक्त डॉ.श्री. नामदेव भोसले यांचे मा. महापौर सो.व सर्व पदाधिकारी व महिला सदस्यांच्या वर्तीने तसेच राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्षाच्या वर्तीने बुके देऊन स्वागत करण्यांत आले.

म. नगरसचिव

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा.सदस्य श्री/ श्रीमती. शरद एकनाथ वराडे, गोविंद तुळशीराम साखला,कशीश गुलशन उदासी, मोहम्मद उमदेश मोहम्मद शब्बाल,दिपक एकनाथ शेलार(मिस्टरी) साबीर अली मोतेबर अली सैयद, मनिषा सतिष महाले,सुभाष रघुनाथ खताळ,सतिष दिगंबर महाले,मनोज दादासाहेब मोरे, यांनी आजच्या सभेस अर्जात नमूद कारणासाठी महासभेस उपस्थित राहू शक्त नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती अर्ज सादर केलेले आहेत.

म. महापौर

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेस त्यांनीरजा मंजूर करण्यांत येतआहे.

धुळ महानगरपालिका ठराव नंबर १२८ दिनांक २७/०५/२०१५

सन्मा.सदस्य सर्वश्री.शरद एकनाथ वराडे,गोविंद तुळशीराम साखला,कशीश गुलशन उदासी, मोहम्मद उमदेश मोहम्मद शब्बाल, दिपक एकनाथ शेलार(मिस्टरी) साबीर अली मोतेबर अली सैयद, मनिषा सतिष महाले,सुभाष रघुनाथ खताळ,सतिष दिगंबर महाले, मनोज दादासाहेब मोरे, यांनी आजच्या सभेस अर्जात नमूद कारणासाठी महासभेस उपस्थित राहू शक्त नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती अर्ज सादर केलेले आहेत.सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार त्यांची आजच्या सभेस रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,
सही-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक १०३

सन्मा.सदस्य श्री.संजय जाधव, विरोधी पक्ष नेता, श्री. संजय गुजराथी, शिवसेना गटनेता, व श्री. नरेंद्र परदेशी, श्री. विश्वनाथ खरात, श्री.कुमारशेठ डियालाणी, सौ. प्रतिभाताई चौधरी, स्थायी समिती सदस्य यांनी दिलेल्या पत्रानुसार व मा.महापौर सांग.यांच्या आदेशान्वये १३६ कोटी रुपयांची धुळे पाणीपुरवठा योजना केंद्र शासनाच्या यु.आय.डी.एस.एम.टी.अंतर्गत मंजूर असून सदर योजनेची सर्व सदस्यांना माहिती होणेसाठी तसेच या बाबत आलेल्या तक्रारीबाबत केलेल्या कार्यवाही संदर्भात महासभेत सविस्तर चर्चा करून योग्य तो निर्णय घेणेबाबत सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनवार विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १२९ दिनांक २७/०५/२०१५

सर्व सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व उपस्थित झालेल्या विविध मुद्यानुसार यु.डी. आय.एस.एस.टी.योजनेअंतर्गत धुळे शहरासाठी पाणीपुरवठा योजना कार्यान्वीत करण्यांत आलेली आहे. केंद्र शासन, राज्य शासन व मनपा निधीतून सदर योजनेचे काम हाती घेण्यांत आलेले आहे.सदर योजना ही शहरासाठी भविष्यकालीन व जिवनदायी योजना आहे. त्यासाठी सदर योजनेचे काम अतिशय गुणवत्तापूर्ण व तांत्रिक दृष्ट्या परिपूर्ण होणे आवश्यक आहे. सदर योजनेच्या कामाबाबत अनेक तक्रारी प्राप्त झालेल्या आहेत.ठेकेदार व पी.एम.सी. मार्फत मनपाची कोणतीही पूर्व परवानगी तथा समंती न घेता स्वमर्जीने सदर योजनेचे काम करण्यांत येत आहे. ठेकेदार मनपा व नियुक्त पी.एम.सी. यांच्यात कामाबाबत कोणताही समन्वय नसल्याने कामाच्या गुणवत्तेवर विपरीत परिणाम होत आहे. तसेच यापूर्वी करण्यांत आलेले काम अंदाजपत्रकीय स्पेसिफिकेशन प्रमाणे नसल्याच्या व वापरण्यांत येणारे पाईप तथा इतर साहित्यांचे गुणवत्तेबाबत व निकृष्ट कामाबाबत सातत्याने तक्रारी येत आहे.सदर योजनेबाबत मे.उच्च न्यायालयांत याचिका दाखल असून केंद्र तथा राज्य शासनाकडे ही तक्रारी दाखल आहेत. मे. स्थायी समिती मार्फतही या कामाची संपूर्ण चौकशी करण्याबाबत निर्णय घेण्यांत आलेला आहे. ठेकेदार व मनपा यांच्यातील झालेल्या करारनाम्यानुसार व त्यामधील असलेल्या अटी शर्तीनुसारच काम होणे आवश्यक आहे. सदर योजना ही शहराच्या दृष्टीने अत्यंत महत्वपूर्ण असल्याने सदर योजना कोणत्याही

परिस्थितीत पूर्ण करणे हे गरजेचे व आवश्यक आहे. तथापि कामातील अनियमितता दूर करून कामाची गुणवत्ता कायम रहावी यासाठी संवाकष विचार व निर्णय होणे आवश्यक आहे.

कार्यालयीन निवेदन व त्यावर सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या विविध मुद्द्यांचा विचार करून धुळे पाणीपुरवठा योजनेमध्ये झालेली अनियमितता व निकृष्ट दर्जाच्या कामाबाबत खालील प्रमाणे सर्व सन्मा.सदस्यांच्या सहमतीने निर्णय घेण्यांत येत आहे.

- १) निकृष्ट केलेल्या कामाचे आवश्यक त्या ठिकाणी मोजमाप घेण्यांत यावे. तसेच निविदा व करारनाम्यातील अटी शर्ती प्रमाणे जिंदाल/टाटा कंपनीचे किंवा तत्सम दर्जाचे पाईप टाकण्यांचे नमूद असतांना सदर पाईप न टाकता इतर कंपनीचे टाकण्यांत आलेले असून सदर पाईप तपासून त्याप्रमाणे करारनाम्यानुसार पाईप टाकण्यांत यावे.
- २) पाईप लाईन टाकतांना मुरुम टाकलेला नाही.अथवा खोदकाम करण्यांत आलेले नाही. याबाबत तक्रार आहे. मानकाप्रमाणे खोदकाम तथा मुरुम टाकलेला नसल्यास नियमानुसार सदर कामाची रक्कम बिलातून कपात करावी.
- ३) प्रभागात डी.आय. पाईप टाकतांना त्या प्रभागातील सन्मा. सदस्यांना पूर्व सुचना तथा माहिती द्यावी.
- ४) दैनंदिन टाकण्यात येणा-या पाईपचे मोजमाप करून दैनंदिन एम.बी. रेकॉर्ड करावी. त्यावर करारनाम्यातील अटी शर्तीनुसार व नियमाप्रमाणे संबंधितांची स्वाक्षरी घेणेत यावी.
- ५) सदर योजनेसाठी डी. आय. पाईप घेण्यांत आलेले आहेत.ज्या कंपनीकडून सदर पाईप घेणेत आलेले त्याचे बील अभिलेखामध्ये ठेवावेत व तपासावे.
- ६) झालेल्या कामाची व होणा-या कामाची करारनाम्यातील अटी शर्तीप्रमाणे त्रयस्थ संस्थेकडून तपासणी करावी व त्याबाबत अहवाल द्यावा.
- ७) दैनंदिन कामाचे मोजमाप घेवून मोजमाप पुस्तकात करारनाम्यातील तरतुदीनुसार दैनंदिन स्वाक्षरीसह नोंद करावी व त्याबाबत माहिती सादर करणेत यावी.
- ८) पाणीपुरवठा योजनेसाठी वापरण्यांत येणारे पाईप व साहित्य वापरण्यापूर्वी त्रयस्थ यंत्रणा तथा इंजिनिअरिंग महाविद्यालयाकडून तपासणी करावी.
- ९) सदरयोजनेच्या कामात यापूर्वी झालेली अनियमितता व त्यासाठी जबाबदारअसणारे कार्यकारी अभियंता श्री.पी.आर.दरेवार यांचेवर कार्यवाही करणेबाबतचा प्रस्ताव त्वरीत शासनाकडेस पाठविणेत यावा.
- १०) सदर योजनेतून शहरात टाकण्यांत येणा-या पाईप लाईनीचे काम पूर्वीच्या निर्णयानुसार तथा चर्चेप्रमाणे बंद करण्यांत यावे. तसेच सदर योजनेसाठी आलेल्या अनुदानातून प्रथम सातही टाक्यांचे बांधकाम तसेच मेन रायझिंग पाईप लाईन टाकण्यांत याव्यात.प्रभागात पाईप लाईन टाकणे आवश्यक असल्यास त्याबाबत प्रशासनाची लेखी संमती तथा परवानगी घेऊनच काम करण्यांत यावे.
- ११) सदर योजनेचा विमा काढला किंवा कसे याबाबत तपासणी करून नियमानुसार तथा करारनाम्यानुसार कार्यवाही करावी.
- १२) सदर योजनेच्या कामासाठी अहंताधारक तथा पात्रता धारक तांत्रिक कर्मचारी नियुक्त नसल्याचे निर्दर्शनास आलेले असून यासंदर्भात आवश्यक ती पूर्तता तथा कार्यवाही करण्याबाबत संबंधित ठेकेदाराला तांतडीने आदेशित करावे.
- १३) ठेकेदाराला मोबाईल ॲडव्हान्स पोटी रुपये१५कोटी देण्यांत आलेले आहे त्यासाठी ठेकेदाराने राष्ट्रीयकृत बँकेची बँक गॅरंटी न देता अधिसूचीत बँकेची बँक गॅरंटी दिलेली आहे व त्याची मुदत३१/१२/२०१५ पर्यंत आहे. यासंदर्भात ठेकेदाराकडून राष्ट्रीयकृत बँकेची २ वर्षांची गॅरंटी द्यावी. किंवा नियमात असल्यास अधिसूचीत बँकेकडून बँक गॅरंटीची मुदत वाढवून द्यावी.

१२) सदर योजनेच्या कामासाठी लागणारा वाढीव खर्चाबाबत शासनाकडे स प्रस्ताव सादर करून अनुदान मागणी बाबत कार्यवाही करावी.

उक्त बाबी बाबत प्राधान्याने दक्षता घेऊन त्याप्रमाणे प्रशासनामार्फत कार्यवाही तथा पूर्तता करण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर
सही/-x x x
महापौर
धुळे महानगरपालिका, धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
गूरुवार दिनांक २ जुलै, २०१५
वेळ: -सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्र.१ (क) व(ह) अन्वये मा. महापौर यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची सर्वसाधारण महासभा आज गुरुवार दिनांक ०२/०७/२०१५ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या वैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुढा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-----------------------------------|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ. अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २. | मा.श्री. शाह फारुख अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ४. | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ५. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ६. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ८. | बोरसे कल्पना रमेश | नगरसेविका | ----- " |
| ९. | पाटील ज्योस्त्ना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १०. | केले चंद्रकांत काशिनाथ(केले काका) | नगरसेवक | ----- " |
| ११. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १२. | देवरे कमलेश नारायणराव | नगरसेवक | ----- " |
| १३. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १४. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १५. | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १६. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १७. | अन्सारी अफजलुन्नीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १८. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| १९. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २०. | आधाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|-----|---|-----------|--------------------|
| २१. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २२. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | -----" |
| २३. | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २४. | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | -----" |
| २५. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| २६. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| २७. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| २८. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| २९. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-१५ वाजतां |
| ३०. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजतां |
| ३१. | जाधव शंकुतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| ३२. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| ३३. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ३४. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ३५. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ३६. | मोमीन अतियाबानो दोस्त महमद | नगरसेविका | -----" |
| ३७. | अन्सारी महंमद उमेर महंमद शब्बाल | नगरसेवक | -----" |
| ३८. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ३९. | करनकाळ लिना युवराज | नगरसेविका | -----" |
| ४०. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ४१. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | -----" |
| ४२. | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४३. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |
| ४४. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | -----" |
| ४५. | शार्दुल दिनेंश लहू | नगरसेवक | -----" |
| ४६. | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | -----" |
| ४७. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | -----" |
| ४८. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ४९. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | -----" |
| ५०. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ५१. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | -----" |
| ५२. | सौ.अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | -----" |
| ५३. | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | -----" |
| ५४. | मोरे नानाभाऊँ गजमल | नगरसेवक | -----" |
| ५५. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | -----" |
| ५६. | जुलाहा रश्मीबानो अकिल अहेमद | नगरसेविका | -----" |

| | | | |
|-----|---------------------------|---------|--------|
| ५७. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | -----" |
| ५८. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | -----" |
| ५९. | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | -----" |
| ६०. | शेख अहमद शे. माबूद अब्बास | नगरसेवक | -----" |
| ६१. | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | -----" |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|-----------------------------|-----------------------------------|--------------------|
| १ | श्री. नामदेव कोंडिंबा भोसले | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २ | श्री.डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त(कर) | -----" |
| ३ | श्री. एच.पी. कवठळकर | उपायुक्त | -----" |
| ४ | के. ना. कुंटे | मुख्य लेखा परीक्षक | -----" |
| ५ | सौ.हेमलता डगळे | सहा. आयुक्त | -----" |
| ६ | श्री.च्यंबक कांबळे | प्र.उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त (कर) | -----" |
| ७ | श्री.बी.बी.गिंते | सहा. आयुक्त (आति.) | -----" |
| ८ | श्री.एम.आर. सरईत | मुख्य लेखापरीक्षक | -----" |
| ९ | श्री. एस.बी. विसपुते | प्र. नगररचनाकार | -----" |
| १० | श्री. मनोज ए. वाघ | प्र.नगरसचिव तथा स्वीय सहाय्यक | -----" |
| ११ | श्री. के. एन. शिंदे | अभियंता | -----" |
| १२ | डॉ. श्री. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | -----" |
| १३ | श्री. आर.डी. माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | -----" |
| १४ | श्री. एन.पी. सोनार | कार्यालय अधिक्षक | -----" |
| १५ | श्री. किशोर सुडके | एल.बी.टी अधिक्षक | -----" |
| १६ | श्री. के.जी. खंदरकर | वसुली अधिक्षक | -----" |
| १७ | श्री. गणेश खोडे | सहा.प्रकल्प अधिकारी | -----" |
| १८ | श्री.एन.के.बागुल | विद्युत अभियंता | -----" |
| १९ | श्री.सी.सी. बागुल | ओळहरसिअर | -----" |
| २० | श्री.बी. डी. जगदाळे | ओळहरसिअर | -----" |
| २१ | श्री. सी.एम. उगले | ओळहरसिअर | -----" |
| २२ | श्री. पी.डी. चक्राण | ओळहरसिअर | -----" |
| २३ | श्री. महेद्र एस. जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | -----" |
| २४ | श्री.एस.आर.बावीस्कर | भांडारपाल | -----" |
| २५ | श्री. आर.क्षी. पाटील | अभिलेखापाल | -----" |
| २६ | श्रीमती मिना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | -----" |

म. महापौर

आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर,आयुक्त, सन्मा.सदस्य, सदस्या,पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार ,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज चालविणेस आवश्यक तो कोरम पूर्ण झालेला असल्याने नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव

वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेली श्रद्धांजलीची यादी

यादी देण्यांत येते की, नुकतेच चिंचगळाण फाट्याजवळ बसचा फार मोठा अपघात झाला होता. त्यात किमान २४ लोकांचे अपघाती निधन झाले आहे. तरी आजच्या महासभेत त्यांना श्रद्धांजली अर्पण करून तसा ठराव पारीत करण्यांत याचा ही विनंती.

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी, नगरसेविका, मनपा धुळे

अनुमोदकः:- सौ. वैशालीताई भुपेंद्र लहामगे, नगरसेविका, मनपा धुळे

म. महापौर

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार अपघातात मृतपावलेल्या नागरीकांना श्रद्धांजली समर्पित करण्यांसाठी सर्वांनी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३० दिनांक ०२/०७/२०१५

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार नुकतेच चिंचगळाण फाट्याजवळ बसचा फार मोठा अपघात झाला होता. त्यात किमान २४ लोकांचे अपघाती निधन झाले आहे. अपघातग्रस्त नागरीकाच्या निधनामुळे यासभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन उभे राहून भावपूर्ण श्रद्धांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज

सन्मा.सदस्य श्री.सुनिल वसंतराव सोनार,चंद्रकांत बापू सोनार, सैयद साबीर अली मोतेबर, मनिषा सतिष महाले, गणेश रामभाऊ मोरे यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३१ दिनांक ०२/०७/२०१५

सन्मा.सदस्य श्री.सुनिल वसंतराव सोनार,चंद्रकांत बापू सोनार, सैयद साबीर अली मोतेबर, मनिषा सतिष महाले, गणेश रामभाऊ मोरे यांनी आजच्या सभेत अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेत उपस्थित राहू शकत नसल्याने रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे. सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

सन्मा.सदस्यांकडून आलेला अभिनंदन व स्मार्ट सिटी योजनेत सहभागी होणेसाठी आलेला प्रस्ताव

केंद्र शासनाच्या स्मार्ट सिटी योजनेअंतर्गत धुळे शहराचा समावेश होण्यासाठी विहीत नमुन्यात ठराव पारीत करण्यांत याचा. तसेच मा. महापौर सौ. जयश्रीताई अहिरराव यांनी दिल्ली येथे मा. पंतप्रधान यांचे समवेत बोलविलेल्या बैठकीत धुळे शहराचा स्मार्ट सिटी मध्ये समावेश करण्यासाठी प्रभावीपणे प्रस्ताव मांडला त्याबद्दल धुळे मनपा सभागृहातर्फ त्यांचे अभिनंदनाचा प्रस्ताव पारीत करण्यांत याचा.

सुचक :- श्री. मनोज दादासाहेब मोरे, नगरसेवक, मनपा धुळे

अनुमोदकः:- श्री. कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता, मनपा धुळे

श्री. संजय नारायण गुजराथी, शिवसेना गटनेता, मनपा धुळे

मा. महापौर

सन्मा.सदस्यांच्या यादीनुसार स्मार्ट सिटी योजनेत धुळे महानगरपालिकेचा सहभाग घेण्यासाठी तसेच प्रतिवर्षी आवश्यक तो मनपा हिस्सा भरण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३२ दिनांक ०२/०७/२०१५

मा. पंतप्रधान महोदयांनी स्मार्टसिटी अभियांनाची महत्वकांक्षी घोषणा नवी दिल्ली येथे झालेल्या कार्यशाळेप्रसंगी केलेली आहे. सदर कार्यशाळेमध्ये अमृत, स्मार्टसिटी आणि हाऊसिंग फॉर ऑल (अर्बन) योजनांच्या मार्गदर्शक सुचना जाहीर केलेल्या आहेत. या कार्यशाळेत धुळे महानगरपालिकेच्या महापौर सौ. जयश्रीताई कमलाकर अहिरराव यांनी उपस्थित राहून आपला यशस्वी सहभाग नोंदविला याबदल मनपा सभागृहातर्फ त्यांचे हार्दीक अभिनंदनाचा ठराव सर्वानुमते मंजुर करण्यांत येत आहे.

केंद्रशासनाने घोषित केलेल्या स्मार्टसिटी अभियानाच्या योजनेत धुळे महानगरपालिकेचा सहभाग होण्यासाठी योजनांच्या मार्गदर्शक सुचनानुसार निकर्षाची पूरता करणे आवश्यक आहे. केंद्र शासनामार्फत प्राप्त मार्गदर्शक सुचनानुसार स्मार्टसिटी अभियानाच्या पहिल्या टप्प्यांत राज्यातील एक लक्ष पेक्षा जास्त लोकसंख्या असलेल्या शहरातून स्पर्धात्मक पध्दतीने शहराची निवड करून सदर शहराची शिफारस केंद्र शासनाकडे स केली जाणार आहे. सदर योजनेच्या १ ते १३ निकर्षावर शहराच्या कामगिरीचे मुल्यमापन होणार आहे.

सदर योजनेमध्ये धुळे शहराचा समावेश होणे हे शहराच्या दृष्टीने प्रतिष्ठेचे व अभिमानास्पद आहे. त्यादृष्टीने स्मार्टसिटी योजनेच्या निवड प्रक्रियेत तथा केंद्र व राज्य शासनाने जाहिर केलेल्या तत्सम योजनेत धुळे महानगरपालिकेमार्फत सहभाग घेण्यासाठी तसेच त्यासाठी योजने मध्ये समावेश झाल्यास प्रतिवर्षी महानगरपालिके मार्फत आवश्यक तो निधी व हिस्सा भरण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच याबाबत विहीत नमुन्यातील ठराव करण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय पत्रिकेवरील विषयाचे वाचनास सुरुवात करीत असतांना सन्मा. सदस्य यांनी पाणीपुरवठा योजनेसंदर्भात उपस्थित केलेली चर्चा व त्यावरील निर्णय

म.संजय गुजराथी महापौर महोदया, आजच्या सभेचे कामकाज सुरु होणे अगोदर स्पष्टीकरण करावे नंतर सभेचे कामकाजास सुरुवात करावी दिनांक २७/०५/२०१५ रोजी झालेल्या सभेत १३६ कोटी रुपयाची पाणी पुरवठा योजनेसंबंधी विषयाची जी सभा झाली त्यात आपण रोलींग दिले होते आपण सभागृहात रोलींग देतांना जे रोलींग दिले होते ते कागदावर रोलींग दुसरे आहे. ती सीडी असेल तर सभागृहात मागवा सभागृहात दाखवा आपण महापौर महोदया, या शहराचे प्रथम नागरीक आहात पाण्याचा विषय हा शहराच्या दृष्टीने अतिशय महत्वाचा आहे. परंतु आपण सभागृहात बोलतात एक अणि लिहितात दुसरे यावरुन काय समजावयाचे शहरातील जनतेची दिशा भूल करतात आहेत का आपण या सभागृहात सर्व सदस्यांच्या साक्षीने तुम्ही म्हटले होते की, निकृष्ट दर्जाचे पाईप त्वरीत काढून टाकावे, जोपर्यंत कामाची चौकशी पूर्ण होत नाही कामाची प्राधान्य क्रमाने सुरुवात करावी अगोदर एम.बी.आर बांधावा अशा प्रकारे क्रमाने सुरुवात केल्या नंतरच पाईप लाईनीचे काम करणेत यावे ते काम बंद करण्यात यावे तोपर्यंत त्या ठेकेदाराला बील अदा करण्यात येऊ नये असे स्पष्टपणे आपण रोलींग दिलेले आहे. परंतु त्या विषयाच्या ठरावात असे कुठेही म्हटलेले नाही की, बील अदा करावे किंवा करू नये महापौर महोदया, हया महानगरपालिकेच्या ग्राष्ट अधिकाऱ्यांनी त्याचे दुसरे साडेतीन कोटी रुपयाचे बील शेवटच्या टप्प्यात मंजुरीला आलेले आहे. सदस्यांनो शहराचा आणि महाराष्ट्रातला सर्वात मोठा तीसरा घोटाळा असेल या धुळे शहराचा एवढया मोठ्या घोटाळ्याला आयुक्त साहेब आपण स्पष्टपणे पाठीशी घालत आहात. त्या ठेकेदाराचे बील न काढण्याविषयी या सभागृहात रोलींग झालेले आहे ठराव झालेला आहे मग या सभागृहातील सदस्यांना विषयांना त्यांच्या भावनांना काही महत्व आहे की, नाही. महापौर महोदया, का म्हणून विषय बदलला का म्हणून १३६ कोटी रुपयाच्या

भ्रष्टाचाराला महत्व न देता, जर साडेतीन कोटी रुपयाचे बील आयुक्त साहेबांच्या घरी काल पोहोचले या धुळे महानगरपालिकेचे आयुक्त एवढे शिस्तीचे पालन दाखवतात शिस्त, नियम दाखवतात तर ते बील आपण का घरी घेऊन गेले. तुम्हाला वेळ कमी पडला होता का धुळे महानगरपालिकेत कामकाज करायला, आणि तुमच्या सारखे मनपाचे कर्तव्यदक्ष अधिकारी उपायुक्त श्री.पठारे साहेब यांनी सुध्दा त्याच्यावरसही केलेली आहे. महापौर महोदया, आणि सभागृहातील सदस्यांना निर्दर्शनास आणून देतो की, आयुक्त महोदय, आपण एकाधिकारशाही चालविली आहे. आपण धुळे शहरातील व्यापाऱ्यांनी जर एल.बी.टी भरला नाही तर त्यांच्या दुकानांना सील लावण्यापर्यंत त्यांची मजल गेली आहे. पण या सभागृहातील एकही सदस्य तुम्हाला आडवा आलेला नाही किंबहुना महानगरपालिकेची आर्थिक नुकसान थांबवा असे एकही सदस्य सांगायला आला नाही परंतु हे करीत असाल तर एकाला एक न्याय आणि दुसऱ्याला दुसरा न्याय का देतात याचा जरा विचारा करावा. तो तुमचा नातेवाईक तर नाही ना असे करीत असाल तर याचा विचार करण्यात यावा त्या ठेकेदाराच्या पाईपाच्या बीलावर ०.२५ असे आपण का लिहीले आहे त्या ठेकेदाराने खरेदी केलेल्या वस्तूंची बीले आपल्याकडे सादर केलेली आहेत. जी बीलाची रक्कम त्या बीलावर ३ टक्के एल.बी.टी., एल.बी.टी चा अर्थ असा आहे की, बाहेरुन आलेल्या मालावर एल.बी.टी लागतो. शहरातील व्यापाऱ्यांना एल.बी.टी लावण्यात येतो श्री.पठारे साहेब हे एल.बी.टी चे काम पाहत आहेत ते काहीही एल.बी.टी ची रक्कम व्यापाऱ्यांना सांगतात सदरचा व्यापारी माल बाहेर पाठवतो की नाही याची चौकशी करावयाची नाही परंतु आपण या ठेकेदारांकडून ३ टक्के एल.बी.टी का वसूल केला नाही.०.२५ पैसे लिहिण्याचे कारण काय? दुसरी गोष्ट महापौर महोदया, तुम्ही म्हटले होते की, ज्या ठेकेदरांना स्पष्टपणे शिवसेनेच्या नगरसेवकांनी निर्दर्शनास आणून दिले होते की फसवणूक होते आहे त्या माणसाने ३० लाख रुपयांच मुरुम टाकलेले बिल तुमच्या कडून घेतले पण याच सभागृहाच्या निर्दर्शनास आणून दिले कि एकही ॲडीट बिल त्याने सादर केलेले नाही. तरी देखील तुम्ही रोलींग दिल त्याचे रॅयल्टीचे बिल सादर नसेल तर ते कपात करण्यात यावे आयुक्त महोदयांनी कपात केली का केले महापौर साहेब आपण आयुक्त साहेबांना पाठीशी का घातले का धुळेकर जनतेची दिशाभूल करत आहात. जर तुम्ही रोलींग दिल्यानंतर आदेशीत केले होते या सभागृहातील सदस्यांच्या साक्षीने या आयुक्त साहेबांना, आयुक्त साहेबांना एवढी घाई का झाली आयुक्त साहेबांनी सुध्दा सांगितले होते की, पूर्ण चौकशी केल्या नंतरच नाही तर बिल अदा केले जाणार नाही.आता तुम्ही म्हणाल की, बिल दिलेले नाही शेवटच्या टप्प्यात सहीला आलेले आहे. या प्रश्नाचे उत्तर या धुळे महानगरपालिकेचे महापौर आणि आयुक्त हे धुळेकर जनतेची फसवणूक करता आहात कारण तुम्हाला वाटत असेल आम्ही खोटे बोलतो तर तुम्हाला आवाहन करतो त्या सभेची सी.डी आयुक्त आणि महापौर यांच्या समोर सभागृहात दाखविण्यात यावी. धुळेकर जनतेची फसवणूक का म्हणून करतात. का म्हणून आयुक्त साहेबांना १३६कोटीच्या ठेक्यामध्ये ठेकेदाराला भ्रष्टाचाराला पाठीशी घालतात. धुळेकर जनतेची फसवणूक करणेचा अधिकार आहे का? या गोष्टींची उत्तरे द्यावी त्यानंतरच ही महासभा सुरु करावी.

मा.महापौर साहेब सन्मा.आयुक्त साहेब आणि अधिकारी वर्ग महापौर साहेब मघाशी आपल्यावर असा आरोप करण्यात आला सभागृहामध्ये रोलींग काही वेगळे दिले आहे लिहिले काही आहे त्याच्यामध्ये सर्व पत्रकार बांधव वृत्तवाहिनीवाले प्रत्येक सभेला हजार राहतात. आणि जे आपले कायवृत्त आहे त्याची माहिती देत असतात. महापौर साहेब याच्या मध्ये जे कात्रण रजीस्टर मधील कात्रण आहे त्यात आपण काम थांबविणेचे ही आदेश दिलेले आहे.आणि आपण विषयातही लिहिले आहे यामध्ये एक तुमच्या कडून राहिले आहे. महापौर साहेब, तुम्हाला जर आमचा आरोप खोटा ठरवावायाचा असेल आमच्या शिवसेना सदस्यांचा, तर त्यात एक ओळ टाकावी लागणार आहे त्याचे उत्तर लवकर आणावे आमच्या समोर तुम्ही असे बोलले होते हे जर पाईप लाईन टाकणेचे थांबविले नाही आणि ते जर एम.बी.आर आणि टाकीचे काम सुरु केले

नाही तर हे बील देण्यात येऊ नये असे आपले वाक्य होते. ते या कात्रण रजिस्टरमध्ये आले आहे. आणि ते वाक्य आपल्याला टाकावे लागणार प्रोसिर्डिंगमध्ये कारण की, असे जर तुम्ही स्पष्टपणे म्हटले असते तर यांची हिम्मत झाली नसती. आता तुम्हाला सांगतो महापौर महोदया की, एखाद्या सदस्याचा जीवन मरणाचा प्रश्न निर्माण झाला आहे. तुमच्या माहितीसाठी सांगतो मला गेल्या दोन दिवसा पासून २० लोकांनी कॉन्टॅक्ट केला. तुमचे काय आहे ते बोला माझ्याकडे रात्री १०:३० वाजता आले अशी त्यांना काय घाई होती त्यांचे बील थांबले आहे यांनी बाकीच्यांनी बीलावर सहा केल्या आणि आयुक्तांची सही बाकी आहे आणि यांनी सांगितले की, त्यांना त्या परदेशीना आवरा आणि त्यांचे काय आहे ते मिटवा मी बीलावर सही करतो. हे एक नंबरचे भ्रष्टाचारी आहेत. असे जर नसते ना यांनी बील काढले नसते या धुळेकर मातीशी माझे ईमान आहे म्हणून मी या पाईप लाईनी संदर्भात उभा आहे. तुम्ही खाना पैसे परंतू पीठा मध्ये मिठ टाका मिठामध्ये पीठ टाकू नका असे माझे म्हणणे आहे. याच्या नंतरही मी मॅडम सांगत आहे परत-परत ५५ कोटी रुपये खर्च होतो आहे पाईप हे तसेनातसे पडून राहतील पाईपामध्ये पाणी येणार नाही. एक उदाहरण तुम्हाला सांगतो एम.बी.आर बांधण्याचा तुम्ही आदेश केला आहे. त्याचे कारण काय आहे एम.बी.आर ते मालेगाव पाण्याची टाकी तेथे ६०० एम.एम ची २ फुट व्यासाचा पाईप टाकला आहे पाईप कसा टाकला आहे माहिती आहे जर तेथे काहीतरी आडवे आलेना रेल्वे ब्रिज आला, रेल्वे पट्टे आले ते सोडून दिले ३० कि.मी चे जे अंतर आहे तेथे ६००,७०० मिटर पाईप लाईन टाकली आहे. आणि त्याचे बील करण्यात आले आहे. मला सांगा तुम्ही त्या पाईप लाईन टाकून काही उपयोग आहे का? तुम्हाला जर पाईपलाईन टाकावयाची होती तर एम.बी.आर बांधला असता तो पाईप ह्या पाईपाला जोडला असता तर त्याचे काहीतरी लॉजीक झाले असते. इतके भ्रष्ट काम चालू आहे शहरामध्ये हे आयुक्त आहेतना मी खोडसाळ्याणे बोललो तर माझ्या मित्राने मला आरोपीच्या पिंजऱ्यात उभे केले. पाईप लाईन तोडून टाकावयाचे तुमचे आदेश आहे आयुक्तांनी का पालन केले नाही एवढे सांगा तुमचे आदेश बील न भरणेचे का भरणेत आले याचे उत्तर द्यावे. तुम्ही महापौर महोदया, तुमचे काहीच अस्तित्व सभागृहात दाखवत नाही. की माझा जीवनमरणाचा प्रश्न आहे मॅडम त्यात असे असते की, आपल्या महाराष्ट्र राज्यात जेवढे भ्रष्टाचार प्रकरण झाले असतील, घडले असतील त्याच्यामध्ये काय होते आहे जो शेवटपर्यंत भांडत असतो त्याला मग दम दिला जातो काहीना काही आमिष दाखविले जातात असे होत असते आणि मला एक शंका आणि भिती वाटायला लागली आहे असे प्रकरण धुळे शहरामध्ये घडू शकते. याच्यामध्ये असे आहे की, महाराष्ट्रामध्ये जे दोन मोठे भ्रष्टाचार निघाले ते दोनशे-दोनशे कोटीचे आहेत आणि हा सुधा दोनशे कोटीच्या जवळपासचा आहे मी मागेही बोललो होतो आता हा पाईपलाईनीचा भ्रष्टाचार एका भा.ज.प नेत्याशी संबंधीत आहे. मी बोलतांना घाबरीत नाही. मी आजही बोलत आहे ते पैसे खातात आहे परंतु त्यांना यांची साथ मिळाली आहे. तो चौपाटीचा रस्ता बंद करावयाचा तुम्हाला काय अधिकार आहे कुठल्या कायद्याने करतात आहे तुम्ही कलम २०८ वाचलाआहे का तुम्ही महासभेची परवानगी घ्यावी लागते ज्या ठिकाणी महासभेचे धोरण ठरविले पाहिजे ते गेले तुम्ही परस्पर करतात तुम्ही मालक असल्या सारखे वागू नका आम्ही सेवक आहे तुम्ही सेवकच आहात सेवकच रहा तर त्या ठरावामध्ये महापौर महोदया, असे आरोप होत राहतील तुम्ही ठरावामध्ये बदल केला पाहिजे ही पॉइंट ऑफ ऑर्डर आहे. तुम्ही असे समजू नका हा मागील विषय येथे आला आहे तुम्ही स्पष्टीकरण द्यावे ठराव का बदलला ठराव जर बदलला असेल तर ठराव बदलण्याचा अधिकार नाही. अनवधानाने राहून गेले असेल तर त्याच्या मध्ये तुम्हाला बदल करावा लागेल आणि आज परत त्यावर रोलींग द्यावे लागेल. ते बील कुठल्याही परिस्थितीमध्ये भरले जाता कामा नये मग बघू आपण काय होते ते.

मा.महापौर महोदया,आयुक्त साहेब, हे सत्य आहे की, मागच्या आठवड्याभरात सदर ठेकेदाराच्या मनात बरीचशी खळबळ माजली होती.महाराष्ट्रात इतके प्रकार झाले आणि

धुळ्याच्या पाईप लाईनच्या केसमध्ये या ठिकाणी बराच संताप व्यक्त केला होता. एकाच प्रकारचे आरोप करून संपूर्ण धुळे शहरातील नागरीकांना हा विषय कळाला. परंतु मला येथे खेदाने नमूद करावेसे वाटते की, आपण या ठिकाणी महासभा स्वतः बोलावली या महानगरपालिकेचे सर्वोच्च पदाधिकारी असतांना आज एकाही पाईप लाईनच्या ठिकाणी व्हीजीट दिली नाही. आपल्याला पोटिडकीने पाईप दाखवले वारंवार पेपरमध्ये फोटो आले. आमची एक अपेक्षा होती की, आयुक्त साहेब यांनी एखादी व्हीजीट किंमान दिली पाहिजे होती. आपण एखाद्या न्यायाधीशाची भुमिका बजावून केवळ जागेवर बसून फक्त चौकशीची आश्वासने दिली मला खेदाने नमूद करावेसे वाटते की, जर या केसमध्ये काही झाले तर यामध्ये ज्या पदाधिकाऱ्यांनी सहकार्य केले आहे ते पदाधिकारी अडचणीत येणार आहे म्हणून मला असे वाटते की, केवळ टिपण्या आपल्या पद्धतीने लिहून घेऊन हा त्यावर पर्याय नाही. या ठिकाणी स्पष्टपणे करार नाम्यातील तरतुदीचा भंग केला गेला आहे. कुठल्याही प्रकारचे नियम न पाळता पाईप लाईन टाकली गेली आणि करारनाम्याचा भंग झालेला असतांना आपण महापौर म्हणून काय भुमिका बजावीत आहात. याठिकाणी नको तेवढे आरोप होत असतात जो पर्यंत एखादा मोठा भ्रष्टाचार निघत नाही आणि त्याची तीव्रता कळत नाही. वसूली विभागातील अग्निकांडाचा सर्वात मोठा भ्रष्टाचाराचा गुन्हा दाखल होणार आहे.हे आपल्या माहितीसाठी सांगतो तो ह्या १५४ कोटीच्या पाईपलाईनच्या कामात होणार आहे.आणि आम्ही शिवसेनेच्या नगरसेवकांनी अँन्टीकरणकडे तक्रार केली आहे. या संदर्भात चर्चा केली आहे केवळ एका मुद्यावरच जलकुंभ न बांधता केवळ पाईप लाईनची बील सुध्दा अदा करणार आहात हे अतिशय बेकायदेशीर कृत्य आहे. आणि या गोष्टीला आपण पाठीशी घालत असतांना त्यावर गुन्हा दाखल होऊ शकतो याची काळजी आपण घेतली पाहिजे ती काळजी घेतली जात नाही हे आम्हाला खेदाने नमूद करावेसे वाटते मागे आपण जो मागील सभेतील ठराव केला होता तो सुध्दा आपण सोयी नुसार बदलून घेतला ही अतिशय वाईट गोष्ट आहे. आणि जे काही या ठिकाणी चर्चा होते त्या चर्चेच्या अनुषंगाने ह्या ठिकाणी विश्वासाने आपण या ठिकाणी बोलत असतो सभागृहात चर्चा होते तुम्ही चांगले रोलींग दिले होते परंतु प्रत्यक्षात याठिकाणी कामकाज झाले नाही. आमच्या तीनही शिवसेनेच्या नगरसेवकांना प्रश्नाचे उत्तर हवे आहे आपण तो ठराव कुठल्या विषयासाठी बदलला आणि का बदलला आणि आम्ही जे काही आरोप केले आहे.७ जलकुंभांचे बांधकाम का सुरु केले नाही याची माहिती देण्यात यावी.

म.महापौर

या ठिकाणी सन्मा.नगरसेवक विरोधी पक्षनेते यांनी जे सुरुवातीला भ्रष्टाचाराच्या संदर्भात आरोप केले ते आरोप खोटे आहेत परंतु ठरावात आपण सविस्तर अहवाल सुध्दा मागविला आहे. नियमानुसार व करारनाम्यानुसार ज्या संस्थेकडून पाईप तपासण्याची मागणी झालेली होती त्यासाठी आयुक्त साहेबांना लेखी आदेश दिले आहेत. आणि जे काही पाईपांचे नमुने आहे या सभागृहात निकृष्ट पाईपाचे नमूने देखील आपण त्या ठिकाणी त्रयस्त यंत्रणेकडून तपासणी करण्यासाठी सांगितले आहे.२५-३० दिवसाचा कालावधी यासाठी आवश्यक आहे.२५-३० दिवसात ते पाईप निकृष्ट दर्जाचे आहेत की, नाही हे ठरणार आहे.महासभेत सन्मा.सदस्यानी केलेल्या चर्चेनुसार रोलींग दिलेले आहे तेच रोलींग आहे आणि त्यातून बील अदा करण्याचा प्रश्न येत नाही कारण निकृष्ट दर्जाचे पाईप असे आपण त्याठिकाणी म्हटले आहे. ज्या प्रमाणे सन्मा.सदस्य सांगत आहेत मी आयुक्त साहेबांना आदेशीत करते जो ठराव आहे त्यात सर्व सन्मा.सदस्यांच्या सूचना आहेत.सभागृहात झालेल्या चर्चेप्रमाणेच तो ठराव आहे. आणि त्यात देखील आपण जेजे काही सांगितले होते की, निकृष्ट दर्जाचे पाईप असतील तर त्याठिकाणी केंद्र शासनाची जी काही त्रयस्त यंत्रणा आहे.त्याच्या कडेस तपासणीसाठी पाठीविलेले आहे.आणि तपासणी झाल्यावर सत्य सर्वांसमोर येणारच आहे.सविस्तर अहवाल आल्यानंतरच देयके अदा

करण्याबाबत निर्णय घेतला जाईल.त्यामुळे अजून बील काढण्याचा प्रश्न येत नाही. नगरसचिवांनी विषय पत्रिकेवरील कामकाजास सुरुवात करावी. सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १०४

मागील सधेचे इतिवृत्त वाचून कायम करणे (दिनांक २०/२/२०१५)

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३३ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे मागील सभा दिनांक २०/२/२०१५ चे ठराव नंबर ९२ ते ९८ अखेर क्रमशः वाचून कायम करण्यांत येत आहे. सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १०५

सन्मा.सदस्य श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांच्या यादीनुसार धुळे मनपा मार्फत शहरातील मनपा शाळा क्रं.२१ व४५ पारोळारोड येथील प्रस्तावित व्यापारी संकुलास महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री कै.आबासाहेब आर.आर.पाटील व्यापारी संकुल असे नामकरण करणे सूचित केले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३४ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिकेमार्फत शहरातील मनपा शाळा क्रं.२१ व४५ पारोळारोड येथील महानगरपालिकेची शाळेचे जुने बांधकाम काढून व्यापारी संकुलाचे बांधकाम प्रस्तावित असून सदरचे काम मंजूर झालेले आहे.येणा-या काळात सदर ठिकाणी व्यापारी बांधवांसाठी मोठे संकुल उभे राहणार आहे.

साधी राहणी, स्वच्छ प्रतिमा, सोज्वळ, राजकारणातील सज्जन नेतृत्व व सामाजिक प्रश्नांच जाण असणारा नेता आणि प्रखर वक्ता अशी ओळख असलेले महाराष्ट्राचे माजी उपमुख्यमंत्री, तसेच राष्ट्रवादी कॉग्रेसचे ज्येष्ठ नेते व सर्वाचे लाडके आबा उर्फ आर.आर. पाटील यांचे दि.१६/२/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले. त्यांनी केलेल्या कार्याचे स्मरण राहावे यासाठी मनपा शाळा क्रं.२१ व४५ पारोळारोड येथे निर्माण होणा-याव्यापारी संकुलास कै.आबासाहेब आर.आर. पाटील व्यापारी संकुल असे नामकरण देणेबाबत सन्मा. नगरसेवक श्री.मनोज दादासाहेब मोरे यांनी यादी दिली आहे.

तरी उक्त प्रकरणी पाहणीनुसार सदर ठिकाणी अद्यापपावेतो कोणतेही नांव दिले बाबतची नोंद मनपा अभिलेख रजिस्टर मध्ये आढळून येत नाही.

उक्त अहवालाप्रमाणे मनपा शाळा क्रं.२१ व४५ पारोळारोड येथे निर्माण होणा-या व्यापारी संकुलास कै.आबासाहेब आर.आर. पाटील व्यापारी संकुल असे नामकरण करण्यांस मुंबई प्रांतिक मनपा अधि. नियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१ अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- १०६

सन्मा.सौ.मायादेवी महादेव परदेशी नगरसेविका प्रभाग क्रं.२१यांनी धुळे मनपा हड्डीतील पेठ ग.नं.४ महात्माजी स्वीट यांचे दुकानासमोरच्या गल्लीने धान्यबाजार, शंकर मार्केटला लागून सरळ पारुमल हॉटेल आग्रारोड पावेतोचे बोळीतील रस्त्यास चौरसिया गल्ली असे नामकरण करणेबाबत सूचित केलेले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३५ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा.सौ.मायादेवी महादेव परदेशी नगरसेविका प्रभाग क्रं.२१ यांनी धुळे मनपा हड्डीतील पेठ ग.नं.४ महात्माजी स्वीट यांचे दुकानासमोरच्या गल्लीने

धान्यबाजार, शंकर मार्केटला लागून सरळ पारुमल हॉटेल आग्रारोड पावेतोचे बोळाच्या परिसरात चौरसिया समाजाची मंडळी राहते. म्हणून सदर रस्त्यास चौरसिया गल्ली असे नामकरण करणेबाबत सूचित केलेले आहे.

उक्त बाबत जागा पहाणीनुसार उक्त बोळ रस्त्यास यापूर्वी नामकरण झाले बाबत तपासणी केली असता मनपाचे अभिलेख रजिस्टर मध्ये नोंद आढळून येत नाही. उक्त रस्ता मनपा मालकीचा आहे.

उक्त प्रमाणे आलेल्या अहवालानुसार पेठ ग.नं.४ महात्माजी स्वीट यांचे दुकानासमोरच्या गल्लीने धान्यबाजार, शंकर मार्केटला लागून सरळ पारुमल हॉटेल आग्रारोड पावेतोचे बोळाच्या रस्त्यास चौरसिया गल्ली असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१अ अन्वये करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-१०७

सन्मा. श्री. कुमार नरोत्तम डियालाणी नगरसेवक प्र.क्र. १६ धुळे यांचे पत्रानुसार कुमारनगर साक्रीरोड भागातील शिवधाम मंदिराजवळील पुढील चौकास कन्हैय्यालाल दोदाणी असे नामकरण करणेबाबत मागणी केली आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३६ दिनांक २/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. श्री. कुमार नरोत्तम डियालाणी नगरसेवक प्र.क्र. १६ धुळे यांचे पत्रानुसार कुमारनगर साक्रीरोड भागातील शिवधाम मंदिराजवळील पुढील चौकास कन्हैय्यालाल दोदाणी असे नामकरण करणेबाबत मागणी केली आहे.

उक्त भागात सदरचे चौकाचे नामकरण झाले बाबत मनपाकडील अभिलेख रजिस्टर तपासले असता अद्याप पावेतो सदरचे चौकांचे नामकरण झाले बाबतची नोंद आढळून येत नाही. तरी नामकरण करणेस हरकत नाही.

उक्त प्रमाणे आलेल्या अहवालानुसार साक्रीरोड कुमार नगर भागातील शिवधाम मंदिराजवळील पुढील चौकास कन्हैय्यालाल दोदाणी चौक असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१अ अन्वये मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:-१०८

सन्मा. सदस्या श्रीमती फातेमा बी शेख गुलाब प्रभाग क्र. २८ यांनी मिल्लतनगर स.नं. ४४४/१ अ वडजाईरोड पासून बंदे नवाज सोसायटी पर्यंतच्या रस्त्यास मरहून मौलाना मझरोही जिलानी मार्ग नामकरण होणेबाबत मागणी केली आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३७ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा. सदस्या श्रीमती फातेमा बी शेख गुलाब प्रभाग क्र. २८ यांनी मिल्लतनगर स.नं. ४४४/१ अ वडजाईरोड पासून बंदे नवाज सोसायटी पर्यंतच्या रस्त्यास मरहून मौलाना मझरोही जिलानी मार्ग नामकरण होणेबाबत मागणी केली आहे.

उक्त मागणीनुसार सदरचे रस्त्याचे नामकरण झाले बाबतची नोंद मनपाचे अभिलेख रजिस्टर मध्ये नोंद आढळून येत नाही.

उक्त आलेल्या अहवालानुसार मिल्लतनगर स.नं.४४४/१अ वडजाईरोड पासून बंदे नवाज सोसायटी पर्यंतच्या रस्त्यास मरहुम मौलाना मझोद्दी जिलानी मार्ग असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/१अ अन्वये करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-१०९

सन्मा.सौ.कशीश गुलशन उदासी नगरसेविका यांनी कुमारनगरचे नांव सिंधुनगर असे नामकरण करणेबाबत पत्र सादर केलेले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३८ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे सन्मा.सौ.कशीश गुलशन उदासी नगरसेविका वॉर्ड क्रं. १६ यांनी दिनांक ३/२/२०१४व ६/५/२०१४रोजी पत्र देऊन साक्रीरोड येथील कुमारनगर या परिसराला सिंधुनगर असे नामकरण करणे बाबत यादी दिलेली आहे.

तरी यापूर्वी सदरचा विषय महासभेच्या विषय पत्रिकेवरील विषय क्रमांक १५७ कुमानगर या परिसराला सिंधुनगर असे नामकरण करणेबाबत घेणेत आलेला होता. तरी सदर विषय धुळे मनपा ठराव नंबर २१४ दिनांक १९/९/२०१३ अन्वये तहकूब ठेवण्यांत आलेला आहे. तरी सदरचा उक्त विषय पुढी महासभेपुढे घेण्याबाबत सन्मा. सौ.कशीश गुलशन उदासी,नगरसेविका यांनी मागणी पत्राव्दारे केलेली आहे.

तरी उक्त प्रकरणी मनपाचे अभिलेख नोंद रजिस्टर तपासले असता सदर भागाचे यापूर्वी नामकरण झालेबाबतची नोंद आढळून येत नाही.तथापि सदरचे साक्रीरोड येथील सिंधी बांधव राहत असलेल्या परिसराला पूर्वीपासून कुमारनगर हे नांव प्रचलित आहे.त्याअगोदर निर्वासित सिंधी कॅम्प असे संबोधिले जात असे.

तरी उक्त परिसराला मागणी पत्रानुसार मनपा हड्डीतील कुमारनगर परिसरास सिंधुनगर असे नामकरण करणेस मुंबई प्रांतिक अधिनियम १९४९ मधील प्रकरण ११ मधील कलम २/ १ अ अन्वये अटी शर्तीमध्ये बसवून सदर प्रस्ताव मंजुर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११०

प्रभाग क्रं.३२ब चे नगरसेविका सौ.माधुरी नंदलाल आजळकर यांनी तत्कालीन नगरपालिकेचे उपनगराध्यक्ष प्रदिप बाबुराव कंडे उर्फ बाळासाहेब यांचा फोटो मनपा सभागृहात लावणेबाबत पत्र दिलेले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १३९ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे प्रभाग क्रं.३२ब चे नगरसेविका सौ.माधुरी नंदलाल आजळकर यांनी म.महापौर सांगे. यांचे नांवे पत्र सादर करून त्यात नमूद केले आहे की, तत्कालीन नगरपालिकेचे उपनगराध्यक्ष प्रदिप बाबुराव कंडे उर्फ बाळासाहेब यांचे दि.२३/१०/२०१४ रोजी दुःखद निधन झाले त्यांनी केलेल्या कार्याची स्मृती म्हणून त्यांचा फोटो मनपा सभागृहात लावणेत यावा.त्यावर महापौर सौ.यांनी नियमाप्रमाणे योग्य ती कार्यवाही करावी असे आदेशित केले.

महाराष्ट्र शासन ग्रामविकास व जलसंधारण विभाग शासन परिपत्रक क्रं. संकीर्ण १०/ प्र.क्र.१३४/ २००२/ पं.रा.१ मंत्रालय,मुंबई ४०००३२ दि. ७/६/२००२ परिपत्रक अन्वये

शासकीय कार्यालय निमशासकीय कार्यालय सभागृह/शै.संस्था /इ. ठिकाणी शासनाने मान्य केलेल्या २४ मान्यवर राजकीय सामाजिक नेत्यांव्यतिरिक्त इतर कोणतीही छायाचित्र लावणे नियमानुसार योग्य नाही. या आधी जिल्हा तालुका पातळीवरील स्थानिक संस्थानी ठराव करून ज छायाचित्र लावले असतील ती आता काढणे योग्य होणार नाही मात्र यापुढे शासनाच्या मान्यतेशिवाय स्थनिक स्वराज्य संस्थंच्या कार्यालयात व सभागृहात शासनाने वर नमूद केलेल्या मान्यतेशिवाय छायाचित्रे व अन्य कोणत्याही नेत्यांची छायाचित्रे लावणेत येवू नये याबाबतची दक्षता अधिकारी / पदाधिकारीनी घ्यावी.

वरील अहवालानुसार प्रभाग क्रं. ३२ ब चे नगरसेविका सौ.माधुरी आजळकर मागणी केलेल्या कै.बाळासाहेब प्रदीप बाबुराव कंडे यांची प्रतिमा मनपा सभागृहात लावणेस मंजुरी देण्यांत येत असून सदर प्रस्तावास शासनाची मान्यता घेऊन पुढील कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-१११

सन्मा.सदस्या सौ.कशीश गुलशन उदासी यांनी भगवान झुलेलाल महाराज यांची प्रतिमा मनपा सभागृहात लावणेबाबत पत्र दिले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४० दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सौ. कशीश गुलशन उदासी प्रभाग क्रं. १६ चे नगरसेविका यांनी मा.महापौर सो.यांचे नांवे पत्र देऊन त्यात नमूद केले आहे की, भगवान झुलेलाल महाराजांची प्रतिमा सभागृहात लावणेबाबत पत्र देऊन महासभेत घेवून तसा ठराव पारीत करणेत यावा.

महाराष्ट्र शासन ग्रामविकास व जलसंधारण विभाग शासन परिपत्रक क्रं.संकीर्ण १०/प्र.क्र.१३४/२००२/पं.रा.१ मंत्रालय,मुंबई ४०००३२ दि.७/६/२००२ परिपत्रक अन्वये शासकीय कार्यालयश निमशासकीय कार्यालय सभागृह/ शै.संस्था /इ. ठिकाणी शासनाने मान्य केलेल्या २४ मान्यवर राजकीय सामाजिक नेत्यांव्यतिरिक्त इतर कोणतीही छायाचित्र लावणे नियमानुसार योग्य नाही. या आधी जिल्हा तालुका पातळीवरील स्थानिक संस्थानी ठराव करून जे छायाचित्र लावले असतील ती आता काढणे योग्य होणार नाही मात्र यापुढे शासनाच्या मान्यतेशिवाय स्थनिक स्वराज्य संस्थंच्या कार्यालयात व सभागृहात शासनाने वर नमूद केलेल्या मान्यतेशिवाय छायाचित्रे व अन्य कोणत्याही नेत्यांची छायाचित्रे लावणेत येवू नये याबाबतची दक्षता अधिकारी / पदाधिकारीनी घ्यावी.

वरील अहवालानुसार प्रभाग क्रं.१६ च्या नगरसेविका यांनी मागणी केलेल्या भगवान झुलेलाल महाराजांची प्रतिमा सभागृहात लावणेस मंजुरी देण्यांत येत असून सदर प्रस्तावास शासनाची मान्यता घेऊन पुढील कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११२

सन्मा.सदस्या सौ.सारिका प्रविण अग्रवाल यांनी अग्रकुल शिरोमणी महाराजअग्रसेन यांची प्रतिमा मनपा सभागृहात लावणेबाबत सूचित केले आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४१ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सौ. सारिका प्रविण अग्रवाल नगरसेविका प्रभाग क्रं. ३३ यांनी मा. आयुक्त सो. यांचे नांवे पत्र देवूनअग्रकुल शिरोमणी महाराज अग्रसेन यांची प्रतिमा

सभागृहात आम्ही स्वखर्चाने लावण्यास इच्छुक असून अग्रसेन महाराजांवर प्रेम करणा-या हजारो भाविकांच्या आणि अग्रवाल समाजाच्या भावनाचा विचार करून महाराजांची प्रतिमा सभागृहात लावणेस परवानगी द्यावी. अशी विनंती केली आहे.

महाराष्ट्र शासन ग्रामविकास व जलसंधारण विभाग शासन परिपत्रक क्र. संकीर्ण १०/प्र.क्र. १३४ /२००२/प.रा.१ मंत्रालय,मुंबई ४०००३२दि.७/६/२००२ परिपत्रक अन्वये शासकीय कार्यालय निमशासकीय कार्यालय सभागृह/शै.संस्था/इ.ठिकाणी शासनाने मान्य केलेल्या २४ मान्यवर राजकीय सामाजिक नेत्यांव्यतिरिक्त इतर कोणतीही छायाचित्र लावणे नियमानुसार योग्य नाही. या आधी जिल्हा तालुका पातळीवरील स्थानिक संस्थानी ठराव करून जे छायाचित्र लावले असतील ती आता काढणे योग्य होणार नाही मात्र यापुढे शासनाच्या मान्यतेशिवाय स्थानिक स्वराज्य संस्थांच्या कार्यालयात व सभागृहात शासनाने वर नमूद केलेल्या मान्यतेशिवाय छायाचित्रे व अन्य कोणत्याही नेत्यांची छायाचित्रे लावणेत येवू नये याबाबतची दक्षता अधिकारी / पदाधिकारीनी घ्यावी.

वरील अहवालानुसार व सन्मा. नगरसेविका यांनी मागणी केल्यानुसार अग्रकुल शिरोमणी महाराज अग्रसेन यांची प्रतिमा सभागृहात लावणेस मंजुरी देण्यांत येत असून सदर प्रस्तावास शासनाची मान्यता घेऊन पुढील कार्यवाही करावी. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११३

स्वातंत्र्य सैनिक वमाजी खासदार स्व.अण्णासाहेब चुडामण पाटील यांचे स्मारक जुने जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोरील खाजगी जागेत उभारणेसाठी नाहरकत दाखला देणेसव शासनाकडे स प्रस्ताव सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४२ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे स्व.आण्णासाहेब चुडामण पाटील हे स्वतंत्र सैनिक होते. धुळे मतदार संघाचे खासदार म्हणून प्रदिर्घ काळ त्यांनी देशसेवा व समाजसेवा केली आहे. धुळे शहरात त्यांचे स्मारक करणे संदर्भात सर्व समावेशक स्मारक समितीने निर्णय घेतला आहे. त्यांच्या स्मारकासाठी जुन्या जिल्हाधिकारी कार्यालयासमोरील म्हणजेच प्रशासकीय व प्रांताधिकारी यांचे कार्यालयाच्या प्रवेश व्वारासमोरील चौक सुशोभिकरण करून त्यांचे नामकरण व स्मारक उभारणेबाबत समितीने ठराव केला आहे. तरी त्यासाठी महानगरपालिकेची परवानगी मिळावी ही विनंती केली आहे.

महाराष्ट्र शासनाचे दि.२ फेब्रुवारी २००५ च्या निर्णयानुसार ज्या संस्था पुतळे उभारण्या बाबत परवानगी मागतील त्या नोंदणीकृत संस्था असणे आवश्यक आहे.पुतळे उभारण्यासाठी परस्पर शासनाकडे अर्ज न करता असे अर्ज जिल्हाधिका-यांकडे करणे आवश्यक आहे.त्यासाठी त्यांच्या अध्यक्षतेखाली एक समिती गठीत करावी.मार्गदर्शक तत्वे लक्षांत घेवून संपूर्ण कागद पत्रांसह प्रस्ताव मान्यतेसाठी शासनाकडे पाठवावा.असे नमूद आहे.

शासनाच्या उक्त दिनांक २ फेब्रुवारी २००५ अन्वये स्थानिक स्वराज्य संस्थेने नाहरकत दाखला देणेसाठी ठराव करणे आवश्यक आहे.शासन निर्णयानुसार पूर्तता करणेची जबाबदारी संबंधित समितीची राहील तसेच महानगरपालिकेवर कोणत्याही स्वरूपाचा आर्थिक व प्रशासकीय भार पडणार नाही. या शर्तीच्या अधीन राहून त्यानुसार धोरणात्मक निर्णय घेणेसाठी विषय मे.महासभेपुढे निर्णयार्थ सादर करण्यांत आलेला आहे.

कार्यालयीन अहवाल व सन्मा.सदस्यांच्या सुचनेनुसार स्वातंत्र्य सैनिक माजी खासदार स्व.अण्णासाहेब चुडामण पाटील यांच्या कार्याची प्रेरणा भावी पिढीला मिळत राहो या हेतूने धुळे शहरातील जुन्या जिल्हाधिकारी कार्यालयाच्या प्रवेशव्वारा समोरील चौकांत

शासन अटी शर्तीची पूर्तता करण्यांच्या अधिन राहून स्व.अण्णासाहेब चुडामण पाटील यांचे स्मारक तथा पूर्णाकृती पुतळा उभारणेस व चौक सुशोभिकरण करून चौकास नामकरण करणेस स्व.अण्णासाहेब चुडामण पाटील सर्व समावेशक स्मारक समितीला ना हरकत दाखला देण्यांस सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११४

दिनांक ३१/३/२०१५च्या कार्यालयीन अहवालानुसार सन्मा.नगरसेवक श्री. मनोज दादासाहेब मोरे यांनी व संभाजी बिग्रेड धुळे जिल्हा यांनी तसेच दिनांक १०/४/२०१५ रोजीच्या कार्यालयीन अहवालानुसार श्री.संजय सुधाकर जाधव विरोधी पक्षनेते मनपा धुळे व छावा संघटना धुळे यांच्या निवेदनानुसार शहरात छत्रपती संभाजी महाराज यांच्या भव्य पूर्णाकृती पुतळा बसविणे व त्यासाठी येणा-या संभाव्य खर्चाची सन२०१४-१५च्या अर्थसंकल्पात तरतूद करणेबाबत पत्र सादर केलेले आहे. त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४३ दिनांक ०२/०७/२०१५

दि.३१/३/२०१५च्या कार्यालयीन अहवालानुसार सन्मा.नगरसेवक श्री.मनोज दादासाहेब मोरे यांनी व संभाजी बिग्रेड धुळे जिल्हा यांनी तसेच दिनांक १०/४/२०१५ रोजीच्या कार्यालयीन अहवालानुसार श्री.संजय सुधाकर जाधव विरोधी पक्षनेते मनपा धुळे व छावा संघटना धुळे यांच्या निवेदनानुसार शहरात छत्रपती संभाजी महाराज यांच्या भव्य पूर्णाकृती पुतळा बसविणे व त्यासाठी येणा-या संभाव्य खर्चाची सन२०१४-१५च्या अर्थसंकल्पात तरतूद करणेबाबत पत्र सादर केलेले आहे.

धुळे शहरात देवपूर भागात पांडिरा नदी किनारी संभाजी गार्डन मध्ये छत्रपती संभाजी महाराजांचा भव्य पूर्णाकृती पुतळा उभारून धुळे शहरातील तरुणांना संभाजी महाराजांपासून जाजवल्य,राष्ट्रप्रेम,शुरता, व लहान वयात लिहिलेले ग्रंथ, तरुण वयात राष्ट्रासाठी केलेले बलिदान, यासर्व बाबींची माहिती व्हावी व तरुणांना राष्ट्रप्रेमाची भावना निर्माण होवून संभाजी महाराजांपासून प्रेरणा मिळावी.यासाठी नियोजीत छत्रपती संभाजी महाराजांच्या पुतळा उभारणीसाठी येणा-या खर्चास अर्थसंकल्पात तरतूद करणेबाबत मागणी केली आहे.

तरी मनपा हददीतील मनपा मालकीचे देवपूर संभाजी गार्डन मध्ये छत्रपती संभाजी महाराजांचा भव्य पूर्णाकृती पुतळा उभारणे बाबतची संकल्पना नमूद केलेली आहे.सदरची संभाजी गार्डनची जागा धुळे मनपा मालकीची आहे.छत्रपती संभाजी महाराजांनी राष्ट्रासाठी केलेले बलिदान शूरता, राष्ट्रप्रेम आदि बाबींची माहिती तरुणामध्ये प्रेरणा निर्माण होणेसाठी त्यांचा पुतळा उभारणे जरुरीचे आहे.

उपरोक्त आलेल्या अहवालानुसार व त्यावर सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार संभाजी गार्डन मध्ये छत्रपती संभाजी महाराज यांचा नियोजित भव्य पूर्णाकृती पुतळा उभारणेसाठी येणारे खर्चास (अंदाजे २५ लक्ष मात्र) येणा-या सन २०१५-१६चे अर्थसंकल्पात तरतूद करणेस अर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देण्यांत येत आहे. तसेच सदर प्रस्तावाच्या सुचकांच्या यादीत सौ. प्रतिभाताई शिवाजीराव चौधरी याचे नांव समाविष्ट करण्यांत येत आहे. तसेच सन्मा. सदस्यांनी सूचित केल्यानुसार सद्यस्थितीत संभाजी गार्डन मध्ये असलेल्या छत्रपती संभाजी महाराज यांच्या पुतळ्याची प्रशासनाकडून पहाणी करून आवश्यक ती दुरुस्ती करण्यांत यावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११५

सन्मा. सदस्य श्री.नरेंद्र गोटू परदेशी यांनी समतानगर येथील दलित गोरगरीब कष्टकरी नागरीकांसाठी सदर परिसरातील मिलींद सोसायटी,समतानगर येथील बखळ जागेत घरकुल योजना राबविणेबाबत यादी दिलेली आहे.त्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४४ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन्मा.सदस्य श्री.नरेंद्र गोटू परदेशी यांनी समतानगर येथील दलित गोरगरीब कष्टकरी नागरीकांसाठी सदर परिसरातील मिलींद सोसायटी, समतानगर येथील बखळ जागेत घरकुल योजना राबविणेबाबत यादी दिलेली आहे.

धुळे शहरात IHSDP योजनेत १२०० घररकुलाचे काम यशवंतनगर,जुनी/नवी भिलाटी, फाशीपुल व ताशागल्ली याठिकाणी प्रस्तावित होते. त्यानुसार यशवंतनगर येथे ५४०पैकी ३०० घरकुलाचे काम ताशागल्ली येथील १२० पैकी ६०घरकुल, जुनी/ नवी भिलाटी येथे ३८० पैकी २७०,फाशीपुल येथे १८० पैकी आजपावेतो सुरु नाही सदर ज्या ठिकाणी काम सुरु झाले नाही व तसेच जागा कमी असल्याने काम सुरु झाले नाही अशा ठिकाणचे घरकुल वरील संदर्भिय पत्रानुसार मिलींद सोसायटी समतानगर हा भाग स्लम वस्तीचा असल्याने व त्याठिकाणी जागा उपलब्ध असल्याबाबत कळविले आहे.

महिंदळे स.नं. १३२ ही मिळकत धुळे शहर मंजूर विकास योजना व प्रारूप विकास योजनेच्या आराखडयानुसार रहिवास विभागात अंतर्भृत असल्याचे दिसून येते.

उपरोक्त कार्यालयीन अहवालानुसार महिंदळे स.नं.१३२ ही रहिवास विभागात समाविष्ट असून तेथे घरकुल योजना उभारण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११६

राष्ट्रीय नागरी उपजिविका अभियान अंतर्गत धुळे मनपा मार्फत मनपाच्या जागेत बेघर लोकांसाठी रात्र निवारा बांधणेबाबत प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४५ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे राष्ट्रीय नागरी उपजिविका अभियान(NULM) अंतर्गत धुळे शहरातील बेघरलोकांसाठी रात्र निवाराचा प्रस्ताव तयार करणेसाठी नगरविकास विभाग शासन निर्णय एनयुएल२०१४/नवि ३२ दि. २८ ऑगस्ट २०१४ च्या पत्रानुसार कळविण्यांत आले होते. त्यानुसार धुळे मनपा मार्फत मालेगांवरोड मालेगांव पाण्याच्या टाकीच्या समोरील बाजूस असलेल्या मनपाच्या जागेत बांधणेबाबत प्रस्ताव तयार करण्यांत आला आहे.सदर प्रस्तावास अंदाजित खर्च रक्कम रु. ४९,८०,७५६/- खर्च अपेक्षित असून सदर खर्चास प्रशासकीय मान्यतेसाठी म.आयुक्त तथा संचालक सो. नगरपरिषद प्रशासन संचालनालय मुंबई यांचेकडेस सदर प्रस्ताव मंजुरीसाठी करणेसाठी मे.महासभेच्या ठरावाची आवश्यकता असल्याने सभागृहास मोर प्रस्ताव निर्णयासाठी आला असता,उपस्थित सदस्यांनी चर्चेअंती सूचित केल्यानुसार मालेगांवरोड पाण्याच्या टाकीजवळ प्रशासनाने प्रस्तावित केलेली जागा ही मनपाच्या आर्थिक उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने महत्वाची असल्याने त्याठिकाणी भविष्यांत कर्मशियल कॉम्प्लेक्स बांधल्यास मनपाच्या आर्थिक उत्पन्नात भर पडणार असल्याने सदरची सूचविलेली जागा सोडून सद्यस्थितीत पहिल्या टप्प्यात देवपूर एकविरा देवी मंदिराजवळील मनपाच्या धर्मशाळेच्या जागेत रात्र निवारा बांधण्यांच्य प्रस्तावास मान्यता देण्यांत येत आहे.शासनाकडेस सदर प्रस्ताव पाठविण्यांस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

तसेच रात्र निवारा बांधण्यांच्या दुस-या टप्प्यांतील जागेसाठी प्रशासनाने शहराच्या मध्यवर्ती ठिकाणी असलेल्या जागांचा शोध घेऊन तसा प्रस्ताव पुनर्शंका सादर करावा.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११७

सन २०१५-१६ नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा केंद्रावरील कामे करण्यासाठी अनुदान मागणीसाठी प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या सुचनेनुसार नागरी दलित वस्ती योजने अंतर्गत व अल्पसंख्याक निधीतून अनुदान मागणी करणेसाठी शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करणेस मंजुरी देणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४६ दिनांक ०२/०७/२०१५

सन्मा.विरोधी पक्षनेता श्री. संजय सुधाकर जाधव यांनी प्रशासनाकडेस सादर केलेल्या तक्रारी व पत्रानुसार सुजल निर्मल योजने अंतर्गत पूर्वी झालेल्या सुखवद पंपींग स्टेशन व मालेगांवरोड पंपींग स्टेशन येथे केलेल्या कामांबाबत तसेच पत्रातील मुद्यानुसार चौकशी करून त्याबाबत तांतडीने प्राथमीक अहवाल सादर करण्याबाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी. प्रशासनाकडून अहवाल प्राप्त झाल्यानंतर याबाबत पुढील कायदेशीर कार्यवाही तथा अंमलबजावणी करण्यांत येईल.

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११७

सन २०१५-१६ नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा केंद्रावरील कामे करण्यासाठी अनुदान मागणीसाठी प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या सुचनेनुसार नागरी दलित वस्ती योजने अंतर्गत व अल्पसंख्याक निधीतून अनुदान मागणी करणेसाठी शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करणेस मंजुरी देणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४६ (अ) दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा हृदीतील साक्रीरोड भाग हा प्रभाग क्रं. १५,१७,१८,३० हे प्रभाग अनुसूचित जातीचे आहे. सदर प्रभागासाठी होणारा पाणीपुरवठा हा हनुमान टेकडीजलशुद्धीकरण केंद्रावरुन होत असतो. उक्त ठिकाणी असलेल्या जलशुद्धीकरणाच्या ठिकाणी ३ फिल्टर बॅंडची रेती बदलविणे, व्हॉल व पाईप लाईन नवीन टाकणे, ॲलम ब्लिर्चींग पावडर मिक्सरींगच्या मोटारी व पाईप लाईन टाकणे आवश्यक आहे.

तसेच मालेगांव पंपींग स्टेशन येथून प्रभाग क्रं. ३० मध्ये सुध्दा पाणीपुरवठा होत असतो. तेथील ४०० के.व्ही.ए. चा ट्रान्सफार्मर नवीन बसविणे व पंपसेट ॲसेब्लींसाठी ओपन शेड उभारणे हे काम करणे आवश्यक आहे.

तसेच कुमारनगर येथील ६० ए.च.पी.पंपसेट वारंवार नादुरुस्त होत असल्याने सदर पंपसेट दुरुस्त न करता नवीन घेणे योग्य राहील. वरील कामे पूर्ण झाल्यानंतर वरील अनुसूचित जातीच्या प्रभागातील नागरीकांना शुद्ध पाणी पुरवठा व पाण्यामध्ये वाढ होवू शकेल तसेच पंपींगच्या तास कमी होवू शकेल. त्याकरिता सदर कामे नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजनेतून घेणे योग्य राहील.

सदर प्रस्तावास रु.३२ लक्ष मात्रचा खर्च अपेक्षित आहे. तरी उक्त योजनेतून शासनाकडून ९०% अनुदान व मनपा हिस्सा १०% भरावा लागतो. तरी वरील कामे प्रस्तावित करणेसाठी मे. महासभेसमोर विषय सादर करण्यांत आलेला आहे.

कार्यालयीन अहवालानुसार व सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत उक्त कामे शासनाकडेस प्रस्तावित करण्यांस व शासन नियमाप्रमाणे मनपा हिस्सा भरण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११७

सन २०१५-१६ नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा केंद्रावरील कामे करण्यासाठी अनुदान मागणीसाठी प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या सुचनेनुसार नागरी दलित वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत व अल्पसंख्याक निधीतून अनुदान मागणी करणेसाठी शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करणेस मंजुरी देणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४६ (ब) दिनांक ०२/०७/२०१५

| | |
|----|---|
| १ | प्रभाग क्रं.१८ राजीव गांधी नगर ते मोती नाल्यापर्यंत रिटेनींग वॉल बांधणे. |
| २ | मोतीनगर मोती नाल्याकिनारी १० सीट सार्वजनिक २ ठिकाणी शौचालय बांधणे. |
| ३ | प्रभाग क्रं.१८ मध्ये मोतीनगर साक्रीरोड पासून ते सार्वजनिक शौचालय पर्यंत रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| ४ | प्रभाग क्रं.१७ मध्ये साई एकता कॉलनी मध्ये गोदाई कॉलनी भागात आर.सी. सी. गटार करणे. |
| ५ | लुंबिनी वन परिसरात जॉर्गींग टॅक तयार करणे. |
| ६ | सर्वे नं.५८/१ मधील महात्माजी नगर नाना पवार यांच्या घरापासून शिंदे सुनिता किशोर मध्ये रस्ता व गटारी बांधणे व शिंदे सुनिता किशोर यांच्या घरापासून जे.के. ठाकरे यांच्या घरापर्यंत रस्ता तयार करणे. |
| ७ | सर्वे नं.५९ मधील महात्मा नगर श्री.एस.एस. पाटील यांचे घर ते बापूराव पाटील यांच्या घरापर्यंत रस्ता व गटारी तयार करणे. |
| ८ | जवाहर नगर मधील गटारी तयार करणे. |
| ९ | उत्कर्ष कॉलनी मधील गटारी तयार करणे. |
| १० | गणेश दर्शन सो. मधील रस्ते व गटारी बांधणे. |
| ११ | दयानंद हौसींग सोसायटी मध्ये गटारी तयार करणे. |
| १२ | जिवलग नगर गोदाई सोसा. जवळ रस्ता व गटारी तयार करणे. |
| १३ | अजबे नगर रस्त व गटारी तयार करणे. |
| १४ | उदयनगर यथे गटारी बांधणे. |
| १५ | अरुणकुमार वैद्य नगरात बगीचा व जॉर्गींग पार्क तयार करणे. |
| १६ | अरुणकुमार वैद्यनगर मधील शहीद हेमु कलानी पार्क येथे जॉर्गींग टॅक तयार करणे. |
| १७ | प्रभाग क्रं. १७ मधील विविध ठिकाणी पोल व पथदिवे लावणे. |
| १८ | प्रभाग क्रं. ३० फाशीपुल ते शाळा नं. २८ पर्यंतचा रस्ता डांबरीकरण करणे. |
| १९ | प्रभाग क्रं. ३० मध्ये देशमुख भागात सभागृह बांधणे. |
| २० | प्रभाग क्रं. १५ मध्ये मोगलाई भागात ड्रेनेज लाईन टाकणे. |
| २१ | प्रभाग क्रं. १५ मध्ये मोतीनाला किनारी रिटेनींग वॉल बांधणे. |
| २२ | प्रभाग क्रं. १५ मध्ये श्री. पवार अण्णा यांचे घरापासून ते लक्ष्मण खैरनार यांचे घरापर्यंत कॉक्रीट रस्ता करणे |

| | |
|----|---|
| २३ | प्रभाग क्रं.१५ मध्ये स.नं.२९/१,३१/१ जगदीशनगर येथील खुल्या जागेत वॉल कपोंड करणे व बगीचा विकसीत करणे. |
| २४ | प्रभाग क्रं.१५ मध्ये मोतीनाला पुलास कढडे बांधणे. |
| २५ | प्रभाग क्रं.८ मध्ये रमाबाई आंबेडकर नगर डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर पुतळ्यासमोर पेव्हिंग ब्लॉक बसविणे व स्वागत कमान उभारणे. |
| २६ | प्रभाग क्रं. १७ मध्ये उत्कर्ष कॉलनी येथे फुलपगारे ते जाधव यांचे घरापर्यंत रस्ता व गटारी तयार करणे. |
| २७ | प्रभाग क्रं. १८ भिमनगर भागात भिमतिर्थ येथे पेव्हिंग ब्लॉक बसविणे. |
| २८ | प्रभाग क्रं. ३० मध्ये नवजीवननगर भागात क्रॉक्रीट रस्ते व गटार तयार करणे |
| २९ | प्रभाग क्रं. ३० मध्ये विविध ठिकाणी एल.ई.डी. लाईट बसविणे. |

संबंधित ओव्हरसिअर यांनी दाखल केलेल्या अहवालानुसार तसेच सन्मा.सदस्यांनी मे. महासभेत केलेल्या सुचना व सादर केलेल्या यादीनुसार नागरी दलित वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत धुळे शहरातील आरक्षित प्रभागातील विकास कामे करण्यासाठी शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करावयाचे आहेत. नागरी दलित वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत १०० टक्के अनुदान उपलब्ध होणार आहे.यानुसार खालील प्रमाणे कामे प्राधान्य क्रमाने शासन स्तरावर सादर करण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | कामाचे नांव | अंदाजित रक्कम रुपये |
|-------|--|---------------------|
| १ | प्रभाग क्रं.१८ मध्ये सार्वजनिक शौचालय ते डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर भुवन पर्यंत नाल्यास संरक्षण भिंतीचे बांधकाम करणे. | ३८,००,०००/- |
| २ | प्रभाग क्रं.१७ मध्ये साई एकता कॉलनी मध्ये डी.वाय.एस.पी. मोरे यांच्या घरापासून ते कांबळे यांच्या घरापर्यंत रस्ता डांबरी करणे. | २५,००,०००/- |
| ३ | प्रभाग क्रं.१५मध्ये मोगलाई भागात पद्नाभनगर भोईवाडा ते कोंडाजी विजय व्यायाम शाळेपर्यंत आर.सी.सी. गटार करणे. | २०,००,०००/- |
| ४ | प्रभाग क्रं. १५ मध्ये सी.डी. वर्कर्स बांधणे. | ५,००,०००/- |
| ५ | प्रभाग क्रं.३० मध्ये विशाल इस्टेट भागात मारोती मंदिर ते आहित्यादेवी पर्यंतचा रस्ता डांबरीकरण करणे. | २५,००,०००/- |
| ६ | प्रभाग क्रं.८मध्येछोटा पुल ते अॅड.दिलीप पाटील यांचे ऑफिस पर्यंत व श्री. सुरेश कांजरे ते स्वामी मेडिकल व ब्रदीनाथ पवार यांचे घरामागील रस्ता डांबरीकरण करणे. | १३,०३,८७६/- |
| ७ | प्रभाग क्रं. १७ उत्कर्ष कॉलनी येथे गटार तयार करणे. | ५,००,०००/- |

संबंधित ओव्हरसिअर यांनी दाखल केलेल्या अहवालानुसार सन२०१५-१६ मध्ये नागरी दलित वस्ती सुधार योजनेअंतर्गत सन्मा.सदस्यांनी सूचविलेल्या यादीनुसार खालील प्रमाणे कामे प्राधान्य क्रमाने समाविष्ट मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११७

सन २०१५-१६ नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा केंद्रावरील कामे करण्यासाठी अनुदान मागणीसाठी प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या सुचनेनुसार नागरी दलित वस्ती योजनेअंतर्गत व अल्पसंख्याक निधीतून अनुदान मागणी करणेसाठी शासनाकडेस प्रस्ताव सादर करणेस मंजुरी देणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४६(क) दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनप्रमाणे अल्पसंख्याक योजने अंतर्गत मनपासा दरवर्षी रु.२० लाख निधी प्राप्त होतो. त्यानुसार शासन निर्णय ९ फेब्रुवारी २००९ नुसार कामे प्रस्तावित

करणेत येत असतात. सन २०१४-१२ पासून सन २०१४-१५ या मागील ४ वर्षात रु.२० लक्ष अनुदान उपलब्ध झाले होते. त्यानुसार सदरचा खर्च त्या वर्षात करणेत आला आहे.

वॉर्ड क्रं. ३५ मध्ये ग्रंथालयासाठी इमारत बांधकाम करणेचा प्रस्ताव तयार करणेत आला आहे. सदर ठिकाणी अल्पसंख्याक बहुल वसाहत असल्याने ग्रंथालय बांधणे आवश्यक आहे. सदरचे भागात मौलाना आझाद ग्रंथालय या नावाने आहे. सदर ठिकाणी ग्रंथालय बांधकाम करणेसाठी सदर सोबतचे नाहरकत दाखला स्टॅम्प पेपरवर सादर केला आहे. तरी सदर प्रस्ताव अल्पसंख्याक योजनेतून प्रस्तावित करणेस हरकत नसावी. त्यासाठी महासभेचा ठराव आवश्यक आहे. म.नगररचनाकार यांनी उक्त जागेवर धुळे मनपा पत्र क्रमांक ३२३९ दि. १७/४/२०१५ अन्वये मंजुरी दिलेली आहे. सदर संस्थेने प्रतिज्ञापत्र दिलेले आहे. असा प्रस्ताव मे. महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला आहे.

कार्यालयीन अहवालानुसार व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या सुचनेनुसार अल्पसंख्याक निधी अंतर्गत उक्त काम शासनाकडेस प्रस्तावित करण्यांस सर्वानुमते मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय क्रमांक:- ११७

सन २०१५-१६ नागरी दलित वस्ती पाणीपुरवठा योजने अंतर्गत पाणीपुरवठा केंद्रावरील कामे करण्यासाठी अनुदान मागणीसाठी प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

मा.महापौर सां. यांचे पत्र जा.क्रं. स्विस/ मनपा/२३०(अ) दि.१५/६/२०१५ नुसार तसेच दि. ३०/०६/२०१५ च्या कार्यालयीन अहवालानुसार राज्य स्तरीत नगरोत्थान योजनेअंतर्गत फेरबदल प्रस्ताव शासनाकडेस सादर करणेबाबत विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४६ (ड) दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे महाराष्ट्र राज्य स्तरीय नगरोत्थान योजनेअंतर्गत धुळे मनपास शासनाकडून मार्च २०१५ रोजी अ.क्रं. १ ते १६ कामांना रु.४३,७२,३४,९६४/- मात्रस प्रशासकीय मंजुरी प्राप्त झाली आहे. त्यापैकी शासनाकडून रु.१५.३० कोटी अनुदान उपलब्ध झालेले आहे. सदर कामामध्ये अ.क्रं.२ पारोळा रोड ते स.नं.२३ ते वडजाई रोड रस्ता डांबरीकरण करणे.१,५१,४३,६९५/-व अ.क्रं.३अरिहंत मंगल कार्यालय ते ३०मी.डी.पी.रोड पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे.रु.२,२४,६७,७८८/-कामाचे या अगोदर नगरोत्थान योजना जिल्हास्तर या योजने अंतर्गत प्रशासकीय मंजुरी प्राप्त झाली आहे. त्यानुसार रस्त्याची कामे सुरु झाले होती. त्यामुळे शासनाने प्रशासकीय मंजुरी दिलेला वरील २ कामांची निविदा मागविण्यांत आलेल्या नाही. त्यामुळे सदर २ कामांसाठी मंजुरी मिळालेली रु.३,७६,२२,४८३/- मात्रचा शिल्लक अनुदाना मधून खालील कामे घेण्यांस मान्यता देणेत येत आहे.

| अ.नं. | कामाचे नांव | रुपये |
|-------|---|-------------------------|
| १ | ५० खोली ते बायपास हायवे पावेतो रस्ता डांबरीकरण व गटार करणे. | ८४,३६,५६५/- |
| २ | देवपूर इंगी गार्डन ते भायश्री पिठाची गिरणी ते गितानगर नाल्या पावेतो रस्ता डांबरीकरण व ड्रेनेज लाईन टाकणे. | १,४२,२९,३८३/- |
| ३ | मोहाडी म्हाडा वस्ती रेल्वे गेट ते अरुण कापडनीस पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे. | १,१२,६९,२३१/- |
| ४ | महात्मा फुले पुतळा ते रेल्वे स्टेशन पावेतो रस्ता डांबरीकरण व लाईटची व्यवस्था करणे. | ७२,४१,५८०/- |
| | एकुण | रु.४,११,६६,७५५/- |

दिनांक ३० मार्च २०१५ रोजीचा प्राप्त प्रशासकीय मंजुरी मिळालेले कामांमध्ये २ कामांना या अगोदर मंजुरी मिळालेली कामे रद्द करून वरील अ.क्र.१ ते ४ कामांचा फेरबदल प्रस्ताव शासनाकडे स पाठविणेस तसेच शासन नियमाप्रमाणे मनपा हिस्सा अदा करणेस मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- ११८

राज्य नदी संवर्धन योजनेअंतर्गत धुळे शहरातील पांझरा नदी सुधार प्रकल्पाचा सुधारीत प्रस्ताव शासनाकडे सादर करणेकामी आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४७ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे मनपा मार्फत पांझरा नदी सुधार योजनेच्या प्रस्ताव राज्य नदी संवर्धन योजनेअंतर्गत मा.प्रधान सचिव,पर्यावरण विभाग मंत्रालय,मुंबई यांचे कडेस रु.७७.१९ कोटीचाप्रस्ताव ठराव क्र.६३ दि.२४/९/२०१३ अन्वये मंजुरीसाठी सादर करणेत आलेला होता. सदर योजनेच्या मंजुरीसाठी महापौर सौ. जयश्रीताई अहिरराव व शिवसेना गटनेता श्री. संजय गुजराथी यांनी सातत्याने पाठपुरावा करून यशस्वी प्रयत्न केलेले आहेत.

म.प्रधान सचिव पर्यावरण विभाग, मुंबई यांचे कडे झालेल्या दि.६/५/२०१५ रोजीच्या बैठकीतील चर्चा व निर्णयानुसार सदर प्रस्तावामध्ये शहरातून निघणारे सांडपाणी प्रक्रिया करणे, नदीला प्रदुषित करणारे सर्व पॉइंट्सोर्स व नॉन पॉइंट सोर्स इ. बाबत सर्वेक्षण करून आराखडे व नकाशे तयार करणे तसेच नदी काठचा विकास,सार्वजनिक शौचालय इ. बाबतचा समावेश करून सुधारीत प्रस्ताव सादर करण्याबाबत सुचना देण्यांत आलेल्या होत्या.त्याप्रमाणे परिपूर्ण प्रस्ताव या कार्यालयामार्फत नेमण्यांत आलेल्या मे.निसर्ग कंन्सल्टेंट नाशिक यांचे मार्फत तयार करण्यात आला असून त्याची अंदाजित किंमत रु.२५२.५८ कोटी मात्र येणार आहे.

शासन अनुदानाव्यतिरिक्त १०% खर्च मनपा/हिस्सा अर्थसंकल्पात समावेश करण्यांस तसेच सदर सुधारीत योजनेस आर्थिक व प्रशासकीय मंजुरी देण्यांत येत आहे.तसेच याबाबत विहीत नमुन्यात ठराव करणेसाठी मान्यता देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-११९

मालमत्ता कराची रक्कम आगाऊ भरणा-या मालमत्ता धारकांना मालमत्ता करात सुट देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४८ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे सन २०१५-१६ या आर्थिक वर्षात मालमत्ता कराची १००% वसुली होणेचे दृष्टीने तसेच महानगरपालिकेच्या आर्थिक उत्पन्नात भर पडणेचे दृष्टीने तसेच मालमत्ता कर भरण्यास प्रोत्साहन मिळावे यासाठी धुळे शहरातील जे मालमत्ताधारक सन २०१५-१६ या चालु वर्षाची मालमत्ता कराची संपुर्ण रक्कम आगाऊ भरत असेल अशा मालमत्ताधारकांना त्यांच्या मागणी देयकातील फक्त मालमत्ता कराच्या रक्कमेवर १०% सुट देता येईल असा प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करणेत आलेला आहे.

उक्त बाबत महाराष्ट्र प्रांतिक मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम १४०अ अन्वये या अधिनियमामध्ये काहीही अंतर्भुत असले तरी मालमत्ता कर देण्याकरीता मुख्यतः पात्र असणारी कोणतीही व्यक्ती असा कर त्या प्रयोजनाकरीता बिलात विनिर्दिष्ट केलेल्या दिनांकापुर्वी भरत असेल किंवा असा कर संपुर्ण वर्षाकरीता आगाऊ भरत असेल तरी तिला महानगरपालिका सर्व साधारण आदेशाब्दारे निर्धारित करील अशा दराने मालमत्ता कर

भरण्यातुन सूट देण्यात येईल. आणि मालमत्तेच्या वापर कर्त्याच्या वेगवेगळ्या वर्षाकरीता अशी सूट देण्याचे वेगवेगळे दर विनिर्दिष्ट करता येईल. अशी तरतुद आहे.

धुळे महानगरपालिका हड्डीतील मालमत्ताधारकांना सन.२०१५-२०१६चे मागणी बील संगणीकृत देण्याची कार्यवाही सुरु आहे.तथापी ज्या मालमत्ता धारकांना सन.२०१५-१६ चे कर मागणी बील मिळाले नसेल अशया मालमत्ता धारकांनी सन २०१५-१६ ची मालमत्ता कराची संपूर्ण रक्कम आगाऊ भरीत असल्यास अशा मालमत्ताधारकांना उक्त कलमानुसार फक्त मालमत्ता करावर १०% सूट देणे उचित राहील त्यामुळे सन.२०१५-१६ चे उद्दीष्ट पुर्ण होण्यास मदत होवुन मालमत्ता धारकांना मालमत्ता कर भरण्यास प्रोत्साहन मिळणार असल्याबाबत प्रस्ताव मे. महासभेपुढे सादर करण्यांत आलेला आहे.

या संदर्भात सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व कार्यालयीन अहवालानुसार मालमत्ता धारकांनी सन २०१५-१६ची मालमत्ता कराची संपूर्ण रक्कम आगाऊ भरल्यास त्यांना मालमत्ता करात १० टक्के सूट देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. सदर योजना ही १५ऑगस्ट २०१५ पर्यंत भरणा-या मालमत्ता धारकांना लागू राहील.तसेच दर वर्षी १ एप्रिल ते ३० एप्रिल या कालावधीत चालू वर्षाची मालमत्ता कराची संपूर्ण रक्कम भरणा-या मालमत्ता धारकांना सदर योजनेचा लाभ देण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे. सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:-१२०

नवीन बांधकाम,वाढीव बांधकाम झालेल्या मालमत्ता धारकांनी आपल्या मालमत्तेस कर आकारणी करून कर भरल्यास त्यांना मालमत्ता करात सूट देणेबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनाचा विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १४९ दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रामाणेधुळे शहर हड्डीतील मालमत्ता बन्याच मालमत्ता धारकांनी नविन बांधकाम केलेले आहे मात्र त्यांना मालमत्ता कर लागु करण्यात आलेला नाही.त्यांना मालमत्ता कर लागु करण्यासाठीचा प्रस्ताव महासभेपुढे सादर करणेत आलेला आहे.

धुळे शहर हड्डीतील बन्याच मालमत्ता धारकांनी नविन बांधकाम केले आहे, तर काहींनी निवासाचा व्यावसायीक वापरात बदल केलेला आहे व काहींनी वाढीव बांधकाम केले आहेत मात्र त्यांना आजपर्यंत धुळे महानगरपालिका वसुली विभागामार्फत मालमत्ता कर लागु करण्यात आलेला नाही अशा मालमत्ता धारकांना त्यांनी स्वतः मोजमाप करून आणल्या नंतर किंवा आपल्या इंजिनियर मार्फत मोजमाप करून मालमत्ता कर लागु करण्यासाठी महानगरपालिकेकडे अर्ज व अर्जसोबत इतर कागदपत्रे सादर केल्यास व त्यानुसार त्यांना कराची आकारणी करून दिलेले बील तात्काळ भरीत असल्यास अशया मालमत्ता धारकांना फक्त मालमत्ताकरात १०% सूट दिल्यास मालमत्ता धारक स्वतः महानगरपालिका कार्यालयात येवुन मालमत्ता कर भरतील त्यामुळे महानगरपालिकेकडे कमी असलेल्या कर्मचाऱ्यांची तुट भरून जास्तीत जास्त मालमत्ता धारकांना कर आकारणी होवुन महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होणार आहे.

तसेच मालमत्ता धारकांनी स्वतःमोजमाप करून आणल्या नंतर किंवा त्यांच्या इंजिनियर मार्फत मोजमाप करून आणल्यानंतर आपल्या वसुली निरीक्षकास किंवा संबंधित भागातील लिपीकास शंका निर्माण झाल्यास तात्काळ मोजमाप घेवुन फेर आकारणी करण्या बाबत संबंधितांना सुचनापर निर्देश देण्यात येतील.

ज्या मालमत्ता धारकांनी महानगरपालिकेकडुन परवानगी घेवुन बांधकाम केले आहे त्यांनी आपल्या मिळकतीचे कागदपत्र उदा.७/१२उतारा, मिळकत खरेदीचे कागदपत्र, लाईट बीलझेरॉक्स, वापर प्रमाणपत्र, इ.अर्जा सोबत जोडणे आवश्यक आहे.

तसेच ज्या मालमत्ता धारकांनी बांधकाम परवानगी न घेता वाढीव बांधकाम, नविन बांधकाम किवा वापरात बदल (निवासाचे व्यावसायीक मध्ये रुपांतर) केले आहे मात्र महानगरपालिकेकडून परवानगी घेतलेली नाही अशयाही मालमत्ता धारकांनी ७/१२ उतारा, मिळकत खरेदीचे कागदपत्रे, लाईट बील झेरॉक्स इ.कागदपत्रे सादर करावयाची आहे.

उपरोक्त कार्यालयीन अहवाल व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार धुळे शहर हद्दीतील मालमत्ता धारकांनी स्वतः मोजमाप करून आणल्या नंतर किंवा आपल्या इंजिनियर मार्फत मोजमाप करून मालमत्ता कर लागू करण्यासाठी महानगरपालिकेकडे अर्ज व अर्जासोबत इतर कागदपत्रे सादर केल्यास व त्यानुसार त्यांना कराची आकारणी करून दिलेले बील १५ दिवसात भरतील त्यांना १०% फक्त मालमत्ता कराचे रकमेत सुट देण्यास मंजुरी देण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

विषय कमांक:- १२१

पाणीपट्टी दराची आकारणी मंजुरझालेल्या ठराव व दराप्रमाणे चालू वर्षात करून कार्यालयीन प्रस्तावात प्रस्तावित केलेले दर पुढील आर्थिक वर्षात लागू करण्याबाबत आलेल्या कार्यालयीन निवेदनावर विचार करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५० दिनांक ०२/०७/२०१५

कार्यालयीन निवेदनाप्रमाणे धुळे महानगरपालिका हददीत पाणी पुरवठा विभागामार्फत पाणीपटटीच्या दरात वाढ करणेबाबत सूचित करणेत आलेले होते. परंतु महासभेमध्ये झालेल्या चर्चेनुसार ठराव नं. ९७ दिनांक २०/२/२०१५ अन्वये फक्त व्यापारी नळ जोडणी करीताच्या दरामध्ये वाढ करणेत आलेली आहे.

या अगोदर सन २०११-१२ या आर्थिक वर्षात पाणीपटटीत वाढ झालेली आहे. सन २०१०-११ ते २०१५-१६ पावेतो विद्युत बिलात महाराष्ट्र वितरण विभागाने वेळोवेळी दरवर्षी प्रति युनिटमध्ये वाढ केलेली आहे. पाणी पुरवठा कामी लागणारे रसायने उदा. अॅलम, ब्लिर्चींग पावडर, क्लोरीन, गॅस टनर यांचे दरात झालेली वाढ, पाणी पुरवठा विभागासाठी कार्यरत असलेले अधिकारी/कर्मचारी यांचे वेतनात झालेली वाढ लक्षात घेता धुळे महानगरपालिकेस वार्षिक खर्च रु. १६.०० कोटी सन २०१३-१४ या वर्षात झालेला आहे वउत्पन्न रु. ५.५० कोटी मात्रचे आलेले आहे. सदरची तफावत व होणारा वाढीव खर्च मनपाचे इतर खात्यातून वर्ग करावा लागतो. सदर होणारी तूट भरून काढणेसाठी पाणी दरात वाढ करणे आवश्यक आहे.

शासनाच्या केंद्र शासन व राज्य शासन विविध प्रकारचेयोजनेच्या माध्यमातून उदा. आय. एच. डी. पी., यु.आय.एस.एस.एम.टी. त्यासाठी शासनाने निकष ठरविलेले असून ऐच्छिक सुधारणा व सक्तीची सुधारणाबाबत शासनाकडे धुळे मनपामार्फत एम.ओ.ए.सादर केलेले आहे. त्यामधील कम्पलसरी रिफॉर्ममध्ये

१) द्विनोंद लेखापाठ्यत २) ई गर्वनन्स ३) मालमत्ता करवाढ ४) पाणीपटटी वाढ

इ.बाबत यापूर्वी धुळे मनपाने दिनांक २२/१/२०१३ रोजी ठराव नं. १४४ अन्वये मंजुरी दिलेली आहे.

तसेच शासनास लेखी स्वरूपात करारनामासुध्दा करून दिलेला आहे तथापी पाणीपटटी वाढ बाबतचा विषय मे. महासभेपुढे ठेवला असता वाढ न करणेबाबत ठराव पारीत झालेला आहे. त्यामुळे सदर ठराव मे. महासभेपुढे फेर सादर करण्यांत आलेला आहे.

कराचे दरात वाढ करण्यासाठी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९९ मध्ये स्पष्ट तरतूद करण्यांत आली आहे. उक्त नियमानुसार सदरचे दर हे पुढील सरकारी वर्षात लागू करता येतील. मात्र सदर दर वीस फेब्रुवारी २०१६ पूर्वी निश्चित झाले पाहिजेत. त्यानुसार सदर दरवाढीचा विषय मे. महासभेपुढे ठेवणे उचित होईल असे मत

आहे. तसेच धुळे मनपा ठराव क्रं. ९७ दिनांक २०/२/२०१५ यामध्ये घरगुती नळ कनेक्शन धारकांच्या पाणीपट्टीत वाढ न करणे बाबतचा ठराव महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे अनुसुची ड प्रकरण २ चे (र) मध्ये नमूद केल्यानुसार कार्यवाही करणे उचित होईल असा अहवाल प्रशासनामार्फत सादर झालेला असून ठराव नं. ९७ ची अंमलबजावणी मंजुर दराप्रमाणे चालू वर्षात आकारणी करून सदर प्रस्तावामध्ये प्रस्तावित केलेले दर पुढील आर्थिक वर्षात लागू करण्याबाबतचा विषय महासभेपुढे सादर झालेला आहे.

कार्यालयीन निवेदन व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार मनपामार्फत सद्यस्थितीत वितरण व्यवस्थेनुसार धुळे शहरात ३ दिवसाआड पाणीपुरवठा करण्यांत येत आहे. सन्मा. सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या चर्चेनुसार प्रशासनामार्फत प्रस्तावित केलेली पाणीपट्टीचे दर हे अवाजवी असल्याचे नमूद केले आहे. तथापि पाणीपुरवठ्यावरील होणारा खर्च व मिळणारे उत्पन्न यातील तफावत लक्षांत घेता मनपा आर्थिक हिताच्या दृष्टीने याबाबत योग्य तो समन्वय साधून पाणीपट्टी दरात वाढ करणे आवश्यक आहे. शासनाच्या विविध योजनांचा लाभ मिळविण्यासाठी शासनाच्या निकर्षानुसार मनपाच्या आर्थिक उत्पन्नातही वेळोवेळी वाढ करण्यांचे निर्देश व आदेश शासनाने दिलेले आहेत. त्यामुळे उत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ साधून नागरीकांवरही अवास्तव कराचा बोजा पडणार नाही याचा समन्वय ठेवणे तेवढेच आवश्यक आहे. पाणीपट्टी दरात वाढ करणेबरोबरच अवैध नळ कनेक्शन वैध करणे, नळांना तोट्या बसविणे व लिकेजेस बाबत दक्षता घेणे या कार्यवाहया देखील प्रशासनामार्फत जबाबदारीने आणि तांतडीने करणे आवश्यक आहे.

यापूर्वी सन २०१०-११ या वर्षात पाणीपट्टीचे दर वाढविण्यांत आलेले होते. दर वर्षी सुमारे १०टक्के प्रमाणे नैसगिक वाढ लक्षांत घेता सन २०१६-१७ या आर्थिक वर्षापर्यंत सुमारे ४० टक्के वाढ अपेक्षित आहे. त्यामुळे प्रशासनाचा अहवाल व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या सुचनाबाबत समन्वय साधून मनपा आर्थिक हिताच्या दृष्टीने सद्यस्थितीत पाणीपट्टीचे दर पुढील आर्थिक वर्षापासून (सन २०१६-१७) खालील प्रमाणे आकारणी करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.क्र. | घरगुती नळ जोडणी | सध्याचा दर | प्रस्तावित दर | मे. महासभेने मान्यता दिलेले दर(४० % वाढ) |
|--------|--------------------|----------------------|----------------------|--|
| १ | अर्धा इंची कनेक्शन | रु.१२०६/- प्रति वर्ष | रु.३५००/- प्रति वर्ष | रुपये १६९०/- प्रति वर्ष |
| २ | पाऊण इंची कनेक्शन | रु.१९५५/- प्रति वर्ष | रु.४५००/- प्रति वर्ष | रुपये २७४०/- प्रति वर्ष |
| ३ | एक इंची कनेक्शन | रु.४०८२/- प्रति वर्ष | रु.९५००/- प्रति वर्ष | रुपये ५७१५/- प्रति वर्ष |

शहरामध्ये जे अनधिकृत नळ कनेक्शन आहेत. अशा नळ कनेक्शन धारकांना २ वर्षाची दंडात्मक पाणीपट्टी आकारण्यांत यावी.

तसेच धुळे शहरासाठी युडीआयएसएमटी योजनेअंतर्गत सुरु असलेल्या पाणीपुरवठा योजनेचे काम पूर्णत्वास आल्यानंतर दररोज पाणीपुरवठा होणार असल्याने शासनाशी झालेल्या करारनाम्यानुसार नळ कनेक्शन धारकांना मिटर पध्दतीने पाणीपुरवठा करण्यांत येणार आहे. त्यासाठी घरगुती मिटरने रु.४/-प्रति हजार लिटर दराएवजी नविन रु.८/-प्रति हजार लिटर दर आकारणी करण्यांस तसेच व्यावसायीक मिटरने रु.८/-प्रति हजार लिटर ऐवजी रु.१६/-प्रति हजार लिटर दर आकारणी करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

तसेच सद्यस्थितीत मिटरद्वारे नळ कनेक्शन असलेल्या नळ धारकांना पुढील आर्थिक वर्षापासून उक्त सुधारीत दरानुसार आकारणी करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

पाणीपुरवठयावरील येणा-या खर्चात बचत होण्याच्या दृष्टीने प्रशासनाने अवैध नळ कनेक्शन शोध मोहिम प्रभावीपणे राबवून नियमानुसार त्यांचेकडून दंडात्मक कार्यवाही करणे बाबत कारवाई करावी. तसेच पाण्याचा अपव्यय टाळण्यासाठी तोट्या नसलेल्या नळांबाबत व पाईप लाईन लिकेजेस बाबत प्रभावीपणे व तांतडीने कार्यवाही करावी. बहुमताने मंजूर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका, धुळे

मा.महापौर.

तसेच सन्मा. नगरसेवक श्री. अमीन पटेल यांनी जी सुचना मांडली आहे त्याबाबत प्रशासनाला आदेशित करते मला अनेक वेळा भेटले की साहेब अनेक विभागामध्ये स्वच्छता करीत आहे रोज पहाटे अधिका-यांना घेऊन जातात तर पहिला वॉर्ड श्री. अमीन पटेल यांचे वार्डापासून सुरुवात करावी त्याच पध्दतीने आपूर्ण कर्मचारी तसचे काम करीत नसतील तर त्यांची खबरदारी घेणे गरजेचे आहे. प्रशासनाने काम करून घ्यावे तसेच वाढीव कर्मचारी आहेत ते द्यावेत असे प्रशासनाला आदेशित करते. त्याचप्रमाणे सन्मा. नगरसेविका श्रीमती मायादेवी परदेशी यांनी सुचना केली आहे यापूर्वी प्रशासनाला सभागृहात अनेकवेळा आदेशित केले आहे परंतु हे जे कोणी बघत असेल त्या अधिका-यांना देखील सुचना द्यावी परत हाच प्रश्न सोडविला नाही तर संबंधित अधिका-यांना निलंबीत करावे असे मी आदेशित करते. तसेच आयुक्त साहेब आपण चांगले काम करीत आहात परंतु ते काम करीत असतांना नागरीकांना कुठलाही त्रास होणार नाही तसेच जे काही सन्मा. सदस्यांनी सुचना केल्यात मच्छीबाजारच्या संदर्भात असो मी ब-याच काम करीत असतांना मला असे वाटते की हॉकर्स झोनच्या बाबतीत त्यांचे अगोदर पुनर्वसन करणे गरजेचे आहे. याठिकाणी आपल्याला सांगावेसे वाटते आपण कुठलेही निर्णय घेत असतांना आपण नवीन आले असतांना धुळे शहरातील समस्या काय आहे हे समजून घेतल्या पाहिजे हॉकर्स झोनची जागा शोधणे गरजेचे होते. मागे आपण तत्कालीन आयुक्त श्री. पठण साहेब असतांना हॉकर्स झोनची समिती देखील गठीत केली आहे या समितीची एकही मिटींग घेतली नाही. आणि आपण आपल्या अधिकारात केले आहे ते ठीक आहे आपल्या अधिकारात करताना समितीची मिटींग घेऊन फेरीवाल्यांची मिटींग घेऊन कुठे जागा द्यावयाची हे आपण निश्चित करा. मग आपण त्यांचे पुनर्वसन करा. मी तोंडी आदेश देखील दिले होते. धुळे शहरात जे नागरीक बेरोजगार आहे त्यांना कुठलाही रोजगार नाही ते हॉकर्स लोक पोट भरीत आहे त्यांचे पोटावर पाय पडणार नाही अशा पद्धतीने विषय हाताळावे असे सांगितले होते. तुम्हाला आदेशित करते की, हॉकर्स बाबत अगोदर पुनर्वसन करा त्यानंतरच जी कारवाई हॉकर्सबाबत करीत आहांत ती करावी. शहरात जो काय असंतोष नगरसेवकांचे बाबतीत निर्माण होत आहे. त्या त्या भागातील नगरसेविकांना बोलावून विश्वासात घेऊन ते देखील लोकप्रतिनिधी आहे. आपल्या कामात लोकप्रतिनिधी कोणीही अडथळा आणणार नाही. आपण जे काम करीत आहांत महानगरपालिकेचे उत्पन्नवाढीचे असो कुठलेही काम असो, यात लोकप्रतिनिधीना सोबत घेतले आम्ही देखील त्या भागातील नागरीकांनाविश्वासात घेऊन सन्मा. नगरसेवक श्री. गोटूभाऊ शार्दुल आहे त्यांना त्यांचे वार्डात बराच त्रास झाला त्यांना नोटीस दिल्यानंतर संबंधित नगरसेविकांचे कानावर टाकले असते तर नगरसेविकांना त्रास झाला नसता आणि नागरीकांनाही त्रास झाला नसता आणि नागरीकांचे पाण्यावाचून हाल झाले नसते. आम्ही देखील सभागृहातील लोकप्रतिनिधी यांना प्रत्येक वेळी विश्वासात घेतले जावे असे सभागृहाचे वतीने आदेशित करते.

तसेच आपल्याला एक महत्वाचे सांगावयाचे आहे की, आपली महानगरपालिका आहे ती क, ड त्यासाठी आजपर्यंत जे होते ते महापौरांचे गाडीला लाल दिवा होता परंतु क, ड वर्ग महानगरपालिकांसाठी आरटीओ विभागाकडून एक पत्रप्राप्त झाले आहे. त्यानुसार क, ड

या वर्गाला आल्यामुळे जो काही लालदिवा माझ्या गाडीला होता तो काढलेला आहे.जी काही महापौर परिषदेमध्ये आम्ही एक ठराव पारीत केलेला आहे आणि तो देखील पाठविला आहे. अ आणि ब वर्ग महानगरपालिकेचे महापौर देखील तेच आणि क आणि ड वर्ग महानगरपालिकेचे महापौर देखील तेच यांना सर्वांना सारखे नियम लागू असावे महापौर परिषदेने देखल आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय यांना एक पत्र तेव्हा पाठविले होते.त्यादृष्टीने आपली महानगरपालिका ड वर्गात येत असेल आणि शासनाचे परिपत्रक असेल आणि आरटीओ विभागाचे जे काही निर्देश असतील ज्या काही सुचना असतील आणि जो काही शासनाचा जी.आर.असेल त्याप्रमाणेमी पालन करील असे सांगते, याठिकाणी पत्रकार देखील आहेत. नगरसेवक देखील उपस्थित आहे माझे जे हितचिंतक आहे अर्ज त्याठिकाणी केला होता. शासनाचे परिपत्रक आणून दिले असते तर लगेच दिवा काढून घेतला असता परंतु मला आर.टी.ओ. विभागाकडून पत्र प्राप्त झाले आणि जे एक संविधान जे आहे डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर यांनी जे संविधान लिहले आहे त्याचा आदर करून ज्या क आणि ड वर्ग मनपांना लाल दिव्याची परवानगी नसेल तर आपल व्यक्तमहत्व असे असावे त्या व्यक्ती महत्वाने एक वेगळ अस्तित्व उभे करावे म्हणून तो दिवा काढीत आहे असे सांगू इच्छिते. तसेच ४ जुलै २००१५ रोजी शाळा बाह्य विद्यार्थ्यांचे सर्वेक्षणात सहकार्य करणेबाबत आपण दिले पत्र दिले होते.ब-याच नगरसेवकांना पत्र देखील आलेले आहे की जे शाळाबाह्य मुले आहे त्यांचे सर्वेक्षणात आपण नगरसेवक बंधु भगिंनीनी सहभाग नोंदवावयाचा आहे आपल्या वेगवेगळ्या भागामध्ये जे वेगवेगळे शिक्षक नियुक्त केलेले आहे ते आपल्याला भेटील त्याकरिता किंवा मुले शाळेतच जात नाही त्यांना शाळेमध्ये जाणेसाठी प्रवृत्त करावयाचे आहे शासनाचे वतीने हे सर्वेक्षण सुरु केलेल आहे.त्याबाबत मा. आयुक्त थोडक्यात माहिती देतील.

म. आयुक्त

आपल्या महाराष्ट्र ४ जुलै २०१५ रोजी एकाच दिवशी शाळाबाह्य मुलांचे सर्वेक्षण होणार आहे. त्याचवेळी धुळे महानगरपालिकेच्या क्षेत्रामध्ये सर्व पदाधिकारी, नगरसेवक, लोकप्रतिनिधी प्रशासन आणि सर्व विभागांतील कर्मचारी अधिकारी यांचे माध्यमातून शाळा बाह्य विद्यार्थ्यांचे सर्वेक्षण करावयाचे आहे जेणेकरून ४ जुलै रोजी आपल्या धुळे शहरातील कुठलाही विद्यार्थी ६ ते १४ वर्ष वयोगटातील आहे जो शाळेमधून घरी राहिला आहे किंवा ३ ते ४ महिन्यापासून शाळेत जात नाही किंवा १ महिन्यापासून जास्त काळ गैरहजर आहे अशा मुलाचे आपल्याला सर्वेक्षण करावयाचे आहे ते सकाळी ७ ते संध्याकाळी ७ वाजेपर्यंत आहे. सर्वेक्षण अधिकारी म्हणून भागामध्ये शिक्षकांच्या नियुक्त्या केलेल्या आहे. ज्या भागात शिक्षक जाणार आहे त्या भागात १०० घरे येणार आहे त्या भागातील वस्त्या असतील ब्रीज असेल स्टेशन असेल अशा ठिकाणी जरी असेल ज्याला घर नाही रहावयास अशा मुलांचे सर्वेक्षण करावयाचे आहे किंवा त्या दिवसाकरिता तेथे आलेल्या मुलांचेसर्वेक्षण त्यांची नोंद घ्यावयाची आहे त्याकरिता झोनल अधिकारी, शाळा मुख्याध्यापक प्राचार्थ हे नियंत्रक अधिकारी आहेत. ते माहिती घेतील. त्याठिकाणी नगरसेवकांना संपर्क साधावा यासाठी सर्वांनी प्रसिद्ध देऊन ही मोहीम धुळे शहरात यशस्वीपणे राबवावयाची आहे.

मा. महापौर

आताच नाशिकला स्वच्छ नागरी अभियान झाले त्यात धुळे शहराच्या वतीने मी आणि आयुक्त साहेब आम्ही दोघांनी मिळून हजेरी लावलेली होती. या स्वच्छ अभियानातंरंगत जो काही स्वच्छ शहराचा संकल्प केलेला आहे त्या दृष्टीने वेगवेगळ्या प्रभागामध्ये स्वच्छता मोहीम सुरु करणार आहोत. त्यांचे अनेक मुद्दे आहेत त्यात ७ मुद्दे आहेत. त्यात आपण ४ ते ५ मुद्द्यामध्ये आपण बसतो.त्यात १०० टक्के शौचालयाचा वापर झाला पाहिजे. त्यातील मुद्दा आहे शौचालयाचा वापर व्हावा यासाठी आपल्या भागातील नागरीक उघडयावर शौचलयांस बसत असतील त्यांनी वैयक्तीक शौचालयांसाठी जागा आहे त्यांनी शौचालय करून घ्यावयाचे

आहे ज्यांच्याकडे जागा नाही त्यांनी ३ ते ४ कुटुंबे मिळून शौचालय करून घ्यावयाचे आहे जेणेकरून नागरीकांशी संपर्क साधून ते शौचालय करून घेतील आणि या योजनेचा फायदा घेता येईल. यासाठी प्रशासनाचे वतीने लवकरात लवकर जाहिरात काढावी असे आदेशित करते.यासाठी १५०००रुपयांचे अनुदान दिले जाणार आहे.त्यासाठी नगरसेवकांचा दाखला आणावा असे प्रत्येकाला नियम टाकणार आहे. त्यामुळे नगरसेवकांना देखील कळणार आहे की आपल्याकडे भागातील किती अर्ज आले आहे. आपल्या भागातील नागरीकांना संपर्क साधायला सांगावा.त्या नुसार शहरातील शौचालयांची मागणी आलेली आहे त्यानुसार प्रस्ताव शासनाकडेस पाठविण्यांत येणार आहेत आणि लवकरात लवकर शासनाकडून मंजूर करून येणार आहेत.उपस्थित सर्व सन्मा.सदस्यांनी आजच्या सभेचे कामकाज शांततापूर्ण पार पाडणेस सहकार्य केल्याबद्दल उपस्थितांचे आभार मानते व सभा संपत्याचे जाहीर करते.

सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे

धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
मंगळवार दिनांक २५ ऑगस्ट, २०१५
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) (ड) (ह) अन्वये मा.महापौर सांगीयांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सभा आज मंगळवार दिनांक २५/०८/२०१५रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सधेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सधेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सधेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|-----------------------------------|-----------|---------------------|
| १८२. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| १८३. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| १८४. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| १८५. | वाडिले नलिनाबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| १८६. | सोनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ)वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| १८७. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| १८८. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| १८९. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| १९०. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १९१. | केले चंद्रकांत काशिनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| १९२. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १९३. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १९४. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १९५. | अन्सारी अफजलुन्नीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १९६. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १९७. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| १९८. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| १९९. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २००. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २०१. | लहापण वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २०२. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २०३. | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | ----- " |
| २०४. | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | ----- " |
| २०५. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |

२२५

| | | | |
|------|-------------------------------------|-----------|-------------------|
| २०६. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| २०७. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| २०८. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| २०९. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-१५ वाजता |
| २१०. | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजता |
| २११. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | ----- " |
| २१२. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | ----- " |
| २१३. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | ----- " |
| २१४. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | ----- " |
| २१५. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | ----- " |
| २१६. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| २१७. | मोमीन आतियाबानो दोस्त महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| २१८. | अन्सारी अकिल अह.मह.सादिक | नगरसेवक | ----- " |
| २१९. | अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शब्बाल | नगरसेवक | ----- " |
| २२०. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| २२१. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| २२२. | शेख अरशद अहमद फरीद अहमद | नगरसेवक | ----- " |
| २२३. | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २२४. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| २२५. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| २२६. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| २२७. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | ----- " |
| २२८. | महाले मनिषा सतीष | नगरसेवक | ----- " |
| २२९. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| २३०. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| २३१. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २३२. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| २३३. | महाले सतीष दिगंबर | नगरसेवक | ----- " |
| २३४. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| २३५. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| २३६. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| २३७. | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| २३८. | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| २३९. | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| २४०. | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|----------------------------|-------------------------------|-------------------|
| १ | डॉ. नामदेव कोंडिलिबा भोसले | आयुक्त | सकाळी ११-०० वाजता |
| २ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त (स.प्र.) | ----- " |
| ३ | त्र्यंबक कांबळे | उपायुक्त (कर) तथा सहा. आयुक्त | ----- " |
| ४ | हेमलता डगळे | सहा.आयुक्त (कर) | ----- " |
| ५ | बी.बी. गिते | सहा.आयुक्त (अतिक्रमण) | ----- " |
| ६ | एस.बी. विसपुते | प्र.नगररचनाकार | ----- " |
| ७ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | ----- " |
| ८ | एम.आर. सराईत | मुख्य लेखाधिकारी | ----- " |
| ९ | के.एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| १० | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ११ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १२ | बी.एस. रनाळकर | प्र. लेखापाल | ----- " |
| १३ | के.जी. सुडके | एल.बी. टी. अधिकारी | ----- " |
| १४ | के.जी. खंदरकर | प्र.वसुली अधिकारी | ----- " |
| १५ | गणेश खोंडे | सहा. प्रकल्प विभाग | ----- " |
| १६ | गिरीष विठ्ठल खरे | प्रकाश निरीक्षक विद्युत विभाग | ----- " |
| १७ | महेद्र एस. जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | ----- " |
| १८ | सी.एम. उगले | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| १९ | सी.सी. बागुल | पा.पु. ओव्हरसिअर | ----- " |
| २० | बी.डी. जगदाळे | बांधकाम ओव्हरसिअर | ----- " |
| २१ | तुषार ढाके | सहा.अग्नी. अधिकारी | ----- " |
| २२ | एस. आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " |
| २३ | आर.क्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| २४ | अर्पणा पाटील | जीवशास्त्रज्ञ मलेरिया विभाग | ----- " |
| २५ | दिलीप कलाल | लिपीक बाजार विभाग | ----- " |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.आयुक्त, सन्मा.सदस्य, सदस्या,पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे.नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.
सभेच्या सुरुवातीस सन्मा. सदस्यांकडून आलेल्या श्रद्धांजलीच्या यादया.

- १) महानगरपालिका नगरसेविका सौ. कल्पना सुरेश बोरसे यांच्या सासुबाई गं.भा. ठगुबाई पितांबर चौधरी यांचे दि. १३/८/२०१५ रोजी वृद्धापकाळाने निधन झाले.आज रोजीच्या महासभेत त्यांना श्रद्धांजली वाहून तसा ठराव पारीत करण्यांत यावा.

सुचक :- श्री. दिनेश शार्दुल

अनुमोदक:- श्री. अमोल पाववा मासुळे

२) भारताचे जेष्ठ शास्त्रज्ञ आणि माजी राष्ट्रपती भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहेब याचे ८३ वर्षी दि. २७/७/२०१५ रोजी शिलांग येथे दुःखद निध झाले आहे. तसेच विद्यमान राष्ट्रपती श्री. प्रणव मुखर्जी यांच्या धर्मपत्नी श्रीमती सुबारा मुखर्जी यांचे दि. १८/८/२०१५ मंगळवार रोजी दिल्ली येथे दुःखद निधन झाले आहे. तसेच धुळे मनपा माजी बांधकाम सभापती कै. पितांबर महारु चौधरी (बोरसे) यांच्या धर्मपत्नी विद्यमान काकु व विद्यमान नगरसेविका सौ. कल्पनाताई सुरेश बोरसे यांच्या सासूबाई ग.भा. ठगुबाई पितांबर चौधरी (बोरसे) यांचे दि. १३/८/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले आहे.

तरी वरील प्रमाणे श्रधांजली ठराव पारीत करण्यांत यावा ही विनंती.

सुचक :- सौ. प्रतिभाताई चौधरी, गटनेत्या भाजपा तथा नगरसेविका मनपा धुळे

३) तसेच माजी राज्यपाल, आंबेडकरी चळवळीचे ज्येष्ठ नते भारतीय संविधानाचे भाष्यकार व सांसदीय लोकशाहीचे पहारेकरी असलेले मा. रा.सु. गवई उर्फ दादासाहेब गवई यांचे दिर्घ आजाराने दि. २५/७/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार मान्यवरांना श्रधांजली समर्पित करणेसाठी दोन मिनिटे मौन उभे रहावे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५१ दिनांक २५/०८/२०१५

सन्मा. सदस्यांच्या यादीनुसार भारताचे जेष्ठ शास्त्रज्ञ आणि माजी राष्ट्रपती भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम साहेब याचे ८३ वर्षी दि. २७/७/२०१५ रोजी शिलांग येथे दुःखद निधन झाले आहे. तसेच विद्यमान राष्ट्रपती श्री. प्रणव मुखर्जी यांच्या धर्मपत्नी श्रीमती सुबारा मुखर्जी यांचे दि. १८/८/२०१५ मंगळवार रोजी दिल्ली येथे दुःखद निधन झाले आहे.

माजी राज्यपाल, आंबेडकरी चळवळीचे ज्येष्ठ नते भारतीय संविधानाचे भाष्यकार व सांसदीय लोकशाहीचे पहारेकरी असलेले मा.रा.सु. गवई उर्फ दादासाहेब गवई यांचे दिर्घ आजाराने दि. २५/७/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले.

तसेच धुळे मनपा माजी बांधकाम सभापती कै. पितांबर महारु चौधरी (बोरसे) यांच्याधर्मपत्नी विद्यमान काकु व विद्यमान नगरसेविका सौ. कल्पनाताई सुरेश बोरसे यांच्या सासूबाई ग.भा. ठगुबाई पितांबर चौधरी (बोरसे) यांचे दि. १३/८/२०१५ रोजी दुःखद निधन झाले आहे.

वरील मान्यवरांचे दुःखद निधनामुळे या सभेस आतीव दुःख होत आहे. ही सभा त्यांचे कुटुंबियांचे दुःखात सहभागी असून मृतआत्म्यास चिरशांती प्रदानार्थ दोन मिनिटे मौन राहून भावपूर्ण श्रधांजली समर्पित करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x

महापौर,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज.

सन्मा. सदस्य श्री. कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता, सौ. कल्पना सुरेश बोरसे, सैयद साबीरअली मोतेबर, रमेश महादू बोरसे, सौ. सारिका प्रवीण अग्रवाल यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार त्यांची आजच्या सभेस रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

मा. महापौर

धुळे महानगरपालिका ठाराव नंबर १५२ दिनांक २५/०८/२०१५

सन्मा. सदस्य श्री. कमलेश नारायण देवरे, सभागृह नेता, सौ.कल्पना सुरेश बोरसे, सैयद साबीरअली मोतेबर, रमेश महादू बोरसे, सौ.सारिका प्रवीण अग्रवाल यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजुर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १२२

धुळे महानगरपालिका स्थायी समिती ठाराव नंबर ३३ दिनांक ३१/०३/२०१५ अन्वये शिफारस केल्यानुसार धुळे महानगरपालिकेचे सन २०१४-१५चे सुधारीत व सन २०१५-२०१६ चे अंदाजपत्रकास मंजुरी देणेबाबत विचार विनिमय करणे.

म. संजय जाधव

मा. महापौर महोदया, सदर अर्थसंकल्प हा चूकीचा व दिशाभूल करणारा अर्थसंकल्प आहे. मी यासंदर्भात यापूर्वीच अर्थसंकल्प तयार करण्यासाठी डिसेंबर महिन्यातच चाटड अकॉटंट यांची नियुक्ती करणेबाबत लेखी पत्र सादर केलेले होते. परंतु त्यावर कार्यवाही झालेली नाही. सदर अर्थसंकल्प हा सहा महिने उशीरा सादर केला जात आहे. सदर अर्थसंकल्प हा सहा महिने उशीरा सादर केला जात आहे. सदर अर्थसंकल्प हा सहा महिने उशीरा सादर केला जात आहे. आपल्याला आपल्या विकास क्षेत्रात कामे करावयाची आहे. मी वसुली व आस्थापना विभागाविषयी माहिती विचारलेली आहे. आपला आस्थापना खर्च वार्षिक किती आहे. तसेच मंजूर पदे, व मान्यता नसलेली पदे याविषयी माहिती द्यावी. सर्वात महत्वाचे आर्थिक उत्पन्न आपल्याला वसुली विभागाव्वारे प्राप्त होते. महानगरपालिकेची आर्थिक मदार घरपट्टी करावर आहे. मला वसुली विभागावर प्रश्न विचारावयाचे आहे. आपण ग.नं. १ ते ७ मध्यील मालमत्ताचे सर्वेक्षण केले आहे. मा.चंद्रभाऊ सोनार स्थायी समिती सभापती यांनी स्वतः पुढाकार घेऊन मोहिम सुरु केली होती त्यांचे पुढे काय झाले. सदर भाग हा बाजार पेठ एरिया असल्याने त्याठिकाणी जास्त दर लावणे अपेक्षित आहे. आपण स्लम एरियात जास्तीची कर आकारणी केलेली आहे. हा अन्याय आहे. याबाबत माहिती द्यावी.

म. वसुली अधिक्षक

आपण मालमत्ता सर्वेक्षणासाठी ७ गट तयार केलेले होते. यात दवाखाने, मंगल कार्यालय, शैक्षणिक संस्था, बँका इत्यादी प्रमाणे गट तयार करून संपूर्ण मोजमाप केलेले आहे. त्याप्रमाणे आकारणी करून नोटीसा देणेची कार्यवाही सुरु आहे. प्रत्येक विभागात मालमत्ता मोजमाप करण्यांत येत आहे. १५ ते २० टक्के काम झालेले आहे. कर्मचा-यांना अभावी काम गतीने होऊ शकत नाही.

मी संगणक बीलाची मागणी केलेली होती. वसुली निरीक्षकांकडून सहकार्य होत नाही. जोपर्यंत संगणकीय करण होत नाही तोपर्यंत आर्थिक वसुली वाढणार नाही.

म. संजय जाधव

६८ हजार मालमत्तांच्या नोंदणी संगणकात करण्यांत आलेली असून त्यांच्या बिलाची तपासणीचे काम सुरु आहे. याबाबत लवकरात लवकर कार्यवाही करण्यांत येत आहे. आस्थापना खर्चाविषयी माहिती द्यावी.

म. वसुली अधिक्षक

सन २०१४-१५या आर्थिक वर्षात मंजूर पदांवर एकुण ३१, २२, ६८, २२५/- खर्च झालेला आहे. मंजूर नसलेल्या पदांवर सुमारे ५.१९ कोटी खर्च झालेला आहे. रोजंदारी कर्मचा-यांवर सुमारे १.५४ कोटी खर्च झालेला आहे.

म. संजय जाधव

आज पावेतो खाजगी ठेक्यावर किती खर्च केला आहे. त्यांची माहिती द्यावी.

म. उपायुक्त (स.प्र.)

याबाबतची माहिती काढावी लागेल.

म. संजय जाधव

म. उपायुक्त (स.प्र)

म. संजय जाधव

मंजूर नसलेल्या पदांवर सर्वाधिक खर्च होत आहे तरी सुध्दा खाजगी ठेक्याने कर्मचारी लावले व करोडो रुपये खर्च केला गेला. जी पदे मंजूर नाहीत त्यासाठी काय उपाय योजना केली. आस्थापना विभागाचे ऑडीट होणे महत्वाचे आहे. सर्वात जास्त भ्रष्टाचार आस्थापना विभागात आहे. वसुली नंतर आस्थापना विभागाचा क्रमांक येतो. वसुली जळीत कांडासारखा प्रकार आस्थापना विभागात होण्याची शक्यता आहे. संपूर्ण आस्थापना विभागाचे संगणकीयकरण करण्यांत यावे. हा विषय गांभिर्याने घेण्यांत यावा. वसुली व आस्थापना विभागाचा समतोल राखावा. या सुचनांचा गांभिर्याने विचार करावा.

म. चंद्रकांत केले

अर्थसंकल्प हा डिसेंबर जानेवारीच्या मध्यपर्यंत तयार होणे आवश्यक होते. आपल्याला अंदाजपत्रक सादर करण्यांस दरवेळेस उशिर होतो. यासाठी सनदी लेखापालाची नियुक्ती करण्यांत यावी. सदर सनदी लेखापालामार्फत टप्प्याटप्प्याने नियमानुसार व व्यावहारीक अर्थसंकल्प सादर होऊ शकेल. आपला आस्थापना खर्च कायदयानुसार ३५ टक्के आवश्यक आहे. तो आज ६२ टक्के झालेला आहे. परंतु सदर खर्च कमी करण्यांचा मार्ग आहे. त्यासाठी आपल्याला आपले उत्पन्न वाढवावे लागेल. उत्पन्न वाढीचा विचार प्रशासनाने करावा. अवैध नळ कनेक्शन बाबत मी स्थायी समिती सभापती असतांना कडक भूमिका घेऊन संबंधित नळ कनेक्शन धारकांवर फौजदारी गुन्हे दाखल करण्याबाबत आदेशित केलेले होते. तथापि त्याबाबत गांभिर्याने कार्यवाही झालेली नाही. ५ - १० लोकांवर फौजदारी गुन्हे दाखल झाल्यास अवैध नळ धारकांवर आळा बसेल व पर्यायाने मनपाचे उत्पन्न वाढण्यांस मदत होईल. तसेच ५ वा व ६ वा वेतन लावण्याबाबत लेखा परीक्षणात आक्षेप आलेला आहे. ते खेरे आहे काय? त्यावेळी प्रशासनाने कार्यालयीन टिप्पणी कशी सादर केली.

म. आयुक्त

मनपाने आपल्या आर्थिक परिस्थितीनुसार निर्णय घ्यावा असे शासनाचे निर्णयात नमूद होते.

म.फिरोज शेख

आज बजेटची मिटींग आहे. ५ महिने मिटींगला उशिर झालेला आहे. ४ महिन्यापूर्वी भोसले साहेब रुजू झाले आहे. आज धुळे शहराच्या विकासाचा प्रश्न आहे. ४ महिन्यानंतर आम्हाला २ वर्ष पूर्ण होतील. त्या कालावधीत किती विकास कामे झाली. शहराची परिस्थिती वाईट होत आहे. दिवसेदिवस समस्या वाढत आहेत. आयुक्त सांगे. एकत नाही. आयुक्त सांगे. यांनी २२ एप्रिलला पत्रकार परिषद घेतली होती. या परिषदेत धुळे शहराच्या विकासाचे स्वप्न रंगविले होते. आम्हाला आनंद झालेला होता. आपण जनतेमध्ये दहशतीचे काम सुरु केलेले आहे. आपण १ ऑगस्ट पासून विकास कामे होतील असे आश्वासन दिलेले होते. किती विकास कामे झाली याचा खुलासा करावा. आपण गरीब लोकांचा पाणीपुरवठा बंद केला. त्यांना पाण्यापासून वंचित केले. मच्छीबाजार येथील अतिक्रमण तोडले त्यांची पर्यायी व्यवस्था आज तागायत केलेली नाही. फेरीवाले आपण काढले त्यांची पर्यायी व्यवस्था नाही. वार्डात साफ सफाई नाही. आमच्या वार्डातील सफाई कर्मचारी कमी केले. माझा सर्वात मोठा प्रभाग आहे. यांत १५ ऐवजी ३ लोक दिले आहे. त्यामुळे स्वच्छतेचा बोजवारा उडालेला आहे. नाल्या तुंबलेल्या आहेत. ठिक ठिकाणी कच-याचे ढीग पसरलेले आहेत. तुमच्यामुळे जनतेला त्रास होत आहे. मोबाईल टॉवरला आपण परवानगी दिली. माझ्याकडे शासन निर्णय आहे. आपण १०० मिटर पर्यंत परवानगी देऊ शकत नाही. ७५ टक्के लोकांचे नाहरकत घेणे आवश्यक आहे. लोक मोर्चे घेऊन येत आहेत तक्रारी करीत आहेत तरी तुम्ही एकत नाही. आपले उत्पन्न वाढणेसाठी आपण लोकांच्या जिवनाशी खेळत आहोत. तुम्ही शासनाच्या निर्णयाविरुद्ध काम करीत आहांत. आपण हायमस्ट लाईट बंद केलू त्यामुळे चो-यांच्या प्रमाणात वाढ झालेली आहे. भागात अंधार होत आहे. वीज बील कमी झाले आहे काय. बचत काहीही नाही. विकास कामांसाठी तरतूद होणे आवश्यक आहे आपण १३६ कोटीच्या पाणीपुरवठा योजनेवर मन लावून काम करीत आहांत. कामाची मुदत किती वर्षांची आहे.

कुठे काम चालू आहे. ठेकेदाराने काम बंद केलेले आहे. आपण २५ कोटी देऊन टाकले. मुदत झाल्यावर ठेकेदार पैसे वाढवून मागेल. ८ महिने झालेले आहेत कामात प्रगती नाही. आपण काय कार्यवाही केली. आपण पैसे दिले तर काम करून घ्या. नाही तर याची सर्वस्वी जबाबदारी आपणावर राहील. प्रभारी लेखापाल बाळू रनाळकर यांची पोस्टींग कुठे आहे. त्यांना बजेट बनविता येतो का? त्यांची लस टोचक म्हणून नेमणूक आहे. मनपा अधिनियम १९४९ च्या कलम७४ अन्वये नगरसेवकांना माहिती घेणेचा अधिकार आहे. आपण विकास कामांकडे काय लक्ष दिले आहे. जर मुलभूत सुविधा पुरविल्या नाही तर मनपा बरखास्त होण्याचा मुद्दा आहे. आपण त्यादृष्टीने प्रयत्न करीत आहांत. तुम्ही ७५ नगरसेवकांना तुमच्याकडे बैठकीसाठी बोलविले प्रत्येकाकडून कामांची यादी घेतली. १ ऑगस्ट पासून काम करण्यांचे आश्वासन दिले. पण कोणतेही काम अद्याप पावेतो झालेले नाही आपण फक्त हो म्हणतात पण करत काहीच नाही. नगरसेवकांना माहिती विचारण्यांचा व घेण्यांचा अधिकार आहे. आपण त्यांच्यावर गुन्हे दाखल करतात. कोणत्या कायदयान्वये गुन्हा दाखल केलेला आहे.

म.नरेंद्र परदेशी

आम्ही नियमानुसार सुचना मांडू शकतो या सभागृहाला अधिकार आहे. याठिकाणी पहिले आयुक्त यांच्या विरोधात निषेधाचा ठराव करण्यात यावा आयुक्त यांनी नगरसेवकांवर खोटे गुन्हे दाखल केले आहे. त्यांनी त्यांच्या अधिकाराचा गैरवापर केला आहे. त्यांचा निषेध ठराव करून शासनाकडे पाठविण्यात यावा.

म. महापौर

याठिकाणी सन्मा.सदस्यांनी, माझ्याकडे जे पत्र दिले आहे ते लक्षवेधी म्हणून घेता येणार नाही. ही अंदाजपत्रकाबाबत विशेष महासभा आहे. त्यामुळे या महासभेत लक्षवेधीवर ठराव करणे कायदेसंमत नाही. याठिकाणी सदस्यांनी सह्या करून आयुक्तांविरुद्ध निषेधाचा ठराव करणेची मागणी केली आहे. सदस्यांच्या भावना लक्षात घेऊन याबाबत इतिवृत्तात नोंद घेण्यांत येईल.

म.उपमहापौर

महापौर महोदया, आयुक्त यांचा निषेधाचा ठराव पुढील सभेत घेण्यात यावा असे आपण रोलींग देण्यात यावे. यापुढे आयुक्त महोदयांनी आपल्याकडे भागातील कामांसाठी सन्मा.नगरसेवक, नगरसेविका येत असतात त्यांना सुविधा दिल्या गेल्या पाहिजे यापुढे आयुक्त महोदयांनी सन्मा.नगरसेवकांचा सन्मान केला नाही तर मी राजीनामा दर्इल यापुढे कुणीही नगरसेवक आपली परवानगी घेऊन आपल्या दालनात येणार नाही याची नोंद घ्यावी. आयुक्तांकडे कामासाठी अतिरिक्त कर्मचारी कार्यरत आहेत. एवढया कर्मचारी आवश्यकता आहे का? कार्यालयांत ३ पी.ए. ठेवलेले आहेत. यात नवीन संजय अग्रवाल यांना विशेष पी.ए. म्हणून घेण्यांत आलेले आहे.

म.फिरोज शेख

भागातील कामासाठी फोन केला तर आपले पी.ए सांगतात काय काम आहे तुम्ही एवढे तुमच्या कामा व्यस्त असतात का? मी १५ दिवसांपासून पाठपुरावा करीत आहे परंतू साधे चेंबरचे काम झालेले नाही. आमची काय लायकी आहे नगरसेवकांनी कोणाकडे जावयाचे तरी भागातील तातडीच्या कामांकडे लक्ष देण्यात यावे.

म.गुलाब माळी

सन २०१५-१६ चे बजेट सादर केले आहे. आज शहरामध्ये वाईट परिस्थिती झाली आहे. मुलभूत सुविधा मिळत नाही आपण विकास कामांसाठी ५ लाख रुपयाची नगरसेवक निधी मधून तरतूद प्रस्तावीत केली आहे. ५ लाख रुपयामध्ये भागातील विकास कामे कशी होणार आहे याचे उत्तर देण्यात यावे. महानगरपालिकेची परिस्थिती खराब आहे तर का खराब आहे तर हे आपल्यालाही माहिती आहे. म.नपामध्ये उत्पन्न का येत नाही हे आपल्यालाही माहिती आहे आज नागरीक टक्स भरण्यासाठी तयार आहेत पालिकेचे उत्पन्न कसे वाढविता येईल हे मी आपल्याला सांगतो आज शहरातील नागरीक टक्स भरण्यासाठी तयार आहेत यासाठी शास्ती माफ केली तर भिंवंडी महानगरपालिकेमध्ये शास्ती माफ करण्यात आली आहे. आणि त्याचप्रमाणे धुळे मनपा मध्ये शास्ती माफ करण्यात यावी यामुळे २० दिवसांमध्ये २० कोटी

म. अमिन पटेल

रुपये पालिकेमध्ये जमा होऊ शकतील. २० कोटी रुपयामध्ये शहराचा विकास होऊ शकतो. तरी विकासकामासाठी नगरसेवक निधीसाठी २५ लाख रुपयाची तरतुद करण्यातयावी आज भागामध्ये मुलभूत सुविधा नाहीत आरोग्याविषयी समस्या आहे. आरोग्याचे कार्यालय नवरंग पाण्याच्या टाकी येथे असल्याने नगरसेवकांच्या तक्रारीची दखल घेतली जात नाही. माझ्या प्रभागामध्ये ८ शौचालये आहे त्याठिकाणी २० दिवसांपासून त्यांचे लाईट बंद आहे त्याच्याकडे लक्ष दिले जात नाही. मुलभूत सुविधेकडे लक्ष दिले जात नाही हे सत्ताधारी राष्ट्रवादी पार्टीला बदनाम करण्यात येत आहे. मुलभूत सुविधा भागामध्ये पुरविल्या पाहिजे माझ्या प्रभागामधील स्वच्छतेचे ११ कर्मचारी कमी करून टाकले आहे. आपण मागे सभेमध्ये कर्मचारी वाढवण्यात येईल म्हणून रोलिंग दिले होते परंतु अद्यापपर्यंत कर्मचारी वाढविलेले नाही. बजेटमध्ये तरतुद केली जाते पण काम होत नाही. जेसीबी मशीन एक महिन्या पासून बंद आहे आम्ही मागणी केली आहे आमच्या भागामधून नाले वाहत जातात त्यांची साफसफाई झाली पाहिजे. बजेटमध्ये २५ लाख रुपये जेसीबी भाड्याचा खर्च दाखविलेला आहे तर या पैशामध्ये २३ लाखा मध्ये नवीन जेसीबी मशीन खरेदी करता येईल. तरी या सभेमध्ये मालमत्ता करावरील शास्ती माफ करण्याचा ठराव करण्यात यावा तसेच नगरसेवक विकासनिधीसाठी २५ लाख रुपयाची तरतुद करण्यात यावी मी आपल्याला एक निवेदन सादर करीत आहे.

म.आय.एल पठाण

मा.आयुक्त महोदय, मी माझ्या भागातील समस्या घेऊन आलो होतो. आपल्या डायरीमध्ये तशी नोंद असेल. तुम्ही आमच्या भागामध्ये पाहणी करावयास येणार होते परंतु आपण भेट दिलेली नाही. आमच्या भागात शौचालयाची समस्या आहे. आरोग्य निरीक्षक श्री.दिलीप वाघ यांचा तसा रिपोर्ट आहे. शौचालयाची समस्या असल्याने भागातील नागरिक आमच्याकडे येऊन बरे वाईट बोलतात त्याठिकाणी आमची शौचालयाची मागणी आहे. त्याठिकाणी शौचालय झाले नाही आणि काही घटना घडली तर त्यास आयुक्त हे जबाबदार राहणार आहे. याबाबत मी आपल्याला ८ दिवसा पूर्वीच पत्रही सादर केले आहे. परंतु त्यावर कार्यवाही झालेली नाही. ही आपली कुठली कामाची पध्दत आहे सन्मा.सदस्य श्री.संजयभाऊ गुजराथी श्री.नरेंद्रभाऊ परदेशी त्यांच्यावर तुम्ही गुन्हे दाखल करतात तुम्ही गुन्हे दाखल केले म्हणून मी निषेध करतो. नगरसेवकांची ही काय आपण किंमत केली आहे मी माझ्या भागातील समस्येसाठी आपल्याल दालना बाहेर २० मिनीटे बसलो होतो परंतु आपण दखल घेतली नाही. आपण माझ्या भागातील समस्येकडे लक्ष द्यावे.

म.महापौर

याठिकाणी आयुक्त महोदयांना सांगु इच्छिते की सन्मा.सदस्यांना चांगली वागणूक दिली जात नाही हा विषय यापूर्वी देखील महासभेत आला होता बराच वेळ या विषयावर वाद झाला होता सन्मा. सदस्यांना सन्मानपूर्वक वागणूक आपल्याकडून दिली गेली पाहिजे ती वागणूक आपल्याकडून दिली जात नाही म्हणूनच नगरसेवक सभागृहात बोलत असतात त्यामुळे यापुढे दखल घेण्यात यावी. सन्मा सदस्यांचा अपमान होणार नाही अशी कुठलीही वागणूक आपल्याकडून अपेक्षित नाही याची नोंद घेण्यात यावी.

म.संजय गुजराथी

आदरणीय महापौर, उपमहापौर सन्मा.सदस्य आताच महापौरांनी आयुक्तांना आदेशित केले की, नगरसेवकांना सन्मानाची वागणूक देण्यात यावी तुमच्या लेखी ठरावाची कदर करत नाही त्याला केराची टोपली दाखवितात तर हा आदेश ते पाळतील का मागच्या सभेतला एक लेखी ठराव आपण बील न देण्याचा तुम्ही केलेला त्याला डायरेक्ट केराची टोपली दाखविली तर हा आदेश ते पाळतील का तुमचा यावर आपण उत्तर द्यावे आज शोकांतिका आहे धुळै मनपाच्या इतिहासातली की, उपमहापौरांना आज व्यासपिठावरून खाली यावे लागले. पण महापौर साहेब तुम्ही खाली आले नाही ही शोकांतिका आहे. उपमहापौरांना कळाली जनतेची आणि नगरसेवकांची व्यथा परंतु तुम्ही उतरून खाली आला नाहीत तुम्ही कितीही पाठीशी घाला आयुक्तांना परंतु हे सभागृह सार्वभौम आहे. या सभृताचे काही नियम आहे याठिकाणी

भ्रष्टाचाराला पाठीशी घालणार असतील तर या सभागृहातील सर्व नगरसेवक एक होतील आम्हाला कुणाचाही पक्ष माहीत नाही फक्त धुळेकर जनता माहित आहे. १३६ कोटी रुपयाच्या पाणी पुरवठ्याचा विषय आणि धुळे शहराच्या विकासासाठी बजेटचा विषय महत्त्वाचा आहे. १३६ कोटी रुपयाची पाणी पुरवठ्याची योजना तुमच्या पक्षाचे आदरणीय श्री.राजवर्धनजी कदमबांडे साहेब यांच्या प्रयत्नातून आलेली आहे. मान्य करतो आम्ही परंतु ही योजना पारदर्शकपणे झाली पाहिजे शहरातील प्रत्येक घराला पाणी मिळाले पाहिजे आणि ते पाणी आल्यानंतर मनपाचे उत्पन्न वाढेल यासाठी शिवसेना सभागृहात आग्रही होती या पद्धतीने १३६ कोटी पाणी पुरवठ्याच्या योजनेचा भ्रष्टाचार होत होता तो आम्ही वेळोवेळी तुमच्या निर्दर्शनास आणून दिला १३६ कोटी रुपये पाणीपुरवठा योजनेचे आयुक्तांना काही घेणे देणे नाही त्यांचा काही आतला व्यवहार झाला असेल तर त्यांचे त्यांना माहीती पण इथे स्वाभिमानी लोक या सभागृहात धुळे शहरात राहतात हे आयुक्तांनी लक्षात ठेवावे महापौर महोदया दुःख एका गोष्टीचे वाटते ज्या पोट तिडकीने आज सभागृहात सर्व सदस्य उठले आणि १३६ कोटी योजनेचा भ्रष्टाचार या धुळे शहरात सातत्याने गाजत आहे. तुम्ही आयुक्तांना या भ्रष्टाचाराशी पाठीशी घालतात. ही शोकांतिका आहे धुळेकर नागरिकांनी समजावयाचे काय एक तुमचे नेते धुळे शहरासाठी योजना आणतात त्यांच्या नेतृत्वाखाली मार्गदर्शनाखाली महापौर म्हणून विराजमान झालात या सभागृहात तुमच्या पक्षाच्या सदस्यांना तुमच्या कडूनअपेक्षा आहेत.कुठलेही सदस्य या महानगरातून निवडून आल्यानंतर या महापालिकेत नागरीकांचे काम घेऊन येत असतो मग ही काम प्रामाणिकपणे व्हावीशी वाटतअसतील तर मग का म्हणून चूकीच्या कामांना आणि आयुक्तांना त्यांच्या भ्रष्टाचाराला पाठीशी घालत आहे काय वाटत असेल तुमच्या नेत्यांना ज्यांनी या धुळेकरांसाठी ही योजना आणली शोकांतीका आहे महापौर साहेब हा जो बजेट आयुक्त महोदयांनी जो बजेट दिला आहे हा बजेट धुळेकर नागरीकांच्या दृष्टीने मुलभूत गरजा एकही याच्यात नाही नागरीकांना वेठीस धरण्याचा हा बजेट आहे. याच्यात एकही सुविधा धुळेकर नागरीकांसाठी घेतलेली नाही फक्त ह्या धुळे शहरात या बजेट मधून विकास कामच होणार नाही असा लेखी प्रस्ताव आयुक्त महोदयांनी दिलेले आहे आणि या धुळे महानगरपालिकेचा आर्थिक नुकसान करण्याचा कोणाला अधिकार आहे का साहेब तुम्हाला विचारतो आहे .पाणीपुरवठा योजनेसाठी पाईप, व्हॉल्ड्ह, मशिनरी ही बाहेरुन आलेली आहे मग बाहेरुन आल्यानंतर जर कधी दुकानदारांना आपले कर्तव्यदक्ष अधिकारी पठारे साहेब यांनी दुकानांना सील लावून लाखो रुपये एलबीटी वसूल केला आहे मग त्याच्याकडून एलबीटी का वसूल केला नाही. ०.२५ टक्के का वसूल केला त्या ठेकेदाराकडून हा माझा प्रश्न आहे त्या ठेकेदाराला ०.२५ टक्केच का एलबीटी वसूल केला तुम्हाला महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसान करण्याचा तुम्हाला नैतिक अधिकार काय मला एखादा कायदा दाखवून द्यावा पठारे साहेबांनी ०.२५ पैसे वसूल करण्याचा नियम कायदा राज्य शासन हायकोर्ट सुप्रीम कोर्ट, अधिनियम १९४९ मला दाखवून द्यावे मला महापौर महोदया, श्री.पठारे साहेबांना खुलासा करण्यासाठी आदेशीत करावे.

म.उपायुक्त

म.संजय गुजराथी

नगरविकास विभाग अधिसूचना क्रमांक स्थानिक संस्था कर ४०६४६ ऑगस्ट २०१२ अन्वये ४ व ५ मध्ये समावेश करण्यात आले आहे त्यामध्ये एकूण रकमेच्या .२५ टक्के दराने त्याच्या पुढचे काय आहे ते वाचून दाखवता का मी दाखवू तुम्हाला आता तुमचेच पत्र तुम्हाला वाचून दाखवतो.महापौर महोदया आपल्या माहितीसाठी सांगतो नगरविकास विभागाचे हे पत्र आहे लेखापालला पत्र दिले आहे त्याच्यात म्हटले आहे आर अ मधील विभाग ६ ऑगस्ट २०१२ चे आदेशीत कलम ५ मध्ये महानगरपालिकेच्या क्षेत्रात कोणतेही काम हाती घेण्यासाठी शहराच्या हदीत आयात केलेल्या मालाच्या किंमतीवर एकतर स्थानिक संस्था कर प्रदान करण्याचा किंवा, किंवा शब्द

वापरला आहे किंवा त्याच्या कंत्राट मूल्याच्या एकूण .२५ टक्के स्थानिक संस्थाकर किंवा मूल्याच्या कंत्राटदारी मूल्याच्या २५ टक्के मग तुम्ही कोण ठरवणार कि .२५ टक्के घ्यायचा का स्थानिक संस्थाकर घ्यायचा आयुक्त साहेब तुम्हाला माहिती असेल तर तुम्ही उत्तर द्या तुम्ही कोण ठरवणार

म.उपायुक्त

हे वर्कचे काम आहे आपल्याकडे जे काही कर्मचारी आहे त्याचे जे काही हिशोब चेक करावा लागतो मनुष्यबळ आपल्याकडे तेवढे नाही त्यामुळे आपण .२५ घेतले.

म.संजय गुंजराथी

महापौर साहेब हे जर उत्तर देत नसेल आतापर्यंत जेवढा माल धुळे शहरात आला आहे त्याची रिकझरी करण्याचा ठाराव करा आम्हाला वार्डाध्ये तोंड द्यावे लागते ह्या बजेटमध्ये महानगरपालिकेच्या फंडातील एकही सुविधा होणार नाही असे स्पष्ट म्हटले आहे. अशा भ्रष्टाचार करणाऱ्याता पाठीशी घालतील तर लाखो रुपये महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसान करतील तर कसा काय धुळे शहराचा विकास होणार आहे. आपण त्यांचा ठाराव करता आहेत किंवा नाही त्यांच्या कडून रिकझरी करण्यात यावी स्थानिक संस्थाकर म्हटले आहे किंवा ऑर शब्द वापरलेला आहे महापौर महोदय याचे उत्तर या सभागृहात देण्यात यावे आम्ही महानगरपालिकेत लेखी माहीती विचारली होती या धुळे शहराचे नुकसान होऊ नये या महानगरपालिकेचे नुकसान होऊ नये या धुळे शहरात होत असलेल्या योजनेच्या कामाची महापौर, आणि आयुक्तांनी पाहणी केली आहे किंवा नाही याचे लेखी किंवा तोंडी सुचनांचे माहीती मिळावी त्याच्यात मला लेखी उत्तर असे मिळाले आहे की तर मला प्रति कोणत्या दिल्या तर तुम्ही जे महापौर यांनी आयुक्तांकडे पत्र दिले होते तुम्ही जे आयुक्त साहेबांना पत्र दिले होते कि बील अदा करण्यात येऊ नये असे जे लेखी पत्र होते ते दिले महापौर महोदय आणि आयुक्त महोदय यांनी याठिकाणी आज पर्यंत योजनेच्या कामावर प्रत्यक्ष जाऊन पाहणी केली नाही असे पत्र हे स्पष्ट म्हणत आहे या पत्रात दिसत आहे जर कधी छोटा कॉट्रक्टर या महानगरपालिकेमध्ये ५ लाखाचे काम करतो हे आयुक्त महोदय टेप घेऊन ५ लाखाचा रस्ता मोजायला जातात कॉट्रक्टरचा आणि १३६ कोटी रुपये योजनेची पाहणी करायला तुम्हाला वेळ मिळाला नाही का तुम्ही न जायची सुपारी खाल्ली आहे का का पाहणी करायला गेला नाहीत मला सांगावे एवढे कर्तव्यदक्ष अधिकारी समजतात १५ हजार रुपये तुमच्यावर दर महा सिक्युरीटीवर खर्च होतात आणि एवढे मनपाचे नुकसान होत असतांना आयुक्त पाहणी करायला गेले नाही महापौरही गेले नाही मग तुम्हाला बील काढण्याचा अधिकार काय आहे एवढे बील का काढले त्याचे बील काढा यच्या वेळेस डोळ्यावर पट्टी बांधून घेतली होती का एक छोटेसे ५ लाखाचे काम केले तुम्ही हातात टेप घेऊन त्यांचा रस्ता मोजतात आयुक्त साहेब धुळे शहरात या लोकांना ६० पिंड्या काढावयाच्या आहेत योजनेचे काम झाले नाही तर त्याविरुद्ध सर्व नगरसेवक आंदोलन करतील आणि गुन्हे कसे दाखल होतील हे बघा आमच्या नगरसेवकावर १०० खोटे गुन्हे दाखल केले तरी त्यांची पर्वा नाही परंतु आप्ही खोटे काम होऊ देणार नाही. आणखी एक जबाबदारी महासभेला पार पाडावयाची आहे. मी त्याच विषयावर बोलत आहे विषय सोडून बोलत नाही तुम्ही महासभेच्या पूर्वसंध्येला दरेवार साहेबांना कार्यमुक्त केले होते तुमच्या पहिल्याच्या आयुक्तांनी शासनाला पत्र लिहीले होते की, दरेवार साहेबांवर कारवाई करण्यासंदर्भात नगरविकास खात्याला पत्र दिले होते. जेव्हा कारवाई करण्यासंदर्भात पत्र लिहिले होते. या माणसाचा विषय झाला होता महापौर मॅडम नगरसेवकांच्या सहीने विनंती केली होती. कारवाई व्हावी त्यावेळेस त्यांनी वरतुन नगरविकास विभागाकडून माहीती मागविली होती त्यावेळेस ३० जुलै २०१५ ला आयुक्त महोदयांना शासनाकडून, नगरविकास विभागाकडून पत्र आलेले आहे. त्यांनी म्हटले आहे आयुक्त धुळे महानगरपालिका शिस्तभंग होणेची कारवाई आपले पत्र क्रमांक.धुळे म.न.पा/आस्थापना/१३४/ दिनांक २७/०३/२०१५ ला गेलेले पत्र तुम्हाला मिळाले ३० जुलैला त्याच्यात असे म्हटले आहे कक्ष अधिकारी

महाराष्ट्र शासन खु.द धोंडे साहेब आयुक्तांना पाठविलेले आहे. संदर्भीय पत्रान्वये आपण दरेवार उपअभियंता यांच्यावर शिस्तभंगाची कारवाई करणे बाबत प्रस्ताव दिलेला आहे. त्यांच्यावर शिस्तभंगाची कारवाई करण्यासाठी त्यांच्यावर दोषारोप पत्र अ,ब,क,ड व शासन आवश्यक त्या कागदपत्रांसह सुस्पष्ट प्रस्ताव सादर करावा ही विनंती. आपण त्याच्यावर काय कारवाई केली याचा अहवाल आपण काय पाठवला किंवा नाही याचा खुलासा करावा. आदरणीय नगरसेवक, श्री.संजय गुजराथी यांनी प्रश्न विचारलेला आहे.परवाच माझ्याकडे त्या विषयाची नस्ती माझ्याकडे आली होती त्याच्यात अ,ब,क,ड ची माहीती बनवली आहे ती पाठवण्यात येणार आहे.

म.आयुक्त

म.संजय गुजराथी

आपण अहवाल पाठविल्यानंतर मला त्याची प्रत देण्यात यावी म्हणजे आम्हाला कळेल की त्याच्यावर काय कारवाई झाली. तसेच १३६ कोटी रुपये योजनेची व्हीडिओ शुर्टींग का करण्यात आली नाही मागचे सर्व पत्र तुम्हाला माहीत आहे मागच्या सर्व गोष्टी अवगत आहे ही गोष्ट सुध्दा अवगत असली पाहिजे महापौर महोदया, आपण एक जबाबदार महापौर आहात धुळे शहरातून सभागृहातील सर्व जबाबदार नगरसेवक स्विकृत नगरसेवक हे जनतेच्या कामासाठी निवडून आलेले आहे. बजेटमध्ये शहरातील सोयी-सुविधांचा विचार केलेला नाही. आज बजेट हा पहिल्यांदा असा ठरला आहे की त्याच्यात आयुक्त महोदयांनी त्या महाशयांचे ऐकून धुळेकर जनतेला पाणी वेळेवर न देणे बाहेर गावचे व्हॉल्वमन भरणे शहरातील लाईट बंद करून जनतेला त्रास देणे ज्या न त्या त्रास देता येईल त्या गोष्टी केल्या त्यांनी सांगितले होते एक महिन्यात पाण्याचे नियोजन करण्यात येईल. परंतु एकही नगरसेवकाच्या वार्डात २ दिवसाआड पाणी येत नाही. सर्व नगरसेवकांच्या वार्डातील नागरीक ओरडत आहेत ज्यांना बाहेर जावयाचे असते उत्सवाचे दिवस येत आहेत आणि पाणी वेळेवर येत नाही. आपले प्रशासनावर लक्ष ठेवणे हे आयुक्तांचे काम आहे. कारण तुम्ही पगार घेत आहे महापौर महोदया याठिकाणी आमचे कर्तव्य आहे कि,जसे आम्ही सांगतोय तुम्हाला बजेटमध्ये प्रत्येक नगरसेवकाच्या वार्डमध्ये २५ ते ३० लाख रुपये निधी आला पाहिजे जर तो निधी येत नसेल तर उत्पन्न वाढविणे आपले काम आहे. मी सांगूझिच्छितो आयुक्त महोदय सातत्याने वर्तमान पत्रात एक बातमी छापली आहे. भोगवटा प्रमाणपत्राच्या बाबतीत, भोगवटा प्रमाणपत्र नागरिकांना द्यावे लागेल हे देखील आपण सांगितले होते.७० नगरसेवक अपात्र होऊ शकतात काही अतिक्रमणात राहतात अतिक्रमण भोगवटा प्रमाणपत्राच्या बाबतीत तुम्ही असे देखील म्हटले होते नगरसेवकांनी एकही भोगवटा प्रमाणपत्र घेतलेले नाही. आयुक्त महोदय, तुम्ही ज्या घरात राहतात त्याचे भोगवटा प्रमाणपत्र आहे का? आहेत का तुमच्याकडे प्रमाणपत्र, प्रमाणपत्र तर जाऊ द्या आमच्या फिरोज भाईंनी सांगितले की, अतिक्रमण काढले, हॉकर्स वाल्यांना काढले त्यांना विस्थापित केले. आयुक्त साहेब तुम्ही स्वतः अतिक्रमणामध्ये राहत आहेत मयुर गार्डनची ओपन प्लॅस आहे त्या गार्डनमध्ये राहत आहे. तुम्हाला नैतिक अधिकार नाही अतिक्रमणामध्ये राहण्याचा सभागृहाच्या वतीने विनंती करतो आजच्या आज ते घर खाली करावे तुम्ही या धुळे शहरातील अतिक्रमणाचा विषय तुम्ही उचलत असाल, आणि विस्थापित करीत असाल आणि धुळे शहरातल्या ५ लाख नागरीकांना भोगवटा प्रमाणपत्र घेण्याच्या नावाखाली तुम्ही अतिक्रमण म्हणून तुम्ही ५ लाख लोकांना दमदेत असाल तर तुम्ही स्वतः अतिक्रमणामध्ये राहतात तुम्ही स्वतः भोगवटा प्रमाणपत्र घेतले आहे का त्याचे आहे का उत्तर द्यावे मला सांगा अतिक्रमण आहे किंवा नाही. आपण आदेशीत करावे महापौर साहेब, आणि जर तुम्ही आदेशीत नाही केले तर मी असे समजेल की, तुम्ही अतिक्रमण करणाऱ्यांना पाठीशी घालतात आहे. जर एखाद्या सदस्याला अतिक्रमणाच्या पाठीशी धातले तर कोर्टीचा अवमान होतो डिस्कवालिफाईड केले जाते याची काळजी घ्या आणि आजच्या आज ते घर खाली करायला लावा अतिक्रमणामध्ये राहण्याचा अधिकार नाही आयुक्त साहेबांना जर राहत

असतील तर धुळे शहरातील एकही अतिक्रमणाला हात लावणेचा अधिकार तुम्हाला नाही. आयुक्त महोदय, जर कधी मी काय आहे हे समजणेपेक्षा मी का आहे हे समजले पाहिजे माणसाने. तुम्हाला माहिती आहे तुम्हाला त्याच दिवशी सांगितले होते तो आय.पी.सी कलम अधिनियम १९४९, एमआरटीपीआर नुसार संजय गुजराथीवर कारवाई करा म्हटले अपात्रतेची हे मी सांगितले होते. तुम्हाला संजय गुजराथी येथे येतात त्यांच्या कामासाठी येतात ७० नगरसेवक हे जनतेच्या कामासाठी येतात. सन्मा.सदस्य गोविंदभाऊ साखला राष्ट्रवादीचे नगरसेवक कार्यरत आहेत त्यांचे वार्डात मतदारांची ४ दुकाने आहेत त्या ४ दुकानांमध्ये त्या स्मशानभूमिने त्यांना दिलेली जागा आहे. त्यानंतर नगरपालिकेने ठारव केला होता त्यांना जागा द्यावयाची श्री.पठारे साहेब त्याठिकाणी होते. महानगरपालिकेचे तेथून गटार आणि स्मशानभूमीची जागा याच्यात फक्त १ फूट गटारीमागे १ फूट सोडून आयुक्त महोदय काय होते तेथे मनपाचे उत्पन्न सुरु करणार होते. हे आपण सांगावे मी पठारे साहेबांना विनंती केली होती. मी अतिक्रमणाला पाठीशी घालायला आलेलो नाही पण मला उत्तर द्यावे १ फूटामध्ये मनपा काय उत्पन्न साधणार आहे. त्यावेळेस आयुक्त महोदयांनी तुमच्या ड्रायव्हरला निरोप दिला साहेबांनी सांगितले तुमचे काम सुरु आणि मोहीम सुरु ठेवा साहेब तुम्ही गोविंदादा साखलांच्या मतदारांचे अतिक्रमण काढताय तुम्हाला अतिक्रमणामध्ये राहण्याचा अधिकार काय आहे महापौर महोदया कृपया करून आदेशीत करावे याठिकाणी मनपाचे उत्पन्न वाढवावे म्हणून ही जी मनपाची दुकाने आहेत, घरपट्टी आहे, कलामंदीर आपण फूकट दिलेले आहे का? आपली साडेतीन कोटीची वास्तू आहे ती दान म्हणून दिलेली आहे का कलामंदीराची याठिकाणी आवक लिहलेली नाही बगीचाचे उत्पन्न, कलामंदीराचे उत्पन्न दाखविलेले नाही त्याच्यात दुकान भाडे तुम्ही फक्त २९ लाखाचे उत्पन्न दाखविले धुळे महानगरपालिकेचे किती शॉपिंग कॉम्प्लॅक्स आहेत तुम्हाला माहीत आहे का तुम्हाला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स किती आहेत ते माहीत नाही अंदाजपंजे अहवाल दिला आहे. सभागृहाच्या वर्तीने विनंती करतो महापौर महोदया, जर या दुकानांचे भाडे कमी असेल तर आपल्याला अधिकार आहे त्यात वाढ करण्याचा पुढे ७ वा वेतन आयोग येत आहे नागरिकांना मुलभूत सुविधा द्यायच्या आहेत ते जुने भाडे रद्द करा आणि या महासभेत ठारव करा मनपाचे जेवढे शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आहे त्यांना रेडीरेकनर नुसार रेट लावून त्याचे भाड्यात वाढ करून ३५ कोटी रुपयाचे उत्पन्न धुळे महानगरपालिकेचे वाढणार आहे हे मी आपल्याला सभागृहात बोलतोयया ३५ कोटी रुपयांमधून प्रत्येक नगरसेवकाला वार्डाच्या विकासासाठी निधीसाठी किमान २५ लाख रुपये दिले पाहिजे. आयुक्त महोदय, विरोधी पक्ष नेता असतांना १११ टॉवर होते आम्ही ११ टॉवर पाडले उरले १०० तुमच्या आशिर्वादाने १४९ टॉवर झाले ४९ टॉवरला परवानगी कशी दिली तुमचे किती बारीक लक्ष असत आणि मला सांगितले तुम्ही ते टॉवर त्यांनी डायरेक्ट अर्ज भरले आणि देऊन टाकले हे टॉवर तुम्ही कधी पाडणार त्याची फ्रिक्वेन्सी किती असली पाहिजे हे मी तुम्हाला सांगितले. जर या टॉवरने कॅन्सर होतो हे सुप्रीम कोर्टने सिध्द केलेले आहे मग का म्हणून तुम्ही धुळेकरांचा जीव घेता आहात चांगले करु शकत नाही तर वाईट तरी करु नका तुम्हाला अधिकार नाही ते टॉवर तुम्ही पाडले पाहिजे सक्षम अधिकारी तुमच्याकडे आहेत. तुमच्या कृत्यामुळे एकही नागरिक कॅन्सरमुळे दगावणार नाही अशी अपेक्षा सभागृहातील सदस्य आपल्याकडून करीत आहेत हे टॉवर पाडले गेले पाहिजे. एकदा का करार संपला तर कायद्याने फक्त ३ वर्षांपर्यंतच मुदतवाढ देता येते त्याच्यानंतर सरळ सरळ लिलाव करावा लागतो त्याची वाढ करून ४० कोटी रुपये उत्पन्न येणार आहे. असे ७० कोटी रुपयाची उत्पन्नात वाढ होत आहे. ७० कोटी रुपयाचे तुम्हाला उत्पन्न सांगितले आहे. तर सर्व सदस्यांना आपल्याकडून अपेक्षित आहे जो आयुक्त साहेबांनी हा बजेट धुळेकर नागरिकांना एकही सुविधा द्यायची नाही सभागृहाच्यावर्तीने विनंती करतो ७५ कोटी रुपयाचे उत्पन्न दाखविल्या नंतर प्रत्येक सदस्याला किमान २५-२५ लाख रुपये मुलभूत सुविधांसाठी

आपण या महासभेत रोलींग देऊन ठराव करून मंजूरी द्यावी दुसरी महत्वाची गोष्ट तुम्ही अशी परिस्थिती केली आहे नगरसेवकांची, धुळेकरांची गटारीवर चेंबर असतातना झाकण सुध्दा बदलू शकत नाही अॉव्हरसियर सी.सी बागूल यांना अनेकवेळा मी सांगितले आहे मी आपल्याला लेखी पत्र सुध्दा दिलेले आहे. ढापे बसविले नाही आणि जर कधी त्या ठिकाणी कोणी मृत्युमूर्खी पडले तर तुम्ही लोक जबाबदार राहाल हे प्रोसिर्डींग मध्ये नमूद होत आहे. त्याठिकाणी किंत्येक लोक, विद्यार्थी शिकायला येतात जर कधी मनपाने प्रशासनाने ढापे बसविले नाही तर त्या अधिकाऱ्यांनी सभागृहामधून निघून जावे आपण २४ तासाच्या आत धुळे शहरातील ढापे बसविले गेले पाहिजे, झाकण बसविले गेले पाहिजे, ढापे बदलले गेले पाहिजे अन्यथा सर्वच्या सर्व नगरसेवक तुमच्या दालनासमोर उपोषणाला बसतील हे लक्षात घ्यावे.

म.दिनेश शार्दूल

धुळे महानगरपालिकेची आर्थिक परिस्थिती खराब आहे आपण जर बजेट पाहीला तर शासनाच्या ज्या विविध योजना आहेत नगरोत्थान वगैरे यापासून अनुदानाची रक्कम येते यासाठी आपला जो हिस्सा असतो त्याची तरतूद केली आहे का? त्याची तरतूद केली नसेल तर ती तरतूद समाविष्ट करण्यात यावी ही माझी विनंती आहे.

म.प्रतिभाताई चौधरी

मागे जेव्हा आपले आयुक्त जीवन सोनवणे साहेब होते. तेव्हा आपल्या सभागृहामध्ये सर्वांच्या संमतीने ठराव केला आहे. जी काम स्पील ओव्हर ची असतील त्यांचा चालू बजेटमध्ये तरतूद करण्यात यावी म्हणजे २०१४-१५ चे काम असतील छोटे-छोटे काम आहेत त्या कामांचा स्पील ओव्हर मध्ये चालू बजेटमध्ये २०१५-१६ मध्ये स्पील ओव्हर मध्ये घेण्यात यावे आणि ठराव ऑलरेडी झालेला आहे. तर आता २ लाखाचे अगदी छोटेसे काम आहे असे छोटे-छोटे काम माझे नक्हेतर अनेक नगरसेवकांचे कामांवर आयुक्त साहेब वर्कऑफरवर सह्या करीत नाही छोट्या-छोट्या कामांना देखील सह्या करीत नाहीत मग स्पील ओव्हरचा ठराव झालेला आहे तरीपण त्याचा वेगळा ठराव करण्याची गरज आहे का? दरवर्षी आपण नवीन ठराव करायचे आणि आताच आपण सांगितले की, आपण बजेट विषयावर बोलावे महापौर महोदया, आमच्या छोट्या-छोट्या कामांसाठी आयुक्त साहेबांना ४-५ वेळा समक्ष जाऊन भेटले माझ्या वार्डामध्ये दलित सुधार वस्ती योजनेअंतर्गत केलेले विंधन विहिरीचे काम बंद पडलेले आहे. वार्डामध्ये ४ ठिकाणी ढापे नाहीत ते ओपन आहेत आजूबाजूच्या परिसरामध्ये दुर्गंधी पसरली आहे. पाणी त्यामधून ओव्हर प्लो होत आहे तरीसुध्दा आयुक्त साहेब यावर कारवाई करायला तयार नाही त्यांना समक्ष जाऊन ४ वेळा भेटली आहे ४ वेळा आयुक्त साहेबांना निरोप द्यावा म्हणून फोन केला, तरी आमचे कामे होत नाही. दुसरे असे की, सभापती श्री.चंदुबापू सोनार यांनी नगरसेवकांना विकासनिधीसाठी ५-५ लाखाच्या तरतुदी सुचविल्या आहेत आता २ वर्ष होत आहे, परंतु २ वर्षात वार्डामध्ये एकही काम झालेले नाही मग त्या ५-५ लाखामध्ये काय-काय काम करणार आहे आणि यासाठी परत आयुक्तांना भेटण्यासाठी ४-४ वेळा चकरा माराव्या लागतात काही छोटे-मोठे काम असेल तर साहेब सांगतात ठेकेदाराला घेऊन या त्याला सांगेल की, तुला बील मनपाची आर्थिक परिस्थिती सुधारेल त्यावेळेस बील मिळेल त्याला अशी अगोदरच भिती घालून दिल्यानंतर तो ठेकेदार काम करायला तयार होईल का दुसरे असे की, आज बजेट मध्ये प्रत्येक नगरसेवकांना विकासनिधी मधून कामे करण्यासाठी २५-२५ लाख रु.ची बजेटमध्ये तरतूद करून मंजूरी देण्यात यावी दुसरे असे की, मनपाच्या इतिहासात आयुक्त साहेबांना सिक्युरिटी घेण्याची वेळ आलेली नाही हे जे सभागृहातील नगरसेवक हे अतिरेकी आहेत का मग आयुक्त साहेबांना सिक्युरिटी घेण्याची घेण्याची वेळ का आली. सिक्युरिटीवर किती खर्च करण्यात येतो याचा देखील सर्व नगरसेवकांना खुलासा करण्यात यावा आणि आमची जी छोटी-छोटी काम आहेत छोट्या-छोट्या कामांसाठी बजेटमध्ये तरतूद करून घेण्यात यावी

आणि तुम्हाला सिक्युरिटी खर्च कोण करीत आहे या बाबतचा खुलासा करण्यात यावा आणि स्पील ओवरची काम करण्यात यावी त्याबाबत खुलासा करण्यात यावा.

म.नरेंद्र परदेशी

२०१५-१६ च्या अर्थसंकल्पावर याच्यावर चर्चा करण्या आधी मला एक गोष्ट आवर्जुन नमूद करावयाची आहे ती म्हणजे या महापालिकेमध्ये गेल्या २ महिन्यापासून पाणी पुरवठा योजनेच्या बाबतीत जे काही रणकंदन झाले त्याच्या अनुषंगाने आमचा नगरसेवकांचा अधिकार म्हणून अधिकाऱ्यांकडे, कर्मचाऱ्यांकडे कागदत्रांची मागणी करत असतो आणि तुम्हाला सांगातो आम्ही मागितले आणि त्यांनी आम्हाला पुरवले असे कधी झाले नाही. परंतु या पाणीपुरवठा योजनेच्या बीलामध्ये असे काय घबाड होते की काय की आम्ही ती फाईल मागितली आणि आयुक्त साहेबांना त्याचा राग आला आम्ही एक सनदशीर मार्गाने फाईल मागितली आणि त्या सराईत साहेबांनी आम्हाला फाईल आणून दिली आणि आम्ही ती घेतली सराईत साहेबांनी आयुक्तांना सांगितले की त्यांनी ती फाईल ठेवून घेतली आणि आयुक्तांनी तुम्हाला सांगतो एक वागण्याची पध्दत, एक अधिकारी म्हणून कशी असते बघा जर आयुक्तांना आम्हाला काही दाखवायचे नव्हत द्यायच नव्हत तर त्यांनी फोन करून आम्हाला सांगितल असत ती फाईल परत करा तुम्हाला काही मागवायचे असेल ते माहितीच्या अधिकारात मागवा असे काही सांगू शकले असते. परंतु मी याच्या पूर्वीच्या सभेमध्ये देखील पहिल्याच सभेत मी माणसांना खूप चांगल्या प्रकारे ओळखतो मला पारख आहे माणसांची. आपण राजकारणी जास्त आणि अधिकारी कमी आहे. आणि त्याचा प्रत्यय दुर्दैवाने मलाच आला कलम ३९३ म्हणजे भयंकर अति भयंकर म्हणजे आम्ही लोकप्रतिनिधी म्हणून १० हजार लोकांनी आम्हाला निवडून पाठवल आणि महानगरपालिकेच्या कामावर वचक ठेवण्याकरीता आमची निवड झाली आहे. म्हणजे कामकाज कस चालत कामकाज अचूक ठेवण्यासाठी आम्हाला नियंत्रण ठेवावे लागते तो आमचा अधिकार आहे. आणि यांना जर ते अधिकारच माहित नसतील तर मग हे या खुर्चीवर करतात काय यांना या खुर्चीवर बसण्याचा अधिकार आहे का म्हणजे ते एवढ भयंकर प्रकरण होत मॅडम म्हणजे मला एवढा मानसिक त्रास झाला आहे मी अभिनंदन करतो श्री.संजय गुजराथी आणि श्री.फिरोज भाई यांनी अतिशय चांगल्या पध्दतीने भाषण केले आहे अर्थसंकल्पात शंका घेतली सगळे मुद्दे त्यांनी घेतले. आणि सभागृहामध्ये असे चित्र या महानगरपालिकेमध्ये असे चित्र वाटायला लागल की हे दोन जण लढा देताय पाणीपुरवठा योजनेमध्ये पण ते तस नव्हत सगळ्यांच्या भावना त्याच होत्या परंतु दोन-तीन जण पुढाकार घेताय म्हणून हे सर्व चालल होत. परंतु आम्हाला एकट पाडण्याचा प्रयत्न होता. म्हणजे ते एकटे पडलेअसा विषय परंतु नेमक आमच्या मुस्लिम नगरसेवकांनी याला वाचा फोडली. जी शिवसेना आहे प्रत्येक शिवसैनिक अन्याया विरुद्ध प्रत्येक सामान्य नागरिकांसाठी लढा देत असतो.परंतु त्याच शिवसैनिकांवर आज अन्याय झाला आणि त्या अन्यायाला वाचा आमच्या मुस्लिम नगरसेवकांनी फोडली.अत्यंत दखल घेण्यासारखी गोष्ट की, या शहराला बदनाम करतात. दंगलीच्या पार्श्वभूमीवर कलंक लागला असेल परंतु त्याला कारण वेगळी असू शकतात. भाईचारा जो आहे तो याठिकाणी दिसून आला. इतकी सदविवेकबुद्धी आणि एवढा सामंजस्यपणा एवढी परिपक्वता आज त्यांनी दाखवून दिली त्यांच खास अभिनंदन करण्यासाठी मी उभा आहे. मी मुंबईला माझ्या कामानिमित गेलो होतो आमच्या शाखेमध्ये आणि त्यांना सांगितले की, असा प्रकार झाला आमच्या महापालिकेत अहो ते लोक म्हणाले तुम्ही माणस आहेत का तुमच्यावर कलम ३९३ दाखल होते आणि तुम्ही पाहत बसला सभागृहात आमच्याकडे अस झाल असत तर आयुक्तांना चपला मारून फेकल्या असत्या. एवढा त्यांचा संताप झाला ते म्हणाले तुम्ही ते केले नाही मी म्हटल नाही आम्ही ते करणार नाही आमचा कायदयावर विश्वास आहे माझ्या मनात तर खूप तीव्र भावना होत्या मी पत्रकार माणूस आहे ह्या कृत्याचा निषेध करावा तितका थोडा आहे आयुक्तांनी सिद्ध केले की त्या पाणी योजनेच्या भ्रष्टाचारावर पांघरुण

घालण्यासाठी ते येथे आलेले आहे. मी पहिल्याच सभेत बोललो होतो आणि तेच घडून आल आता त्यांनी एक उत्तर द्यायचे आहे महापौर मँडम ३.५० कोटीच्या बीलावर एवढा गाजावाजा झाला एवढे महाभारत घडल त्याच्या ५ दिवसाअगोदर आयुक्तांचे पत्र आहे ठेकेदाराला तुम्हाला बील देता येत नाही असे पत्रात आहे. आणि त्या ५ दिवसात त्यापत्राची शाई वाळत नाही आणि त्यांनी त्याबीलावर सही केली. आणि म्हणून आमचा संताप झाला. हे असे काय झाले म्हणून फाईल मध्ये आणि मग त्या ३.५० कोटीच्या बीलावर सही झाली. आणि बील दिले गेले आणि महापौर महोदया, आपली जबाबदारी होती ते जे तुम्ही पत्र दिले आहे त्याचे काय झाले आणि तो ठेकेदार तुम्हाला त्याचे पेपर मिळाले त्याच्यापैकी काहीच झाले नाही आणि आता काय झाल की, जो ठेकेदारे ५५ कोटी रुपये घेऊन पळून जाणार होता हे देखील मी बोललो होतो आणि हे आयुक्तांनी सांगितले मला देखील १०० टक्के तशी गॅरंटी आहे साहेब पुढचा हप्ता देणार नाही म्हणजे भ्रष्टाचार होतो आहे त्या कामामध्ये हे सगळ्यांना माहिती आहे तो ५५ कोटी पैकी २५ कोटी घेऊन पळून गेला त्या ज्या समितीच्या अधिकारी मँडम आल्या होत्या त्यांनी जे काम बघितले त्यात कुठलेच काम करारनाम्याप्रमाणे झालेले नाही. त्यांनी अक्षरशः आम्हाला या शब्दात सांगितले हे काम अतिशय बोगस झाले आहे. हे आपण स्वतः बघून यावे मला गॅरंटी आहे महापौर महोदया, त्या ज्या समितीच्या मँडम आहेत त्यांच्या अहवालामध्ये ताशेरे ओढणार आहे दुसरे म्हणजे त्या मँडमांची सुध्दा दिशा भूल करण्यात आलेली आहे. शांतीनाथ नगरचा जलकुंभ तो जलकुंभ शांतीनाथनगरमध्ये येत नाही. तो दुसरीकडे आहे त्याची महासभेत परवानगी घेतली आहे का? आपण कुठलेही काम सुरु करण्याअगोदर परवानगी घेतो आपण परवानगी घेतलेली नाही. त्याठिकाणी २० लाख रुपये आमदार निधिमधून खर्च केले आहे. ते जे आमदार आहेत त्या आमदाराचे गोडवे गातात ना ते उसने अवसान आणतात. परंतु या भाऊंना काही माहिती नाही. त्याठिकाणी २० लाख रुपये खर्च केले ती जागा तुम्ही जाऊन पाहून या जागेची मोडतोड करून टाकली आहे. तेथे जलसिंचनला पेंझिंग ब्लॉक बसविले होते. ओटा केला होता महिलांसाठी, वॉल कंप्याऊंड केले होते सगळ तोडताड करून टाकली आहे. त्याठिकाणी गवत देखील निघाले ५० ते १०० ट्रॅक्टर अहो त्यांच्यावर गुन्हा दाखल करा आम्ही खरे सेवक आहोत इथले आमचा जीव तळतळतो आमच्यावर गुन्हा दाखल करतात आज ५ महिने उलटले गेले आहे. सांगा मला या अर्थसंकल्पाला काय कायदेशीर अधिष्ठान आहे याच्यामध्ये १ एप्रिल पासून ते आजपर्यंत ३२ कोटी रुपये खर्च झाले आहे. आणि २९ कोटी रुपये जमा झाले आहे. आता हे ३२ कोटी रुपये कोणाला विचारून खर्च केले आहे. हे आम्हाला सांगावे आपण १९६ कोटी रुपयाच्या बजेटला मंजूरी देणार आहेत तर हे ३२ कोटी रुपये कोणाला विचारून खर्च केले आहेत पान नं. २ भांडवली खर्च आणि जमापोटी ५७.४५ लाख रुपये आणि खर्चातील ७७.७१ लाख रुपये जमा ५७ कोटी खर्च ७७ कोटी रुपये २० कोटी रुपये तुट आहे. आता तुम्हाला मी पत्र दिले आहे त्याच्यातही वाढ असल्या बदल गोषवारा आहे. त्याच्यातही वाढ आहे डिझेलमध्ये एवढा होता खर्च इतका झाला या सगळ्या १७-१८ बाबी आहेत उपमहापौर साहेब, मी आपल्याला सांगतो २० कोटी रु. बजेट नसतांना खर्च केले आहे त्यांच्यावर कारवाई झाली पाहिजे. त्याला मंजूरी घेतली नाही काही नाही त्याच्यात डिझेल खर्च १ कोटी ३० लाख रुपये आपण कागदपत्र मागवावे पाणी पुरवठ्याचा खर्च २० कोटी रुपये आणि ९.५० कोटी रुपये उत्पन्न आहे. त्याच्या मध्ये मला असे विचारावयाचे आहे २०११-१२, १२-१३ आणि १३-१४ यामध्ये मालमत्ता कर पान.नं. १३ वर मी जे हे बोलतो आहे ते आपण महापौर महोदया, गंभीरतेने घेण्यात यावे आणि याची चौकशी करण्यात यावी आपल्याकडे कोणी सामान्य नागरिक येतात ५००० रु. मालमत्ता कर आणि २५००-३००० रु. शास्ती असे असते एवढी मालमत्तामध्ये जवळ जवळ ७०००० मालमत्ता असतील तर त्यात ४० ते ५० हजार मालमत्ता असतील त्यांना ५० टक्के शास्ती वेगळी नवीन मालमत्ता कर किती

वसूली झाला पानं.नं ५ वर १३-१४ ला २८ कोटी आणि या वर्षी ९.१३ कोटी रुपये आता महापौर महोदया ५.९० चे विरुद्ध पाणीपट्टीचे उत्पन्न ३.६६ कोटी रुपये ४.९६ पाणी पट्टी पाणी पट्टी ८.२८ च्या विरुद्ध ५.७० लाख म्हणजे ५० टक्केने मालमत्ता कर जास्त पाणीपट्टी पेक्षा असे प्रमाण आहे. मालमत्ता कर २०१४-२०१५ ची पाणीपट्टी ९.४५ लाख रुपये त्याच्या विरुद्ध मालमत्ता कर ५० टक्के पकडला तर ते १३.९६ आले पाहिजे होते. ते किती आले ९.१३ लाख आले. म्हणजे याच्यामध्ये असे होते आहे मालमत्ता कर वसूल केला जातो आहे. पैसे खिशात ठेवले जात आहे हा जो मालमत्ता कराचा विषय झाला मागच्या वेळेस ते रेकॉर्ड जळाले त्याची त्याची पुनरावृत्ती झाली आहे त्याची चौकशी झाली पाहिजे मालमत्ता कर इतका असतांना इतके कसकाय यायला लागले याला उत्तर आहे का हे कस काय झाले आहे हे तुम्ही काय बघताय तुम्ही मालमत्ताकराबाबत मिर्टिंगा घेतात त्याच्यात कुठेही वाढ दिसत नाही काय वाढ झाली आहे हे दाखवावे मागील किती झाले आहे ८.२८ उत्पन्न आले काय वाढ झाली आहे यामध्ये महापौर महोदया, या शास्तीमध्ये खूप मोठ्या प्रमाणात घोळ होतो आहे. आपण जर शास्ती बाबत बोलायला गेले तर कर्मचारी कोणीही ऐकून घेत नाही. हे पत्र आहे दाखवतात तो शिपाई इकडून तिकडून करून आणतो काहीतरी ही सत्यता आहे नगरसेवकांचे नाही पण तो करून आणतो त्यांच्या खाते प्रमुखांनाही माहिती नाही खालच्या खालती करून आणतो निरीक्षकाच्या खालचे करतात मग काय तुम्ही पाहतात. पाणी पट्टी पासून १० कोटी वसूली आला आहे आणि मालमत्ता मग मालमत्ता कर १४ कोटी रुपये का नको यामध्ये चौकशी झाली पाहिजे सर्व दप्तर गोळा करा आणि त्यांच्या रकमा बघा आणि सर्व बील बुके उद्या पासून गोळा करून घ्यावे सन २०११-१२ ला पाननंबर २ मध्ये भांडवली खर्च आणि जमा ५७ कोटी ४५ लाख रुपये आणि खर्च झाला आहे ७७ कोटी ७१ लाख रुपये म्हणजे रुपये जमा ५७ कोटी खर्च ७७ कोटी रुपये २० कोटी रुपये तुट आहे. आता तुम्हाला मी पत्र दिले आहे त्याच्यातही वाढ असल्या बदल गोषवारा आहे. त्याच्यातही वाढ आहे डिझेलमध्ये एवढा होता खर्च इतका झाला या सगळ्या १७-१८ बाबी आहेत उपमहापौर साहेब, मी आपल्याला सांगतो २० कोटी रु. बजेट नसतांना खर्च केले आहे त्यांच्यावर कारवाई झाली पाहिजे. त्याला मंजूरी घेतली नाही काही नाही त्याच्यात डिझेल खर्च १ कोटी ३० लाख रुपये आपण कागदपत्र मागवावे पाणी पुरवठ्याचा खर्च २० कोटी रुपये आणि ९.५० कोटी रुपये उत्पन्न आहे. त्याच्या मध्ये मला असे विचारावयाचे आहे २०११-१२, १२-१३ आणि १३-१४ यामध्ये मालमत्ता कर पान.नं. १३ वर मी जे हे बोलतो आहे ते आपण महापौर महोदया, गंभीरतेने घेण्यात यावे आणि याची चौकशी करण्यात यावी आपल्याकडे कोणी सामान्य नागरिक येतात ५००० रु. मालमत्ता कर आणि २५००-३००० रु. शास्ती असे असते एवढी मालमत्तामध्ये जवळ जवळ ७०००० मालमत्ता असतील तर त्यात ४० ते ५० हजार मालमत्ता असतील त्यांना ५० टक्के शास्ती वेगळी नवीन मालमत्ता कर किती वसूली झाला पान.नं ५ वर १३-१४ ला २८ कोटी आणि या वर्षी ९.१३ कोटी रुपये आता महापौर महोदया ५.९० चे विरुद्ध पाणीपट्टीचे उत्पन्न ३.६६ कोटी रुपये ४.९६ पाणी पट्टी पाणी पट्टी ८.२८ च्या विरुद्ध ५.७० लाख म्हणजे ५० टक्केने मालमत्ता कर जास्त पाणीपट्टी पेक्षा असे प्रमाण आहे. मालमत्ता कर २०१४-२०१५ ची पाणीपट्टी ९.४५ लाख रुपये त्याच्या विरुद्ध मालमत्ता कर ५० टक्के पकडला तर ते १३.९६ आले पाहिजे होते. ते किती आले ९.१३ लाख आले. म्हणजे याच्यामध्ये असे होते आहे मालमत्ता कर वसूल केला जातो आहे. पैसे खिशात ठेवले जात आहे हा जो मालमत्ता कराचा विषय झाला मागच्या वेळेस ते रेकॉर्ड जळाले त्याची पुनरावृत्ती होऊ शकते. त्याची चौकशी झाली पाहिजे मालमत्ता कर इतका असतांना इतके कसकाय यायला लागले याला उत्तर आहे का हे कस काय झाले आहे जर पाणी पट्टी ३.६६ आहे आणि मालमत्ता कर ५.५४ आहे पाणीपट्टी ४.९६ आहे तर मालमत्ता कर ७.९४ आहे. जर पाणी पट्टी ५.७० आहे तर मालमत्ता कर ८.२८ आहे. जर पाणी पट्टी

९.४५ आहे तर मालमत्ता कर ४.५० कोटी आहे हे तुम्ही काय बघताय तुम्ही मालमत्ताकरा बाबत मिट्ठिंगा घेतात त्याच्यात कुठेही वाढ दिसत नाही काय वाढ झाली आहे हे दाखवावे मागील किती झाले आहे ८.२८ उत्पन्न आले काय वाढ झाली आहे यामध्ये महापौर महोदया, या शास्तीमध्ये खूप मोठ्या प्रमाणात घोळ होतो आहे. आपण जर शास्ती बाबत बोलायला गेले तर कर्मचारी कोणीही ऐकून घेत नाही. हे पत्र आहे दाखवतात तो शिपाई इकडून तिकडून करून आणतो काहीतरी ही सत्यता आहे नगरसेवकांचे नाही पण तो करून आणतो त्यांच्या खाते प्रमुखांनाही माहिती नाही खालच्या खालती करून आणतो निरीक्षकाच्या खालचे करतात मग काय तुम्ही पाहतात. पाणी पट्टी पासून १० कोटी वसूली आला आहे आणि मालमत्ता कर १४ कोटी रुपये का नको यामध्ये चोकशी झाली पाहिजे सर्व दप्तर गोळा करा आणि त्यांच्या रकमा बघा आणि सर्व बील बुके उद्या पासून गोळा करून घ्यावे मला एक स्पष्टीकरण द्यावे सन २०११-१२ ला बाजार फी १२.५० कोटी होते. १२-१३ ला अडीच लाख रुपये १३-१४ ला काहीच नव्हते आणि यावर्षी १४-१५ ला ४० लाख रुपये हे असे काय आहे पहिले १२.५० कोटी होते आणि आता ४० लाख रुपये असे काय आहे माहिती द्यावी पान. नं. ५ वर डेली बाजार फी सन २०११-१२ ला १७ लाख रु. होते १२-१३ ला २५ लाख रुपये आणि १३-१४ ला २५ लाख रुपये यावर्षी २७ लाख रुपये मग याची तरतूद आपण फक्त १०.५० लाख रुपये का केली आहे नियम असा आहे १० टक्के वाढ दाखविली पाहिजे ३० नंबरचा कॉलम आहे १२ कोटी रुपये दिले आहे. त्याची तरतूद केली आहे का आपण ६१ कोटी रुपये मुदत ठेवीत ठेवली आहे. कुठल्या बँकेत ठेवली आहे पान. नं. ६ जुन्या सामानांची विक्री बाखले येथे करोडो रुपयाचे भंगार पडले आहे. त्याचा लिलाव का करत नाही ते लोक विकून खात आहे सन्मा. सदस्य श्री. संजय जाधव यांनी प्रस्ताव मांडला आहे. आपण आजपर्यंत इतक्या मोटारी दुरुस्त केल्या असतील आणि इतर गोष्टी आहेत त्यांची मोजणी केली आहे का? आपल्याकडे भंगार साहित्य किती आहे किती असायला पाहिजे होते याचे ऑडीट करण्यात यावे याचा निर्णय घेण्यात यावा खर्चाबाबत प्रवास खर्च ३ लाख रुपये आणि वाहन भाडे ही ४ लाख रुपये ही काय भानगड आहे. कोणती वाहने भाड्याने लावली आहेत मला पुढच्या सधेमध्ये माहिती मिळाली पाहिजे जे काही बील दिले असेल ते व्हाऊचर वगैरे सर्व मिळाले पाहिजे. तसेच आकस्मित खर्च बाबत एक-एक लाख रुपयाची तरतूद केली आहे. याची मला माहिती मिळावी २ लाख रुपये तरतूद आणि ३० लाख रुपये खर्च हा काय प्रकार आहे अग्निशमन विभागासाठी १८ लाख रु. खर्च दाखविला आहे आपल्याकडे अग्निशमन विभागामध्ये किती गाड्या आहेत आपल्या गाड्या कुठेच बाहेरगावी जातांना दिसत नाही. मग हा १८ लाख रु. खर्च कसा काय आहे एक पाण्याची गाडी अधून मधून कुठेतरी जाते तेवढीच बिगर कामाचा खर्च आहे अतिक्रमण काढण्याचा खर्च २५ लाख रु. दाखविला आहे ज्या ठिकाणी तुम्ही अतिक्रमण काढलेले आहे चौपाटीच्या येथे आपण भाडे केव्हा लावणार आहे. आपण त्याठिकाणी पाणी देत आहे शौचालयाचा ५.५० कोटी खर्चाचा अंदाज होता १ कोटी रु. खर्च केला आहे. एकाचे तरी शौचालय स्वच्छ आहे का तेथे लाईट आहे का पाणी आहे का काहीच काम करीत नाही. शौचालयाचा ठेकेदार कोण आस्था कंपनी एवढे भयानक प्रकरण आहे ६० लाखाचे बजेट आहे. ६० लाख रु. काढून घेतले आहे. आस्था कंपनीचा चे अरमन कोण आहे तो तर पालिकेचा कर्मचारी आहे. महापौर महोदया, आपल्याकडे अन्टीबायोटिक लस असते त्याचे आपल्याकडे १५००० भाडे आले आहे आपल्याला आणि एका महिन्याला १३६ रु. ४९ पैसे त्याची किंमत त्याच्या प्रमाणे २ लाख ४७ हजार रु. खर्च २४७ असतांना ४ आस्थापनाने कसे काय लिहिले हे मला सांगा. २४७ असतांना ४ कशी काय निघली आणि अंत्यविधीचा खर्च दाखवला आहे २० लाख रु. याच्यामध्ये आपण २५००रु. एकासाठी देत होतो अमरधाममध्ये आणि १ हजार रु. आपल्याला परत मिळतात. मला एक सांगा आपल्याकडे जे लोक येतात ते सांगतात १० लोक मला लिहून द्यावयास

तयार आहे की, मला हे हजार रु. मिळाले म्हणून मग हा २० लाख रु. खर्च का दाखविला आहे. याचा कोणी हिशेब बघत की नाही याचा काही हिशेब या अंत्यविधी योजनेमध्ये त्या आरोग्य विभागातील काम करु शकतील तुम्ही आवाहन करा हा लोकांच्या भावनेचा प्रश्न आहे.ज्यांना कुणाला पैसे मिळाले त्यांनी मनपा कडे संपर्क साधावा.

म.महापौर

या विषयाबाबत ऑडिट मध्ये ऑडिट ऑफिसर निघाले आहे. ही योजना जवळ जवळ बंदच झाली आहे. स्टॅटिंगमध्ये हा विषय आला होता ४-५ लोक मिळून ट्रस्ट करावे हा निर्णय झाला होता. त्यात सन्मा.सदस्य केले काका यांनी मिळून सानुग्रह अनुदान म्हणून दिले होते. याठिकाणी नगरपालिका फंडातील एकही रुपया देत नाही.

म.नरेंद्र परदेशी

मग हा २० लाख रु. खर्च कुठून आला आहे.बागबगीचा दुरुस्ती साठी ३५ लाख रु. खर्च दाखविले आहे. आमच्या प्रभाग क्रमांक १७ मधील बगीचा बद्दल अनेक वेळा लिहिले सांगितले.पण काम झाले नाही एक रुपयाचे काम झाले नाही. त्यामध्ये २० हजाराचा ५० हजाराचे टेंडर काढायचे आणि पैसे काढून घ्यावयाचे हा असला प्रकार आहे हे सगळ आपण पाहावे पुढच्या वेळेस मला सर्व माहिती पाहिजे यासाठी मी ठराव करायला सांगतो आहे अशाच पध्दतीने २० कोटी रु. खर्च झाले आहे. यांचे पोट भरले आहे मात्र कामे झाली नाही महानगरपालिकेची इमारत दुरुस्ती २० लाख रु. दाखविली आहे शाळा दुरुस्ती २५ लाख रु. दाखविली आहे. पायखाना दुरुस्ती ५ लाख रुपये मला तर काही आठवत नाही ती शाळा दुरुस्त झाली आहे. हे५ लाख रु.आपले जनतेचे आहे याला आपण जबाबदार आहेत पानं.नं. २३ वर्गाणी आरोग्य शिबीर,नैरसिंगिक आपत्ती, धुळे फ्रेस्टीवल, महापौर चषक स्पर्धा असा एकुण खर्च २७ लाख रुपये, २-२ लाख ५-५ लाख असा दाखवला आहे तो आपण खर्च केलेला आहे का? पाणी पुरवठा योजना पानं नं.२९ सहा नंबर कॉलम आपण ८ महिन्या पर्यंत २२ कोटी रु.खर्च केले आहे. यांनी जे २०कोटी रु. विना बजेट खर्च केले हे का होत आहे. यांनी जी बेकायदेशीरपणे काम केलेली आहे बेकायदेशीर बील पास केलेली आहेत त्यांची पध्दत आयुक्त साहेब पाणी पुरवठ्याची फाईल मी तर काही घेऊन गेलो नव्हतो ती फाईल इथेच होती आणि माझ्या विरुद्ध तुम्ही ३९३ लावला तुमचे जे महाभाग आहेत ना त्यांनी माझ यावर केस केली त्यांना तुम्हीच सांगितले केस करायला. त्यांनी कायप्रताप केले आहे माहिती आहे काआपल्याला, तुम्हाला हे पहा माझ्या जवळ झॅरॉक्स आहेत ते मी माहिती अधिकाराखाली मागविले आहेत. हे जे दोन अडीच कोटीचे बील निघाले आहे ना श्री.धनाड साहेब असतांना, तुम्ही यायच्या पहिले एप्रिल महिन्यामध्ये याच्यामध्ये गोषवारा सारांश असा आहे श्री.सराई साहेब १८ एप्रिल ते २५ एप्रिला हजर होते त्याच्या पुढेही ७ दिवस हजर होते महापौर महोदया,आपले सगळे लोक त्यांची जी नाव आहेत धनाड साहेबांपासून उपायुक्तांपासून अकौन्टंट या सगळ्यांची नाव आहेत. त्या सराई साहेबांच म्हणणे जे आहे माझ्या जवळ लेखी आहे. की मुरबाडला हे आले त्यांनी मला सांगितले की, आपल्याला चेकवर सह्या करावयाच्या आहेत असे आहे तसे आहे आणि तिथे २० तारखेला चेकवर सह्या झाल्या. जर २० तारखेला जर सराई साहेब रजेवर होते तर त्यांना चेकवर सह्या करण्याचा अधिकार आहे का? याचे मला उत्तर पहिजे. आणि सगळे प्रॉपटी महानगरपालिकेचे पेपर म्हणजे काय पूर्ण दप्तर बीलांचे चेक बूक आणि त्याठिकाणी मुरबाडमध्ये टिपणी तयार केली. असअस आहे बील द्यावे लागेल सही करा यांच्यावर तुम्ही काय कारवाई करणार आहेत हे सांगावे. मला माहिती आहे तुम्ही कारवाई करणार नाही तुम्ही कारवाई केली नाही तर मी कोर्टात जाणार आहे.

म.संजय गुजराथी
म.किंशोर सुडके

महापौर महोदया, एलबीटी चे एप्रिल ते ऑगस्ट पर्यंत किती उत्पन्न आले आहे.
१ एप्रिल २०१५ ते २२ ऑगस्ट २०१५ पर्यंत १५,३६,२४,५२५/- रु. वसूल झाले आहे. आणि शासनाकडून अधिभाराचे १ टक्का ९३,७३,६९१/- मात्र येणे बाकी आहे.

म.संजय गुजराथी

आपल्याला बजेट तरतूदमध्ये दाखविले जाते माझ्या माहितीप्रमाणे ५ कोटी ६३ लाख रु. महिन्याला अनुदान मंजूर झाले आहे तर ५ महिन्याचे किती झाले आहे जानेवारी, फेब्रुवारी, मार्च चे पैसे येणार आहेत ते धरण्यात यावे ते ४३ कोटी रु. धुळे शहराच्या विकासासाठी आपल्या शासनाकडून येणार आहे. हे एलबीटीचे अनुदान म्हणून येणार आहे. हे डिसेंबर पर्यंत येणार आहे मी घेतलेल्या माहितीप्रमाणे मार्च पर्यंत एलबीटी बंद राहणार आहे ४३ कोटी रु.जर कधी मागच्या वेळेस तरतूद झाली आणि आता १५ कोटी रु. ५८ कोटी रु. जर आपल्याला मिळतात आहे अजुन मागचे काही व्यापाऱ्यांचे पैसे भरणार आहेत जर ५८ कोटी रु. तुम्हाला येत आहे तर मग सभागृहाची दिशाभूल का म्हणून करीत आहे. ते उत्पन्न का कमी दाखविले आहे. याचे उत्तर देण्यांत यावे.

म. किशोर सुडके

आपण १८ कोटी रु. पारगमन शुल्का बाबत शासनाकडून मागणी केली आहे. आपण त्यामध्ये दाखविले आहे

ते जर पैसे येणार नाहीत तर ते बजेटमध्ये का दाखविले आहे.

आपण शासनाकडे प्रस्ताव पाठविला होता म्हणून ते बजेटमध्ये दाखविले आहे., धुळे शहरात नगरसेवकांच्या माध्यमातून पालिकेच्या विकास होऊ द्यायचा नाही जे आपल्याला मिळणार नाहीत पण आपण मागणी केली आहे आपण एकतरी उदाहरण दाखवून द्यावे की, महाराष्ट्र शासनाने पारगमन बाबत पैसे दिले आहे मग तुम्हाला या सभागृहात दिशाभूल करण्याचा काय अधिकार आहे ते १५ कोटी रु. येणारच नाही तर ते तुम्ही बजेट मध्ये दाखविले आहे आणि जे खरोखर पैसे येणार आहे त्याची आवक फक्त ३२ कोटी दाखविली आहे म्हणजे आवक कमी दाखवावयाची आणि खर्च करता येत नाही असे सांगावयाचे. तुम्ही हे सदस्यांपासून लपवून ठेवले तर हे कसे काय होणार आहे म्हणजे तुमची प्रांजल इच्छा आहे की विकास काम क्हायलाच नको असे ठरवलेले दिसते ३२ कोटी रु. सदस्यांपासून लपवित आहात ७५ कोटी रु. उत्पन्न येणार आहे मी तुमच्या उत्पन्नावर नाही बोलत शासनाच्या अनुदानावर बोलत आहे. धुळे शहराचा तुम्हाला विकास करावयाचा की, नाही सदस्यांनी वार्डाचा विकास कसा करावयाचा जर सदस्य पोटातिडकीने या सभागृहात मांडतात आहे तर का म्हणून हे उत्पन्न प्रश्नासनाने लपविले आहे याचे मला उत्तर पाहिजे. आमच्या सदस्यांसाठी मिळणारे विकास कामाचे पैसे का म्हणून लपविले आहे.

म.आयुक्त

आदरणीय सदस्य, श्री.संजय गुजराथी यांनी प्रश्न उपस्थित केला आहे. १५ कोटी रु. पारगमन शुल्क जे धरण्यात आले आहे त्यावेळेच्या परिस्थितीनुसार बजेट मध्ये धरण्यात आले आहे. जे मार्च पर्यंत मिळणर आहे आताच त्याची जुलै मध्ये ऑर्डर झालेली आहे. या मध्ये काही लपविण्याचा प्रश्न नाही विकास कामे थांबविण्याचा प्रश्न नाही जी आर्थिक परिस्थिती आहे त्यानुसार आहे त्यामुळे कुठलाही उद्देश नाही.

म.संजय गुजराथी

पारगमन शुल्कापासून आपल्याला १५ रु. सुध्दा मिळणार नाहीत तर मग १५ कोटी रु. का म्हणून तरतूद केली आहे. पैसे नाही भेटणार तर मग का म्हणून बजेट मध्ये दाखविले आहे. खोट उत्पन्न का दाखवल आहे.

म. आयुक्त

अपेक्षित होते आणि मागणी केली होती म्हणून ते उत्पन्न दाखविले आहे. त्यांच्या कडून नाही असे उत्तर आलेले नाही.

म.संजय गुजराथी

तुम्हाला तर सर्व गोष्टी आणि नियम माहिती आहे बाकीचे पैशयाची मागणी करा शासनाकडून धुळे मनपा वर कर्ज आहे ते का करत नाही महापौर महोदया, आपल्याला या गोष्टीवर निर्णय घ्यावा लागेल. सभागृहातील सदस्यांना वार्षिक विकास निधी द्यावाच लागेल. यावर खुलासा करावा.

म.मायादेवी परदेशी

महापौर महोदया, आणि सन्मा.सदस्य आपला जो बजेट आहे तो मार्च मध्ये सादर झाला पाहिजे होता परंतु आज ऑगस्टचा महिना संपण्याच्या मार्गावर आहे इतक्या उशिरा सादर झाला आहे. मी माझ्या वार्डातील छोट्या-मोठ्या कामाचे आयुक्त साहेबांना निवेदन दिले

काहि महिने झाले आहे सन्मा सदस्य श्री.संजयभाऊ गुजराथी यांनी अतिक्रमणाचे कर्तव्यदक्ष अधिकारी म्हणून उल्लेख केला आहे. आमच्या वार्डातील गेल्या वेळेस अतिक्रमण काढण्यात आले आहे आयुक्त साहेबांनी माझ्या वार्डात पाहणी करावी व्यापारी वर्ग बाजार पेठ आहे आमचा वार्ड हा संवेदनशिल वार्ड आहे त्या भागात माझे एकमेव घर आहे आणि मला एक-एक मतदार मला जोडावा लागतो मी चोबीस तास नागरिकासाठी सेवा देत आहे असे असतांना मी नागरिकाना चांगले पाणी देऊ शकत नाही. त्याठिकाणी गटारीची समस्या आहे माझ्या वार्डात बोरिंग केलेली विंधन विहीरीचे दुरुस्तीचे काम झालेले नाही तरी ते काम करण्यात यावे.

म.फिरोज शेख

मागील वेळी एक ठराव झाला होता टॉवर धारकांवर कारवाई करण्याबाबत त्याचे उत्पन्न बजेटमध्ये दाखविलेले नाही.त्यांच्याकडून किती पैसे आजपर्यंत वसूल झालेले आहेत.पान. नं.२४ वर दिले आहे की महाराष्ट्र शिक्षण कर, रोजगार हमी, कर हा वसूली विभागा कडून नागरिकांकडून वसूल केला जातो तो वसूल झालेला कर शासनाकडे भरणा करावा लागतो तर मग या ठिकाणी १ कोटी रुपयाचे तरतूद का करण्यात आली आहे. तसेच पाणी पुरवठ्यासाठी ५३ कोटी रुपयाची तरतूद करण्यात आली आहे. ही तरतूद कशासाठी करण्यात आली आहे याचा खुलासा करण्यात यावा.

म.लेखापाल

हा पाणी पुरवठ्याचा खर्च हा युआयडीएसएमटी योजनेचा खर्च आहे. तो या पूर्वी अंदाजपत्रक अ मध्ये दाखविण्यात आला होता. ती चूक स्थायी समितीला दिसून आली. जेव्हा आयुक्तांनी अंदाजपत्र स्थायी समितीकडे सादर केले होते त्यावेळेस तो खर्च अ मध्य दाखविला होता स्टॅर्डींग कमिटीने सुचविल्या नुसार तो खर्च अंदाजपत्रक क मध्ये दाखविण्यात आला आहे. तो योजना वगैरेचा खर्च आहे.

म. फिरोज शेख

२८ नंबर पानं वीज खर्चा करीता ४ करोड रुपयाची तरतूद केली आहे. मनपाने मागील काळात साक्री तालुक्यातील पवन उर्जा प्रकल्पा करीता जमिन भूसंपादन करण्याची कारवाई सुरु केली होती. त्या करीता काय प्रगती झाली आहे. हा प्रकल्प झाला तर करोडा रुपये खर्च वाचणार आहे आता काय परिस्थिती आहे भूसंपादन झालेले आहे का? ४ कोटी रुपयांची तरतूद भूसंपादन करण्यासाठी आहे तर आपण काय कारवाई केली आहे याबाबत खुलासा करावा.

म. अभियंता

महापौर साहेबांच्या वतीने खुलासा करतो की, पवन उर्जा प्रकल्पाबाबत प्रश्न उपस्थित केला आहे. त्याबाबत शासन स्तरावर भूसंपादनाकरिता जागेची मागणी केली होती. त्या मागणी प्रमाणे प्रांत अधिकारी यांनी जिल्हाधिकारी साहेबांकडे प्रस्ताव सादर केला होता. काही त्रुटी होत्या त्या त्रुटी दुरुस्तीसाठी पुन्हा आपल्याकडे प्रस्ताव आलेला आहे.नगररचना विभागाकडून पुढील काम चालू आहे जो पर्यंत प्रत्यक्ष जमिन भूसंपादन होत नाही तो पर्यंत प्रकल्पाबाबत पुढील कारवाई करता येणार नाही. या वर्षा अखेर पर्यंत तरी भूसंपादन होईल असे वाटते.

म.फिरोज शेख

शौचालयासाठी १ कोटी रुपयाची तरतूद केली आहे. आपल्याला एवढे पैसे लागणार आहे का मलेरीया विभागाचा ठेका देणेकरीता २५ लाख रुपयाची तरतूद केली आहे. मागील वर्षी २८ लाख रुपयांची तरतूद केली होती त्याचे काय झालेआहे. कुत्र्याच्या लसीचे औषध आपल्याकडे उपलब्ध नाही. त्याचे बील दिलेले नाही १ महिन्या अगोदर १८ लोकांना कुत्र्यांनी चावलेले होते त्यांचे सिक्किल मध्येच उपचार होतात आपल्याकडे औषधी नाही त्यांना पेमेंट दिलेले नाही ती जी तरतूद करण्यात आलेली होती ते पैसे कुठे गेले आता परत २५ लाखाची तरतूद केलेली आहे. दवाखान्यात औषध नसल्याने मनपाची बननामी होत आहे शब्दीर नगरमध्ये १२ लोकांना कुत्रे चावले आहेत ते अत्यंत गरिब लोक आहेत त्यांच्या साठी आपल्याकडे सुविधा नाही त्यांचे बील का देणेले नाही याचा खुलासा करावा.

म. आयुक्त

आपण जो प्रश्न उपस्थित केला आहे ते जे बील आहे मनपची आर्थिक परिस्थिती मुळे तातडीचे बील देण्याची कारवाई आपण टप्प्याटप्प्याने करीत आहोत त्यांचे बील दिल्यानंतर

जो काही नवीन करार नामा आहे त्यानुसार करण्यात येईल. मागचे बील पेंडींग राहिलेले होते तरतूद होती पण बील अदा झालेले नव्हते म्हणून ती तरतूद दिसत आहे. आपण औषध लवकरच खरेदी करणार आहोत.

म.फिरोज शेख

अल्प संख्यांक भागात जलकुंभ उभारण्यासाठी दिड कोटी रुपयाची तरतूद करण्यात आलेली आहे मागे या कामासाठी राज्य शासनाकडून दोन कोटी रुपये आलेले आहे. मग ही दिड कोटीची का तरतूद केली आहे. ते पैसे येऊन कलेक्टर ऑफिसला पडलेले आहे. काय केले ते दिड कोटी रुपये तरतूद करण्याची आवश्यकता काय आहे या पाणी पुरवठा योजनेत ७ टाक्यां मध्ये ही एक टाकी असणारच आहे. ती तरतूद का केली आहे हे जर कमी केले तर इकडे उत्पन्न वाढणार आहे ते राज्य शासनाकडून आलेले दोन कोटी रुपये इकडे वर्ग झाले होते त्याचे काय झाले आहे आणि हे दिड कोटी रुपये कशासाठी आहे याचा खुलासा करण्यात यावा.

म.अभियंता

महापौर साहेबांच्या परवानगीने खुलासा करतो ती जी दिड कोटी रुपयाची तरतूद आहे ती शासकीय अनुदानामधून करण्यात आलेली आहे. अनुदान जरी असेल तरी तरतूद करूनच खर्च करावा लागतो म्हणून ती तरतूद करण्यात आली आहे. मागे आलेल्या दोन कोटी रुपया बाबत निविदा आलेली आहे. ती जी निविदा आहे चालू करंट रेटला १० ते १२ टक्के जास्तीने आलेली आहे आणि जुन्या रेट नुसार ती १६ टक्केने आहे तरी त्या बाबत मुख्य लेखपरीक्षक यांचे मत घेऊन स्टॅंडिंग कमिटी कडे पाठविण्याची कार्यवाही बाकी आहे याबाबत साधारणतः हा त्या ठेकेदाराला आपण वाटाघाटीला बोलविले होते परंतु त्या ठेकेदाराने वाटाघाटी बाबत पत्र दिलेले नाही. ते पत्र आल्यानंतर आपण स्टॅंडिंग कमिटी कडे पाठवू.

म.फिरोज शेख

आपला मागे ११ कलमी कार्यक्रम सुरु होता त्याचे काय झाले ११ कलमी कार्यक्रम राबवित असतांना आपल्याला भरपूर उत्पन्न मिळाले होते ते का बंद करण्यात आले आहे.

११ कलमी कार्यक्रमामध्ये देवपूर भागात ५ हजार घरांचे मोजणी करण्यात आली होती. त्यांना बील काढून नोटीसा देण्यात आल्या आहे धुळे शहरात इतर भागात मोजणी करण्याचे काम चालू आहे.

म.फिरोज शेख

आपण सर्व शहरामध्ये मोजणीचे काम करण्यात यावे ज्या काही नवीन इमारती आहे हॉस्पिटल आहे शॉपिंग सेंटर आहे त्यांचे मोजमाप करण्यात यावे यामुळे उत्पन्नात वाढ होणार आहे आता पर्यंत किती घरांचे मोजमाप झाले आहे.

आतापर्यंत ९ हजार घरांचे मोजमाप झालेले आहे.

धुळे शहरात अनेक सरकारी कार्यालय आहेत, खाजगी संस्था आहेत त्यांना १ इंची २ इंची कनेक्शन देऊन मिटर प्रमाणे पाणी देण्यात येत आहे त्यांच्या कडून नियमा नुसार पाणी पट्टी वसूली करण्यात येत नाही. त्यांच्या कडून वसूल केल्यास मनपाच्या उत्पन्नात वाढ होईल. पोलीस राखीव गटात पाणी पुरवठा झालेला आहे वाडी भोकर रस्त्यावरील स्टेडियम मध्ये जलतरण तलाव आहे तसेच जयहिंद कॉलनीत जलतरण तलाव आहे त्याठिकाणी पाणी पुरवठा करण्यात आला आहे. त्यांच्या कडून वसूली करण्यात यावी त्यांच्या कडून आपल्याला भरपूर उत्पन्न मिळू शकेल आयुक्त साहेब आपल्याला पत्र दिलेले होते त्यावर कारवाई झालेली नाही. महापौर महोदया आता प्रत्येक प्रभागामध्ये विकास कामांसाठी २५-२५ लाख रुपये निधीची तरतूद करण्यात यावी ही माझी विनंती आहे.

म.अमिन पटेल

आज भागामध्ये कामे होत नसल्याने तसेच नागरिकांना मुलभूत सुविधा मिळत नसल्याने त्रास होत आहे. तरी भागामध्ये मुलभूत सुविधा देणेसाठी प्रत्येक प्रभागासाठी विकास निधीसाठी २५-२५ लाख रुपयाची तरतूद करण्यात यावी तसेच मालमत्ता करावरील शास्ती माफ करण्यात यावी.

म.महापौर

महासभेकडे बजेट सादर करणेबाबत महापौर कार्यालयाकडून दोन वेळा मा.सभापती स्थायी समिती तसेच लेखापाल यांना पत्र दिलेले होते. मुळात प्रशासनाकडून बजेट सादर करण्यास

उशिर झाला होता. तसेच स्टॅंडिंग कमिटीकडूनही महासभेकडे बजेट येण्यास उशिर झालेला आहे. आताच सर्व सन्मा.सदस्यांनी बजेट बाबत चर्चा केलेली आहे. काही सदस्यांनी तरतुदी सुचविल्या आहेत काही सदस्यांनी उत्पन्नाची वाढ सुचविली आहे परंतु मला याठिकाणी सांगावेसे वाटते ज्या काही आपण महानगरपालिकेच्य उत्पन्नात मुलभूत सुविधा जे काही आपण देत आहोत कुठेतरी तुट ही निर्माण होत आहे पाणी पट्टीवर आपण ७ कोटी रुपये उत्पन्न मिळत आहे आणि १५ कोटी ६० लाख रुपये खर्च करीत आहोत आणि त्यामध्ये तूट आपल्याला ८ कोटी ६० लाख रुपयाची येत आहे आपण महानगरपालिकेकडून दिवा बत्ती पोटी खर्च करीत आहोत ५ कोटी ७० लक्ष हा आपला वार्षिक दिवा बत्ती पोटी खर्च होत आहे परंतु त्यातून येणार जे उत्पन्न आहे १ कोटी २४ लक्ष रुपये हे महानगरपालिकेत उत्पन्नही मिळत आहे आणि एकूण तूट ४ कोटी ४४ लाख एवढी तूट निर्माण झाली आहे. त्याचपद्धतीने मुलभूत सोयी सुविधांमध्ये सगळ्यात महत्वाचे म्हणजे शहराची साफसफाई धुळे शहराच्या स्वच्छतेसाठी एकूण १६ कोटी ६४ लाख रुपये खर्च करीत आहोत परंतु त्यातून उत्पन्न आपल्याला २ कोटी ५१ लाख इतक उत्पन्न आपल्याला मिळणार आहे. त्यातून १४ कोटी २१ लाख्या रुपयाची तूट निर्माण झालेली आहे. आज आपण बघत आहोत की ज्या ज्या तरतुदी सुचविल्या आहेत स्थायी समितीने ज्या वेगवेगळ्या तरतुदी सुचविल्या आहेतवेगवेगळ्या वार्ड निहाय त्यात १२ कोटी ७२ लक्षाच्या तरतुदी स्थायी कमिटीने वाढ करण्यास सुचविले आहे. स्टॅंडिंग कमिटीने सचविल्या प्रमाणे ५ लक्ष नगरसेवक निधीची तरतुद करण्यात आलेली आहे. आपण बघत आहात आता जी काही चर्चा झाली जवळ जवळ सुमाने ३ कोटी किंवा ४ कोटी याच्या आसपास आपली एलबीटी ही वाढलेली होती परंतु आता शासनाने आपल्याला एलबीटी पोटी अनुदान जाहिर केले त्यात ५ कोटी ६३ लाख एवढे आपल्या महानगरपालिकेला मिळणार आहे. साहजिकच त्याच्यातून आपल्या महानगरपालिकेच्या उत्पन्नात वाढ होणार आहे. आपण या ठिकाणी जकात आणि एस्कॉर्टचा जो मुद्दा घेतला होता मागणी केलेली आहे परंतु आता शासनाचे देखील त्यांना देखील मी विनंती करु इच्छिते की, आपण देखील आपल्या स्तरावर आपले जे काही मंत्री महोदय असतील त्यांना विनंती करावी आणि महानगरपालिकेला अनुदान प्राप्त होईल त्यासाठी आपण प्रयत्न करावे. त्याच पध्दतीने १४ वा वित्त आयोग जी काही रक्कम आपल्याला मिळणार होती ती काही रक्कम कपात करण्यात आली आहे. महाराष्ट्र जिवन प्राधिकरण यांचे महानगरपालिकेकडे जे कर्जापोटी घेण आहे त्यात मुद्रांक शुल्काची जी काही रक्कम होती त्या अनुषंगाने शासनाचे जे परिपत्रक आपल्याला प्राप्त झालेले आहे त्यात महाराष्ट्र जिवनप्राधिकरण यांनी हाय कोर्टात गेल्यामुळे हाय कोर्टाचा जो निकाल आहे त्या निकालाच्या अनुषंगाने महानगरपालिकेला मिळणारे मुद्रांक शुल्क तर त्याची देखील कपात ही करण्यात आलेली आहे. त्यात धुळे महानगरपालिका नसून त्यात अनेक महानगरपालिकांचा समावेश आहे. ९ कोटी रुपये एकूण उत्पन्न येण आपल्याला अपेक्षित होत शासनाच्या परिपत्रकाप्रमाणे ९ कोटी मुद्रांक शुल्काची रक्कम देखील आपल्या महानगरपालिकेवर जे कर्ज होत पाणी पुरवठ्या पोटी महाराष्ट्र जिवन प्राधिकरण मुद्रांक शुल्काची रक्कम कपात झालेली आहे. आपण जे ८० टक्के स्थायी समिती वसूलीचे उत्पन्न हे बजेट मध्ये केलेले आहे. त्याच पध्दतीने जी शासनाची अमृत योजना या साठी आपण जो सहभाग नोंदवित आहोत अमृत योजनेमध्ये आपल शहर याव यासाठी आपण प्रयत्न करीत आहोत. तर त्यासाठी ९० टक्के वसूली होणे गरजेचे आहे. महानगरपालिकेला ज्या काही वेगवेगळी ज्या काही शासकीय योजना आहेत त्या शासकीय योजनांचे निधी भरण या शासकीय योजनांना आपल्या मनपाचा हिस्स्याची देखील अर्थसंकल्पात तरतुद करण हे गरजेचे आहे. ती आपण केली गेली पाहिजे आपल्याला जी काही नगरसेवक निधी आहे परंतु आज महानगरपालिकेत जेवढा शासकीय निधी मिळाला आहे पण तो देखील वेगवेगळ्या विभागामध्ये खर्च झाला आहे वेगवेगळ्या

वार्डमध्ये शासनाचा निधी हा आपण वापरत आहेत. तर त्यासाठी बजेट मध्ये तरतूद होणे आवश्यक आहे. परंतु स्टॅडिंगच्या बजेटमध्ये ज्या शासनाचया विविध योजना आहेत त्यांच्यासाठी तरतूद करण आपल्याला अपेक्षित होत ती तरतूद स्टॅडिंग कमिटीत झालेली नाही. त्यामुळे ती तरतूद आपल्याला प्रथम प्राधान्याने घेणे गरजेचे आहे. आजच्या बजेटच्या ज्या काही नगरसेवक बंधू आणि भगिनीनी ज्या खर्चाच्या सुचिविलेल्या आहेत जी काही उत्पन्नात वाढ सुचिविलेली आहे याच्यात ताळमेळ बसवून जास्तीतजास्त हिस्सा आपण नगरसेवक निधीसाठी मागणी केली आहे की, २५ लक्ष एका नगरसेवकाला आले पाहिजे परंतु याठिकाणी स्टॅडिंग कमिटीने ५ लाख सुचिविलेले आहे त्यात १० लाख एवढी म्हणजे ५ लक्ष एवढी वाढ करून नगरसेवकांनी २५ लक्ष सुचिविलेली आहे. त्यात आपले जे काही उत्पन्न येणार आहे महानगरपालिकेत जस जस उत्पन्न येईल त्यात वाढ करून २५ लक्ष वाढ करण्यात येईल. सर्व नगरसेवकांच्या सुचनेनुसार २५ लक्ष एवढी बजेट मधील ताळमेळ बसवून करण्यात येईल. ई गवर्नर्न्स आहे त्यासाठी २५ लक्ष रुपयाची तरतूद ही करण्यात येत आहे संगणकासाठी २५ लक्ष रुपयांची तरतूद ही करण्यातयेत आहे. अग्नि सुरक्षा आहे त्यासाठी आपल्याला २५ टक्के जो शासनाचा हिस्सा आहे २५ टक्के शासनाचा आणि ६५ टक्के मनपा हिस्सा असा १ कोटी ५३ लक्ष एवढी तरतूद बजेटमध्ये करण्यास मान्यता देण्यात येत आहे. त्याच यपद्धतीने संभाजी महाराजांचा पुतळा जो आपल्याला धुळे शहरात उभारावयाचा आहे त्यासाठी २० लक्ष रुपयाची तरतूद करण्याचे सर्वानुमते मंजूरी देण्यात येत आहे. विशेष निधी आहे ५० टक्के महानगरपालिकेचा हिस्सा लागणार आहे त्यात ४३ कोटी रुपये आपल्याला शासनाचे अनुदान मिळालेले आहे. आणि त्यासाठी विशेष निधीस्था हिस्सा देखील स्थायी समितीत दाखिविलेला नाही त्यामुळे सदर मनपा हिश्याची तरतुद करण्यांस मंजूरी देण्यात येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५३ दिनांक २५/०८/२०१५

सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार व सुचनानुसार सदर अर्थ संकल्प सादर होण्यास उशिर झालेला आहे. याबाबत आम्ही स्थायी समितीकडेस पत्र व्यवहार करून अर्थसंकल्प तांतडीने मे. महासभेपुढे सादर करणेबाबत कळविले होते. अर्थसंकल्प सादर झाल्यावर याबाबत तांतडीने मे. महासभेचे आयोजन करण्यांत आलेले आहे. मनपास मुलभूत सेवा सुविधा पुरविणे आवश्यक असून ते आपले कर्तव्यच आहे. आज मुलभूत सेवा सुविधा वरील खर्च व त्यापासून मिळाणारे उत्पन्न यात मोठी तफावत आहे.

पाणीपट्टीपासून उत्पन्न ७.५२ कोटी असून खर्च १५.६०कोटी येत आहे त्यामुळे ८.६० कोटीची तूट येत आहे. तसेच दिवाबत्तीपासून १.२४ कोटी उत्पन्न मिळत असून त्यावर ५.७० कोटी खर्च होत आहे त्यामुळे ४.४४ कोटीची तूट येत आहे. तसेच साफसफाई पासून २.५१ कोटी उत्पन्न येत असून खर्च १६.६४ कोटी होत आहे त्यामुळे १४.१२ कोटीची तूट येत आहे.

आज मनपाच्या येणा-या उत्पन्नातून फक्त दैनंदिन खर्च भागविण्यांत येत आहे. त्यामुळे विकास कामांवर परिणाम झालेला आहे. स्थायी समितीने सुमारे २२२ कोटीचा अर्थसंकल्प सादर केलेला आहे. यात स्थायी समितीने १२.७२ कोटीच्या नविन वार्ड निहाय तरतूदी सुचिविल्या आहेत. तसेच नगरसेवक निधी साठी ५ लाखांची तरतूद सुचिविलेली आहे. आपल्याला एल.बी.टी. पोटी दरमहा सुमारे ५.६३ कोटी अनुदान शासनाकडून डिसेंबर अखेर पर्यंत मंजूर झालेले आहे. तसेच जकात व पारगमन शुल्कापोटी नुकसान भरपाई अनुदान मिळावे म्हणून आपण शासनाकडे मागणी केलेली आहे. स्थायी समितीत आपल्याला १४ व्या वित्त आयोगाची अनुदान प्राप्त होते. परंतु त्यातून पाणीपुरवठयाच्या कर्जाची रक्कम परस्पर कपात करण्यांत आलेली आहे. मुद्रांक शुल्काचे अनुदान कपात झालेले आहे. त्यामुळे आपल्या आर्थिक परिस्थितीवर विपरीत परिणाम होत आहे. स्थायी समितीने वसुलीचे उत्पन्न

८० टक्के गृहित घरलेले आहे. परंतु आपल्याला शासनाच्या विविध योजनांमध्ये तसेच अमृत व अन्य योजनांमध्ये सहभागी होणेसाठी कमीत कमी ९० टक्के मालमत्ताकर वसुली करणे क्रमप्राप्त आहे. यासाठी सर्व सन्मा. नगरसेवक बंधु भगिनीचे अधिकारी व कर्मचा-यांचे सहकार्य व योगदान आवश्यक आहे. तसेच आपल्या धुळे मनपासाठी शासनामार्फत विविध योजना आपण कार्यान्वयीत केलेल्या आहेत. त्यामध्ये शासन नियमाप्रमाणे आपला आवश्यक तो हिस्सा भरणे क्रमप्राप्त आहे. स्थायी समितीने याबाबत तरतूद केलेली नाही त्यामुळे या अर्थसंकल्पात सदर तरतूदी होणे आवश्यक आहे. प्रभागातील विकास कामांबाबत सन्मा. नगरसेवकांची आग्रही भूमिका असून नगरसेवक निधी वाढविणेबाबत आग्रही मागणी आहे. तथापि येणारे उत्पन्न व खर्च याचा ताळमेळ घेता सदर नगरसेवक निधी प्रत्येकी २५ लक्ष करणेस मान्यता देण्यांत येत असून मनपाच्या येणा-या दैनंदिन उत्पन्नातून तसेच शासन अनुदानातून मनपाचा बांधील खर्च वजा जाता शिल्लक रकमेतून १/२ हिस्सा नगरसेवक निधीसाठी स्वतंत्र खाते तयार करून त्यात दररोज भरणा करणेस मान्यता देण्यांत येत आहे. प्रशासनाने उत्पन्नाचा आढावा घेऊन वेळोवेळी प्रभागातील विकास कामे करण्याबाबत प्राधान्याने कार्यवाही करावी.

मनपाचे आर्थिक स्रोत वाढविण्यासाठी प्रभावीपणे व कार्यक्षमपणे कार्यवाही प्रशासनाकडून होणे आवश्यक आहे. यासाठी मनपा मालकीच्या व्यापारी संकुलातील गाळ्यांचे सर्वेक्षण करून सद्यस्थितीतील बाजार मुल्याप्रमाणे भाडे व अनामत वसुली बाबत कार्यवाही करावी. तसेच मुदत संपलेल्या गाळ्यांचे नियमाप्रमाणे फेर लिलाव केल्यास मनपाच्या आर्थिक स्रोत वाढ होणार आहे. त्यामुळे प्रशासनाने याबाबत तांतडीने कार्यवाही करावी. मनपा मालकीच्या जागेत बी.ओ.टी. तत्वावर व्यापारी संकुल निर्माण केल्यास मनपाचे उत्पन्न वाढणार आहे त्यामुळे याबाबतही प्रशासनामार्फत युद्धपातळीवर कार्यवाही करावी. मनपाचे बगीचे, बंदिस्थ नाट्यगृह याद्वारे मिळणारे उत्पन्न अंदाजपत्रकात दर्शविलेले नाही त्याबाबतही प्रशासनाने दखल घेऊन उचित कार्यवाही करावी. यापूर्वी शहरात ११ कलमी कार्यक्रम राबविण्यांत आलेला होता. याबाबतची अंमलबजावणी प्रभावीपणे होत नसल्याने उत्पन्नावर परिणाम झालेला आहे. सदर अंमलबजावणी गतीने व कार्यक्षमतेने होणे उत्पन्न वाढीच्या दृष्टीने आवश्यक आहे. यासाठी योग्य तो आराखडा तयार करून याबाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी. नवीन मालमत्तांची मोजणी व नियमानुसार आकारणी करण्याबाबत तांतडीने कार्यवाही करावी.

याबाबत प्रशासनाशी चर्चा करून सन २०१५-१६ या वित्तीय वर्षाचे अंदाजपत्रकात खालील प्रमाणे उत्पन्न व खर्चात वाढ तथा घट अंतिम करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.क्र. | लेखाशिर्ष | मे.स्थायी समितीने सुचविलेल्या शिफारशी | मे. महासभेने सूचविलेल्या शिफारशी | वाढ |
|----------|----------------------|---------------------------------------|----------------------------------|----------|
| जमा बाजू | | | | |
| १ | मालमत्ता कर | १४३४७७००० | १६१४११००० | १७९३४००० |
| २ | पाणीपटी | १०२६७२००० | ११५५०५००० | १२८३३००० |
| ३ | पायखाना पटी | ९५२१००० | १०७११००० | ११९०००० |
| ४ | झाडकर | ४८८३००० | ५४९४००० | ६११००० |
| ५ | विशेष शिक्षण कर | १५२०००० | १७१०००० | १९०००० |
| ६ | महाराष्ट्र शिक्षण कर | ३०४६०००० | ३०४६०००० | - |
| ७ | रोजगार हमी कर | २९०४००० | २९०४००० | - |
| ८ | मोठे निवासी कर | ५९८००० | ५९८००० | - |

| | | | | |
|----|-------------------------------|------------|------------|-----------|
| १ | अग्निशमन कर | ४३७६००० | ४९२३००० | ५४७००० |
| १० | मलनिस्पारण लाभ कर | ४५६३००० | ५१३४००० | ५७१००० |
| ११ | पथकर (रस्ते) | २५२२००० | ३८३७००० | १३१५००० |
| १२ | जललाभ कर | २५२१००० | २८३६००० | ३१५००० |
| १३ | मलनिस्पारण कर | २५२१००० | २८३६००० | ३१५००० |
| १४ | दिवाबती कर | २५२१००० | २८३६००० | ३१५००० |
| १५ | जाहिरात कर | १००००००० | १०००००००० | १००००००० |
| १६ | एल.बी.टी. अनुदान | ३८०००००००० | ४५०००००००० | ७०००००००० |
| १७ | राज्य स्तरीय नगरोत्थान अभियान | - | २०००००००० | २०००००००० |
| १८ | विकास शुल्क | १००००००० | ५००००००० | ४००००००० |
| १९ | अनाधिकृत टँवर दंड वसुली | २००००००० | १००००००००० | ८००००००० |
| २० | बी.ओ.टी. पासूनचे उत्पन्न | ३००००००० | ८००००००० | ५००००००० |
| २१ | अनाधिकृत बांधकामे दंड वसुली | १२००००००० | १५००००००० | ३०००००००० |
| | एकूण | ८७६०५९००० | १३९११९५००० | ५१५१३६००० |

खालीलप्रमाणे मे.स्थायी समिती केलेल्या तरतूदीच्या उत्पन्नात व खर्चात वाढ तथा घट करणेत आलेली आहे.

| अ.क्रं. | लेखाशिर्ष | मे.स्थायी समितीने प्रस्तावित केलेली तरतूद | मे.महासभेने मान्य केलेली तरतूद | वाढ |
|---------|--------------|---|--------------------------------|------------------|
| १ | नगरसेवक निधी | प्रत्येकी ५ लक्ष | प्रत्येकी २५ लक्ष | प्रत्येकी २०लक्ष |
| | एकूण | ३७५००००० | १८७५००००० | १५००००००० |

सन २०१५-१६ या अंदाजपत्रकात खालील खर्च भाग १ मध्ये मे.महासभेतर्फे वाढ करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

| अ.नं. | लेखाशिर्ष | महासभेने सुचविलेली तरतूद |
|-------|---|--------------------------|
| १ | ई गवर्नन्स | २५ लक्ष |
| २ | संगणकासाठी | २४,५०,००० |
| ३ | अग्नीसुरक्षा अभियान २५ टक्के शासन हिस्सा व ६५ टक्के मनपा हिस्सा | १.०३ लक्ष |
| ४ | सभागृह नेता , विरोधी पक्षनेता अतिथ्य भत्ता | ७२ हजार |
| ५ | संभाजी महाराज पुतळा उभारणे,आहिल्यादेवी पुतळा स्थलांतर,स्वामी विवेकानंद/संत नरहरी महाराज पुतळा उभारणे व अन्य पुतळा उभारणे. | १ कोटी |
| ६ | विशेष निधी (५०टक्के मनपा हिस्सा) | १ कोटी |
| ७ | महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान (३० टक्के मनपा हिस्सा) | ४ कोटी |
| ८ | घरकुल योजना टप्पा क्रं. २ | ५० लक्ष |
| ९ | स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान(१४ व्या वित्त आयोगातून) | १.५० कोटी |
| १० | सुजल निर्मल अभियान | ५० लक्ष |
| ११ | भुसंपादन (विंड मिल सह) | १ कोटी |
| १२ | शहरातील विशिष्ट भागाचा साफसफाईचा ठेका देणे सफाई कामागार पुरविणे | १ कोटी |
| १३ | गांडूळ खत प्रकल्प निगा व दुरुस्ती | २० लक्ष |
| १४ | घनकचरा निर्मूलन तांत्रिक सल्लागार नियुक्ती | १० लक्ष |

| | | |
|----|---|--------------|
| १५ | पांझरा नदी संवर्धन मनपा हिस्सा | २० लाख |
| १६ | न्यायालयीन प्रकरणे / वकील फी इत्यादी | २५ लाख |
| १७ | मालमत्ता मुल्यांकन/ मोजणी व सवेक्षण फी | २० लाख |
| १८ | २ नवीन क्ळेक्युम एम्टीयर खरेदी करणे | ५० लाख |
| १९ | सर्वे नं. १७/१ आनंदनगर येथे इंदिरागांडन चौक सुशोभिकरण करणे. | १५ लाख |
| २० | प्रभाग क्रं. ७ मध्ये एल.ई.डी. लाईट बसविणे | १० लाख |
| २१ | प्रभाग क्रं.७ मध्ये श्री.सुनिल सिंघवी यांच्या घरापासून ते गणपती मंदिर पावेतो रस्ता डांबरीकरण करणे | १५ लाख |
| २२ | स्वच्छ महाराष्ट्र अभियान शौचालयासाठी मनपा हिस्सा | २० लाख |
| २३ | शहरातील अत्यावश्यक कामासाठी महापौर निधी | ८० लक्ष |
| २४ | राज्य स्तरीय नगरोत्थान अभियान | २० कोटी |
| | एकूण रुपये | ३४,८८,२२,००० |

वरील प्रमाणे या आर्थिक वर्षात तरतूद करण्यात येत असून सन्मा.सदस्यांच्या सूचनांचा आदर करून सर्व सामान्य नागरीकांच्या हितासाठी व शहर विकासाच्या कामांना चालना देण्यासाठी अंदाजपत्रकात उत्पन्न व खर्चाच्या आवश्यक त्या वाढ तथा घटसह सन २०१४-१५चे सुधारीत व सन २०१५-१६ चे अंदाजपत्रकास योग्य ते फेरफार करून सर्वानुमते मंजुरी देण्यात येत आहे.

तसेच मे.महासभेच्या निमित्ताने सन्मा. सदस्यांनी उपस्थित केलेल्या खालील मुद्द्याबाबत प्रशासनाने कार्यवाही करावी.

१) युडीआय एसएसएमटी योजने मध्ये करण्यांत आलेल्या कामांवर ०.२५ टक्के या प्रमाणे स्थानिक संस्था कराची आकारणी केलेली आहे. सदर आकारणी नियमाप्रमाणे आहे किंवा कसे याबाबत खात्री करावी. याबाबत लेखापरीक्षणात आक्षेप निर्माण झाल्यास प्रशासनाची जबाबदारी राहील.

२) सन्मा. सदस्यांना म.आयुक्त सन्मानपूर्वक वागणूक देत नसल्याच्या तक्रारी आलेल्या आहेत. सन्मा.सदस्यांना उचित व सन्मानपूर्वक वागणूक देण्याबाबत मा.आयुक्त यांनी दखल घ्यावी.

३) म. आयुक्त यांचे सद्यस्थितीतील निवास स्थान हे अतिक्रमणात व बेकायदेशीर असल्याची तक्रार असल्याने याबाबत नगररचनाकार यांनी वस्तुस्थितीबाबत अहवाल तांतडीने सादर करावा.

४) अंदाजपत्रक हे नियमानुसार व मुदतीत स्थायी समिती तथा महासभेसमोर विहीत कालावधीत सादर करणे आवश्यक आहे. तथापि याबाबत नेहमीच उशीर तथा विलंब झाल्याचे निर्दर्शनास आलेले आहे. याबाबत प्रशासनाने गंभीर दखल घेऊन मुदतीत व विहीत कालावधीत अंदाजपत्रक सादर करण्याबाबत काटेकोर दक्षता घ्यावी.

५) अंदाजपत्रक हे मनपा अधिनियमानुसार विहीत नमुन्यात व संपूर्ण उत्पन्न व खर्चाचा ताळमेळ घेऊन तयार होणे आवश्यक आहे यासाठी मनपाकडेस सक्षम अधिकारी तथा यंत्रणा नसल्याने अंदाजपत्रकाबाबत काटेकोरपणा व बिनचूकपणा येत नाही यासाठी सनदी लेखापाल यांचेमार्फत अंदाजपत्रक तयार करणेबाबत सुचना आलेल्या आहेत. प्रशासनाने आवश्यकता असल्यास अंदाजपत्रकासाठी सनदी लेखापाल नियुक्तीबाबत आवश्यक ती कार्यवाही करावी.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-x x x

महापौर

धुळे महानगरपालिका, धुळे

सन्मा. सदस्य उपमहापौर श्री. फारुख शहा अन्वर शहा व इतर १० सदस्यांनी स्वाक्षरी करून खालील प्रमाणे लक्षवेधी सादर केलेली आहे.

मा.आयुक्त यांनी सन्मा. नगरसेवक श्री. नरेंद्र परदेशी व श्री. संजय गुजराथी यांच्यावर फाईल चोरीचा गंभीर आरोप लावून चोरी व दरोडाच्या कलमान्वये पोलीसात गुन्हा दाखल केलेला आहे. सदर बाब ही निंदनीय व संपूर्ण सदस्यांचा अवमान करणारी असून मा.आयुक्त यांचा या महासभेत निषेध करण्याबाबत ठराव पारीत करण्यांत यावा अशी मागणी केलेली आहे.

तसेच सदर मागणीच्या अनुषंगाने अन्य सन्मा.सदस्यांनीही या लक्षवेधीला पाठीबा दर्शविला आहे.

मा. महापौर

आजची महासभा अंदाजपत्रकाविषयाची विशेष महासभा असून अशा प्रकारे लक्षवेधी सादर करून ठराव करणे नियम समंत होणार नाही. तथापि सन्मा. सदस्यांच्या या प्रकरणी असलेल्या तीव्र भावना लक्षात घेता मा.आयुक्त यांच्या या कृत्याच्या निषेध इतिवृत्तात नोंद करण्यांस मान्यता देण्यांत येत आहे.

महापौर ,
धुळे महानगरपालिका, धुळे

**धुळे महानगरपालिका सभागृह,धुळे
सोमवार दिनांक ०७ सप्टेंबर, २०१५
वेळ दुपारी ४-०० वाजतां**

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्रं.१ (क) (ड) (ह) अन्वये मा.महापौर सा.यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सभा आज सोमवार दिनांक ०७/०९/२०१५ रोजी दुपारी ४-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नांव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|---|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | दुपारी ४-०० वाजतां |
| २. | मा.श्री.शाह फारुक अन्वर | उपमहापौर | ----- " |
| ३. | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ४. | माळी गंगाधर लोटन | नगरसेवक | ----- " |
| ५. | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ६. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ८. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ९. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १०. | केले चंद्रकांत काशिनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ११. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १२. | देवरे कमलेश नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| १३. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १४. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १५. | बोरसे इंदुबाई दामोदर | नगरसेविका | ----- " |
| १६. | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १७. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १८. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| १९. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २०. | वराडे शरद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| २१. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २२. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| २३. | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २४. | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | ----- " |
| २५. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | ----- " |

| | | | |
|-----|----------------------------------|-----------|--------------------|
| २६. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | ----- " |
| २७. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | ----- " |
| २८. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | ----- " |
| २९. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | दुपारी ४-२५ वाजता |
| ३०. | शिरसाठ जितेंद्र उंदा | नगरसेवक | दुपारी ४-०० वाजतां |
| ३१. | जाधव चंद्रकला माणिक | नगरसेविका | ----- " |
| ३२. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | ----- " |
| ३३. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | ----- " |
| ३४. | महाले कल्पना सुनिल | नगरसेविका | ----- " |
| ३५. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | ----- " |
| ३६. | मोमीन अतियाबानो दोस्त महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ३७. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | ----- " |
| ३८. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | ----- " |
| ३९. | (मिस्तरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४०. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | ----- " |
| ४१. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | ----- " |
| ४२. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | ----- " |
| ४३. | महाले मनिषा सतीष | नगरसेवक | ----- " |
| ४४. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | ----- " |
| ४५. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | ----- " |
| ४६. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | ----- " |
| ४७. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ४८. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ४९. | जुलहा रशमीबानो अकिल अहेमंद | नगरसेविका | ----- " |
| ५०. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ५१. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ५२. | गायकवाड जगदिश आपाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ५३. | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ५४. | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| ५५. | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|---|------------------|--------------------------|---------|
| १ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त (कर.) | ----- " |
| २ | त्र्यंबक कांबळे | उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त | ----- " |
| ३ | एम.आर. सराईत | मुख्य लेखा परीक्षक | ----- " |
| ४ | बी.बी. गिते | सहा.आयुक्त (अतिक्रमण) | ----- " |
| ५ | एस.बी. विसपुत्रे | प्र.नगररचनाकार | ----- " |

| | | | |
|----|------------------|---------------------------------|--------|
| ६ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | -----" |
| ७ | के.एन. शिंदे | अभियंता | -----" |
| ८ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | -----" |
| ९ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | -----" |
| १० | बी.एस. रनाठकर | प्र. लेखापाल | -----" |
| ११ | के.जी. खंदरकर | कार्यालय अधिक्षक | -----" |
| १२ | के.जी. सुडके | LBT अधिक्षक तथा प्र. वसुली अधि. | -----" |
| १३ | गणेश खोंडे | सहा. प्रकल्प विभाग | -----" |
| १४ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | -----" |
| १५ | महेद्र एस. जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | -----" |
| १६ | एस. आर. बावोस्कर | भांडार लिपीक | -----" |
| १७ | आर.व्ही. पाटील | अभिलेखापाल | -----" |
| १८ | मीना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | -----" |
| १९ | सी.सी. बागुल | ओळखरसिअर | -----" |
| २० | सी.एम.उगले | पा.पु. ओळखरसिअर | -----" |

म. महापौर आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.उपायुक्त, सन्मा.सदस्य, सदस्या,पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार,पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते.सभेचे कामकाज सुरु करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे. नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

म. महापौर आयुक्त श्री.भोसले साहेब यांचा आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याबाबत विनंती अर्ज सादर आलेला आहे.तरी आजच्या सभेस उपायुक्त श्री.पठारे साहेब यांनी आयुक्ताचे वतीने कामकाज पहावे.

सन्मा.सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज.

सन्मा. सदस्य श्री.सुनिलभाऊ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार, श्रीमती शेख हजराबाई महंमद, श्री. कैलास काळू चौधरी, शार्दुल दिनेश लहु यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार त्यांची आजच्या सभेस रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५४ दिनांक ०७/०९/२०१५

सन्मा.सदस्य श्री.सुनिलभाऊ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार,श्रीमती शेख हजराबाई महंमद,श्री.कैलास काळू चौधरी, श्री. शार्दुल दिनेश लहु यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे. सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजूर,

सही/-x x x

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १२३

सन्मा. स्थायी समिती सदस्य श्री.अमिन पटेल, श्री.अमोल मासुळे, श्री.सोनल शिंदे,श्री. संदीप पाटोळे, सौ.माधुरी आजळकर यांचे पत्र व मा.महापौर सो.यांचे पत्र जा.क्र.स्वीस

/मनपा/२५१ दिनांक १/०९/२०१५ अन्वये सादर केलेले पत्र तथा आदेशानुसार धुळे महानगरपालिका प्रस्तावित हद्वाढी संदर्भात हरकत नोंदविण्यासाठी विचार विनिमय करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५५ दिनांक ०७/०९/२०१५

धुळे महानगरपालिका हद्वाढीसंदर्भात मे. महासभेत सादर झालेल्या प्रस्तावाच्या अनुषंगाने सन्मा.सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार धुळे मनपा हद्वाढीसंदर्भात शासन स्तरावर बैठका घेऊन त्याबाबत शासनाने त्यांचे कडील पत्र क्रमांक धुमपा-२०१५/प्र क्र १५४/नवि-२५ दिनांक१३ ऑगस्ट २०१५ अन्वये धुळे महानगरपालिकेची हद्वाढ करणेबाबतची प्राथमिक अधिसूचना महाराष्ट्र शासन राजपत्र भाग १-अ-मध्य उप -विभाग मध्ये असाधारण क्र. ९१ दिनांक १०.८.२०१५ अन्वये प्रसिद्ध करणेत आलेली आहे. व या प्रकरणी अधिसूचना प्रसिद्धझालेपासुन १ महिन्याच्या कालावधीत प्राप्त होणाऱ्या हरकती /आक्षेप बाबत आवश्यक ती कारवाई करून अहवाल सादर करणेबाबत मा. विभागीय आयुक्त, नाशिक विभाग, नाशिक यांना आदेश करणेत आलेले आहेत. सदर अधिसूचनेनुसार दिनांक १० सप्टेंबर २०१५ हरकती व आक्षेप नोंदविण्याची अंतिम तारीख आहे.

यासंदर्भात उपस्थित सर्व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार यापूर्वी धुळे महानगरपालिका, धुळे ठराव नं. १३४ दिनांक २९/१०/१०१२ अन्वये नगाव, फागणे, वरखेडी, कुंडाणे, बिलाडी, बाळापुर, अवधान, मोराणे, नकाणे, महिंदळे, वलवाडी, भोकर, चित्तोड, वडजाई पिंप्री, लर्णीग, हरणमाळ, लर्णीग (प्र) ही गावे धुळे महानगरपालिका धुळे हद्वाढीत समाविष्ट करण्याबाबत मान्यता दिलेली होती. तथापि ठराव कालावधीत धुळे मनपाचे जकात व पारगमन शुल्क सुरु असल्याने आर्थिक स्थिती सुस्थितीत होती. त्यामुळे सदर कालावधीत हद्वाढीबाबत तत्कालीन महासभेने सकारात्मक निर्णय घेतलेला होता. तथापि सद्यस्थितीत धुळे महानगरपालिका फार मोठ्या आर्थिक अडचणीचा सामना करीत आहे. जकात व पारगमन शुल्क शासनाने बंद केलेले आहे. तसेच १ ऑगस्ट २०१५ पासून स्थानिक संस्था करही बंद झालेला आहे. त्यामुळे धुळे महानगरपालिकेस फक्त घरपट्टी कर हेच प्रमुख उत्पन्नाचे स्त्रोत आहे. स्थानिक संस्था करापोटी महानगरपालिकेस शासनाने दरमहा ५.६३ कोंटी रुपये मात्र अनुदान ५ महिन्याकरिता देणेबाबत मान्यता दिलेली आहे. घरपट्टी कराचे उत्पन्न प्राप्त होण्यास कालावधी लागणार आहे. तसेच शासनामार्फत प्राप्त होणारे अनुदान व अन्य मनपाचे उत्पन्न यातून फक्त कर्मचा-यांचे वेतन, निवृत्ती वेतन अनुरूपिक देयके तसेच दैनंदिन असणारा आवश्यक खर्च विद्युत बील, पाणीपुरवठा देखभाल दुरुस्ती खर्च व मुलभूत सेवा सुविधा यावरच खर्च होतो. त्यामुळे शहराच्या तसेच प्रभागाच्या विकास कामांसाठी कोणत्याही स्वरूपाचा निधी उपलब्ध होत नाही. सुमारे१ ते १।। वर्षापासून फक्त देखभाल दुरुस्ती व अत्यावश्यक मुलभूत सेवा सुविधांची कामे वगळता अन्य कोणतेही विकास कामे शाहरात तथा प्रभागात करण्यांत आलेली नाही. आजच्या प्राप्त परिस्थितीत शासनाकडील योजनांमध्ये मनपाचा हिस्सा भरण्यासाठीही आर्थिक कसरत करावी लागत आहे. वित्त आयोग तसेच शासनामार्फत प्राप्त होणा-या अन्य अनुदानातूनही महानगरपालिकेकडे असलेल्या कर्ज व व्याजाच्या रकमेपोटी परस्पर अनुदान कपात होत आहे. अशा परिस्थितीत सद्यस्थितीत असलेल्या मनपा क्षेत्रातील प्रभागाचा आवश्यक तो विकास करणे शक्य होत नाही. सद्यस्थितीत धुळे मनपाचे क्षेत्रफळ ४६.४६ चौरस किलोमिटर आहे. व समाविष्ट होणारे १६ गांवाचे एकुण क्षेत्रफळ १०३.९८ चौ.कि. वाढणार आहे. म्हणेजच मनपा क्षेत्रात सुमारे तिपटीने वाढ होणार आहे. अशा परिस्थितीत उक्त ठरावानुसार शहरालगत असलेली सोळा गावे समाविष्ट केल्यास त्यांच्या नागरी सेवा सुविधांचा अंतिरिक्त भार मनपावर पडणार आहे. समाविष्ट होणा-या १६ गांवांपैकी२-३ गावे मनपा हद्वीला लागून आहेत. उर्वरीत गांव सुमारे ५-७ कि.मी. अंतरावर आहेत. गावामधील बहुतांशी भागांत फक्त शेत जमीन आहे. विकसनशिल भाग फारच कमी प्रमाणात आहे.

तसेच १६ गांवे महानगरपालिकेत समाविष्ट झाल्यास या गावांसाठी केंद्र व राज्य शासनाच्या जि.प. पंचायत समिती, व नियोजन समितीच्या माध्यमातून येणारा विकास कामांचा निधी पूर्णपणे बंद होणार आहे. ग्रामीन भागास जि.प., पं.स., मार्फत अनेक सामाजिक योजनांचा लाभ होतो. त्यांच्या कराचे दर कमी असतात. मनपा हद्दीत आल्यावर त्यांना या योजनांचा तसेच अनुदानाचा लाभांपासून वंचित रहावे लागेल. मनपा हद्दवाढीत समाविष्ट असलेली गांवे धुळे शहराच्या हद्दी जवळील जरी असली तरी त्या भागात शेतकरी कष्टकरी व७५ टक्के मजूर वर्गाची व अल्प उत्पन्न असलेल्या गटाची वसाहत आहे. समाविष्ट होणा-या गावातील जनजिवन हे बहुतांशी शेतीवर अवलंबून आहे. समाविष्ट होणा-या १६ गांवाची सन २०११ च्या जनगणने नुसार एकुण लोकसंख्या सुमारे ९६,९७० इतकी आहे यात आर्थिक दृष्ट्या दुर्बल असलेल्या कुटुंबाची संख्या मोठ्या प्रमाणांत आहे. त्यामुळे धुळे महानगरपालिकेमार्फत प्रस्तावित असलेल्या करांचा बोजा सहन करणे सदर गांवाना शक्य होणारे नाही. त्यामुळे धुळे महानगरपालिकेस हद्द वाढ झाली तरीही अपेक्षित उत्पन्न मिळणे शक्य होणार नाही. सद्यस्थितीत धुळे महानगरपालिकेचा कार्यभार सक्षमपणे चालविण्यासाठी असलेला उपलब्ध अधिकारी व कर्मचारीही पुरेशाप्रमाणात नसल्याने गांवाचे क्षेत्रफळ, लोकसंख्या, व विस्तार लक्षांत घेता सदर गांवामध्ये आवश्यकत्या मुलभूत सेवा सुविधा पुरविणे हे महानगरपालिकेच्या आर्थिक कुवती बाहेर व मनुष्यबळा अभावी अशक्यप्राय आहे. सद्यस्थितीत जकात, पारगमन, एल.बी.टी. कर रद्द झाल्याने मनपाचे उत्पन्न कमी झालेले आहे. त्यामुळे सहाजिकच धुळे मनपाचा आस्थापना खर्च सुमारे ६२ टक्के झालेला आहे. हद्दवाढ झाल्यास समाविष्ट ग्रामपंचायतीतील कर्मचारी मनपा आस्थापनेवर समावेश करावा लागणार आहे. त्यामुळे सामाजिकच मनपाचा आस्थापना खर्च मोठ्या प्रमाणावर वाढणार आहे.

मनपा हद्दीत समाविष्ट होणा-या बहुतांशी गांवाची पाणीपुरवठा योजना सक्षम तथा विकसीत नाही. ब-याच गांवात पाणीपुरवठायांची सुविधा उपलब्ध नाही. तसेच पाण्याचे स्रोत नाहीत. त्यामुळे आजही सदर गांवाचा पिण्याच्या पाण्याचा प्रश्न मोठ्या प्रमाणावर अविकसीत आहे. सद्यस्थितीत धुळे मनपा क्षेत्रात वितरण क्षमतेअभावी ३-४ दिवसाआड पाणीपुरवठा करण्यांत येतो. शहरापासून सुमारे ४० कि.मी. अंतरावर असलेल्या तापी नदीवरून धुळे शहराच्या ७० टक्के भागास पाणीपुरवठा करण्यांत येतो. तापी योजनेचे व्याज व कर्जाचा मोठा बोजा मनपावर आहे. अशा परिस्थितीत हद्दवाढीतील समाविष्ट गांवापैकी पिण्याच्या पाण्यासाठी अविकसीत असलेल्या गांवाची जबाबदारी मनपावर येणार आहे.

मनपा हद्दवाढीतील समाविष्ट गांवापैकी बहुतांशी गावांची विकसन क्षमता दिसून येत नाही. तसेच भविष्यातील विकासाचा कलही दिसून येत नाही. यापैकी बहुतांशी गांवाचा विकास फक्त गावठाणालगत व मुख्य रस्त्यालगतच झालेला आहे व हद्दीतील समाविष्ट होणारे बरेचसे क्षेत्र डोंगराळ व राखीव वनक्षेत्रात समाविष्ट होते. त्यामुळे महानगरपालिके कडेस पुरेशी यंत्रणा व आवश्यक ते मनुष्यबळ नसल्याने मुलभूत सेवा सुविधा पुरविणेसाठी मोठा ताण निर्माण होणार आहे हद्दवाढ व त्यापासून मिळणारे अपेक्षित उत्पन्न व त्यासाठी द्याव्या लागणा-या मुलभूत सेवा सुविधा यात फार मोठी तफावत आहे.

मनपा हद्दवाढीत समाविष्ट होणा-या १३ ग्रामपंचायतीनी यापूर्वीच महानगरपालिके कडेस हद्दवाढीत समावेशाबाबत नकारदर्शक ठारव सादर केलेले आहेत. तसेच भारतीय कम्युनिष्ट पक्ष, राष्ट्रवादी कॉग्रेस पक्ष, भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस (आय) शिवसेना, सभापती, पंचायत समिती धुळे, भोकर व फागणे परिसर संघर्ष व समन्वय समिती यांनी सदर गांवाचा समावेश करण्यांत येऊ नये याबाबत शासनस्तरावर तसेच मनपाकडेस निवेदने सादर केलेली आहेत. तसेच महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडळ अवधान (एम.आय.डी.सी.) येथील कारखानदार संघटनेने देखील एम.आय.डी.सी. भाग मनपा हद्दीत करु नये असे निवेदन सादर केले आहे.

वरील सर्व बाबींचा विचार करता प्राप्त परिस्थितीत होणारी हद्वाढ ही धुळे महानगरपालिकेच्या दृष्टीने भौगोलिक दृष्ट्या व व्यवहार्यदृष्ट्या अहितकारक स्वरूपाची असून त्यांचे दुरगामी घातक परिणाम होणार आहे. त्यामुळे शासनामार्फत प्रस्तावित धुळे महानगरपालिकेच्या हद्वाढीस उपस्थित सर्व पक्षीय नगरसेवक बंधु भर्गिनीनी तीव्र हरकत नोंदविली असून सदर हरकत शासनस्तरावर नोंदविण्याबाबत सर्वानुमते मान्यता देण्यांत येत आहे.

सही/-X X X

महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे
धुळे महानगरपालिका सभागृह, धुळे
मंगळवार दिनांक २० ऑक्टोबर, २०१५
वेळ सकाळी ११-०० वाजतां

मुंबई प्रांतिक महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे प्रकरण २ मधील नियम क्र.१ (क) (ड) (ह) अन्वये मा. महापौरसां.यांना असलेल्या अधिकारानुसार धुळे महानगरपालिकेची विशेष सभा आज मंगळवार दिनांक २०/१०/२०१५ रोजी सकाळी ११-०० वाजतां मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर, महापौर, धुळे महानगरपालिका, धुळे यांच्या अध्यक्षतेखाली धुळे महानगरपालिकेच्या सभागृहात घेण्यांत आली. त्या बैठकीचे इतिवृत्त.

सभेच्या हजेरी पुस्तकावर स्वाक्षरी करून खालील सदस्य सभेस उपस्थित होते.

| अ.नं. | मनपा सदस्यांचे नाव | हुद्दा | सभेस उपस्थितीची वेळ |
|-------|------------------------------------|-----------|---------------------|
| १. | मा.सौ.अहिरराव जयश्री कमलाकर | महापौर | सकाळी ११-०० वाजतां |
| २. | दुसाने चित्रा चंद्रशेखर | नगरसेविका | ----- " |
| ३. | वाडिले नलिनीबाई हनुमंत | नगरसेविका | ----- " |
| ४. | सौनार सुनिल उर्फ (नंदुभाऊ)वसंतराव | नगरसेवक | ----- " |
| ५. | शेख हजराबाई महंमद | नगरसेविका | ----- " |
| ६. | पाटील सदाशिव उत्तमराव | नगरसेवक | ----- " |
| ७. | जगताप सुभाष सुकलाल | नगरसेवक | ----- " |
| ८. | बोरसे कल्पना सुरेश | नगरसेविका | ----- " |
| ९. | पाटील ज्योत्सना प्रफुल्ल | नगरसेविका | ----- " |
| १०. | केले चंद्रकांत काशिनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ११. | दुसाणे वैभवी अमित | नगरसेविका | ----- " |
| १२. | देवरे कमलेश नारायण | नगरसेवक | ----- " |
| १३. | बोरसे रमेश महादू | नगरसेवक | ----- " |
| १४. | चौधरी प्रतिभाताई शिवाजीराव | नगरसेविका | ----- " |
| १५. | चौधरी कैलास काळू | नगरसेवक | ----- " |
| १६. | अन्सारी अफजलुनीसा फजलुरहेमान | नगरसेविका | ----- " |
| १७. | पठाण इस्माईल खा हाजी लुकमान खा | नगरसेवक | ----- " |
| १८. | ठाकरे हिरा प्रभुदास | नगरसेविका | ----- " |
| १९. | महाजन गुलाब जंगलू | नगरसेवक | ----- " |
| २०. | चौधरी प्रभावती राजेंद्र | नगरसेविका | ----- " |
| २१. | वराडे शारद एकनाथ | नगरसेवक | ----- " |

| | | | |
|-----|---|-----------|--------------------|
| २२. | आधाव ललिता रविंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २३. | सोनार चंद्रकांत बापु | नगरसेवक | -----" |
| २४. | लहामगे वैशाली भुपेंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २५. | गुजराथी संजय नारायण | नगरसेवक | -----" |
| २६. | मंडोरे बिरबालादेवी(वालीबेन) प्रकाशचंद्र | नगरसेविका | -----" |
| २७. | साखला गोविंद तुळशीराम | नगरसेवक | -----" |
| २८. | खरात विश्वनाथ प्रेमदास | नगरसेवक | -----" |
| २९. | गवळी मुक्ताबाई भागवत | नगरसेविका | -----" |
| ३०. | उदासी कशीश गुलशन | नगरसेविका | -----" |
| ३१. | डियालाणी कुमार नरोत्तम | नगरसेवक | -----" |
| ३२. | ईशी सुशिला यशवंत | नगरसेविका | -----" |
| ३३. | परदेशी नरेंद्र गोटू | नगरसेवक | सकाळी ११-२७ वाजता |
| ३४. | शिरसाठ नितेंद्र उंदा | नगरसेवक | सकाळी ११-०० वाजतां |
| ३५. | जाधव शकुंतला शंकर | नगरसेविका | -----" |
| ३६. | जाधव संजय सुधाकर | नगरसेवक | -----" |
| ३७. | शिंदे सोनल दिलीप | नगरसेवक | -----" |
| ३८. | वाघ इंदुबाई प्रकाश | नगरसेविका | -----" |
| ३९. | महाले कल्पना सुनिल | नगरसेविका | -----" |
| ४०. | परदेशी मायादेवी महादेव | नगरसेविका | -----" |
| ४१. | मोमीन आतियाबानो दोस्त महंमद | नगरसेविका | -----" |
| ४२. | अन्सारी अकील अह.मह. सादीक | नगरसेवक | -----" |
| ४३. | अन्सारी मोहम्मद उमेर मोहम्मद शवाल | नगरसेवक | -----" |
| ४४. | पठाण जैबुनिसा अशरफखा | नगरसेविका | -----" |
| ४५. | करनकाळ लीना युवराज | नगरसेविका | -----" |
| ४६. | अन्सारी हलीमा बानो मोहम्मद शाबान | नगरसेविका | -----" |
| ४७. | (मिस्टरी) शेलार दिपक एकनाथ | नगरसेवक | -----" |
| ४८. | जुलाहा नुरुनिसा मकबुल अली | नगरसेवक | -----" |
| ४९. | पटेल मोहम्मद अमीन अब्दुल करीम | नगरसेवक | -----" |
| ५०. | शेख फातमा शेख गुलाब | नगरसेविका | -----" |
| ५१. | सैयद साबीर अली मोतेबर | नगरसेवक | -----" |
| ५२. | शार्दुल दिनेश लहु | नगरसेवक | -----" |
| ५३. | महाले मनिषा सतीष | नगरसेवक | -----" |
| ५४. | जाधव यमुनाबाई वसंत | नगरसेविका | -----" |
| ५५. | पाटोळे संदीप सुरेश | नगरसेवक | -----" |
| ५६. | नवले शशिकला मोहन | नगरसेविका | -----" |
| ५७. | मासुळे अमोल पावबा | नगरसेवक | -----" |

| | | | |
|-----|----------------------------|-----------|---------|
| ५८. | खताळ सुभाष रघुनाथ | नगरसेवक | ----- " |
| ५९. | अजळकर माधुरी नंदलाल | नगरसेविका | ----- " |
| ६०. | सौ. अग्रवाल सारिका प्रवीण | नगरसेविका | ----- " |
| ६१. | महाले सतिष दिगंबर | नगरसेवक | ----- " |
| ६२. | मोरे नानाभाऊ गजमल | नगरसेवक | ----- " |
| ६३. | कुवर लताबाई सदाशिव | नगरसेविका | ----- " |
| ६४. | जुलहा रशमीबानो अकिल अहेमंद | नगरसेविका | ----- " |
| ६५. | शेख फिरोज बशीर | नगरसेवक | ----- " |
| ६६. | मोरे मनोज दादासाहेब | नगरसेवक | ----- " |
| ६७. | गायकवाड जगदिश आप्पाजी | नगरसेवक | ----- " |
| ६८. | शेख अहमद शे. माबुद अब्बास | नगरसेवक | ----- " |
| ६९. | मोरे गणेश रामभाऊ | नगरसेवक | ----- " |
| ७०. | श्रीखंडे प्रशांत रमेश | नगरसेवक | ----- " |

उपस्थित अधिकारी गण

| | | | |
|----|------------------|---------------------------------|---------|
| १ | डॉ. प्रदीप पठारे | उपायुक्त (कर.) | ----- " |
| २ | त्र्यंबक कांबळे | उपायुक्त तथा सहा. आयुक्त | ----- " |
| ३ | एम.आर. सराईत | मुख्य लेखा परीक्षक | ----- " |
| ४ | बी.बी. गिते | सहा.आयुक्त (अतिक्रमण) | ----- " |
| ५ | एस.बी. विसपुते | प्र.नगररचनाकार | ----- " |
| ६ | एम.ए. वाघ | प्र.नगरसचिव | ----- " |
| ७ | के.एन. शिंदे | अभियंता | ----- " |
| ८ | डॉ. महेश मोरे | आरोग्याधिकारी | ----- " |
| ९ | रत्नाकर माळी | सहा. आरोग्याधिकारी | ----- " |
| १० | बी.एस. रनाळकर | प्र. लेखापाल | ----- " |
| ११ | के.जी. खंदरकर | कार्यालय अधिकारी | ----- " |
| १२ | के.जी. सुडके | LBT अधिकारी तथा प्र. वसुली अधि. | ----- " |
| १३ | गणेश खोंडे | सहा. प्रकल्प विभाग | ----- " |
| १४ | एन.के. बागुल | विद्युत अभियंता | ----- " |
| १५ | महेद्र एस. जोशी | प्रशासन अधिकारी मनपा शि.मं. | ----- " |
| १६ | एस. आर. बावीस्कर | भांडार लिपीक | ----- " |
| १७ | आर.क्ही. पाटील | अभिलेखापाल | ----- " |
| १८ | मीना सातभाई | महिला बालकल्याण विभाग | ----- " |
| १९ | सी.सी. बागुल | ओवरसिअर | ----- " |
| २० | सी.एम.उगले | पा.पु. ओवरसिअर | ----- " |

म. महापौर

आजच्या सभेस उपस्थित उपमहापौर, म.उपायुक्त, सन्मा.सदस्य, सदस्या, पदाधिकारी अधिकारी गण, छायाचित्रकार, पत्रकार बांधव यांचे प्रथम स्वागत करते. सभेचे कामकाज सुरु

करणेस आवश्यक ती गणपूर्ती झालेली आहे. नगरसचिव यांनी सभेच्या कामकाजास सुरुवात करावी.

म. नगरसचिव

म. महापौर

वंदे मारतम या राष्ट्र वंदनेसाठी सर्वांनी उभे रहावयाचे आहे.

आयुक्त श्री.भोसले साहेब यांचा आजच्या सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याबाबत विनंती अर्ज सादर आलेला आहे.तरी आजच्या सभेस उपायुक्त श्री.पठारे साहेब यांनी आयुक्ताचे वर्तीने कामकाज पहावे.

सन्मा.सदस्यांचे आलेले रजेचे अर्ज.

सन्मा. सदस्य श्री.सुनिलभाऊ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार, श्रीमती शेख हजराबाई महंमद, श्री. कैलास काळू चौधरी, शार्दुल दिनेश लहु यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.

मा. महापौर

सन्मा. सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार त्यांची आजच्या सभेस रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५६ दिनांक २०/१०/२०१५

सन्मा.सदस्य श्री.सुनिलभाऊ (नंदुभाऊ) वसंतराव सोनार, श्रीमती शेख हजराबाई महंमद, श्री.कैलास काळू चौधरी, श्री. शार्दुल दिनेश लहु यांनी लेखी अर्ज देऊन अर्जात नमूद केलेल्या कारणामुळे सभेस उपस्थित राहू शकत नसल्याने आजच्या सभेस रजा मंजूर करणेबाबत विनंती केली आहे.सन्मा.सदस्यांच्या विनंती अर्जानुसार आजच्या सभेसाठी त्यांची रजा मंजूर करण्यांत येत आहे.

सर्वानुमते मंजुर,

सही/-X X X

महापौर,

धुळे महानगरपालिका,धुळे

विषय क्रमांक:- १२४

सन्मा.स्थायी समिती सदस्य श्री.अमीन पटेल, श्री.अकील अन्सारी, अरशद शेख, श्री. सोनल दिलीप शिंदे, श्री. संदीप पाटोळे यांच्या दि.१६/१०/२०१५ च्या पत्रानुसार व त्यावर मा. महापौर सांगी केलेल्या आदेशानुसार मनपा प्रशासनाने मनपा सदस्यांना बांधकाम परवानगी व भोगवटा प्रमाणपत्राचे संदर्भात दिलेल्या पत्रानुसार पुढील कार्यवाहीच्या अनुषंगाने महाराष्ट्र मनपा अधिनियम १९४९ चे कलम १२(१) नुसार अंमलबजावणी करण्यासाठी विचार विनिमय करणे.

धुळे महानगरपालिका ठराव नंबर १५७ दिनांक २०/१०/२०१५

सर्व सन्मा. सदस्यांनी केलेल्या चर्चेनुसार आजच्या महासभेचा उद्देश हा आपणास आजच्या सभेचा जो अजेंडा देण्यांत आलेला आहे त्याचा विषय कं. १२४च्या अनुषंगाने असून त्यानुसार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १२ (१) नुसार विचार विनिमय करणे बाबत सदर सभा बोलावण्यात आली आहे. महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ च्या कलम १० (१) (ड) नुसार मा.आयुक्त धुळे महानगरपालिका यांनी प्रत्येक नगरसेवकास त्या नगरसेवकांनी वैयक्तीकरित्या केलेल्या बांधकाम परवानगी व भोगवटा प्रमाण पत्राच्या संदर्भात पत्र वजा नोटीस बजावली आहे त्या अनुषंगाने महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम ११ नुसार जर नियमांचे उल्लंघन झालेले असेल तर त्या नगरसेवकांस धुळे महानगरपालिका धुळे च्या नगरसेवक पदी राहण्यास अपात्र ठरविण्यात येईल असे नमूद आहे.

महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १२(१) नुसार नगरसेवकांच्या अपात्रतेसंदर्भात महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १० व ११ नुसार अपात्रतेच्या संदर्भात निर्णय घ्यावयाचा असेल तर त्यावेळी सदर वादग्रस्त मुद्याची योग्य ती चौकशी होणे आवश्यक आहे.सर्व सन्मा.सदस्यांच्या चर्चेनुसार सदर बेकायदेशीर बांधकामाच्या अनुषंगाने मा.आयुक्त धुळे महानगरपालिका धुळे यांनी नगरसेवकांच्या

अपात्रते संदर्भात होणा-या चौकशीच्या अनुषंगाने चौकशी अर्ज योग्य त्या न्यायालयाकडे कलम १२(१) नुसार अग्रेषित तथा शिफारस करण्यास मान्यता देण्यांत येत आहे. तसेच भोगवटा प्रमाणपत्र व करण्यांत आलेले बांधकाम या दोन्ही बाबी हया प्रत्येक नगरसेवकाच्या संदर्भात वैयक्तीक असल्याकारणाने प्रत्येक नगरसेवकाने त्यांचे वैयक्तीक मुद्दे सक्षम प्राधिकरणाकडे सादर करावे.

तसेच तत्कालीन नगरपालिका व महानगरपालिकेमार्फत धुळे शहर हद्दीतील नागरीकांना नळ कनेक्शन किंवा मालमत्ता कर लागू करण्यापूर्वी प्रशासनाने संबंधितांना भोगवटा प्रमाणपत्र देणे आवश्यक तथा नियमाप्रमाणे बंधनकारक होते. तथापि प्रशासनाने वेळोवेळी याबाबत आवश्यक ती कार्यवाही न केल्याने आजच्या स्थितीत सदरचा प्रश्न निर्माण झालेला आहे. या निर्माण झालेल्या परिस्थितीला तत्कालीन अधिकारी व प्रशासन जबाबदार आहेत. त्यामुळे याबाबत संबंधित अधिकारी तथा कर्मचारी यांच्यावर आयुक्त यांनी कार्यवाही करावी.

तसेच विद्यमान उपमहापौर श्री.फारुक शाह अन्वर शाह यांच्यावर आयुक्त यांनी केलेल्या अनर्हतेसंदर्भातील कार्यवाही बाबतही महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम १९४९ चे कलम १२(१) नुसार अंमलबजावणी करावी.

सर्वानुमते मंजुर,
सही/-x x x
महापौर,
धुळे महानगरपालिका,धुळे